दृक्सिद्धं निरयणञ्च चित्रापक्षीयमुत्तमम् । "विद्यापीठस्य पञ्चाङ्गम्" भूमौ विजयतेतराम्॥

ISSN 2229-3450

दृक्सिद्ध निरयण भारतीय







राजा-सूर्य

विक्रम संवत्-२०७५
शक-संवत्-१९४०

मन्त्री-शनि

भा०गणराज्य-संवत् ७१-७२
ईशवीय-सन् २०१८-२०१९

M.Katyayana

विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली - ११००१६

वर्ष : ३६

संवत्सर - विरोधकृत्

मूल्य रू. ५०/-

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित-विश्वविद्यालय)
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110 016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत-विद्यापीठ, नई दिल्ली-१६

संक्षिप्त-परिचय

भारत की राजधानी दिल्ली में एक अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत-संस्थान के अभाव की पूर्ति के लिए स्वर्गीय ''प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी'' की प्रेरणा से अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन ने विजयदशमी विक्रम-संवत् २०२० को संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। उस समय इस विद्यापीठ का नाम अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया और भारत के तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी ने इसके शासन निकाय की अध्यक्षता स्वीकार की। स्वर्गीय श्री शास्त्री जी की प्रेरणा एवं उनकी संस्कृत तथा भारतीय संस्कृति में गहन रुचि से विद्यापीठ की समस्त प्रवृत्तियों को बड़ा बल मिला और अपनी स्थापना के दो-तीन वर्षों में ही इस विद्यापीठ ने देश के संस्कृत-शिक्षण-संस्थानों में अपना विशिष्ट स्थान बना लिया।

उनके निधन के उपरान्त विद्यापीठ की सेवाओं और इस संस्था के साथ शास्त्री जी के ऐतिहासिक सम्बन्धों को ध्यान में रखते हुए दिनांक २ अक्टूबर १९६६ ई० को भारत की तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने भारत सरकार द्वारा इसे अधिग्रहण करने और इसका नाम श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ रखने की घोषणा की। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने स्वयं विद्यापीठ के सभापति पद को स्वीकार किया। उनके सभापतित्व तथा तत्कालीन दिल्ली के उपराज्यपाल डॉ० आदित्य नाथ झा के कार्यवाहक सभापतित्व में इस विद्यापीठ ने प्रगति का एक महत्त्वपूर्ण दौर पूरा किया।

प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की घोषणा के अनुसार भारत सरकार ने शिक्षा मन्त्रालय में स्वायत्तसंस्था के रूप में १ अप्रैल १९६७ को विद्यापीठ का अधिग्रहण कर इसके संचालन के लिए एक सभा नियुक्त की। दिनांक २१ दिसम्बर १९७० ई० से इस विद्यापीठ का प्रबन्ध 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान' के अन्तर्गत दिया गया तब से इस विद्यापीठ का नाम 'श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' रखा गया।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग की अधिसूचना सं. F.२/४५ U.३ दिनांक १६ नवम्बर १९८७ द्वारा इस विद्यापीठ को ''मानित-विश्वविद्यालय'' का स्तर प्रदान कर दिया गया है।

इसके संचालन के लिए श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नाम से एक स्वायत्त समिति का पंजीकरण कर इसकी व्यवस्था उक्त समिति को स्थानान्तरित की गई है। मानित-विश्वविद्यालय के रूप में इसका उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति म. म. रामास्वामी वैंकटरामन् द्वारा २३ फरवरी १९९१ को किया गया। विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति **पद्मश्री श्रद्धेय डॉ. मण्डन मिश्र जी** ने जिस लग्न से इस कल्पवृक्ष का आरोपण किया, वर्तमान में इसके कुलाधिपति **सम्माननीय मनस्वी डॉ. हरिगौतम** जी के कुशल नेतृत्व में यह पल्लवित, पुष्पित एवं फलीभूत हो रहा है।

वर्तमान में यह विद्यापीठ शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री, आचार्य, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि एवं विद्या-वाचस्पति उपाधियों के लिए अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण एवं शोध कार्य की व्यवस्था कर रहा है।

विद्यापीठ ने अब तक ४८८ पी-एच०डी० तथा १०६ उच्चकोटि के प्रकाशन राष्ट्र को समर्पित किए हैं। वर्तमान में ४६५ विद्यार्थी विभिन्न विभागों में शोध के लिए पंजीकृत हैं, जिनमें ३७ छात्र ज्योतिष शास्त्र के विविध विषयों पर शोधकार्य कर रहे हैं। जुलाई २०१३ से ज्योतिष विभाग द्वारा षाण्मासिक **'दैवज्ञ-ज्योतिषमञ्जूषा'** शोध-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। विद्यापीठ के प्राध्यापकों एवं शोधकर्ताओं के शोधात्मक आलेख त्रैमासिक शोध पत्रिका **''शोधप्रभा''** में भी प्रकाशित किये जाते हैं।

प्रस्तावना

भारतीय ज्योतिष-शास्त्र की एक प्रमुख विशेषता है, कि यह प्रत्यक्ष शास्त्र है। सौरमण्डलीय ग्रहों की गति, स्थिति, उदय, अस्त, मार्गत्व, वक्रत्व, ग्रहण एवं चन्द्रकलाओं की ह्रास-वृद्धि आदि कुछ ऐसी घटनायें हैं, जो हजारों-हजारों वर्षों से इसकी प्रत्यक्षता की गवाही दे रही हैं। ज्योतिष-शास्त्र में प्रत्यक्षता का अर्थ होता है - **''गणितागत परिणाम का ज्यों का त्यों दिखलाई देना।''** उदाहरणार्थ जिस समय गणित से पूर्णिमा आए और उस समय चन्द्रमा का परिपूर्ण बिम्ब दिखलाई दे अथवा जिस समय सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण गणित से निकाला जाए और उसी समय सूर्य या चन्द्रमा का ग्रहण पड़े अथवा गणित से ग्रहों के उदयास्त का जो समय बतलाया जाए, उसी समय ग्रहों का उदयास्त हो, इस प्रकार के गणितागत परिणामों का यथावत् घटित होना प्रत्यक्षता कही जाती है।

'प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रम्' की उद्घोषणा करने वाले वसिष्ठ एवं पाराशर प्रभृति महर्षियों ने इस प्रकार के सत्यों एवं सिद्धांतों को दो प्रकारों से ज्ञात किया था। १-अन्तर्दृष्टि (Intuition) एवं, २-पर्यवेक्षण (Observation)। अन्तर्दृष्टि या दिव्यदृष्टि एक ऐसी वैयक्तिक क्षमता है, जिसके द्वारा विचार-तरंगों में आन्दोलित तथ्यों को यथावत् आत्मसात् किया जा सकता है। तथ्य एवं सत्य दोनों को जानने की यह एक सयुक्तिक विधा है। क्योंकि यह विचारणीय पदार्थ के विहित गुण-दोषों का ही विवेचन नहीं करती, वरन् यह सर्वथा उदासीन या तटस्थ रहकर उसके सम्पूर्ण स्वरूप का यथावत् अवलोकन भी करती है। इसलिए अन्तर्दृष्टि अभिज्ञान (Intuitive Cognition) में सदैव एक मौलिक प्रकार की निश्चिन्तता एवं विश्वसनीयता पाई जाती है।

हमारे महर्षियों ने इसके साथ-साथ पर्यवेक्षण का सतत उपयोग किया था। वे अकेली-अकेली एवं सामूहिक घटनाओं को बार-बार घटित होने वाली ग्रहों की गतिविधियों के प्रकाश में ध्यानपूर्वक देखते थे और ग्रहों की गतिविधियों की आवृत्ति के साथ-साथ उनकी जनसमुदाय पर पड़ने वाली शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाओं का अवलोकन करते थे। इस प्रकार सैंकड़ों वर्षों के पर्यवेक्षण ने क्रान्तिद्रष्टा ऋषियों को समाहित कर दिया, कि राशिचक्र की राशिविशेष में ग्रहविशेष की विशिष्ट गतिविधि का तत्काल जन्म लेने वाले एवं जीवित मानवों पर एक सविशेष प्रकार का प्रभाव पड़ता है।

इस प्रकार की अन्तर्दृष्टि एवं पर्यवेक्षण की विधियों में ग्रह-नक्षत्रों की समस्त गतिविधियों एवं उनके मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का एकत्र संकलित स्वरूप भारतीय ज्योतिषशास्त्र है। यदि संक्षेप में कहा जाए तो यह शास्त्र उन सत्यों एवं सिद्धांतों का ज्ञानकोष है - जिनके द्वारा ग्रह-नक्षत्रों की समस्त गतिविधियों एवं उनके समस्त परिणामों को जाना जा सकता है। भारतीय ज्योतिष-शास्त्र के मनीषियों की यह सर्वसम्मत मान्यता है, कि जीवन में घटित होने वाली समस्त घटनायें ग्रह-नक्षत्रों की गतिविधियों के साथ सापेक्षता रखती हैं।

ग्रहों की गति एवं स्थिति को काल कहते हैं। चूँकि यह शास्त्र ग्रहों की गतिविधि अर्थात् काल तथा जीवन में घटित होने वाली घटना अर्थात् उसका परिणाम इन दोनों के बारे में सांगोपांग विवेचन करता है, अतः यह कालविज्ञान कहलाता है। काल के विविध मानों में तिथि, नक्षत्र, योग, करण एवं वार - ये पाँच अंग प्रधान होते हैं, जिन्हें पञ्चाङ्ग कहते हैं। इनकी जानकारी के बिना न तो श्रौत एवं स्मार्त्त कर्मों का विधान किया जा सकता है और न ही नित्य, नैमित्तिक एवं प्रायश्चित्त कर्मों का अनुष्ठान किया जा सकता है। सभी प्रकार के व्रत, पर्व एवं उत्सवों की जानकारी हमें पञ्चाङ्ग से ही मिलती है। अतः समस्त धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों के यथासमय सम्पादन में पञ्चाङ्ग हमारी सर्वाधिक सहायता करता है।

पञ्चाङ्ग में तिथ्यादि के मानों को अप्रत्यक्ष या अदृश्य कहकर उनकी स्थूल गणना, मकरन्द एवं ग्रहलाघव आदि की सारिणियों से करने के आग्रह और प्रमाण के लिए सूर्य-सिद्धांत का उल्लेख किया जाता है, जबकि सूर्य सिद्धांतकार दृक्तुल्यता के समर्थक हैं, यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

इसके साथ-साथ सिद्धान्त ग्रन्थों के प्रणेता प्रायः सभी आचार्यों ने दृक्तुल्य ग्रहों के द्वारा तिथ्यादि आनयन को व्रत-पर्व, एवं उत्सवों के लिए उपयोगी माना है,

यथा - यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम् ॥ - वशिष्ठ

यात्राविवाहोत्सवजातकादौ खेटैः स्फुटैरेव फलस्फुटत्वम्।
स्यात्प्रोच्यते तेन नभश्चराणां स्फुटक्रिया दृग्गणितैक्यकृद्या॥-भास्कराचार्य

तेभ्यः स्याद् ग्रहणादिदृक्समपियं प्रोक्ता मया सा तिथिः।
ग्राह्या मंगलधर्मनिर्णयविधावेषा यतो दृक्समा॥ -तिथिचिन्तामणि

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रवर्तित शास्त्रचूड़ामणि योजना में राष्ट्रपति-सम्मानित ज्योतिष यन्त्रालय जयपुर के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. म.म. पं० कल्याणदत्त शर्मा जी की सेवायें इस विद्यापीठ को प्राप्त हुईं । श्री शर्मा जी वेधशाला एवं भारतीय गणित के प्रमुख विद्वान् थे। उनके अहर्निश चिन्तन एवं प्रयत्न से विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग का श्रीगणेश हुआ।

श्री शर्मा जी को भी इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एक कर्मठ एवं शास्त्रीय परम्परा में निष्णात प्रो. ओंकारनाथ चतुर्वेदी जी का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। परिणाम स्वरूप इन दोनों विद्वानों ने सन् १९८२ ई. के ग्रीष्मावकाश में अथक परिश्रम से वि. संवत् २०४० के पञ्चाङ्ग-गणित का कार्य सम्पन्न करके इसे सम्पादन के लिए तत्कालीन ज्योतिष- विभागाध्यक्ष प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी जी को सौंपा। प्रो. चतुर्वेदी जी ने शीघ्र ही इसका सम्पादन करके विद्यापीठ पञ्चाङ्ग के प्रकाशनार्थ पञ्चाङ्ग गोष्ठी का प्रस्ताव विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति एवं तत्कालीन प्राचार्य श्रद्धेय पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र जी को प्रस्तुत किया।

दिनांक ५ अक्टूबर १९८२ को विद्यापीठ में सम्पन्न पञ्चाङ्गगोष्ठी के अनुसार इस पञ्चाङ्ग का निर्माण ग्रीन्विच से पूर्वी रेखांश ७७°-१२', उत्तरी अक्षांश २८°-३८' अर्थात् भारत की राजधानी दिल्ली को आधार मानकर चित्रापक्षीय एवं निरयण पद्धति से किया गया है। इस पञ्चाङ्ग में दैनिक स्पष्टग्रह, दैनिक लग्नसारिणी, जन्म-पत्री एवं वर्षफल के निर्माण की सुगम सारिणियाँ, उत्तरी भारत के प्रमुख नगरों की लग्न सारिणियाँ, व्रत-पर्व एवं उत्सवों की वर्गीकृत सूची, मांगलिक मुहूर्तों की तालिका, राहुकाल, लोकभविष्य एवं मेलापक जैसे लोकोपयोगी विषयों का समावेश किया गया है, जो एक प्रमुख पञ्चाङ्ग के लिए आवश्यक होते हैं।

वि. संवत् २०७५ के विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग के व्रत-पर्व एवं उत्सवों का धर्मशास्त्रीय नियमों के आधार पर निर्णय करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन दिनाङ्क २२, २३, एवं २४ अगस्त २०१७ को विद्यापीठ में किया गया, जिसमें प्रो. ओंकारनाथ चतुर्वेदी, प्रो. रामचन्द्र झा, प्रो. सदानन्द शुक्ल, प्रो. चन्द्रमा पाण्डेय, प्रो. वेद प्रकाश उपाध्याय, प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी, प्रो. वासुदेव शर्मा प्रभृति बाह्य विद्वानों के अतिरिक्त विद्यापीठ के वेद-वेदाङ्ग सङ्कायप्रमुख प्रो. हरिहर त्रिवेदी, वास्तुशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु भूषण पण्डा एवं डॉ. यशवीर सिंह ने भाग लिया। इसका सम्पादन प्रो. प्रेम कुमार शर्मा एवं प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने विभागीय अन्य विद्वानों प्रो. विनोद कुमार शर्मा, प्रो. नीलम ठगेला, डॉ. दिवाकर दत्त शर्मा, डॉ. परमानन्द भारद्वाज, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. रश्मि चतुर्वेदी एवं डॉ. राजेश शर्मा के सहयोग से सम्पन्न किया। पञ्चाङ्ग के प्रकाशनार्थ कुलसचिव श्रीमती रेणु बत्तरा, उपकुलसचिव लेखा श्री अजय कुमार टण्डन का प्राशासनिक कार्यों में अद्वितीय सहयोग रहा है। मैं इन सभी महानुभावों को धन्यवाद देता हूँ। विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग का यह छत्तीसवाँ अंक विज्ञजनों के हाथों में समर्पित करते हुए मैं अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। आशा है आपका आशीर्वाद एवं परामर्श हमारे इस प्रयास को और अधिक उपयोगी बनाने में सहायक होगा।

पौष शुक्ल तृतीया, गुरुवार
दिनाङ्क २१ दिसम्बर २०१७ ई०

M.Katyayana

प्रो० रमेश कुमार पाण्डेय
कुलपति
प्रधान-सम्पादक

◈ विद्यापीठ पञ्चाङ्ग ◈ विषय-सूची ◈ विक्रम संवत् २०७५ ◈

संक्षिप्त-परिचय १
प्रस्तावना २-३
विद्यापीठ-पञ्चाङ्ग की विषय सूची ४
संवत्सरादि फल ५-१३
शनि की साढ़ेसाती व ढ़ैय्या का फल १३-१५
आय-व्यय बोधक चक्र १६
मेषादि द्वादश राशियों का मासिक फल १७-३३
वि० संवत् २०७५ के व्रत-पर्व एवं उत्सव ३४-४४
वि० संवत् २०७५ के वर्गीकृत व्रत-पर्वों की सूची ४५-४६
ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार वि० सं.-२०७५ ४७-४८
ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त ४९
सर्वार्थसिद्धि-गुरुपुष्य-रविपुष्य-त्रिपुष्कर
द्विपुष्कर-अमृतसिद्धि, सिद्धियोग
एवं अमृतयोग ५०-५७
वि.सं. २०७५ दैनिक राहुकाल सारिणी ५८-६१
क्रांति-चर-वेलान्तर-स्पष्टान्तर सारिणी ६२-६५
वि० संवत् २०७५ के ग्रहण का विवरण ६६-६८
संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय वि० संवत् २०७५ ६९-७२
वि.सं. २०७५ के माङ्गलिक मुहूर्तों का विवरण ७३
वि.सं. २०७५ के विवाहादि मुहूर्त ७४-८५
गण्ड-मूलादि जन्म विचार ८६
विक्रम-संवत् २०७५ का पञ्चाङ्ग ८७-११२
वि० संवत् २०७५ के दैनिक स्पष्ट ग्रह ११३-१२६
दैनिक लग्न सारिणी १२७-१३२
षड्वर्ग-चक्र १३३-१३४
विंशोत्तरीदशा सारिणी १३५
विंशोत्तरी-दशान्तर्दशा-चक्र १३६
नवीन-प्राचीन वर्ष-प्रवेश सारिणी १३७
मुद्दादशा, योगिनीमुद्दादशा, त्रिराशिपति-चक्र १३७
वर्षफल निर्माण-विधि १३८
लग्नसारिणी अक्षांश १३९-१४४
दशमलग्नसारिणी १४५
ग्रहमैत्री-चक्र, सिद्धयादियोग-चक्र,
अन्धाक्षादिसंज्ञा, शिववास १४६
विविध मुहूर्तों का विचार १४७
गर्भाधान, पुंसवन-सीमन्त, स्तनपान
का मुहूर्त्त १४७
जलपूजन जातकर्म-नामकरण, निष्क्रमण तथा
भूमि पर प्रथमोपवेशन का मुहूर्त्त-विचार १४७-१४८
अन्नप्राशन,कर्णवेध तथा मुण्डन संस्कार
का विचार १४९
नासिकाछेदन, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भमुहूर्त्त
का विचार १५०
उपनयन, विवाह-संस्कार का विचार १५१
वर-कन्या का जन्मपत्रिका मेलापक, दुष्टभकूट,
गणकूट, ग्रहकूट का परिहार १५२
नाड़ी-गणदोष का परिहार, वरवरण, कन्या-वरण
का मुहूर्त्त एवं विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि १५३
वधूप्रवेश तथा द्विरागमन-मुहूर्त्त का विचार १५४
जन्माक्षर-चक्र १५५-१५७
मेलापक-सारणी १५७-१६१
मंगलीदोष-विचार, मंगलीदोष-परिहार १६२
विवाहादि कार्यों में सूर्य, चन्द्र व गुरु
का अष्टक-वर्ग, यात्रा मुहूर्त्त विचार १६३
चन्द्रवास, योगिनीवास, दिक्शूल, नक्षत्र-शूल,
लग्न-विचार व यात्रा प्रस्थान-विचार १६४-१६५
राहुमुखज्ञान, गृहारम्भ विचार १६५
चौघड़िया मुहूर्त्त-चक्र १६६
चैत्रादि मासानुसार गृहारम्भ फल, वत्स-चक्र,
कुआं खोदने या नल लगाने का मुहूर्त्त १६७
द्वारस्थापन विचार, जीर्ण-नूतन गृह प्रवेश-
मुहूर्त्त, कुम्भ-चक्र व दूकान (विपणि) मुहूर्त्त १६७-१६८
व्यापार प्रारम्भ, नौकरी, मुकदमा, मशीनरी,
पशुक्रय, मन्दिर निर्माण व
जलाशयारामसुरप्रतिष्ठा मुहूर्त्त १६९
चुल्लिचक्र विचार, हल प्रवहण मुहूर्त्त,
बीजवपन मुहूर्त्त, राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र,
औषधसेवन मुहूर्त्त, वाहन आरोहण मुहूर्त्त १७०
ग्रहों के दान समय, जपसंख्या, जपनीय-
मन्त्र एवं हवन-समिधा ज्ञानार्थ-चक्र १७१
भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश,
रेखांश एवं देशान्तर १७२-१७३
लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा
स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि १७३
लघुरिक्थ सारिणी १७४-१७५
अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने
की विधि १७६-१७७
विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरल)
गिरने का फल एवं उपचार, छींक विचार १७८
जन्मकुण्डली एवं वर्ष कुण्डली में
द्वादशभावस्थसूर्यादि ग्रहों का फल १७९
व्रतपर्वोत्सव निर्णय समिति १८०

श्रीमङ्गलमूर्त्तये नमः

श्रीवाग्देवतायै नमः

सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च

सोमसूर्यानिलाकल्पामकल्पामिन्दुशेखराम्।
पञ्चबिन्दुं हरेः शक्तिं पञ्चकृत्यकरीं नुमः॥
पञ्चदेवात्मको भूत्वा पञ्चशक्तिसमन्वितः।
पञ्चसृष्टिमधिष्ठाय प्रपञ्चरहितोऽवतु ॥
प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद् ध्वजारोपणम्
स्नानं मङ्गलमाचरेद्द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ।
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवाऽलङ्कारवस्त्रादिभिः
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च शृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम्॥
पारिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः॥
मरीचिहिङ्गुलवणजीरकेण च संयुतम्।
अजमोदायुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये॥

संवत्सरादिफलश्रवणमाहात्म्यम्-

राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवात् कौशलं,
धान्येशाद् विमला स्थिरा च सुरसावाणी भवेन्मेघपात्।
धर्मे बुद्धिरधिष्ठिता रसपतेर्दीर्घायुषत्वं भवेत्,
सस्येशाद् विमलामतिः शुभकरी राजा बलिः श्रूयताम्॥

अथ कल्पादितो गतवर्षाणि १९७२९४९११९ सृष्टितो गताब्दाः १९५५८८५११९ कृतयुगप्रमाणं १७२८००० अस्मिन् युगे श्रीविष्णुमत्स्यकच्छपवराहनृसिंहाऽवताराः। त्रेतायुगप्रमाणं १२९६००० युगेऽस्मिन् श्रीवामनपरशुराम-रामचन्द्राऽवताराः। द्वापरयुगप्रमाणं ८६४००० अस्मिन् युगे कृष्णबलरामावतारौ। कलियुगप्रमाणं ४३२००० तन्मध्येऽहिंसाव्रती श्री बुद्धाऽवतारोऽभवत्। साम्प्रतं गतकलिवर्षाणि ५११९ भोग्यवर्षाणि ४२६८८१ । कलियुगस्य ८२२ वर्षावशेषकाले कल्क्यवतारः स्यात्।

कार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमप्रहरे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ० पुण्यं २०। वैशाखशुक्लतृतीयायां चन्द्रे रोहिणीनक्षत्रे द्वितीयप्रहरे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः। तत्र पापं ५ पुण्यं १५। माघकृष्णामावस्यायां शुक्रे तृतीयप्रहरे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयान्योगे द्वापरोत्पत्तिः। तत्र पापं १० पुण्यं १०। भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां रवौ कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपातयोगे निशीथे कलियुगोत्पत्तिः। तत्र पापं १५ पुण्यं ५।

श्रीरामरावणयुद्धतो गता वत्सराः ८८०१६० । श्रीकृष्णावतारतो गताब्दाः ५२५४ । महाभारतयुद्धतो गताब्दाः ५११९ । श्रीमहावीर (जैन) निर्वाणसम्वत् २५४३ - २५४४ । श्रीबुद्धसम्वत् २६४१ -२६४२ । श्रीमन्नृपतिवीर-विक्रमादित्यराज्यात् गताब्दाः २०७४ । श्रीशालिवाहनराज्यात् गताब्दाः १९३९ , श्रीलक्ष्मणसम्वत् ९०९-९१० । अंग्रेजीसम्वत् २०१८ - २०१९ ई. सन्, फसली सन् १४२५ - १४२६ । तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादि षष्ट्यब्दानां मध्ये 'विरोधकृत्' नामसम्वत्सरः। तत्र मेषाऽर्कसमये गतमासादिः ०/११/०६/१४/२४ भोग्यमासादिः ११/१०/५३/४५/३६ सङ्कल्पादौ वर्षान्तं यावत् 'विरोधकृत्' नाम सम्वत्सरः प्रयोक्तव्यः। चन्द्रदेवदैवतं युगम्। वर्षनाम 'वैशाख' इति। मेघनाम पुष्करः। रोहिणीनिवासः सन्धौ। समयनिवासः वणिक्गृहे । भारतीयगणराज्य-सम्वत् ७१ - ७२ ।

आकाशस्थ ग्रहमन्त्रिपरिषद्

(विभागाधिकारियों के नाम तथा उनके शुभाशुभ फल)

'विरोधकृत्' सम्वत्सर का फल-

वर्षन्ति वारिदाः देवि। देशे भूखण्डमण्डले।
कान्यकुब्जे ह्यहिक्षेत्रे विरोधी कृषिनाशकः ॥

विरोधकृत नामक सम्वत्सर में खण्डवृष्टि होती है तथा कान्यकुब्ज और अहिक्षेत्र (नागपुर) में कृषिकार्य में विशेष हानि होती है।

विरोधकृद्वत्सरे तु परस्परविरोधिनः ।
राजानो मध्यमावृष्टिः प्रजा स्वस्था निरन्तरम् ॥

विरोधकृत् नामक सम्वत्सर में सभी राजा परस्पर विरोधी हो जाते हैं, वर्षा मध्यम होती है और जनवर्ग स्वस्थचित्त रहता है।

माधवो वर्षते देवि देशे च खण्डमण्डले ।
अहिक्षेत्रे कान्यकुब्जे विरोधे कृषिनाशकृत् ॥

बृहज्ज्यौतिषसार के अनुसार विरोधकृत् सम्वत्सर का फल-

विरोधकृत् सम्वत्सर में परस्पर विरोधी भाव की वृद्धि हो जाती है। दुनिया भर के साधारण प्रजाजनों से लेकर राजाओं तक में द्वेष भाव पैदा हो जाता है तथा अन्न का मूल्य साधारण और वृष्टि भी साधारण ही होती है।

विरोधकृद्वत्सरे तु परस्परविरोधिनः।
सर्वे जना नृपाश्चैव मध्यसस्यार्घवृष्टयः॥

देवकीनन्दन विरचित बृहज्ज्यौतिषसार के अनुसार विरोधकृत् नामक सम्वत्सर का फल सामान्य होता है।

-'त्रिषष्ठे तु समं ज्ञेयम्'

संहिता के अनुसार रोधकृत सम्वत्सवर में चित्रवृष्टि (कहीं-कहीं पर वृष्टि और कहीं-कहीं पर अवृष्टि) और धान्य की उत्पत्ति होती है।

यः पञ्चमो रोधकृदित्यथाब्दश्चित्रं जलं तत्र च सस्यसम्पत् ॥

राजा सूर्य का फल-

सूर्ये नृपे स्वल्पजलाश्च मेघाः स्वल्पं धान्यमल्पफलाश्च वृक्षाः।
स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीडा चौराग्निबाधा निधनं नृपाणाम्॥

यदि सम्वत् का राजा सूर्य हो तो अल्प वर्षा होती है, अन्न तथा फल का उत्पादन भी कम होता है। गायें अल्प दूध देने वाली, जनता को पीड़ा, चोर तथा अग्नि का भय तथा राजाओं का मरण होता है।

अब्देश्वरश्च भूपो वा सस्येशो वा दिवाकरः ।
तस्मिन्नब्दे नृपक्रोधः स्वल्पसस्यार्घवृष्टिकृत् ॥

यदि सम्वत् का राजा सूर्य हो तो उस वर्ष में राजा क्रोध युक्त, अन्न कम उपजे तथा वृष्टि कम होती है। बृहज्ज्यौतिषसार के अनुसार सम्वत् का राजा सूर्य हो तो वह निश्चित रूप से दुःख देने वाला होता है।

- खलु दुःखप्रदो रविः।

मकरन्द के अनुसार सम्वत् का राजा सूर्य होने पर विविध प्रकार के ज्वर ताप, सूर्य एवं अग्नि भय से पृथिवी डोलती है, मेघ अल्पवृष्टिप्रदायक होते हैं। प्रत्येक दिशा में बिजली गिरने की आशंका बनी रहती है, राजा देश विवाद और परिजन मोहवश भयभीत रहते हैं तथा चौरभय, व्याघ्रभय और सर्पभय होता है अर्थात् हिंसक प्राणियों की वृद्धि से पृथ्वी नष्ट होती है।

मन्त्री शनि का फल-

रविसुते यदि मन्त्रिणि पार्थिवा विनयसंरहिता बहुदु:खदा:।
न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं धनजं क्वचित्॥

यदि सम्वत्सर का मन्त्री सूर्य हो तो राजा लोग विनय रहित, जनता को दुख देने वाले होते है। वर्षा की कमी से जनता त्रस्त होती है तथा धन से संबन्धित सुख जनता को कम प्राप्त होता है।

शनौ मन्त्रिगते देवि। नश्यन्ते गोकुलं प्रिये ।
व्यवहारा विनश्यन्ति विह्वला भूतदेवता:॥
असत्यवादा दृश्यन्ते नानाज्ञानपदा: प्रिये ।
मेघो न वर्षते तत्र सौराष्ट्रे पूर्वसागरे ॥

सम्वत्सर का मन्त्री शनि होने से गाय आदि पशुओं का विनाश, प्रजाओं में परस्पर वैर, असत्यवादियों का साम्राज्य तथा गुजरात एवं ओडिशा में विशेष रूप से अनावृष्टि होती है।

मेघो घोररवं करोति विविधं स्वल्पं प्रयच्छेज्जलं
दुष्टानां विजयो महाजनपदा विख्यातनाशास्पदा: ।
धर्माणां खलु विप्लवो नरपति: संक्षोभलोभाकुल:
सर्पश्वापदवेष्टिता च वसुधा सम्वाहके सूर्यजे ॥

शनि के मन्त्री के होने पर मेघ अधिक गरजते हैं किन्तु अल्पवृष्टि कारक होते हैं। दुष्टों की विजय तथा श्रेष्ठ लोगों का विनाश होता है। धर्म का विनाश, राजवर्ग क्षोभ-लोभ से व्याकुल और सर्पादि हिंसक प्रणियों से धरा व्याप्त होती है।

सस्येश चन्द्र का फल-

सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघ: पयो मुंचति गोपगोधुक् ।
देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा ॥

सम्वत्सर का सस्येश चन्द्रमा हो तो जनता को सुख, अच्छी वर्षा, गायों के दूध से गोपालक सुखी, राजा देव - ब्राह्मणों की पूजा मे तत्पर तथा पृथ्वी धन्य धान्य से परिपूर्ण रहती है।

राज्ञा राज्ञे न तत्रैव युद्धते घोरदारूणम् ।
शीतादधित्तदा ज्ञेयं मेघो वर्षति वै भृशम् ॥

सम्वत् का सस्येश चन्द्र होने पर राजाओं मे परस्पर घोर युद्ध होते हैं।, शीताधिक्य एवं अत्यधिक वर्षा होती है।

धान्येश सूर्य का फल-

सूर्ये धान्याधिपे जाते अल्पतोयप्रदा घना: ।
माषमुद्गतिलानां च महर्घ जायते ध्रुवम् ॥

सम्वत्सर का धान्येश सूर्य होने से न्यून वर्षा होती है तथा उड़द, मूँग तथा तिल के भाव निश्चित रूप से महंगे होते है।

सूर्ये धान्याधिपे जाते अल्पतोयप्रदा घना: ।
माषमुद्गतिलानां च महर्घ श्रृणु सुन्दरि ॥

दुर्गेश शुक्र का फल-

रविसुते गढपालिनि विग्रहो सकलदेशगताश्रलिता जना:।
विविधवैरिविशेषितनागरा: कृषिधनं न लभेद्भुवि कश्चन ॥

यदि दुर्गेश शुक्र हो तो शासक तथा जनता को बहुत सौख्य सभी विनम्र, व्यापारी तथा अन्य लोग सभी समान सुखी, घर या वन, बहुत दूर या निकट कहीं भी जाने पर लोगों को समान रूप से सुख मिलता है।

मेघेश शुक्र का फल-

भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलयुता जलदा दिवि शोभिनः ।
धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनतासुखदायकाः ॥

यदि शुक्र मेघेश हो तो जल से पूर्ण मेघ आकाश में सुशोभित दिखाई देते हैं, द्विजपालक लोग धन-धान्य सम्पन्न तथा शासक वर्ग जनता को सुख देने वाला होता है।

कोद्रवः मुद्गमाषाश्च कङ्गुनीयपशालयः ।
माधवो वर्षते देवि शुक्रे मेघाधिपे सति ॥

मेघेश शुक्र हो तो सुवृष्टि होती है तथा कोदो, मूँग, उड़द, कंगनी, यव एवं धान्य आदि का खूब उत्पादन होता है।

शुक्रे शस्ययुता पृथ्वी जलदास्तोयवर्षिणः ।

दैवज्ञ नारायण के अनुसार यदि शुक्र मेघेश हो तो सुवृष्टि एवं अनाज का उत्पादन अधिक मात्रा में होता है।

रसेश बुध का फल-

रसपतौ द्विजराजसुवे मही सुलभधान्यधृतादियुता जनाः ।
प्रमुदिता बरनायकपालिता बहुजलश्विलदेशसुरक्षिताः ॥

यदि रसेश बुध हो तो कृषि अन्न तथा घी आदि भोज्य सामाग्रियाँ सुलभ होती है। श्रेष्ठ शासकों से परिपालित जनता प्रसन्न, बहुत वृष्टि तथा सम्पूर्ण देश सुरक्षित होता है।

नीरसेश चन्द्र का फल-

शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम् ।
अर्घवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ॥

यदि चन्द्रमा नीरसेश हो तो श्वेत पदार्थो, मोती, चाँदी तथा वस्त्रों के मूल्य मे वृद्धि होती है।

घृतं तैलं गुडं क्षौद्रं पयश्च दधिशर्करा ।
सर्व समर्घतां याति चन्द्रे यदि रसाधिपे ॥

चन्द्र के रसेश होने पर घृत, तेल, गुड, ईख, दुग्ध, दही एवं चीनी आदि सभी पदार्थो के मूल्य में वृद्धि होती है।

फलेश गुरु का फल-

सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः ।
यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ॥

यदि गुरु फलेश हो तो जनता भयहीन, सभी वृक्ष समूहों में फल-पुष्प की वृद्धि, घरों में यज्ञ-यागादि उत्सव तथा द्विजगण वेद सम्मत कार्य करते हैं।

धनेश चन्द्र का फल-

धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसचयात्क्रयविक्रयतो धनम् ।
वसनशालिसुगंधनजं बहु द्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम् ।

यदि चन्द्रमा धनेश हो तो रस पदार्थो के क्रय-विक्रय से लाभ होता है।, वस्त्र, धान, सुगन्धित पदार्थो तथा तेल घी के व्यापार से लाभ तथा राजाओं को सुख की प्राप्ति होती है।

वैशाख नामक वर्ष का फल–

वैशाखे धर्मरता विगतभयाः प्रमुदिताः प्रजाः सनृपाः ।
यज्ञक्रियाप्रवृत्तिर्निष्पत्तिः सर्वसस्यानाम् ॥

वैशाख वर्ष में समस्त प्रजा राजाओं के साथ धर्मनिरत, भयरहित, आनन्दयुक्त और यज्ञ–यागादि धार्मिक कार्यों में प्रवृत्त रहती है तथा समस्त धान्यों की वृद्धि होती है।

महर्षि नारद के अनुसार वैशाख वर्ष का फल–

वैशाखे धर्मनिरता राजानः सप्रजो भृशम् ।
निष्पत्तिः सर्वसस्यानामभयोद्युक्तचेतसः ॥

महर्षि गर्ग के अनुसार बैशाख वर्ष का फल–

ईतयः प्रशमं यान्ति सन्धि कुर्वन्ति पार्थिवाः ।
वैशाखे तु सस्यजन्यः वृष्टयः सम्भवन्ति हि ॥

वैशाख नामक वर्ष में सभी प्रकार की ईतियाँ समाप्त हो जाती हैं। राजा लोग परस्पर सन्धि कर लेते हैं तथा निश्चित रूप से धान्यजन्य वृष्टि की संभावना रहती है।

सम्वत् (समय) का वास–

सम्वत् 2075 में रोहिणी वास सन्धि में होने से समय वास वैश्य के घर में होगा।

सम्वत् वास का फल–

वैश्य के घर में समय का वास शुभ नहीं होता है।

–वणिक् गृहे शुभं नाऽस्ति ।

समय का वास वैश्य के घर में होने से समस्त अनाज महँगे हो जाते हैं।

–सर्वधान्यं महर्घं स्यात् वणिक् वेश्मनि संस्थिते ।

सम्वत् का वाहन–

चैत्र शुक्लपक्ष प्रतिपदा को जो वार होता है, वही उस सम्वत् का राजा होता है। इस प्रकार सम्वत् 2075 का राजा सूर्य होगा। सम्वत् का राजा सूर्य होने से सम्वत् 2075 का वाहन अश्व होगा।

सम्वत् वाहन का फल–

सम्वत् का वाहन अश्व (घोड़ा) होने से कहीं बहुत अधिक और कहीं बहुत कम वर्षा होती है। कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वृष्टि के कारण भूस्खलन, बाढ़, भूकम्प, कृषि हानि आदि प्राकृतिक प्रकोपों का भय बना रहेगा तथा कुछ क्षेत्रों में अल्प वर्षा के कारण दुर्भिक्षजन्य परिस्थितियाँ उत्पन्न होगी। राजनीतिक क्षेत्रों में मतभेद तथा अनिश्चितताएँ रहेंगी। कहीं बड़ा उलट–फेर, छत्रभंग, अधिकांश लोग बाह्य आकर्षणों से आसक्त रहेंगे तथा तापमान में वृद्धि होगी।

राजानो विग्रहं यान्ति वृष्टिनाशो महर्घता ।
भूमिकम्पो भयं घोरं ह्यारूढे तु वत्सरे ॥

द्वादश नागों में नरेन्द्र नामक नाग का फल–

नरेन्द्र नामक नाग हो तो पृथ्वी वर्षा के जल से परिपूर्ण रहती है।

यत्र सम्वत्सरे नागो नरेन्द्रो नामतः शुभः ।
तदास्थान्निखिला पृथ्वी प्रभूतजलपूरिता ॥

चतुर्मेघ विचार एवं फल–

इस वर्ष आवर्तकादि चतुर्मेघों में से 'पुष्कर' नामक मेघ है। पुष्कर नामक मेघ होने पर चित्र (कहीं अधिक और कहीं कम) वृष्टि होती है।

-पुष्करे चित्रिता वृष्टि:।

दैवज्ञ नारायण के अनुसार पुष्कर नामक मेघ होने पर चित्रितविश्व, चित्रितमेघ, चित्रवृष्टि और चित्रशस्य वृद्धि होती है। अर्थात् चित्र-विचित्र वर्षा एवं उपज होती है।

पुष्करे चित्रितं विश्वं चित्रिता जलदा: सदा ।
चित्रिता तु भवेद्वृष्टि: शस्यवृद्धिस्तु चित्रिता।

नवमेघ विचार एवं फल-

इस वर्ष आवर्तकादि नवमेघों में से द्रोण नामक मेघ हैं द्रोण नामक मेघ होने पर बहुत वृष्टि होती है।

-द्रोणेऽपि बहुवारिद:।

द्रोण नामक मेघ होने पर लोगों में परस्पर वैमनस्य होता है, मेघ उत्तम वर्षा करते हैं, नीच लोगों की उन्नति सन्देहास्पद तथा शस्य का अभाव रहता है।

रोहिणी वास -

विक्रम सम्वत् 2075 में मेष संक्रान्ति का प्रवेश उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में होने से रोहिणी का वास सन्धि में रहेगा।

रोहिणी वास फल-

यदि सन्धि में रोहिणी का वास हो तो खण्ड वृष्टि होती है

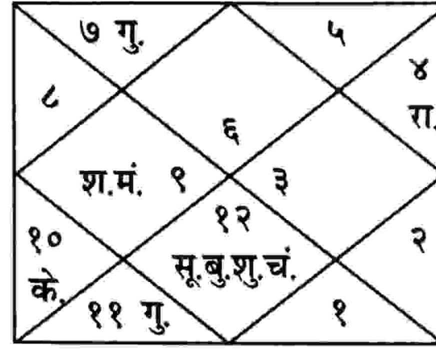
-खण्डवृष्टिश्चसन्धिषु

किन्तु खेती सूखती नहीं है अर्थात् फासलों की अच्छी पैदावार होती है।

सन्धिसंस्थं यदा ब्राह्मभंजायते ।
खण्डवृष्टिस्तदासर्वधान्याप्तय: ॥

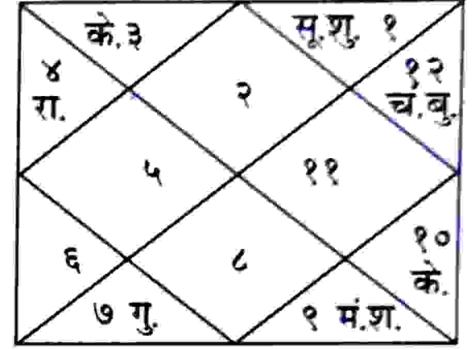
विक्रम शुभ सम्वत् 2075 की प्रवेशकालीन एवं जगत् लग्न कुण्डलियाँ-

नववर्षप्रवेश-कुण्डली



१७ मार्च सन् २०१८ ई०,
१८ घं. ४२ मि. (भा.मा.स.)

जगल्लग्न-कुण्डली



१४ अप्रैल सन् २०१८ ई०,
८ घं. १३ मि.(भा.मा.स.)

गत साधारण नामक विक्रम संवत् 2074 की समाप्ति के अनन्तर 'विरोधकृत्' नामक विक्रम संवत् 2075 का प्रवेश 17 मार्च, 2018 ई. शनिवार तदनुसार चैत्र मास, 4 प्रविष्टे को अपराह्न काल में 18घं.-42 मि. पर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र, शुभ नामक योग एवं मीनस्थ चन्द्र के समय कन्या लग्न में होगा। 17 मार्च, 2018 ई. शनिवार को अपराह्न 18घं-42 मि. पर **'विरोधकृत्'** नामक नव सम्वत्सर के शुभारम्भ तथा अग्रिम दिन 18 मार्च, 2018 ई. को प्रात: काल सूर्योदय से वासन्तिक नवरात्रों का भी शुभारम्भ होगा। इस वर्ष नवरात्र 18 मार्च, 2018 ई. से 25 मार्च, 2018 ई. तक रहेंगे। नवरात्र के प्रथम दिन अर्थात् नवसंवत्सर चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन, सम्वत्सर पूजन एवं श्री गणेश, विष्णु, शिव और देवी दुर्गा पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है। इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम नवीन सम्वत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान् ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर,

उन्हें विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर, नानाविधपक्वान्नों, फलों और मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को संवत् का नाम, संवत् का वास, राजा और मन्त्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रोल्लिखित है। जो बुद्धिमान व्यक्ति चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को सम्वत्सर का पवित्र फल सुनता है वह धनाढ्य और बहुत अन्न वाला होता है तथा वर्ष भर के लिए उसके शरीर की समस्त पीड़ाएँ (व्याधियाँ) दूर हो जाती हैं। शाके को सुनने से मनुष्य को पुण्य प्राप्त होता है, सम्वत्सर से सम्पत्तिवान् होता है, संवत् के राजा का फल सुनने से राजकुल में विजय होती है, मन्त्री का फल बुद्धि देता है, धनाधिप से धान्य, रसाधिप से रस तथा सस्येश से समस्त सुख मिलते हैं। अतः सिद्धिदायक सम्वत्सर के फल को अवश्य सुनना चाहिए।

नवविक्रम संवत् 2075 में मुख्य दस पदाधिकारों में से अतिविशिष्ट सर्वोच्च राजा तथा धान्येश पदों का अधिकार सतत सृष्टि के नियन्ता प्रचण्ड एवं अग्नितत्त्व प्रधान ग्रह सूर्य को प्राप्त है। मंत्री पद का अधिकार पापी ग्रह शनि, सस्येश, नीरसेश एवं धनेश के रूप में तीन महत्त्वपूर्ण पदों का अधिकार चन्द्र, दुर्गेश और मेघेश पदों का नेतृत्व शुक्र ग्रह, रसेश पद का नेतृत्व सौम्य ग्रह बुध तथा फलेश पद का नेतृत्व देवगुरु बृहस्पति को प्राप्त है। इस प्रकार **'विरोधकृत्'** नामक सम्वत्सर में कुल दस महत्त्वपूर्ण अतिविशिष्ट पदों में सर्वोच्च शीर्षस्थ राजा और मंत्री के दो महत्त्वपूर्ण पद क्रमशः परस्पर विरूद्धधर्माश्रयी प्रबल शत्रु सूर्य और शनि ग्रहों को प्राप्त हैं। शेष आठ पदों में से सात पद शुभ ग्रहों को तथा एक पद धान्येश के रूप में क्रूर ग्रह सूर्य को प्राप्त है। इस वर्ष सेनानायक मंगल ग्रह को दस पदों में से कोई भी पद प्राप्त नहीं है।

इस प्रकार नव सम्वत्सर 2075 में ग्रह परिषद के दस पदाधिकारों में से तीन अतिमहत्त्वपूर्ण पदों का नेतृत्व क्रूर ग्रहों को तथा शेष सात पदाधिकारों का नेतृत्व शुभ ग्रहों को प्राप्त है। इस वर्ष अतिविशिष्ट सर्वोच्च राजा और मंत्री के पदों का अधिकार परस्पर शत्रु ग्रहों सूर्य और शनि को प्राप्त होने के कारण विश्व के अनेक राष्ट्रों के मध्य प्रभुत्ता को लेकर टकराव, प्रतिद्वन्दिता, प्रतिस्पर्धा आदि विविध प्रकार कि विरोधी प्रवृत्तियाँ बढ़ेंगी। अनेक विकसित एवं विकासशील पड़ोसी देशों के मध्य प्रभुत्व को लेकर उत्पन्न विरोध एवं वैमनस्य के कारण तनाव एवं युद्धजन्य परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी। भारत-पाकिस्तान-चीन आदि ऐशियाई देशों में परस्पर विरोध एवं तनाव बढ़ेगा परिणामस्वरूप भारत में पड़ोसी देशों की सीमाओं पर आतंक एवं युद्धोन्मुख परिस्थितियाँ उत्पन्न होंगी किन्तु भारत देश समस्त आतंकजन्य घटनाओं के नियन्त्रण एवं निरस्तीकरण हेतु मुंहतोड़ जवाब देने में समर्थ होगा। सम्वत् 2075 में भारत और पाकिस्तान की आन्तरिक और वाह्य सीमाओं पर वातावरण अत्यन्त संर्घषमय रहेगा। विविध राजनैतिक दलों में सत्ता प्राप्ति की होड़ के करण परस्पर विरोध एवं टकराव उत्पन्न होगा तथा कहीं-कहीं उपद्रव, हिंसा एवं अग्नि जन्य घटनाएँ घटित होंगी। लोगों में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, राग-द्वेष और धन की अत्यधिक लोलुपता आदि प्रवृत्तियाँ निरन्तर बढ़ेंगी। जाति एवं आरक्षण आदि मुद्दों पर जनता में साम्प्रदायिक झगड़ें होंगे। मंत्री शनि के कारण लोहा, स्टील, ताम्बा, लकड़ी, भवननिर्माण सामग्री, चमड़ा, कलपुर्जे, तेल, पेट्रोल, डीजल आदि पदार्थों के व्यापार क्षेत्र में संलग्न लोग निश्चित रूप से लाभान्वित होंगे। राजनेताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार सामान्य लोगों के प्रति कठोर एवं निर्दयता-पूर्ण रहेगा। समाज में चोरी, ठगी, लूटमार, बेईमानी, आतंक एवं भ्रष्टाचार आदि विविध घटनाएँ घटित होंगी।

धनेश, सस्येश एवं नीरसेश के रूप में तीन महत्त्वपूर्ण पदों का नेतृत्व चन्द्र ग्रह को प्राप्त होने के कारण धन-दौलत का अत्यधिक विस्तार होगा। सुगन्धित तैल, दूध, दही, पनीर, घी, चीनी, चावल, वस्त्र एवं सौन्दर्य प्रसाधनों के व्यापार में संलग्न व्यापारी लोग अच्छा लाभ कमा सकेंगें। अवसरवादी नेता एवं लोग अनेक प्रकार के सुख संसाधनों से सम्पन्न होंगे। सरकार आतंकजन्य समस्त गतिविधियों को ध्वस्त करने हेतु सैन्य शक्ति एवं अत्याधुनिक उपकरणों के संग्रह हेतु वित्तीय सहायता में यथोचित वृद्धि करेगी। सरकार सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए अनेक नवीन योजनाओं के प्रारूप को तैयार करेगी। देश की आर्थिक स्थिति विविध व्यापारिक क्षेत्रों (संस्थानों) में पर्याप्त क्रय-विक्रय वृद्धि होने से सुदृढ़ होगी। वृष्टि अच्छी होने से सुभिक्ष तथा सुख संसाधनों में विस्तार होगा। राजा एवं धान्येश सूर्य होने से सभी प्रकार के धान्य एवं उत्पादन महँगे होंगे, शीतकालीन फसलों को हानि पहुँचेगी, जनता में क्लिष्ट रोग उत्पन्न होंगे, राजनेताओं में परस्पर टकराव, विग्रह, विरोध-जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगी। मेघेश तथा दुर्गेश शुभ शुक्र ग्रह के प्रभावस्वरूप सामान्य वर्षा तथा समस्त धान्य-फसलों, फलों का अच्छा उत्पादन होगा। देश के पूँजीवादी वर्ग के लोग तथा राजनेता सुख संसाधनों से सम्पन्न तथा समृद्ध होंगे। देश के अनेक स्थलों पर निरन्तर अत्यधिक वृष्टि होने के कारण बाढ़जन्य स्थितियाँ उत्पन्न होंगी तथा कहीं-कहीं वर्षा की कमी के कारण अनाज के उत्पादन में कमी से अकाल की स्थिति उत्पन्न होगी। फलेश गुरु होने से देश में धार्मिक उत्सवों का आयोजन तथा प्रचार-प्रसार अधिक होगा। विरोधकृत नामक सम्वत्सर होने से सरकार तथा आम प्रजा में परस्पर टकराव, विरोध, प्रतिद्वन्दिता एवं बदले की भावना प्रबल बनी रहेगी। सरकार के कठोर, पेचीदा एवं क्लिष्ट कर नियमों से परेशान होकर व्यापारी वर्ग एवं विपक्षी दल सरकारी नीतियों का घोर विरोध करेंगे।

विरोधकृत नामक नववर्ष प्रवेश कुण्डली नव विक्रम-सम्वत् 2075 का प्रवेश चैत्र अमावस्या की समाप्ति अर्थात 17 मार्च 2018 ई. को सायं 18 घं. - 42 मि. पर पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र, शुभ योग तथा द्विस्वभाव कन्या लग्न में हुआ है। वर्ष लग्नेश बुध सप्तम भाव में सूर्य, चन्द्र एवं शुक्र ग्रहों के साथ स्थित है। भारत की प्रभाव राशि मकर पञ्चम भाव में केतु अधिष्ठित है। सप्तमस्थ सूर्य, चन्द्र, बुध और शुक्र ग्रहों पर पापी शनि युक्त मंगल ग्रह की पूर्ण दृष्टि पड़ रही है। अत एव ग्रह स्थिति अनुसार विश्व के अनेक आतंकवादी संगठन भारत सहित विश्व के अनेक राष्ट्रों में विस्फोट एवं हिंसक वारदातें करने के लिए सक्रिय रहेंगे। भारत के पाकिस्तान, चीन आदि पड़ोसी देश गुप्त रूप से छद्म युद्ध की भान्ति भारत के विरूद्ध अपनी कार्यवाहियाँ व तैयारियाँ यथावत् रखेंगे, जिससे सीमाओं पर युद्धजन्य व तनावपूर्ण परिस्थियाँ वर्षभर बनी रहेंगी। विश्व के अनेक देश अत्याधुनिक संहारक हथियारों के दौर में अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए अग्रसरित एवं प्रयत्नशील रहेंगे परिणामस्वरूप प्रतिद्वन्दिता, विरोध, वैमनस्य एवं तनावजन्य स्थितियाँ निरन्तर बनी रहेंगी। भारत की प्रभाव राशि मकर राशि का स्वामी शनि चतुर्थ भाव मे अपनी सम राशि धनु में प्रबल शत्रु मंगल ग्रह के साथ स्थित है। मंगल तृतीयेश का शत्रु ग्रह शनि के साथ स्थित होना संकेत कर रहा है कि पड़ोसी देशों के साथ शान्ति वार्ताओं के बावजूद कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकलेगा तथा निरंतर आतंकवादी व पड़ोसी राष्ट्रों की सेनाओं द्वारा समय-समय पर गोलीबारी, अपहरण एवं अन्य आतंकजन्य घटनाओं के कारण परिस्थितियाँ युद्धजन्य और तनावयुक्त बनी रहेंगी। विश्व के प्रमुख शक्तिशाली राष्ट्रों अमेरिका, फ्रांस, जर्मन, ब्रिटेन और भारत आदि के समक्ष इस्लामिक कट्टरवाद

देशों जन्य आतंकवाद मुँह-वाय खड़ा रहेगा। अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के स्वामी उच्चस्थ शुक्र पर पाप ग्रह शनि युत मंगल की पूर्ण दृष्टि होने से भारत द्वारा पाक, चीन आदि देशों के विरूद्ध विदेश नीति के मोर्चे पर भी आक्रमक रूख अपनाया जाएगा। कन्या लग्न में वर्ष प्रवेश होने से पूर्वी देशों एवं राज्यों में स्थिरता व सौख्य का वातावरण, दक्षिण में अनाज की कमी, बंगाल में साम्प्रदायिक दंगे एवं उपद्रवों से तनाव, पश्चिमी राज्यों में कहीं-कहीं उपद्रव व विग्रह होने से अन्न आदि धान्य महँगे, पूर्वोत्तर बिहार आदि राज्यों में छत्रभंग होने के संकेत, मध्य देश में प्रजाभङ्ग तथा घी आदि द्रव्य महँगे होते हैं। यथा –

'कन्यायां सुस्थिरा प्राच्यां घृते महर्घतामता।'
मारिर्दक्षिण देशस्यत्तथा बंगेप्युपद्रवः।
लोकदुःखं पश्चिमायां विग्रहोन्नसमर्घता॥
चतुष्पादसुखं प्राच्यमुदीच्यां राजविग्रहः।
मध्यदेशे प्रजाभङ्गः समर्घत्वं घृते पुनः॥

जगतलग्न कुण्डली में वृष (स्थिर) लग्न उदित हुआ है। लग्नेश एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के कारक ग्रह शुक्र की स्थिति युद्ध, हानि, व्यय, षड्यन्त्र के भाव अर्थात् द्वादश भाव में है। इसकी षष्ठ भाव पर स्वगृही दृष्टी है तथा शत्रु गुरु के साथ इसका समसप्तक योग भी बन रहा है। मंगल-शनि क्रूर ग्रहों की अष्टम भाव स्थितिवश आतंकवाद के पोषक देश तथा संगठन विविध प्रकार के नियमों एवं पाबंदियों के बाद गुप्त रूप से आतंकवादियों एवं आतंक का समर्थन व पोषण करते रहेंगे। आतंवाद का दानव स्वयं इन मुस्लिम देशों के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवजाति की सुरक्षा के लिए एक चुनौति बन कर उभरेगा। आतंकजन्य घटनाएं भौगोलिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक स्तर पर विश्व को उद्वेलित करेंगी। अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन आदि विकसित देश इनका राजनीतिक एवं सैन्य प्रतिकार करेंगे किन्तु आतंकवादी तत्त्वों की देशघाती मानसिकता के कारण सभ्य समाज और मानव को मज़हबी जुनून से संयुक्त कट्टरवाद डंसता रहेगा। भारत, मुस्लिम राष्ट्रों, यूरोप, संयुक्त राष्ट्र संघ आदि राष्ट्रों में विध्वंसक आतंकी घटनाएँ व भीषण दुर्घटनाओं से जन-धन की भारी हानि होने की सम्भावना है। तृतीय भाव में राहु की स्थिति तथा मंगल की इस पर विशेष नीच दृष्टि होने से तेल उत्पादक अधिकांश मुस्लिम देश गठजोड़कर नए सम्बन्ध बनाने में क्रियाशील रहेंगे। विश्वव्यापी आतंकवादी गतिविधियों को दृष्टिगत रखते हुए भारत सहित अनेक राष्ट्रों के अध्यक्ष मिलकर संयुक्त राजनीति तैयार करने के लिए अग्रसर रहेंगे। एकादश भाव मे चन्द्र और बुध की स्थिति होने से विरोधी देश पारस्परिक अन्तर्विरोधी घटनाओं के बावजूद बाह्य तौर पर नए समीकरण एवं संगठन बनाएंगे।

शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल

गोचर में जब शनि जिस जातक की जन्मराशि से बारहवीं राशि में प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को साढ़ेसाती प्रारम्भ होती है। शनि मध्यमगति से एक राशि में ढाई वर्ष रहता है। वास्तव में जब शनि जातक की राशि पर या उसकी राशि से अग्रिम या पृष्ठस्थ राशियों पर गोचरीय भ्रमण करता है तब जातक पर शनि का शुभ और अशुभ प्रभाव भारी मात्रा में पड़ता है। शनि मध्यममान से एक राशि में अढ़ाई वर्ष रहता है। इस प्रकार जातक की राशि और उसकी राशि से पृष्ठीय तथा अग्रिम निकटस्थ राशियों में शनि स्थिति का प्रभाव अधिकतम साढ़े सात वर्ष तक रहता है। शनि का साढ़ेसात वर्ष तक प्रभाव होने के कारण ही इसे शनि की साढ़ेसाती कहते हैं। संस्कृत में इसे बृहत्-कल्याणी, मराठी में बड़ी पनोति कहते हैं। जन्मराशि से गोचरीय भ्रमण में बारहवां शनि शिर पर, जन्मराशि

का शनि हृदय या छाती पर तथा दूसरा शनि पांवों पर आया हुआ कहा जाता है। इन राशियों का शनि अत्यन्त दुष्ट एवं नीच लोगों से नाना प्रकार का कष्ट-पीड़ा एवं क्लेशदायक, पुत्र और पशुओं को पीड़ादायक, वाहनादि की हानि, रोग, मृत्यु, विदेशगमन, धन समृद्धि का विनाश, पति-पत्नी के परस्पर सुख का अभाव, राजभय, बन्धन और अन्यसुखों का अभाव करने वाला होता है।

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः ।
सार्धानि सप्तवर्षाणि तदा दुःखैः युतो भवेत् ॥

शनि ग्रह जब जिस जातक की जन्मराशि से चौथी या आठवीं राशि में गोचरीय भ्रमण से प्रवेश करता है तब तत्सम्बन्धी जातक को शनि की क्रमशः चतुर्थस्थ एवं अष्टमस्थ ढैय्या प्रारम्भ होती है। इस प्रकार की शनि स्थिति का अशुभ प्रभाव भी जातक पर भारी मात्रा में पड़ता है। संस्कृत में इसे लघुकल्याणी तथा गुजराती व मराठी में छोटी पनोति कहते हैं। राशि से चौथी एवं आठवीं राशि में गोचरीयभ्रमण करने वाला शनि व्याधि, रोग, कष्ट, दुःख, पीड़ा, परेशानी, मृत्यु, अग्नि और शस्त्रभय, प्रदेशगमन, क्लेश एवं चिन्ता तथा भाई-बन्धुओं के साथ विरोध उत्पन्न करने वाला होता है।

लधुकल्याणी प्रददाति वै रविसुतोः राशे चतुर्थाष्टमे,
व्याधिं बन्धुविरोधं विदेशगमनं, क्लेशं च चिन्ताधिकम् ॥

शास्त्रों में तथा लोकव्यवहार में शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का फल बहुत ही दुःखदायक एवं अनिष्टकारी माना गया है परन्तु यह सत्य नहीं है। शनि जातक की जन्मकुण्डली में अपनी विशेष स्थिति, दृष्टि, युति एवं अन्य ग्रहों से सम्बन्ध के आधार पर ही अच्छा और बुरा फल देता है।

जातक की जन्मकुण्डली में शनि और चन्द्रमा यदि पापयुक्त, पापदृष्ट या पापकर्त्री योग में न हों तथा शनि अपनी मित्रराशि, स्वराशि मूलत्रिकोण राशि या उच्चराशि का होकर प्रशस्त ३, ६, ११ भावों में स्थित हो तथा उसकी महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यन्तर्दशा, गोचर एवं अन्य शुभ योगकारक ग्रहों के आधर पर श्रेष्ठ समय चल रहा हो तो साढ़ेसाती एवं ढैय्या का अशुभ एवं अनिष्टकारी प्रभाव या तो होता ही नहीं है या बिल्कुल न्यूनतम होता है। शनि केन्द्रेश, त्रिकोणेश आदि के आधार पर शुभ या राजयोग कारक होकर शुभ भावों में स्थित हो तथा उसका अन्य उच्चादि राशियों में स्थित राजयोग कारक शुभ एवं मित्र ग्रहों से शुभ सम्बन्ध हो तथा गोचर में भी शुभप्रभाव युक्त हो तो साढ़ेसाती या ढैय्या जातक को विपुल धन-धान्य, राजसी सुख एवं मान-सम्मान, ख्याति, पद-प्रतिष्ठा, वैभव सब कुछ प्रदान करने वाली होती है।

गत वर्ष 26 अक्टूबर 2017 ई. से धनु राशि में संचरणशील शनिदेव सम्पूर्ण नव सम्वत्सर 2075 में (18 मार्च, 2018 ई. से 5 अप्रैल 2019 ई. तक) 'धनु' राशि में ही संचार करेंगे यह शनिदेव 26 अक्टूबर 2017 ई. से 17 अप्रैल 2018 ई. तक मार्गी गति से, 18 अप्रैल 2018 ई. से 5 सितम्बर 2018 ई. तक वक्री गति से तथा 6 सितम्बर, 2018 ई. से सम्वत् समाप्ति पर्यन्त निरंतर मार्गी गती से धनु राशि में ही संचार करेंगे। इस प्राकर सम्पूर्ण नवीन सम्वत् 2075 में शनिदेव की गोचरीय स्थिति 'धनु' राशि में ही रहेगी।

नवीन सम्वत् 2075 शनिदेव की गोचरीय स्थिति धनु राशि में होने से वृश्चिक, धनु और मकर राशि वाले जातकों पर शनिदेव की साढ़ेसाती का शुभाशुभ प्रभाव पड़ेगा। कन्या राशि वाले जातकों पर चतुर्थस्थ ढैय्या का शुभाशुभ प्रभाव तथा वृष राशि वाले जातकों पर अष्टमस्थ ढैय्या का शुभाशुभ

प्रभाव रहेगा।

परन्तु शनि साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या के शुभाशुभ प्रभाव की मात्रा जातक की जन्मकुण्डली में शनि की स्थिति पर निर्भर होती है। यदि जन्मकुण्डली में शनि नीच राशि, शत्रुराशि, अस्त, वक्री, पापाक्रान्त, पाप ग्रहों से युत या दृष्ट हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का बुरा प्रभाव जातक पर अधिकतम होगा, इसके विपरीत यदि जन्मकुण्डली में शनि अपनी उच्च राशि, मूलत्रिकोण राशि, स्वराशि, मित्रराशि, मार्गी, शुभाक्रान्त, शुभग्रहों से युत या दृष्ट आदि शुभ स्थिति में हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का अशुभ प्रभाव जातक पर नहीं पड़ेगा या न्यूनतम ही पड़ेगा किन्तु यदि शनि योगकारक आदि होकर षोडशवर्ग, अष्टकवर्ग एवं षड्बल आदि के आधार पर बली सिद्ध हो तो शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या में जातक को अप्रत्याशित सफलता और सम्पन्नता आदि अनेक शुभफलों की प्राप्ति होती है। जिन जातकों की जन्मकुण्डली में शनि पाप स्थिति या सम्बन्ध में होता है उन्हें शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या में मानसिक व्यथा, रोग-पीड़ा, दु:ख-कष्ट, गृह-क्लेश, चोर-भय, अग्निभय, जलभय, राजभय, राजदण्ड, पदच्युति एवं अवनति आदि अशुभफलों की प्राप्ति होती है।

शनि के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए शास्त्रों में प्रतिपादित उपायों को विधिपूर्वक सम्पन्न करने या करवाने से निश्चित रुप से लाभ होता है।

(१) शनिवासरी अमावस्या को सायंकाल में सूर्यास्त के बाद शनि पूजन, मन्त्र जाप एवं स्तोत्र पाठ करना चाहिए।

(२) प्रत्येक शनिवार को सायंकाल में शनि के बीजमन्त्रों, पौराणिक मन्त्रों या वैदिक मन्त्रों का संकल्पपूर्वक जाप करना चाहिए।

(३) शनिवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ करना या सुनना चाहिए।

(४) शनिवार सायंकाल को पीपल वृक्ष के पास या शनि मन्दिर में तेल का दीपक जलाना चाहिए।

(५) प्रतिदिन या शनिवार को प्रात:काल में भगवान शिव का पूजन करके, पीपल वृक्ष के समीप शनि स्तोत्र का पाठ करके कच्ची लस्सी में काले तिल डालकर वृक्षमूल में लस्सी चढ़ानी चाहिए।

(६) शनिवार का व्रत रखना चाहिए।

(७) काले घोड़े की नाल या नाव के तल में लगी हुई कील से निर्मित अँगूठी या शनियन्त्र या नीलम रत्न जड़ित मुद्रिका को विधिपूर्वक शुभ मुहूर्त में निर्माण करवाकर शुभमुहूर्त में शनिवार को विधियुक्त पूजा करके धारण करना चाहिए।

(८) शनिवार को बन्दरों को गुड़ और चना खिलाना चाहिए।

(९) शनिवार को पक्षियों को सप्तधान्य डालना श्रेयस्कर है।

(१०) शनिवार को सप्तधान्यादि का या काले पदार्थों, काले वस्त्रों आदि का दान करना चाहिए।

(११) शनि साढ़ेसाती, ढैय्या एवं शनि पाया के अधिकतम अशुभ फल की शान्ति के लिए बीज मन्त्रों, वैदिक मन्त्रों या महामृत्युञ्जय आदि मन्त्रों का पर्याप्त संख्या में जाप एवं हवन करना चाहिए।

(१२) छायापात्र दान, तुलादान, भूदान, स्वर्णदान आदि का दान करना चाहिए।

(१३) तेल में मुख देखकर उस तेल में उड़द की दाल के नानाविध मीठे और नमकीन पक्वान्न बनाकर गरीबों, मजदूरों, कुष्ठरोगियों आदि को खिलाने

चाहिए, इसके अतिरिक्त काले कुत्ते, भैंसे या साँड आदि को खिलाना भी श्रेयस्कर रहेग। उपरोक्त उपायों को किसी विशेष शुभ-मुहूर्त में शनिवार से प्रारम्भ करके प्रतिदिन या प्रत्येक शनिवार को करना चाहिए। विशेष उपायों को शनैश्चरी अमावस्या को करना या करवाना चाहिए। किसी भी उपाय को करने से निश्चित रूप से शनि-जनित अरिष्टों की शान्ति होती है।

आय व्यय चक्र द्वारा शुभाशुभ फल -

संवत् में लाभ-हानि का ज्ञान करने हेतु आय-व्यय चक्र -

आय-व्यय चक्र (विंशोत्तरी मतानुसार)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
आय	१४	०८	१४	०८	११	१४	०८	१४	११	०५	०५	११
व्यय	११	०५	०२	१४	११	०२	०५	११	०२	०५	०५	०२

आगामी सम्वत्सर में जातक से सम्बन्धित शुभाशुभ फल ज्ञात करने हेतु आय-व्यय बोधक चक्र में जातक की राशि के लाभ-हानि अंकों के योग में से एक घटाकर शेष को ८ से भाग दें। भाग देने पर यदि शेष, १, २, ६, ७ बचे तो अभीष्ट सम्वत् में जातक को उत्तम लाभ होगा। शेष ३, ४, ५ या ८ हो तो लाभ से अधिक व्यय होने से परेशानियाँ बढ़ती हैं। अर्थात् शेष ०१ में लाभ, ०२ में सौख्य, ०३ में क्लेश, ०४ में रोग, ०५ में मिथ्या अपवाद, ०६ में सम्मान, ०७ में विजय, ०८ या ० में हानि समझनी चाहिए।

यथोक्तम् -

लाभव्ययौ समौ कृत्वा एकहीनं तु कारयेत्।
अष्टभिस्तु हरेद्भागं शेषाङ्के फलमाविशेत्॥
लाभं सौख्यं तथा क्लेशं रोगं लोकापवावनम्।
सम्मानं विजयं हानिं कथितं पूर्वसूरिभिः॥

राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों द्वारा लाभ-व्यय ज्ञान -

संवत् में जिस जातक से सम्बन्धित लाभ-व्यय ज्ञान अपेक्षित हो सर्वप्रथम उस जातक की राशि स्वामी के ध्रुवाङ्कों में अभीष्ट वर्ष के राजा के ध्रुवाङ्कों को जोड़ देते हैं। योगफल को 3 से गुणाकर, गुणनफल में 5 जोड़कर 15 से भाग देने पर जो शेष बचे वह लाभ होता है। लब्धि को 3 से गुणा करने पर गुणनफल में 5 जोड़ने तथा योगफल में 15 से भाग देने पर जो शेष रहे वह खर्च जानना चाहिए। सम्वत् 2075 में मेषादि द्वादश राशियों के जातकों हेतु लाभ-हानि की मात्रा का समानुपातीय ज्ञान ध्रुवाङ्क चक्र द्वारा स्पष्ट है।

लाभ-हानि चक्र (ध्रुवाङ्कों के आधार पर)

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
लाभ	०२	११	१४	०८	११	१४	११	०२	०५	०८	०८	०५
हानि	१४	०५	०२	०२	११	०२	०५	१४	०५	१४	१४	०५

इतीवं वत्सरफलं वत्सरावि - तिथौ शुभम् ।
यः श्रृणोति नरो भक्त्या स सुखी वत्सरं भवेत्॥

प्रो. विनोद कुमार शर्मा
आचार्य, ज्योतिष-विभाग

वि० संवत् २०७५ सन् २०१८-२०१९ ई० में मेषादि द्वादश राशियों का मासिक-फल

मेष (ARIES) चु, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

यह वर्ष आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में राशि पर भाग्येश गुरु की पूर्ण दृष्टि रहने से व्यवसाय मे लाभ, उत्साह एवं पराक्रम में वृद्धि रहेगी। शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा, धर्म कर्म में रूचि रहेगी, धार्मिक व सामाजिक कार्यो से यश व मान सम्मान बढ़ेगा। १३ अप्रैल से १४ मई तक इस राशि पर सूर्य स्वोच्च का रहेगा, अत: कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति होगी, नवीन रोजगारों के अवसर प्राप्त होंगे, विभिन्न संसाधनों से धनागम, प्रतिष्ठित उच्च वर्ग के लोगों से सम्पर्क के कारण मान-सम्मान, कार्य व्यापार में वृद्धि व उच्च शिक्षा प्राति का मार्ग प्रशस्त होगा। छात्र वर्ग को प्रतियोगिता व परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। वर्षान्त में २५ दिसम्बर से ६ फरवरी तक का समय उतार-चढ़ाव भरा होगा। शत्रु से संघर्ष बढ़ेगा। स्त्री का स्वास्थ्य भी नरम रहेगा। अनावश्यक यात्राओं से व्यय की मात्रा बढ़ेगी, तत्पश्चात् समय अनुकूल फल देने वाला है। कार्यक्षेत्र एवं व्यवसाय से धनलाभ में वृद्धि होगी। अरिष्ट शन्ति एवं शुभफल प्राप्ति हेतु हनुमदुपासना श्रेयस्कर है।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय अपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा राशीश मंगल कर्मेश शनि के साथ युक्त रहेगा, भाग्येश गुरु से राशि संपूर्ण वर्ष दृष्ट रहेगी, अत: भाग्य की प्रबलता से लाभ के अवसर बढ़ेगें, लम्बित कार्य को सम्पन्न करने में सफलता प्राप्त होगी। व्यवसाय संबंधी लाभकारी नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने में सफल होंगे। उच्चस्थ सूर्य के शुभ ग्रह गुरु से दृष्ट होने से मान सम्मान में वृद्धि व प्रतिष्ठित लोगो से सम्पर्क बढ़ेगें। १८,१९,२६,२७,२८ मार्च ४,५,१४,२२,२३,२४ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। ६ मई से ७ नवम्बर तक राशीश मंगल अपनी उच्च राशि में राशि से दशम स्थान में रहेगा, अत: कार्य क्षेत्र में उत्तम लाभ, धनागम, सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। समाज में मान सम्मान, प्रतिष्ठा व यशप्राप्ति होगी। राशि पर वक्री भाग्येश की पूर्ण दृष्टि होने के पश्चात भी उन्नति व कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, यदा-कदा धनागम के मार्ग अवरूद्ध होगें, लेकिन अन्ततोगत्वा कार्य पूर्ति से प्रसन्नता व शान्ति का वातारवण रहेगा। २,३,११,१२,१३,१९,२०,२१, २८,२९,३० मई ७,८,९,१६,१७,२४,२५,२६ जून ४,५,६,१३,१४,१५, २२,२३ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। राशीश मंगल राशि से दशम स्थान में अपनी उच्च राशि मकर पर वक्री रहेगा अत: कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में लाभप्राप्ति किञ्चित लम्बित रहेगी। गृहनिर्माण की गति मन्द रहेगी, आकस्मिक कठिनाईयाँ उत्पन्न हो सकती है, छात्र वर्ग के लिए प्रतियोगिताओं के परिणाम किञ्चित विलम्ब से प्राप्त होगें किन्तु सामाजिक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं होगी।। राशीश के मार्गी होते ही अनायास लाभ प्राप्ति होगी। १,२,३,१०,११,१८,१९, २८,२९,३० अगस्त एवं ६,७,१४,१५,१६,२४,२५ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में विस्तार की योजनाएं कार्यान्वित होंगी, नवीन गृह व कार्यालय के सुख का भी अवसर प्राप्त होगा। समाज में मान सम्मान व प्रतिष्ठा मे निरन्तर वृद्धि होगी, राजनीति के क्षेत्र में भी सफलता के योग बनेंगे, ज्येष्ठ भ्राता व पिता के सहयोग से कार्यक्षेत्र व व्यापार मे उन्नति के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। भूमि, भवन, जायदाद में द्रव्यनिवेश हो सकता है। परिवार मे शान्ति व प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। ३,४,५,१२,१३,२१, २२,२३,३१ अक्टूबर एवं ८,९,१०,१८,१९,२० नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलदायक रहेगा। राशीश मंगल राशि से एकादश स्थान में कुम्भ राशि पर रहेगा। राशि एवं कर्मेश-एकादशेश शनि के भाग्य स्थान में स्थित होने व भाग्येश गुरु के सप्तम स्थान से पूर्ण दृष्टि से दृष्ट होने से भाग्य पूर्ण रूप में कार्य क्षेत्र व्यवसाय में उन्नति व आशातीत सफलता प्रदान करेगा। समाज में मान सम्मान व यश में वृद्धि होगी वर्षो से लम्बित मनोकामनाएं पूर्ण होगी। २७,२८ नवम्बर ५,६,७,१५, १६,२४,२५ दिसम्बर एवं २,३,११,१२,१३,२०,२१ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण पक्ष (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहगा। पूर्वार्ध में राशीश मंगल के राशि से द्वादश स्थान में होने के कारण व्यय संबंधी समस्याएं रहेगी, आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा, देनदारी व ऋणनिवृति की चिन्ता रहेगी। स्वास्थ्य भी थोड़ा नरम रहेगा, किन्तु समय के उत्तरार्ध में समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा, धनागम की स्थिति सुदृढ़ होगी एवं ऋणनिवृति से प्रसन्नता व शान्ति प्राप्त होगी। घर में धार्मिक व मांगलिक अनुष्ठानों में वृद्धि रहेगी। २२,२९,३० जनवरी ८,९,१०,१७,१८,२५, २६,२७ फरवरी ७,८, ९,१६,१७,१८,२५, २६ मार्च एवं ३,४,५ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

वृष (TAURUS) इ, उ, ए, ओ, व, वि, वू, वे, वो ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। संपूर्ण वर्ष भाग्येश-कर्मेश शनि राशि से अष्टम स्थान में स्थित रहेगा अतः कार्य क्षेत्र, व्यवसाय में कठिनाईयाँ बढ़ेगी, भाग्य के भी निरन्तर साथ न देने के कारण मन विचलित रहेगा। वर्षारम्भ में धन संबंधी समस्याओं से सामना होगा। ऋण लेकर ही आय-व्यय के संतुलन को व्यवस्थित कर सकेंगे। १३ अप्रैल से १४ मई तक सूर्य अपनी उच्च राशि में रहेंगे इस समय भूमि-भवन-वाहनादि में पूँजीनिवेश का सुअवसर प्राप्त होगा। अगस्त मास में संतान पक्ष से कष्ट रहेगा। वर्षान्त में स्त्री पक्ष से मन-मुटाव व अकारण मतभेद रहेगें। स्वास्थ्य भी नरम रहेगा। कफ-पित दोषो से गला खराब, टॉंसिल, साईनस, अम्लाधिक्य व त्वचा सम्बन्धी रोगो से ग्रस्त रहेंगे। संक्रमण व ज्वरादि रोगो के कारण कार्य क्षेत्र भी प्रभावित होगा, संघर्ष के साथ अल्प सफलता से मन खिन्न रहेगा। १५ मई से १० जून तक राशीश पर शनि की पूर्ण दृष्टि होने से चिन्ता, पारिवारिक अशान्ति, मित्रों व सहकर्मियों से मन-मुटाव, गुप्त रोग, शत्रुविवाद में अनावश्यक धनक्षय से सामना हो सकता है। अनिष्ट शान्ति हेतु शनि का तुला दान, छाया दान एवं हनुमान की उपासना क्षेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। राशीश शुक्र के व्यय भाव में रहने के कारण कफ, खाँसी, आलस्य, शारीरिक शिथिलता रहेगी। व्यर्थ दौड़-धूप एवं अनावश्यक खर्च से मानसिक तनाव भी हो सकता है। पति/पत्नी से मत-भेद व मातृपक्ष से अशान्ति रहेगी।

व्यवसायिक दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा, यदा-कदा बाधाएँ आ सकती है परन्तु उनका समाधान हो कर परिणाम अनुकूल ही रहेगा, निवेश के लिए समय उत्तम है। २०,२१,२८,२९,३० मार्च एवं ६,७,८,१६,१७,२५,२६,३० अप्रैल आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

राशि स्वामी शुक्र के अपनी राशि में आ जाने के कारण स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, तनाव व चिन्ता में न्यूनता आएगी। आत्म केन्द्रित हो जाने के कारण पारिवार-कुटुम्ब में सुख-दुख का उतार चढ़ाव न्यूनाधिक रूप में बना रहेगा। कार्य क्षेत्र में विस्तार की योजनाएँ क्रियान्वित होगीं धनागम से मन प्रसन्न रहेगा। उत्तरार्द्ध में भ्रातृपक्ष से अनबन व मनमुटाव रहेगा। अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होगी एवं पैतृक सम्पत्ति में अंश प्राप्ति होगी। मातृपक्ष से असंतुष्टि रहेगी। भवन, भूमि-वाहन का सौख्य प्राप्त होगा। ३,४,५,१३,१४,१५,२१,२२,२३,३०,३१ मई १,१०,११,१८,१९,२८,२९ जून एवं ७,८,९,१५,१६,२४,२५,२६ जुलाई आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में संतान पक्ष की उच्चशिक्षा व उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य क्षेत्र व व्यापार में संतान के सहयोग से विस्तार के सुअवसर प्राप्त होंगे। उत्तरार्द्ध में कार्यक्षेत्र में साझेदारी के अवसर बनेंगे, सूझ-बूझ से व्यवसायिक उन्नति की संभावनाओं के द्वार खुल सकते है। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएँ यदा-कदा आ सकती है, किन्तु अन्त में स्वास्थ्य उत्तम ही रहेगा। ३,४,५,११,१२,१३,२०,२१,२२,३१ अगस्त एवं १,२,९,१७,१८,१९ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। पूर्वार्ध में स्वास्थ्य थोड़ा नरम रहेगा टोंसिल, गला खराब, मुख मे छाले, अमलाधिक्य, संक्रमण आदि रोगो से प्रतिरक्षा आवश्यक होगी। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में आशातीत सफलता नही मिलेगी। ९ अक्टूबर से २३ नवम्बर तक राशीश शुक्र के वक्री होने से फल प्रदान करने में शुक्र उदासीन रहेगा। पूवार्द्ध में पति/पत्नी से अनबन, अकारण कलह से मन खिन्न रहेगा। युवा वर्ग में विवाह के इच्छुक युवाओं को बाधाओं व विलम्ब का सामना करना पड़ सकता है। २७,२८ सितम्बर ५,६,७,१४,१५,१६,२४,२५,२६ अक्टूबर एवं २,३,१०,११,१२,२१,२२ नवम्बर आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध मे स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। संक्रमण, ज्वर, कफ खांसी आदि रोगो से प्रतिरक्षा आवश्यक होगी। नौकरी पेशा वर्ग के लिए समय कठिनाई भरा रहेगा। आय के साधनों में विलम्ब एवं अवरोध रह सकता है, किन्तु आय के साधन बनें रहेंगे। उत्तरार्द्ध में नवीन रोजगार व कार्यक्षेत्र में विस्तार के अवसर प्राप्त होंगे धनागम से मन प्रसन्न रहेगा। २९,३० नवम्बर ९,१०,१७,१८,१९,२६,२७,२८ दिसम्बर एवं ४,५,६,१४,१५,१६ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ मार्च २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा पूर्वार्ध में कार्य क्षेत्र में विस्तार व नवीन अनुबन्धों का आरम्भ होगा। लाभकारी योजनाओं के क्रियान्वन से मन संतुष्ट रहेगा। यदा-कदा बाधाएँ, समस्याएँ उत्पन्न होगी। किन्तु सूझ-बूझ से उनका समाधान हो जाएगा। उतरार्द्ध में आकस्मिक लाभ व कार्य सिद्धि से हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। भ्रातृ पक्ष से सहयोग व माता-पिता के किए गए पूर्व निवेश का लाभ प्राप्त होगा। २२, २३,२४ जनवरी १,२,१०,१२,१३,१९,२०,२८ फरवरी एवं १,९,१०,११,१८,१९,२०,२७,२८,२९ मार्च के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मिथुन (GEMINI) क, कि, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ कार्य क्षेत्र में उन्नति, व्यापार में विस्तार की नवीन योजनाओं के क्रियान्वन से होगी किन्तु २५ मार्च से १६ अप्रैल तक राशीश बुध के वक्री होने से आशातीत सफलता प्राप्त नहीं होगी। भाग्येश-अष्टमेश शनि के राशि से सप्तम स्थान पर संपूर्ण वर्ष रहने के कारण भाग्य वृद्धिकारक तो रहेगी किन्तु कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। उपलब्धियाँ भी विशेष रहेगी। सप्तमेश-दशमेश गुरु के राशि से पंचम स्थान में रहने से कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में साझेदारी से लाभप्रद अवसर प्राप्त होंगे। संतान पक्ष की नौकरी व उच्चशिक्षा से मन प्रसन्न रहेगा। उत्तरार्द्ध का समय पूर्वापेक्षा न्यूनफलप्रद रहेगा। पति/पत्नी से अकारण मतभेद, सौहार्द की कमी रहेगी। पति/पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। कन्धों में पीड़ा, हाथ व उँगलियों में कष्ट, कफ-पित्त-वायु विकार उदर पीड़ा, भोजननली सम्बन्धी समस्याएँ एवं आँतशोध आदि रोगों से प्रतिरक्षा आवश्यक होगी। अरिष्ट परिहार हेतु, हरावस्त्र, साग, मूंग आदि वस्तुओं का दान एवं गणेश-पूजन श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में कार्यक्षेत्र व व्यवसाय सम्बन्धी यात्राओं का कार्यक्रम बन सकता है। जिनसे विशेष लाभ अपेक्षित रहेगा। आयात निर्माण व वैदेशिक वस्तु के व्यापार से अच्छे लाभ की संभावना बनेगी। यदा-कदा विघ्न-बाधाएँ भी आएगी किन्तु उनका दमन करने में स्वयं सक्षम रहेंगे। वृथा भ्रमण से लाभ का मार्ग अवरूद्ध व लम्बित होगा, अन्ततोनगत्वा, कार्य सिद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। २१,२२,२३, ३०,३१ मार्च १,८,९,१०,१८,१९,२५,२६ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा पूर्वार्ध में कार्य सिद्धि व वर्षो से लम्बित मनोकामना पूर्ण होगी। आकस्मिक यात्राओं से मनोरथ सिद्ध होंगे, व्यय किञ्चित अधिक होगा किन्तु धन का सदुपयोग होने से संतुष्टि रहेगी। उत्तरार्द्ध में विभिन्न साधनों से आय में वृद्धि होगी भ्रातृ पक्ष का सहयोग रहेगा, पराक्रम में वृद्धि व स्फूर्ति से मन प्रसन्न रहेगा। धन संचय से मनोबल उच्च रहेगा। ६,७,८,१५,१६,१७,२३,२४,२५ मई २, ३, ४, ११, १२, २०, २१, २९,३० जून एवं १,९,१०,११,१७,१९,१९,२७ जुलाई आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे, नवीन रोजगार की योजनाएँ फलीभूत होंगी। भ्रातृ पक्ष से सहयोग रहेगा, पराक्रम में वृद्धि व स्फूर्ति से मनोबल उच्च रहेगा। मनोरंजन के साधनो में वृद्धि, भौतिक सुखों का आनन्द रहेगा। धनागम के मार्गो में वृद्धि से भूमि-भवन-वाहनादि में निवेश लाभकारी रहेगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। २८,२९ जुलाई ५,६,७,१३,१४,१५,२६,२७ अगस्त २,३,१०,११,१२,१९,२०,२१ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। भूमि-भवन-वाहन संबंधी कार्यें में रूचि रहेगी। पर्यटन, यात्रादि कार्य क्षेत्रों से लाभ की संभावना प्रबल रहेगी। मित्र बन्धुओं से सहयोग मिलेगा, संतान पक्ष से सुख व संतुष्टि रहेगी, समाज में अग्रणी रहने का बवसर प्राप्त होगा, यश, मान-सम्मान में वृद्धि रहेगी। व्यस्तता बढ़ेगी साथ ही लाभ के परिणाम अनुकूल मिलेगें २९, ३० सितम्बर ७, ८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ अक्टूबर एवं ४, ५,१३, १४,१५,२२,२३ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। ज्वर संक्रमण, कफ, खांसी, उदर-विकार से शरीररक्षा आवश्यक रहेगी। नौकरी पेशा वर्ग का स्थानान्तरण सम्भव है किन्तु आय का साधन बना रहेगा। शत्रुपक्ष के प्रतियोगिता के लिए कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में धनागम के मार्ग यदा-कदा लम्बित होंगे, संयम व धैर्य से समय व्यतीत करना होगा। २४ नवम्बर १,२,३,१०, ११, १२, २०, २१, २२, २८, २९, ३० दिसम्बर एवं ६, ७, ८, १६, १७, १८ जनवरी के दिन अपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यापार में यदा-कदा समस्याएं उत्पन्न होगी किन्तु सूझ-बूझ से समाधान भी हो जाएगा। उतरार्द्ध में व्यसनों व अनैतिक मार्गो की और आकर्षण बढ़ेगा अतः आत्म संयम आवश्यक होगा, सामाजिक मान सम्मान पर कोई आंच नहीं आएगी। वर्षान्त में आर्थिक स्थिति में निरन्तर सुधार होगा व परिणाम सुखद व अनुकूल रहेंगे। २४,२५,२६ जनवरी ३,४,५,१३,१४,२१,२२ फरवरी एवं २,३,४,१२,१३,१४,२०,२१,२२,२८,२९,३०मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

कर्क (CANCER) हि, हू, हे, हो, डा, डि, डू, डे, डो ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में भाग्येश गुरु राशि से चतुर्थ स्थान में रहेगा अतः भाग्येश प्रबल रहेगा। माता से सौख्य, भूमि भवन वाहनादि से प्रचुर लाभ प्राप्ति होगी, वर्षारम्भ में सूर्य द्वितीयेश होकर दशमी से दशम स्थान में अपनी उच्चावस्था में होगा अतः कार्य क्षेत्र में व्यापार में राज्य पक्ष से लाभ व धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त होंगे। समुदाय में मान-सम्मान यश प्राप्ति से मन प्रसन्न रहेगा समाज में अग्रणी रहेंगे। सप्तमेश-अष्टमेश शनि राशि से छठे स्थान में रहेगा अतः व्यवसायिक अनुबन्धों, विदेश यात्राओं व पति/पत्नी से सम्बन्धो पर प्रतिकूल प्रभाव दिखाई देगा। साझेदारी में किए गए अनुबन्ध न्यायालयी पचड़ों में उलझा सकते है, मुकदमे इत्यादि की समस्याओं से सामना हो सकता है। पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद अकारण कलह व अलगाव का कारण बन सकते है। उतरार्द्ध में शारीरिक व मानसिक कष्ट रहेगा। गठिया, सायटिका, निमोनिया, क्षयरोग से शरीर की रक्षा आवश्यक होगी अभीष्ट सिद्धि व अनिष्ट परिहार हेतु शनि व हनुमान की उपासना करना श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा पूर्वार्द्ध में कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में उत्तम लाभ प्राप्ति होगी, राशि से दशम स्थान में उच्चस्थ, द्वितीयेश सूर्य विशेष शुभ फलदायक रहेगा। समुदाय व समाज में मान सम्मान, यशप्राप्ति होगी। रोजगार की नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होगी। माता का सहयोग, पैतृक संपति का लाभ होगा, भूमि-भवन-वाहनादि में निवेश लाभमार्गो में वृद्धि करेगा। परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा। २४,२५ मार्च १,२,३,११,१२,२०,२१,२७,२८,२९ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फल दायक रहेगा। कार्य क्षेत्र में नए अनुबन्ध होंगे जोकि भविष्य में लाभमार्ग प्रशस्त करेंगे। आयात-निर्यात का कार्य करने वाले वर्ग को किञ्चित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा सकता है, व्यापार नीतियों में परिवर्तन के कारण हानि हो सकती है, ऋण लेना पड़ सकता है। पति/पत्नी से मन-मुटाव अकारण असहयोग की स्थिति रहेगी। ९,१०,१७,१८,२६,२७,२८ मई ५,६,७,८,९,१३,१४,१५, २२,२३, २७,२८ जून एवं १,२,३,११,१२,१३,२०,२१ जुलाई के दिन आपके लिए

अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर ई. २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए कष्टदायक रहेगा। आर्थिक स्थिति संघर्षपूर्ण रहेगी। राशि से अष्टमस्थ दशमेश मंगल के वक्री होने से व राशि पर राहु की स्थिति होने के कारण शारीरिक, मानसिक, आर्थिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है एवं राजकीय कार्यो मे रुकावट आ सकती है। पति/पत्नी में परस्पर सौहार्द की न्यूनता व अविश्वास के कारण पारिवारिक वातारवण बोझिल रह सकता है, दाम्पत्य सम्बन्धो में शिथिलता रहेगी। ८,९,१०,१६, १७,२३,२४,२५ अगस्त एवं ३,४,५,१३,१४,२२, २३,२४ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में लाभमार्ग अवरूद्ध रहेंगे, कुछ कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होने से मानसिक कष्ट रहेगा, आकस्मिक खर्चो का दबाव बढ़ सकता हैं। वाद-विवाद मुकदमे की परिस्थिति बन सकती है, धैर्य व संयम से कार्य करना श्रेयस्कर रहेगा। परिवार में भ्रातृ पक्ष से असहयोग रहेगा। अल्पकालिक ज्वर व संक्रमण से स्वास्थ्य रक्षा अपेक्षित रहेगी। १०, ११, १२, १९, २०,२१, २८, २९,३० अक्टूबर ६, ७, ८, १६, १७, १८ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नही रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय अपके लिए पूर्वापेक्षा अच्छा रहेगा। भाग्येश गुरु के राशि से चतुर्थ स्थान में रहने से भूमि भवन वाहनादि में निवेश से अच्छे लाभ की प्राप्ति होगी जोकि आकस्मिक खर्चो के दबाव को न्यून कर सकेगी। वर्षो से लम्बित नवीन रोजगार की योजनाएं पुर्नजागृत होगी व आशातीत सफलता मिलेगी। माता के सहयोग से पैतृक संपति मे अंश प्राप्त होगी। भ्रातृ पक्ष से सौहार्द रहेगा। २४,२५,२६ नवम्बर ३,४,५,१३,१४,१५,२२, २३,२४,३०, ३१ दिसम्बर एवं १,९,१०,११,१८, १९,२० जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१८ तक)

यह समय आपके लिए संतोषदायक रहेगा। व्यवसायिक लाभ में वृद्धि होगी। संतान पक्ष से संतुष्टि रहेगी। विद्यार्थी वर्ग के लिए उच्च शिक्षा व व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होने के शुभ समाचार दायक रहेगा। वर्षो से लम्बित मनोकानाएँ संपूर्ति को प्राप्त होगी। कार्य व्यवसाय में स्थिरता से मन प्रसन्न रहेगा। घर-परिवार मे मांगलिक कार्यो का आयोजन होगा। २७, २८ जनवरी ५,६,७,१५,१६,१७,२३,२४,२५ फरवरी ४,५,६, १४,१५,१६,२३,२४,२७,२८ मार्च एवं १,२,३ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

सिंह (LEO) म, मि, मू, मे, मो, टा, टा, टू, टे ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा संपूर्ण वर्ष षष्ठेश-सप्तमेश शनि राशि से पंचम स्थान मे स्थित रहेगा अतः संतान पक्ष के लिए यह समय उतार-चढ़ाव का रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्ति में रुकावटे व कठिनाईयाँ आएगी, सभी कार्य विलम्ब से होने के कारण मन खिन्न रहेगा। पंचमेश-अष्टमेश गुरु राशि से तृतीय स्थान में रहेगा अतः पराक्रम व सक्रियता में संतुलन नहीं बन पायेगा। वर्षारम्भ में सूर्य अपनी उच्च राशि में भाग्य स्थान में स्थित रहेगा अतः राज्य सरकार व उच्चाधिकारियों से सम्पर्क बढ़ेगा व लम्बित कार्य सिद्ध होंगे रोजगार-व्यवसाय की नवीन योजनाएं क्रियान्वित होंगी। लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे धनागम से मन संतुष्ट रहेगा। १४ जुलाई से सूर्य राशि से व्यय स्थान में रहेगा अतः वृथा भ्रमण, अपव्यय, शरीरिक शिथिलता से कष्ट रहेगा। सूझ-बूझ व संयम से आय-व्यय के संतुलन को व्यवस्थित किया जा सकता है। अगस्त में सूर्य के अपनी राशि पर रहने से स्वास्थ्य लाभ व स्फूर्ति रहेगी। संतान पक्ष व

भ्रातृपक्ष के कष्ट परिहार हेतु आदित्य स्त्रोत का पाठ व सूर्य को ताम्रपात्र में जलार्पण श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा, राशीश अपनी उच्च राशि में भाग्य स्थान पर स्थित होगा अतः शारीरिक सौख्य, स्फूर्ति व हर्षदायक समय रहेगा। भाग्य से अनेक लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे, भ्रातृ पक्ष से सहयोग व पराक्रम में वृद्धि रहेगी। अनेक वर्षो से लम्बित मनोकामनाएँ व कार्यसिद्धि होगी। तीर्थाटन, शोभायात्रा, धार्मिक स्थलों के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। समीप दूर की यात्राएँ लाभदायक रहेगी। १८,१९,२६, २७,२८ मार्च ४,५,१४,२२,२३,२४ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फल दायक रहेगा, राज्य व उच्चपदस्थ अधिकारियों से धनिष्ठता व सम्पर्क के सुअवसर प्राप्त होंगे, उनके सहयोग से कार्य क्षेत्र व्यवसाय में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे वर्षो से लम्बित नवीन रोजगार की योजना सफलता पूर्वक क्रियान्वित होगी। लाभ प्राप्ति, उन्नति व धनागम से मन प्रसन्न रहेगा। समुदाय में मान सम्मान, यश व पद प्राप्त होने से मनोबल उच्च रहेगा। २,३,११,१२,१३,१९,२०,२१, २८,२९,३० मई ७,८,९,१६,१७,२४,२५,२६ जून ४,५,६,१३,१४,१५, २२,२३ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा, पूर्वार्ध में राशीश के द्वादश स्थान में होने से शरीर अस्वस्थ रहेगा, उच्च अथवा निम्न रक्तचाप से मन व्यथित रहेगा, अस्थायी संक्रमण एवं ज्वरादि का कष्ट रहेगा। उत्तरार्द्ध में स्वास्थ्य लाभ होगा। आय-व्यय संतुलन व्यवस्थित होगा, धनागम के मार्ग खुलेंगे, अवरोध दूर होकर कार्यक्षेत्र व्यवसाय से उत्तम लाभ व धन संचय होगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण होगा। १,२,३,१०,११,१८,१९,२८,३० अगस्त एवं ६,७,१४,१५,१६,२४,२५ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा, कार्यक्षेत्र व्यवसाय में सफलता मिलेगी, नवीन रोजगार की योजनाएं क्रियान्वित होगी। धनागम के मार्ग उन्नतिदायक रहेंगे, धन संचय से आत्म संतुष्टि रहेगी। मनोबल बढ़ेगा। घर परिवार में सुख सुविधाओं में, वृद्धि होगी। भूमि, भवन, वाहन का लाभ होगा। पैतृक संपत्ति में अंश प्राप्ति के लिए भ्रातृ पक्ष से वैचारिक मतभेद रहेगा। किन्तु बाद में समस्या सुलझ जाएगी। ३,४,५,१२,१३,२१, २२,२३,३१ अक्टूबर एवं ८,९,१०,१८,१९,२० नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। भूमि-भवन-वाहन में पूँजी निवेश से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। मातृ पक्ष से सहयोग रहेगा। यदा-कदा पति/पत्नि से अकारण अनबन हो सकता है किन्तु दाम्पत्य जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। समाज व राजनीति में यश व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, समुदाय में अग्रणी होने से मान सम्मान में वृद्धि होगी। भ्रातृ पक्ष के सहयोग से पूँजी-निवेश से धनागम के मार्ग प्रशस्त होंगे। २७,२८ नवम्बर ५,६,७, १५,१६,२४,२५ दिसम्बर एवं २,३,११,१२,१३,२०,२१ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ तक)

यह समय आपके लिए अपेक्षाकृत संघर्ष का रहेगा। संतान पक्ष से असंतुष्टि रहेगी। पिता-पुत्र से वैचारिक मतभेद व असहयोग रहेगा। सरकारी

सेवारत वर्ग के लिए अधिकारियों से मतभेद व असहयोग रहेगा। स्थानांतरण एवं प्रोन्नति में विलम्ब से मन खिन्न रहेगा। पति/पत्नी से अकारण कलह व वाद-विवाद की स्थिति रहेगी। २२,२३,२४ जनवरी १,२,१०,१२,१३,१९, २०,२८ फरवरी एवं १,९,१०,११, १८,१९,२०,२७, २८,२९ मार्च के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

कन्या (VIRGO) टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्ष भर धनु राशि पर शनि के राशि से चतुर्थ स्थान पर विराजमान रहने से मातृ पक्ष से असहयोग रहेगा। नौकरी पेशा लोगों के लिए नौकरी में परिवर्तन स्थानान्तरण, परदेश गमन, मित्र-बन्धुओं से अकारण वैमनस्य आदि समस्याओं का सामना करना पड़ेगा तथापि भूमि भवन-वाहनादि का सुख किञ्चित अड़चनों के बाद भी प्राप्त होगा। पैतृक संपत्ति में अंश प्राप्ति के लिए संघर्ष करना पड़ेगा यदा-कदा दंत, नख, गठिया, सन्धिपीड़ा, दमादि श्वसन सम्बन्धी रोग, से त्रस्त रहेंगे। कफ-पित्त-वायु विकारो से शरीर की रक्षा आवश्यक होगी। चतुर्थेश-सप्तमेश गुरु के राशि से छठे स्थान में होने से कार्य-व्यवसाय में आशातीत सफलता मिलेगी। साझेदारी में किए गए व्यापार से लाभ के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। भाईयों का सहयोग सराहनीय रहेगा। सितम्बर मास में व्यय का दबाव विशेष रुप से कष्टदायक रहेगा। व्यापारिक अस्थिरता एवं परिवारिक अशान्ति की आशंका रहेगी, धनहानि तथा वृथाभ्रमण से मन खिन्न रहेगा। अनिष्ट निवृत्ति के लिए हनुमदुपासना व गणेश अर्चना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। राशि से सप्तम स्थान में स्थित राशीश बुध की, राशि पर पूर्ण दृष्टि होने के कारण कार्यक्षेत्र, व्यवसाय में विभिन्न मार्गो से धनागम के स्त्रोत खुलेंगे। लेकिन २५ मार्च से १६ अप्रैल तक राशीश बुध के वक्री होने से कार्यक्षेत्र में सफलता-असफलता की स्थिति बनी रहेगी। व्यापार में साझेदारों के साथ संतुलन बनाए रखने में सफल रहेंगे। समय के उत्तरार्द्ध में व्यापार में कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा। २०,२१,२८,२९,३० मार्च एवं ६,७, ८,१६,१७,२५,२६,३० अप्रैल आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। १२ मई से राशीश बुध राशि से अष्टम स्थान में प्रवेश करेगा अत: कार्य-व्यवसाय संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होगी, कठिन प्रतिस्पर्धा से लाभांश में न्यूनता रहेगी, किन्तु द्वितीय स्थान से गुरु की पूर्ण दृष्टि से धनागम के मार्ग बने रहेंगे। उत्तरार्द्ध में भाग्य बली रहेगा। रोजगार के विस्तार की नवीन योजनाएँ क्रियान्वित होगी, कार्यक्षेत्र में लाभ व उन्नति से मन प्रफुल्लित रहेगा। ३,४,५,१३, १४,१५, २१,२२,२३,३०,३१ मई १,१०,११,१८,१९,२८,२९ जून एवं ७, ८,९, १५,१६,२४,२५,२६ जुलाई आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। कार्यव्यवसाय एवं कार्यक्षेत्र में चल रहे उन्नति के प्रयासों को गति मिलेगी यदा-कदा कठिनाईयों का सामना भी करना पड़ेगा। किन्तु धन-लाभ के अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे। वर्षो से लम्बित मनोकामनाएं पूर्ण होगी, भौतिक संसाधनो का सौख्य प्राप्त होगा। संतान पक्ष से संतुष्टि मिलेगी। विद्या व अध्यात्म के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक मान-सम्मान, प्रतिष्ठा का लाभ प्राप्त होने से मन प्रसन्न रहेगा। ३,४,५,११,१२,१३, २०,२१,२२,३१ अगस्त एवं १,२,९,१७,१८,१९ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में

आकस्मिक खर्चो, भौतिक संसाधनों के क्रय व मनोरंजन के आयामों पर व्यय से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। उत्तरार्द्ध में स्थिति परिवर्तित होगी कुशलता से व्यय के दवाव को नियंत्रित कर लेंगे। उत्तरार्ध में बाधाएँ पार कर कार्य क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी धनागम के विभिन्न मार्ग प्रशस्त होंगें एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। धन संचय से मनोबल उच्च रहेगा। २७,२८ सितम्बर ५,६,७,१४,१५,१६,२४,२५,२६ अक्टूबर एवं २,३,१०, ११,१२,२१,२२ नवम्बर आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके के लिए उत्तम फलदायक रहेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में उन्नति होगी। कार्यक्षेत्र में विस्तार की नविन योजनाएँ क्रियान्वित होंगी एवं पराक्रम में वृद्धि रहेगी। छोटे भाई के सहयोग से उच्चाधिकारियों से सम्पर्क स्थापित होंगे फलस्वरूप पारिवारिक उन्नति, भूमि-भवन-वाहनादि में पूँजी निवेश से उत्तम लाभ की प्राप्ति होगी। भौतिक सुख-संसाधनों में वृद्धि, मातृ पक्ष से सहयोग, पिता के संरक्षण से प्रसन्नता व हर्ष का वातावरण रहेगा। २९,३० नवम्बर ९,१०,१७,१८,१९,२६,२७,२८ दिसम्बर एवं ४,५, ६,१४,१५,१६ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में संतान सुख व वर्षो से लम्बित विद्याध्ययन का अवसर प्राप्त होगा । सेवारत लोगों के लिए प्रोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है जो कि शुभ फलदायक रहेगा। उत्तरार्द्ध में स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। खाँसी जुकाम, उदर-विकार, अपच, आँत्रशोध से स्वास्थ्य रक्षा आवश्यक होगी। २४, २५,२६ जनवरी ३,४,५,१३,१४,२१,२२ फरवरी एवं २,३,४,१२,१३, १४,२०,२१, २२, २८, २९, ३० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

तुला (LIBRA) रा, री, रू, रे, रो, ता, ति, तू, ते ।

यह वर्ष आपके लिए सामान्य रूप से शुभ फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ में तृतीय-षष्ठेश गुरु तुला राशि पर स्थित होगा, अतः पराक्रम में वृद्धि रहेगी। कार्य-क्षेत्र-व्यवसाय में लाभ हेतु दूर-समीप की यात्राएं होंगी व्यर्थ के कार्यो में दौड़ धूप बढ़ेगी। शत्रु पक्ष से दबाव व वाद-विवाद बढ़ सकता है। शनि की स्थिति संपूर्ण वर्ष संतान सुखदायक, उन्नतिकारक व अधिक लाभदायक रहेगी । धनागम के मार्ग समान रूप से बने रहेंगे। धन संचय एवं मितव्ययता से आय-व्यय का संतुलन बना रहेगा। संतान पक्ष की शिक्षा, रोजगार से संतुष्टि मिलेगी। भ्रातृपक्ष के सहयोग से नवीन रोजगारों की योजनाएँ क्रियान्वित होंगी। भूमि-भवन-वाहन के क्षेत्र में पूँजी निवेश से अच्छा लाभ प्राप्त होगा किन्तु धोखा-धड़ी से सर्तक रहें। परिवार-कुटुम्ब की पैतृक संपत्ति में अंशलाभ किञ्चित विलम्ब से होगा लेकिन अच्छा लाभदायक रहेगा। यदा-कदा, ज्वर, संक्रमण, अमलाधिक्य, टॉन्सिल, चक्षु रोग, सायनस, नासिका व त्वचा के रोगों से आत्मरक्षा आवश्यक रहेगी। अनिष्ट परिहार हेतु शनि का छायादान, तुला-दान व श्वेत वस्तुओं का दान श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, कार्य क्षेत्र में रूकावटे दूर हो कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। साझेदारी से आर्थिक स्थिति मे विशेष सुधार व व्यवसाय में अधिक लाभ के सुअवसर प्राप्त होंगे, लाभकारी योजनाओं में निवेश से मन प्रसन्न रहेगा। उत्तरार्द्ध में स्थिति बदलेगी, स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। वृथा भ्रमण व आकस्मिक कठिनाईयों से मन खिन्न रहेगा। धनागम भी पूर्वापेक्षा न्यून रहेगा। २१,२२,२३, ३०,३१ मार्च १,८,९,१०,१८,१९,२५,२६ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, समीप दूर की यात्राएं लाभप्रद रहेगी। कार्यक्षेत्र में उन्नति की प्रबल सम्भावनाएं बनेगी। अवरूद्ध धन की प्राप्ति व मान-सम्मान में वृद्धि होगी विद्याध्ययन में रूचि बढ़ेगी, संतान पक्ष से भी परिणाम अनुकूल मिलेगें। परोपकार व धार्मिक आयोजनों में विशेष रूचि रहेगी। यश प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। ६,७,८,१५,१६,१७,२३,२४,२५ मई २,३,४,११,१२,२०,२१,२९,३० जून एवं १,९,१०,११,१७,१९,१९,२७ जुलाई आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में वर्षो से लम्बित मनोकामनाएं पूर्ण होगी। कार्यक्षेत्र व्यवसाय में उन्नति की गति से भविष्य के प्रति आशवस्त रहेंगे। संतान पक्ष की शिक्षा व रोजगार से प्रसन्नता मिलेगी। माता-पिता को सहयोग से मनोबल उच्च रहेगा। समुदाय में अग्रणी रहने से मान-सम्मान, प्रतिष्ठा मिलेगी। उतरार्द्ध में टाँसिल, नेत्र-रोग, नासिका रोग, ज्वर व संक्रमण से स्वास्थ्य नरम रहेगा। २८,२९ जुलाई ५,६,७,१३,१४,१५,२६,२७ अगस्त २,३,१०,११,१२, १९,२०, २१ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा, ९ अक्टूबर से २३ नवम्बर तक राशीश शुक्र स्वराशि में वक्री रहेगा। स्वास्थ्य चिन्ता व अन्यान्य विषम परिस्थितियों से मानसिक तनाव बढ़ेगा। शत्रुपक्ष से भयभीत रहेंगे। धनागम में व्यवधान व खर्च में वृद्धि से आर्थिक संतुलन प्रभावित होगा।, स्थिति सामान्य करने के लिए कड़ा संघर्ष करना होगा। पति/पत्नी से अकारण मतभेद से परिवार में कलह पूर्ण वातावरण रहेगा। २९,३० सितम्बर ७,८,९,१६,१७,१८,२६,२७,२८ अक्टूबर एवं ४,५,१३, १४,१५,२२,२३ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए पूर्णापेक्षा उत्तम फलदायक रहेगा। धीरे-धीरे धनागम व लाभ के मार्ग पुनः व्यवस्थित होंगे। परिवार व मित्रजनो के सहयोग से कार्य-क्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति के सुअवसर प्राप्त होंगे। धन संचय से आत्मबल बढ़ेगा। कुटुम्ब के सदस्यों व निकट सम्बन्धियों से व्यापार में सहयोग मिलेगा। कड़ी प्रतियोगिता में भी संयम व सुझ-बूझ से आय के साधनों में वृद्धि करने में सफलता मिलेगी। २४ नवम्बर १,२,३, १०, ११,१२,२०,२१,२२,२८,२९,३० दिसम्बर एवं ६,७,८,१६, १७,१८ जनवरी के दिन अपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ तक)

यह समय आपके लिए उत्तय फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में परिवार में सुख-शान्ति व सौहार्द का वातावरण रहेगा। भ्रातृपक्ष से सहयोग व पराक्रम में वृद्धि रहेगी। आमोद-प्रमोद व मनोरंजन के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। उत्तरार्द्ध में भूमि-भवन-वाहन का सौख्य रहेगा, इन क्षेत्रों में पूँजी निवेश से अच्छा लाभांश प्राप्त होगा। संतान पक्ष से संतुष्टि व प्रसन्नता रहेगी। २४,२५,२६ जनवरी ३,४,५,१३,१४,२१,२२ फरवरी एवं २,३,४, १२,१३,१४,२०,२१,२२,२८,२९,३० मार्च के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

वृश्चिक (SCORPIO) तो, न, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू।

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण व कष्टप्रद रहेगा, धनु राशि पर शनि की स्थिति साढ़ेसाती के अन्तिम ढैय्या का पूर्ण प्रभाव डालेगी। शनि के प्रकोप से मानसिक तनाव, पारिवारिक अशान्ति, वायु विकार सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तृतीयेश-चतुर्थेश शनि के धन

स्थान में स्थित होने के कारण व धनेश-पञ्चमेश शुभ के द्वादश स्थान में होने से वित्त सम्बन्धी समस्याओं से परेशानी रहेगी। ऋण की चिन्ता से तनाव रहेगा, बनते कार्यो में व्यवधान उपस्थित होंगे। यह समय आर्थिक मानसिक व शारिरीक कष्टों से जूझने का रहेगा। व्यवसायिक कार्यो में उथल-पुथल रहेगी, धनागम के मार्ग अवरूद्ध होंगे। एक ऋण निवृति के लिए दूसरा ऋण लेना पड़ सकता है। धन का अपव्यय व अनावश्यक खर्चो के दबाव के कारण आर्थिक संतुलन व्यवस्थित करने में कठोर परिश्रम करना पड़ सकता है। पति/पत्नी से अकारण मतभेद व असहयोग रहेगा। सन्धिरोग, सायटिका कोष्टबद्धता, बवासीर आदि रोगों से आत्मरक्षा आवश्यक होगी। अनिष्ट परिहार हेतु हनुमदुपासना व शनि अर्चना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल -वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। पूर्वार्ध में वित्तेश गुरु राशि से द्वादश स्थान में रहेगा अतः धनागम की स्थिति क्षीण रहेगी। अपव्यय, वृथा भ्रमण एवं आकस्मिक खर्च से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। ऋण निवृति में अनेक कठिनाईयां आएगी व अपमान से मन खिन्न रहेगा। भ्रातृपक्ष से मन-मुटाव व कुटुम्ब में अशान्ति व कलहपूर्ण वातावरण रहने से परिवार में विभाजन की स्थिति बन सकती है। व्यथा से पराक्रम में कमी व आलस्य की अधिकता रहेगी। २४,२५ मार्च १,२,३,११,१२,२०,२१, २७,२८,२९ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

पूर्वार्ध में समय संघर्ष पूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में आलस्य व शिथिलता के कारण बनते कार्य भी लम्बित होंगे। भ्रातृ पक्ष से मतभेद व अलगाव की स्थिति बनी रहेगी राशीश के वक्री होने से धनागम के मार्ग अवरूद्ध रहेंगे। देनदारियों के कारण जीवन-निर्वाह योग्य धन प्राप्ति में अड़चने रहेगी। कार्य व्यवसाय में कठिन प्रतियोगिता के कारण, कठोर परिश्रम के बाद भी लाभांश न्यून ही रहेगा। ९,१०,१७,१८,२६,२७,२८ मई ५,६,७,८,९,१३,१४,१५,२२,२३,२७,२८ जून एवं १,२,३,११,१२,१३, २०,२१ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय पूर्वापेक्षा किञ्चित अनुकूल रहेगा पराक्रम में वृद्धि समीप-दूर की लाभप्रद यात्राओं से कार्य-क्षेत्र व्यवसाय में उत्तरोत्तर सफलता की प्राप्ति होगी, भ्रातृ पक्ष से भी सम्बन्ध सुधरेंगे व सहयोग प्राप्त होगा नवीन रोजगार सम्बन्धी योजनाएँ कार्यान्वित होंगी। उतरार्द्ध में पारिवारिक सुख-शान्ति रहेगी। दौड़ धूप से नये कार्य प्रारम्भ होने से व्यस्तता बढ़ेगी, मन में उत्साह व विशेष प्रयत्नों से लाभप्रद कार्यो की सिद्धि होगी। ८,९,१०,१६, १७,२३,२४,२५ अगस्त एवं ३,४,५,१३,१४,२२, २३,२४ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में उपलब्धियों व कार्य-सिद्धि के लिए कठोर परिश्रम अपेक्षित रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति का वातावरण रहेगी। उतरार्द्ध में भूमि-भवन-वाहनादि की प्राप्ति का सौख्य मिलेगा। भवन निर्माण हेतु कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य-क्षेत्र व व्यवसाय में उत्तरोत्तर वृद्धि से मन प्रसन्न होगा। समुदाय में अग्रणी रहने का अवसर प्राप्त होगा। १०,११,१२,१९,२०,२१,२८,२९, ३० अक्टूबर ६, ७, ८, १६, १७, १८ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नही रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा पूर्वार्ध में भूमि वाहन का सौख्य प्राप्त होगा। भवन निमार्ण मे छोटी-छोटी अड़चनों के बाद भी कार्य सिद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। माता का सहयोग व पैतृक सम्पति में अंश

प्राप्ति से मनोबल उच्च रहेगा। मित्रों-बन्धुओं से सौहार्द व सहयोग मिलेगा। उत्तरार्द्ध मे संतान पक्ष से संतुष्टि व शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के सुअवसर प्राप्त होंगे। घर-परिवार में शान्ति व सुख का वातावरण रहेगा। २४,२५,२६ नवम्बर ३,४,५,१३,१४, १५,२२,२३,२४,३०,३१ दिसम्बर एवं १,९,१०, ११,१८,१९,२० जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी ५ अप्रैल २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में संतान पक्ष की उन्नति व शिक्षा से संतुष्टि रहेगी। घर में मांगलिक कार्यो के आयोजन से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी पेशा वर्ग को प्रौन्नति व स्थानान्तरण का सुअवसर प्राप्त होगा। उत्तरार्द्ध मे स्वास्थ्य किञ्चित नरम रहेगा। शिरशूल, पित्ताधिक्य, उदरविकार जैसी छुट-पुट परेशानियों से स्वास्थ्य रक्षा आवश्यक होगी। २७, २८ जनवरी ५,६,७,१५,१६,१७,२३,२४,२५ फरवरी ४,५,६, १४,१५,१६,२३,२४,२७,२८ मार्च एवं १,२,३ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

धनु (SAGITTARIUS) ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में राशीश गुरु के राशि से एकादश स्थान होने से आर्थिक, शारीरिक व सामाजिक रूप से पुष्टि प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय वर्षो से लम्बित रोजगारपरक योजनाएँ, मनोकामनाएं सिद्ध होंगी, उन्नति के मार्ग इच्छानुसार प्रशस्त होते चले जाएगे किन्तु १२ अक्टूबर से गुरु के वृश्चिक राशि में संचरण के कारण राशि से द्वादश स्थान मे स्थित होने से समय किञ्चित संघर्षपूर्ण रहेगा। संपूर्ण वर्ष शनि की राशि पर स्थिति, साढ़े साती की दूसरी ढ़ैय्या का फल प्रदान करेगी। बनते हुए कार्यो से अनापेक्षित व्यवधान आ सकते है। आय के स्त्रोतो से धनागम न होना आवश्यक कार्यो के लिए धन की कमी होना, परिवार में क्लेशपूर्ण वातावरण के कारण मानसिक तनाव रहना, ऋण की राशि का दिनोंदिन बढ़ना, आलस्य रहना, आय-व्यय की व्यवस्था का असंतुलित होना, शारीरिक क्षमता व स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालेगा। धैर्य व सूझ-बूझ से समय व्यतीत करना होगा। कठिन परिस्थितियों से बचाव हेतु हनुमदुपासना, शनि का जप, दान लाभकारी रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा । पूर्वार्ध में भूमि-भवन वाहनादि में निवेश से अच्छा लाभ प्राप्त होगा। नवीन गृह निर्माण व वाहन का सौख्य प्राप्त होगा। पर्यटन के क्षेत्र में व्यवसाय से उन्नति व सफलता मिल सकती है, तथापि धनार्जन में कठोर परिश्रम व कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा। मातृ व भ्रातृ पक्ष से सहयोग रहेगा। आय-व्यय के संतुलन को बनाए रखना कठिन होगा। उदरविकार वायु-कफ विकार से त्रस्त रहेंगे। १८,१९,२६,२७,२८ मार्च ४,५,१४,२२, २३,२४ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में धनागम के मार्ग प्रशस्त होते हुए भी यदा-कदा व्यवधानों से लाभांश अवरूद्ध होगा। पति/पत्नी से अकारण मतभेद व वैमनस्य रहेगा। आय-व्यय का संतुलन भी यदा-कदा प्रभावित होगा। उत्तरार्द्ध में रोजगारपरक नवीन योजनाओं में साझेदारी का अवसर प्राप्त होगा किन्तु लाभ प्राप्ति के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहना ही कल्याणकारी रहेगा। २,३,११,१२,१३,१९,२०,२१, २८,२९,३० मई ७,८,९,१६,१७, २४,२५,२६ जून ४,५,६,१३,१४,१५,२२,२३ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय सामान्य फलदायक रहेगा। तथापि व्यवसायिक दृष्टि से धनलाभकारी, प्रगतिदायक एवं संतोषजनक रहेगा। लाभ प्राप्ति के लिए

कठोर परिश्रम अपेक्षित रहेगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय में समुचित लाभ प्राप्त होगा। पति/पत्नी से सम्बन्ध कटु रहेंगे एवं दाम्पत्य-सुख का ह्रास रहेगा। परिवार-कुटुम्ब से भी सहयोग न होने से मन खिन्न रहेगा। परिवारजनों मे भी आपके लिए असंतोष रहेगा। १,२,३,१०,११,१८,१९, २८,३० अगस्त एवं ६,७,१४,१५,१६,२४,२५ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय पूर्वापेक्षा संघर्षपूर्ण रहेगा। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा तथापि लाभांश न्यून रहने से मन असंतुष्ट रहेगा। आय से अधिक व्यय होने से चिन्ता व तनाव रहेगा। भूमि-भवन-वाहन के क्षेत्र में पूँजी निवेश से बचना ही श्रेयस्कर रहेगा। उत्तरार्ध में नेत्र-शिर पीड़ा, संक्रमण, ज्वर, माँसपेशियों में खिचाँव आदि रोगों से त्रस्त रहेंगे। वाद-विवाद एवं वृथा भ्रमण से दूर रहना ही श्रयेस्कर होगा। ३,४,५,१२,१३,२१,२२,२३,३१ अक्टूबर एवं ८,९,१०,१८,१९, २० नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। भाग्येश सूर्य की राशि पर शनि से युति रहेगी, अतः पिता से अकारण वैमनस्य मत-भेद व असंतुष्टि रहेगी, संतान पक्ष से भी असंतोष व क्रोध रहेगा। परिवार-कुटुम्ब में कलहपूर्ण वातावरण से मन खिन्न रहेगा। विवेकपूर्ण निर्णय व संयमित व्यवहार से स्थिति सम्भँल सकती है। पुराने जमीन-जायदाद के झगड़े को भी धैर्य व संयम से निपटाया जा सकता है। २७,२८ नवम्बर ५,६,७,१५, १६,२४,२५ दिसम्बर एवं २,३,११,१२,१३,२०,२१ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। भ्रातृ पक्ष से सहयोग रहेगा, किन्तु पैतृक संपत्ति के बँटवारे में आन्तरिक मन-मुटाव व असंतोष रहेगा। कुटुम्ब में सन्देह व अविश्वास का वातावरण रहेगा। पराक्रम में वृद्धि व समीप-दूर की यात्राओं से लाभांश में आशातीत सफलता मिलेगी वर्षान्त में नवीन गृहप्राप्ति व भ्रातृ पक्ष से विभाजन की ओर प्रवृत्त होंगे। २२,२९,३० जनवरी ८,९,१०,१७,१८,२५,२६,२७ फरवरी ७,८,९,१६,१७,१८,२५,२६ मार्च एवं ३,४,५ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मकर (CAPRICORN) भो, ज, जी, खि, खू, खे, खो, गा, गी।

यह वर्ष आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। पूरे वर्ष राशीश शनि के द्वादश स्थान पर रहने से प्रथम ढ़ैय्या का प्रभाव रहेगा। अतः शारीरिक रूप से समय ठीक नहीं रहेगा। वात-विकार, उदर पीड़ा, सन्धि रोग, गठिया, सायटिका एवं स्नायु रोग से प्राय शरीर अस्वस्थ रहेगा। उधार दिए गए धनागम की स्थिति क्षीण रहेगी। स्वयं ऋण निवृत्ति की चिन्ता में व्यथित रहेंगे। निवेश में पूँजी दीर्घकाल तक अवरूद्ध हो सकती है। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में कठोर परिश्रम अपेक्षित रहेगा। वृथा भ्रमण, अपव्यय, आलस्य एवं पराक्रम की न्यूनता से स्थिति दुष्कर रहेगी। तृतीयेश एवं व्ययेश गुरु के दशम स्थान में स्थिति होने से किञ्चित संतोष रहेगा। व्यय किया गया धन सूझ-बूझ से सही कार्य के लिए प्रयोग होगा। बनते कार्यो में व्यवधान, मानसिक तनाव कुटूम्ब से असंतुष्टि व अशान्ति का वातावरण रहेगा। खर्च का दबाव कार्य क्षमता को भी प्रभावित करेगा। वर्ष के उत्तरार्ध में भूमि-भवन-वाहनादि में निवेश से किञ्चित लाभ प्राप्ति होगी। पति/पत्नी से भी सौहार्द व सहयोग रहेगा। नौकरी पेशा वर्ग के लिए उतार-चढ़ाव का समय रहेगा। अधिकारियों द्वारा अपमान झेलना पड़ सकता है। कष्ट निवृति हेतु शनि का छायादान व हनुमदुपासना श्रेयस्कर रहेगी।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। शनि के दुष्प्रभाव से शारीरिक कष्ट तो रहेगा ही किन्तु अन्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। सूर्य की उच्चावस्था में राशि से चतुर्थ स्थान में स्थिति से भूमि-भवन -वाहनादि के लाभ का १४ मई तक उत्तम योग रहेगा। संतान पक्ष की शिक्षा व रोजगार संबंधी उन्नति से प्रसन्नता रहेगी। राज्य के उच्चाधिकारियों से सम्पर्क होने के कारण रोजगार सम्बन्धी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे किन्तु शनि की स्थिति के कारण सभी कार्यो में विलम्ब होगा। २०,२१,२८,२९,३० मार्च एवं ६,७,८,१६,१७,२५,२६,३० अप्रैल आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा । पूर्वार्द्ध में सन्तान पक्ष की शिक्षा, नौकरी व उन्नति से मन संतुष्ट व प्रसन्न रहेगा। घर परिवार में सुख-शान्ति व मांगलिक कार्यो का आयोजन होगा। पिता के सहयोग से कार्यक्षेत्र में विस्तार के सुअवसर प्राप्त होंगे। व्यवसाय में साझेदारी से प्रगति व उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पति/पत्नी का सहयोग रहेगा। समीप-दूर की यात्राएं लाभकारी रहेगी। व्यवधान होते हुए भी अनेक कार्य सिद्ध होंगे। ३,४,५,१३,१४,१५,२१,२२,२३,३०,३१ मई १,१०,११,१८, १९,२८, २९ जून एवं ७, ८,९,१५,१६,२४,२५,२६ जुलाई आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए संघर्षपूर्ण रहेगा। पूर्वार्ध मे पति/पत्नी से अकारण वैमनस्य व मतभेद रहेगा, जिससे घर में अशान्ति व कलहपूर्ण वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाने से मन खिन्न रहेगा। उत्तरार्द्ध में राजकीय पक्ष से किञ्चित अड़चने व कठिनाईयां आ सकती है आयात-निर्यात करने वाले व्यवसायी इस समय अच्छा लाभांश प्राप्त करेंगे। विदेश में पूँजी निवेश भी लाभकर रहेगा। ३, ४, ५, ११, १२, १३, २०, २१, २२, ३१ अगस्त एवं १,२ ,९,१७,१८,१९ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा, पूर्वार्ध में भाग्येश बुध स्वगृही होकर भाग्य स्थान में अष्टमेश सूर्य के साथ युक्त होगा। अतः भाग्यबली होते हुए भी उन्नति के अनेक सुअवसर, कठिनाईयों व व्यवधानों से प्राप्त होंगे। कठिन परिश्रम व कड़ी प्रतियोगिता अपेक्षित रहेगी। उत्तरार्द्ध में भाग्येश बुध कर्मेश शुक्र से कर्म स्थान में युक्त होगा। अतः कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में प्रगति एवं लाभ के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। वर्षो से लम्बित कार्यो में सिद्धि प्राप्त होंगी। २७, २८ सितम्बर ५,६,७,१४,१५,१६,२४, २५,२६ अक्टूबर एवं २, ३, १०, ११, १२, २१, २२ नवम्बर आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में समय आपके अनुकूल रहेगा। वर्षो से लम्बित मनोकामनाएं पूर्ण होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का उपयोग व विलासिता के साधनों का सुख मिलेगा। उत्तरार्द्ध में कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में मन्दी रहने के कारण वृथा भ्रमण, अपव्यय से मन खिन्न रहेगा। अनावश्यक खर्चो के दबाव से आय-व्यय का संतुलन प्रभावित होगा। स्वास्थ्य भी सन्धि रोग, संक्रमण ज्वरादि से नरम रहेगा। २९, ३० नवम्बर ९, १०, १७, १८, १९, २६, २७,२८ दिसम्बर एवं ४, ५,६,१४,१५,१६ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्ध में

वात-विकार, सन्धि रोग, शिर शूल संक्रमण व ज्वरादि अस्थायी रोगो से शरीर म्लान रहेगा। उपचार में अतिव्यय की स्थिति रहेगी। उतरार्द्ध में स्वस्थ्य लाभ होगा। पराक्रम में वृद्धि, ऊर्जा व स्फूर्ति रहेगी। परिवार-कुटूम्ब में शान्ति व सौहार्द रहेगा। धनागम से धन संचय में वृद्धि होगी। आकस्मिक लाभ से मनोबल उच्च रहेगा। लम्बी यात्रा का सुअवसर प्राप्त होगा। २२, २३,२४ जनवरी १,२,१०,१२,१३,१९,२०,२८ फरवरी एवं १,९,१०,११, १८,१९,२०,२७,२८,२९ मार्च के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

कुम्भ (AQUARIUS) गू, गे, गो, स, सि, सू, से, सो, द।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक होते हुए भी शुभफलदायक सिद्ध होगा। राशीश शनि की स्थिति वर्ष भर धनु राशि में लाभ स्थान में रहेगी, अत' संपूर्ण वर्ष लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। यद्यपि व्ययेश भी शनि ही है किन्तु व्ययाधिक्य होने के पश्चात भी खर्च किए गए धन का सदुपयोग आपकी इच्छानुसार ही होगा। कारोबार की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। नवीन रोजगारों की योजनाएँ फलीभूत होंगी। आयात-निर्यात के व्यवसायियों के लिए यह वर्ष विशेष रूप से फलदायी रहेगा। सन्तान पक्ष की शिक्षा व उपलब्धियों से मन प्रसन्न व आश्वस्त रहेगा। यदा-कदा अस्थायी शारीरिक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रक्तचाप, हृदय रोग से बचाव अपेक्षित रहेगा। पति/पत्नी के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। लाभेश-वित्तेश गुरु की स्थिति भाग्य स्थान में होने से मनोवाञ्छित धन प्राप्ति व कार्य क्षेत्र में उन्नति प्राप्त होगी। भाग्येश शुक्र की स्थिति अनुकूल होने से भूमि-भवन-वाहनादि का सौख्य, मान सम्मान व यशप्राप्ति, मित्र-बन्धुओं का सहयोग मिलेगा। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ परिणामदायक रहेगा। कठिनाईयों के समय को अनुकूल करने के लिए शिवार्चन श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० मई २०१७ ई० तक)

यह समय आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा पूर्वार्द्ध में भ्रातृ पक्ष से सहयोग, पराक्रम में वृद्धि, भूमि-भवन वाहन का सौख्य प्राप्त होगा। नवीन भवन का निर्माण एवं प्रवेश भी होगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति व सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। मातृपक्ष से आय के साधन व सम्पत्ति में लाभांश मिलेगा। उच्चवर्गीय अधिकारियों के सम्पर्कवश मान-सम्मान में वृद्धि पूर्व लम्बित कार्य सफल होंगे। धनागम के मार्ग निरन्तर प्रशस्त रहेंगे। २१,२२,२३, ३०,३१ मार्च १,८,९,१०,१८,१९,२५,२६ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए सामान्य शुभ फलदायक रहेगा। मित्रों के सहयोग से कार्य व्यवसाय में कोई बड़ा सौदा या ठेका मिलने से कार्य क्षेत्र में उन्नति व धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। नये भवन-वाहन का सुख प्राप्त होगा। भविष्य की योजनाओं में पूँजी निवेश करने का सुअवसर प्राप्त होगा। सन्तान पक्ष की शिक्षा व उत्थान हेतु आर्थिक दबाव बना रहेगा। पति/पत्नी का स्वास्थ्य अस्थायी रूप से प्रभावित होगा। ६,७,८,१५,१६, १७,२३,२४,२५ मई २,३,४,११,१२,२०,२१,२९,३० जून एवं १,९,१०, ११,१७,१९,१९,२७ जुलाई आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए पूर्वापेक्षा मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्य-क्षेत्र, व्यवसाय में अनावश्यक बाधाओं से धनागम में व्यवधान आ सकता है। वृथा भ्रमण व व्ययाधिक्य से मन अशान्त रहेगा, किन्तु परिवार के सहयोग से विषम परिस्थितियों में भी सफलता के मार्ग बना लेंगे। यदा-कदा पति/पत्नी का स्वास्थ्य संक्रमण, ज्वर, शिरशूल आदि अस्थायी रोगो से प्रभावित रहेगा। २८, २९ जुलाई ५, ६, ७, १३, १४, १५, २६, २७ अगस्त २, ३, १०, ११, १२, १९, २०, २१ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। यह समय परिवारिक, सामाजिक व आर्थिक उतार-चढ़ाव का रहेगा। बन्धु बान्धवो एवं विवादित परिवारों से अर्न्तविरोध उत्पन्न हो सकते है मिथ्या आरोपों से मानसिक कष्ट रहेगा, किन्तु परिवार के सहयोग से अन्त में सामञ्जस्य स्थापित हो पाएगा। कार्य क्षेत्र व व्यवसाय में उन्नति की गति किञ्चित मन्द रहेगा। स्वास्थ्य भी यदा कदा नरम रहेगा। २९,३० सितम्बर ७,८,९,१६, १७,१८,२६,२७,२८ अक्टूबर एवं ४,५,१३, १४,१५,२२,२३ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

मार्गशीर्ष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए अनुकूल फलप्रदान करने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में आशातीत सफलता मिलेगी। लम्बित कार्य सिद्धि को प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में गुणात्मक सुधार होगा। संतान पक्ष की शिक्षा-दीक्षा व उन्नति से संतुष्टि व प्रसन्नता रहेगी। समुदाय में मान-सम्मान व समाज में अग्रणी रहने का अवसर प्राप्त होगा। राजकीय अधिकारियों के सहयोग से समाज सेवा का अवसर प्राप्त होगा। कार्याधिक्य से यदा-कदा शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित होगा। २४ नवम्बर १,२,३,१०,११,१२,२०, २१, २२,२८,२९,३० दिसम्बर एवं ६,७,८,१६, १७,१८ जनवरी के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में व्यवसायिक कार्यो में अपेक्षित सफलता न मिलने से मन खिन्न रहेगा। आंशिक सफलता से ही संतुष्ट होना पड़ेगा। वृथा भ्रमण व व्ययाधिक्य से आर्थिक संतुलन प्रभावित होगा। भोग-विलास व भौतिक संसाधनों पर व्यय नियंत्रित करना पड़ेगा। शिरशूल, नेत्र कष्ट, संक्रमण, ज्वरादि के प्रकोप से परिवार में सुख शान्ति का अभाव रहेगा। वर्षान्त में विशेष कार्य सिद्धि से आकस्मिक लाभ प्राप्त होगा।

मीन (PISCES) दी, दु, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची ।

यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। वर्षारम्भ से१४ अक्टूबर तक राशीश गुरु की स्थिति राशि से अष्टम स्थान पर रहेगी अत: कार्यक्षेत्र में अनेक प्रकार की विघ्नबाधाएं उत्पन्न होगी। रोजगार में सफलता हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा। व्यापार में स्थिरता की कमी व प्रतिद्धदियों से कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ेगा, तथापि बड़े भाई व पिता के सहयोग से बाधाओं पर विजय प्राप्त कर पायगें। पूर्वार्ध का समय आर्थिक दिशा में चिन्तन व अपव्यय पर अंकुश लगाने से ही नियंत्रित हो पाएगा। लाभेश व्ययेश शनि के संपूर्ण वर्ष राशि से दशम स्थान पर स्थित होने से व्यवसाय व धनागम में उतार-चढ़ाव मन्दी-तेजी की परिस्थितियाँ बनी रहेगी। उत्तरार्द्ध में राशीश के भाग्य स्थान में संचरण से स्थिति बदलेगी । कारोबार की दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा। व्यवसायिक कठिनाईयाँ दूर होकर विशेष आर्थिक सफलता व उन्नति चरम पर पहुचेंगे। धनागम के अनेक मार्ग प्रशस्त होंगे। धन संचय से मनोबल उच्च रहेगा। प्रसन्नता व हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। कठिन समय में अभीष्ट सिद्धि हेतु शिवार्चन श्रेयस्कर रहेगा।

चैत्र शुक्ल-वैशाख (१८ मार्च से ३० अप्रैल २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। वायु-विकार कफ-उदर विकार, अपच, आँत्रशोथ, ज्वरादि रोगो से व्यथित रहेंगे। व्ययाधिक्य व वृथाभ्रमण से मन संतप्त रहेगा। उतरार्द्ध में स्वास्थ्य लाभ, धनागम, कार्यक्षेत्र में सफलता व उन्नति से संतोष रहेगा। परिवार में हर्ष व मांगलिक कार्यो का आयोजन होगा। भ्रातृ पक्ष के सहयोग से कार्य-व्यवसाय में विकास की नवीन योजनाएं क्रियान्वित होगी। २४,२५ मार्च १,२,३,११,१२,२०,२१,२७,२८,२९ अप्रैल के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

ज्येष्ठ-आषाढ़ (१ मई से २७ जुलाई २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र व व्यवसाय में आशानुरूप सफलता मिलेगी। परिवार कुटुम्ब में सुख शान्ति व सौहार्द रहेगा। भूमि भवन-वाहनादि का सुख प्राप्त होगा। भूमि में पूँजी निवेश लाभप्रद रहेगा। उतरार्द्ध में संतान पक्ष की शिक्षा व कार्य क्षमता से संतुष्टि रहेगी। पुत्र के सहयोग से कार्य व्यवसाय में विस्तार की योजनाएँ क्रियान्वित होगी। भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। ९,१०,१७,१८,२६,२७,२८ मई ५,६,७,८,९,१३,१४,१५,२२,२३,२७,२८ जून एवं १,२,३,११,१२,१३,२०,२१ जुलाई के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

श्रावण-भाद्रपद (२८ जुलाई से २५ सितम्बर २०१८ ई० तक)

यह समय आपके लिए मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में अस्थायी रूप से स्वास्थ्य प्रभावित होगा। वायु-कफ-विकार, उदर पीड़ा ज्वर संक्रमणादि से शरीर क्लान्त रहेगा। शत्रु पक्ष मिथ्यारोपों से हानि पहुँचाने का प्रयास करेगा, व्यर्थ के झगड़े एवं अदालती कार्यवाही के पचड़ों से दूर रहना ही श्रेयस्कर रहेगा। उच्च प्रतिष्ठित व्यक्ति के सम्पर्क से मान-सम्मान व कार्य-क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। ८,९,१०,१६,१७,२३,२४,२५ अगस्त एवं ३,४,५,१३,१४,२२,२३,२४ सितम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

आश्विन-कार्तिक (२६ सितम्बर से २३ नवम्बर २०१६ ई० तक)

यह समय आपके लिए संघर्ष पूर्ण रहेगा । पति/पत्नी से वैचारिक मतभेद रहेंगे। दाम्पत्य सुख की हानि होगी। धैर्य व संयम से ही समाधान निकलेगा। कार्य-व्यवसाय से साझेदारो के साथ लाभांश पर मतभेद हो सकता है कार्य-व्यवसाय की सफलता हेतु कठिन परिश्रम अपेक्षित रहेगा। आयात-निर्यात का व्यवसाय करने वालों के लिए यह समय उत्तम रहेगा। पराक्रमहीनता व शिथिलता का त्याग करने से समाधान व समय अनुकूल रहेगा। १०, ११, १२, १९, २०,२१, २८, २९, ३० अक्टूबर ६, ७, ८, १६, १७, १८ नवम्बर के दिन आपके लिए अनुकूल नही रहेंगे।

मार्गशीष-पौष (२४ नवम्बर २०१८ ई० से २१ जनवरी २०१९ ई० तक)

यह समय आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा। राशीश के भाग्य स्थान में सञ्चार करने से आशा से अधिक उपब्लिधियां प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र, व्यवसाय में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि व सफलता प्राप्त होगी। अनेक मार्गो से धनागम होगा। विवादित कार्यो का समाधान आपके अनुकूल रहेगा। धन संचय व आर्थिक पुष्टता से मनोबल उच्च बना रहेगा। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। २४,२५,२६ नवम्बर ३,४,५,१३,१४,१५,२२,२३,२४,३०,३१ दिसम्बर एवं १,९,१०,११,१८,१९,२० जनवरी के दिन आपके अनुकूल नहीं रहेंगे।

माघ-फाल्गुन-चैत्र कृष्ण (२२ जनवरी से ५ अप्रैल २०१९ ई० तक)

यह समय उतार-चढ़ाव व तेजी मन्दी के कारण मिश्रित फलदायक रहेगा। पूर्वार्द्ध में कार्यक्षेत्र व व्यवसाय सम्बन्धी योजनाएँ लाभप्रद रहेगी। आशातीत सफलता व मनोकानाएं पूर्ण होगी। संतान पक्ष से यदा-कदा चिन्ता उभर सकती है। उत्तरार्द्ध में स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। धनागम के मार्ग अवरूद्ध होंगे। जिससे आय-व्यय का संतुलन बिगड़ जाएगा। अपव्यय व व्ययाधिक्य पर अंकुश आवश्यक होगा। मित्रों के सहयोग से स्थिति सँभल जाएगी। २७,२८ जनवरी ५,६,७,१५,१६,१७,२३,२४,२५ फरवरी ४,५,६,१४,१५,१६,२३,२४,२७,२८ मार्च एवं १,२,३ अप्रैल के दिन आपके लिए अनुकूल नहीं रहेंगे।

प्रो० नीलम ठगेला
ज्योतिष-विभाग

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० चैत्र शुक्ल पक्ष
(दि. १८ मार्च से ३१ मार्च २०१८ ई.) उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	18 मार्च	रवि	वासन्तिक नवरात्र प्रा., घटस्थापन, गुड़ी पड़वा, युगादि, भारतीय नववर्षारम्भ, रामायण नवाह्न प्रारम्भ, कल्पादि, चन्द्रदर्शन
द्वितीया	19 मार्च	सोम	सिन्धारा, **झूलेलाल जयंती**
तृतीया	20 मार्च	मंगल	मत्स्य जयंती, गणगौरी तृतीया, मन्वादि
चतुर्थी	21 मार्च	बुध	विनायक चतुर्थी
षष्ठी	23 मार्च	शुक्र	यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी, सूर्य षष्ठी, रोहिणी व्रत
सप्तमी	24 मार्च	शनि	महानिशा पूजा
अष्टमी/नवमी	25 मार्च	रवि	दुर्गाष्टमी, औली जैन प्रारम्भ, मेला मनसा देवी, मेला बाहू फोर्ट जम्मू, रामनवमी, रामायण नवाह्न समाप्त, श्री ताराजयन्ती, नवरात्र समाप्त
दशमी	26 मार्च	सोम	नवरात्र पारणा
एकादशी	27 मार्च	मंगल	कामदा एकादशी व्रत (स.)
त्रयोदशी	29 मार्च	गुरु	महावीर जयन्ती (जैन), प्रदोष व्रत, अनङ्गत्रयोदशी
चतुर्दशी	30 मार्च	शुक्र	पूर्णिमाव्रत, गुड फ्राईडे, हजरत अली जन्म दिवस
पूर्णिमा	31 मार्च	मंगल	हनुमज्जयंती (दाक्षिणात्य), औली जैन समाप्त, सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, वैशाख स्नान प्रा.

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० वैशाख, कृष्ण पक्ष
(दि. १ अप्रैल से १६ अप्रैल २०१८ ई.) उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	1 अप्रैल	रवि	ईस्टर सण्डे, हजरत अली जन्मदिन, विश्व स्वास्थ्य दिवस, बैंक अवकाश
तृतीया	3 अप्रैल	मंगल	चतुर्थी व्रत, **चन्द्रोदय 21/30 घं. मि.**
पंचमी	5 अप्रैल	गुरु	गुरु तेग बहादुर जयन्ती
षष्ठी	6 अप्रैल	शुक्र	कोकिला षष्ठी
सप्तमी	7 अप्रैल	शनि	शर्करासप्तमी
अष्टमी	8 अप्रैल	रवि	वृद्धशीतलाष्टमी, कालाष्टमी
एकादशी	12 अप्रैल	गुरु	वरूथिनी एकादशी व्रत (स.), **वल्लभाचार्य जयंती**
द्वादशी	13 अप्रैल	शुक्र	प्रदोष व्रत
त्रयोदशी	14 अप्रैल	शनि	मासशिवरात्रि, अम्बेडकर जयन्ती, मेष संक्रान्ति 8/13 घं. मि., पुण्यकाल दोपहर 12/13 घं. मि. बजे तक, वैशाखी, बाहग विहू आसाम
चतुर्दशी	15 अप्रैल	रवि	हिमाचल दिवस, अमावस्या श्राद्धादि
अमावस्या	16 अप्रैल	सोम	सोमवती अमावस्या, गुरु अङ्गददेव जयन्ती

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० वैशाख शुक्ल पक्ष
(दि. १७ अप्रैल से ३० अप्रैल २०१८ ई.) उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	17 अप्रैल	मंगल	चन्द्रदर्शन
तृतीया	18 अप्रैल	बुध	परशुराम जयंती, शिवाजी जयन्ती, बगलामुखी जयन्ती, मातंगी जयन्ती, अक्षय तृतीया, त्रेता युगादि, बद्री केदार यात्रा

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० वैशाख शुक्ल पक्ष
(दि. १७ अप्रैल से ३० अप्रैल २०१८ ई.) उत्तरायण उत्तर गोल, वसंत/ग्रीष्म ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
चतुर्थी	19 अप्रैल	गुरु	विनायक चतुर्थी
पंचमी	20 अप्रैल	शुक्र	आद्यगुरु शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयन्ती
षष्ठी	21 अप्रैल	शनि	रामानुजाचार्य जयन्ती
सप्तमी	22 अप्रैल	रवि	गङ्गोत्पत्ति, गङ्गा सप्तमी
अष्टमी	23 अप्रैल	सोम	दुर्गाष्टमी
नवमी	24 अप्रैल	मंगल	सीता नवमी, जानकी नवमी, मैथिली दिवस
एकादशी	26 अप्रैल	गुरु	मोहिनी एकादशी व्रत (स.)
द्वादशी	27 अप्रैल	शुक्र	रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती, प्रदोष व्रत
त्रयोदशी/चतुर्दशी	28 अप्रैल	शनि	नृसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयन्ती
चतुर्दशी	29 अप्रैल	रवि	गुरु अमरदास जयन्ती, पूर्णिमाव्रत
पूर्णिमा	30 अप्रैल	सोम	बुद्धपूर्णिमा, सत्यव्रत, वैशाख स्नान समाप्त, नारद जयन्ती।

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० प्र. ज्येष्ठ (शुद्ध) कृष्ण पक्ष
(दि. १ मई से १५ मई २०१८ ई.) उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	1 मई	मंगल	श्रमिक दिवस
तृतीया/चतुर्थी	3 मई	गुरु	चतुर्थीव्रत, **चन्द्रोदय 22/05 घं. मि.**
सप्तमी/अष्टमी	7 मई	सोम	भानु सप्तमी, कालाष्टमी
नवमी	9 मई	बुध	गुरु रवीन्द्रनाथ जयन्ती
एकादशी	11 मई	शुक्र	अपरा एकादशी व्रत (स.)
त्रयोदशी/चतुर्दशी	13 मई	रवि	प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि
चतुर्दशी	14 मई	सोम	वृष संक्रान्ति 29/03 बजे
अमावस्या	15 मई	मंगल	वट सावित्रीव्रत, भावुका अमावस्या, वृष संक्रान्ति पुण्यकाल 11/27 घं. मि. तक

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० प्र. ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष
(दि. १६ मई से २९ मई २०१८ ई.) उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	16 मई	बुध	चन्द्रदर्शन, पुरुषोत्तम मास प्रारम्भ
तृतीया/चतुर्थी	18 मई	शुक्र	विनायक चतुर्थी व्रत
अष्टमी	22 मई	मंगल	दुर्गाष्टमी
एकादशी	25 मई	शुक्र	कमला एकादशी व्रत (स.)
द्वादशी/त्रयोदशी	26 मई	शनि	शनि प्रदोष व्रत
पूर्णिमा	29 मई	मंगल	पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० द्वि ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष
(दि. ३० मई से १३ जून २०१८ ई.) उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	31 मई	गुरु	विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस
चतुर्थी	2 जून	शनि	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22/24 घं. मि.
षष्ठी	5 जून	मंगल	विश्व पर्यावरण दिवस
सप्तमी	6 जून	बुध	कालाष्टमी
एकादशी	10 जून	रवि	कमला एकादशी व्रत (स.)
द्वादशी	11 जून	सोम	सोम प्रदोष व्रत
त्रयोदशी/चतुर्दशी	12 जून	मंगल	मासशिवरात्रि
अमावस्या	13 जून	बुध	अमावस्या, रोहिणी व्रत, पुरुषोत्तम मास समाप्त

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० द्वि. ज्येष्ठ (शुद्ध) शुक्ल पक्ष
(दि. १४ जून से २८ जून २०१८ ई.) उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	15 जून	शुक्र	चन्द्रदर्शन, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा., मिथुन संक्रान्ति 11/36 घं. मि., संक्रान्ति पुण्यकाल 11/36 से 18/00 बजे तक
तृतीया	16 जून	शनि	महाराणा प्रताप जयंती, रम्भा तृतीया, ईद उल फितर
चतुर्थी	17 जून	रवि	विनायक चतुर्थी
सप्तमी	19 जून	मंगल	अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा
अष्टमी	20 जून	बुध	दुर्गाष्टमी, मेला क्षीरभवानी (कश्मीर), धूमावती जयन्ती
दशमी	22 जून	शुक्र	गंगा दशहरा, गायत्री जयन्ती, रामेश्वर प्रतिष्ठा
एकादशी	23 जून	शनि	निर्जला एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)
एकादशी	24 जून	रवि	निर्जला एकादशी व्रत (निम्बार्क)
त्रयोदशी	25 जून	सोम	सोम प्रदोष व्रत
चतुर्दशी	27 जून	बुध	पूर्णिमा व्रत
पूर्णिमा	28 जून	गुरु	वटसावित्री व्रत (दाक्षिणात्य), वटपूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, सत्यव्रत, मन्वादि (वैवस्वत)

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० आषाढ़ कृष्ण पक्ष
(दि. २९ जून से १३ जुलाई २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	29 जून	शुक्र	अशून्य शयन व्रत, हर गोविन्द सिंह जयन्ती
तृतीया/चतुर्थी	1 जुलाई	रवि	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21/44 घं. मि.

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० आषाढ़ कृष्ण पक्ष
(दि. २९ जून से १३ जुलाई २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
सप्तमी	5 जुलाई	गुरु	भानुसप्तमी
अष्टमी	6 जुलाई	शुक्र	कालाष्टमी
एकादशी	9 जुलाई	सोम	योगिनी एकादशीव्रत (स.)
द्वादशी/त्रयोदशी	10 जुलाई	मंगल	भौम प्रदोष व्रत
त्रयोदशी/चतुर्दशी	11 जुलाई	बुध	मास शिवरात्रि, विश्व जनसंख्या दिवस
अमावस्या	12 जुलाई	गुरु	अमावस्या श्राद्धादि, कूर्म जयन्ती
अमावस्या/प्रतिपदा	13 जुलाई	शुक्र	अमावस्या स्नानादि, गुप्तनवरात्रारम्भ

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० आषाढ़ शुक्ल पक्ष
(दि. १४ जुलाई से २७ जुलाई २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	14 जुलाई	शनि	जगन्नाथ रथयात्रा, मनोरथ द्वितीया, चन्द्रदर्शन
चतुर्थी	16 जुलाई	सोम	विनायक चतुर्थी, कर्क संक्रान्ति 22/27 सं. पुण्यकाल, मध्याह्न से सूर्यास्त तक
षष्ठी	18 जुलाई	बुध	कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी
सप्तमी	19 जुलाई	गुरु	शीलता सप्तमी,
अष्टमी	20 जुलाई	शुक्र	दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, अष्टाह्निक आरम्भ
नवमी	21 जुलाई	शनि	भड्डली नवमी, गुप्तनवरात्र समाप्त, मेला शरीफ भवानी (कश्मीर)
एकादशी	23 जुलाई	सोम	देवशयनी एकादशी व्रत (स.), चातुर्मास्यारम्भ
द्वादशी	24 जुलाई	मंगल	वासुदेव द्वादशी
त्रयोदशी	25 जुलाई	बुध	प्रदोष व्रत
पूर्णिमा	27 जुलाई	शुक्र	पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा, गुरुपूर्णिमा, अष्टाह्निक पर्व समाप्त, सत्यव्रत, संन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, व्यासपूर्णिमा, जयापार्वतीव्रत, कोकिला व्रत। खग्रास चन्द्रग्रहण

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० श्रावण कृष्ण पक्ष
(दि. २८ जुलाई से ११ अगस्त २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	28 जुलाई	शनि	हिण्डोले प्रा. (व्रजमण्डल), अशून्य शयन व्रत
द्वितीया/तृतीया	30 जुलाई	सोम	श्रावण सोमवार व्रत
तृतीया/चतुर्थी	31 जुलाई	मंगल	चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 21/31 घं. मि., मंगला गौरी व्रत
पंचमी	2 अगस्त	गुरु	नाग पंचमी (बंगाल, बिहार)
सप्तमी	4 अगस्त	शनि	भानु सप्तमी, शीतला सप्तमी, कालाष्टमी
नवमी	6 अगस्त	सोम	श्रावण सोमवार व्रत
एकादशी	7 अगस्त	मंगल	कामिका एकादशी व्रत (स्मार्त), मंगला गौरी व्रत,
द्वादशी	8 अगस्त	बुध	कामिका एकादशी व्रत (वैष्णव)
त्रयोदशी/चतुर्दशी	9 अगस्त	गुरु	प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि
अमावस्या	11 अगस्त	शनि	हरियाली अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या, बाल गंगाधर तिलक जयन्ती

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० श्रावण शुक्ल पक्ष
(दि. १२ अगस्त से २६ अगस्त २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा/शरद् ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	12 अगस्त	रवि	चन्द्रदर्शन, सिन्धारा
द्वितीया/तृतीया	13 अगस्त	सोम	हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरी व्रत, श्रावण सोमवार व्रत
चतुर्थी	14 अगस्त	मंगल	विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपतिव्रत, मंगलागौरी व्रत

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० श्रावण शुक्ल पक्ष
(दि. १२ अगस्त से २६ अगस्त २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा/शरद् ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
पंचमी	15 अगस्त	बुध	नागपञ्चमी, ऋग्यजुहिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म, स्वतंत्रता दिवस
षष्ठी	16 अगस्त	गुरु	वर्णषष्ठी, कल्कि जयन्ती, वाराह जयन्ती
सप्तमी	17 अगस्त	शुक्र	गो. तुलसीदास जयंती, शीतला सप्तमी, भानु सप्तमी, सिंह संक्रान्ति प्रातः 6/50 बजे, सं पुण्य- काल प्रातः 6/50 से 13/14 तक, नोरोज (पारसी नववर्ष दिन)
अष्टमी	18 अगस्त	शनि	दुर्गाष्टमी, मेला श्रीनयनादेवी, मेला ज्वाला जी, मेला चिन्तपूर्णी
दशमी	20 अगस्त	सोम	श्रावण सोमवार व्रत
एकादशी	21 अगस्त	मंगल	मंगला गौरी व्रत
एकादशी/द्वादशी	22 अगस्त	बुध	पुत्रदा (पवित्रा)एकादशी व्रत, (स.), ईद उल जुहा (बकरीद)
द्वादशी/त्रयोदशी	23 अगस्त	गुरु	प्रदोष व्रत
चतुर्दशी/पूर्णिमा	25 अगस्त	शनि	पूर्णिमा व्रत, ओणम
पूर्णिमा	26 अगस्त	रवि	रक्षाबन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, हयग्रीवावतार, अमरनाथदर्शन, हिण्डोले समाप्त (व्रजमण्डल), संस्कृतदिवस

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० भाद्रपद कृष्ण पक्ष
(दि. २७ अगस्त से ९ सितम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद् ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	27 अगस्त	सोम	अशून्य शयन व्रत
तृतीया	29 अगस्त	बुध	कज्जली तृतीया
चतुर्थी	30 अगस्त	गुरु	चतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय, 21/15 घं. मि., बहुला चतुर्थी
षष्ठी	1 सितम्बर	शनि	हल षष्ठी, चन्दन षष्ठी, चम्पा षष्ठी

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० भाद्रपद कृष्ण पक्ष
(दि. २७ अगस्त से ९ सितम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद् ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
सप्तमी/अष्टमी	2 सितम्बर	रवि	शीतला व्रत, कालाष्टमी, श्रीकृष्णजन्माष्टमी (स्मा.)
अष्टमी	3 सितम्बर	सोम	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (वै.)
नवमी	4 सितम्बर	मंगल	गोगा नवमी, गोकुलोत्सव
दशमी	5 सितम्बर	बुध	शिक्षक दिवस
एकादशी	6 सितम्बर	गुरु	अजा एकादशी व्रत (स.)
द्वादशी	7 सितम्बर	शुक्र	प्रदोष व्रत, पर्युष्ण पर्वारम्भ
चतुर्दशी	8 सितम्बर	शनि	मासशिवरात्रि, डाकिनी चतुर्दशी
अमावस्या	9 सितम्बर	रवि	कुशोत्पाटिनी अमावस्या

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० भाद्रपद शुक्ल पक्ष
(दि. १० सितम्बर से २५ सितम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद् ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	11 सितम्बर	मंगल	चन्द्रदर्शन
तृतीया	12 सितम्बर	बुध	सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका तीज, अर्घ्यदान, गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रदर्शन निषेध, कलंक चतुर्थी, पत्थर चौथ, वरद चतुर्थी, चन्द्रास्त 20/34 घं. मि.
चतुर्थी	13 सितम्बर	गुरु	जैन संवत्सरी चतुर्थी पक्ष, विनायक चतुर्थी

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० भाद्रपद शुक्ल पक्ष
(दि. १० सितम्बर से २५ सितम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद् ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
पंचमी	14 सितम्बर	शुक्र	ऋषिपञ्चमी, जैनसंवत्सरी पंचमी पक्ष
षष्ठी	15 सितम्बर	शनि	सूर्यषष्ठी, बलदेव छठ, लोलार्क षष्ठी, ललिता षष्ठी, स्कन्द षष्ठी, मेला देवछठ (व्रजमण्डल), स्वामीकार्तिकेय दर्शन
अष्टमी	17 सितम्बर	सोम	विश्वकर्मा पूजा, राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ, कन्या संक्रान्ति प्रातः 6/47 (घं.मि.), सं पुण्यकाल प्रातः 6/47 घं. मि. से 13/11 बजे तक।
नवमी	18 सितम्बर	मंगल	श्रीचन्द्रनवमी, अदु:ख नवमी, मेला श्रीरामदेवजी (राज.)
एकादशी	20 सितम्बर	गुरु	पार्श्वपरिवर्तिनी एकादशी व्रत (स.)
द्वादशी	21 सितम्बर	शुक्र	गुरु रामदास जयन्ती, मोहर्रम, वामन जयन्ती, कल्किद्वादशी, वामनद्वादशी, भुवनेश्वरी जयन्ती
त्रयोदशी	22 सितम्बर	शनि	शनि प्रदोष व्रत
चतुर्दशी	23 सितम्बर	रवि	अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, विषुवत् दिन शरत् सम्पात्
चतुर्दशी/पूर्णिमा	24 सितम्बर	सोम	पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा का श्राद्ध, प्रौष्ठपदी पूर्णिमा, महालयारम्भ
पूर्णिमा	25 सितम्बर	मंगल	सत्यव्रत, प्रतिपदा का श्राद्ध

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० आश्विन कृष्ण पक्ष
(दि. २६ सितम्बर से ९ अक्टूबर २०१८ ई.) दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद् ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	26 सितम्बर	बुध	द्वितीया का श्राद्ध, अशून्य शयन व्रत
द्वितीया/तृतीया	27 सितम्बर	गुरु	तृतीया का श्राद्ध
तृतीया/चतुर्थी	28 सितम्बर	शुक्र	चतुर्थी का श्राद्ध, चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 20/30 (घं. मि.), भरणी का श्राद्ध
चतुर्थी/पंचमी	29 सितम्बर	शनि	पञ्चमी का श्राद्ध
षष्ठी	30 सितम्बर	रवि	षष्ठी का श्राद्ध , रोहिणी व्रत, कपिला षष्ठी
सप्तमी	1 अक्टूबर	सोम	सप्तमी का श्राद्ध
अष्टमी	2 अक्टूबर	मंगल	अष्टमी का श्राद्ध, कालाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत समाप्त, जीवित पुत्रिकाव्रत, जीमूतवाहनव्रत, महात्मा गाँधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
नवमी	3 अक्टूबर	बुध	नवमी का श्राद्ध, सधवा नवमी, मातृ नवमी, अन्वष्टका श्राद्ध
दशमी	4 अक्टूबर	गुरु	दशमी का श्राद्ध
एकादशी	5 अक्टूबर	शुक्र	इन्दिरा एकादशी व्रत (स.), एकादशी का श्राद्ध
द्वादशी	6 अक्टूबर	शनि	द्वादशी का श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध, शनि प्रदोष व्रत, गजच्छायायोग
त्रयोदशी	7 अक्टूबर	रवि	त्रयोदशी का श्राद्ध, मासशिवरात्रि
चतुर्दशी	8 अक्टूबर	सोम	चतुर्दशी का श्राद्ध, अमावस्या का श्राद्ध, सर्वपितृ अमावस्या, सर्वपितृ विसर्जन, बौद्धायन मत से गजच्छाया योग दोपहर 13/33 बजे से सूर्यास्त तक
अमावस्या	9 अक्टूबर	मंगल	भौमवती अमावस्या, स्नान-दानादि अमावस्या, मातामह श्राद्ध, गजच्छाया योग प्रातः 9/17 बजे तक

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० आश्विन शुक्ल पक्ष
(दि. १० अक्टूबर से २४ अक्टूबर २०१८ ई.) दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्/हेमन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितिया	10 अक्टूबर	बुध	शारदीय नवरात्र आरम्भ, घटस्थापन, महाराज अग्रसेन जयंती, चन्द्रदर्शन
चतुर्थी	12 अक्टूबर	शुक्र	विनायक चतुर्थी
पंचमी	13 अक्टूबर	शनि	ललिता पंचमी, उपाङ्ग ललिता व्रत
षष्ठी	15 अक्टूबर	सोम	बिल्वाभिमन्त्रण, सरस्वती आवाहन
सप्तमी	16 अक्टूबर	मंगल	सरस्वती पूजा, महारात्रि निशापूजा, नवपत्रिका प्रवेश
अष्टमी	17 अक्टूबर	बुध	सरस्वतीपूजन, दुर्गाष्टमी, सन्धिपूजा, महाष्टमी, औलीजैन प्रा., तुला संक्रान्ति 18/44 (घं. मि.), सं पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक।
नवमी	18 अक्टूबर	गुरु	त्रिशूलिनी पूजा, सरस्वती बलिदान, महानवमी, नवरात्र समाप्त
दशमी	19 अक्टूबर	शुक्र	सरस्वती विसर्जन, अपराजिता पूजा, विजयादशमी, विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा, बुद्ध जयन्ती
एकादशी	20 अक्टूबर	शनि	पापाकुंशा एकादशी व्रत(स.), मेला भरत मिलाप, माधवाचार्य जयंती
द्वादशी	21 अक्टूबर	रवि	पद्मनाभ द्वादशी
त्रयोदशी	22 अक्टूबर	सोम	सोम प्रदोषव्रत
पूर्णिमा	24 अक्टूबर	बुध	पूर्णिमाव्रत, कोजागरी पूर्णिमा, शरत् पूर्णिमा, रास महोत्सव, सत्यव्रत, वाल्मीकि जयन्ती, मीराबाई जयन्ती, औली जैन समाप्त, कार्तिकस्नान प्रारम्भ।

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० कार्तिक कृष्ण पक्ष
(दि. २५ अक्टूबर से ७ नवम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	27 अक्टूबर	शनि	करवाचौथ, करकचतुर्थी, चन्द्रोदय 18/38, (घं. मि.) रोहिणी व्रत
षष्ठी	30 अक्टूबर	मंगल	स्कन्द षष्ठी
सप्तमी/अष्टमी	31 अक्टूबर	बुध	अहोई अष्टमी, कालाष्टमी, राधाकुण्ड स्नान रात्रि समाप्ति पर अरुणोदय में, सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती
एकादशी	3 नवम्बर	शनि	रमा एकादशीव्रत (स्मा.)
द्वादशी	4 नवम्बर	रवि	गोवत्स द्वादशी, रमा एकादशी व्रत (वै.)
त्रयोदशी	5 नवम्बर	सोम	सोम प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवन्तरि जयन्ती
चतुर्दशी	6 नवम्बर	मंगल	मासशिवरात्रि, यमदीप दान, नरक चतुर्दशी, रूप चौदस, हनुमज्जयन्ती, महाकाली पूजा
अमावस्या	7 नवम्बर	बुध	अमावस्या, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, केदार गौरी व्रत, कमला जयन्ती, महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस

विक्रम-सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० कार्तिक शुक्ल पक्ष
(दि. ८ नवम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	8 नवम्बर	गुरु	गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा
द्वितीया	9 नवम्बर	शुक्र	चन्द्र दर्शन, भ्रातृद्वितीया, यमद्वितीया, चित्रगुप्तपूजन, यमुना स्नान (मथुरा)
चतुर्थी	11 नवम्बर	रवि	विनायक चतुर्थी
पंचमी	12 नवम्बर	सोम	लाभ पञ्चमी, ज्ञान पंचमी, पाण्डव पंचमी
षष्ठी	13 नवम्बर	मंगल	छठपूजा, सूर्यषष्ठी, प्रतिहारषष्ठी, सायंकालीन अर्घ्यदान, गुरु अस्त
सप्तमी	14 नवम्बर	बुध	प्रात:कालीन अर्घ्यदान एवं पारणा, बाल दिवस
सप्तमी	15 नवम्बर	गुरु	मेला गोचारण (मथुरा), गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी
अष्टमी	16 नवम्बर	शुक्र	अष्टाह्निकपर्व प्रा.,औलीजैन प्रा. वृश्चिक संक्रान्ति 18/32 (घं. मि.), सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर
नवमी	17 नवम्बर	शनि	अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी, सत्ययुगादि, मथुरा परिक्रमा
दशमी	18 नवम्बर	रवि	मेला कंस (मथुरा)
एकादशी/द्वादशी	19 नवम्बर	सोम	प्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशीव्रत (स), तुलसी विवाह, कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचक प्रारम्भ, चातुर्मास्य समाप्त (सन्यासी)

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० कार्तिक शुक्ल पक्ष
(दि. ८ नवम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वादशी/त्रयोदशी	20 नवम्बर	मंगल	भौम प्रदोषव्रत
द्वादशी/त्रयोदशी	21 नवम्बर	बुध	मिलाद उल नवी (ईद-ए-मिलाद), हजरत मुहम्मद जयन्ती, वैकुण्ठ चतुर्दशी
चतुर्दशी	22 नवम्बर	गुरु	मणिकर्णिका स्नान, विश्वनाथ स्थापना दिवस, पूर्णिमा व्रत
पूर्णिमा	23 नवम्बर	शुक्र	देव दीपावली, पुष्कर स्नान, सत्यव्रत, गुरुनानक जयन्ती, भीष्म पंचक समाप्त, अष्टाह्निक पर्व समाप्त, मेला गढ़ गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहरक्षेत्र, औली जैन समाप्त, कार्तिक स्नान समाप्त, मन्वादि

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष
(दि. २४ नवम्बर से ७ दिसम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीय	24 नवम्बर	शनि	गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस
चतुर्थी	26 नवम्बर	सोम	चतुर्थीव्रत, **चन्द्रोदय**, 20/29 (घं. मि.)
सप्तमी/अष्टमी	29 नवम्बर	गुरु	कालभैरव जयंती, कालाष्टमी
एकादशी/द्वादशी	3 दिसम्बर	सोम	उत्पन्ना एकादशी व्रत (स.)
द्वादशी/त्रयोदशी	4 दिसम्बर	मंगल	भौम प्रदोष व्रत
त्रयोदशी	5 दिसम्बर	बुध	मासशिवरात्रि
चतुर्दशी	6 दिसम्बर	गुरु	अमावस्या श्राद्धादि
अमावस्या	7 दिसम्बर	शुक्र	अमावस्या स्नानदानादि

विक्रम-सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष
(दि. ८ दिसम्बर से २२ दिसम्बर २०१८ ई.) दक्षिणायन/उत्तरायण, दक्षिण गोल, हेमन्त/शिशिर ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा/द्वितीया	8 दिसम्बर	शनि	चन्द्रदर्शन
चतुर्थी	11 दिसम्बर	मंगल	विनायक चतुर्थी
पंचमी	12 दिसम्बर	बुध	विवाह पञ्चमी, सीताराम विवाह, विहार पंचमी, नागपूजा (दाक्षिणात्य), स्वामी हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती
षष्ठी	13 दिसम्बर	गुरु	स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी
अष्टमी	15 दिसम्बर	शनि	दुर्गाष्टमी
नवमी	16 दिसम्बर	रवि	धनु संक्रान्ति प्रात: 9/09 (घं. मि.), सं. पुण्यकाल प्रात: 9/09 बजे से 15/33 (घं. मि.) बजे तक
एकादशी	19 दिसम्बर	बुध	मोक्षदा एकादशीव्रत(स.), गीताजयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), मत्स्य द्वादशी
त्रयोदशी	20 दिसम्बर	गुरु	प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी
चतुर्दशी	21 दिसम्बर	शुक्र	पिशाच मोचन श्राद्ध, रोहिणी व्रत, सबसे छोटा दिन
पूर्णिमा	22 दिसम्बर	शनि	पूर्णिमा व्रत, दत्तात्रेय जयंती, त्रिपुरभैरवी जयन्ती, सत्यव्रत

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० पौष कृष्ण पक्ष
(दि. २३ दिसम्बर २०१८ से ५ जनवरी २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु

तिथि		वार	पर्व एवं उत्सव
तृतीया	25 दिसम्बर	मंगल	चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 20/27 (घं. मि.), क्रिसमस दिवस, ईसामसीह जयन्ती, मदन मोहन मालवीय जयन्ती
अष्टमी	29 दिसम्बर	शनि	कालाष्टमी
एकादशी	1 जनवरी	मंगल	सफला एकादशी व्रत (स.), आङ्गल नववर्षारम्भ

वि. सं. २०७४, शक सं. १९३९ पौष कृष्ण पक्ष
(दि. २३ दिसम्बर २०१८ से ५ जनवरी २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वादशी	2 जनवरी	बुध	रूपद्वादशी
त्रयोदशी	3 जनवरी	गुरु	प्रदोष व्रत
चतुर्दशी	4 जनवरी	शुक्र	मास शिवरात्रि
अमावस्या	5 जनवरी	शनि	शनैश्चरी अमावस्या

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० पौष शुक्ल पक्ष
(दि. ६ जनवरी से २१ जनवरी २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	6 जनवरी	रवि	आंशिक सूर्यग्रहण, भारत में अदृश्य
प्रतिपदा	7 जनवरी	सोम	चन्द्रदर्शन
चतुर्थी	10 जनवरी	गुरु	विनायक चतुर्थी
षष्ठी	12 जनवरी	शनि	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
सप्तमी	13 जनवरी	रवि	**गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती**, लोहड़ी, भानु सप्तमी
अष्टमी	14 जनवरी	सोम	दुर्गाष्टमी, मकर संक्रान्ति 19/51 (घं. मि.), सं. पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, पोंगल
एकादशी	17 जनवरी	गुरु	पुत्रदा एकादशी व्रत (स.),
द्वादशी/त्रयोदशी	18 जनवरी	शुक्र	प्रदोष व्रत
चतुर्दशी	20 जनवरी	रवि	पूर्णिमा व्रत
पूर्णिमा	21 जनवरी	मंगल	सत्यव्रत, माघ स्नान प्रा., शाकम्भरी जयन्ती।, चन्द्रग्रहण (भारत में अदृश्य)

विक्रम-सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० माघ कृष्ण पक्ष
(दि. २२ जनवरी से ४ फरवरी २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
तृतीया	23 जनवरी	बुध	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
चतुर्थी	24 जनवरी	गुरु	संकष्ट चतुर्थी व्रत (संकट चौथ), चन्द्रोदय 21/32 (घं. मि.), गणेशोत्पत्ति
पंचमी	25 जनवरी	शुक्र	हिमाचल पूर्ण राज्यत्व दिवस
षष्ठी	26 जनवरी	शनि	गणतन्त्र दिवस
सप्तमी	27 जनवरी	रवि	कालाष्टमी
एकादशी	31 जनवरी	गुरु	षट्तिला एकादशीव्रत(स.)
त्रयोदशी	2 फरवरी	शनि	मेरु त्रयोदशी, शनि प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि
अमावस्या	4 फरवरी	सोम	मौनी अमावस्या, सोमवती अमावस्या, प्रयाग स्नान।

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० माघ शुक्ल पक्ष
(दि. ५ फरवरी से १९ फरवरी २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त ऋतु

तिथि		वार	पर्व एवं उत्सव
प्रतिपदा	5 फरवरी	मंगल	गुप्त शिशिर नवरात्र प्रारम्भ
द्वितीया	6 फरवरी	बुध	चन्द्रदर्शन
तृतीया/चतुर्थी	8 फरवरी	शुक्र	विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी
पंचमी	10 फरवरी	रवि	वसंत पञ्चमी, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन
षष्ठी	11 फरवरी	सोम	स्कन्द षष्ठी
सप्तमी	12 फरवरी	मंगल	रथ सप्तमी, भानु सप्तमी, अचला सप्तमी
अष्टमी	13 फरवरी	बुध	भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी, मन्वादि, कुम्भ संक्रान्ति 8/48 (घं. मि.), संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से 8/48 बजे तक

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० माघ शुक्ल पक्ष
(दि. ५ फरवरी से १९ फरवरी २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
नवमी	14 फरवरी	गुरु	गुप्त (शिशिर) नवरात्र समाप्त
एकादशी	16 फरवरी	शनि	जया एकादशी व्रत (स.),
द्वादशी	17 फरवरी	रवि	प्रदोष व्रत, मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रारम्भ, भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी
पूर्णिमा	19 फरवरी	मंगल	माघी पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयंती, मरु महोत्सव समाप्त, माघ स्नान समाप्त, ललिता जयन्ती, छत्रपति शिवाजी जयन्ती

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० फाल्गुन कृष्ण पक्ष
(दि. २० फरवरी से ६ मार्च २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
तृतीया/चतुर्थी	22 फरवरी	शुक्र	चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 21/22 (घं. मि.)
अष्टमी	26 फरवरी	मंगल	कालाष्टमी, हलाष्टमी, जानकी अष्टमी
दशमी	28 फरवरी	गुरु	महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती
एकादशी	2 मार्च	शनि	विजया एकादशी व्रत (स.)
द्वादशी	3 मार्च	रवि	प्रदोष व्रत
त्रयोदशी	4 मार्च	सोम	महाशिवरात्रि व्रत
चतुर्दशी	5 मार्च	मंगल	महाशिवरात्रि व्रत पारणा
अमावस्या	6 मार्च	बुध	युगादि अमावस्या

विक्रम-सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९ व्रत, पर्व एवं उत्सव

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० फाल्गुन शुक्ल पक्ष
(दि. ७ मार्च से २१ मार्च २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
द्वितीया	8 मार्च	शुक्र	चन्द्रदर्शन, फुलेरा दोज, रामकृष्ण परमहंस जयन्ती
चतुर्थी	10 मार्च	रवि	विनायक चतुर्थी
अष्टमी	14 मार्च	गुरु	दुर्गाष्टमी, होलाष्टक प्रा., औलीजैन प्रा., अष्टाह्निक पर्व आरम्भ, मीन संक्रान्ति 29/40 (घं. मि.)
नवमी	15 मार्च	शुक्र	संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से मध्याह्न तक
एकादशी	17 मार्च	रवि	आमलकी एकादशी व्रत (स.), रङ्गभरी एकादशी
द्वादशी	18 मार्च	सोम	गोविन्द द्वादशी, सोम प्रदोष व्रत
चतुर्दशी	20 मार्च	बुध	पूर्णिमा व्रत, होलिका दहन 20/58 (घं. मि.) के बाद, हजरत अली जन्म दिवस
पूर्णिमा	21 मार्च	गुरु	अष्टाह्निक पर्व समाप्त, होलाष्टक समाप्त, औली जैन समाप्त, सत्यव्रत, चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, मन्वादि।, पारसी नव वर्ष, होली, धूलैण्डी, धूलिवन्दन

वि. सं. २०७५, शक सं. १९४० चैत्र कृष्ण पक्ष
(दि. २२ मार्च से ५ अप्रैल २०१९ ई.) उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु

तिथि	दिनाङ्क	वार	पर्व एवं उत्सव
चतुर्थी	24 मार्च	रवि	चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय 22/10 (घं. मि.)
पंचमी	25 मार्च	सोम	रंग पञ्चमी, मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रारम्भ
षष्ठी	26 मार्च	मंगल	एकनाथ षष्ठी
सप्तमी	27 मार्च	बुध	मेला नवचण्डी (मेरठ) समाप्त, कालाष्टमी
अष्टमी	28 मार्च	गुरु	शीतलाष्टमी, बासोड़ा
एकादशी	31 मार्च	रवि	पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)
द्वादशी	1 अप्रैल	सोम	बैंक अवकाश, पापमोचिनी एकादशी व्रत (निम्बार्क), उड़ीसा दिवस
द्वादशी/त्रयोदशी	2 अप्रैल	मंगल	भौम प्रदोष व्रत, वारुणी योग प्रातः 8/39 (घं. मि.) से सूर्यास्त तक।
त्रयोदशी	3 अप्रैल	बुध	मास शिवरात्रि
अमावस्या	5 अप्रैल	शुक्र	अमावस्या स्नान-दान-श्राद्धादि, मेला पेहवा (पृथुदक), विक्रम-संवत् 2075 समाप्त।

विक्रम संवत् २०७५ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

विनायक चतुर्थी व्रत

चैत्र	शुक्ल	चतुर्थी	२१ मार्च	२०१८ ई.
वैशाख	”	”	१६ अप्रैल	”
ज्येष्ठ	”	”	१८ मई	”
द्वि. ज्येष्ठ	”	”	१७ जून	”
आषाढ़	”	”	१६ जुलाई	”
श्रावण	”	”	१४ अगस्त	”
भाद्रपद	”	”	१३ सितम्बर	”
आश्विन	”	”	१२ अक्टूबर	”
कार्तिक	”	”	११ नवम्बर	”
मार्गशीर्ष	”	”	११ दिसम्बर	”
पौष	”	”	१० जनवरी	२०१९ई.
माघ	”	”	०८ फरवरी	”
फाल्गुन	”	”	१० मार्च	”

संकष्ट चतुर्थी व्रत

वैशाख	कृष्ण	चतुर्थी	०३ अप्रैल	२०१८ई.
ज्येष्ठ	”	”	०३ मई	”
द्वि. ज्येष्ठ	”	”	०२ जून	”
आषाढ़	”	”	०१ जुलाई	”
श्रावण	”	”	३१ जुलाई	”
भाद्रपद	”	”	३० अगस्त	”
आश्विन	”	”	२८ सितम्बर	”
कार्तिक	”	”	२७ अक्टूबर	”
मार्गशीर्ष	”	”	२६ नवम्बर	”
पौष	”	”	२५ दिसम्बर	”
माघ	”	”	२४ जनवरी	२०१९ई.
फाल्गुन	”	”	२२ फरवरी	”
चैत्र	”	”	२४ मार्च	”

दुर्गाष्टमी व्रत

चैत्र	शुक्ल	अष्टमी	२५ मार्च	२०१८ई.
वैशाख	”	”	२३ अप्रैल	”
ज्येष्ठ	”	”	२२ मई	”
द्वि. ज्येष्ठ	”	”	२० जून	”
आषाढ़	”	”	२० जुलाई	”
श्रावण	”	”	१८ अगस्त	”
भाद्रपद	”	”	१७ सितम्बर	”
आश्विन	”	”	१७ अक्टूबर	”
कार्तिक	”	”	१५ नवम्बर	”
मार्गशीर्ष	”	”	१५ दिसम्बर	”
पौष	”	”	१४ जनवरी	२०१९ई.
माघ	”	”	१३ फरवरी	”
फाल्गुन	”	”	१४ मार्च	”

कालाष्टमी व्रत

वैशाख	कृष्ण	अष्टमी	०८ अप्रैल	२०१८ ई.
ज्येष्ठ	”	”	०६ मई	”
द्वि. ज्येष्ठ	”	”	०६ जून	”
आषाढ़	”	”	०६ जुलाई	”
श्रावण	”	”	०४ अगस्त	”
भाद्रपद	”	”	०२ सितम्बर	”
आश्विन	”	”	०२ अक्टूबर	”
कार्तिक	”	”	३१ अक्टूबर	”
मार्गशीर्ष	”	”	२६ नवम्बर	”
पौष	”	”	२६ दिसम्बर	”
माघ	”	”	२७ जनवरी	२०१९ई.

फाल्गुन	कृष्ण	अष्टमी	२६ फरवरी	२०१९ ई.
चैत्र	”	”	२७ मार्च	”

एकादशी व्रत

चैत्र	शु.	कामदा	२७ मार्च	२०१८ई.
वैशाख	कृ.	वरुथिनी	१२ अप्रैल	”
वैशाख	शु.	मोहिनी	२६ अप्रैल	”
ज्येष्ठ	कृ.	अपरा	११ मई	”
ज्येष्ठ	शु.	कमला	२५ मई	”
द्वि.ज्येष्ठ	कृ.	कमला	१० जून	”
द्वि.ज्येष्ठ	शु.	निर्जला(स्मा.वै.)	२३ जून	”
द्वि.ज्येष्ठ	शु.	निर्जला(नि.)	२४ जून	”
आषाढ़	कृ.	योगिनी	०६ जुलाई	”
आषाढ़	शु.	देवशयनी	२३ जुलाई	”
श्रावण	कृ.	कामिका(स्मा.)	०७ अगस्त	”
श्रावण	कृ.	कामिका(नि.)	०८ अगस्त	”
श्रावण	शु.	पुत्रदा	२२ अगस्त	”
भाद्रपद	कृ.	अजा	०६ सितम्बर	”
भाद्रपद	शु.	पार्श्वपरिवर्तिनी	२० सितम्बर	”
आश्विन	कृ.	इन्दिरा	०५ अक्टूबर	”
आश्विन	शु.	पापाकुंशा	२० अक्टूबर	”
कार्तिक	कृ.	रमा(स्मा.)	०३ नवम्बर	”
कार्तिक	कृ.	रमा(वै.)	०४ नवम्बर	”
कार्तिक	शु.	देवोत्थान	१९ नवम्बर	”
मार्गशीर्ष	कृ.	उत्पन्ना	०३ दिसम्बर	”
मार्गशीर्ष	शु.	मोक्षदा	१९ दिसम्बर	”
पौष	कृ.	सफला	०१ जनवरी	२०१९ई.
पौष	शु.	पुत्रदा	१७ जनवरी	२०१९ई.
माघ	कृ.	षट्तिला	३१ जनवरी	”
माघ	शु.	जया	१६ फरवरी	”
फाल्गुन	कृ.	विजया	०२ मार्च	”
फाल्गुन	शु.	आमलकी	१७ मार्च	”
चैत्र	कृ.	प.मो.(स्मा.वै.)	३१ अप्रैल	”
चैत्र	कृ.	पापमोचिनी(नि.)	०१ अप्रैल	”

प्रदोष व्रत

चैत्र	शु.	२६ मार्च	२०१८ ई.
वैशाख	कृ.	१३ अप्रैल	”
वैशाख	शु.	२७ अप्रैल	”
ज्येष्ठ	कृ.	१३ मई	”
ज्येष्ठ	शु.	२६ मई	”
द्वि.ज्येष्ठ	कृ.	११ जून	”
द्वि.ज्येष्ठ	शु.	२५ जून	”
आषाढ़	कृ.	१० जुलाई	”
आषाढ़	शु.	२५ जुलाई	”
श्रावण	कृ.	०६ अगस्त	”
श्रावण	शु.	२३ अगस्त	”
भाद्रपद	कृ.	०७ सितम्बर	”
भाद्रपद	शु.	२२ सितम्बर	”
आश्विन	कृ.	०६ अक्टूबर	”
आश्विन	शु.	२२ अक्टूबर	”
कार्तिक	कृ.	०५ नवम्बर	”

विक्रम संवत् २०७५ के वर्गीकृत व्रत, पर्वों की सूची

प्रदोष व्रत

कार्तिक	शु.	२०	नवम्बर	२०१८ई.
मार्गशीर्ष	कृ.	०४	दिसम्बर	”
मार्गशीर्ष	शु.	२०	दिसम्बर	”
पौष	कृ.	०३	जनवरी	२०१९ई.
पौष	शु.	१८	जनवरी	”
माघ	कृ.	०२	फरवरी	”
माघ	शु.	१७	फरवरी	”
फाल्गुन	कृ.	०३	मार्च	”
फाल्गुन	शु.	१८	मार्च	”
चैत्र	कृ.	०२	अप्रैल	”

मास शिवरात्रि

वैशाख	कृ.	१४	अप्रैल	२०१८ ई.
ज्येष्ठ	”	१३	मई	”
द्वि.ज्येष्ठ	”	१२	जून	”
आषाढ़	”	११	जुलाई	”
श्रावण	”	०९	अगस्त	”
भाद्रपद	”	०८	सितम्बर	”
आश्विन	”	०७	अक्टूबर	”
कार्तिक	”	०६	नवम्बर	”
मार्गशीर्ष	”	०५	दिसम्बर	”
पौष	”	०४	जनवरी	२०१९ ई.
माघ	”	०२	फरवरी	”
फाल्गुन	”	०४	मार्च	”
चैत्र	”	०३	अप्रैल	”

अमावस्या श्राद्धादि

वैशाख	कृ.	१५	अप्रैल	२०१८ ई.
ज्येष्ठ	”	१५	मई	”
द्वि.ज्येष्ठ	”	१३	जून	”
आषाढ़	”	१२	जुलाई	”
श्रावण	”	११	अगस्त	”
भाद्रपद	”	०९	सितम्बर	”
आश्विन	”	०८	अक्टूबर	”
कार्तिक	”	०७	नवम्बर	”
मार्गशीर्ष	”	०६	दिसम्बर	”
पौष	”	०५	जनवरी	२०१९ ई.
माघ	”	०४	फरवरी	”
फाल्गुन	”	०६	मार्च	”
चैत्र	”	०५	अप्रैल	”

सत्यनारायण व्रत

चैत्र	शु.	३१	मार्च	२०१८ ई.
वैशाख	”	३०	अप्रैल	”
ज्येष्ठ	”	२९	मई	”
द्वि.ज्येष्ठ	”	२८	जून	”
आषाढ़	”	२७	जुलाई	”
श्रावण	”	२६	अगस्त	”
भाद्रपद	”	२५	सितम्बर	”
आश्विन	”	२४	अक्टूबर	”
कार्तिक	”	२३	नवम्बर	”
मार्गशीर्ष	”	२२	दिसम्बर	”
पौष	”	२१	जनवरी	२०१९ ई.
माघ	”	१९	फरवरी	२०१९ ई.
फाल्गुन	”	२१	मार्च	”

पूर्णिमा व्रत

चैत्र	शु.	३०	मार्च	२०१८ ई.
वैशाख	”	३०	अप्रैल	”
ज्येष्ठ	”	२९	मई	”
द्वि.ज्येष्ठ	”	२७	जून	”
आषाढ़	”	२७	जुलाई	”
श्रावण	”	२५	अगस्त	”
भाद्रपद	”	२४	सितम्बर	”
आश्विन	”	२४	अक्टूबर	”
कार्तिक	”	२२	नवम्बर	”
मार्गशीर्ष	”	२२	दिसम्बर	”
पौष	”	२१	जनवरी	२०१९ई.
माघ	”	१९	फरवरी	”
फाल्गुन	”	२०	मार्च	”

संक्रान्तियों का पुण्यकाल

मेष	१४ अप्रैल	२०१८	दोपहर १२:१३ बजे तक
वृष	१५ मई	”	दोपहर ११:२७ बजे तक
मिथुन	१५ जून	”	११:३६ से १८:०० बजे तक
कर्क	१६ जुलाई	”	मध्याह्न से सूर्यास्त तक
सिंह	१७ अगस्त	”	६:५० से १३:१४ तक
कन्या	१७ सितम्बर	”	६:४७ से १३:११ तक
तुला	१७ अक्टूबर	”	मध्याह्न से सूर्यास्त तक
वृश्चिक	१६ नवम्बर	”	मध्याह्नोतर
धनु	१६ दिसम्बर	”	६:०६बजे से१५:३३बजे तक
मकर	१४ जनवरी	२०१९	मध्याह्न से सूर्यास्त तक
कुम्भ	१३ फरवरी	”	सूर्योदय से ८:४८बजे तक
मीन	१५ मार्च	”	सूर्योदय से मध्याह्न तक

दशावतार जयन्तियाँ

श्री मत्स्य जय.	चै. शु. ३	२० मार्च२०१८ ई.
श्री रामनवमी	चै. शु. ६	२५ मार्च ”
श्री कूर्म जय.	आषा. कृ. ३०	१२ जुलाई ”
श्री परशुराम जय.	वै. शु.३	१८ अप्रैल ”
श्री नृसिंह जय.	वै. शु.१४	२८ अप्रैल ”
श्री वाराह जय.	श्रा. शु.६	१६ अगस्त ”
श्री कल्कि जय.	श्रा. शु. १०	१६ अगस्त ”
श्री कृष्ण जन्माष्टमी	भाद्र. कृ.८	०२ सितम्बर”
श्री वामन जय.	भाद्र. शु.१२	२१ सितम्बर ”
श्री बुद्ध जय.	आश्विन शु. १०	१६ अक्टूबर ”

दशमहाविद्याओं की जयन्तियाँ

श्री तारा	चैत्र शु. ६	२५ मार्च २०१८ई.
श्री मातंगी	वै. शु. ३	१८ अप्रैल ”
श्री बगलामुखी	वै. शु. ३	१८ अप्रैल ”
श्री छिन्नमस्तका	वै. शु. १४	२८ अप्रैल ”
श्री धूमावती	ज्ये. शु. ८	२० जून ”
श्री काली	भाद्र. कृ. ८	२ सितम्बर ”
श्री भुवनेश्वरी	भाद्र. शु. १२	२१ सितम्बर ”
श्री कमला	का. कृ. ३०	७ नवम्बर ”
श्री त्रिपुरभैरवी	मार्ग.शु. १५	२२ दिसम्बर ”
श्री ललिता	माघ शु. १५	१८ फरवरी २०१९ ई.

ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार (भा.स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७५

निरयण सूर्य संक्रमण (राशिचार)

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
१४.०४.२०१८	शनि	मेष	०८:१३
१५.०५.२०१८	मंगल	वृष	०५:०३
१५.०६.२०१८	शुक्र	मिथुन	११:३६
१६.०७.२०१८	सोम	कर्क	२२:२७
१७.०८.२०१८	शुक्र	सिंह	०६:५०
१७.०९.२०१८	सोम	कन्या	०६:४७
१७.१०.२०१८	बुध	तुला	१८:४४
१६.११.२०१८	शुक्र	वृश्चिक	१८:३२
१६.१२.२०१८	रवि	धनु	०९:०६
१४.०१.२०१९	सोम	मकर	१९:५१
१३.०२.२०१९	बुध	कुम्भ	०८:४८
१५.०३.२०१९	शुक्र	मीन	०५:४०

मंगल राशिचार

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
०२.०५.२०१८	बुध	मकर	१६:१५
०६.११.२०१८	मंगल	कुम्भ	०८:२२
२३.१२.२०१८	रवि	मीन	१२:५७
०५.०२.२०१९	मंगल	मेष	२३:४८
२२.०३.२०१९	शुक्र	वृष	१५:०५

बुध राशिचार

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
०६.०५.२०१८	बुध	मेष	१७:३१
२७.०५.२०१८	रवि	वृष	०८:२३
१०.०६.२०१८	रवि	मिथुन	०७:३२
२५.०६.२०१८	सोम	कर्क	१८:०४
०२.०९.२०१८	रवि	सिंह	२१:०६
१९.०९.२०१८	बुध	कन्या	०४:१४
०६.१०.२०१८	शनि	तुला	१२:४२
२६.१०.२०१८	शुक्र	वृश्चिक	२०:४३
०१.०१.२०१९	मंगल	धनु	०६:५०
२०.०१.२०१९	रवि	मकर	२१:०६
०७.०२.२०१९	गुरु	कुम्भ	१०:१०
२५.०२.२०१९	सोम	मीन	०८:५३
१५.०३.२०१९	शुक्र	कुम्भ	०८:५६

गुरु राशिचार

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
११.१०.२०१८	गुरु	वृश्चिक	१९:२०
२९.०३.२०१९	शुक्र	धनु	२०:०७

शुक्र राशिचार

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२६.०३.२०१८	सोम	मेष	१५:४७
२०.०४.२०१८	शुक्र	वृष	०२:०८
१४.०५.२०१८	सोम	मिथुन	२०:४६
०६.०६.२०१८	शनि	कर्क	०२:४१
०५.०७.२०१८	गुरु	सिंह	०२:२५

शुक्र राशिचार

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
०१.०८.२०१८	बुध	कन्या	१२:२७
०१.०९.२०१८	शनि	तुला	२३:२७
०१.०१.२०१९	मंगल	वृश्चिक	२०:४३
२९.०१.२०१९	मंगल	धनु	२३:२८
२४.०२.२०१९	रवि	मकर	२२:४५
२२.०३.२०१९	शुक्र	कुम्भ	०३:४५

राहु राशिचार

दिनाङ्क	वार	राशि	प्र. समय
०७.०३.२०१७	गुरु	मिथुन	०७:४५

नोट : शनि वर्षभर धनु राशि में संचार करेगा।

सायन सूर्य संक्रमण (राशिचार)

दिनाङ्क	वार	राशि	प्रा. समय
२०.०३.२०१८	मंगल	मेष	२१:४५
२०.०४.२०१८	शुक्र	वृष	०८:४२
२१.०५.२०१८	सोम	मिथुन	०७:४४
२१.०६.२०१८	गुरु	कर्क	१५:३७
२३.०७.२०१८	सोम	सिंह	०२:३०
२३.०८.२०१८	गुरु	कन्या	०९:३८
२३.०९.२०१८	रवि	तुला	०७:२४
२३.१०.२०१८	मंगल	वृश्चिक	१६:५२
२२.११.२०१८	गुरु	धनु	१४:३१
२२.१२.२०१८	शनि	मकर	०३:५३
२०.०१.२०१९	रवि	कुम्भ	१४:२९
१९.०२.२०१९	मंगल	मीन	०४:३४
२१.०३.२०१९	गुरु	मेष	०३:२८

सूर्य नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
३१.०३.२०१८	शनि	रेवती	१८:५१
१४.०४.२०१८	शनि	अश्विनी	०८:१३
२७.०४.२०१८	शुक्र	भरणी	२४:००
११.०५.२०१८	शुक्र	कृत्तिका	१८:१२
२५.०५.२०१८	शुक्र	रोहिणी	१४:२१
०८.०६.२०१८	शुक्र	मृगशिरा	१२:१६
२२.०६.२०१८	शुक्र	आर्द्रा	११:११
०६.०७.२०१८	शुक्र	पुनर्वसु	१०:५०
२०.०७.२०१८	शुक्र	पुष्य	१०:१७
०३.०८.२०१८	शुक्र	आश्लेषा	०९:१५
१७.०८.२०१८	शुक्र	मघा	०६:५०
३१.०८.२०१८	शुक्र	पू.फा.	०२:५३
१३.०९.२०१८	गुरु	उ.फा.	२०:४१
२७.०९.२०१८	गुरु	हस्त	१२:१४
११.१०.२०१८	गुरु	चित्रा	०१:१२
२४.१०.२०१८	बुध	स्वा.	११:४३
०६.११.२०१८	मंगल	विशा.	१९:५३
२०.११.२०१८	मंगल	अनुराधा	०१:५३
०३.१२.२०१८	सोम	ज्येष्ठा	०६:१४
१६.१२.२०१८	रवि	मूल	०९:०६
२९.१२.२०१८	शनि	पू.षा.	११:२७
११.०१.२०१९	शुक्र	उ.षा.	१३:२०
२४.०१.२०१९	गुरु	श्रवण	१५:४१
०६.०२.२०१९	बुध	धनि.	१८:४७
१९.०२.२०१९	मंगल	शत.	२३:१८
०५.०३.२०१९	मंगल	पू.भा.	०५:३६
१८.०३.२०१९	सोम	उ.भा.	१४:००
०१.०४.२०१९	सोम	रेवती	००:५३

ग्रहों के राशि एवं नक्षत्रचार (भा.स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७५

मंगल नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
३१.०३.२०१८	शनि	पु.षा.	०३:१५
२५.०४.२०१८	बुध	उ.षा.	१५:२०
२८.०५.२०१८	सोम	श्रवण	००:४१
२७.०७.२०१८	शुक्र	उ.षा.	१३:४०
२६.०९.२०१८	बुध	श्रवण	०६:५८
२५.१०.२०१८	गुरु	धनि.	१२:२६
१७.११.२०१८	शनि	शत.	१०:२५
०८.१२.२०१८	शनि	पू.भा.	०६:३६
२८.१२.२०१८	शुक्र	उ.भा.	१२:३६
१७.०१.२०१९	गुरु	रेवती	०७:१८
०५.०२.२०१९	मंगल	अश्विनी	२३:४८
२५.०२.२०१९	सोम	भरणी	१७:३५
१७.०३.२०१९	रवि	कृत्तिका	१४:५६

बुध नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
०३.०४.२०१८	मंगल	उ.भा.	०६:२३
२८.०४.२०१८	शनि	रेवती	०३:३६
०९.०५.२०१८	बुध	अश्विनी	१७:३१
१८.०५.२०१८	शुक्र	भरणी	०८:४०
२५.०५.२०१८	शुक्र	कृत्तिका	१५:५८
०१.०६.२०१८	शुक्र	रोहिणी	०३:५४
०७.०६.२०१८	गुरु	मृग.	०६:२७
१३.०६.२०१८	बुध	आर्द्रा	१०:२१
२०.०६.२०१८	बुध	पुनर्वसु	०२:४१
२७.०६.२०१८	बुध	पुष्य	१६:१८
०७.०७.२०१८	शनि	आश्ले.	०८:४६
०२.०९.२०१८	रवि	मघा	२१:०६
१०.०९.२०१८	सोम	पू.फा.	०८:५५
१७.०९.२०१८	सोम	उ.फा.	०६:२८
२४.०९.२०१८	सोम	हस्त	१६:१०
०२.१०.२०१८	मंगल	चित्रा	१०:३३
१०.१०.२०१८	बुध	स्वाति	१८:१५
१९.१०.२०१८	शुक्र	विशाखा	१६:१६
२९.१०.२०१८	सोम	अनु.	०६:४१
१०.११.२०१८	शनि	ज्येष्ठा	१८:४७
२२.११.२०१८	मंगल	अनु.	२३:२३
०५.१२.२०१८	बुध	विशाखा	१६:५३
०८.१२.२०१८	शनि	अनु.	१३:५८
२२.१२.२०१८	शनि	ज्येष्ठा	२१:२४
०१.०१.२०१९	मंगल	मूल	०६:५०
१०.०१.२०१९	गुरु	पू.षा.	०७:०६
१८.०१.२०१९	शुक्र	उ.षा.	१६:२६
२६.०१.२०१९	शनि	श्रवण	२२:३६
०३.०२.२०१९	रवि	धनिष्ठा	१६:२२
११.०२.२०१९	सोम	शत.	०२:४६
१८.०२.२०१९	सोम	पू.भा.	१५:१७
२८.०२.२०१९	गुरु	उ.भा.	१५:३६
११.०३.२०१९	सोम	पू.भा.	१३:०३

गुरु नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
१८.०६.२०१८	सोम	स्वाति	०५:४४
०२.०८.२०१८	गुरु	विशाखा	१६:५३
२७.१०.२०१८	शनि	अनु.	२३:०६
२७.१२.२०१८	गुरु	ज्येष्ठा	१३:५६
२६.०३.२०१९	शुक्र	मूल	२०:०७

शुक्र नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
२६.०३.२०१८	सोम	अश्वि.	१५:४७
०६.०४.२०१८	शुक्र	भरणी	११:३२
१७.०४.२०१८	मंगल	कृत्तिका	०८:३८
२८.०४.२०१८	शनि	रोहिणी	०७:१८
०९.०५.२०१८	बुध	मृग.	०७:४८
२०.०५.२०१८	रवि	आर्द्रा	१०:१५
३१.०५.२०१८	गुरु	पुनर्वसु	१५:०८
११.०६.२०१८	सोम	पुष्य	२२:५६
२३.०६.२०१८	शनि	आश्ले.	१०:१५
०५.०७.२०१८	गुरु	मघा	०२:२५
१७.०७.२०१८	मंगल	पू.फा.	००:५३
२९.०७.२०१८	रवि	उ.फा.	०८:३३
११.०८.२०१८	शनि	हस्त	०६:३४
२५.०८.२०१८	शनि	चित्रा	०५:४७
१०.०९.२०१८	सोम	स्वाति	१७:२८
३०.१०.२०१८	मंगल	चित्रा	१६:२१
०४.१२.२०१८	मंगल	स्वाति	०८:०७
२२.१२.२०१८	शनि	विशाखा	०४:४२
०५.०१.२०१९	शनि	अनु.	०४:४८
१७.०१.२०१९	गुरु	ज्येष्ठा	२१:५६
२९.०१.२०१९	मंगल	मूल	२३:२८
१०.०२.२०१९	रवि	पू.षा.	१५:५२
२२.०२.२०१९	शुक्र	उ.षा.	०२:४२
०५.०३.२०१९	मंगल	श्रवण	०६:४०
१६.०३.२०१९	शनि	धनिष्ठा	१४:०६
२७.०३.२०१९	बुध	शत.	१६:५७

शनि नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
०५.०६.२०१८	मंगल	मूल	०६:३०
२७.११.२०१८	मंगल	पू.षा.	१८:१५

राहु नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
२६.०४.२०१८	गुरु	पुष्य	१६:२७
०३.०१.२०१९	गुरु	पुनर्वसु	१०:०६

केतु नक्षत्रचार

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	प्रा. समय
३०.०८.२०१८	गुरु	उ.षा.	१४:४६

ग्रहों के वक्रत्व-मार्गत्व एवं उदयास्त (भा.स्टैं.टा.) विक्रम संवत् २०७५

ग्रहों का वक्रत्व-मार्गत्व

दिनाङ्क	ग्रह	प्रारम्भ समय	गति
२८.०३.२०१८	बुध	०५:४६	वक्री
१५.०४.२०१८	बुध	१४:५१	मार्गी
२६.०७.२०१८	बुध	१०:३२	वक्री
१९.०८.२०१८	बुध	०६:५५	मार्गी
१७.११.२०१८	बुध	०७:०३	वक्री
०७.१२.२०१८	बुध	०२:५२	मार्गी
०५.०३.२०१९	बुध	२३:४६	वक्री
२८.०३.२०१९	बुध	१९:२६	मार्गी
१०.०७.२०१८	गुरु	२२:३३	मार्गी
०६.१०.२०१८	शुक्र	००:३४	वक्री
१६.११.२०१८	शुक्र	१६:२१	मार्गी
१८.०४.२०१८	शनि	०७:१७	वक्री
०६.०९.२०१८	शनि	१६:३८	मार्गी

ग्रहों का उदयास्त

दिनाङ्क	ग्रह	स्थिति	समय
२६.०३.२०१८	बुध	अस्त	०७:२२
११.०४.२०१८	बुध	उदय	०७:४४
२४.०५.२०१८	बुध	अस्त	१८:२२
१४.०६.२०१८	बुध	उदय	२३:२८
२८.०७.२०१८	बुध	अस्त	०४:१८
१६.०८.२०१८	बुध	उदय	१६:५८
१०.०९.२०१८	बुध	अस्त	०८:३०
१२.१०.२०१८	बुध	उदय	१४:२५
२१.११.२०१८	बुध	अस्त	००:४०
०२.१२.२०१८	बुध	उदय	१२:१२
१०.०१.२०१९	बुध	अस्त	११:२७
१२.०२.२०१९	बुध	उदय	१२:३४
०६.०३.२०१९	बुध	अस्त	०१:०२
२२.०३.२०१९	बुध	उदय	१९:५४
१३.११.२०१८	गुरु	अस्त	१५:५४
०७.१२.२०१८	गुरु	उदय	१०:०५
१६.१०.२०१८	शुक्र	अस्त	१६:४६
३०.११.२०१८	शुक्र	उदय	१८:४१
१९.१२.२०१८	शनि	अस्त	०६:४३
१७.०१.२०१९	शनि	उदय	१७:००

सर्वार्थसिद्धियोग विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८-१९

दिनाङ्क २०१८ ई.		वार	प्रारम्भ घ. मि	समाप्त घ. मि
मार्च	१८	रवि	०६:३२	२०:१०
	२०	मंगल	०६:२८	१९:४४
	२१	बुध	१९:०१	३०:२६
	२६	सोम	१२:५५	३०:२१
	२७	मंगल	११:२७	३०:२०
अप्रैल	०४	बुध	०७:३१	३०:०७
	०५	गुरु	०६:०७	०९:१९
	०८	रवि	१७:३६	३०:०६
	०९	सोम	२०:३९	३०:०५
	१५	रवि	२८:०५	२९:५९
	१७	मंगल	२५:५७	२९:५७
	१८	बुध	०५:५७	२९:५६
	२२	रवि	१८:१८	२९:४८
	२३	सोम	०५:४८	१७:०३
	२४	मंगल	०५:५१	१५:५९
मई	०२	बुध	०५:४०	१७:३८
	०६	रवि	०५:३७	२८:३९
	०७	सोम	०५:३६	२९:३५
	१३	रवि	१३:३१	२९:३१
	१५	मंगल	१०:५६	२९:३०
	१६	बुध	०५:३०	२९:३०
	१८	शुक्र	२६:२३	२९:२९
	२०	रवि	०५:२८	२२:४४
	२६	शनि	२०:३६	२९:२५
	२८	सोम	२३:०३	२९:२५
जून	०३	रवि	०५:२३	११:५८
	०४	सोम	०५:२३	१५:०५
	०८	शुक्र	२३:०२	२९:२३

दिनाङ्क २०१८ ई.		वार	प्रारम्भ	समाप्त घ. मि
	१०	रवि	०५:२३	२२:२९
	१२	मंगल	०५:२३	१९:०७
	१३	बुध	०५:२३	२९:२३
	१५	शुक्र	११:२१	२९:२३
	१७	रवि	०५:२३	०६:२०
	२०	बुध	२५:१९	२९:२४
	२३	शनि	०५:२४	२७:२०
	२५	सोम	०५:२५	२९:२५
	३०	शनि	१८:२९	२९:२७
जुलाई	०६	शुक्र	०६:५४	२९:२९
	०८	रवि	०५:३०	०७:३८
	०९	सोम	२९:२०	२९:३१
	११	बुध	०५:३१	२४:४३
	१२	गुरु	२१:५४	२९:३२
	१३	शुक्र	०५:३२	१८:५८
	१८	बुध	०८:१९	२९:३५
	२१	शनि	०५:३६	०९:०७
	२३	सोम	०५:३७	१२:५३
	२७	शुक्र	२४:३३	२९:४०
	२८	शनि	०५:४०	२७:३७
अगस्त	०३	शुक्र	०५:४४	२९:४४
	०६	सोम	१४:०७	२९:४६
	०८	बुध	०५:४६	१०:४७
	१५	बुध	०५:५०	१६:१३
	२४	शुक्र	०६:४७	२९:५५
	२५	शनि	०५:५५	०९:४९
	२८	मंगल	१७:०८	२९:५८
	३०	गुरु	०५:५८	२९:५९

दिनाङ्क २०१८ ई.		वार	प्रारम्भ घ. मि	समाप्त घ. मि
	३१	शुक्र	०५:५९	२०:४६
सितम्बर	०३	सोम	०६:००	३०:०१
	०६	गुरु	०६:०२	३०:०२
	०९	रवि	२९:४१	३०:०४
	१४	शुक्र	२५:२७	३०:०६
	१६	रवि	२८:५५	३०:०७
	२१	शुक्र	०६:०९	१६:४६
	२५	मंगल	०६:११	२५:०१
	२७	गुरु	०६:१२	२६:४३
	२९	शनि	२६:१४	३०:१४
अक्टूबर	०१	सोम	०६:१४	२४:५१
	०४	गुरु	०६:१६	२०:४८
	०७	रवि	१५:१८	३०:१८
	१२	शुक्र	१०:४०	३०:२१
	१४	रवि	१३:१४	३०:२२
	२३	मंगल	०६:२७	०८:२७
	२५	गुरु	०६:२८	०९:२६
	२७	शनि	०८:२०	३०:३०
नवम्बर	०४	रवि	०६:३५	३०:३६
	०८	गुरु	१९:४८	३०:३९
	०९	शुक्र	०६:३९	२०:३४
	११	रवि	०६:४१	२४:०२
	१८	रवि	१६:३१	३०:४७
	२०	मंगल	१८:३४	३०:४९
	२४	शनि	०६:५१	१५:१०
दिसम्बर	०२	रवि	०६:५७	२७:००
	०५	बुध	२७:३४	३१:००
	०६	गुरु	०७:००	२८:३५

दिनाङ्क २०१८ ई.		वार	प्रारम्भ घ. मि	समाप्त घ. मि
	०९	रवि	०७:०२	०८:०७
	१६	रवि	०७:०७	२७:०८
	१८	मंगल	०७:०८	२८:३८
	१९	बुध	२८:१२	३१:०९
	२४	सोम	१८:२२	३१:१२
	२५	मंगल	१५:५५	३१:१२
	३०	रवि	०७:१४	०८:२४
२०१९ ई०				
जनवरी	०२	बुध	०९:३९	३१:१५
	०३	गुरु	०७:१५	११:०३
	०६	रवि	१७:४३	३१:१५
	०७	सोम	२०:३६	३१:१५
	१३	रवि	०७:१५	११:०६
	१५	मंगल	०७:१५	१३:५६
	१६	बुध	१४:१२	३१:१५
	२०	रवि	२९:२२	३१:१४
	२१	सोम	०७:१४	२६:२७
	२२	मंगल	०७:१४	२३:३२
	३०	बुध	०७:११	१६:४०
फरवरी	०३	रवि	०७:०९	२६:५५
	०४	सोम	०७:०८	३०:०१
	१०	रवि	१९:३७	३१:०३
	१२	मंगल	२२:११	३१:०२
	१३	बुध	०७:०२	३१:०१
	१७	रवि	१६:४६	३०:५८
	१८	सोम	०६:५८	१४:०१
	१९	मंगल	०६:५७	११:०३

सर्वार्थसिद्धियोग संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
२३	शनि	२२:४७	३०:५२
२५	सोम	२२:०८	३०:५०
मार्च ०३	रवि	०६:४५	०८:५६
०४	सोम	०६:४४	१२:१०
०८	शुक्र	२३:१६	३०:३८
१०	रवि	०६:३७	२६:५७
१२	मंगल	०६:३५	२८:५३
१३	बुध	०६:३४	३०:३३
१५	शुक्र	२७:४४	३०:३१
१७	रवि	०६:२६	२४:११
२३	शनि	०६:०५	३०:२१
२५	सोम	०७:०३	३०:१६
३०	शनि	१५:३७	३०:१३
अप्रैल ०४	गुरु	२६:३६	३०:०७
०५	शुक्र	०६:०७	३०:०६

रविपुष्य योग संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
अप्रैल २२	रवि	१८:१८	२६:४८
मई २०	रवि	०५:२८	२२:४४
जून १७	रवि	०५:२३	०६:२०
२०१९ ई०			
जनवरी २०	रवि	२६:२२	३१:१४
फरवरी १७	रवि	१६:४६	३०:५८
मार्च १७	रवि	०६:२६	२४:११

गुरुपुष्य योग संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
अगस्त ०६	गुरु	२६:४४	२६:४७
सितम्बर ०६	गुरु	१५:१४	३०:०२
अक्टूबर ०४	गुरु	०६:१६	२०:४८

त्रिपुष्कर योग संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
अप्रैल १७	मंगल	२५:५७	२७:४५
२१	शनि	१६:२४	२६:४६
२२	रवि	०५:४६	१६:१७
मई ०१	मंगल	०६:४८	१५:५६
०६	रवि	१५:५६	२८:३६
जून १६	मंगल	१५:४५	२८:५६
२३	शनि	२७:५३	२६:२५
२४	रवि	०५:२५	२८:५४
३०	शनि	०५:२६	१५:२१
अगस्त २८	मंगल	०५:५७	१७:०५
सितम्बर ०१	शनि	२१:४५	३०:००
०२	रवि	०६:००	२०:४७
अक्टूबर २०	शनि	२६:४७	३०:२६
२१	रवि	०६:२६	२१:३१
३०	मंगल	१३:०८	२७:५१
नवम्बर ०३	शनि	२७:१४	३०:३५
०४	रवि	०६:३५	२१:३५
१३	मंगल	२८:२२	२६:३६

त्रिपुष्कर योग संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
दिसम्बर २३	रवि	२०:५१	३१:११
२०१९ ई०			
जनवरी ०१	मंगल	२५:२६	३१:१४
फरवरी १६	शनि	१६:०५	३०:५८
१७	रवि	०६:५८	०८:१०
२४	रवि	२६:०४	३०:५१
मार्च ०२	शनि	११:०५	३०:४५
०३	रवि	०६:४५	०८:५६
१२	मंगल	२८:५०	२८:५३

द्विपुष्कर योग संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
मार्च २४	शनि	०६:२१	१०:०६
अप्रैल ०१	रवि	१७:०५	२६:५२
मई २६	शनि	०५:२६	१७:४०
जून ०५	मंगल	०६:१६	१७:५७
जुलाई २८	शनि	२८:२०	२६:४१
२९	रवि	०५:४१	२६:४१
अगस्त ०७	मंगल	२६:१६	२६:४६
सितम्बर ३०	रवि	२६:४५	३०:१४
नवम्बर २४	शनि	१५:१०	३०:३७
२०१९ ई०			
जनवरी २६	शनि	१६:१६	३१:१२
२७	रवि	०७:१२	१४:२४
फरवरी ०५	मंगल	२६:१५	३१:०७
मार्च ३१	रवि	३०:०४	३०:१२

अमृतसिद्धियोग संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं. मि	समाप्त घं. मि
मार्च २०	मंगल	०६:२६	१६:४४
अप्रैल ०४	बुध	०७:३१	३०:०७
मई ०२	बुध	०५:४०	१७:३८
जून ०८	शुक्र	२३:०२	२६:२३
जुलाई ०६	शुक्र	०६:५४	२६:२६
अगस्त ०३	शुक्र	०५:४४	१४:२५
अगस्त ०६	गुरु	२६:४४	२६:४७
सितम्बर ०३	सोम	२०:०५	३०:०१
२६	शनि	२६:१४	३०:१४
अक्टूबर ०१	सोम	०६:१४	२४:५१
०४	गुरु	०६:१६	२०:४८
२७	शनि	०८:२०	३०:३०
नवम्बर ०४	रवि	२१:३५	३०:३६
२०	मंगल	१८:३४	३०:३६
२४	शनि	०६:५१	१५:१०
दिसम्बर ०२	रवि	०६:५७	२७:००
०५	बुध	२७:३४	३१:३८
१८	मंगल	०७:०८	२८:३८
३०	रवि	०७:१४	०८:२४
२०१९ ई०			
जनवरी ०२	बुध	०६:३६	३१:१५
१५	मंगल	०७:१५	१३:५६
३०	बुध	०७:११	१६:४०
मार्च ०८	शुक्र	२३:१६	३०:३८
अप्रैल ०५	शुक्र	०६:०७	३०:०६

सिद्धियोग विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
मार्च २०	मंगल	०६:२६	१६:५१	१३	रवि	०५:३२	२१:४६	०९	सोम	०५:३०	२१:२७	३१	शुक्र	२२:१२	२९:५९
२२	गुरु	०६:२३	१३:५२	१६	बुध	१४:२८	२९:३०	१०	मंगल	१८:४६	२९:३१	सितम्बर ०२	रवि	२०:४७	३०:००
२३	शुक्र	०६:२२	१२:०३	२२	मंगल	०५:२७	२०:३१	१२	गुरु	१२:०२	२९:३२	०८	शनि	०६:०३	२६:४२
२५	रवि	०६:२०	०८:०३	२४	गुरु	०५:२६	१८:१८	१५	रवि	०५:३३	२१:३५	१०	सोम	०६:०४	२०:३६
२६	सोम	२७:४३	३०:१८	२५	शुक्र	०५:२६	१७:४८	१८	बुध	१४:३७	२९:३५	११	मंगल	१८:०५	३०:०५
२८	बुध	०६:१६	२३:२४	२७	रवि	०५:२५	१७:५८	२१	शनि	०५:३६	१३:४४	१३	गुरु	१४:५२	३०:०५
अप्रैल ०३	मंगल	०६:०९	१६:४४	३०	बुध	२१:२५	२९:२४	२३	सोम	०५:३७	१६:२४	१४	शुक्र	१४:२४	३०:०६
०५	गुरु	०६:०७	१९:०१	जून ०२	शनि	०५:२४	२८:१८	२६	गुरु	२३:१६	२९:४०	१६	रवि	१५:५४	३०:०७
०६	शुक्र	०६:०६	२१:०४	०४	सोम	०६:५३	२९:१८	२७	शुक्र	२५:५०	२९:४०	२६	बुध	०८:५७	३०:१२
०८	रवि	०६:०४	२६:०५	०६	बुध	०५:२३	११:१५	३१	मंगल	०५:४२	०८:४३	२९	शनि	०६:१३	०८:०४
१४	शनि	०९:१२	२९:५६	१२	मंगल	०५:२३	०७:३४	अगस्त ०२	गुरु	०५:४३	११:३३	अक्टूबर ०२	मंगल	०६:१५	२६:१७
१७	मंगल	२७:४५	२९:५३	१६	शनि	१४:४६	२९:२३	०३	शुक्र	०५:४४	१२:०८	०४	गुरु	०६:१६	२१:४९
१९	गुरु	२३:०८	२९:५१	१८	सोम	०८:५५	२९:२४	०५	रवि	०५:४५	११:२१	०५	शुक्र	०६:१६	१९:१८
२०	शुक्र	२०:४६	२९:५०	२१	गुरु	२७:१९	२९:२४	०८	बुध	०५:४६	२६:११	०७	रवि	०६:१७	१४:०३
२२	रवि	१६:१७	२९:४३	२२	शुक्र	२७:२०	२९:२४	१८	शनि	२५:४७	२९:५२	१०	बुध	०७:२६	३०:०७
२८	शनि	०७:१२	२९:४१	२६	मंगल	०५:२५	०६:२२	२०	सोम	२९:१७	२९:५४	१५	सोम	०६:२२	०८:०५
३०	सोम	०६:२८	२९:४१	२८	गुरु	०५:२६	१०:२३	२२	बुध	०७:४१	२९:५४	१६	मंगल	१०:१७	३०:२३
मई ०२	बुध	०५:४०	०७:४०	२९	शुक्र	०५:२६	१२:४७	२५	शनि	०५:५५	१५:१६	१८	गुरु	१५:२९	३०:२४
०८	मंगल	०५:३५	२०:४०	जुलाई ०१	रवि	०५:२७	१७:५५	२७	सोम	०५:५७	१९:१५	१९	शुक्र	१७:५७	३०:२५
१०	गुरु	०५:३४	२३:२८	०४	बुध	२४:०७	२९:२८	२८	मंगल	२०:४०	२९:५८	२१	रवि	२१:३१	३०:२६
११	शुक्र	०५:३३	२३:४२	०७	शनि	०५:२९	२४:५०	३०	गुरु	२२:०९	२९:५९	२७	शनि	१८:३८	३०:३०

सिद्धियोग विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
	२६	सोम	१५:०४	३०:३२
	३१	बुध	०६:३२	११:१०
नवम्बर	०२	शुक्र	२६:१०	३०:३५
	०४	रवि	२५:२५	३०:३६
	१०	शनि	२२:१३	३०:४१
	१२	सोम	२५:५१	३०:४२
	१४	बुध	०६:४३	३०:४४
	१७	शनि	०६:४५	११:५४
	१६	सोम	०६:४७	१४:३०
	२०	मंगल	१४:४०	३०:४६
	२२	गुरु	१२:५४	३०:५०
	२३	शुक्र	११:०६	३०:५१
	२५	रवि	०६:५२	२८:०७
	२८	बुध	२०:५१	३०:५५
दिसम्बर	०१	शनि	०६:५७	१५:१६
	०३	सोम	०६:५८	१३:००
	०४	मंगल	१२:२०	३१:००
	०६	गुरु	१२:१२	३१:०१
	०७	शुक्र	१२:५०	३१:०२
	०६	रवि	१५:५१	३१:०३
	१६	बुध	०७:३५	३०:२६

दिनाङ्क २०१८ ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
	२५	मंगल	०७:१२	१३:४७
	२७	गुरु	०७:१३	०८:०३
	२६	शनि	२६:२७	३१:१४
	३१	सोम	२५:१६	३१:१४
२०१६ ई०				
जनवरी	०२	बुध	०७:१४	२६:११
	०७	सोम	०७:१५	०६:१६
	०८	मंगल	११:५४	३१:१५
	१०	गुरु	१७:२२	३१:१६
	११	शुक्र	१६:५५	३१:१६
	१३	रवि	२३:४२	३१:१५
	१६	शनि	१७:३४	३१:१४
	२२	मंगल	२७:२६	३१:१४
	२४	गुरु	२०:५४	३१:१३
	२५	शुक्र	१८:१८	३१:१३
	२७	रवि	१५:०२	३१:१२
फरवरी	०२	शनि	२१:१६	३१:०६
	०४	सोम	२६:३३	३१:०७
	०६	बुध	०७:०७	३१:०६
	०६	शनि	०७:०५	१२:२६
	११	सोम	०७:०३	१५:२१

दिनाङ्क २०१९ ई०		वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
	१२	मंगल	१५:५५	३१:०२
	१४	गुरु	१४:५५	३१:००
	१५	शुक्र	१३:१६	३०:५६
	१७	रवि	०८:१०	२८:५०
	२०	बुध	१७:३७	३०:५५
	२३	शनि	०६:५३	०८:११
	२६	मंगल	०६:४८	३०:४७
मार्च	०१	शुक्र	०८:३६	३०:४६
	०३	रवि	१३:४५	३०:४४
	०६	शनि	२७:०३	३०:३७
	११	सोम	२८:४३	३०:३५
	१३	बुध	०६:३४	२८:२३
	१६	मंगल	०६:२७	१४:१६
	२१	गुरु	०६:२५	०७:१३
	२३	शनि	२२:३२	३०:२१
	२५	सोम	२०:००	३०:१६
	२७	बुध	०६:१८	२०:५५
अप्रैल	०२	मंगल	०८:१८	२०:५५
	०४	गुरु	१२:५१	३०:०७
	०५	शुक्र	१४:२२	३०:०६

अमृत योग विक्रम संवत् - २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
मार्च २५	रवि	२६:५४	३०:१६	१६	शनि	२६:४४	२६:२८	१६	सोम	१८:४१	२६:३४	०७	शुक्र	२६:५९	३०:०३
२६	सोम	०६:१६	२७:४३	२८	सोम	१८:४०	२६:२८	१८	बुध	०५:३५	१४:३७	०९	रवि	०६:०३	२३:३१
२७	मंगल	२५:३२	३०:१६	३०	बुध	०५:२४	२१:२५	१९	गुरु	१३:३६	२६:३६	११	मंगल	०६:०४	१८:०५
२९	गुरु	०६:१५	२१:२३	३१	गुरु	२३:२४	२६:२४	२०	शुक्र	१३:१६	२६:३६	१५	शनि	०६:०६	१४:४५
३०	शुक्र	०६:१४	१६:३५	जून ०१	शुक्र	२५:४५	२६:२४	२२	रवि	०५:३७	१४:४८	१९	बुध	२२:४०	३०:०८
३१	शनि	१८:०७	३०:१२	०३	रवि	०५:२३	२६:२३	२४	मंगल	०५:३८	१८:२६	२४	सोम	०७:१८	३०:११
अप्रैल ०६	सोम	२८:३४	३०:०२	०४	सोम	०५:२३	०६:५३	२८	शनि	०५:४०	२८:२०	२६	बुध	०६:११	०८:५७
११	बुध	०६:४१	२६:५६	०५	मंगल	०६:१६	२६:२३	अगस्त ०६	सोम	०६:५६	२६:४६	२७	गुरु	०६:०३	३०:१३
१५	रवि	०८:३८	२६:५५	०७	गुरु	०५:२३	१२:३७	०७	मंगल	२६:१६	२६:४६	२८	शुक्र	०८:४५	३०:१३
१६	सोम	०५:५५	०७:२७	०८	शुक्र	०५:२३	१३:१३	०९	गुरु	०५:४७	२२:४५	३०	रवि	०६:१४	०७:०४
१७	मंगल	०५:५४	२७:४५	०९	शनि	१२:५६	२६:२३	१०	शुक्र	०५:४७	१९:०८	अक्टूबर ०८	सोम	११:३२	३०:१८
२१	शनि	०५:५०	१८:२८	१३	बुध	२५:१३	२६:२३	११	शनि	१५:२८	२६:४९	१०	बुध	०६:१९	०७:२६
२५	बुध	१०:४७	२६:४५	१७	रवि	११:३६	२६:२३	१५	बुध	२५:५२	२६:५१	११	गुरु	०६:२०	२६:२८
२९	रवि	०६:३८	२६:४२	१८	सोम	०५:२३	०८:५५	१९	रवि	२७:१५	२६:५३	१२	शुक्र	०६:२०	२६:३५
३०	सोम	०५:४२	०६:२८	१९	मंगल	०६:४१	२८:५६	२०	सोम	०५:५३	२६:१७	१४	रवि	०६:२१	०६:२८
मई ०१	मंगल	०६:४८	२६:४०	२३	शनि	०५:२४	२७:५३	२२	बुध	०५:५४	०७:४१	१६	मंगल	०६:२३	१०:१७
०३	गुरु	०५:३६	०६:०५	जुलाई ०२	सोम	२०:२१	२६:२८	२३	गुरु	१०:१७	२६:५५	२०	शनि	०६:२५	२०:०१
०५	शनि	१३:२२	२६:३७	०४	बुध	०५:२८	२४:२७	२४	शुक्र	१५:५०	२६:५५	२४	बुध	२२:१५	३०:२८
१४	सोम	१६:४७	२६:३१	०५	गुरु	२५:०७	२६:२६	२६	रवि	०५:५६	१७:२६	२८	रवि	१६:५	३०:३१
१६	बुध	०५:३०	१४:२८	०६	शुक्र	२५:२३	२६:२६	२८	मंगल	०५:५७	२०:४०	२९	सोम	०६:३१	१५:०४
१७	गुरु	११:२७	२६:२६	०८	रवि	०५:३०	२३:३१	सितम्बर ०१	शनि	०५:५९	२१:४५	३०	मंगल	१३:०८	३०:३२
१८	शुक्र	०८:२५	२६:२८	१०	मंगल	०५:३१	१८:४६	०५	बुध	१५:०१	३०:०२	नवम्बर ०१	गुरु	०६:३३	०६:१०

अमृत योग विक्रम संवत् - २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.		वार	प्रारम्भ घं./मि.	समाप्ति घं./मि.	दिनाङ्क २०१८ ई.		वार	प्रारम्भ घं./मि.	समाप्ति घं./मि.	दिनाङ्क २०१९ ई.		वार	प्रारम्भ घं./मि.	समाप्ति घं./मि.
	०२	शुक्र	०६:३४	०७:१०		२१	शुक्र	०७:१०	२६:०९		१२	मंगल	०७:०३	१५:५५
	०३	शनि	०६:३५	२७:१४		२२	शनि	२३:१९	३१:११		१६	शनि	०६:५९	११:०२
	०७	बुध	२१:३२	३०:३८		३०	रवि	२५:३५	३१:१४		१८	सोम	२५:१२	३०:५७
	११	रवि	२३:४४	३०:४१		३१	सोम	०७:१५	२५:१७		२०	बुध	०६:५६	१७:३७
	१२	सोम	०६:४१	२५:५१	**२०१९ ई०**						२१	गुरु	१४:०२	३०:५४
	१३	मंगल	२८:२२	३०:४३	जनवरी	०१	मंगल	२५:२९	३१:१४		२२	शुक्र	१०:५०	३०:५३
	१५	गुरु	०७:०४	३०:४५		०३	गुरु	०७:१५	२७:२१	मार्च	०२	शनि	०६:४६	११:०५
	१६	शुक्र	०९:४०	३०:४५		०४	शुक्र	०७:१५	२८:५८		०६	बुध	२१:३४	३०:४१
	१८	रवि	०६:४६	१३:३४		०८	मंगल	०७:१५	११:५४		१०	रवि	२८:०७	३०:३६
	२०	मंगल	०६:४८	१४:४०		१२	शनि	०७:१६	२२:०५		११	सोम	०६:३६	२८:४३
	२४	शनि	०६:५१	०९:०१		१६	बुध	२४:०४	३१:१५		१२	मंगल	२८:५०	३०:३४
	२६	सोम	२५:३५	३०:५३		२०	रवि	१४:१९	३१:१५		१४	गुरु	०६:३३	२७:२२
	२८	बुध	०६:५४	२०:५१		२१	सोम	०७:१४	१०:४६		१५	शुक्र	०६:३२	२५:४४
	२९	गुरु	१८:४६	३०:५६		२२	मंगल	०७:१४	२७:२६		१६	शनि	२३:३३	३०:२९
	३०	शुक्र	१६:५५	३०:५७		२६	शनि	०७:१३	१६:१९		२४	रवि	२०:५१	३०:२०
दिसम्बर	०२	रवि	०६:५७	१४:०१		३०	बुध	१५:३३	३१:१०		२५	सोम	०६:२०	२०:००
	०४	मंगल	०६:५९	१२:२०	फरवरी	०३	रवि	२३:५३	३१:०८		२६	मंगल	२०:०२	३०:१८
	०८	शनि	०७:०२	१४:००		०४	सोम	०७:०८	२६:३३		२८	गुरु	०६:१७	२२:३४
	१२	बुध	२३:०६	३१:०५		०५	मंगल	२९:१५	३१:०७		२९	शुक्र	०६:१५	२४:४८
	१७	सोम	०७:२९	३१:०८		०७	गुरु	०७:५२	३१:०५		३०	शनि	२७:२३	३०:१३
	१९	बुध	०७:०९	०७:३५		०८	शुक्र	१०:१८	३१:०५	अप्रैल	०२	मंगल	०६:११	०८:३९
	२०	गुरु	०७:०९	२८:३५		१०	रवि	०७:०४	१५:०९					

रवियोग विक्रम संवत् - २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.	दिनाङ्क २०१८ ई०	वार	प्रारम्भ घं./मिं.	समाप्ति घं./मिं.
मार्च २०	रवि	१६:४४	३०:२५	०६	शुक्र	०५:३७	२८:३६	२७	सोम	०५:२५	०६:३५	१६	शुक्र	१६:१३	२६:५३
२१	सोम	०६:२५	१६:०१	१७	मंगल	२८:३३	२६:२६	जुलाई ०३	रवि	२७:१४	२६:२८	२०	शनि	०५:५३	२६:५३
२२	मंगल	१८:०५	३०:२२	१८	बुध	०५:२६	२६:२३	०४	सोम	०५:२८	२६:२३	२१	रवि	०५:५३	२४:३३
२३	बुध	०६:२२	१६:५७	१६	गुरु	२४:२५	२६:२८	१५	शुक्र	१३:२८	२६:३४	२४	बुध	०६:४७	२६:५५
२५	शुक्र	१४:२०	३०:१६	२०	शुक्र	०५:२८	२२:४४	१६	शनि	०५:३४	११:१२	२४	गुरु	०५:५५	०६:४६
२६	शनि	०६:१६	३०:१८	२२	रवि	२०:२८	२६:२७	१७	रवि	०६:२७	२६:३५	सितम्बर ०१	गुरु	२१:०२	३०:००
२७	रवि	०६:१८	११:२७	२३	सोम	०५:२७	२६:२६	१८	सोम	०५:३५	०८:१६	०२	शुक्र	०६:००	२०:४८
२६	मंगल	०८:३६	३०:१४	२४	मंगल	०५:२६	१६:४५	२०	बुध	०८:०६	१०:१७	११	रवि	२६:०५	३०:०५
३०	बुध	०६:१४	०७:२७	२५	बुध	१४:२१	१६:५६	२१	गुरु	०६:०७	२६:३७	१२	सोम	०६:०५	२५:०७
अप्रैल ०६	बुध	११:४२	३०:०५	२७	शुक्र	२१:३७	२६:२५	२२	शुक्र	०५:३७	२६:३७	१३	मंगल	२०:४१	२४:५३
०७	गुरु	०६:०५	१४:३२	२८	शनि	०५:२५	२३:०३	२३	शनि	०५:३७	१२:५३	१४	बुध	२५:२७	३०:०६
१८	सोम	२४:२७	२६:५२	जून ०४	शनि	१५:०५	२६:२३	२५	सोम	१८:२१	२६:३६	१५	गुरु	०६:०६	२६:४६
१६	मंगल	०५:५२	२२:५१	०५	रवि	०५:२३	१७:५७	२६	मंगल	०५:३६	२१:२५	१८	रवि	०७:३४	३०:०८
२०	बुध	२१:१५	२६:५०	१६	गुरु	०८:४३	२६:२३	अगस्त ०२	मंगल	१३:१२	२६:४४	१६	सोम	०६:०४	३०:०८
२१	गुरु	०५:५०	१६:४२	१७	शुक्र	०५:२३	०६:२०	०३	बुध	०५:४४	०६:१५	२०	मंगल	०६:०८	१३:४४
२३	शनि	१७:०३	२६:४७	१८	शनि	०५:२५	२६:४६	०३	बुध	१४:२५	२६:४४	२२	गुरु	१६:३०	३०:१०
२४	रवि	०५:४७	२६:४६	२०	सोम	२५:१६	२६:२४	०४	गुरु	०५:४४	१४:५६	२३	शुक्र	०६:१०	२१:४६
२५	सोम	०५:४६	१५:०६	२१	मंगल	०५:२४	२६:२४	१३	शनि	१६:०६	२६:५०	३०	शुक्र	२५:४१	३०:१४
२७	बुध	१४:००	२४:००	२२	बुध	०५:२४	११:११	१४	रवि	०५:५०	१७:२२	अक्टूबर ०१	शनि	०६:१४	२४:५१
२८	गुरु	१३:५३	२६:४३	२२	बुध	२६:०८	२६:२४	१५	सोम	१६:१३	२६:५१	१२	बुध	१०:४०	३०:२१
२६	शुक्र	०५:४३	१४:०६	२३	गुरु	०५:२४	२७:२०	१६	मंगल	०५:५१	१५:४८	१३	गुरु	०६:२१	११:३५
मई ०५	गुरु	२५:३३	२६:३७	२६	रवि	०७:०७	२६:२५	१७	बुध	०६:५०	१६:११	१४	शुक्र	१३:१४	३०:२२

रवियोग विक्रम संवत् - २०७५

दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं./मि.	समाप्ति घं./मि.	दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं./मि.	समाप्ति घं./मि.	दिनाङ्क २०१८ ई.	वार	प्रारम्भ घं./मि.	समाप्ति घं./मि.
१५	शनि	०६:२२	१५:३३	१६	शुक्र	०७:०७	०६:०६	फरवरी ०८	बुध	१४:५८	३१:०५
१७	सोम	२१:२८	३०:२४	१६	शुक्र	२७:०८	३१:०८	०९	गुरु	०७:०५	१७:३०
१८	मंगल	०६:२४	३०:२४	१७	शनि	०७:०८	३१:०८	१०	शुक्र	१६:३७	३१:०३
१९	बुध	०६:२४	२७:२४	१८	रवि	०७:०८	२८:३८	११	शनि	०७:०३	२१:१२
२३	रवि	०६:२७	०८:४७	२०	मंगल	२७:०४	३१:१०	१३	सोम	२२:२७	३१:०१
२६	शनि	२६:०६	३०:३२	२१	बुध	०७:१०	२५:२२	१४	मंगल	०७:०१	३१:००
३०	रवि	०६:३२	२७:५१	२७	मंगल	११:४१	३१:१३	१५	बुध	०७:००	२०:५२
नवम्बर १०	गुरु	१०:५६	३०:५१	२८	बुध	०७:१३	१०:१३	१७	शुक्र	१६:४६	३०:५८
११	शुक्र	०६:५१	२४:०२	**२०१९ ई०**				१८	शनि	०६:५८	१४:०१
१२	शनि	२६:३८	३०:४२	जनवरी ०८	रवि	२३:४०	३१:१५	२४	शुक्र	२२:०२	३०:५१
१३	रवि	०६:४२	२६:३६	०९	सोम	०७:१५	२६:४९	२५	शनि	०६:५१	२२:०८
१६	बुध	११:४६	३०:४५	१०	मंगल	२६:५४	३१:१६	मार्च ०९	गुरु	२५:१९	३०:३७
१७	गुरु	०६:४५	३०:४६	११	बुध	०७:१६	१३:२०	१०	शुक्र	०६:३७	२६:५७
१८	शुक्र	०६:४६	१६:३१	१२	गुरु	०८:४३	३१:१५	११	शनि	२४:१०	३०:३५
२१	सोम	१८:३१	३०:४९	१३	शुक्र	०७:१५	११:०६	१२	रवि	०६:३५	२८:५३
२२	मंगल	०६:४९	१७:५०	१५	रवि	१३:५६	३१:१५	१४	मंगल	२८:४२	३०:३२
२८	सोम	०८:०९	३०:३८	१६	सोम	०७:१५	३१:१५	१५	बुध	०६:३२	३०:३१
दिसम्बर १०	शनि	१०:३७	३१:०४	१७	मंगल	०७:१५	१३:४०	१६	गुरु	०६:३१	२६:१३
११	रवि	०७:०४	१३:२९	१९	गुरु	१०:३१	३१:१४	१९	रवि	१९:०५	३०:२६
१२	सोम	१६:३६	३१:०५	२०	शुक्र	०७:१४	०८:०७	२०	सोम	०६:२६	१६:१७
१३	मंगल	०७:०५	१६:४५	२६	गुरु	१५:०४	३१:१२	२६	रवि	०७:१५	३०:१८
१५	गुरु	२५:१४	३१:०७	२७	शुक्र	०७:१२	१४:२४	२७	सोम	०६:१८	०८:१९

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८–१९ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

मार्च २०१८				अप्रैल २०१८				मई २०१८			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	गुरु	१४:००	१५:२६	१	रवि	१७:०५	१८:३८	१	मंगल	१५:३७	१७:१६
२	शुक्र	११:०६	१२:३३	२	सोम	०७:४४	०९:१७	२	बुध	१२:१८	१३:५७
३	शनि	०९:३९	११:०६	३	मंगल	१५:३२	१७:०६	३	गुरु	१३:५८	१५:३७
४	रवि	१६:५४	१८:२१	४	बुध	१२:२४	१३:५८	४	शुक्र	१०:३८	१२:१८
५	सोम	०८:१०	०९:३८	५	गुरु	१३:५८	१५:३२	५	शनि	०८:५७	१०:३७
६	मंगल	१५:२८	१६:५५	६	शुक्र	१०:४९	१२:२३	६	रवि	१७:१८	१८:५९
७	बुध	१२:३२	१४:००	७	शनि	०९:१४	१०:४८	७	सोम	०७:१६	०८:५६
८	गुरु	१४:००	१५:२८	८	रवि	१७:०७	१८:४२	८	मंगल	१५:३९	१७:१९
९	शुक्र	११:०३	१२:३२	९	सोम	०७:३७	०९:१२	९	बुध	१२:१७	१३:५८
१०	शनि	०९:३५	११:०३	१०	मंगल	१५:३३	१७:०८	१०	गुरु	१३:५८	१५:३९
११	रवि	१६:५७	१८:२६	११	बुध	१२:२२	१३:५७	११	शुक्र	१०:३६	१२:१७
१२	सोम	०८:०४	०९:३३	१२	गुरु	१३:५७	१५:३३	१२	शनि	०८:५५	१०:३६
१३	मंगल	१५:२९	१६:५८	१३	शुक्र	१०:४६	१२:२१	१३	रवि	१७:२२	१९:०३
१४	बुध	१२:३०	१४:००	१४	शनि	०९:०९	१०:४५	१४	सोम	०७:१२	०८:५४
१५	गुरु	१४:००	१५:२९	१५	रवि	१७:१०	१८:४६	१५	मंगल	१५:४१	१७:२२
१६	शुक्र	११:००	१२:३०	१६	सोम	०७:३१	०९:०८	१६	बुध	१२:१७	१३:५९
१७	शनि	०९:३०	११:००	१७	मंगल	१५:३४	१७:११	१७	गुरु	१३:५९	१५:४१
१८	रवि	१७:००	१८:३०	१८	बुध	१२:२०	१३:५७	१८	शुक्र	१०:३५	१२:१७
१९	सोम	०७:५७	०९:२८	१९	गुरु	१३:५७	१५:३४	१९	शनि	०८:५३	१०:३५
२०	मंगल	१५:३०	१७:०१	२०	शुक्र	१०:४३	१२:२०	२०	रवि	१७:२५	१९:०७
२१	बुध	१२:२८	१३:५९	२१	शनि	०९:०५	१०:४२	२१	सोम	०७:१०	०८:५२
२२	गुरु	१३:५९	१५:३०	२२	रवि	१७:१३	१८:५०	२२	मंगल	१५:४३	१७:२६
२३	शुक्र	१०:५६	१२:२८	२३	सोम	०७:२६	०९:०३	२३	बुध	१२:१८	१४:००
२४	शनि	०९:२४	१०:५६	२४	मंगल	१५:३५	१७:१३	२४	गुरु	१४:०१	१५:४४
२५	रवि	१७:०३	१८:३४	२५	बुध	१२:१६	१३:५७	२५	शुक्र	१०:३५	१२:१८
२६	सोम	०७:५०	०९:२२	२६	गुरु	१३:५७	१५:३६	२६	शनि	०८:५१	१०:३५
२७	मंगल	१५:३१	१७:०३	२७	शुक्र	१०:४०	१२:१९	२७	रवि	१७:२८	१९:११
२८	बुध	१२:२६	१३:५९	२८	शनि	०९:०१	१०:४०	२८	सोम	०७:०८	०८:५१
२९	गुरु	१३:५८	१५:३१	२९	रवि	१७:१५	१८:५४	२९	मंगल	१५:४५:	१७:२९
३०	शुक्र	१०:५२	१२:२५	३०	सोम	०७:२०	०९:००	३०	बुध	१२:१८	१४:०२
३१	शनि	०९:१९	१०:५२					३१	गुरु	१४:०२	१५:४६

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८–१९ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

जून २०१८				जुलाई २०१८				अगस्त २०१८			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	शुक्र	१०:३५	१२:१६	१	रवि	१७:३८	१६:२२	१	बुध	१२:२७	१४:०८
२	शनि	०८:५१	१०:३५	२	सोम	०७:११	०८:५६	२	गुरु	१४:०८	१५:४६
३	रवि	१७:३१	१६:१५	३	मंगल	१५:५४	१७:३८	३	शुक्र	१०:४६	१२:२७
४	सोम	०७:०७	०८:५१	४	बुध	१२:२५	१४:०६	४	शनि	०६:०५	१०:४६
५	मंगल	१५:४७	१७:३२	५	गुरु	१४:०६	१५:५४	५	रवि	१७:२८	१६:०६
६	बुध	१२:१६	१४:०४	६	शुक्र	१०:४१	१२:२५	६	सोम	०७:२५	०६:०६
७	गुरु	१४:०४	१५:४८	७	शनि	०८:५७	१०:४१	७	मंगल	१५:४७	१७:२७
८	शुक्र	१०:३५	१२:२०	८	रवि	१७:३८	१६:२२	८	बुध	१२:२६	१४:०६
९	शनि	०८:५१	१०:३६	९	सोम	०७:१४	०८:५८	९	गुरु	१४:०६	१५:४६
१०	रवि	१७:३३	१६:१८	१०	मंगल	१५:५४	१७:३८	१०	शुक्र	१०:४६	१२:२६
११	सोम	०७:०७	०८:५१	११	बुध	१२:२६	१४:१०	११	शनि	०६:०७	१०:४६
१२	मंगल	१५:५०	१७:३४	१२	गुरु	१४:१०	१५:५४	१२	रवि	१७:२३	१६:०३
१३	बुध	१२:२१	१४:०५	१३	शुक्र	१०:४३	१२:२६	१३	सोम	०७:२८	०६:०७
१४	गुरु	१४:०६	१५:५०	१४	शनि	०८:५६	१०:४३	१४	मंगल	१५:४३	१७:२२
१५	शुक्र	१०:३६	१२:२१	१५	रवि	१७:३७	१६:२०	१५	बुध	१२:२५	१४:०४
१६	शनि	०८:५२	१०:३७	१६	सोम	०७:१६	०६:००	१६	गुरु	१४:०३	१५:४२
१७	रवि	१७:३६	१६:२०	१७	मंगल	१५:५३	१७:३६	१७	शुक्र	१०:४६	१२:२४
१८	सोम	०७:०८	०८:५२	१८	बुध	१२:२७	१४:१०	१८	शनि	०६:०८	१०:४६
१९	मंगल	१५:५१	१७:३६	१९	गुरु	१४:१०	१५:५३	१९	रवि	१७:१८	१८:५६
२०	बुध	१२:२२	१४:०७	२०	शुक्र	१०:४४	१२:२७	२०	सोम	०७:३०	०६:०८
२१	गुरु	१४:०७	१५:५२	२१	शनि	०६:०१	१०:४४	२१	मंगल	१५:३६	१७:१७
२२	शुक्र	१०:३८	१२:२३	२२	रवि	१७:३५	१६:१७	२२	बुध	१२:२३	१४:०१
२३	शनि	०८:५३	१०:३८	२३	सोम	०७:१६	०६:०२	२३	गुरु	१४:००	१५:३८
२४	रवि	१७:३७	१६:२२	२४	मंगल	१५:५२	१७:३४	२४	शुक्र	१०:४६	१२:२३
२५	सोम	०७:०६	०८:५४	२५	बुध	१२:२७	१४:०६	२५	शनि	०६:०६	१०:४६
२६	मंगल	१५:५३	१७:३७	२६	गुरु	१४:०६	१५:५१	२६	रवि	१७:१२	१८:४६
२७	बुध	१२:२४	१४:०८	२७	शुक्र	१०:४५	१२:२७	२७	सोम	०७:३३	०६:०६
२८	गुरु	१४:०८	१५:५३	२८	शनि	०६:०३	१०:४५	२८	मंगल	१५:३४	१७:१०
२९	शुक्र	१०:३६:	१२:२४	२९	रवि	१७:३२	१६:१४	२९	बुध	१२:२१	१३:५७
३०	शनि	०८:५५	१०:४०	३०	सोम	०७:२२:	०६:०४	३०	गुरु	१३:५७	१५:३३
				३१	मंगल	१५:४६	१७:३१	३१	शुक्र	१०:४५	१२:२१

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८–१९ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

सितम्बर २०१८				अक्टूबर २०१८				नवम्बर २०१८			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	शनि	०९:०९	१०:४५	१	सोम	०७:४३	०९:१२	१	गुरु	१३:२७	१४:५०
२	रवि	१७:०६	१८:४१	२	मंगल	१५:०८	१६:३७	२	शुक्र	१०:४१	१२:०४
३	सोम	०७:३५	०९:१०	३	बुध	१२:१०	१३:३८	३	शनि	०९:१९	१०:४१
४	मंगल	१५:२९	१७:०४	४	गुरु	१३:३८	१५:०६	४	रवि	१६:१२	१७:३४
५	बुध	१२:१९	१३:५४	५	शुक्र	१०:४१	१२:०९	५	सोम	०७:५७	०९:२०
६	गुरु	१३:५३	१५:२८	६	शनि	०९:१२	१०:४१	६	मंगल	१४:४८	१६:११
७	शुक्र	१०:४४	१२:१८	७	रवि	१६:३२	१८:००	७	बुध	१२:०४	१३:२६
८	शनि	०९:१०	१०:४४	८	सोम	०७:४५	०९:१३	८	गुरु	१३:२६	१४:४८
९	रवि	१६:५९	१८:३३	९	मंगल	१५:०३	१६:३०	९	शुक्र	१०:४३	१२:०४
१०	सोम	०७:३७	०९:१०	१०	बुध	१२:०८	१३:३५	१०	शनि	०९:२२	१०:४३
११	मंगल	१५:२४	१६:५७	११	गुरु	१३:३४	१५:०१	११	रवि	१६:०८	१७:३०
१२	बुध	१२:१७	१३:५०	१२	शुक्र	१०:४०	१२:०७	१२	सोम	०८:०१	०९:२२
१३	गुरु	१३:४९	१५:२२	१३	शनि	०९:१४	१०:४०	१३	मंगल	१४:४७	१६:०८
१४	शुक्र	१०:४३	१२:१६	१४	रवि	१६:२६	१७:५२	१४	बुध	१२:०५	१३:२६
१५	शनि	०९:११	१०:४३	१५	सोम	०७:४८	०९:१४	१५	गुरु	१३:२६	१४:४६
१६	रवि	१६:५२	१८:२५	१६	मंगल	१४:५८	१६:२४	१६	शुक्र	१०:४५	१२:०५
१७	सोम	०७:३९	०९:११	१७	बुध	१२:०६	१३:३२	१७	शनि	०९:२५	१०:४५
१८	मंगल	१५:१८	१६:५०	१८	गुरु	१३:३१	१४:५७	१८	रवि	१६:०६	१७:२६
१९	बुध	१२:१४	१३:४६	१९	शुक्र	१०:४०	१२:०६	१९	सोम	०८:०६	०९:२६
२०	गुरु	१३:४५	१५:१७	२०	शनि	०९:१५	१०:४०	२०	मंगल	१४:४६	१६:०६
२१	शुक्र	१०:४२	१२:१४	२१	रवि	१६:२०	१७:४५	२१	बुध	१२:०६	१३:२६
२२	शनि	०९:११	१०:४२	२२	सोम	०७:५१	०९:१५	२२	गुरु	१३:२६	१४:४६
२३	रवि	१६:४५	१८:१६	२३	मंगल	१४:५५	१६:१९	२३	शुक्र	१०:४७	१२:०७
२४	सोम	०७:४१	०९:११	२४	बुध	१२:०५	१३:२९	२४	शनि	०९:२८	१०:४८
२५	मंगल	१५:१३	१६:४३	२५	गुरु	१३:२९	१४:५४	२५	रवि	१६:०५	१७:२४
२६	बुध	१२:१२	१३:४२	२६	शुक्र	१०:४०	१२:०५	२६	सोम	०८:१०	०९:२९
२७	गुरु	१३:४१	१५:११	२७	शनि	०९:१७	१०:४१	२७	मंगल	१४:४६	१६:०५
२८	शुक्र	१०:४१	१२:११	२८	रवि	१६:१६	१७:४०	२८	बुध	१२:०८	१३:२७
२९	शनि	०९:१२	१०:४१	२९	सोम	०७:५४	०९:१७	२९	गुरु	१३:२७	१४:४६
३०	रवि	१६:३९	१८:०८	३०	मंगल	१४:५१	१६:१५	३०	शुक्र	१०:५०	१२:०९
				३१	बुध	१२:०४	१३:२७				

विक्रम सम्वत् २०७५, ईश्वीय सन् २०१८–१९ दैनिक राहुकाल सारिणी (नई दिल्ली), (भा. स्टैं० टा. घण्टा/मिनट)

दिसम्बर २०१८				जनवरी २०१९				फरवरी २०१९				मार्च २०१९			
दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति	दिनाङ्क	वार	प्रारम्भ	समाप्ति
१	शनि	०९:३२	१०:५१	१	मंगल	१४:५९	१६:१६	१	शुक्र	११:१३	१२:३४	१	शुक्र	११:०७	१२:३३
२	रवि	१६:०५	१७:२३	२	बुध	१२:२४	१३:४२	२	शनि	०९:५२	११:१३	२	शनि	०९:४०	११:०७
३	सोम	०८:१५	०९:३३	३	गुरु	१३:४२	१५:००	३	रवि	१६:३९	१८:००	३	रवि	१६:५४	१८:२१
४	मंगल	१४:४७	१६:०५	४	शुक्र	११:०७	१२:२५	४	सोम	०८:३०	०९:५१	४	सोम	०८:१२	०९:३९
५	बुध	१२:११	१३:२९	५	शनि	०९:५०	११:०८	५	मंगल	१५:१८	१६:४०	५	मंगल	१५:२७	१६:५५
६	गुरु	१३:२९	१४:४७	६	रवि	१६:२०	१७:३८	६	बुध	१२:३५	१३:५७	६	बुध	१२:३२	१४:००
७	शुक्र	१०:५४	१२:१२	७	सोम	०८:३३	०९:५१	७	गुरु	१३:५७	१५:१९	७	गुरु	१४:००	१५:२८
८	शनि	०९:३६	१०:५४	८	मंगल	१५:०३	१६:२१	८	शुक्र	११:१३	१२:३५	८	शुक्र	११:०४	१२:३२
९	रवि	१६:०६	१७:२४	९	बुध	१२:२७	१३:४५	९	शनि	०९:५०	११:१२	९	शनि	०९:३५	११:०४
१०	सोम	०८:२०	०९:३७	१०	गुरु	१३:४६	१५:०४	१०	रवि	१६:४३	१८:०६	१०	रवि	१६:५७	१८:२५
११	मंगल	१४:४९	१६:०६	११	शुक्र	११:१०	१२:२८	११	सोम	०८:२६	०९:४९	११	सोम	०८:०५	०९:३४
१२	बुध	१२:१४	१३:३२	१२	शनि	०९:५२	११:१०	१२	मंगल	१५:२१	१६:४४	१२	मंगल	१५:२९	१६:५७
१३	गुरु	१३:३२	१४:५०	१३	रवि	१६:२४	१७:४३	१३	बुध	१२:३५	१३:५८	१३	बुध	१२:३१	१४:००
१४	शुक्र	१०:५७	१२:१५	१४	सोम	०८:३४	०९:५२	१४	गुरु	१३:५८	१५:२२	१४	गुरु	१४:००	१५:२९
१५	शनि	०९:४०	१०:५८	१५	मंगल	१५:०७	१६:२६	१५	शुक्र	११:११	१२:३५	१५	शुक्र	११:०१	१२:३०
१६	रवि	१६:०८	१७:२६	१६	बुध	१२:३०	१३:४९	१६	शनि	०९:४७	११:११	१६	शनि	०९:३१	११:००
१७	सोम	०८:२४	०९:४१	१७	गुरु	१३:४९	१५:०८	१७	रवि	१६:४७	१८:११	१७	रवि	१६:५९	१८:२९
१८	मंगल	१४:५२	१६:०९	१८	शुक्र	११:१२	१२:३१	१८	सोम	०८:२२	०९:४६	१८	सोम	०७:५९	०९:२९
१९	बुध	१२:१७	१३:३५	१९	शनि	०९:५३	११:१२	१९	मंगल	१५:२४	१६:४८	१९	मंगल	१५:३०	१७:००
२०	गुरु	१३:३५	१४:५२	२०	रवि	१६:२९	१७:४९	२०	बुध	१२:३५	१३:५९	२०	बुध	१२:२८	१३:५९
२१	शुक्र	११:०१	१२:१८	२१	सोम	०८:३३	०९:५३	२१	गुरु	१३:५९	१५:२४	२१	गुरु	१३:५९	१५:३०
२२	शनि	०९:४४	११:०१	२२	मंगल	१५:११	१६:३१	२२	शुक्र	११:०९	१२:३५	२२	शुक्र	१०:५७	१२:२८
२३	रवि	१६:११	१७:२९	२३	बुध	१२:३२	१३:५२	२३	शनि	०९:४४	११:०९	२३	शनि	०९:२५	१०:५६
२४	सोम	०८:२८	०९:४५	२४	गुरु	१३:५२	१५:१२	२४	रवि	१६:५१	१८:१६	२४	रवि	१७:०२	१८:३४
२५	मंगल	१४:५५	१६:१२	२५	शुक्र	११:१३	१२:३३	२५	सोम	०८:१७	०९:४३	२५	सोम	०७:५१	०९:२३
२६	बुध	१२:२१	१३:३८	२६	शनि	०९:५३	११:१३	२६	मंगल	१५:२६	१६:५२	२६	मंगल	१५:३१	१७:०३
२७	गुरु	१३:३९	१४:५६	२७	रवि	१६:३४	१७:५४	२७	बुध	१२:३४	१४:००	२७	बुध	१२:२६	१३:५९
२८	शुक्र	११:०४	१२:२२	२८	सोम	०८:३२	०९:५३	२८	गुरु	१४:००	१५:२६	२८	गुरु	१३:५९	१५:३१
२९	शनि	०९:४७	११:०५	२९	मंगल	१५:१५	१६:३६					२९	शुक्र	१०:५३	१२:२६
३०	रवि	१६:१५	१७:३३	३०	बुध	१२:३४	१३:५५					३०	शनि	०९:२०	१०:५३
३१	सोम	०८:३१	०९:४८	३१	गुरु	१३:५५	१५:१६					३१	रवि	१७:०५	१८:३८

* क्रान्ति सारिणी *

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८	१८	१७	१७
+	२	५७	५१	४५	३९	३२	२४	१७	९	००	५१	४१	३१	२१	१०	५९	४८	३६	२४	११	५८	४४	३०	१६	२	४७	३२	१६	००	४४	२७
फरवरी	१७	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	९	९	९	८	८	८	७	×	×
+	११	५३	३६	१८	००	४२	२३	५	४६	२६	७	४७	२७	७	४६	२६	५	४४	२२	१	३९	१८	५६	३४	११	४९	२७	४	५२	×	×
मार्च	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	+ ०	−०	०	०	१	१	२	२	२	३	३	४
+	४१	१८	५५	३२	९	४६	२३	०	३६	१३	४९	२६	२	३८	१५	५१	२७	४	४१	१६	८	३१	५५	१९	४२	६	२९	५३	१६	४०	३
अप्रैल	४	४	५	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४	१४	१४	×
	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	६	२८	५१	१३	३५	५७	१९	४०	२	२३	४४	५	२५	४६	६	२६	४६	६	२६	४५	४	२३	४१	×
मई	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२१
−	०	१८	३६	५३	११	२८	४४	१	१७	३३	४९	४	१९	३४	४८	२	१६	२९	४३	५५	८	२०	३२	४३	५४	५	१५	२५	३५	४१	५३
जू न	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२ ३	×
−	१	९	१७	२४	३१	३८	४४	४९	५५	०	४	८	१२	१५	१८	२०	२२	२४	२५	२६	२७	२७	२६	२५	२४	२२	२०	१८	१५	११	×
जुलाई	२३	२३	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२१	२१	२१	२१	२१	२१	२०	२०	२०	२०	२०	१९	१९	१९	१९	१९	१८	१८	१८
−	८	४	५९	५४	४९	४३	३७	३१	२४	१६	९	१	५२	४३	३४	२५	१५	५	५४	४३	३२	२०	८	५६	४३	३०	१७	३	४९	३५	२०
अगस्त	१८	१७	१७	१७	१७	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	११	१०	१०	१०	९	९	९	८
−	५	५०	३५	१९	३	४७	३०	१३	५६	३९	२१	३	४५	२७	८	४०	३१	११	५२	३२	१३	५३	३२	१२	५१	३१	१०	४९	२७	६	४५
सितम्बर	८	८	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	३	३	३	२	२	१	१	१	०	−०	+०	०	०	१	१	१	२	२	×
−	२३	१	३९	१७	५५	३३	१०	४८	२५	८	४०	१७	५४	३१	८	४५	२२	५९	३५	१२	४९	२५	२	२१	४५	८	३१	५५	१८	४१	×
अक्टूबर	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१४
+	५	२८	५१	१४	३८	१	२४	४७	९	३२	५५	१८	४०	३	२५	४७	९	३१	५३	१४	३६	५७	१८	३९	००	२१	४१	२	२२	४१	१
नवम्बर	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	×
+	२०	४०	५९	१७	३६	५४	१२	२९	४७	४	२१	३७	५३	९	२५	४०	५५	१०	२४	३८	५१	४	१७	३०	४२	५३	५	१५	२६	३६	×
दिसम्बर	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२३
+	४६	५५	४	१२	२०	२८	३५	४१	४८	५३	५९	४	८	१२	१५	१८	२१	२३	२५	२६	२६	२७	२६	२६	२४	२३	२१	१८	१५	११	७

नोट : रवि क्रान्ति २१ मार्च से २२ सितम्बर तक उत्तरा (−) तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक दक्षिणा (+) होती है। क्रान्ति अंश और कला में हैं।

* चर सारिणी *

क्रान्त्यंश →	२		४		६		८		१०		१२		१४		१६		१८		२०		२२		२४	
अक्षांश ↓	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.	मि.	से.
२	०	१७	०	३४	०	५०	१	०७	१	२४	१	४२	२	००	२	१८	२	३६	२	५४	३	१४	३	३४
४	०	३४	१	०७	१	४२	२	१५	२	५०	३	२४	४	००	४	३६	५	१२	५	५०	६	२९	७	०८
६	०	५०	१	४२	२	३२	३	२३	४	१५	५	०७	६	००	६	५४	७	५०	८	४६	९	४४	१०	४४
८	१	०७	२	१५	३	२३	४	३२	५	४१	६	५१	८	०२	९	१४	१०	२८	११	४४	१३	०१	१४	२१
९	१	१६	२	३२	३	४९	५	०६	६	२४	७	४३	९	०१	१०	२५	११	४८	१३	१३	१४	५१	१६	१०
१०	१	२४	२	४९	४	१४	५	४१	७	०८	८	३६	१०	०५	११	३६	१३	०८	१४	४३	१६	२०	१८	०१
११	१	३३	३	०७	४	४१	६	१६	७	५१	९	२८	११	०६	१२	४७	१४	२९	१६	१३	१८	००	१९	५२
१२	१	४२	३	२४	५	०७	६	५१	८	३६	१०	२१	१२	०९	१४	००	१५	५०	१७	४५	१९	४२	२१	४३
१३	१	५०	३	४२	५	३४	७	२६	९	२०	११	१५	१३	१२	१५	११	१७	१२	१९	१७	२१	२५	२३	३६
१४	२	००	४	००	६	००	८	०२	१०	०५	१२	०९	१४	१५	१६	२४	१८	३५	२०	५०	२३	०८	२५	३०
१५	२	०९	४	१८	६	२७	८	३८	१०	५०	१३	०४	१५	१९	१७	३८	१९	५९	२२	२३	२४	५२	२७	२४
१६	२	१८	४	३६	६	५४	९	१४	११	३६	१३	५९	१६	२४	१८	५२	२१	२३	२३	५८	२६	३७	२९	२०
१७	२	२६	४	५४	७	२२	९	५१	१२	२२	१४	५४	१७	२९	२०	०७	२२	४८	२५	३३	२८	२३	३१	१८
१८	२	३६	५	१२	७	५०	१०	२८	१३	०८	१५	५०	१८	३५	२१	२३	२४	१४	२७	१०	३०	१०	३३	१६
१९	२	४५	५	३१	८	१८	११	०६	१३	५५	१६	४७	१९	४२	२२	४०	२५	४२	२८	४८	३१	५९	३५	१६
२०	२	५४	५	५०	८	४६	११	४३	१४	४३	१७	४५	२०	५०	२३	५८	२७	१०	३०	२७	३३	४९	३७	१८
२१	३	०४	६	०९	९	१५	१२	२२	१५	३१	१८	४३	२१	५८	२५	१७	२८	४०	३२	०७	३५	४१	३९	४२
२२	३	१४	६	२८	९	४४	१३	०१	१६	२०	१९	४२	२३	०८	२६	३६	३०	१०	२२	४१	३७	३५	४१	२७
२३	३	२४	६	४८	१०	१४	१३	४१	१७	१०	२०	४२	२४	१८	२७	५७	३१	४३	३५	३३	३९	३०	४३	३४
२४	३	३४	७	०८	१०	४४	१४	२१	१८	०१	२१	४३	२५	३०	२९	२०	३३	१६	३७	१८	४१	२७	४५	४४
२५	३	४४	७	२८	११	१४	१५	०२	१८	५२	२२	४५	२६	४२	३०	४४	३४	५२	३९	०५	४३	२६	४७	५६
२६	३	५४	७	४९	११	४५	११	४३	१९	४४	२३	४८	२७	५६	३२	०९	३६	२८	४०	५४	४५	२८	५०	१०
२७	४	०४	८	१०	१२	१७	१६	२६	२०	३६	२४	५२	२९	१२	३३	३६	३८	०७	४२	४५	४७	३१	५२	२७
२८	४	१५	८	३१	१२	४९	१७	०९	२१	३१	२५	५७	३०	२८	३५	०५	३९	४८	४४	३८	४९	३७	५४	४७
२९	४	२६	८	५३	१३	२२	१७	५२	२२	२६	२७	०४	३१	४७	३६	३५	४१	३०	४६	३३	५१	४५	५७	०९
३०	४	३७	९	१५	१३	५५	१८	३७	२३	२२	२८	१२	३३	०६	३८	०७	४३	१५	४८	३१	५३	५७	५९	३५
३१	४	४९	९	३८	१४	२९	१९	२३	२४	२०	२९	२१	३४	२८	३९	४१	४५	०२	५०	३२	५६	१२	६२	०४
३३	५	१२	१०	२५	१५	३९	२०	५७	२६	१८	३१	४४	३७	१६	४२	५६	४८	४४	५४	४१	६०	५१	६७	०३
३५	५	३६	११	१४	१६	५३	२२	३७	२८	२२	३४	१४	४०	१३	४६	२०	५२	३६	५९	०४	६५	४४	७२	४०
४०	६	४३	१३	२७	२०	१४	२७	०५	३४	०२	४१	०६	४८	१८	५५	४१	६३	१७	७१	०८	७९	१६	८७	४५
४५	८	०१	१६	०२	२४	०८	३२	१८	४०	३७	४९	०५	४७	४५	६६	३१	७५	५०	८५	२२	९५	११	१०५	४५
५०	९	३२	१९	०७	२८	४६	३८	३४	४८	३१	५८	४२	६९	०१	७९	५६	९१	०८	१०२	५०	११५	०८	१२८	११
५५	११	२६	२२	५६	३४	३२	४६	११	५८	२०	७०	४१	८३	२६	९६	४२	११०	३५	१२५	१७	१४०	५८	१५७	५६
१३ ४'	१	४४	३	५४	५	५१	७	५०	९	५०	११	५१	१३	५४	१६	००	१८	०८	२०	११	२२	३३	२४	५२
१८ ५५'	२	४५	५	३०	८	१५	११	०३	१३	५१	१६	४३	१९	३६	२२	३३	२५	३४	२८	४०	३१	५०	३५	०६
२२ ३४'	३	२०	५	४०	१०	०१	१३	२४	१६	४८	२०	१६	२३	४७	२७	२३	३१	०२	३४	४८	३८	४०	४२	३९
२८ ३८'	४	२२	८	४५	१३	१०	१७	३६	२२	०६	२६	४१	३१	१८	३६	०२	४०	३१	४५	५१	५०	५८	५६	१६

* वेलान्तर सारिणी *

दिनांक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी	०३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३
–	३२	००	२८	४५	२२	४५	९	३४	०	२४	४८	११	३५	५७	१९	३९	००	१९	३८	५६	१४	३०	४७	०२	१७	३०	४३	५८	६	१६	२६
फरवरी	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	×	×
–	३०	४०	५०	५६	१	५	९	१२	१४	१५	१६	१५	१५	१३	११	८	४	०	५५	४९	४२	३४	२७	१९	१०	००	५१	४०	३४	×	×
मार्च	१२	१२	१२	११	११	११	११	१०	१०	१०	१०	९	९	९	९	८	८	८	७	७	७	७	६	६	६	५	५	५	४	४	४
–	२९	१७	५	५२	३९	२५	११	५६	४१	२५	१०	५४	३८	२१	५	४८	३१	१३	५६	३८	२१	०३	४५	२७	९	५१	३३	१४	५६	३८	२०
अप्रैल	४	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	०	०	–०	+०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	×
–	२	४२	२६	८	५१	३४	१७	०	४३	२६	१०	५४	३८	२४	९	१४	२०	३३	४७	०	१३	२४	३६	४७	५८	८	१८	२७	३६	४४	×
मई	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	२	२	२	२	२
+	५२	५९	६	१२	१८	२२	२७	३१	३५	३८	४०	४२	४३	४३	४३	४२	४१	३९	३७	३३	३०	२६	२२	१६	११	४	५८	५१	४४	३५	२७
जून	२	२	२	१	१	१	१	१	०	०	०	०	०	+०	–०	०	०	०	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	×
+	१९	१०	०	५०	४०	२९	१९	७	५६	४४	३२	२०	८	१३	१७	३०	४३	५६	९	२२	३६	४९	२	१५	२८	४०	५३	६	१८	३०	×
जुलाई	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६
–	४२	५३	४	१५	२६	३६	४६	५६	५	१३	२२	३०	३७	४४	५१	५७	२	७	१२	१६	२०	२३	२५	२६	२८	२८	२८	२७	२७	२५	२२
अगस्त	६	६	६	६	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	३	३	३	३	२	२	२	२	१	१	१	१	०	०
–	१८	१४	१०	४	५९	५२	४६	३९	३१	२२	१३	३	५३	४२	३१	१९	७	५४	४१	२७	१३	५८	४३	१७	१२	५५	३८	२०	३	४५	२७
सितम्बर	०	०	०	०	१	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	९	८	८	८	९	९	९	×
+	०८	१९	३१	५१	१०	३०	५१	११	३२	५३	१४	३५	५६	१७	३८	०	२१	४२	३	२४	४६	०७	२८	४९	९	३०	५१	११	३१	५१	×
अक्टूबर	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
+	११	३०	४९	७	२६	४४	२	१९	३६	५२	८	२३	३८	५२	६	१९	३२	४३	५५	००	१६	२५	३४	४२	५०	५६	३	८	१३	१७	२०
नवम्बर	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१४	१४	१४	१४	१३	१३	१३	१३	१२	१२	१२	११	११	×
+	२२	२४	२५	२४	२४	२२	१९	१६	१२	६	००	५३	४६	२८	२८	१७	६	५४	४१	२७	१३	५७	४२	२५	८	४९	३०	१०	५०	२९	×
दिसम्बर	११	१०	१०	९	९	९	८	८	७	७	६	६	६	५	५	४	४	३	३	२	२	१	१	०	+०	–०	०	१	१	२	२
+	८	४५	२२	५८	३४	९	४४	१७	५१	२४	५७	२९	१	३२	०	३४	५	३६	३	३७	७	३७	७	३९	७	२९	५२	२२	५१	२०	४९

नोट : २६ दिसम्बर से १४ अप्रैल तक तथा १५ जून से ३१ अगस्त तक वेलान्तर ऋण (-) १५ अप्रैल से १४ जून तक तथा १ दिसम्बर तक वेलान्तर धन (+) होता है। वेलान्तर मिनट एवं सेकेण्ड में हैं।

* स्पष्टान्तर सारिणी *

मास	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१
जनवरी (-)	२४ २४	२४ ५६	२५ १९	२५ ४६	२६ १३	२६ ३९	२७ ०५	२७ ३०	२७ ५६	२८ २०	२८ ४४	२९ ०८	२९ ३१	२९ ५३	३० १५	३० २६	३० ५७	३१ १७	३१ ३६	३१ ५५	३२ १२	३२ ३०	३२ ४६	३३ ०२	३३ १७	३३ ३१	३३ ४५	३३ ५७	३४ ०९	३४ २०	३४ ३१
फरवरी (-)	३४ ४०	३४ ४९	३५ ५७	३५ ०४	३५ १०	३५ १५	३५ २०	३५ २४	३५ २७	३५ २९	३५ ३०	३५ ३१	३५ ३०	३५ २९	३५ २८	३५ २५	३५ २२	३५ १७	३५ १३	३५ ०७	३५ ०१	३४ ५४	३४ ४६	३४ ३७	३४ २६	३४ १९	३४ ०८	३३ ५७	३३ ५०		
मार्च (-)	३३ ४६	३३ ३४	३३ २१	३३ ०८	३२ ५४	३२ ४०	३२ २६	३२ ११	३१ ५५	३१ ३९	३१ २३	३१ ०६	३० ४९	३० ३२	३० १५	२९ ५७	२९ ३९	२९ २०	२९ ०२	२८ ४४	२८ २५	२८ ०६	२७ ४७	२७ २८	२७ ०९	२६ ५०	२६ ३१	२६ १२	२६ ५३	२५ ३४	३५ १६
अप्रैल (-)	२४ ५७	२४ ३८	२४ २०	२४ ०२	२३ ४४	२३ २७	२३ ०९	२२ ५२	२२ ३५	२२ १९	२१ ५८	२१ ४३	२१ २७	२१ १२	२० ५८	२० ४३	२० ३०	२० १६	२० ०३	१९ ५१	१९ ३९	१९ २७	१९ १७	१९ ०६	१८ ५६	१८ ४७	१८ ३८	१८ २९	१८ २२	१८ १४	
मई (-)	१८ ०८	१८ ०२	१७ ५६	१७ ५१	१७ ४७	१७ ४३	१७ ३९	१७ ३७	१७ ३५	१७ ३३	१७ ३२	१७ ३१	१७ ३१	१७ ३२	१७ ३३	१७ ३५	१७ ३७	१७ ४०	१७ ४३	१७ ४७	१७ ५१	१७ ५६	१८ ०१	१८ ०७	१८ १३	१८ १९	१८ २६	१८ ३३	१८ ४१	१८ ४९	१८ ५८
जून (-)	१९ ०७	१९ १६	१९ २६	१९ ३५	१९ ४६	१९ ५६	२० ०७	२० १७	२० २९	२० ४०	२० ५१	२१ ०३	२१ १५	२१ २७	२१ ३९	२१ ५१	२२ ०३	२२ १५	२२ २८	२२ ४०	२२ ५२	२३ ०४	२३ १६	२३ २९	२३ ४१	२३ ५२	२४ ०४	२४ १६	२४ २७	२४ ३८	
जुलाई (-)	२४ ५०	२५ ००	२५ ११	२५ २१	२५ ३१	२५ ४१	२५ ५१	२६ ००	२६ ०८	२६ १७	२६ २५	२६ ३३	२६ ४०	२६ ४७	२६ ५३	२६ ५९	२७ ०४	२७ ०९	२७ १४	२७ १८	२७ २१	२७ २४	२७ २७	२७ २९	२७ ३०	२७ ३१	२७ ३१	२७ ३१	२७ ३०	२७ २९	२७ २७
अगस्त (-)	२७ २४	२७ २१	२७ १७	२७ १३	२७ ०८	२७ ०२	२६ ५६	२५ ४९	२६ ४२	२६ ३४	२६ २५	२६ १६	२६ ०६	२५ ५६	२५ ४५	२५ ३४	२५ २२	२५ ०९	२४ ५६	२४ ४२	२४ २८	२४ १४	२३ ५८	२३ ४३	२३ २७	२३ १०	२२ ५३	२२ ३६	२२ १८	२१ ५९	२१ ४१
सितम्बर (-)	२१ २२	२१ ०२	२० ४३	२० २३	२० ०२	१९ ४२	१९ २१	१९ ००	१८ ३८	१८ १७	१७ ५५	१७ ३३	१७ ११	१६ ४९	१६ २७	१६ ०५	१५ ४३	१५ २०	१४ ५८	१४ ३६	१४ १४	१३ ५१	१३ २९	१३ ०८	१२ ४६	१२ २४	१२ ०३	११ ४२	११ २१	११ ००	
अक्टूबर (-)	१० ४०	१० २०	१० ००	०९ ४१	०९ २२	०९ ०४	०८ ४६	०८ २८	०८ ११	०७ ५४	०७ ३८	०७ २३	०७ ०८	०६ ५४	०६ ४०	०६ २७	०६ १४	०६ ०२	०५ ५१	०५ ४१	०५ ३१	०५ २२	०५ १३	०५ ०६	०४ ५९	०४ ५३	०४ ४८	०४ ४३	०४ ४०	०४ ३७	०४ ३५
नवम्बर (-)	०४ ३३	०४ ३३	०४ ३४	०४ ३५	०४ ३७	०४ ४०	०४ ४४	०४ ४८	०४ ५४	०५ ००	०५ ०८	०५ १६	०५ २५	०५ ३४	०५ ४५	०५ ५६	०६ ०८	०६ २१	०६ ३५	०६ ५०	०७ ०५	०७ २१	०७ ३८	०७ ५५	०८ १४	०८ ३२	०८ ५२	०९ १२	०९ ३३	०९ ३५	
दिसम्बर (-)	१० १७	१० ४०	११ ०३	११ २७	११ ५१	१२ १६	१२ ४१	१३ ०७	१३ ३३	१३ ५९	१४ २६	१४ ५३	१५ २१	१५ ४९	१६ १७	१६ ४५	१७ १४	१७ ४२	१८ ११	१८ ४०	१९ ०९	१९ ३८	२० ०७	२० ३६	२१ ०५	२१ ३४	२२ ०३	२२ ३१	२३ ००	२३ २८	२३ ५६

स्पष्टान्तर संस्कार का प्रयोग स्थानीय (लोकल) समय को मानक (स्टैण्डर्ड) में, तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए किया जाता है। यदि स्पष्टान्तर ऋणात्मक (-) हो तो धन (+) और धनात्मक (+) हो तो ऋण (-) अर्थात् विपरीत संस्कार स्थानीय समय में करने से स्थानीय समय मानक समय में बदल जाता है। तथा मानक समय को स्थानीय समय में बदलने के लिए ऋण हो तो ऋण एवं धन हो तो धन यथावत् संस्कार किया जाता है।

दिल्ली का स्पष्टान्तर सभी महीनों में ऋणात्मक (-) है।

ग्रहण-विवरण विक्रम संवत् २०७५

विक्रम-संवत् २०७५ (१८ मार्च २०१८ ई० से ०५ अप्रैल २०१९ तक)

सम्पूर्ण विश्व में निम्नलिखित पाँच ग्रहण घटित होंगे।

१. खण्डग्रास सूर्यग्रहण (१३ जुलाई, २०१८ ई. शुक्रवार)
२. खग्रास चन्द्रग्रहण (२७/२८ जुलाई, २०१८ ई. शुक्र/शनिवार)
३. खण्डग्रास सूर्यग्रहण (११ अगस्त, २०१८ ई. शनिवार)
४. खण्डग्रास सूर्यग्रहण (५/६ जनवरी, २०१९ ई. शनि/रविवार)
५. खग्रास चन्द्रग्रहण (२१ जनवरी, २०१९ ई. सोमवार)

उपर्युक्त ग्रहणों में से एक मात्र आषाढ़ पूर्णिमा शुक्रवार/शनिवार तदनुसार २७/२८ जुलाई, २०१८ ई. को पड़ने वाला चन्द्रग्रहण ही भारत में दृष्टिगोचर होगा। शेष चार ग्रहण भारत में दृष्टिगोचर नहीं होंगे। इन ग्रहणों का विस्तृत विवरण निम्नलिखित है।

भारत में अदृश्य खण्डग्रास सूर्यग्रहण (१३ जुलाई, २०१८ ई. शुक्रवार) –

यह ग्रहण आषाढ़ अमावस्या शुक्रवार तदनुसार १३ जुलाई, २०१८ ई. को दिखाई देगा। इस ग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार प्रातः काल ०७ घं १८ मि. से ०९ घं ४३ मि. पृथ्वी के मध्य-दक्षिणी भूखण्ड पर दिखाई देगा। यह खण्डग्रास सूर्यग्रहण आस्ट्रेलिया, विक्टोरिया, तस्मानिया, प्रशान्त तथा हिन्द महासागर आदि सुदूर दक्षिणी गोलार्द्ध में ही दृश्य होगा। सम्पूर्ण भारत में इस ग्रहण का दर्शन नहीं होगा। इस ग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार इस प्रकार है-

ग्रहण का स्पर्शकाल – ०७ बजकर १७ मिनट पर प्रारम्भ
ग्रहण का मध्यकाल – ०८ बजकर ३१ मिनट पर मध्य
ग्रहण का मोक्षकाल – ०९ बजकर ४२ मिनट पर समाप्त

भारत में अदृश्य खण्डग्रास सूर्यग्रहण (११ अगस्त, २०१९ ई., शनिवार) –

यह ग्रहण भी भारत में दृष्टिगोचर नहीं होगा। यह सूर्यग्रहण श्रावण अमावस शनिवार, तदनुसार ११ अगस्त, २०१८ ई. को भारतीय मानक समयानुसार १३ बजकर ३१ मिनट से १७ बजकर ०१ मिनट तक पृथ्वी के मध्य भूभाग पर दिखलाई देगा। यह खण्डग्रास सूर्यग्रहण उत्तरी चीन के सम्पूर्ण भूभाग, मंगोलिया, उत्तरी-दक्षिणी कोरिया, उत्तरी अटलांटिक महासागर, उत्तरी-पूर्वी यूरोप, नौर्वे, स्वीडन, फिनलैण्ड, इस्टोनिया, रूस, मध्य-पूर्वी कजाकिस्तान, उत्तरी अमेरीका में कैनेडा के सुदुर उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में दृष्टिगोचर होगा। जिसका विवरण भारतीय मानक समयानुसार निम्नलिखित प्रकार से अवगत होगा –

ग्रहण का स्पर्शकाल – १३ बजकर ३१ मिनट
ग्रहण का मध्यकाल – १५ बजकर १६ मिनट
ग्रहण का मोक्षकाल – १७ बजकर ०१ मिनट

भारत में अदृश्य खण्डग्रास सूर्यग्रहण (५/६ जनवरी, २०१९ ई. शनिवार/रविवार) –

यह ग्रहण पौष अमावस, शनिवार/रविवार, तदनुसार ५ जनवरी, २०१९ ई. की मध्यरात्रि के बाद ६ जनवरी, २०१९ ई. रविवार की प्रातः काल ५ बजकर ३ मिनट से ९ बजकर १९ मिनट के मध्य घटित होगा। परन्तु यह

खण्डग्रास सूर्यग्रहण भारत में दृष्टिगोचर नहीं होगा। इस ग्रहण का दर्शन पूर्वी एशिया अर्थात् मध्य-पूर्वी चीन, जापान, उत्तरी-दक्षिणी कोरिया, उत्तरी पूर्वी रूस, मध्य-पूर्वी मंगोलिया, प्रशान्त महासागर, अलास्का के पश्चिमी तटों में ही घटित एवं दृष्टिगोचर होगा। इस ग्रहण का स्पर्श मोक्षकाल का विवरण भारतीय मानक (IST) समयानुसर निम्नलिखित प्रकार से विदित होगा -

ग्रहण का स्पर्शकाल	-	२६ बजकर ०३ मिनट
ग्रहण का मध्यकाल	-	३१ बजकर ११ मिनट
ग्रहण का मोक्षकाल	-	०६ बजकर १६ मिनट

भारत में अदृश्य खग्रास चन्द्रग्रहण (२१ जनवरी, २०१६ ई. सोमवार) -

यह ग्रहण भी सम्पूर्ण भारत में दिखलाई नहीं देगा। यह खग्रास चन्द्रग्रहण, पौष पूर्णिमा को तदनुसार २१ जनवरी, २०१६ ई. की प्रातः काल ६ बजकर ३ मिनट से १२ बजकर २२ मिनट तक भूमण्डल पर दिखलाई देगा। यह खग्रास चन्द्रग्रहण मध्य एशिया (अफगानिस्तान के पूर्वी क्षेत्र को छोड़कर), दक्षिणी-उत्तरी अमेरीका, सम्पूर्ण अफ्रीका, हिन्द-महासागर एवं सम्पूर्ण यूरोप में दृष्टिगोचर होगा। इस ग्रहण का विवरण भारतीय मानक समयानुसार निम्नलिखित प्रकार से अवगत होगा-

ग्रहण का स्पर्शकाल	-	०६ बजकर ०३ मिनट
ग्रहण का मध्यकाल	-	१० बजकर ४२ मिनट
ग्रहण का मोक्षकाल	-	१२ बजकर २२ मिनट

भारत में दृश्य खग्रास चन्द्रग्रहण का विस्तृत विवरण -

खग्रास चन्द्र ग्रहण (आषाढ़ पूर्णिमा, २७/२८ जुलाई, २०१८ शुक्र/शनिवार) -

यह खग्रास चन्द्रग्रहण आषाढ़ पूर्णिमा शुक्रवार, तदनुसार २७/२८ जुलाई, २०१८ ई. की मध्यरात्रि को भारत के सभी प्रान्तों में खग्रास के रूप में दिखाई देगा। इस ग्रहण का स्पर्श मोक्षादि काल का विवरण भारतीय मानक (IST) समयानुसार निम्नलिखित प्रकार से जानना चाहिए -

ग्रहण का स्पर्शकाल	-	२३ बजकर ५३ मिनट
ग्रहण का मध्यकाल	-	०१ बजकर ५२ मिनट
ग्रहण का मोक्षकाल	-	०३ बजकर ५० मिनट

भारत के अतिरिक्त इस खग्रास चन्द्रग्रहण का दर्शन सम्पूर्ण एशिया, सम्पूर्ण यूरोप, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशान्त महासागर, हिन्द महासागर, अटलांटिक महासागर में भिन्न-भिन्न रूपों में दिखाई देगा।

ग्रहण का सूतक -

इस ग्रहण का सूतक २७ जुलाई, २०१८ ई. को मध्याह्नोत्तर २ बजकर ५३ मिनट से प्रारम्भ हो जाएगा। ग्रहण के सूतक और ग्रहण काल में स्नान, दान, तर्पण, जप, तप, धार्मिक ग्रन्थों का पाठ हवन आदि शुभ कर्मों को करना कल्याण प्रद होगा।

ग्रहण का राशि फल -

यह ग्रहण उत्तराषाढ़ा एवं श्रवण नक्षत्र में घटित हो रहा है। अतः उत्तराषाढ़ा एवं श्रवण नक्षत्र तथा मकर राशि में उत्पन्न जातकों के लिए यह ग्रहण विशेष रूप से कष्टप्रद रहेगा। ऐसे लोगों के लिए ग्रहण काल में महामृत्युञ्जय मंत्र जाप, दान, औषधि स्नानादि उपाय करना शुभ रहेगा। इससे भिन्न मेषादि द्वादश राशियों में उत्पन्न जातकों के लिए इस ग्रहण का फल निम्नलिखित कोष्ठकों में दर्शाया गया है।

राशि	फल
मेष	कारोबार में हानि, धन का अपव्यय रोग, कष्ट, भय, संघर्ष।
वृष	गुप्त चिन्ता, मान हानि, कार्य में अवरोध।
मिथुन	सुख लाभ, शत्रु पर विजय, धनागम।
कर्क	स्त्री/पति कष्ट, मानसिक कष्ट उद्योग में बाधा।
सिंह	रोग, कष्ट, भय, मान हानि, अपार कष्ट, अपमान।
कन्या	मान हानि, चिन्ता, धन का अपव्यय, विभिन्न प्रकार के उलझन।
तुला	धन-धान्य वृद्धि, कार्यसिद्धि, सुख की प्राप्ति।
वृश्चिक	धन लाभ, नौकरी-व्यापार से लाभ मानसिक प्रसन्नता।
धनु	धन हानि, अनावश्यक यात्रा, कुटुम्ब कष्ट, कार्यों में विघ्न।
मकर	शारीरिक कष्ट, गुप्त चिन्ता, मान हानि, कार्यसिद्धि में विलम्ब, दुर्घटना में चोट।
कुम्भ	धन नाश, शत्रु भय रहेगा, बन्धुओं से क्लेश।
मीन	कार्यसिद्धि, धनलाभ, सुख लाभ।

ग्रहण का जन-जीवन पर प्रभाव -

यह ग्रहण दक्षिणायन में घटित हो रहा है। अतः इसका प्रभाव वैश्य अर्थात् व्यापार से आजीविका चलाने वाले लोग, तथा छोटे कुल में उत्पन्न लोगों के लिए कष्टप्रद रहेगा।

"दक्षिणायनगो राहुर्वैश्यशूद्रविनाशनः" (गर्गः)

यह ग्रहण मकर राशि में घटित हो रहा है। अतः इसका प्रभाव मछली, मन्त्रियों का कुल, नीच कर्म करने वाले मनुष्य, मन्त्र और औषध को जानने वाले वृद्ध, शस्त्र से आजीविका चलाने वाले आदि के लिए अहितकर रहेगा। दक्षिण प्रदेशों के वासियों को पीड़ा व हानि होगी।

"हन्यान्मृगे तु झषमन्त्रिकुलानि नीचान्।
मन्त्रौषधीषु कुशलान् स्थविरायुधीयान्"

(बृ.सं.रा.चा.अ.श्लो-४१)

यह खग्रास चन्द्रग्रहण आषाढ़ शुक्ल पूर्णमासी को दृष्टिगोचर हो रहा है। इसका प्रभाव उद्यान अर्थात् वापी, कूप, तालाब के तट में रहने वाले लोग, नदी का प्रवाह, फल-मूल खाकर समय-यापन करने वाले, गान्धार, काश्मीर, पुलिन्द, चीन-इन सबों को नुकसान तथा कष्ट देता है। और संसार में मण्डल वृष्टि अर्थात् कहीं-कहीं वर्षा होती है।

"आषाढ़पर्वण्युदपानवप्रनदीप्रवाहान् **फलमूलवार्तान्** ।
गान्धारकाश्मीरपुलिन्दचीनान् **हतान्** वदेन्मण्डलवर्षमस्मिन्।।"

(बृ.सं.रा.चा.अ.श्लो - ७७)

डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी
ज्योतिष-विभाग

संदिग्ध व्रत-पर्व निर्णय विक्रम संवत् २०७५

दुर्गाष्टमी (२५ मार्च, २०१८ ई. रविवार)

दुर्गाष्टमी का पर्व नवमी युता अष्टमी को मनाने का विधान है। यथा -

तत्र नवमीयुता अष्टमी ग्राह्या ।। (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष २५ मार्च २०१८ को अष्टमी तिथि ८ घं. - ३ मि. तक व्याप्त है, तदुपरान्त नवमी का प्रारम्भ हो रहा है। इस दिन अष्टमी तिथि औदयिक काल में व्याप्त है तथा नवमी तिथि से युत भी है अतः दुर्गाष्टमी का पर्व शास्त्रवचनानुसार २५ मार्च २०१८ को मनाना प्रशस्त होगा।

श्रीरामनवमी (२५ मार्च, २०१८ ई. रविवार)

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म चैत्र शुक्ल मध्याह्नव्यापिनी नवमी तिथि एवं पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ था। इस वर्ष चैत्र शुक्ल नवमी का क्षय है। २५ मार्च को नवमी तिथि ८ घं - ३ मि. के बाद प्रारम्भ हो रही है तथा मध्याह्न में नवमी तिथि एवं पुनर्वसु नक्षत्र उपलब्ध हैं अतः शास्त्रवचनानुसार २५ मार्च २०१८ को रामनवमी मनाना प्रशस्त होगा। यथा-

चैत्रशुक्लनवमी रामनवमी । चैत्रशुक्लनवम्यां पुनर्वसुयुतायां
मध्याह्ने श्रीरामजन्म श्रवणात् ।।

श्रीकृष्णजन्माष्टमी - (२ सितम्बर स्मार्त)
(३ सितम्बर वैष्णव)

भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास में कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि, वृष राशि एवं रोहिणी नक्षत्र स्थित चन्द्रमा में अर्धरात्रि के समय हुआ था। यथा -

मासि भाद्रपदेऽष्टम्यां कृष्णपक्षेऽर्द्धरात्रिके।
वृषराशिस्थिते चन्द्रे नक्षत्रे रोहिणीयुते ।।

अष्टमी तिथि यदि दो दिन व्याप्त हो तो प्रतिवर्ष यह पर्व स्मार्त एवं वैष्णव सम्प्रदाय के अनुयायी अपने-अपने नियमों के अनुसार मनाते हैं। स्मार्त सम्प्रदाय के अनुयायी अर्धरात्रिव्यापिनी अष्टमी तिथि को विशेष मानते हैं। इस वर्ष दिनांक २ सितम्बर, २०१८ को २० घं. - ४७ मि. पर अष्टमी तिथि का प्रारम्भ हो रहा है तथा इस समय रोहिणी नक्षत्र तथा वृषराशिस्थ चन्द्रमा भी स्थित है। अतः इस योग के प्रभाव से स्मार्त सम्प्रदाय के अनुयायियों के लिए जन्माष्टमी का पर्व मनाना प्रशस्त होगा।

वैष्णव सम्प्रदाय के अनुयायी औदयिक अष्टमी तिथि में जन्माष्टमी का पर्व मनाते हैं। इस वर्ष दिनांक ३ सितम्बर, २०१८ को सूर्योदय काल में अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र वृष राशिस्थ चन्द्रमा भी हैं अतः वैष्णवों के लिए ३ सितम्बर २०१८ को जन्माष्टमी का पर्व मनाना उचित होगा।

कलंक चतुर्थी-सिद्धिविनायकव्रत (चन्द्रदर्शन निषेध) (१२ सितम्बर, २०१८ ई. बुधवार)

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को कलंक चतुर्थी कहते है। इस दिन सिद्धिविनायक भगवान श्रीगणेश का व्रत करने का विधान है। इस व्रत में मध्याह्नव्यापिनी चतुर्थी प्रशस्त मानी गई हैं- यथा

शुक्लचतुर्थ्यां सिद्धिविनायकव्रतम् । सा मध्याह्नव्यापिनी ग्राह्या ।। (धर्मसिन्धु)

इस दिन चन्द्रदर्शन का निषेध है। यदि इस दिन चाहे अनचाहे यदि चन्द्रदर्शन हो जाए तो कलंक लगता है। इसलिए इस चतुर्थी को कलंक चतुर्थी कहते हैं। चतुर्थी तिथि में चन्द्रोदय होकर पंचमी तिथि में अस्त हो तो सिद्धि विनायक व्रत

के दिन चन्द्रदर्शन कलंकित नहीं होता, अर्थात् मिथ्यादोष नहीं लगता। और यदि पहले दिन तृतीया में चन्द्रोदय होकर चतुर्थी तिथि में व्याप्त हो अर्थात् चतुर्थी तिथि में चन्द्र दर्शन हो तो वह कलंकित होता है अर्थात् उसके दर्शन से मिथ्यादोष लगता है। तात्पर्य यह है कि चतुर्थी तिथि में ही चन्द्रदर्शन का निषेध है। सिद्धिविनायक व्रत का इससे कोई सम्बन्ध नहीं है। यथा-

अत्र चतुर्थ्यां चन्द्रदर्शनं मिथ्यादूषणं दोषस्तेन चतुर्थ्यामुदितस्य पंचम्यां दर्शनं विनायकव्रतदिनेपि न दोषाय पूर्वदिने सायाह्नमारभ्य प्रवृत्तायां चतुर्थ्यां विनायकव्रताभावेपि पूर्वेद्युरेव चन्द्रर्शने दोष इति सिद्ध्यति । (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष १२ सितम्बर २०१८ बुधवार को सायं १६ घं. - ७ मि. पर चतुर्थी तिथि का प्रारम्भ हो रहा हैं तथा इस दिन चतुर्थी तिथि तृतीया से विद्ध है अतः सिद्धिविनायकव्रत इस दिन करना प्रशस्त होगा। यथा -

चतुर्थी गणनाथस्य मातृविद्धा प्रशस्यते।। (धर्मसिन्धुः)

इस दिन चन्द्रमा चतुर्थी तिथि में ही अस्त होगा अर्थात् कलंकित होगा। अतः इस दिन शास्त्रवचनानुसार चन्द्रदर्शन निषेध होगा। चन्द्रास्त का समय २० घं. - ३४ मि. पर है।

पितृपक्ष में चतुर्दशी + अमावस्या श्राद्ध + पितृविसर्जन (८ अक्टूबर, २०१८ ई. सोमवार)

विष, शस्त्र, वाहन दुर्धटनादि में जिनकी मृत्यु होती है उनका पितृपक्ष में श्राद्ध मध्याह्नव्यापिनी चतुर्दशी में करने का विधान है। इस वर्ष ८ अक्टूबर २०१८ को चतुर्दशी तिथि मध्याह्न काल में ११ घं. - ३२ मि. तक व्याप्त है अतः इस दिन चतुर्दशी का श्राद्ध करना शास्त्र सम्मत होगा।

इस दिन ११ घं. - ३२ मि. के पश्चात् अमावस्या तिथि का प्रारम्भ हो रहा है तथा दिनांक ६ अक्टूबर २०१८ को प्रातः ६ घं. - १७ मि. तक अमावस्या तिथि व्याप्त हैं। अतः अमावस्या का श्राद्ध भी दिनांक ८ अक्टूबर सोमवार को करना शास्त्रसम्मत होगा। इस दिन गजछाया योग भी है। इस योग में श्राद्ध करने से महान् फल की प्राप्ति होती है तथा पितरों के मोक्ष की प्राप्ति होती है। यथा-

हस्तनक्षत्रे सूर्ये सति चांद्रहस्तनक्षत्रयुतामावस्या गजछाया तस्यां श्राद्धदानादि कार्यम् । (धर्मसिन्धुः)

इस दिन ही सायंकालीन वेला में सर्वपितृविसर्जन करना भी शास्त्रसम्मत होगा।

विजयदशमी - १६ अक्टूबर, २०१८ ई. शुक्रवार

आश्विन शुक्ल अपराह्नव्यापिनी दशमी तिथि के दिन विजयदशमी का पर्व मनाया जाता है। इस वर्ष दिनांक १८ अक्टूबर, २०१८ को दशमी तिथि अपराह्नकाल मे व्याप्त नही है। अपितु दिनांक १६ अक्टूबर २०१८ को दशमी तिथि सूर्योदयकाल से लेकर प्रदोष काल तक व्याप्त है। शास्त्रीय ग्रन्थों में कर्मकालव्यापिनी तिथि यदि औदयिक भी हो तो वह प्रशस्त मानी जाती है यहाँ नक्षत्राभाव में भी कर्म किया जा सकता है। यथा-

तिथिः शरीरं देवस्य तिथौ नक्षत्रमाश्रितम् ।
तस्मात्तिथिं प्रशंसन्ति न नक्षत्रं तिथिं विना ।।

अतः इस वर्ष विजयदशमी का पर्व दिनांक १६ अक्टूबर २०१८ को मनाना शास्त्रसम्मत होगा।

आश्विन नवरात्रारम्भ - (१० अक्टूबर, २०१८ ई. बुधवार)

आदिशक्ति के नौस्वरूपों की पूजा-अर्चना एवं उपासना के लिए नवरात्रारम्भ सामान्यतः आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि में करने का विधान है। सूर्योदय के बाद त्रिमुहूर्त्तव्यापिनी प्रतिपदा में नवरात्रारम्भ करने का विधान है। और

प्रतिपदा यदि त्रिमुहूर्त्तव्यापिनी न मिले तो द्विमुहूर्त्तव्यापिनी में किया जाए। और यदि द्विमुहूर्त्तव्यापिनी प्रतिपदा न मिले तो एक मुहूर्त्तव्यापिनी प्रतिपदा में भी नवरात्रारम्भ कर लेना चाहिए ऐसा शास्त्र वचन प्राप्त होता है। अमावस्या से युक्ता प्रतिपदा के दिन नवरात्रारम्भ नही करना चाहिए। यथा-

स च नवरात्रारम्भः सूर्योदयोत्तरं त्रिमुहूर्त्तव्यापिन्यां प्रतिपदि कार्यः। तदभावे द्विमुहूर्त्तव्यापिन्यामपि। क्वचिन्मुहूर्त्तमात्रव्यापिन्यामप्युक्तः।। सर्वथा दर्शयुक्तप्रतिपदि न कार्यं इति बहुग्रन्थसंमतम् ।। (धर्मसिन्धु)

इस वर्ष १० अक्टूबर, २०१८ ई. को प्रातः काल २ घटि - ४० पल तक प्रतिपदा व्याप्त है। पहले दिन ६ अक्टूबर २०१८ ई. को प्रतिपदा अमायुक्ता होने के कारण नवरात्रारम्भ नहीं किया जा सकता है। अतः १० अक्टूबर २०१८ को नवरात्रारम्भ शास्त्रसम्मत एवं प्रशस्त होगा। इस दिन कलशस्थापना एवं पूजन पूर्वाह्न में करना उचित होगा।

शरद् पूर्णिमा - (२४ अक्टूबर, २०१८ ई. बुधवार)

शरद् पूर्णिमा का व्रत प्रदोष एवं निशीथव्यापिनी पूर्णिमा तिथि में करने का विधान है। परन्तु यदि पूर्णिमा तिथि पहले दिन केवल निशीथव्यापिनी हो तथा दूसरे दिन प्रदोषव्यापिनी हो तो दूसरे दिन ही व्रत करने का विधान है। यथा-

आश्विनपौर्णमास्यां कोजागरव्रतम् ।। केचित्पूर्वदिने निशीथव्याप्तिरेव परदिने प्रदोषव्याप्तिरेव तदा परेत्याहुः।। (धर्मसिन्धुः)

अतः इस वर्ष २४ अक्टूबर, २०१८ ई. बुधवार को व्रत करना शास्त्रसम्मत होगा।

वसन्त पंचमी - (१० फरवरी २०१९ ई. रविवार)

माघशुक्ल पंचमी को वसन्त पंचमी कहते है। इस दिन विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना विशेष रूप से की जाती है तथा वसन्तोत्सव का प्रारम्भ भी इसी दिन होता है। यथा-

माघशुक्लपंचमी वसन्तपंचमी तस्यां वसन्तोत्सवारम्भः।।

पंचमी तिथि जब दूसरे दिन पूर्वाह्नव्यापिनी हो तो यह पर्व दूसरे दिन मनाया जाता है। और यदि पहले दिन पंचमी पूर्वाह्नकाल का स्पर्श कर जाए तो पहले दिन मनाने का विधान हैं। यथा-

इयं परत्रैव पूर्वाह्नव्याप्तौ परा अन्यथापूर्वैव । (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष १० फरवरी, २०१८ रविवार को पंचमी तिथि पूर्वाह्नव्यापिनी है तथा औदयिक भी है। अतः इस दिन वसन्त पंचमी का पर्व मनाना शास्त्रोचित होगा।

होलिका दहन - (२० मार्च, २०१९ ई. बुधवार)

होलिका दहन प्रदोषव्यापिनी पूर्णिमा को भद्रा रहित काल में करने का विधान है। यथा-

सा प्रदोषव्यापिनी भद्रारहिता ग्राह्या (धर्मसिन्धुः)

दूसरे दिन यदि पूर्णिमा प्रदोषकाल का स्पर्श न करे और पहले दिन पूर्णिमा प्रदोषकालव्यापिनी हो तथा भद्रा निशीथकाल से पहले समाप्त हो जाए तो होलिका दहन पहले दिन करना चाहिए। यथा-

परदिने प्रदोषस्पर्शाभावे पूर्वदिने यदि निशीथात्प्राक् भद्रासमाप्तिस्तदा भद्रावसानोत्तरमेव होलिकादीपनम् ।। (धर्मसिन्धुः)

इस वर्ष २० मार्च, २०१९ ई. को फाल्गुन पूर्णिमा प्रदोषव्यापिनी है तथा भद्रा निशीथ काल से पहले ही समाप्त हो रही है। अतः उपरोक्त शास्त्रवचनानुसार पहले दिन ही २० घं. - ५८ मि. के बाद होलिका दहन करना प्रशस्त होगा।

ज्येष्ठ अधिक मास – सम्वत् २०७५ (सन् २०१८ ई०)
१६ मई, २०१८ ई० से १३ जून, २०१८ ई० तक

विक्रम संवत् २०७५ में चान्द्र ज्येष्ठ मास अधिक मास होगा। इस चान्द्र मास की कालावधि १६ मई बुधवार से १३ जून बुधवार पर्यन्त रहेगी।

अधिक मास निर्णय –

सिद्धान्तशिरोमणि, सूर्यसिद्धान्त, ब्रह्मसिद्धान्त आदि ग्रन्थों के अनुसार जिस चान्द्रमास में सूर्य की संक्रान्ति नहीं होती उस चान्द्रमास को अधिमास कहते हैं–

"असङ्क्रान्तिमासोऽधिमासः" ।।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार एक सौर वर्ष में ३६५ दिन होते हैं जबकि एक चान्द्रवर्ष में ३५४ दिन होते हैं। सौरवर्ष एवं चान्द्रवर्ष तथा सौर मास एवं चान्द्रमास के मध्य सामञ्जस्य स्थापित करने के लिए आचार्यों के द्वारा अधिक मास की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार हर तीसरे वर्ष अधिक मास होने से व्रत-पर्वों को शास्त्रोचित समय पर सम्पन्न करने में सहायता मिलती है।

अधिक मास को मलमास भी कहा जाता है। यह मास सभी शुभ कार्यो के लिए वर्जित माना गया है। यथा –

दर्शद्वयमतिक्रम्य यदा संक्रमते रविः ।
मलमासः सः विज्ञेयः सर्वकर्मसु गर्हितः ।।

मलमास में वर्जित कार्य–

मलमास में उपाकर्म, उत्सर्जन कर्म, अष्टकाश्राद्ध, गृहप्रवेश, मुन्डन, उपनयन, विवाह, तीर्थयात्रा, वास्तुकर्म वर्जित है। देवप्रतिष्ठा, कूप, आराम का उत्सर्ग, नवीन वस्त्र अलंकार धारण करना, तुलादान यज्ञकर्म, अग्निस्थापन, अपूर्वदेव दर्शन, संयास, काम्य वृषोत्सर्ग, राजा का अभिषेक व्रत, और सगतिक अन्नप्राशन, समावर्तन, अतिक्रान्त नामकर्म आदि संस्कार, पवित्रारोपण, श्रवणकर्म, सर्पबलि आदि, भगवान के शयनादि उत्सव, शपथ और दिव्य आदि कर्म मलमास में वर्जित हैं। यथा–

उपाकर्मोत्सर्जने अष्टकाश्राद्धानि गृहप्रवेशश्चूडामौञ्जीबंधविवाहस्तीर्थादियात्रा-
वास्तुकर्मैतान्यधिवर्ज्यानि ।। देवप्रतिष्ठा कूपारामाद्युत्सर्गः नूतनवस्त्रांलकारधारणम्
तुलापुरुषादिमहादानानि यज्ञकर्माधानमपूर्वतीर्थदेवदर्शनं संन्यासः काम्यवृषोत्सर्गः
राज्याभिषेको व्रतानि सगतिकमन्नप्राशनं समावर्तनमतिक्रांतनामकर्मादिसंस्काराः
पवित्रारोपणादमनार्पणे श्रवणाकर्मसर्पबल्यादिपाकसंस्थाः शयनपरिवर्तनाद्युत्सवः
शपथदिव्यादिकर्मैतानि मले वर्ज्यानि ।।

(धर्मसिन्धुः)

पुराणों के अनुसार अधिमास में स्नान, दान, व्रत करने का फल अक्षय बतलाया गया हैं। शास्त्रकारों ने सर्वविधपाप हरण करने वाले अधिमास काल के व्रत, पूजन स्नान दानादि के विविध विधान बतलाए हैं। भगवान विष्णु की उपासना हेतु श्री विष्णु स्तोत्र श्री विष्णु सहस्त्रनाम, श्रीसूक्त, पुरुषसूक्त आदि का पाठ करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। भगवान विष्णु की उपासना इस मास में विशेष रूप से करने के कारण इस मास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं।

अधिमास में जो व्यक्ति श्रद्धा एवं भक्ति पूर्वक व्रत, उपवास, श्रीविष्णुपूजन, पुरुषोत्तममाहात्म्य का पाठ दान आदि करता है। उसे अभीष्ट फल की प्राप्ति होती है। अन्त में वैकुण्ठ में वास मिलता है।

डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
ज्योतिष-विभाग

विक्रम संवत् २०७५ के माङ्गलिक मुहूर्तों के लिए काल शुद्धि

कालशुद्धि

सामान्यतया गुरु एवं शुक्र के अस्तकाल,श्राद्धपक्ष,भीष्मपञ्चक, होलिकाष्टक, पौषमास, चैत्रमास तथा अधिक मास में विवाहादि संस्कारों एवं अन्य माङ्गलिक कार्य के लिए वर्जित काल माना गया है। उपनयन संस्कार चैत्रमास में भी किया जाता है तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किया जा सकता है। इस वर्ष वि.सं. २०७५ के माङ्गलिक मुहूर्तों के सन्दर्भ में कालशुद्धि का विवरण निम्न है।

अधिक मास – विक्रम सम्वत् २०७५ में अधिक मास का समय माङ्गलिक कार्यों के लिए वर्जित रहेगा। यह समय १६ मई २०१८ बुधवार से १३ जून २०१८ बुधवार तक रहेगा।

१. गुरु अस्त

वि.सं. २०७५ में कार्तिक शुक्ल ६ भौमवार से मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या शुक्रवार तदनुसार १३ नवम्बर २०१८ से ०७ दिसम्बर २०१८ तक गुर्वस्त रहेगा। गुर्वस्त से ३ दिन पूर्व में वृद्धावस्था तथा उदय के ३ दिन बाद बाल्यावस्था का समय माङ्गलिक कार्यों में वर्जित है।

२. शुक्र अस्त

इस वर्ष आश्विन शुक्ल ७ भौमवार से कार्तिक कृष्ण ६ भौमवार तदनुसार १६ अक्टूबर २०१८ से ३० अक्टूबर २०१८ तक शुक्रास्त रहेगा। उदय अस्त से ३ दिन की वृद्धा व बाल्यावस्था का समय शुभकार्यों में वर्जित है।

३. श्राद्ध पक्ष

वि.सं. २०७५ में श्राद्धपक्ष का समय दिनांक २४ सितम्बर २०१८ से ९ अक्टूबर २०१८ तक रहेगा। इस कालावधि में माङ्गलिक कार्य वर्जित हैं।

४. भीष्मपञ्चक

इस वर्ष कार्तिक शु. ११ सोमवार से कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा शुक्रवार तदनुसार १९ नवम्बर २०१८ से २३ नवम्बर २०१८ तक भीष्मपञ्चक रहेंगे जो माङ्गलिक कार्यों में त्याज्य हैं।

५. पौष सौर-मास

वि.सं. २०७५ में १६ दिसम्बर २०१८ से १३ जनवरी २०१९ तक (मार्गशीर्ष शुक्ल ९ रविवार से पौष शुक्ल ७ रविवार तक) सौर पौषमास का समय विवाहादि संस्कारों में वर्जित है।

६. होलिकाष्टक

इस वर्ष दिनांक १४ मार्च २०१९ से २१ मार्च २०१९ तक (फाल्गुन शुक्लाष्टमी से फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक) होलिकाष्टक के कारण शुभकार्य वर्जित रहेंगे।

७. चैत्र सौर-मास

वि.सं. २०७५ वर्षारम्भ १८ मार्च २०१८ से १३ अप्रैल २०१८ तक (चैत्रशुक्ल १ से वैशाख कृष्ण १२ तक) तथा दिनांक १४ मार्च २०१९ से ५ अप्रैल २०१९ तक फाल्गुन शुक्लाष्टमी गुरुवार से वर्षान्त तक चैत्रमास का समय माङ्गलिक मुहूर्तों के लिए त्याज्य रहेगा।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्राशि	लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
१४ अप्रैल २०१८ से १५ मई २०१८ तक वैशाख सौर मास									
१८.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ०३	बुध	रोहिणी	तुला	मेष	मेष	। । । । । ० । । । ।	९	ल. ११, १२ गु. दान
१९.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ०४	गुरु	मृगशीर्ष	तुला	मेष	वृ./मि.	। । । । । । ० ० । ।	८	ल. ११, १२ गु. दान
२०.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ०५	शुक्र	मृगशीर्ष	तुला	मेष	मिथुन	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ५, गोधूलि
२५.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १०	बुध	मधा	तुला	मेष	सिंह	। ० । ० । ० । ० ० ।	५	दि. ल. ५ चं. दान
२६.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ११	गुरु	उ.फा.	तुला	मेष	सिं/क.	। ० । । । । । । ० ।	८	ल. गोधूलि
२७.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १२	शुक्र	उ.फा.	तुला	मेष	कन्या	० । । । । । । । । ।	९	दि. ल. ५
२७.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १२	शुक्र	हस्त	तुला	मेष	कन्या	। । । ० ० ० ० । । ।	६	ल. गोधूलि
२८.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १३	शनि	हस्त	तुला	मेष	कन्या	। । । ० ० ० ० । । ।	६	दि. ल. ५
२८.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १३	शनि	चित्रा*	तुला	मेष	तुला	। । । । ० । ० । । ।	८	ल. गोधूलि, ११
२९.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १४	रवि	स्वाति	तुला	मेष	तुला	। । । । । ० । ० । ।	८	ल. ११
३०.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १५	सोम	स्वाति	तुला	मेष	तुला	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. ५ (१४/४६ तक)
०१.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०१	भौम	अनुराधा	तुला	मेष	वृश्चिक	। । । । । । । । । ।	१०	ल. गोधूलि, ११
०२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०२	बुध	अनुराधा	तुला	मेष	वृश्चिक	। । । । । ० । । । ।	९	दि. ल. ५
०५.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०५	शनि	उ.षा	तुला	मेष	धनु/म.	० ० ० । । । । । । ।	७	ल. ११
०७.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०७	सोम	श्रवण*	तुला	मेष	मकर	। । । । ० ० । ० । ।	७	दि. ल. २ गु. दान, ११ चं. दान
०८.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०८	भौम	धनिष्ठा*	तुला	मेष	म/कु.	० । । । । । ० ० । ।	७	दि. ल. २ गु. दान, ६ श. दान, ११ चं. दान
०९.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०९	बुध	धनिष्ठा*	तुला	मेष	कुम्भ	० । । । । ० ० ० । ।	६	दि. ल. २ गु. दान
११.०५.२०१८.	ज्येष्ठ कृष्ण ११	शुक्र	उ.भा.	तुला	मेष	मीन	। । । । । ० ० ० । ।	७	दि. ल. ११
१२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण १२	शनि	उ.भा.	तुला	मेष	मीन	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. २ गु. दान
१२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण १२	शनि	रेवति	तुला	मेष	मीन	० । । । । । । ० । ।	८	ल. ११

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१५ जून २०१८ से १५ जुलाई २०१८ तक आषाढ़ सौर मास									
१६.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल ०५	सोम	मघा	तुला	मिथुन	सिहं	। ० । ० । । । । । ।	८	दि. ल. ५, ६, ७, गोधूलि, १२ गु. चं. दान
१९.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल६/७	भौम	उ.फा.	तुला	मिथुन	सिंह	। । । । । ० । ० । ।	८	ल. २ गु. दान
२०.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल ०८	बुध	उ.फा.	तुला	मिथुन	कन्या	। । । । । । । ० । ०	७	दि. ल. ८, गोधूलि
२१.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल ०९	गुरु	हस्त	तुला	मिथुन	क./तु.	। ० । । । ० ० । । ।	७	दि. ल. ५, ८, गोधूलि
२२.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल १०	शुक्र	चित्रा *	तुला	मिथुन	तुला	। । । । । । ० । । ।	९	दि. ल. ५, ६, ८, गोधूलि
२३.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल ११	शनि	स्वाति	तुला	मिथुन	तुला	। । ० । । । । ० । ।	८	दि. ल. ५, ६
२५.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल १३	सोम	अनुराधा	तुला	मिथुन	वृश्चिक	० ० । । । । । । । ।	८	दि. ल. ५,६,७, गोधूलि
२९.०६.२०१८	आषाढ़ कृष्ण ०१	शुक्र	उ.षा.	तुला	मिथुन	ध/म.	। । । । । ० । । । ।	९	ल. ११ शु. दान, १२, गु. दान
३०.०६.२०१८	आषाढ़ कृष्ण ०२	शनि	उ.षा.	तुला	मिथुन	मकर	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ५ चं. दान, ६, ७, ८
०१.०७.२०१८	आषाढ़ कृष्ण ०३	रवि	धनिष्ठा *	तुला	मिथुन	मकर	। । । । ० । ० ० । ।	७	ल. १२ गु. दान
०२.०७.२०१८	आषाढ़ कृष्ण ०४	सोम	धनिष्ठा *	तुला	मिथुन	म/कु.	। । । । ० । ० ० । ।	७	दि. ल. ७, ८, गोधूलि, १२ गु. दान
०६.०७.२०१८	आषाढ़ कृष्ण ०८	शुक्र	रेवती	तुला	मिथुन	मीन	। । । । । ० । ० । ०	७	दि. ल. ५ चं. दान, ८, गोधूलि
१०.०७.२०१८	आषाढ़ कृष्ण १२	भौम	रोहिणी	तुला	मिथुन	वृष	। ० । । । ० । ० । ।	७	दि. ल. ५, ६, १२ शु. दान
११.०७.२०१८	आषाढ़ कृष्ण १३	बुध	मृगशीर्ष	तुला	मिथुन	वृ./मि	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. ५, ६, ७

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।**

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि	लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
१६ जुलाई २०१८ से १५ अगस्त २०१८ तक श्रावण सौर मास									
१७.०७.२०१८	आषाढ़ शुक्ल ०५	भौम	उ.फा.	तुला	कर्क	सिं/क	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ६, ७, ८ गोधूलि
१९.०७.२०१८	आषाढ़ शुक्ल ०७	गुरु	चित्रा *	तुला	कर्क	क/तुला	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. ५, ६, चं. दान
२०.०७.२०१८	आषाढ़ शुक्ल ०८	शुक्र	चित्रा *	तुला	कर्क	तुला	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ५, (८/९ तक)
२०.०७.२०१८	आषाढ़ शुक्ल ०८	शुक्र	स्वाति	तुला	कर्क	तुला	। ० ० । । । । ० । ।	७	दि. ल. ५ (८/९ से) ६, ९ श. दान
२१.०७.२०१८	आषाढ़ शुक्ल ०९	शनि	स्वाति	तुला	कर्क	तुला	। ० ० । । ० । ० । ।	६	दि. ल. ५, (९/७ तक)
२२.०७.२०१८	आषाढ़ शुक्ल १०	रवि	अनुराधा	तुला	कर्क	वृश्चिक	। । । । । । । ० । ।	९	दि. ल. ६, ७, गोधूलि
(केवल जम्मू व का., हि.प्र. एवं पंजाब)									
२७.०७.२०१८	श्रावण कृष्ण ०२	रवि	धनिष्ठा *	तुला	कर्क	म./कु.	० । । ० ० । ० । । ।	६	दि. ल. ७, ८, ९ श. दान, १२ गु. दान, २
०१.०८.२०१८	श्रावण कृष्ण ०४	बुध	उ.भा.	तुला	कर्क	मीन	० । । । ० । । ० । ।	७	दि.ल. ८, ९, श. दान, गोधूलि,११ शु. दान,२
०२.०८.२०१८	श्रावण कृष्ण ०५	गुरु	रेवति	तुला	कर्क	मीन	। । । ० । ० ० । । ।	७	दि.ल. ८,९, श.दान, गोधूलि ११ शु. दान,२
०३.०८.२०१८	श्रावण कृष्ण ०६	शुक्र	अश्विनी *	तुला	कर्क	मेष	। । । । । ० ० । । ।	८	ल. २
०४.०८.२०१८	श्रावण कृष्ण ०७	शनि	अश्विनी *	तुला	कर्क	मेष	। । । । । ० ० । । ।	८	दि. ल. ५
०७.०८.२०१८	श्रावण कृष्ण १०	भौम	रोहिणी	तुला	कर्क	वृष	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. ६
१२.०८.२०१८	श्रावण शुक्ल ०१	रवि	मघा	तुला	कर्क	सिंह	। । । ० । । । । । ।	९	दि. ल. ७, ८, ९ श. दान
१३.०८.२०१८	श्रावण शुक्ल२/३	सोम	उ.फा.	तुला	कर्क	सिं/क	। । । । । ० । । । ।	९	ल. २
१४.०८.२०१८	श्रावण शुक्ल ०४	भौम	उ.फा	तुला	कर्क	कन्या	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ५, ७, ८, ९ श. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि	लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
१६ अगस्त २०१८ से १५ सितम्बर २०१८ तक भाद्रपद सौर मास									
१६.०८.२०१८	श्रावण शुक्ल ०६	रवि	अनुराधा	तुला	सिंह	वृश्चिक	। । । । । ० । ० । ।	८	दि. ल. ६, ७, ल. गोधूलि
२५.०८.२०१८	श्रावण शुक्ल १४	शनि	धनिष्ठा*	तुला	सिंह	मकर	० । । ० ० । ० ० । ।	५	दि. ल. ७, ८
२६.०८.२०१८	श्रावण शुक्ल १४	रवि	धनिष्ठा*	तुला	सिंह	कुम्भ	० । । ० ० । ० ० । ।	५	दि. ल. ६, ७, ८ (१२/३६ तक)
२८.०८.२०१८	भाद्रपद कृष्ण १५	भौम	उ.भा.	तुला	सिंह	मीन	० । । । । ० । । । ।	८	ल. गोधूलि, २ गु. दान
३०.०८.२०१८	भाद्रपद कृष्ण ०४	गुरु	अश्विनी*	तुला	सिंह	मेष	। ० । । ० ० । ० । ।	६	ल. २ गु. चं. दान
३१.०८.२०१८	भाद्रपद कृष्ण ०५	शुक्र	अश्विनी*	तुला	सिंह	मेष	। ० । । ० ० । ० । ।	६	दि. ल. ५, ६, श. दान, गोधूलि
०३.०९.२०१८	भाद्रपद कृष्ण ०८	सोम	रोहिणी	तुला	सिंह	वृष	। ० ० । । । । ० । ।	७	दि. ल. ५, ६, ७, गोधूलि
१०.०९.२०१८	भाद्रपद शुक्ल ०१	सोम	उ.फा.	तुला	सिंह	सिं/क.	। ० । । । । । । । ।	९	दि. ल. ५,७,८,९ श. दान गोधूलि, २ शु. दान
११.०९.२०१८	भाद्रपद शुक्ल ०२	भौम	हस्त	तुला	सिंह	कन्या	। । । । । ० । । । ।	९	दि. ल. ५, ७, ८, गोधूलि
१२.०९.२०१८	भाद्रपद शुक्ल ०३	बुध	चित्रा*	तुला	सिंह	क./तु.	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ५, ६, ९ श. दान, गोधूलि
१३.०९.२०१८	भाद्रपद शुक्ल ०४	गुरु	स्वाति	तुला	सिंह	तुला	। । ० । । ० ० ० । ।	७	दि. ल. ९ श. दान (१४/५२ से) गोधूलि
१६ सितम्बर २०१८ से १५ अक्टूबर २०१८ तक आश्विन सौर मास (२४ सितम्बर से ९ अक्टूबर तक श्राद्धपक्ष)									
१९.०९.२०१८	भाद्रपद शुक्ल १०	बुध	उ.षा.	तुला	कन्या	धनु	० । । ० । ० । ० । ।	६	दि. ल. ८, ११, गोधूलि, २ चं. दान, ५
२०.०९.२०१८	भाद्रपद शुक्ल ११	गुरु	उ.षा.	तुला	कन्या	ध./म.	० । । ० । । । ० । ।	७	दि. ल. ६, ७, ८ (१२/०० तक)
२१.०९.२०१८	भाद्रपद शुक्ल १२	शुक्र	धनिष्ठा*	तुला	कन्या	कुम्भ	० । । । । । ० । । ।	८	दि. ल. ६, ७, ८, ९ श. दान गोधूलि
१०.१०.२०१८	अश्विन शुक्ल१/२	बुध	चित्रा*	तुला	कन्या	तुला	। । ० । । ० । । । ।	८	दि. ल. ६ सू. दान

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

***ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा** कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि	लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
१०.१०.२०१८	अश्विन शुक्ल१/२	बुध	स्वाति	तुला	कन्या	तुला	। ००। । ।। ०। ।	७	दि. ल. ६, श. दान, ११
११.१०.२०१८	अश्विन शुक्ल ०३	गुरु	स्वाति	वृश्चिक	कन्या	तुला	। ००। । ।। ०। ।	७	दि. ल. ६ सू. दान
१२.१०.२०१८	अश्विन शुक्ल ०४	शुक्र	अनुराधा	वृश्चिक	कन्या	वृश्चिक	। ।।। । ०० ०। ।	७	दि. ल. ६ श. दान, ११
१६ अक्टूबर २०१८ से १५ नवम्बर २०१८ तक कार्तिक सौर मास (१६ अक्टूबर से ३० अक्टूबर तक शुक्र अस्त)									
०३.११.२०१८	कार्तिक कृष्ण ११	शनि	उ.फा.	वृश्चिक	तुला	सिं/क.	। ।।। । ०। ०। ।	८	ल. ५ चं. दान, ६
०४.११.२०१८	कार्तिक कृष्ण १२	रवि	उ.फा.	वृश्चिक	तुला	कन्या	। ।।। । ०। ०। ।	८	दि. ल. ८, ६ श. दान, ११ चं. दान
०४.११.२०१८	कार्तिक कृष्ण १२	रवि	हस्त	वृश्चिक	तुला	कन्या	। ०।। । ।०। ।।	८	ल. ५ शु. दान
०५.११.२०१८	कार्तिक कृष्ण १३	सोम	हस्त	वृश्चिक	तुला	कन्या	। ०।। । ।०। ।।	८	दि. ल. ८, ६ श. दान
०८.११.२०१८	कार्तिक शुक्ल ०१	गुरु	अनुराधा	वृश्चिक	तुला	वृश्चिक	। ।०। । ०। ।।।	८	ल. ६
०९.११.२०१८	कार्तिक शुक्ल ०२	शुक्र	अनुराधा	वृश्चिक	तुला	वृश्चिक	। ।०। । ०। ।।।	८	दि. ल. ७, ८ चं. दान
१६ नवम्बर २०१८ से १५ दिसम्बर २०१८ तक मार्गशीर्ष सौर मास (१३ नवम्बर से ७ दिसम्बर तक गुरु अस्त)									
१०.१२.२०१८	मार्गशीर्ष शु. ०३	सोम	उ.षा.	वृश्चिक	वृश्चिक	ध./म.	। ।०। ० ०। ।।।	७	दि. ल. ११ मं. दान, ६,७ (३१/०४ तक)
११.१२.२०१८	मार्गशीर्ष शु. ०४	भौम	श्रवण*	वृश्चिक	वृश्चिक	मकर	० ।।। । ।। ०। ।	८	ल. ६, ७
१२.१२.२०१८	मार्गशीर्ष शु. ०५	बुध	श्रवण*	वृश्चिक	वृश्चिक	मकर	० ।।। । ।। ०। ।	८	दि. ल. ८ सू. दान, ६ श, दान
१२.१२.२०१८	मार्गशीर्ष शु. ०५	बुध	धनिष्ठा*	वृश्चिक	वृश्चिक	मकर	। ।।। । ००। ।।	८	ल. गोधूलि, ६, ७
१३.१२.२०१८	मार्गशीर्ष शु. ०६	गुरु	धनिष्ठा*	वृश्चिक	वृश्चिक	कुम्भ	। ।।। । ।०। ।।	६	दि. ल. ८, सू. दान, ६ श. दान, गोधूलि

नोट:- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।

*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्रराशि			
१४ जनवरी २०१९ से ११ फरवरी २०१९ तक माघ सौर मास									
१५.०१.२०१९	पौष शुक्ल ०९	भौम	अश्विनी *	वृश्चिक	मकर	मेष	। । । । । । ० ० । ।	८	दि. ल. ११, १२ मं. दान
१७.०१.२०१९	पौष शुक्ल ११	गुरु	राहिणी	वृश्चिक	मकर	वृष	। । । । । । । । ० ।	९	ल. ७ चं. दान
१८.०१.२०१९	पौष शुक्ल १२	शुक्र	रोहिणी	वृश्चिक	मकर	वृष	। । । । । । । । ० ।	९	दि. ल. ११, १२ मं. दान
१८.०१.२०१९	पौष शुक्ल १२	शुक्र	मृगशीर्ष	वृश्चिक	मकर	वृ./मि.	० । । ० ० । । । ० ।	६	दि. ल. १ गु. शु. दान, ५ मं. दान
१९.०१.२०१९	पौष शुक्ल १३	शनि	मृगशीर्ष	वृश्चिक	मकर	मिथुन	० । । ० ० । । । ० ।	६	दि. ल. ११, १२ मं. दान, (१०/३२ तक)
२२.०१.२०१९	पौष कृष्ण ०२	भौम	मघा	वृश्चिक	मकर	सिंह	। । । । । ० । । । ।	९	ल. ७, ८
२५.०१.२०१९	पौष कृष्ण ०५	शुक्र	हस्त	वृश्चिक	मकर	कन्या	। । । । । ० ० ० । ।	७	ल. गोधूलि, ५ मं. दान, ८
२६.०१.२०१९	पौष कृष्ण ०६	शनि	चित्रा *	वृश्चिक	मकर	कन्या	० । । । ० । । । । ।	८	ल. ८, (२७/३५ वाद) ९, श. दान
२७.०१.२०१९	पौष कृष्ण ०७	रवि	चित्रा *	वृश्चिक	मकर	तुला	० । । । ० । । । । ।	८	दि. ल. ११, १२, मं. चं. दान
२९.०१.२०१९	माघ कृष्ण ०९	भौम	अनुराधा	वृश्चिक	मकर	वृश्चिक	। । । । । । ० ० । ।	८	ल. गोधूलि, ५ मं. दान, ७
३१.०१.२०१९	माघ कृष्ण ११	गुरु	मूल	वृश्चिक	मकर	धनु	। । । ० । ० ० । । ।	७	ल. ५ मं. दान, ७, ८
०१.०२.२०१९	माघ कृष्ण १२	शुक्र	मूल	वृश्चिक	मकर	धनु	। । । ० । । ० । । ०	७	लि. ल. ११, १२ मं. दान, १ गु. दान
०५.०२.२०१९	माघ कृष्ण १३	भौम	धनिष्ठा *	वृश्चिक	मकर	मकर	। ० ० । । ० । । । ।	७	दि. ल. १२ मं. दान, ७, ८
०९.०२.२०१९	माघ शुक्ल ०४	शनि	रेवती	वृश्चिक	मकर	मीन	० ० ० । । ० ० ० । ।	४	ल. ८
१०.०२.२०१९	माघ शुक्ल ०५	रवि	रेवती	वृश्चिक	मकर	मीन	० ० ० । । । ० ० । ।	५	दि. ल. ११, १२ चं. दान, गोधूलि

नोटः- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
*ताराङ्कित अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

विवाह मुहूर्त्त विक्रम संवत् २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	विवाह लग्न में त्रिबल शुद्धि हेतु			लत्तादि दस दोषों का विवरण	रेखा योग	लग्न एवं पूजादि विवरण
				गुरुराशि	सूर्यराशि	चन्द्राशि			
१२ फरवरी २०१९ से १३ मार्च २०१९ तक फाल्गुन सौर मास									
१५.०२.२०१९	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशीर्ष	वृश्चिक	कुम्भ	वृष	। ० । ० ० ० । । । ।	६	दि. ल. ११, १२, १ मं. दान, गोधूलि
१९.०२.२०१९	माघ शुक्ल १५	भौम	मघा	वृश्चिक	कुम्भ	सिंह	। । । । ० ० ० ० । ।	६	ल. ६, ७, ९ श. दान
२१.०२.२०१९	माघ कृष्ण ०२	गुरु	उ.फा.	वृश्चिक	कुम्भ	कन्या	। । । । ० ० ० । । ।	७	ल. गोधूलि, ६, चं. दान
२२.०२.२०१९	माघ कृष्ण ०३	शुक्र	हस्त	वृश्चिक	कुम्भ	कन्या	। । । । । । । ० । ।	९	ल. गोधूलि, ६ चं. दान
२४.०२.२०१९	माघ कृष्ण ०६	रवि	स्वाति	वृश्चिक	कुम्भ	तुला	। । । ० ० ० ० ० । ।	५	ल. गोधूलि, ६
२५.०२.२०१९	माघ कृष्ण ०७	सोम	अनुराधा	वृश्चिक	कुम्भ	वृश्चिक	। । । ० । । ० ० । ।	७	ल. ८ च. दान, ९ श. दान
२६.०२.२०१९	माघ कृष्ण ०८	भौम	अनुराधा	वृश्चिक	कुम्भ	वृश्चिक	। । । ० । । ० ० । ।	७	दि. ल. ११, १२, गोधूलि, ६
२७.०२.२०१९	माघ कृष्ण ०९	बुध	मूल	वृश्चिक	कुम्भ	धनु	० । । । । । ० ० । ।	७	ल. ८, ९ चं. श. दान
२८.०२.२०१९	माघ कृष्ण १०	गुरु	मूल	वृश्चिक	कुम्भ	धनु	० । । । । । ० ० । ।	७	दि. ल. ११, १२, १ मं. दान
०२.०३.२०१९	माघ कृष्ण ११	शनि	उ.षा.	वृश्चिक	कुम्भ	ध./म.	। ० ० । । ० ० ० । ।	५	दि. ल. ११, १२ गोधूलि, ८
०३.०३.२०१९	माघ कृष्ण १२	रवि	उ.षा.	वृश्चिक	कुम्भ	मकर	। ० ० । । ० ० ० । ।	५	दि. ल. ११, १२
०३.०३.२०१९	माघ कृष्ण १२	रवि	श्रवण *	वृश्चिक	कुम्भ	मकर	। । । । । । ० । । ।	९	ल. ८, ९ श. दान
०७.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. ०१	गुरु	उ.भा.	वृश्चिक	कुम्भ	मीन	। । ० । । ० । । । ।	८	ल. ८, ९ श. दान
०८.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. ०२	शुक्र	उ.भा.	वृश्चिक	कुम्भ	मीन	। । ० । । । । । । ।	९	दि. ल. ११, १२ च. दान, १ मं. दान
०८.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. ०२	शुक्र	रेवती	वृश्चिक	कुम्भ	मीन	० । । । । । ० । । ।	८	ल. ८, ९, श. दान
०९.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. ०३	शनि	रेवती	वृश्चिक	कुम्भ	मीन	० । । । । ० ० । । ।	७	दि. ल. ११, १२ चं. दान, १ मं. दान, ८
०९.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. ०३	शनि	अश्विनी *	वृश्चिक	कुम्भ	मेष	। । । । । ० । । । ।	९	ल. ९ श. दान
१०.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. ०४	रवि	अश्विनी *	वृश्चिक	कुम्भ	मेष	। । । । । । । । । ।	१०	दि. ल. ११, १२, १ चं. मं. दान

नोट:- लत्तादि दस दोषों का क्रमशः उल्लेख किया गया है दोष को शून्य (०) तथा दोषरहित को रेखा (।) द्वारा सूचित किया गया है।
ताराङ्कित *अश्विनी, चित्रा, श्रवण व धनिष्ठा कात्यायनोक्त नक्षत्रों में विवाह मुहूर्त्त दिये गये हैं।

द्विरागमन मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२०.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ०५	शुक्र	मृगशीर्ष	ल.२ मं.श.दान,३ के दान
२३.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ०८	सोम	पुष्य	ल.३, के.दान, ६ शु.दान
२६.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ११	गुरु	उ.फा.	ल. ६ चं.दान, ७ शु. दान
२७.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १२	शुक्र	उ.फा./हस्त	ल.३, के, दान, ६
३०.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १५	सोम	स्वाति	ल. ३ के. दान
०२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०२	बुध	अनुराधा	ल. ६
०७.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०७	सोम	श्रवण	ल. ६, ७ शु. दान
१०.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण १०	गुरु	शतभिषा	ल.६ चं.दान, ७ शु.दान
११.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ११	शुक्र	उ.भा.	ल.६, बु. दान,७ शु.दान
१२.१२.२०१८	मार्ग कृष्ण ०५	बुध	श्रवण	ल.१२, शु. दान, १
१३.१२.२०१८	मार्ग कृष्ण ०६	गुरु	धनिष्ठा	ल. १२, चं.शु. दान, १
१४.१२.२०१८	मार्ग कृष्ण ०७	शुक्र	शतभिषा	ल. १२, चं.शु. दान, १
१५.०२.२०१९	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशीर्ष	ल. १२, २ शु. दान
२१.०२.२०१९	फाल्गुन कृ. ०२	गुरु	उ.फा.	ल.१२, चं.दान,२ शु.दान
२२.०२.२०१९	फाल्गुन कृ. ०३	शुक्र	हस्त	ल. ३ के दान
२८.०२.२०१९	फाल्गुन कृ. १०	गुरु	मूल	ल. १२
०८.०३.२०१९	फाल्गुन शु. ०२	शुक्र	उ.भा.	ल. १२, २
१३.०३.२०१९	फाल्गुन शु. ०७	बुध	रोहिणी	ल. १२, २

सर्वदेव प्रतिष्ठा मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२०.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ०५	शुक्र	मृगशीर्ष	ल.२, गु.बु.दान, अभिजित्
२३.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल ०८	सोम	पुष्य	ल.२ गु. बु. दान
२७.०४.२०१८	वैशाख शुक्ल १२	शुक्र	उ.फा.	ल. २, गु.बु. दान
०२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृष्ण ०२	गुरु	अनुराधा	ल. २ गु.बु. दान
२२.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल १०	शुक्र	चित्रा	ल., अभिजित्
२५.०६.२०१८	ज्येष्ठ शुक्ल १३	सोम	अनुराधा	ल. ५, शु. दान
१८.०१.२०१९	पौष शुक्ल १२	शुक्र	रोहिणी	ल. ११
२५.०१.२०१९	माघ कृष्ण ०५	शुक्र	उ.फा.	ल. ११, चं. दान, अभिजित्
०६.०२.२०१९	माघ शुक्ल ०२	बुध	धनि/शत.	ल. ११
०७.०२.२०१९	माघ शुक्ल २/३	गुरु	शत.	ल. ११, अभिजित्
१०.०२.२०१९	माघ शुक्ल ०५	रवि	रेवती	ल. ११
१५.०२.२०१९	माघ शुक्ल १०	शुक्र	मृगशीर्ष	ल. ११
२१.०२.२०१९	फा. कृष्ण ०२	गुरु	उ.फा.	ल. ११
२२.०२.२०१९	फा. कृष्ण ०३	शुक्र	हस्त	ल. अभिजित्
०८.०३.२०१९	फा. शुक्ल ०२	गुरु	उ.भा.	ल. ११, २
१३.०३.२०१९	फा. शुक्ल ०७	बुध	रोहिणी	ल. ११, २

उपनयन मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१६.०३.२०१८	चैत्र शु. ०२	सोम	रेवती	ल.१ व.शु.दान, अभिजित्
२६.०३.२०१८	चैत्र शु. १०	सोम	पुनर्वसु	ल.१ शु.बु.दान
२८.०३.२०१८	चैत्र शु. १२	बुध	आश्ले.	ल.१ बु. दान
०२.०४.२०१८	वैशाख कृ. ०२	सोम	स्वाति	ल.१ बु. दान, ४ रा.दान
०५.०४.२०१८	वैशाख कृ. ०५	गुरु	अनु.	ल.४ रा.दान, अभिजित्
२०.०४.२०१८	वैशाख शु. ०५	शुक्र	मृग.	ल.२. गु. दान,४ रा. दान
२६.०४.२०१८	वैशाख शु. ११	गुरु	पू.फा.	ल.४ रा.दान, अभिजित्
२७.०४.२०१८	वैशाख शु. १२	शुक्र	उ.फा.	ल.२ गु.दान, ४ रा.दान
२२.०६.२०१८	वैशाख शु. १०	शुक्र	चित्रा	ल.३, सू.दान, ४ रा.दान
१८.०१.२०१९	पौष शु. १२	शुक्र	रोहिणी	ल. ११
२५.०१.२०१९	माघ कृ. ०५	शुक्र	उ.फा.	ल. अभिजित्
०६.०२.२०१९	माघ शु. ०२	बुध	धनिष्ठा	ल. ११
०७.०२.२०१९	माघ शु. ०२	गुरु	शतभिषा	ल. ११, अभिजित्
१०.०२.२०१९	माघ शु. ०५	रवि	रेवती	ल. ११
१५.०२.२०१९	माघ शु. १०	शुक्र	मृग	ल. ११ सू. दान

उपनयन मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२१.०२.२०१९	फाल्गुन कृ. ०२	गुरु	उ.फा.	ल. ११ सू. दान
२२.०२.२०१९	फाल्गुन कृ. ०३	शुक्र	हस्त	ल. अभिजित्
०८.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. ०२	शुक्र	उ.भा.	ल. ११, सू. दान

मुण्डन (चौल) मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२०.०४.२०१८	वैशाख शु. ०५	शुक्र	मृग.	ल. १, अभिजित्
०३.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ०३	गुरु	ज्येष्ठ	ल. ४
०७.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ०७	सोम	श्रावण	ल. ४
१०.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. १०	गुरु	शत.	ल. ५
२२.०६.२०१८	द्वि.ज्ये.शु. १०	शुक्र	चित्रा	ल. ५
३१.०१.२०१९	माघ कृ. ११	गुरु	ज्येष्ठ	ल. ११
०६.०२.२०१९	माघ शु. ०२	बुध	धनि./शत	ल. ११, १२
०७.०२.२०१९	माघ शु. ०३	गुरु	शत.	ल. ११, १२
१५.०२.२०१९	माघ शु. १०	शुक्र	मृग.	ल. ११, १२
२२.०२.२०१९	फाल्गुन कृ. ०३	शुक्र	हस्त	ल. १२, अभिजित्
०४.०३.२०१९	फाल्गुन कृ. १३	सोम	श्रावण	ल. ११, १२

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२०.०४.२०१८	वैशाख शु.०५	शुक्र	मृग.	ल. अभिजित् च.शु.अ.
२३.०४.२०१८	वैशाख शु.०८	सोम	पुष्य.	ल. विचारणीय च.शुद्धि
२६.०४.२०१८	वैशाख शु.११	गुरु	उ.फा.	ल.८ चक्रशुद्धि
२७.०४.२०१८	वैशाख शु.१२	शुक्र	उ.फा.	ल.५, बु.दान, चक्रशुद्धि
२८.०४.२०१८	वैशाख शु.१३	शनि	चित्रा	ल.८ चक्रशुद्धि
०२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ०२	बुध	अनुराधा	ल.५ बु.दान,चक्रशुद्धि अ.
१०.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. १०	गुरु	शतभिषा	ल. ५ चक्रशुद्धि
११.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ११	शुक्र	उ.भा.	ल. अभिजित् चक्रशुद्धि
१२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. १२	शनि	उ.भा.	ल. अभिजित् चक्रशुद्धि
१८.०७.२०१८	अषाढ़ शु.०६	बुध	हस्त	ल.५, चक्रशुद्धि
१९.०७.२०१८	अषाढ़ शु.०७	गुरु	चित्रा	ल.५, चक्रशुद्धि
२०.०७.२०१८	अषाढ़ शु.०८	शुक्र	स्वाति	ल.५, चक्रशुद्धि
२३.०७.२०१८	अषाढ़ शु.११	सोम	अनुराधा	ल. ५ च.दान, चक्रशुद्धि
३०.०७.२०१८	श्रावण कृ.०२	सोम	शतभिषा	ल.५, च.शु. अभाव
०२.०८.२०१८	श्रावण कृ.०५	गुरु	उ.भा./रे.	ल. अभिजित् च.शु. अभाव

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
०३.०८.२०१८	श्रावण कृ.०६	शुक्र	रेवती	ल.५ च.दान, च.शु.अ.
०८.०८.२०१८	श्रावण शु.१२	बुध	मृग.	ल.५ चक्रशुद्धि
१५.०८.२०१८	श्रावण शु.०५	बुध	हस्त	ल.५, च.शु. अभाव
१६.०८.२०१८	श्रावण शु.०६	गुरु	चित्रा	ल. ५. च. शुद्धि
१९.११.२०१८	कार्तिक शु.११	सोम	उ.भा	ल. विचारणीय, चक्रशुद्धि
२४.११.२०१८	मार्ग. कृ. ०२	शनि	रोहिणी	ल.११ च.दान,च.शु.अभाव
२८.११.२०१८	मार्ग. कृ. ०६	बुध	पुष्य	ल.८ मं.दान, च.शु.अभाव
०३.१२.२०१८	मार्ग. कृ. ११	सोम	चित्रा	ल.११ च.दान, चक्रशुद्धि
१०.१२.२०१८	मार्ग. कृ. ०३	सोम	उ.षा.	ल.११, च.शु. अभाव
१३.१२.२०१८	मार्ग. शु. ०६	गुरु	धनिष्ठा	ल.११, चक्रशुद्धि
१४.१२.२०१८	मार्ग. शु. ०७	शुक्र	शतभिषा	ल.११, चक्रशुद्धि
१८.०१.२०१९	पौष शु. १२	शुक्र	रोहिणी	ल.१२, चक्रशुद्धि
१९.०१.२०१९	पौष शु. १३	शनि	मृग.	ल.११, चक्रशुद्धि
२५.०१.२०१९	माघ कृ. ०५	शुक्र	उ.फा.	ल.१२, च.शु. अभाव
२८.०१.२०१९	माघ कृ. ०८	सोम	स्वाति	ल.११, च.शु.अभाव

पुरातन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
३०.०१.२०१६	माघ शु. १०	बुध	अनुराधा	ल.११,१२, चक्रशुद्धि
०६.०२.२०१६	माघ शु. ०५	बुध	शतभिषा	ल.१२, च.शु.अभाव
०७.०२.२०१६	माघ शु. ०२	गुरु	शतभिषा	ल.११,१२, च.शु.अभाव
१५.०२.२०१६	माघ शु. १०	शुक्र	मृग.	ल.१२, चक्रशुद्धि
२१.०२.२०१६	फाल्गुन कृ.०२	गुरु	उ.फा.	ल.११,१२, च.शु.अभाव
२३.०२.२०१६	फाल्गुन कृ.०५	शनि	चित्रा	ल.१२, च.शु.अभाव
०२.०३.२०१६	फाल्गुन कृ.११	शनि	उ.षा.	ल.११,१२, चक्रशुद्धि
०४.०३.२०१६	फाल्गुन कृ.१३	सोम	धनिष्ठा	ल. विचारणीय, चक्रशुद्धि
०८.०३.२०१६	फाल्गुन शु.०२	शुक्र	उ.भा.	ल.११,१२, च.शु.अभाव
०६.०३.२०१६	फाल्गुन शु.०३	शनि	रेवती	ल.११,१२,च.शु.अभाव
१३.०३.२०१६	फाल्गुन शु.०७	बुध	रोहिणी	ल.१२, चक्रशुद्धि

गृहारम्भ मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२०.०४.२०१८	वैशाख शु. ०५	शुक्र	मृग	ल.५ बु.रा.दान,च.शु.अभाव
२६.०४.२०१८	वैशाख शु. ११	गुरु	उ.फा.	ल.८, गु. दान चक्रशुद्धि
२८.०४.२०१८	वैशाख शु. १३	शनि	हस्त	ल.अभि.५, बु.रा. दान,चक्रशुद्धि
३०.०४.२०१८	वैशाख शु. १५	सोम	स्वाति	ल.५, बु. रा. दान, चक्रशुद्धि
०२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ०२	बुध	अनु.	ल.अभिजित., चक्रशुद्धि
१०.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. १०	गुरु	शत.	ल.२ श.,सू. दान, चक्रशुद्धि
११.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ११	शुक्र	उ.भ.	ल.८, गु. दान, शु. अभाव
१६.०७.२०१८	आषाढ़ शु. ०७	गुरु	हस्त	ल.५, रा.सू.दान, च. शु.दान
२३.०७.२०१८	आषाढ़ शु. ११	सोम	अनु.	ल. अभिजित्, चक्रशुद्धि
२७.०७.२०१८	आषाढ़ शु. १५	शुक्र	उ.षा.	ल.८, गु. दान चक्रशुद्धि
३०.०७.२०१८	श्रावण कृ. ०२	सोम	धनि.	ल.५, सू.रा.दान, चक्रशुद्धि
१५.०८.२०१८	मार्ग. शु. ०५	बुध	हस्त	ल.८, गु. दान चक्रशुद्धि अभाव
१४.१२.२०१८	मार्ग. शु. ०७	शुक्र	शत.	ल.११, के दान च.शु.अभव
१६.०१.२०१६	माघ. शु. १३	शनि	मृग.	ल.११, सू.के.दान चक्रशुद्धि
२५.०१.२०१६	माघ. कृ. ०५	शुक्र	उ.फा.	ल.१२,२, रा. दान चक्रशुद्धि
०६.०२.२०१६	माघ. शु. ०२	बुध	धनि.	ल.१२ च. दान, च.शु.अभाव
०७.०२.२०१६	माघ. शु. ०२	गुरु	शत.	ल.११, सू.के.दान, च.शु.अभाव
१५.०२.२०१६	माघ. शु. १०	शुक्र	मृग.	ल.११, के. दान चक्रशुद्धि

गृहारम्भ मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२१.०२.२०१६	फाल्गुन कृ.०२	गुरु	उ.फा.	ल.१२, सू.बृ.दान चक्रशुद्धि
२२.०२.२०१६	फाल्गुन कृ.०३	शुक्र	हस्त	ल. अभिजित, चक्रशुद्धि
२३.०२.२०१६	फाल्गुन कृ.०५	शनि	चित्रा	ल.१३, के. दान चक्रशुद्धि
०२.०३.२०१६	फाल्गुन कृ.११	शनि	उ.षा.	ल.११,१२ च.शु.अभाव
०८.०३.२०१६	फाल्गुन शु. ०२	शुक्र	उ.भा.	ल.११,के.दान१२,सू. दान च.शु.अभाव
०९.०३.२०१६	फाल्गुन शु. ०३	शनि	रेवती	ल.११,के.दान १२,सू.दान च.शु.अभाव
१३.०३.२०१६	फाल्गुन शु. ०७	बुध	रोहिणी	ल.१२, सू. दान च.शु.अभाव

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
२०.०४.२०१८	वैशाख शु. ०५	शुक्र	मृग.	ल. अभिजित, च.शु.अभाव
२६.०४.२०१८	वैशाख शु. ११	गुरु	उ.फा.	ल.८, चक्रशुद्धि
२७.०४.२०१८	वैशाख शु. १२	शुक्र	उ.फा.	ल.५ बु. दान, चक्रशुद्धि
२८.०४.२०१८	वैशाख शु. १३	शनि	चित्रा	ल.८, चक्रशुद्धि
०२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ०२	बुध	अनु.	ल. अभिजित, च.शु.अभाव
११.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. ११	शुक्र	उ.भा.	ल.५ बु.दान., च.शु.अभाव

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त वि.सं. २०७५

दिनाङ्क	मास-पक्ष-तिथि	वार	नक्षत्र	लग्न एवं पूजादि विवरण
१२.०५.२०१८	ज्येष्ठ कृ. १२	शनि	उ.भा.	ल. अभिजित, चक्रशुद्धि
१८.०१.२०१६	पौष शु. १२	शुक्र	रोहिणी	ल.१२, चक्रशुद्धि
१६.०१.२०१६	पौष शु. १३	शनि	मृग.	ल.११, चक्रशुद्धि
२५.०१.२०१६	माघ कृ. ०५	शुक्र	उ.फा.	ल.१२, च.शु.अभाव
३०.०१.२०१६	माघ कृ. १०	बुध	अनु.	ल.११,१२, चक्रशुद्धि
१५.०२.२०१६	माघ शु. १०	शुक्र	मृग.	ल.१२, चक्रशुद्धि
२१.०२.२०१६	फाल्गुन कृ.०२	गुरु	उ.फा.	ल. ११,१२, च.शु.अभाव
२३.०२.२०१६	फाल्गुन कृ.०५	शनि	चित्रा	ल.१२, च.शु. अभाव
०२.०३.२०१६	फाल्गुन कृ.११	शनि	उ.षा.	ल.११,१२, चक्रशुद्धि
०८.०३.२०१६	फाल्गुन शु.०२	शुक्र	उ.भा.	ल.११,१२, च.शु. अभाव
०९.०३.२०१६	फाल्गुन शु.०३	शनि	रेवती	ल.११,१२, च.शु.अभाव
१३.०३.२०१६	फाल्गुन शु.०७	बुध	रोहिणी	ल.१२, चक्रशुद्धि

माङ्गलिक मुहूर्त्तों के निर्णेता - डॉ परमानन्द भारद्वाज, ज्योतिष-विभाग

✸ गण्ड-मूलादि-जन्म विचार ✸

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती - ये ६ नक्षत्र गण्डमूल कहलाते हैं। इन नक्षत्रों में उत्पन्न बालक, माता, पिता, कुल या स्वयं को अरिष्टदायक होता है। यदि यह अरिष्ट से बच जाये तो अपने बल-बुद्धि से संसार में सुखपूर्व दीर्घायु प्राप्त करता है। इसलिए गण्डमूल में उत्पन्न शिशु के पिता को २७ दिन तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। और फिर प्रसूति-स्नान के बाद गण्डमूल की शान्ति गौदान आदि देकर बालक का मुख देखना चाहिए।

मूलनिवास-चक्र

मास के अनुसार	वैशा. ज्ये. मार्ग. फा.	चै.श्रा.का.पौ.	आषा.आश्वि.भाद्र.माघ
लग्न के अनुसार	२, ५, ८, ११	३, ६, ९, १२	१, ४, ७, १०
मूल निवास स्थान	पाताल	भूमि	स्वर्ग
फल	शुभ	कुलनाश	शुभ

मूल-आश्लेषा चरण-फल

मूल चरण-फल		आश्लेषा चरण-फल		समय-फल	
१	पितृनाश	१	शांति से शुभ	दिन में	पिता को भय
२	मातृनाश	२	धन नाश	सन्ध्या में	स्वशरीर भय
३	धननाश	३	मातृनाश	रात्रि में	माता को भय
४	शान्ति से शुभ	४	पितृनाश		

मूलजन्म में वृक्ष विभाग

विभाग	मूल	स्तम्भ	त्वचा	शाखा	पत्र	पुष्प	फल	शिखा
घटी	७	८	१०	११	१२	५	४	३
फल	मूल नाश	वंशनाश	मातृक्लेश	मातुलकष्ट	राज्य लाभ	मन्त्री	प्रचुर लक्ष्मी	अल्पायु

मूल-पुरुष-चक्र

विभाग	शिर	मुख	स्कन्ध	बाहु	हाथ	हृदय	नाभि	गुप्तांग	जानु	पैर
घटी	५	७	४	८	३	९	२	१०	६	६
फल	राजा	पितृनाश	बली	बली	दानी	मन्त्री	ज्ञानी	कामी	बुद्धि-मान	बुद्धि-मान

मूल-कन्या-चक्र

विभाग	शिर	मुख	कण्ठ	हृदय	भुजा	हाथ	गुप्तांग	जंघा	जानु	पैर
घटी	४	६	५	५	१०	८	४	४	४	१०
फल	पशु-नाश	धननाश	धन-लाभ	कुटिलता	धन लाभ	धर्म-नाश	कामिनी	ज्ये.मातुल-नाश	भ्रातृ-नाश	विधवा

आश्लेषा नक्षत्रोत्पन्न पुत्र/कन्या-अङ्गविभाग

विभाग	शिर	मुख	नेत्र	ग्रीवा	स्कन्ध	हाथ	हृदय	नाभि	गुह्य	पैर
घटी	५	७	२	३	४	८	११	६	९	५
फल	पुत्र प्राप्ति	पितृनाश	मातृ-नाश	स्त्री-लम्पट	गुरु भक्ति	बली	आत्म-घाती	भ्रम	तपस्वी हानि	धन

आश्लेषा-वृक्ष-चक्र

विभाग	फल	पुष्प	पत्ता	शाखा	त्वचा	लता	स्कन्ध
घटी	१०	५	९	७	१३	१२	४
फल	धन	धन	राजभय	हानि	भ्रातृहानि	पितृहानि	अल्पायु

अभुक्त मूल-विचार-

ज्येष्ठा नक्षत्र के अन्त की ४ घटी मतान्तर से १ घटी और मूल नक्षत्र के प्रारम्भ की ४ घटी मतान्तर से आधी घटी अभुक्त मूल होता है। इस समय में कदाचित् बालक का जन्म हो, तो बालक के पिता को ८ वर्ष तक मतान्तर से ६ मास तक उसका मुख नहीं देखना चाहिए। इसकी शान्ति के लिए रुद्रार्चन अभिषेक एवं महामृत्युञ्जय की विधि सहित अभुक्त मूल शान्ति कर शुभ मुहूर्त में बालक का मुख देखना चाहिए।

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, चैत्र शुक्ल पक्ष (दि. १८ मार्च से ३१ मार्च २०१८ ई०), उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर-गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण २१३१, अयनांश २४:६:२८"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२६	४७	१	र.	३०	०	१८	३२	उ.भा.	३४	०५	२०	१०	शु.	३१	५७	किं.	०	२२	६:३२	६:२७	उ.फा. २७	चै. ५	ज. २६	म. १८	मीन	गण्डमूल प्रा. २०:१० बजे, सूर्य उ.भा. (A)
२६	५१	२	सो.	२८	२५	१७	५३	रे.	३४	०२	२०	०८	ब्र.	२७	५०	कौ.	२८	२५	६:३१	६:२८	२८	६	३०	१९	मेष २०:०८	चन्द्रदर्शन,पञ्चक समा. २०:०८ बजे, सिन्धारा, (B)
२६	५६	३	मं.	२५	५५	१६	५१	अश्वि.	३३	०७	१९	४४	ऐ.	२०	३०	ग.	२५	५५	६:२९	६:२८	२९	७	र. १	२०	मेष	भद्रा २८:१२ बजे से प्रा., गण्डमूल समा. १९:४४ बजे,(C)
३०	०१	४	बु.	२२	३०	१५	२८	भ.	३१	२२	१९	०१	वै.	१७	२७	वि.	२२	३०	६:२८	६:२९	३०	८	२	२१	वृष २४:४८	भद्रा १५:२८ बजे तक, विनायक चतुर्थी।
३०	०५	५	गु.	१६	०२	१३	५२	कृ.	२९	०५	१८	०५	वि.	११	२२	बा.	१६	०२	६:२७	६:२९	१ रा.चै.	९	३	२२	वृष	बुध वक्री २९:४८ बजे, भारतीय चैत्रारम्भ।
३०	१०	६	शु.	१४	०२	१२	०३	रो.	२६	२५	१६	५७	प्री. आ.	०४ ५८	५७ १०	तै.	१४	०२	६:२६	६:३०	२	१०	४	२३	मिथुन २८:२०	यमुना छठ, स्कन्द षष्ठी, सूर्य षष्ठी, रोहिणी व्रत।
३०	१४	७	श.	०९	१२	१०	०६	मृ.	२३	१२	१५	४२	सौ.	५१	१२	व.	०९	१२	६:२५	६:३०	३	११	५	२४	मिथुन	भद्रा १०:०६ बजे से २१:०५ बजे तक,महानिशा पूजा।
३०	१८	८ ९	र.	०४ ५८	१० ४७	०९ २६	०३ ५४	आ.	१९	२७	१४	२०	शो.	४४	०७	ब.	०४	१०	६:२३	६:३१	४	१२	६	२५	मिथुन	दुर्गाष्टमी, औली जैन प्रारम्भ, मेला मनसा देवी, (D)
३०	२२	१०	सो.	५३	२२	२७	४३	पुन.	१६	२२	१२	५५	अति.	३७	२२	तै.	२६	३२	६:२२	६:३१	५	१३	७	२६	कर्क ७:१५	शुक्र अश्विनी मेष में १५:४७ बजे, बुधास्त ७:२२ बजे, (E)
३०	२७	११	मं.	४७	५७	२५	३२	पु.	१२	४५	११	२७	सु.	२९	३५	व.	२०	४०	६:२१	६:३२	६	१४	८	२७	कर्क	भद्रा १४:३७ बजे से २५:३२ बजे तक, गण्डमूल प्रा. (F)
३०	३१	१२	बु.	४२	४०	२३	२४	आश्ले.	०९	१२	१०	०१	धृ.	२२	२२	ब.	१५	१७	६:२०	६:३३	७	१५	९	२८	सिंह १०:०१	
३०	३५	१३	गु.	३७	४०	२१	२३	म.	०५	५०	०८	३९	शू.	१५	२२	कौ.	१०	०७	६:१९	६:३३	८	१६	१०	२९	सिंह	गण्डमूल समा. ८:३९ बजे, महावीर जयन्ती (जैन),(G)
३०	४०	१४	शु.	३३	१२	१९	३५	पू.फा.	०२	५२	०७	२७	गं.	०८	१७	ग.	०५	२२	६:१८	६:३४	९	१७	११	३०	कन्या १३:११	भद्रा १९:३५ बजे से प्रा., मंगल पूर्वाषाढ़ में २७:१५ बजे, (H)
३०	४४	१५	श.	२९	३७	१८	०७	उ.फा. ह.	०० ५९	३५ १०	०६ २९	३० ५६	वृ. ध्रु.	०२ ५७	४० १७	वि.	०१	२०	६:१६	६:३४	१०	१८	१२	३१	कन्या	भद्रा ०६:४८ बजे तक, सूर्य रेवती में १८:५१ बजे,(I)

(A) में ०८:०१ बजे, वासन्तिक नवरात्र प्रा., घट स्थापन, गुड़ी पड़वा, युगादि, रामायण नवाह्नयज्ञ प्रा.। (B) झूलेलाल जयंती। (C) सायन मेष में सूर्य २१:४५ बजे, उत्तर गोल प्रा., मत्स्य जयंती, गणगौरी तृतीया, मन्वादि, मु. रज्जव प्रा.। (D) मेला बाहू फोर्ट जम्मू, रामनवमी, रामायण नवाह्न समाप्त, श्री ताराजयन्ती, नवरात्र समाप्त। (E) नवरात्र पारणा (F) ११:२७ बजे, कामदा एकादशी व्रत (स.)। (G) प्रदोष व्रत, अनङ्गत्रयोदशी। (H) पूर्णिमा व्रत, गुड फ्राईडे, हजरत अली जन्म दिवस। (I) हनुमज्जयंती(दाक्षिणात्य), औली जैन समाप्त, सत्यव्रत, मन्वादि, सिद्धाचल यात्रा, वैशाख स्नान प्रा.।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०२	०८	११	०६	११	०८	०३	०९
अं.	१०	१५	१०	२२	२८	२८	१४	१८	१८
क.	१३	२०	०३	३२	४३	१७	३४	२३	२३
वि.	१७	५५	५०	०९	१९	०३	०५	२८	२८
गति	५९ २७	८४९ ४७	३३ ४१	११ ४३	०२ व. ५२	७४ व. ०८	०२ १७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.भा. ३ च.	आर्द्रा ३ च.	मूल ४ च.	रेवती २ च.	विशा. ३ च.	रेव ४ च.	पू.षा. १ च.	आश्ले १ च.	श्रव. ३ च.

२५ मार्च २०१८ ई., प्रातः ६:२७

१ सू.बु.शु. १२ | ११ | १० के. | ९ मं.श. | ८ | ७ गु. | ६ | ५ | ४ रा. | ३ चं. | २

चैत्र शु. ८/९, रविवार

विक्रम-संवत् २०७५ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तदनुसार १८ मार्च, २०१८ ई. रविवार से "विरोधकृत" नामक नव-संवत्सर का प्रारम्भ हो रहा है, अतः नित्यनैमित्तिक कर्मानुष्ठान आदि के संकल्प में इसका प्रयोग किया जायेगा। इस वर्ष का राजा सूर्य एवं मन्त्री शनि है। वर्षारम्भ में सूर्य-बुध युति उनका गुरु से षडष्टक सम्बन्ध तथा शनि-मंगल युति उनका केतु से द्विर्द्वादश तथा राहू से षडष्टक सम्बन्ध उत्तर कोरिया एवं अमेरिका में जबरदस्त विरोध के उपरान्त सैनिक कार्यवाही की प्रबल सम्भावना है। खण्डवृष्टि के कारण विश्व के अनेक देश अकालग्रस्त होंगे। भारत के मध्यवर्ती एवं पश्चिमवर्ती प्रान्तों में गोधन एवं कृषिधन की अत्यधिक मात्रा मे हानि होने की सम्भावना है।

३१ मार्च २०१८ ई. प्रातः ६:२७

शु १ | सू.बु. १२ | ११ | के. १० | ९ मं.श. | ८ | ७ गु. | ६ चं. | ५ | ४ रा. | ३ | २

चैत्र शु. १५, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०५	०८	११	०६	००	०८	०३	०९
अं.	१६	०९	१३	१९	२८	०५	१४	१८	१८
क.	०९	५८	२४	१२	२२	४१	४६	०४	०४
वि.	२३	१०	२५	३१	३४	२२	२३	२३	२३
गति	५९ १३	८१९ ०८	३३ ०४	४५ व. ००	०३ व. ५३	७३ ५५	०१ ४३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.भा. ४ च.	उ.फा. ४ च.	पू.षा. १ च.	रेव. १ च.	विशा. ३ च.	अश्वि. २ च.	पू.षा. १ च.	आश्ले. १ च.	श्रव. ३ च.

विश्व के कई भागों में झंझावात, अग्निकाण्ड एवं बम विस्फोट से भारी मात्रा में जन-धन की हानि की सम्भावना है।

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, वैशाख कृष्ण पक्ष (दि. १ अप्रैल से १६ अप्रैल २०१८ ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण २५५३, अयनांश २४:६':३०"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३०	४८	१	र.	२७	०५	१७	०५	चि.	५६	०२	२६	५२	व्या.	५२	५७	कौ.	२७	०५	६:१५	६:३५	रा.वे. ११	बै. १६	र. १३	अप्रै. १	तुला १७:५०	ईस्टर सण्डे, हजरत अली जन्मदिन, विश्व स्वास्थ्य दिवस, (A)
३०	५२	२	सो.	२५	५२	१६	३५	स्वा.	६०	००	-	-	ह.	४६	४७	ग.	२५	५२	६:१४	६:३५	१२	२०	१४	२	तुला	भद्रा २८:३५ बजे से प्रा.।
३०	५७	३	मं.	२६	१७	१६	४४	स्वा.	००	२२	०६	२२	व.	४७	५२	वि.	२६	१७	६:१३	६:३६	१३	२१	१५	३	वृश्चिक २५:१०	भद्रा १६:४४ बजे तक, वक्री बुध उ.भा. में ६:२३ बजे,(B)
३१	०१	४	बु.	२८	२२	१७	३३	वि.	०३	१७	०७	३१	सि.	४७	१७	बा.	२८	२२	६:१२	६:३६	१४	२२	१६	४	वृश्चिक	
३१	०५	५	गु.	३२	०५	१६	०१	अनु.	०७	५०	०६	१६	व्य.	४७	५७	कौ.	००	०३	६:११	६:३७	१५	२३	१७	५	धनु ११:४२	गण्डमूल प्रा. ६:१६ बजे, गुरु तेग बहादुर जयन्ती।
३१	०६	६	शु.	३७	१५	२१	०४	ज्ये.	१३	५०	११	४२	वरि.	४६	३५	ग.	०२	०२	६:१०	६:३७	१६	२४	१८	६	धनु	भद्रा २१:०४ बजे से प्रा., शुक्र भरणी में ११:३२ बजे,(C)
३१	१३	७	श.	४३	२५	२३	३०	मू.	२१	००	१४	३२	परि.	५१	५७	वि.	१०	१७	६:०८	६:३८	१७	२५	१६	७	मकर २४:२३	भद्रा १०:१५ बजे तक, गण्डमूल समा. १४:३२ बजे, शर्करासप्तमी।
३१	१८	८	र.	४६	५५	२६	०५	पू.षा.	२८	४२	१७	३६	शि.	५४	३२	बा.	१६	४०	६:०७	६:३६	१८	२६	२०	८	मकर	वृद्धशीतलाष्टमी, कालाष्टमी।
३१	२२	६	सो.	५६	१०	२८	३४	उ.षा.	३६	२२	२०	३६	सि.	५६	५२	तै.	२३	१०	६:०६	६:३६	१६	२७	२१	६	मकर	
३१	२६	१०	मं.	६०	००	-	-	श्र.	४३	१७	२३	२४	सा.	५८	३०	व.	२६	००	६:०५	६:४०	२०	२८	२२	१०	मकर	भद्रा १७:४१ बजे से प्रा.।
३१	३०	१०	बु.	०१	३२	०६	४१	धनि.	४६	००	२५	४०	शुभ.	५६	०२	वि.	०१	३२	६:०४	६:४०	२१	२६	२३	११	कुम्भ १२:३७	भद्रा ०६:४१ बजे तक, पञ्चक प्रा. १२:३७ बजे, (D)
३१	३४	११	गु.	०५	२५	०८	१३	शत.	५३	०७	२७	१८	शु.	५८	१७	बा.	०५	२५	६:०३	६:४१	२२	३०	२४	१२	कुम्भ	वरूथिनी एकादशी व्रत (स.), वल्लभाचार्य जयंती ।
३१	३८	१२	शु.	०७	३५	०६	०४	पू.भा.	५५	२७	२८	१३	ब्र.	५६	१०	तै.	०७	३५	६:०२	६:४१	२३	३१	२५	१३	मीन २२:०३	प्रदोष व्रत
३१	४२	१३	श.	०७	५७	०६	१२	उ.भा.	५६	०५	२८	२७	ऐं.	५२	४०	व.	०७	५७	६:०१	६:४२	२४	वै. १	२६	१४	मीन	भद्रा ०६:१२ बजे से २१:०० बजे तक, गण्डमूल प्रा. (E)
३१	४६	१४	र.	०६	३५	०८	३८	रे.	५५	१२	२८	०५	वै.	४७	५२	शकु.	०६	३५	६:००	६:४२	२५	२	२७	१५	मेष २८:०५	पञ्चक समा. २८:०५ बजे, बुध मार्गी १४:५० बजे, (F)
३१	५०	३०	सो.	०३	४०	०७	२७	अश्वि.	५३	०२	२७	१२	वि.	४२	०२	ना.	०३	४०	५:५६	६:४३	२६	३	२८	१६	मेष	गण्डमूल समा. २७:१२ बजे, सोमवती अमावस्या, (G)

(A) बैंक अवकाश (B) चन्द्रोदय २१:३० बजे, चतुर्थी व्रत । (C) कोकिला षष्ठी व्रत । (D) बुध उदय ०७:४४ बजे। (E) २८:२७ बजे, सूर्य अश्विनी में, मेष संक्रान्ति ०८:१३ बजे, मासशिवरात्रि, अम्बेडकर जयन्ती, मेष संक्रान्ति पुण्यकाल दोपहर १२:१३ बजे तक, वैशाखी, बाहग विहू आसाम। (F) हिमाचल दिवस, अमावस्या श्राद्धादि। (G) गुरु अङ्गददेव जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०८	०८	११	०६	००	०८	०३	०६
अं.	२४	२१	१७	१३	२७	१५	१४	१७	१७
क.	०२	१०	४५	०१	४५	३१	५७	३८	३८
वि.	१६	३७	४०	०६	४६	४७	२६	५७	५७
गति	५८ ५९	७०८ ४८	३० ०५	३६ १०	०५ व. ०८	७३ व. ३६	०० ५७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रेव. ३ च.	पू.षा. ३ च.	पू.षा. २ च.	उ.भा. ३ च.	विशा. ३ च.	भर. १ च.	पू.षा. १ च.	आश्ले १ च.	श्रव. ३ च.

८ अप्रैल २०१८ ई., प्रातः ६:२७

२, सू.बु. १२, शु. १, ११, ३, रा. ४, १० के., ७ गु., ९ मं. श. चं., ५, ६, ८

वैशाख कृ. ८, रविवार

इस मास में पाँच रविवार हैं और मेष की संक्रान्ति शनिवार को है, अतः प्रजा में रोग अशान्ति एवं भय का वातावरण रहेगा। आँधी, तूफान से कृषि हानि की सम्भावना है। जौ, गेहूँ, चना आदि अन्न तथा हाथी दाँत, सुवर्ण, लाख, मोम, मजीठ, केसर, सिन्दूर आदि पदार्थों के भाव तेज रहेंगे। आम जनता मँहगाई की मार से त्रस्त रहेगी। सत्तापक्ष एवं विपक्ष में जोरदार नोक झोंक होगी।

१६ अप्रैल २०१८ ई., प्रातः ६:२७

२, बु. १२, सू.शु.चं. १, ११, ३, रा. ४, १० के., ७ गु., ९ मं. श., ५, ६, ८

वैशाख कृ. ३०, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	००	०८	११	०६	००	०८	०३	०६
अं.	०१	०१	२१	१०	२६	२५	१५	१७	१७
क.	५३	२१	५८	४१	५६	१६	०२	१३	१३
वि.	१५	१६	११	१४	४३	५८	१३	३१	३१
गति	५८ ४३	८३२ २३	३० ५०	०५ मा. ५६	०६ व. १२	७३ २२	०० ०६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. १ च.	अश्वि. १ च.	पू.षा. ३ च.	उ.भा. ३ च.	विशा. ३ च.	भर. ४ च.	पू.षा. १ च.	आश्ले. १ च.	श्रव. ३ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, वैशाख शुक्ल पक्ष (दि. १७ अप्रैल से ३० अप्रैल २०१८ ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, वसन्त/ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २५६९, अयनांश २४:६':३१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
०	०	**१**	सो.	५६	३०	२६	४७	**०**	०	०	०	०	**०**	०	०	**०**	०	०	०	०	०	०	०	**०**	०	
३१	५४	**२**	मं.	५४	२७	२७	४५	**भ.**	५२	२७	२५	५७	**प्री.**	३५	२५	**बा.**	२७	०५	५:५८	६:४४	रा.वै. २७	वै. ४	र. २६	**अप्रै. १७**	मेष	शुक्र कृत्तिका में ०८:३८ बजे, चन्द्रदर्शन।
३१	५८	**३**	बु.	४८	५२	२५	३०	**कृ.**	४६	१५	२४	२७	**आयु.**	२७	५५	**तै.**	२१	३५	५:५७	६:४४	२८	५	सा १	**१८**	वृष ७:३५	शनि वक्री ०७:१६ बजे।, अक्षय तृतीया, परशुराम जयन्ती (A)
३२	०२	**४**	गु.	४३	००	२३	०८	**रो.**	४२	१७	२२	५१	**सौ.**	२०	४५	**व.**	१५	५७	५:५६	६:४५	२६	६	२	**१९**	वृष	भद्रा १२:१९ बजे से २३:०८ बजे तक, (B)
३२	०६	**५**	शु.	३७	०७	२०	४६	**मृग.**	३८	२०	२१	१५	**शो.**	१३	०७	**ब.**	१०	०५	५:५५	६:४५	३०	७	३	**२०**	मिथुन १०:०२	सायन वृष में सूर्य ०८:४२ बजे, ग्रीष्म ऋतु प्रा.,(C)
३२	१०	**६**	श.	३१	२५	१८	२८	**आ.**	३४	३०	१६	४२	**धृति. सुक.**	०५ ५८	४० २०	**कौ.**	०४	१५	५:५४	६:४६	रा.वै. १	८	४	**२१**	मिथुन	भारतीय वैशाखारम्भ, रामानुजाचार्य जयन्ती।
३२	१४	**७**	र.	२६	००	१६	१७	**पुन.**	३१	०२	१८	१८	**धृ.**	५१	२०	**व.**	२६	००	५:५३	६:४६	२	९	५	**२२**	कर्क १२:३८	भद्रा १६:१७ बजे से २७:१५ बजे तक, गङ्गोत्पत्ति,(D)
३२	१८	**८**	सो.	२१	००	१४	१६	**पु.**	२७	५७	१७	०३	**शू.**	४४	४०	**ब.**	२१	००	५:५२	६:४७	३	१०	६	**२३**	कर्क	गण्डमूल प्रा. १७:०३ बजे, दुर्गाष्टमी।
३२	२२	**९**	मं.	१६	२७	१२	२६	**आश्ले.**	२५	२०	१५	५९	**गं.**	३८	२५	**कौ.**	१६	२७	५:५१	६:४८	४	११	७	**२४**	सिंह १५:५९	सीता नवमी, जानकी नवमी, मैथिली दिवस।
३२	२६	**१०**	बु.	१२	२२	१०	४७	**म.**	२३	१०	१५	०६	**वृ.**	३२	३२	**ग.**	१२	२२	५:५०	६:४८	५	१२	८	**२५**	सिंह	भद्रा २२:०२ बजे से प्रा., गण्डमूल समा. १५:०६ बजे, (E)
३२	२९	**११**	गु.	०८	४७	०९	२०	**पू.फा.**	२१	३२	१४	२६	**ध्रु.**	२७	०७	**वि.**	०८	४७	५:४९	६:४९	६	१३	९	**२६**	कन्या २०:१८	भद्रा ०९:२० बजे तक, राहु पुष्य में १६:२७ बजे,(F)
३२	३३	**१२**	शु.	०५	५०	०८	०८	**उ.फा.**	२०	३०	१४	००	**व्या.**	२२	१२	**बा.**	०५	५०	५:४८	६:४९	७	१४	१०	**२७**	कन्या	सूर्य भरणी में २४:०० बजे, बुध रेवती में २७:३६ बजे,(G)
३२	३७	**१३**	श.	०३	३२	०७	१२	**ह.**	२०	१५	१३	५३	**ह.**	१७	५२	**तै.**	०३	३२	५:४७	६:५०	८	१५	११	**२८**	तुला २५:५७	शुक्र रोहिणी में ०७:१८ बजे, नृसिंह जयन्ती, छिन्नमस्ता जयन्ती।
३२	४१	**१४**	र.	०२	१०	०६	३८	**चि.**	२०	५०	१४	०६	**व.**	१४	१७	**व.**	०२	१०	५:४६	६:५१	९	१६	१२	**२९**	तुला	भद्रा ०६:३८ बजे से, १८:२६ बजे तक, (H)
३२	४४	**१५**	सो.	०१	४७	०६	२८	**स्वा.**	२२	३२	१४	४६	**सि.**	११	३२	**ब.**	०१	४७	५:४५	६:५१	१०	१७	१३	**३०**	तुला	बुद्धपूर्णिमा, सत्यव्रत, वैशाख स्नान समाप्त, (I)

(A) शिवाजी जयन्ती, मातङ्गी जयन्ती, बगलामुखी जयन्ती, त्रेता युगादि, बद्री-केदार यात्रा, मु. सावान प्रा.।(B) शुक्र वृष में २६:०८ बजे, विनायक चतुर्थी। (C) आद्यगुरु शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयन्ती । (D) गङ्गा सप्तमी। (E) मंगल उ.षा. में १५:२० बजे। (F) मोहिनी एकादशी व्रत (स.)। (G) रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती, प्रदोष व्रत। (H) गुरु अमरदास जयन्ती, पूर्णिमाव्रत। (I) नारद जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०३	०८	११	०६	०१	०८	०३	०९
अं.	०८	१०	२५	१३	२६	०३	१५	१६	१६
क.	४३	२८	३०	०२	१३	५२	०१	५१	५१
वि.	३८	०७	१८	२४	१९	३६	११	१६	१६
गति	५८ २६	८४० १८	२९ ३२	३७ ३०	०६ व. ५५	६३ ०३	०० व. २७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अश्वि. ३ च.	पुष्य. ३ च.	पू.षा. ४ च.	उ.भा. ३ च.	विशा. २ च.	कृत्ति. ३ च.	पू.षा. १ च.	आश्ले. १ च.	श्रव. ३ च.

२३ अप्रैल २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. २ | बु. १२ | ३ | सू. १ | ११ | चं.रा.४ | १० के. | ५ | ७ गु. | ९ मं. श. | ६ | ८

वैशाख शु. ८, सोमवार

इस मास मे मीनस्थ सूर्य-बुध की युति उनका गुरु के साथ षडष्टक सम्बन्ध तदुपरान्त मेषस्थ सूर्य-शुक्र की युति तथा उनका राहु, गुरु एवं केतु से केन्द्रीय युति तथा मंगल-शनि से त्रिकोण सम्बन्ध होने के कारण उड़ीसा, बंगाल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल आदि प्रदेशों में प्रजा एवं शासन के अन्तर्विरोध के कारण वैमनस्य बढ़ेगा। विश्व के कई स्थानों पर अग्निकाण्ड, बम-विस्फोट एवं प्राकृतिक प्रकोप से अत्यधिक मात्रा में जन-धन की हानि की सम्भावना है।

३० अप्रैल २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. २ | बु. १२ | ३ | सू. १ | ११ | रा. ४ | १० के. | ५ | ७ गु.च. | ९ मं. श. | ६ | ८

वैशाख शु. १५, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०६	०८	११	०६	०१	०८	०३	०९
अं.	१५	१५	२८	१८	२५	१२	१४	१६	१६
क.	३२	३१	५२	३९	२२	२३	५५	२९	२९
वि.	१६	४३	४९	१३	५३	०२	२५	००	००
गति	५८ १५	७६८ ३८	२८ ०४	६० ५५	०७ व. २३	७२ ४३	०१ व. ०६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	भर. १ च.	स्वा. ३ च.	उ.षा. १ च.	रेव. १ च.	विशा. २ च.	रोहि. १ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य. ४ च.	श्रव. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, प्र. ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (शुद्ध) (दि. १ मई से १५ मई २०१८ ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २५८३, अयनांश २४:६':३३"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३२	४८	१	मं.	०२	४०	०६	४८	वि.	२५	३०	१५	५६	व्य.	०६	४७	कौ.	०२	४०	५:४४	६:५२	सू.के. ११	वृ. १८	सा. १४	म. १	वृश्चिक ६:३६	श्रमिक दिवस
३२	५१	२	बु.	०४	५०	०७	४०	अनु.	२६	४५	१७	३८	वरि.	०६	०२	ग.	०४	५०	५:४४	६:५२	१२	१६	१५	२	वृश्चिक	भद्रा २०:१६ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. १७:३८ बजे,(A)
३२	५५	३	गु.	०८	२५	०६	०५	ज्ये.	३५	२२	१६	५२	परि.	०६	२७	वि.	०८	२५	५:४३	६:५३	१३	२०	१६	३	धनु १६:५२	भद्रा ०६:०५ बजे तक, चन्द्रोदय २२:०५ बजे, चतुर्थीव्रत।
३२	५८	४	शु.	१३	२०	११	०२	मू.	४२	०७	२२	३३	शि.	१०	५०	बा.	१३	२०	५:४२	६:५४	१४	२१	१७	४	धनु	गण्डमूल समा. २२:३३ बजे।
३३	०२	५	श.	१६	१२	१३	२२	पू.षा.	४६	४०	२५	३३	सि.	१२	५७	तै.	१६	१२	५:४१	६:५४	१५	२२	१८	५	धनु	
३३	०५	६	र.	२५	३७	१५	५६	उ.षा.	५७	२५	२८	३६	सा.	१५	३२	व.	२५	३७	५:४१	६:५५	१६	२३	१६	६	मकर ८:१६	भद्रा १५:५६ बजे से २६:१३ बजे तक।
३३	०६	७	सो.	३२	००	१८	२८	श्र.	६०	००	-	-	शुभ	१८	१०	ब.	३२	००	५:४०	६:५५	१७	२४	२०	७	मकर	भानु सप्तमी, कालाष्टमी।
३३	१२	८	मं.	३७	४०	२०	४३	श्र.	०४	५५	०७	३८	शु.	२०	२२	बा.	०४	५७	५:३६	६:५६	१८	२५	२१	८	कुम्भ २०:५६	पञ्चक प्रा. २०:५६ बजे से।
३३	१५	९	बु.	४२	०२	२२	२७	धनि.	११	२५	१०	१२	ब्र.	२१	४२	तै.	१०	०५	५:३८	६:५७	१९	२६	२२	९	कुम्भ	बुध अश्विनी मेष में १७:३१ बजे, शुक्र मृगशिरा (B)
३३	१६	१०	गु.	४४	३५	२३	२८	शत.	१६	२२	१२	११	ऐं.	२१	४५	व.	१३	३२	५:३८	६:५७	२०	२७	२३	१०	कुम्भ	भद्रा ११:०३ बजे से २३:२८ बजे तक।
३३	२२	११	शु.	४५	१२	२३	४२	पू.भा.	१६	३०	१३	२५	वै.	२०	२०	ब.	१४	४२	५:३७	६:५८	२१	२८	२४	११	मीन ७:११	सूर्य कृत्तिका में १८:१२ बजे, अपरा एकादशी व्रत(स.)।
३३	२५	१२	श.	४२	३२	२३	०७	उ.भा.	२०	३७	१३	५१	वि.	१७	२०	कौ.	१४	४५	५:३६	६:५९	२२	२६	२५	१२	मीन	गण्डमूल प्रा. १३:५१ बजे ।
३३	२८	१३	र.	४०	२५	२१	४६	रे.	१६	४७	१३	३१	प्री.	१२	४०	ग.	१२	२०	५:३६	६:५९	२३	३०	२६	१३	मेष १३:३१	भद्रा २१:४६ बजे से प्रा.,पञ्चक समा. १३:३१ बजे,(C)
३३	३१	१४	सो.	३५	३०	१६	४७	अश्वि.	१७	१७	१२	३०	आयु. सौ.	०६ ५६	४० २५	वि.	०८	१०	५:३५	७:००	२४	ज्ये. १	२७	१४	मेष	भद्रा ०८:५१ बजे तक, गण्डमूल समा. १२:३० बजे (D)
३३	३४	३०	मं.	२६	१७	१७	१८	भ.	१३	२२	१०	५६	शो.	५१	१७	चतु.	०२	३०	५:३५	७:००	२५	२	२८	१५	वृष १६:२६	वट सावित्रीव्रत, भावुका अमावस्या, वृष संक्रान्ति (E)

(A) मंगल मकर में १६:१५ बजे। (B) में ०७:४८ बजे, गुरु रवीन्द्रनाथ जयन्ती । (C) प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि। (D) वृष संक्रान्ति २६:०३ बजे, शुक्र मिथुन में २०:४६ बजे। (E) पुण्यकाल ११:२७ तक।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	००	०६	०६	११	०६	०१	०८	०३	०६
अं.	२३	२२	०२	२८	२४	२२	१४	१६	१६
क.	१७	४४	३०	००	२२	०३	४३	०३	०३
वि.	३१	५२	२३	३८	२४	३४	१३	३४	३४
गति	५८ ०३	७२१ ०२	२५ ५६	८१ १०	०७ व. ३६	७२ २२	०१ व. ५०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	भर. ३ च.	श्रव. ४ च.	उ.षा. २ च.	रेव. ४ च.	विशा. २ च.	रोहि. ४ च.	पू.षा. १ च.	पू. ४ च.	श्रव. २ च.

८ मई २०१८, प्रातः ६:२७

सू. १, ३, शु. २, १२ बु., रा. ४, ५, ११, ६, ८, १० मं. चं. के., ७ गु., ९ श.

प्र. ज्येष्ठ कृष्ण ८, मंगलवार

इस मास में पाँच मंगलवार हैं और वृष की संक्रान्ति सोमवार को है, अतः प्रजा में परस्पर द्वेष, कलह, अशान्ति एवं रक्तविकार का वातावरण रहेगा। घी, तैल एवं पेयपदार्थों मे तेजी का रुख रहेगा। लाल वस्तुओं एवं अन्न के भाव भी तेज रहेंगे। मँहगाई पर अंकुश लगाने के लिए सरकार अनेक प्रकार के उपाय करने का प्रयास करेगी। जिसका आम उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

१५ मई २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. ३, बु. चं. १, सू. २, १२, रा. ४, ५, ११, ६, ८, १० मं. के., ७ गु., ९ श.

प्र. ज्येष्ठ कृ. ३०, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	००	०६	००	०६	०२	०८	०३	०६
अं.	००	२३	०५	०८	२३	००	१४	१५	१५
क.	०३	५८	२५	१५	२८	२६	२७	४१	४१
वि.	२२	४०	४८	०७	५६	०५	५३	१६	१६
गति	५७ ५४	८६५ ५७	२३ ४४	६६ २३	०७ व. ३५	७२ ०१	०२ व. २६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	कृत्ति. २ च.	भर. ४ च.	उ.षा. ३ च.	अश्वि. ३ च.	विशा. २ च.	मृग. ३ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य. २ च.	श्रव. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, प्र. ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दि. १६ मई से २९ मई २०१८ ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २५१८, अयनांश २४°:६':३५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टै. समय में)
३३	३७	**१**	**बु.**	२२	१५	१४	२८	**कृ.**	०८	३२	०८	५६	**अति.**	४२	४०	**ब.**	२२	१५	५:३४	७:०१	वृषे. २६	ज्ये. ३	सा. २९	**ज्ये. १६**	वृष	चन्द्रदर्शन, पुरुषोत्तम मास प्रारम्भ
३३	४०	**२**	**गु.**	१४	४५	११	२७	**रो. मृग.**	०३ ५७	०७ ३०	०६ २८	४८ ३३	**सु.**	३३	४५	**कौ.**	१४	४५	५:३३	७:०२	२७	४	रम. १	**१७**	मिथुन १७:४१	मु. रमजान प्रा.
३३	४३	**३ ४**	**शु.**	०७ ५६	१० ४७	०८ २६	२५ २८	**आ.**	५२	०५	२६	२३	**धृ.**	५४	५०	**ग.**	०७	१०	५:३३	७:०२	२८	५	२	**१८**	मिथुन	भद्रा १८:५५ बजे से २६:२८ बजे तक, (A)
३३	४५	**५**	**श.**	५२	५७	२६	४४	**पुन.**	४७	१०	२४	२५	**शू.**	१६	१५	**ब.**	२६	१७	५:३३	७:०३	२९	६	३	**१९**	कर्क १८:५३	
३३	४८	**६**	**र.**	४६	५५	२४	१८	**पु.**	४३	००	२२	४४	**गं.**	०८	१०	**कौ.**	१९	५२	५:३२	७:०३	३०	७	४	**२०**	कर्क	गण्डमूल प्रा. २२:४४ बजे, शुक्र आर्द्रा में १०:१५ बजे।
३३	५१	**७**	**सो.**	४१	४२	२२	१३	**आश्ले.**	३९	४२	२१	२५	**वृ. ध्रु.**	०० ५४	४२ ००	**ग.**	१४	१२	५:३२	७:०४	३१	८	५	**२१**	सिंह २१:२५	भद्रा २२:१३ बजे से प्रा., सायन मिथुन में सूर्य, (B)
३३	५३	**८**	**मं.**	३७	३०	२०	३१	**म.**	३७	२२	२०	२८	**व्या.**	४८	०७	**वि.**	०९	३०	५:३१	७:०५	रा.१ज्ये.	९	६	**२२**	सिंह	भद्रा ०६:१९ बजे तक, गण्डमूल समा. २०:२८ बजे, (C)
३३	५६	**९**	**बु.**	३४	१५	१९	१३	**पू.फा.**	३६	००	१९	५५	**ह.**	४३	०२	**बा.**	०५	४५	५:३१	७:०५	२	१०	७	**२३**	कन्या २५:५०	
३३	५८	**१०**	**गु.**	३२	००	१८	१८	**उ.फा.**	३५	३७	१९	४५	**व.**	३८	४५	**तै.**	०३	०२	५:३०	७:०६	३	११	८	**२४**	कन्या	बुध अस्त १८:२२ बजे।
३४	००	**११**	**शु.**	३०	४५	१७	४८	**ह.**	३६	१२	१९	५९	**सि.**	३५	१५	**व.**	०१	१५	५:३०	७:०६	४	१२	९	**२५**	कन्या	भद्रा ०६:०० बजे से, १७:४८ बजे तक, (D)
३४	०३	**१२**	**श.**	३०	२५	१७	४०	**चि.**	३७	४५	२०	३६	**व्य.**	३२	३०	**ब.**	००	२७	५:३०	७:०७	५	१३	१०	**२६**	तुला ८:१४	शनि प्रदोष व्रत।
३४	०५	**१३**	**र.**	३१	१२	१७	५८	**स्वा.**	४०	२०	२१	३७	**वरि.**	३०	३७	**कौ.**	००	४२	५:२९	७:०७	६	१४	११	**२७**	तुला	मंगल श्रवण में २४:४१ बजे, बुध वृष में ०८:२३ बजे।
३४	०७	**१४**	**सो.**	३२	५७	१८	४०	**वि.**	४३	५५	२३	०३	**परि.**	२९	३२	**ग.**	०१	५७	५:२९	७:०८	७	१५	१२	**२८**	वृश्चिक १६:३६	भद्रा १८:४० बजे से प्रा.।
३४	०९	**१५**	**मं.**	३५	५०	१९	४९	**अनु.**	४८	३५	२४	५५	**शि.**	२९	१७	**वि.**	०४	१७	५:२९	७:०९	८	१६	१३	**२९**	वृश्चिक	भद्रा ०७:१२ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २४:५५ बजे, (E)

(A) बुध भरणी में ०८:४० बजे, विनायक चतुर्थी व्रत। (B) ०७:४४ बजे। (C) भारतीय ज्येष्ठ आरम्भ, दुर्गाष्टमी। (D) सूर्य रोहिणी में १४:२१ बजे, बुध कृत्तिका में १५:५८ बजे, कमला एकादशी व्रत (स.)। (E) पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०४	०९	००	०६	०२	०८	०३	०९
अं.	०६	०५	०८	२०	२२	०८	१४	१५	१५
क.	४८	१५	०४	१४	३७	५२	०८	१९	१९
वि.	०१	२०	१५	०५	०२	०३	३४	०३	०३
गति	५७ ४२	८२७ ०३	२१ ०६	१११ ०८	०७ व. १६	७१ ३७	०१ व. ५६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	कृत्ति. ४ च.	मघा. २ च.	उ.षा. ४ च.	भर. ३ च.	विशा. १ च.	आर्द्रा १ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य ४ च.	श्रव. २ च.

२२ मई २०१८, प्रातः ६:२७

शु. ३ | बु. १ | सू. २ | रा. ४ | १२ | चं. ५ | ११ | ६ | ८ | १० मं. के. | ७ गु. | ९ श.

प्र. ज्येष्ठ शु. ८, मंगलवार

इस मास में वृष राशि में सूर्य-बुध की युति उनका शुक्र से द्विर्द्वादश एवं शनि से षडष्टक सम्बन्ध तथा मकरस्थ मंगल-केतु की युति उनका शनि से द्विर्द्वादश एवं शुक्र से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण कश्मीर, पाकिस्तान एवं चीन की सीमाओं पर सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी उत्तर कोरिया एवं पश्चिमी देशों में भी सैनिक गतिविधियाँ युद्ध-विभीषिका को बढ़ायेगी। विश्व के अनेक भागों में आतंकी घटनाओं में अत्यधिक मात्रा में जन-धन की हानि होगी।

२९ मई २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. ३ | १ | सू.बु. २ | रा. ४ | १२ | ५ | ११ | ६ | ८ चं. | १० मं. के. | ७ गु. | ९ श.

प्र. ज्येष्ठ शु. १५, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०७	०९	०१	०६	०२	०८	०३	०९
अं.	१३	०७	१०	०३	२१	१७	१३	१४	१४
क.	३१	१०	२३	५४	४८	१२	४५	५६	५६
वि.	२३	०४	०१	३२	२२	०२	४६	४८	४८
गति	५७ ३३	७३६ २१	१८ ०२	१२४ ४८	०६ व. ४१	७१ १०	०३ व. २७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रोहि. २ च.	अनु. २ च.	श्रव. १ च.	कृत्ति. ३ च.	विशा. १ च.	आर्द्रा ४ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य. ४ च.	श्रव. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, द्वि ज्येष्ठ कृ. पक्ष (दि. ३० मई से १३ जून २०१८ ई०), उत्तरायण, उत्तर-गोल, ग्रीष्म ऋतु, के. अहर्गण २६१२, अयनांश २४:६':३७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३४	११	१	बु.	३६	५२	२१	२५	ज्ये.	५४	२०	२७	१२	सि.	२६	५७	बा.	०७	४५	५:२८	७:०६	द्वि.ज्ये. ६	ज्ये. १७	र. १४	ज्ये. ३०	धनु २७:१२	
३४	१३	२	गु.	४४	५०	२३	२४	मू.	६०	००	–	–	सा.	३१	२२	तै.	१२	१५	५:२८	७:१०	१०	१८	१५	३१	धनु	बुध रोहिणी में २७:५४ बजे, शुक्र पुनर्वसु में, (A)
३४	१५	३	शु.	५०	४२	२५	४५	मू.	०१	००	०५	५२	शुभ.	३३	३०	व.	१७	४०	५:२८	७:१०	११	१६	१६	जू.१	धनु	भद्रा १२:३२ से २५:४५ बजे तक, गण्डमूल, (B)
३४	१७	४	श.	५७	०५	२८	१८	पू.षा.	०८	२५	०८	५०	शु.	३६	०५	ब.	२३	५०	५:२८	७:११	१२	२०	१७	२	मकर १५:३७	चन्द्रोदय २२:२४ बजे, चतुर्थी व्रत
३४	१८	५	र.	६०	००	–	–	उ.षा.	१६	१५	११	५८	ब्र.	३८	५०	कौ.	३०	२०	५:२८	७:११	१३	२१	१८	३	मकर	
३४	२०	५	सो.	०३	३५	०६	५३	श्र.	२४	०५	१५	०५	ऐं.	४१	३०	तै.	०३	३५	५:२७	७:१२	१४	२२	१९	४	कुम्भ २८:३३	पञ्चक प्रा. २८:३३ बजे से।
३४	२१	६	मं.	०९	३५	०९	१६	ध.	३१	१५	१७	५७	वै.	४३	२७	व.	०९	३५	५:२७	७:१२	१५	२३	२०	५	कुम्भ	भद्रा ०९:१६ बजे से २२:२० बजे तक, वक्री शनि,(C)
३४	२३	७	बु.	१४	३०	११	१५	शत.	३७	१२	२०	२०	वि.	४४	२५	ब०	१४	३०	५:२७	७:१३	१६	२४	२१	६	कुम्भ	कालाष्टमी।
३४	२४	८	गु.	१७	५५	१२	३७	पू.भा.	४१	३५	२२	०५	प्री.	४४	०५	कौ.	१७	५५	५:२७	७:१३	१७	२५	२२	७	मीन १५:४३	बुध मृगशिरा में ०६:२७ बजे।
३४	२५	९	शु.	१९	२५	१३	१३	उ.भा.	४३	५७	२३	०२	आयु.	४२	०७	ग.	१९	२५	५:२७	७:१३	१८	२६	२३	८	मीन	भद्रा २५:१३ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. २३:०२ बजे, (D)
३४	२७	१०	श.	१८	५०	१२	५९	रे.	४४	१७	२३	१०	सौ.	३८	३०	वि.	१८	५०	५:२७	७:१४	१९	२७	२४	९	मेष २३:१०	भद्रा १२:५९ बजे तक,पञ्चक समा. २३:१० बजे।
३४	२८	११	र.	१६	१०	११	५५	अश्वि.	४२	३५	२२	२६	शो.	३३	१२	बा.	१६	१०	५:२७	७:१४	२०	२८	२५	१०	मेष	गण्डमूल समा. २२:२६ बजे, बुध मिथुन में (E)
३४	२९	१२	सो.	११	३२	१०	०४	भ.	३९	०७	२१	०६	अति.	२६	०२	तै.	११	३२	५:२७	७:१५	२१	२९	२६	११	वृष २६:३६	शुक्र पुष्य में २२:५६ बजे, सोम प्रदोष व्रत।
३४	३०	१३ १४	मं.	०५ ५७	१७ ४७	०७ २८	३४ ३४	कृ.	३४	१०	१९	०७	सु.	१८	२५	व.	०५	१७	५:२७	७:१५	२२	३०	२७	१२	वृष	भद्रा ०७:३४ बजे से १८:०७ बजे तक, मास शिवरात्रि।
३४	३०	३०	बु.	४६	२५	२५	१३	रो.	२८	१०	१९	४३	धृ. शू.	०६ ५६	२२ ४२	चतु.	२३	४२	५:२७	७:१५	२३	३१	२८	१३	मिथुन २७:२५	बुध आर्द्रा में १०:२१ बजे, अमावस्या, रोहिणी व्रत, (F)

(A) १५:०८ बजे, विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस। (B) समा. ०५:५२ बजे। (C) मूल में ०६:३० बजे, विश्व पर्यावरण दिवस। (D) सूर्य मृगशिरा में १२:१६ बजे, शुक्र कर्क में २६:४१ बजे। (E) ०७:३२ बजे, कमला एकादशी व्रत (स.)। (F) पुरुषोत्तम मास समाप्त।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	१०	०९	०१	०६	०२	०८	०३	०९
अं.	२२	२५	१२	२३	२०	२७	१३	१४	१४
क.	०८	११	४६	२०	५२	५०	१२	२८	२८
वि.	३९	३६	५८	००	५८	०३	११	११	११
गति	५७ २५	७५३ ५२	१३ १४	१५१ ५६	०५ व. ४१	०७ ३२	०३ व. ५६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रोहि. ४ च.	पू.भा. २ च.	श्रव १ च.	रोहि. ४ च.	विशा. १ च.	पुन. ३ च.	मूल. ४ च.	पुष्य ४ च.	श्रव. २ च.

७ जून २०१८, प्रातः ६:२७

रा.४ | सू.बु. २ | शु. ३ | ५ | १ | ६ | १२ | ७ गु. | ९ श. | ११ चं. | ८ | १० मं. के.

द्वि. ज्येष्ठ कृ. ८, गुरुवार

इस मास में पाँच बुधवार और पाँच गुरुवार हैं तथा मिथुन की संक्रान्ति शुक्रवार को है, अतः वर्षा कहीं कम तथा कहीं अधिक होगी। घी, गुड़, शक्कर, चीनी, तैल एवं पेयपदार्थों के भाव तेज रहेंगे। सूत, सन, रेशम आदि के भाव भी तेज रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद गिरावट का रुख रहेगा।

१३ जून २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु.रा. ४ | सू.चं. २ | बु. ३ | ५ | १ | ६ | १२ | ७ गु. | ९ श. | ११ | ८ | १० मं.के.

द्वि. ज्येष्ठ कृ. ३०, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०१	०१	०९	०२	०६	०३	०८	०३	०९
अं.	२७	१६	१३	०६	२०	०४	१२	१४	१४
क.	५२	५८	५७	१९	२१	५२	४७	०९	०९
वि.	५९	१५	१३	२९	४६	१०	४२	०६	०६
गति	५७ २१	८६५ ३९	०९ २८	१२५ ३२	०४ व. ५१	७० ०५	०४ व. ११	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मृग. २ च.	रोहि. ३ च.	श्रव. २ च.	मृग. ४ च.	विशा. १ च.	पुष्य. १ च.	मूल ४ च.	पुष्य. ४ च.	श्रव. २ च.

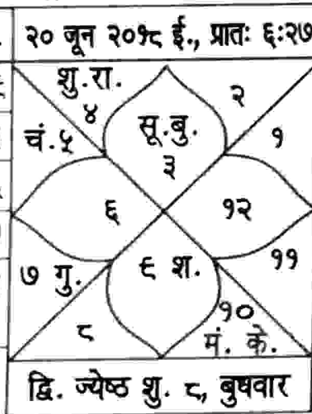
वि. सं. २०७५, शाके १९४०, द्वि ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (शुद्ध) (दि. १४ जून से २८ जून २०१८ ई०), उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तर-गोल, ग्रीष्म/वर्षा ऋतु, के. अहर्गण २९१२, अयनांश २४:६:३९"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३४	३१	१	गु.	४०	३७	२१	४२	मृ.	२१	३२	१४	०४	गं.	४६	४५	किं.	१५	०२	५:२७	७:१६	रा.ज्ये. २४	ज्ये. ३२	रम. २९	जू. १४	मिथुन	बुध उदय २३:२८ बजे।
३४	३२	२	शु.	३१	४७	१८	१०	आ.	१४	४५	११	२१	वृ.	३६	५०	बा.	०६	१०	५:२७	७:१६	२५	आ. १	३०	१५	कर्क २७:२२	सूर्य मिथुन में ११:३६ बजे (मिथुन संक्रान्ति), (A)
३४	३२	३	श.	२३	१७	१४	४६	पुन.	०८	१०	०८	४३	ध्रु.	३०	१५	ग.	२३	१७	५:२७	७:१६	२६	२	स. १	१६	कर्क	भद्रा २५:१० बजे से प्रा., महाराणा प्रताप जयंती, (B)
३४	३३	४	र.	१५	३०	११	३६	पु. आश्ले.	०२ ५७	१२ १०	०६ २८	२० १९	व्या.	२१	१७	वि.	१५	३०	५:२७	७:१७	२७	३	२	१७	सिंह २८:१६	भद्रा ११:३६ बजे तक, गण्डमूल प्रा. ६:२० बजे, (C)
३४	३३	५	सो.	०८	४०	०८	५५	म.	५३	१७	२६	४६	ह.	१३	१२	बा.	०८	४०	५:२७	७:१७	२८	४	३	१८	सिंह	गण्डमूल समा. २६:४६ बजे, वक्री गुरु स्वाति में, (D)
३४	३३	६ ७	मं.	०० ५८	३२ ४७	०६ २८	४१ ५९	पू.फा.	५०	४२	२५	४५	व.	०३	३२	तै.	००	३२	५:२८	७:१७	२९	५	४	१९	सिंह	भद्रा २८:५९ बजे से प्रा., बुध पुनर्वसु में २६:४१ बजे,(E)
३४	३४	८	बु.	५५	५७	२७	५१	उ.फा.	४९	३७	२५	१९	सि. व्य.	०० ५५	०२ १०	वि.	२७	१२	५:२८	७:१७	३०	६	५	२०	कन्या ७:३५	भद्रा १६:२१ बजे तक, दुर्गाष्टमी, मेला क्षीरभवानी (F)
३४	३४	९	गु.	५४	३७	२७	१९	ह.	४९	५७	२५	२७	वरि.	५१	३५	बा.	२५	०७	५:२८	७:१८	३१	७	६	२१	कन्या	सायन सूर्य कर्क में १५:३७ बजे, वर्षा ऋतु प्रा.,(G)
३४	३४	१०	शु.	५४	४०	२७	२०	चित्रा	५१	४०	२६	०८	परि.	४९	०५	तै.	२४	२७	५:२८	७:१८	रा.आ. १	८	७	२२	तुला १३:४३	सूर्य आर्द्रा में ११:११ बजे, भारतीय आषाढ़ आरम्भ,(H)
३४	३४	११	श.	५६	०२	२७	५३	स्वा.	५४	४०	२७	२०	शि.	४७	३५	व.	२५	१०	५:२८	७:१८	२	९	८	२३	तुला	भद्रा १५:३२ बजे से २७:५३ बजे तक, शुक्र आश्लेषा (I)
३४	३३	१२	र.	५८	३२	२८	५४	वि.	५८	४०	२९	०१	सि.	४७	०२	ब.	२७	०७	५:२९	७:१८	३	१०	९	२४	वृश्चिक २२:२३	निर्जला एकादशी व्रत (निम्बार्क)।
३४	३३	१३	सो.	६०	००	–	–	अनु.	६०	००	–	–	सा.	४७	२५	कौ.	३०	१५	५:२९	७:१८	४	११	१०	२५	वृश्चिक	बुध कर्क में १८:०४ बजे, सोम प्रदोष व्रत।
३४	३३	१३	मं.	०२	१२	०६	२२	अनु.	०४	०५	०७	०७	शुभ	४८	३०	तै.	०२	१२	५:२९	७:१८	५	१२	११	२६	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. ०७:०७ बजे, मंगल वक्री २६:३४ बजे।
३४	३२	१४	बु.	०६	५०	०८	१३	ज्ये.	१०	१५	०९	३५	शु	५०	१७	व.	०६	५०	५:२९	७:१९	६	१३	१२	२७	धनु ६:३५	भद्रा ०८:१३ बजे से २१:१६ बजे तक, बुध पुष्य में (J)
३४	३२	१५	गु.	१२	१२	१०	२३	मू.	१७	०७	१२	२१	ब्र.	५२	३२	ब.	१२	१२	५:३०	७:१९	७	१४	१३	२८	धनु	गण्डमूल समा. १२:२१ बजे, वटसावित्री व्रत (K)

(A) चन्द्रदर्शन, काशी दशाश्वमेध स्नान प्रा., संक्रान्ति पुण्यकाल ११:३६ से १८:०० बजे तक। **(B)** रम्भा तृतीया, मु. सव्वाल प्रा., ईद उल फितर। **(C)** विनायक चतुर्थी। **(D)** ०५:४४ बजे। **(E)** अरण्य षष्ठी, विन्ध्यवासिनी पूजा। **(F)** (कश्मीर), धूमावती जयन्ती। **(G)** दक्षिणायन प्रा.। **(H)** गंगा दशहरा, गायत्री जयन्ती, रामेश्वर प्रतिष्ठा। **(I)** में १०:१५ बजे, निर्जला एकादशी व्रत (स्मा.+वै.)। **(J)** १९:१८ बजे, पूर्णिमा व्रत। **(K)** (दाक्षिणात्य), वटपूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, सत्यव्रत, मन्वादि (वैवस्वत)

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०४	०९	०२	०६	०३	०८	०३	०९
अं.	०४	२९	१४	२०	१९	१३	१२	१३	१३
क.	३४	२१	४९	१७	५२	००	१७	४६	४६
वि.	११	००	११	३९	१५	५७	४३	५१	५१
गति	५७ १६	८१० ५६	०४ ३८	१११ १७	०३ व. ४४	३९ २८	०४ व. २१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मृग. ४ च.	उ.फा. १ च.	श्रव २ च.	पुन. १ च.	स्वा. ४ च.	पुष्य. ३ च.	मूल. ४ च.	पुष्य ४ च.	श्रव. २ च.

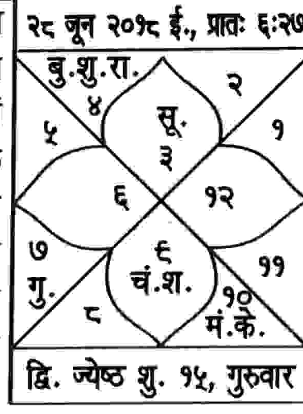
२० जून २०१८ ई., प्रातः ६:२७



द्वि. ज्येष्ठ शु. ८, बुधवार

इस मास में मिथुन राशिस्थ सूर्य-बुध का कर्क राशिस्थ शुक्र-राहु से द्विर्द्वादश, शनि से समसप्तक एवं मकर राशिस्थ मंगल-केतु से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण तथा गुरु से त्रिकोण सम्बन्ध होने के कारण सैनिक कार्यवाही में अत्यधिक मात्रा में आतंकियों एवं नक्सलियों का सफाया होगा। कई नक्सलियों के समर्पण करने की सम्भावना है।

२८ जून २०१८ ई., प्रातः ६:२७



द्वि. ज्येष्ठ शु. १५, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०८	०९	०३	०६	०३	०८	०३	०९
अं.	१२	१०	१५	०४	१९	२२	११	१३	१३
क.	१२	२४	०५	०३	२८	१३	४२	२१	२१
वि.	००	१८	५३	५८	२९	४२	३०	२५	२५
गति	५७ ११	७१२ ५२	०१ व. १५	६२ ५२	०२ व. ११	७८ ३७	०४ व. ०२५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आर्द्रा २ च.	मूल ४ च.	श्रव. २ च.	पुष्य १ च.	स्वा. ४ च.	आश्ले. २ च.	मूल ४ च.	पुष्य. ४ च.	श्रव. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, आषाढ़ कृ. पक्ष (दि. २९ जून से १३ जुलाई २०१८ ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण २६४१, अयनांश २४:६':४१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टै. समय में)
३४	३१	१	शु.	१८	१२	१२	४७	पू.षा.	२४	३७	१५	२१	ऐं.	५५	१०	कौ.	१८	१२	५:३०	७:१६	रा.अ. ८	आ. १५	सं. १४	जू. २९	मकर २२:०८	अशून्य शयन व्रत, हर गोविन्द सिंह जयन्ती।
३४	३०	२	श.	२४	५५	१५	२१	उ.षा.	३२	२७	१८	२६	वै.	५७	५७	ग.	२४	५५	५:३०	७:१६	९	१६	१५	३०	मकर	भद्रा २८:३८ बजे प्रा.,
३४	२९	३	र.	३१	००	१७	५५	श्र.	४०	१५	२१	३७	वि.	६०	००	वि.	३१	००	५:३१	७:१६	१०	१७	१६	जुला. १	मकर	भद्रा १७:५५ बजे तक, चन्द्रोदय २१:४४ बजे, चतुर्थी व्रत।
३४	२९	४	सो.	३७	०५	२०	२१	धनि.	४७	४०	२४	३५	वि.	००	३५	ब.	०४	०५	५:३१	७:१६	११	१८	१७	२	कुम्भ ११:०८	पञ्चक प्रा. ११:०८ बजे से।
३४	२८	५	मं.	४२	२२	२२	२८	शत.	५४	१७	२७	१४	प्री.	०२	५२	कौ.	०६	५२	५:३१	७:१६	१२	१९	१८	३	कुम्भ	
३४	२६	६	बु.	४६	२७	२४	०७	पू.भा.	५९	३७	२९	२३	आयु.	०४	२२	ग.	१४	३५	५:३२	७:१६	१३	२०	१९	४	मीन २२:५४	भद्रा २४:०७ बजे प्रा., शुक्र मघा सिंह में २६:२५ बजे।
३४	२५	७	गु.	४८	५७	२५	०७	उ.भा.	६०	००	-	-	सौ.	०४	५२	वि.	१७	५५	५:३२	७:१६	१४	२१	२०	५	मीन	भद्रा १२:४२ बजे तक, भानुसप्तमी।
३४	२४	८	शु.	४९	३५	२५	२३	उ.भा.	०३	२२	०६	५४	शो.	०४	०२	बा.	१९	२७	५:३३	७:१६	१५	२२	२१	६	मीन	गण्डमूल प्रा. ०६:५४ बजे, सूर्य पुनर्वसु में (A)
३४	२३	९	श.	४८	१२	२४	५०	रे.	०५	१७	०७	४०	अति-सु.	०१ ५७	४५ ५४	तै.	१९	१०	५:३३	७:१८	१६	२३	२२	७	मेष ७:४०	पञ्चक समा. ०७:४० बजे, बुध आश्लेषा में ०८:४६ बजे।
३४	२१	१०	र.	४४	५२	२३	३१	अश्वि.	०५	१०	०७	३८	धृ.	५२	२०	व.	१६	३५	५:३४	७:१८	१७	२४	२३	८	मेष	भद्रा १२:१६ बजे से २३:३१ बजे तक, गण्डमूल समा. (B)
३४	२०	११	सो.	३९	४२	२१	२७	भ. कृ.	०३ ५९	१० २५	०६ २९	५० २०	शू.	४५	२२	ब.	१२	३०	५:३४	७:१८	१८	२५	२४	९	वृष १२:३२	योगिनी एकादशीव्रत (स.)।
३४	१८	१२	मं.	३३	००	१८	४६	रो.	५४	१२	२७	१५	गं.	३७	०७	कौ.	०६	३२	५:३४	७:१८	१९	२६	२५	१०	वृष	गुरु मार्गी २२:३२ बजे, भौम प्रदोष व्रत।
३४	१७	१३	बु.	२४	५७	१५	३४	मृग.	४७	५०	२४	४३	वृ.	२७	५०	व.	२४	५७	५:३५	७:१८	२०	२७	२६	११	मिथुन १४:०२	भद्रा १५:३४ बजे से २५:५० बजे तक, मास शिवरात्रि, (C)
३४	१५	१४	गु.	१६	०७	१२	०२	आ.	४०	४७	२१	५४	ध्रु.	१७	५०	शकु.	१६	०७	५:३५	७:१८	२१	२८	२७	१२	मिथुन	अमावस्या श्राद्धादि, कूर्म जयन्ती।
३४	१३	३०	शु.	०६	४५	०८	१८	पुन.	३३	२५	१८	५८	व्या. ह.	०७ ५७	२५ ००	ना.	०६	४५	५:३६	७:१७	२२	२९	२८	१३	कर्क १३:४२	अमावस्या स्नानादि, गुप्तनवरात्रारम्भ।

(A) १०:५० बजे, कालाष्टमी। (B) ०७:३८ बजे । (C) विश्व जनसंख्या दिवस।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	११	०९	०३	०६	०४	०८	०३	०९
अं.	१९	१६	१४	१५	१९	०१	११	१२	१२
क.	४९	२५	३४	१९	१५	१९	०७	५५	५५
वि.	३२	५४	४८	४०	५६	०९	२१	५९	५९
गति	६७ १२	७७४ ३७	०७ व. १४	७३ १५	०० व. ४५	६७ ३८	०४ व. २०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आर्द्रा ४ च.	उ.भा. ४ च.	श्रव २ च.	पुष्य. ४ च.	स्वा. ४ च.	मघा. १ च.	मूल. ४ च.	पुष्य ३ च.	श्रव. १ च.

६ जुलाई २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. ५
सू. ३
६
बु.रा. ४
२
७ गु.
१
८
१० मं. के.
१२ चं.
९ श.
११

आषाढ़ कृ. ८, शुक्रवार

इस मास में पाँच शुक्रवार हैं और कर्क की संक्रान्ति सोमवार को है, अतः अन्न आदि के भाव मन्दे रहेंगे, किन्तु शुक्र के सिंह राशि में होने के कारण लाल वस्तुओं, मसूर, मल्का, लाल मिर्च, गाजर, टमाटर आदि के भाव तेज रहेंगे। सोना, चौपाया पशुओं एवं वाहनों के भाव भी तेज रहेंगे। शेयर बाजार में घटाबढ़ी के बाद मन्दी का रुख रहेगा।

१३ जुलाई २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु.५
सू.चं. ३
६
बु.रा. ४
२
७ गु.
१
८
१० मं.के.
१२
९ श.
११

आषाढ़ कृ. ३०/१, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०२	०२	०९	०३	०६	०४	०८	०३	०९
अं.	२६	२५	१३	२२	१९	०९	१०	१२	१२
क.	३०	२४	२९	५३	१४	०९	३७	३३	३३
वि.	०६	२३	३६	५०	२५	४१	३१	४३	४३
गति	५७ १४	६११ ४५	११ व. ५४	४२ ४३	०० मा. ३१	६६ ३८	०४ व. ०९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुन. २ च.	पुन. २ च.	श्रव. २ च.	आश्ले. २ च.	स्वा. ४ च.	मघा. ३ च.	मूल. ४ च.	पुष्य. ३ च.	श्रव. १ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दि. १४ जुलाई से २७ जुलाई २०१८ ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण २६५१, अयनांश २४:६':४४"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
०	०	**१**	**शु.**	५७	२०	२८	३२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	**०**	०	
३४	११	**२**	**श.**	४८	१७	२४	५५	पु.	२६	१५	१६	०६	व.	४६	५२	बा.	२२	४५	५:३६	७:१७	रा.आ. २३	आ. ३०	स. २९	जुला. **१४**	कर्क	गण्डमूल प्रा. १६:०६ बजे, जगन्नाथ रथयात्रा, **(A)**
३४	०९	**३**	**र.**	३९	५५	२१	३५	आश्ले.	१९	३७	१३	२८	सि.	३७	१७	तै.	१३	५७	५:३७	७:१७	२४	३१	जि. १	**१५**	सिंह १३:२८	मु. जिल्काद प्रा.।
३४	०७	**४**	**सो.**	३२	४०	१८	४१	म.	१३	५७	११	१२	व्य.	२८	३७	व.	०६	०७	५:३७	७:१६	२५	श्रा. १	२	**१६**	सिंह	भद्रा ०८:०४ बजे से १८:४१ बजे तक, गण्डमूल समा. **(B)**
३४	०५	**५**	**मं.**	२६	४२	१६	१९	पू.फा.	०९	३२	०९	२७	वरि.	२१	०२	बा.	२६	४२	५:३८	७:१६	२६	२	३	**१७**	कन्या १५:०७	
३४	०३	**६**	**बु.**	२२	२७	१४	३७	उ.फा.	०६	४२	०८	१९	परि.	१४	५०	तै.	२२	२७	५:३८	७:१६	२७	३	४	**१८**	कन्या	कुसुम्बा षष्ठी, कुमार षष्ठी।
३४	००	**७**	**गु.**	१९	५२	१३	३६	ह.	०५	३५	०७	५३	शि.	०९	५७	व.	१९	५२	५:३९	७:१५	२८	४	५	**१९**	तुला १९:५६	भद्रा १३:३६ बजे से २५:२२ बजे तक, शीतला सप्तमी।
३३	५८	**८**	**शु.**	१९	०७	१३	१९	चि.	०६	१२	०८	०९	सि.	०६	३५	ब.	१९	०७	५:४०	७:१५	२९	५	६	**२०**	तुला	सूर्य पुष्य में १०:१७ बजे, दुर्गाष्टमी, शीतलाष्टमी, **(C)**
३३	५६	**९**	**श.**	२०	१०	१३	४४	स्वा.	०८	३७	०९	०७	सा.	०४	३७	कौ.	२०	१०	५:४०	७:१४	३०	६	७	**२१**	वृश्चिक २८:१६	भड्डली नवमी, गुप्तनवरात्र समाप्त, **(D)**
३३	५३	**१०**	**र.**	२२	४७	१४	४८	वि.	१२	३७	१०	४४	शुभ	०३	५७	ग.	२२	४७	५:४१	७:१४	३१	७	८	**२२**	वृश्चिक	भद्रा २७:३२ बजे से प्रा., सायन सूर्य सिंह में २६:३० बजे।
३३	५१	**११**	**सो.**	२६	४७	१६	२४	अनु.	१८	००	१२	५३	शु.	०४	२५	वि.	२६	४७	५:४१	७:१४	रा.श्रा. १	८	९	**२३**	वृश्चिक	भद्रा १६:२४ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १२:५३ बजे, **(E)**
३३	४८	**१२**	**मं.**	३१	५०	१८	२६	ज्ये.	२४	२५	१५	२८	ब्र.	०५	४५	बा.	३१	५०	५:४२	७:१३	२	९	१०	**२४**	धनु १५:२८	वासुदेव द्वादशी।
३३	४५	**१३**	**बु.**	३७	४०	२०	४६	मू.	३१	३७	१८	२१	ऐं.	०७	४७	कौ.	०४	४०	५:४२	७:१३	३	१०	११	**२५**	धनु	गण्डमूल समा. १८:२१ बजे, प्रदोष व्रत।
३३	४३	**१४**	**गु.**	४३	५२	२३	१६	पू.षा.	३९	१५	२१	२५	वै.	१०	१५	ग.	१०	४२	५:४३	७:१२	४	११	१२	**२६**	मकर २८:१२	भद्रा २३:१६ बजे से, बुध वक्री १०:३२ बजे।
३३	४०	**१५**	**शु.**	५०	१७	२५	५०	उ.षा.	४७	०५	२४	३३	वि.	१२	५७	वि.	१७	०५	५:४३	७:१२	५	१२	१३	**२७**	मकर	भद्रा १२:३३ बजे तक, वक्री मंगल उ.षा. में १३:४० बजे, **(F)**

(A) मनोरथ द्वितीया, चन्द्रदर्शन। **(B)** ११:१२ बजे, सूर्य कर्क में, कर्क संक्रान्ति २२:२७ बजे, शुक्र पू.फा. में २४:५३ बजे, विनायक चतुर्थी, संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक। **(C)** अष्टाह्निक आरम्भ। **(D)** मेला शरीफ भवानी (कश्मीर)। **(E)** भारतीय श्रावण आरम्भ, देवशयनी एकादशी व्रत (स.), चातुर्मास्यारम्भ। **(F)** बुधास्त २८:१८ बजे, पूर्णिमा व्रत, पवन परीक्षा, गुरुपूर्णिमा, अष्टाह्निक पर्व समाप्त, सत्यव्रत, सन्यासियों का चातुर्मास्यारम्भ, व्यासपूर्णिमा, जयापार्वतीव्रत, कोकिला व्रत, खग्रास चन्द्रग्रहण।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०६	०९	०३	०६	०४	०८	०३	०९
अं.	०३	०५	११	२७	१९	१६	१०	१२	१२
क.	१०	४४	५५	४९	२१	५२	०९	११	११
वि.	५२	३८	४२	१९	४८	४५	१९	२८	२८
गति	५७ १५	८३० ४६	२७ व. ३२	२६ ३६	०१ ४६	६५ २७	०३ व. २१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुन. ४ च.	चित्रा. ४ च.	श्रव. १ च.	आश्ले. ४ च.	स्वा. ४ च.	पू.फा. २ च.	मूल. ४ च.	पुष्य ३ च.	श्रव. १ च.

२० जुलाई २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. ५
३
सू.बु.रा. ४
२
६
गु.चं.७
१
१० मं. के.
८
१२
९ श.
११

आषाढ़ शु. ८, शुक्रवार

इस मास में सूर्य-बुध-राहु की युति उनका शुक्र से द्विर्द्वादश सम्बन्ध शनि से षडष्टक, मंगल-केतु से समसप्तक तथा मंगल-केतु का शनि से द्विर्द्वादश एवं शुक्र से षडष्टक-सम्बन्ध होने के कारण सत्तापक्ष एवं विपक्ष में मुद्दों के आधार पर जोरदार नौंक-झौंक होगी। भारतीय सेना की चीन की सीमाओं पर दखलन्दाजी से राजनैतिक सम्बन्धों में दरार पड़ने की सम्भावना है। तूफान, अग्निकाण्ड, भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदाओं से जन-धन की हानि की सम्भावना है।

२७ जुलाई २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. ५
३
सू.बु.रा. ४
२
६
७ गु.
१
१० मं.चं.के.
८
१२
९ श.
११

आषाढ़ शु. १५, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०९	०९	०३	०६	०४	०८	०३	०९
अं.	०९	०१	१०	२९	१९	२४	०९	११	११
क.	५१	०६	०४	१८	३७	२६	४३	४९	४९
वि.	४९	२१	५५	५२	५२	४१	२९	१२	१२
गति	५७ २९	७०७ ५२	१६ व. २३	०६ व. ४३	०२ ५६	५३ ५६	०३ व. २८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पुष्य. २ च.	उ.षा. २ च.	श्रव. १ च.	आश्ले. ४ च.	स्वा. ४ च.	पू.फा. ४ च.	मूल. ३ च.	पुष्य. ३ च.	श्रव. १ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, श्रावण कृष्ण पक्ष (दि. २८ जुलाई से ११ अगस्त २०१८ ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा ऋतु, के. अहर्गण २६७०, अयनांश २४:६':४६"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३३	३७	१	श.	५६	३०	२८	२०	श्र.	५४	४२	२७	३७	प्री.	१५	३७	बा.	२३	२५	५:४४	७:११	व.श्रा. ६	श्रा. १३	जि. १४	जुला. २८	मकर	हिण्डोले प्रा. (व्रजमण्डल), अशून्य शयन व्रत।
३३	३४	२	र.	६०	००	–	–	ध.	६०	००	–	–	आयु.	१८	०५	तै.	२६	२७	५:४५	७:११	७	१४	१५	२९	कुम्भ १७:०६	पञ्चक प्रा. १७:०६ बजे, शुक्र उ.फा. में ०८:३३ बजे।
३३	३१	२	सो.	०२	१७	०६	४०	ध.	०१	५७	०६	३२	सौ.	२०	१२	ग.	०२	१७	५:४५	७:१०	८	१५	१६	३०	कुम्भ	भद्रा १६:४४ बजे से प्रा., श्रावण सोमवार व्रत।
३३	२८	३	मं.	०७	२२	०८	४३	शत.	०८	३०	०९	१०	शो.	२१	४२	वि.	०७	२२	५:४६	७:०९	९	१६	१७	३१	मीन २८:५४	भद्रा ०८:४३ बजे तक, चन्द्रोदय २१:३१ बजे, **(A)**
३३	२५	४	बु.	११	३२	१०	२३	पू.भा.	१४	१०	११	२६	अति.	२२	२५	बा.	११	३२	५:४६	७:०९	१०	१७	१८	अग. १	मीन	शुक्र कन्या में १२:२७ बजे।
३३	२२	५	गु.	१४	२५	११	३३	उ.भा.	१८	३२	१३	१२	सु.	२२	०७	तै.	१४	२५	५:४७	७:०८	११	१८	१९	२	मीन	गण्डमूल प्रा. १३:१२ बजे, गुरु विशाखा में १६:५३ बजे, **(B)**
३३	१९	६	शु.	१५	५२	१२	०८	रे.	२१	३५	१४	२५	धृ.	२०	४०	व.	१५	५२	५:४७	७:०७	१२	१९	२०	३	मेष १४:२५	भद्रा १२:०८ बजे से २४:१२ बजे तक, पञ्चक समा. **(C)**
३३	१६	७	श.	१५	४२	१२	०५	अश्वि.	२२	५७	१४	५९	शू.	१७	५७	ब.	१५	४२	५:४८	७:०६	१३	२०	२१	४	मेष	गण्डमूल समा. १४:५९ बजे, भानु सप्तमी, **(D)**
३३	१२	८	र.	१३	५०	११	२१	भ.	२२	४०	१४	५३	गं.	१३	५०	कौ.	१३	५०	५:४९	७:०६	१४	२१	२२	५	वृष २०:४६	
३३	०९	९	सो.	१०	१७	०९	५६	कृ.	२०	४५	१४	०७	वृ.	०८	२५	ग.	१०	१७	५:४९	७:०५	१५	२२	२३	६	वृष	भद्रा २०:५६ बजे से प्रा., श्रावण सोमवार व्रत।
३३	०६	१०/११	मं.	०५/५८	०७/३५	०७/२६	५३/१६	रो.	१७	१५	१२	४४	ध्रु./व्या.	०१/५३	३७/४२	वि.	०५	०७	५:५०	७:०४	१६	२३	२४	७	मिथुन २३:४९	भद्रा ०७:५३ बजे तक, कामिका एकादशी व्रत (स्मार्त), **(E)**
३३	०२	१२	बु.	५०	५२	२६	११	मृ.	१२	२२	१०	४७	ह.	४४	४७	कौ.	२४	५०	५:५०	७:०३	१७	२४	२५	८	मिथुन	कामिका एकादशी व्रत (वैष्णव)।
३२	५९	१३	गु.	४२	१५	२२	४५	आ./पुन.	०६/५९	३२/४२	०६/२९	३५/४४	व.	३५	०५	ग.	१६	३७	५:५१	७:०३	१८	२५	२६	९	कर्क २४:२५	भद्रा २२:४५ बजे से प्रा., प्रदोष व्रत, मासशिवरात्रि।
३२	५६	१४	शु.	३३	१२	१९	०८	पु.	५२	३७	२६	५४	सि.	२५	००	वि.	०७	४५	५:५१	७:०२	१९	२६	२७	१०	कर्क	भद्रा ०८:५७ बजे तक, गण्डमूल प्रा. २६:५४ बजे।
३२	५२	३०	श.	२४	००	१५	२८	आश्ले.	४५	३२	२४	०५	व्य.	१४	४०	ना.	२४	००	५:५२	७:०१	२०	२७	२८	११	सिंह २४:०५	शुक्र हस्त में ०६:३४ बजे, हरियाली अमावस्या, **(F)**

(A) चतुर्थीव्रत, मंगला गौरी व्रत। **(B)** नाग पंचमी (बंगाल, बिहार)। **(C)** १४:२५ बजे, सूर्य आश्लेषा में ०९:१५ बजे। **(D)** शीतला सप्तमी, कालाष्टमी। **(E)** मंगला गौरी व्रत। **(F)** शनैश्चरी अमावस्या, बाल गंगाधर तिलक जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	००	०९	०३	०६	०५	०८	०३	०९
अं.	१८	२१	०७	२५	२०	०३	०९	११	११
क.	२८	५४	४०	२८	१०	५३	१४	२०	२०
वि.	१०	५५	३४	३६	४४	५३	३९	३५	३५
गति	५७ २८	८७९ १३	१४ व. ५७	४४ व. २७	०४ ३८	६१ ३३	०२ व. ५८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आश्ले. १ च.	भर. ३ च.	उ.षा. ४ च.	आश्ले. ३ च.	विशा. १ च.	उ.फा. ३ च.	मूल. ३ च.	पुष्य ३ च.	श्रव. १ च.

५ अगस्त २०१८ ई., प्रातः ६:२७

५   ३
शु. ६   सू.बु.रा. ४   २
गु. ७   १ चं.
८   १० मं. के.   १२
९ श.   ११

श्रावण कृ. ८, रविवार

इस मास में पाँच शनिवार तथा पाँच रविवार हैं और सिंह की संक्रान्ति शुक्रवार को है, अतः प्रजा में महामारी, चोरी, डकैती आदि से अशान्ति का वातावरण रहेगा। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि से कृषक वर्ग चिन्तित रहेगा। संक्रामक रोगों से जन-धन की हानि की सम्भावना है।

११ अगस्त २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. ६   सू.बु.च.रा. ४
७ गु.   ५   ३
८   २
९ श.   ११   १
१० मं.के.   १२

श्रावण कृ. ३०, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०३	०३	०९	०३	०६	०५	०८	०३	०९
अं.	२४	१८	०६	२०	२०	०९	०८	११	११
क.	१३	५४	१७	५१	३९	५९	५८	०१	०१
वि.	१६	१८	२०	१९	५६	४४	४०	३१	३१
गति	५७ ३६	९९५ १३	१२ व. ०५	४२ व. ३६	०५ ३४	५९ ५२	०२ व. २३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	आश्ले. ३ च.	आश्ले. १ च.	उ.षा. ३ च.	आश्ले. २ च.	विशा. १ च.	उ.फा. ४ च.	मूल. ३ च.	पुष्य. ३ च.	श्रव. १ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, श्रावण शुक्ल पक्ष (दि. १२ अगस्त से २६ अगस्त २०१८ ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, वर्षा/शरद् ऋतु, के. अहर्गण २३८८५, अयनांश २४:६:४८"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३२	४६	**१**	**र.**	१५	०२	११	५४	**म.**	३८	५५	२१	२७	**वरि. परि.**	०४ ५४	३२ ५५	**ब.**	१५	०२	५:५३	७:००	रा.श्र. २१	श्रा. २८	जि. २६	**अ. १२**	सिंह	गण्डमूल समा. २१:२७ बजे, चन्द्रदर्शन, सिन्धारा।
३२	४५	**३**	**सो.**	०६ ५६	५० ४०	०८ २६	३७ ४५	**पू.फा.**	३३	१०	१६	०६	**शि.**	४६	०७	**कौ.**	०६	५०	५:५३	६:५६	२२	२६	जि. १	**१३**	कन्या २४:३६	हरियाली तीज, मधुश्रवा तृतीया, स्वर्णगौरी व्रत, (A)
३२	४१	**४**	**मं.**	५३	५५	२७	२८	**उ.फा.**	२८	४०	१७	२२	**सि.**	३८	२५	**व.**	२६	३५	५:५४	६:५८	२३	३०	२	**१४**	कन्या	भद्रा १६:३२ बजे से २७:२८ बजे तक, (B)
३२	३८	**५**	**बु.**	४६	५५	२५	५२	**ह.**	२५	४७	१६	१३	**सा.**	३२	०५	**ब.**	२१	४०	५:५४	६:५७	२४	३१	३	**१५**	तुला २७:५५	नागपञ्चमी, ऋग्यजुर्हिरण्यकेशी श्रावणी उपाकर्म,(C)
३२	३४	**६**	**गु.**	४७	४७	२५	०२	**चि.**	२४	४२	१५	४८	**शुभ**	२७	१५	**कौ.**	१८	३५	५:५५	६:५७	२५	३२	४	**१६**	तुला	बुध उदय १६:५८ बजे, वर्णषष्ठी, कल्कि जयन्ती,(D)
३२	३०	**७**	**शु.**	४७	४५	२५	०१	**स्वा.**	२५	४०	१६	११	**शु.**	२४	०२	**ग.**	१७	३०	५:५५	६:५६	२६	भाद्र. १	५	**१७**	तुला	भद्रा २५:०१ बजे से प्रा., सूर्य मघा में सिंह संक्रान्ति, (E)
३२	२७	**८**	**श.**	४६	३७	२५	४७	**वि.**	२८	३२	१७	२१	**ब्र.**	२२	२२	**वि.**	१८	२५	५:५६	६:५५	२७	२	६	**१८**	वृश्चिक १०:५६	भद्रा १३:१८ बजे तक, दुर्गाष्टमी, मेला श्रीनयनादेवी,(F)
३२	२३	**९**	**र.**	५३	१७	२७	१५	**अनु.**	३३	१२	१९	१३	**ऐं.**	२२	१२	**बा.**	२१	१५	५:५६	६:५४	२८	३	७	**१९**	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. १९:१३ बजे, बुध मार्गी ०६:५४ बजे।
३२	१९	**१०**	**सो.**	५८	२०	२९	१७	**ज्ये.**	३९	२०	२१	४१	**वै.**	२३	१२	**तै.**	२५	३७	५:५७	६:५३	२९	४	८	**२०**	धनु २१:४१	श्रावण सोमवार व्रत।
३२	१५	**११**	**मं.**	६०	००	–	–	**मू.**	४६	३०	२४	३३	**वि.**	२५	१०	**व.**	३१	१२	५:५७	६:५२	३०	५	९	**२१**	धनु	भद्रा १८:२६ बजे से प्रा., गण्डमूल समा. २४:३३ बजे,(G)
३२	११	**११**	**बु.**	०४	४२	०७	४१	**पू.षा.**	५४	१२	२७	३६	**प्री.**	२७	४०	**वि.**	०४	४२	५:५८	६:५१	३१	६	१०	**२२**	धनु	भद्रा ०७:४१ बजे तक, पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी व्रत,(H)
३२	०८	**१२**	**गु.**	१०	४५	१०	१६	**उ.षा.**	६०	००	–	–	**आयु.**	३०	२२	**बा.**	१०	४५	५:५८	६:५०	रा.भा. १	७	११	**२३**	मकर १०:२६	सायन सूर्य कन्या में ६:३८ बजे, भारतीय भाद्रपद प्रा.,(I)
३२	०४	**१३**	**शु.**	१७	०७	१२	५०	**उ.षा.**	०२	००	०६	४७	**सौ.**	३३	००	**तै.**	१७	०७	५:५९	६:४९	२	८	१२	**२४**	मकर	शुक्र चित्रा में २६:४७ बजे।
३२	००	**१४**	**श.**	२३	१०	१५	१६	**श्र.**	०९	३२	०९	४६	**शो.**	३५	१२	**व.**	२३	१०	६:००	६:४८	३	९	१३	**२५**	कुम्भ २३:१४	भद्रा १५:१६ बजे से २८:२४ बजे तक, पञ्चक प्रा.,(J)
३१	४६	**१५**	**र.**	२८	३५	१७	२६	**धनि.**	१६	३०	१२	३६	**अतिः**	३६	५७	**ब.**	२८	३५	६:००	६:४७	४	१०	१४	**२६**	कुम्भ	रक्षाबन्धन, सत्यव्रत, श्रावणी उपाकर्म, हयग्रीवावतार.(K)

(A) श्रावण सोमवार व्रत, मु. जिल्हेज प्रा.। **(B)** विनायक चतुर्थी, दूर्वा गणपतिव्रत, मंगलागौरी व्रत। **(C)** स्वतंत्रता दिवस। **(D)** वराह जयन्ती। **(E)** ०६:५० बजे, गो. तुलसीदास जयंती, शीतला सप्तमी, भानु सप्तमी, सं पुण्यकाल ६:५० बजे से १३:१४ बजे तक, नोरोज (पारसी नववर्ष दिन)। **(F)** मेला ज्वाला जी, मेला चिन्तपूर्णी। **(G)** मंगला गौरी व्रत। **(H)** (स.), ईद उल जुहा (बकरीद) **(I)** शरद् ऋतु प्रा., प्रदोष व्रत। **(J)** २३:१४ बजे, पूर्णिमा व्रत, ओणम। **(K)** अमरनाथदर्शन, हिण्डोले समाप्त (व्रजमण्डल), संस्कृतदिवस।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०६	०९	०३	०६	०५	०८	०३	०९
अं.	००	२७	०५	१७	२१	१६	०८	१०	१०
क.	५६	३६	०६	२९	२०	५१	४३	३९	३९
वि.	४५	३६	३६	४४	५८	०८	४५	१५	१५
गति	५७ ४३	७५६ ०८	०७ व. १५	०४ व. ४०	०६ २६	५७ ११	०१ व. ४७	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मघा. १ च.	विशा. ३ च.	उ.षा. ३ च.	आश्ले. १ च.	विशा. १ च.	हस्त. ३ च.	मूल. ३ च.	पुष्य. ३ च.	श्रव. १ च.

१८ अगस्त २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु.६
बु.रा. ४
गु. चं. ७
सू. ५
३
८
२
११
६ श.
१
१० मं. के.
१२

श्रावण शु. ८, शनिवार

इस मास में सूर्य का बुध-राहु एवं शुक्र से द्विर्द्वादश तथा मंगल-केतु से षडष्टक सम्बन्ध होने के कारण तथा मंगल-केतु का शनि से द्विर्द्वादश सम्बन्ध होने के कारण तथा बुधोदय होने के कारण चीन, उत्तर कोरिया, जापान, यूरोप एवं अमेरिका आदि देशों मे बम विस्फोट, अग्निकाण्ड एवं भूकम्प आदि प्राकृतिक आपदाओं से अत्यधिक मात्रा में जन-धन की हानि की सम्भावना है। भारतीय पश्चिमोत्तर सीमाओं पर सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी।

२६ अगस्त २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु.६
बु.रा. ४
७ गु.
सू. ५
३
८
२
९ श.
११ चं.
१
१० मं.के.
१२

श्रावण शु. १५, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	१०	०९	०३	०६	०५	०८	०३	०९
अं.	०८	०३	०४	२०	२२	२४	०८	१०	१०
क.	३८	३५	३०	२३	१६	१५	३२	१३	१३
वि.	५८	३६	४४	०१	२३	१३	०१	४९	४९
गति	५७ ५३	७२२ ५६	०० व. ५१	५५ मा. १५	०७ ३१	५३ १०	०१ व. ०३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मघा. ३ च.	धनि. ४ च.	उ.षा. ३ च.	आश्ले. २ च.	विशा. १ च.	चित्रा. १ च.	मूल. ३ च.	पुष्य. ३ च.	श्रव. १ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दि. २७ अगस्त से ९ सितम्बर २०१८ ई०), दक्षिणायन, उत्तर-गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण २७००, अयनांश २४:६':५०"

दि. मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३१ ५२	१	सो.	३३	०५	१६	१५	शत.	२२	३७	१५	०४	सु.	३८	००	बा.	००	५५	६:०१	६:४५	रा.भा. ५	भा. ११	जि. १५	अग. २७	कुम्भ	मंगल मार्गी १६:३४ बजे, अशून्य शयन व्रत।
३१ ४८	२	मं.	३६	३७	२०	४०	पू.भा.	२७	४७	१७	०८	धृ.	३८	१५	तै.	०४	५७	६:०१	६:४४	६	१२	१६	२८	मीन १०:३६	
३१ ४४	३	बु.	३६	००	२१	३८	उ.भा.	३१	५५	१८	४८	शू.	३७	३७	व.	०७	५५	६:०२	६:४३	७	१३	१७	२९	मीन	भद्रा ०६:१२ बजे से २१:३८ बजे तक, गण्डमूल प्रा.(A)
३१ ४०	४	गु.	४०	१७	२२	०६	रे.	३४	५७	२०	०१	गं.	३६	१०	ब.	०६	४७	६:०२	६:४२	८	१४	१८	३०	मेष २०:०१	पञ्चक समा. २०:०१ बजे, सूर्य पू.फा. में २६:५३ बजे।(B)
३१ ३६	५	शु.	४०	२२	२२	१२	अश्वि.	३६	४७	२०	४६	वृ.	३३	४२	कौ.	१०	२७	६:०३	६:४१	९	१५	१९	३१	मेष	गण्डमूल समा. २०:४६ बजे।
३१ ३२	६	श.	३९	१५	२१	४५	भ.	३७	२७	२१	०२	ध्रु.	३०	२०	ग.	०९	५७	६:०३	६:४०	१०	१६	२०	सि. १	वृष २७:०१	भद्रा २१:४५ बजे से प्रा., शुक्र तुला में २३:२७ बजे, (C)
३१ २८	७	र.	३६	४७	२०	४७	कृत्ति.	३६	५०	२०	४८	व्या.	२५	५२	वि.	०८	१०	६:०४	६:३९	११	१७	२१	२	वृष	भद्रा ०६:२० बजे तक, बुध मघा सिंह में २१:०६ बजे,(D)
३१ २४	८	सो.	३३	१०	१९	२०	रो.	३५	०२	२०	०५	ह.	२०	३०	बा.	०५	०७	६:०४	६:३८	१२	१८	२२	३	वृष	चन्द्रोदय २३:५६ बजे, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (वै.)।
३१ २०	९	मं.	२८	१७	१७	२४	मृग.	३२	००	१८	५३	व	१४	०२	तै.	००	५०	६:०५	६:३७	१३	१९	२३	४	मिथुन ७:३२	भद्रा २८:१५ बजे से प्रा., गोगा नवमी, गोकुलोत्सव।
३१ १६	१०	बु.	२२	२०	१५	०१	आ.	२७	५२	१७	१४	सि./व्य.	०६/५८	४२/३५	वि.	२२	२०	६:०५	६:३५	१४	२०	२४	५	मिथुन	भद्रा १५:०१ बजे तक, शिक्षक दिवस।
३१ ११	११	गु.	१५	२५	१२	१५	पुन.	२२	५२	१५	१४	वरि.	४६	४५	बा.	१५	२५	६:०५	६:३४	१५	२१	२५	६	कर्क ६:४६	शनि मार्गी १६:३८ बजे, अजा एकादशी व्रत (स.)।
३१ ०७	१२/१३	शु.	०७/५९	५०/४५	०६/२६	१३/५६	पु.	१७	०५	१२	५६	परि.	४०	२५	तै.	०७	५०	६:०६	६:३३	१६	२२	२६	७	कर्क	भद्रा २६:५६ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. १२:५६ बजे,(E)
३१ ०३	१४	श.	५१	३०	२६	४२	आश्ले.	१०	५७	१०	२६	शि.	३०	५७	वि.	२५	३५	६:०६	६:३२	१७	२३	२७	८	सिंह १०:२६	भद्रा १६:२० बजे तक, मासशिवरात्रि, डाकिनी चतुर्दशी।
३० ५९	३०	र.	४३	३०	२३	३१	म./पू.फा.	०४/५८	४५/५५	०६/२६	०१/४१	सि.	२१	३०	चतु.	१७	२७	६:०७	६:३१	१८	२४	२८	९	सिंह	गण्डमूल समाप्त ०८:०१ बजे, कुशोत्पाटिनी अमावस्या।

(A) १८:४८ बजे, कज्जली तृतीया। (B) केतु उ.षा. में १४:४६ बजे, चन्द्रोदय २१:१५ बजे, चतुर्थी व्रत, बहुला चतुर्थी। (C) हल षष्ठी, चन्दन षष्ठी, चम्पा षष्ठी। (D) चन्द्रोदय २३:१२ बजे, शीतला व्रत, कालाष्टमी, श्रीकृष्णजन्माष्टमी (स्मा.)। (E) प्रदोष व्रत, पर्युष्ण पर्वारम्भ।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०१	०९	०४	०६	०६	०८	०३	०९
अं.	१६	१५	०४	००	२३	०१	०८	०९	०९
क.	०२	०९	४६	३७	२०	०२	२६	४८	४८
वि.	४६	२६	३७	४१	०७	५६	१६	२३	२३
गति	५८ / १०	८३२ / २४	०५ / मा. ३६	६६ / २४	०८ / ३१	४७ / ५२	०० / व. १६	०३ / ११	०३ / ११
नक्षत्र चरण	पू.फा. १ च.	रोहि. २ च.	उ.षा. ३ च.	मघा. १ च.	विशा. २ च.	चित्रा. ३ च.	मूल. ३ च.	पुष्य २ च.	उ.षा. ४ च.

३ सितम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

भाव	ग्रह
५	सू. बु.
४	रा.
३	
२	चं.
१	
१२	
११	
१०	मं. के.
९	श.
८	
७	शु. गु.
६	

भाद्रपद कृ. ८, सोमवार

इस मास में पाँच सोमवार और पाँच मंगलवार हैं और कन्या संक्रान्ति भी सोमवार को है, अतः मिश्रित फलदायक रहेगा। अन्नादि के भावों में मन्दी के बाद तेजी का रुख रहेगा। प्रजा मे सौहार्द के बाद रागद्वेषवश साम्प्रदायिक घटनायें घटित होने की सम्भावना है। रूई, चाँदी, खाण्ड नारियल एवं मसालों के भाव मन्दे रहेंगे।

९ सितम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

भाव	ग्रह
५	सू.बु.चं.
४	रा.
३	
२	
१	
१२	
११	
१०	मं.के.
९	श.
८	
७	गु. शु.
६	

भाद्रपद कृ. ३०, रविवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०४	०९	०४	०६	०६	०८	०३	०९
अं.	२२	१२	०५	११	२४	०५	०८	०९	०९
क.	११	२१	३१	१५	१२	३७	२६	२६	२६
वि.	५७	५४	५५	३१	५८	५७	००	१८	१८
गति	५९ / १६	७६६ / १६	१० / १५	१०६ / ५०	०६ / १२	४२ / २५	०० / मा. १८	०३ / ११	०३ / ११
नक्षत्र चरण	पू.फा. ३ च.	मघा. ४ च.	उ.षा. ३ च.	मघा. ४ च.	विशा. २ च.	चित्रा. ४ च.	मूल. ३ च.	पुष्य. २ च.	उ.षा. ४ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, भाद्रपद शुक्ल पक्ष (दि. १० सितम्बर से २५ सितम्बर २०१८ ई०), दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण २७१४, अयनांश २४:६':५१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
३०	५५	**१**	सो.	३६	१२	२०	३६	उ.फा.	५३	५०	२७	३९	सा.	१२	२७	किं	०९	४५	६:०७	६:३०	रा.भा. १९	भा. २५	जि. २९	सि. **१०**	कन्या ११:०८	बुध पू.फा. में ८:५५ बजे, शुक्र स्वाति में १७:२८ बजे,(A)
३०	५१	**२**	मं.	२९	५२	१८	०५	ह.	४९	५२	२६	०५	शुभ शु.	०४ ५६	०५ ४६	बा.	०२	५०	६:०८	६:२८	२०	२६	३०	**११**	कन्या	चन्द्रदर्शन।
३०	४६	**३**	बु.	२४	५७	१६	०७	चि.	४७	२७	२५	०७	ब्र.	५०	४२	ग.	२४	५७	६:०८	६:२७	२१	२७	मो. १	**१२**	तुला १३:३१	भद्रा २७:२४ बजे से प्रा., चन्द्रास्त २०:३४ बजे,(B)
३०	४२	**४**	गु.	२१	४७	१४	५२	स्वा.	४६	५०	२४	५३	ऐं.	४६	०७	वि.	२१	४७	६:०९	६:२६	२२	२८	२	**१३**	तुला	भद्रा १४:५२ बजे तक, सूर्य उ.फा. में २०:४१ बजे,(C)
३०	३८	**५**	शु.	२०	३७	१४	२४	वि.	४८	१५	२५	२७	वै.	४३	१०	बा.	२०	३७	६:०९	६:२५	२३	२९	३	**१४**	वृश्चिक १६:१४	ऋषिपञ्चमी, जैनसंवत्सरी पंचमी पक्ष।
३०	३४	**६**	श.	२१	२७	१४	४५	अनु.	५१	३७	२६	४९	वि.	४१	५०	तै.	२१	२७	६:१०	६:२३	२४	३०	४	**१५**	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २६:४९ बजे, सूर्यषष्ठी, बलदेव छठ,(D)
३०	३०	**७**	र.	२४	२०	१५	५४	ज्ये.	५६	५२	२८	५५	प्री.	४१	५७	व.	२४	२०	६:१०	६:२२	२५	३१	५	**१६**	धनु २८:५५	भद्रा १५:५४ बजे से २८:४५ बजे तक।
३०	२५	**८**	सो.	२८	५२	१७	४४	मू.	६०	००	-	-	आयु.	४३	१७	ब.	२८	५२	६:११	६:२१	२६	अश्वि. १	६	**१७**	धनु	सूर्य कन्या में, कन्या संक्रान्ति ६:४७ बजे, बुध उ.फा. (E)
३०	२१	**९**	मं.	३४	४२	२०	०४	मू.	०३	२७	०७	३४	सौ.	४५	३०	बा.	०१	४०	६:११	६:२०	२७	२	७	**१८**	धनु	गण्डमूल समा.०७:३४ बजे, बुध कन्या में २८:१४ बजे,(F)
३०	१७	**१०**	बु.	४१	१०	२२	४०	पू.षा.	११	००	१०	३६	शो.	४८	०५	तै.	०७	५२	६:१२	६:१९	२८	३	८	**१९**	मकर १७:२३	
३०	१३	**११**	गु.	४७	४०	२५	१६	उ.षा.	१८	५०	१३	४४	अति.	५०	४०	व.	१४	२७	६:१२	६:१७	२९	४	९	**२०**	मकर	भद्रा ११:५९ बजे से २५:१६ बजे तक, पार्श्वपरिवर्तिनी(G)
३०	०८	**१२**	शु.	५३	४०	२७	४१	श्र.	२६	२२	१६	४६	सु.	५२	५०	ब.	२०	४५	६:१३	६:१६	३०	५	१०	**२१**	मकर	पञ्चक प्रा. ३०:११ बजे, गुरु रामदास जयन्ती, (H)
३०	०४	**१३**	श.	५८	४५	२९	४३	धनि.	३०	४२	१६	३०	धृ.	५३	५५	कौ.	२६	२०	६:१३	६:१५	३१	६	११	**२२**	कुम्भ ६:११	शनि प्रदोष व्रत।
३०	००	**१४**	र.	६०	००	-	-	शत.	३८	५७	२१	४९	शू.	५४	५५	ग.	३०	५०	६:१४	६:१४	रा.आ. १	७	१२	**२३**	कुम्भ	सायन सूर्य तुला में ७:२४ बजे, भारतीय आश्विन आ.,(I)
२९	५६	**१४**	सो.	०२	४०	०७	१८	पू.भा.	४३	३५	२३	४०	गं.	५४	३५	व.	०२	४०	६:१४	६:१३	२	८	१३	**२४**	मीन १७:१५	भद्रा ०७:१८ बजे से १६:५४ बजे तक, बुध हस्त में,(J)
२९	५१	**१५**	मं.	०५	१७	०८	२२	उ.भा.	४६	५५	२५	०१	वृ.	५३	१२	ब.	०५	१७	६:१५	६:११	३	९	१४	**२५**	मीन	गण्डमूल प्रा. २५:०१ बजे, सत्यव्रत, प्रतिपदा का श्राद्ध।

(A) बुधास्त ०८:३० बजे। (B) सामवेदियों का उपाकर्म, हरतालिका तीज, अर्घ्यदान, गणेश चतुर्थी व्रत, चन्द्रदर्शन निषेध, कलंक चतुर्थी, पत्थर चौथ, वरद चतुर्थी, मु. मोहर्रम प्रा.। (C) जैन संवत्सरी चतुर्थी पक्ष, विनायक चतुर्थी। (D) लोलार्क षष्ठी, ललिता षष्ठी, स्कन्द षष्ठी, मेला देवछठ (व्रजमण्डल), स्वामीकार्तिकेय दर्शन। (E) में ०९:२८ बजे, विश्वकर्मा पूजा, राधाष्टमी, दुर्गाष्टमी, दूर्वाष्टमी, महालक्ष्मी व्रतारम्भ, सं पुण्यकाल ६:४७ से १३:११ बजे तक। (F) श्रीचन्दनवमी, अदुःख नवमी, मेला श्रीरामदेवजी(राज.)। (G) एकादशी व्रत (स.)। (H) मोहर्रम, वामन जयन्ती, कल्किद्वादशी, वामनद्वादशी, भुवनेश्वरी जयन्ती (I) अनन्त चतुर्दशी, गणेश विसर्जन, विषुवत् दिन, शरत् सम्पात्, (J) १६:१० बजे, पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा का श्राद्ध, प्रौष्ठपदी पूर्णिमा, महालयारम्भ।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०४	०८	०९	०४	०६	०६	०८	०३	०९
अं.	२९	००	०७	२६	२५	१०	०८	०९	०९
क.	५९	४६	१४	२५	२९	५०	३१	०३	०३
वि.	१२	३५	१४	५०	३२	१६	०९	५२	५२
गति	४८ ३२	७१९ ५६	१५ ५५	११२ ३४	१० ११	३३ ४२	०१ ०५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.फा. १ च.	मूल. १ च.	उ.षा. ४ च.	पू.फा. ४ च.	विशा. २ च.	स्वा. २ च.	मूल. ३ च.	पुष्य २ च.	उ.षा. ४ च.

१७ सितम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. गु. ७ | सू. बु. ५ | रा. ४ | ८ | ६ | श.चं. ९ | ३ | मं.१० के. | १२ | १ | २ | ११

भाद्रपद शु. ८, सोमवार

इस मास में सूर्य-बुध की युति उनका राहु से द्विर्द्वादश तथा मंगल-केतु से षडष्टक सम्बन्ध तथा गुरु-शुक्र की युति एवं उनका मंगल-केतु से केन्द्रीय सम्बन्ध होने के कारण चीन एवं पूर्वोत्तर भारत में अतिवृष्टि से बाढ़ एवं भूस्खलन से अत्यधिक भाग में जन-धन की हानि की सम्भावना है। विश्व के कई स्थानों पर आन्तकवादी घटनाओं से युद्धोन्माद की स्थिति रहेगी।

२५ सितम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

गु.शु. ७ | सू.बु. ६ | ५ | रा. ४ | ८ | श. ९ | ३ | मं.१० के. | १२ चं. | १ | २ | ११

भाद्रपद शु. १५, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	११	०९	०५	०६	०६	०८	०३	०९
अं.	०७	०६	०९	११	२६	१४	०८	०८	०८
क.	४८	५२	३८	०३	५२	३८	४२	३८	३८
वि.	१५	३२	५२	१७	१९	४७	३१	२६	२६
गति	५८ ५६	६०० ४६	२० ४१	१०४ ४५	१० ४४	२२ २६	०१ ३१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.फा. ४ च.	उ.भा. २ च.	उ.षा. ४ च.	हस्त. १ च.	विशा. ३ च.	स्वा. ३ च.	मूल. ३ च.	पुष्य. २ च.	उ.षा. ४ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, आश्विन कृ. पक्ष (दि. २६ सितम्बर से ९ अक्टूबर २०१८ ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद् ऋतु, के. अहर्गण २७३०, अयनांश २४:६:५२

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२६	४७	१	बु.	०६	४५	०८	५७	रे.	४६	१०	२५	५५	ध्रु.	५०	५७	कौ.	०६	४५	६:१५	६:१०	प.अ. ४	अश्वि. १०	मो. १५	सित. २६	मेष २५:५५	पञ्चक समा. २५:५५ बजे, मंगल श्रवण में ६:५८ बजे, (A)
२६	४३	२	गु.	०६	५७	०६	०३	अश्वि.	५०	१७	२६	२३	व्या.	४७	५०	ग.	०६	५७	६:१६	६:०६	५	११	१६	२७	मेष	भद्रा २०:५७ बजे से प्रा., गण्डमूल समा. २६:२३ बजे, (B)
२६	३६	३	शु.	०६	१२	०८	४५	भ.	५०	३०	२६	२८	ह.	४३	५७	वि.	०६	१२	६:१६	६:०८	६	१२	१७	२८	मेष	भद्रा ०८:४५ बजे तक, चन्द्रोदय २०.३० बजे, (C)
२६	३४	४	श.	०४	२७	०८	०४	कृ.	४६	२२	२६	१४	व.	३६	२२	बा.	०४	२७	६:१७	६:०६	७	१३	१८	२६	वृष ८:२६	पञ्चमी का श्राद्ध।
२६	३०	५/६	र.	०१/५८	५७/४०	०७/२६	०४/४५	रो.	४८	३०	२५	४१	सि.	३४	१२	तै.	०१	५७	६:१७	६:०५	८	१४	१६	३०	वृष	भद्रा २६:४५ बजे से प्रा., षष्ठी का श्राद्ध, (D)
२६	२६	७	सो.	५४	३७	२८	०६	मृग.	४६	२२	२४	५१	व्य.	२८	२५	वि.	२६	४२	६:१८	६:०४	६	१५	२०	अक्तू. १	मिथुन १३:१८	भद्रा १६:५६ बजे तक, सप्तमी का श्राद्ध।
२६	२२	८	मं.	४६	५७	२६	१७	आ.	४३	३७	२३	४५	वरि.	२२	०७	बा.	२२	२२	६:१८	६:०३	१०	१६	२१	२	मिथुन	बुध चित्रा में १०:३३ बजे, अष्टमी का श्राद्ध, (E)
२६	१७	९	बु.	४४	३७	२४	१०	पुन.	४०	१२	२२	२४	परि.	१५	१२	तै.	१७	२०	६:१६	६:०२	११	१७	२२	३	कर्क १६:४५	नवमी का श्राद्ध, सधवा नवमी, मातृ नवमी, (F)
२६	१३	१०	गु.	३८	४५	२१	४६	पु.	३३	४२	२०	४८	शि.	०७	५२	व.	११	४५	६:१६	६:०१	१२	१८	२३	४	कर्क	भद्रा ११:०१ बजे से २१:४६ बजे तक, गण्डमूल प्रा. (G)
२६	०६	११	शु.	३२	२५	१६	१८	आश्ले.	३१	४५	१६	०२	सि. सा.	०० ५१	०३ ५७	ब.	०५	३७	६:२०	५:५६	१३	१६	२४	५	सिंह १६:०२	शुक्र वक्री २४:३४ बजे, इन्दिरा एकादशी व्रत (स.), (H)
२६	०५	१२	श.	२५	५०	१६	४०	म.	२७	०५	१७	१०	शुभ	४३	४२	तै	२५	५०	६:२०	५:५८	१४	२०	२५	६	सिंह	गण्डमूल समा. १७:१० बजे, बुध तुला में १२:४२ बजे, (I)
२६	००	१३	र.	१६	१५	१४	०३	पू.फा.	२२	२२	१५	१८	शु.	३५	३०	व	१६	१५	६:२१	५:५७	१५	२१	२६	७	कन्या २०:५१	भद्रा १४:०३ बजे से २४:४६ बजे तक, त्रयोदशी का श्राद्ध, (J)
२८	५६	१४	सो.	१२	५७	११	३२	उ.फा.	१८	००	१३	३३	ब्र.	२७	४०	श.	१२	५७	६:२१	५:५६	१६	२२	२७	८	कन्या	चतुर्दशी का श्राद्ध, अमावस्या का श्राद्ध, सर्वपितृ अमावस्या, (K)
२८	५२	३०	मं.	०७	१७	०६	१७	ह.	१४	१७	१२	०५	ऐं.	१७	५२	ना.	०७	१७	६:२२	५:५५	१७	२३	२८	६	तुला २३:२६	भौमवती अमावस्या, स्नान-दानादि अमावस्या, (L)

(A) द्वितीया का श्राद्ध, अशून्य शयन व्रत। (B) सूर्य हस्त में १२:१४ बजे, तृतीया का श्राद्ध। (C) चतुर्थी श्राद्ध, चतुर्थीव्रत, भरणी का श्राद्ध। (D) रोहिणी व्रत, कपिला षष्ठी। (E) कालाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत समाप्त, जीवित पुत्रिकाव्रत, जीमूतवाहनव्रत, महात्मा गाँधी जयन्ती, श्री लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती। (F) अन्वष्टका श्राद्ध। (G) २०:४८ बजे, दशमी का श्राद्ध। (H) एकादशी का श्राद्ध (I) द्वादशी का श्राद्ध, सन्यासियों का श्राद्ध, शनि प्रदोष व्रत, गजच्छायायोग। (J) मासशिवरात्रि। (K) सर्वपितृ विसर्जन, बौद्धायन मत से गजच्छाया योग १३:३३ बजे से सूर्यास्त तक। (L) मातामह श्राद्ध, गजच्छाया ६:१७ बजे तक।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०२	०६	०५	०६	०६	०८	०३	०६
अं.	१४	०६	१२	२३	२८	१६	०८	०८	०८
क.	४०	५४	१४	०२	०६	२७	५७	१६	१६
वि.	२२	३७	३४	५६	१५	२८	२७	११	११
गति	५९/०२	८४१/०७	२४/१२	६६/०४	११/१८	१७/२०	०२/३०	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	हस्त. २ च.	आर्द्रा १ च.	श्रव. १ च.	हस्त. ४ च.	विशा. ३ च.	स्वा. ३ च.	मूल. ३ च.	पुष्य २ च.	उ.षा. ४ च.

२ अक्टूबर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

शु. गु. ७
सू. बु. ६
५
रा. ४
८
श. ९
३ चं.
मं. १०
के.
१२
२
११
१

आश्विन कृ. ८, मंगलवार

इस मास में पाँच बुधवार हैं और तुला संक्रान्ति भी बुधवार को है, अतः वर्षा कहीं कम तो कहीं अधिक होगी। गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, चावल आदि अन्न मन्दे रहेंगे। घी, गुड़, शक्कर, तिल, तैल, सरसों, लाल मिर्च, केसर, लाल चन्दन ऊनी वस्त्र एवं रेशम के भाव तेज रहेंगे।

९ अक्टूबर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

बु.शु.गु. ७
सू.चं. ६
५
रा. ४
८
श. ९
३
मं. १०
के.
१२
२
११
१

आश्विन कृ. ३०, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०५	०६	०६	०६	०६	०८	०३	०६
अं.	२१	२०	१५	०४	२६	१६	०६	०७	०७
क.	३४	०१	१३	२०	२६	३१	१६	५३	५३
वि.	२१	१६	२५	३२	५६	०५	५२	५५	५५
गति	५९/१७	८४०/४७	२०/१५	६३/४०	११/४८	०२ व./५३	०३/०७	०३/११	०३/११
नक्षत्र चरण	हस्त. ४ च.	हस्त. ४ च.	श्रव. २ च.	चित्रा. ४ च.	विशा. ३ च.	स्वा. ३ च.	मूल. ३ च.	पुष्य. २ च.	उ.षा. ४ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, आश्विन शुक्ल पक्ष (दि. १० अक्टूबर से २४ अक्टूबर २०१८ ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शरद्/हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण २७४४, अयनांश २४:६:५४"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२८	४८	१ / २	बु.	०२ / ५६	४० / २२	०७ / ३०	२६ / ०७	चि.	११	३७	११	०१	वै.	१४	००	ब.	०२	४०	६:२२	५:५४	रा.आ. १८	आश्वि. २४	मो. २६	अक्टू. १०	तुला	सूर्य चित्रा में २५:१२ बजे, बुध स्वाति में १८:१५ बजे,(A)
२८	४३	३	गु.	५७	४२	२६	२८	स्वा.	१०	१७	१०	३०	वि.	०८	४२	तै.	२८	१७	६:२३	५:५३	१९	२५	स. १	११	वृश्चिक २८:३४	गुरु वृश्चिक में १६:२० बजे, मु. सफर प्रा.।
२८	३९	४	शु.	५७	५७	२९	३५	वि.	१०	४०	१०	४०	प्री.	०४	४७	व.	२७	३५	६:२४	५:५१	२०	२६	२	१२	वृश्चिक	भद्रा १७:२६ बजे से २९:३५ बजे तक, बुध उदय (B)
२८	३५	५	श.	६०	००	–	–	अनु.	१२	५७	११	३५	आयु.	०२	२२	ब.	२८	५०	६:२४	५:५०	२१	२७	३	१३	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. ११:३५ बजे, शुक्र वार्धक्य प्रा. १६:४६ बजे,(C)
२८	३१	५	र.	००	१०	०६	२८	ज्ये.	१७	०२	१३	१४	सौ.	०१	२७	बा.	००	१०	६:२५	५:४९	२२	२८	४	१४	धनु १३:१४	
२८	२७	६	सो.	०४	१०	०८	०५	मू.	२२	५०	१५	३३	शो.	०१	५५	तै.	०४	१०	६:२५	५:४८	२३	२९	५	१५	धनु	गण्डमूल समाप्त १५:३३ बजे, बिल्वाभिमन्त्रण, (D)
२८	२३	७	मं.	०९	३७	१०	१७	पू.षा.	२९	५२	१८	२३	अति.	०३	२७	व.	०९	३७	६:२६	५:४७	२४	३०	६	१६	मकर २५:०८	भद्रा १०:१७ बजे से २३:३२ बजे तक, शुक्रास्त,(E)
२८	१९	८	बु.	१५	५७	१२	५०	उ.षा.	३७	३२	२१	२८	सु.	०५	४५	ब.	१५	५७	६:२७	५:४६	२५	का. १	७	१७	मकर	सूर्य तुला में, तुला संक्रान्ति १८:४४ बजे,दुर्गाष्टमी (F)
२८	१४	९	गु.	२२	३५	१५	२९	श्र.	४५	१७	२४	३३	धृ.	०८	१७	कौ.	२२	३५	६:२७	५:४५	२६	२	८	१८	मकर	त्रिशूलिनी पूजा, सरस्वती बलिदान, महानवमी, (G)
२८	१०	१०	शु.	२८	४२	१७	५७	ध.	५२	२०	२७	२४	शू.	१०	३५	ग.	२८	४२	६:२८	५:४४	२७	३	९	१९	कुम्भ १४:०२	पञ्चक प्रा. १४:०२ बजे, बुध विशाखा में १६:१६ बजे,(H)
२८	०६	११	श.	३३	५२	२०	०१	शत.	५८	१७	२९	४७	गं.	१२	१५	व.	०१	२७	६:२८	५:४३	२८	४	१०	२०	कुम्भ	भद्रा ०७:०३ बजे से २०:०१ बजे तक, माधवाचार्य ज.(I)
२८	०२	१२	र.	३७	३५	२१	३१	पू.भा.	६०	००	–	–	वृ.	१२	५२	ब.	०५	५५	६:२९	५:४२	२९	५	११	२१	मीन २५:१२	पद्मनाभ द्वादशी।
२७	५८	१३	सो.	३९	४२	२२	२३	पू.भा.	०२	४५	०७	३६	ध्रु.	१२	१७	कौ.	०८	५०	६:३०	५:४१	३०	६	१२	२२	मीन	सोम प्रदोषव्रत।
२७	५४	१४	मं.	४०	१५	२२	३६	उ.भा.	०५	४२	०८	४७	व्या.	१०	३२	ग.	१०	१०	६:३०	५:४०	रा.का. १	७	१३	२३	मीन	भद्रा २२:३६ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. ८:४७ बजे, (J)
२७	५०	१५	बु.	३९	२०	२२	१५	रे.	०७	०७	०९	२२	ह.	०७	३२	वि.	०९	५७	६:३१	५:३९	२	८	१४	२४	मेष ६:२२	भद्रा १०:३० बजे तक,पञ्चक समा. ६:२२ बजे, (K)

(A) शारदीय नवरात्र आरम्भ, घटस्थापन, महाराज अग्रसेन जयंती, चन्द्रदर्शन। (B) १४:२५ बजे, विनायक चतुर्थी। (C) ललिता पंचमी, उपाङ्ग ललिता व्रत। (D) सरस्वती आवाहन। (E) १६:४६ बजे, सरस्वती पूजा, महारात्रि निशापूजा, नवपत्रिका प्रवेश। (F) सरस्वतीपूजन, सन्धिपूजा, महाष्टमी, औलीजैन प्रा., सं पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक। (G) नवरात्र समाप्त। (H) सरस्वती विसर्जन, अपराजिता पूजा, विजयादशमी, विद्यापीठ स्थापना दिवस, नवरात्र पारणा, शमी पूजा, शस्त्र पूजा, दशहरा, बुद्ध जयन्ती (I) पापांकुशा एकादशी व्रत(स.), मेला भरत मिलाप। (J) सायन सूर्य वृश्चिक में १६:५२ बजे, भारतीय कार्तिक आ., हेमन्त ऋतु प्रा. (K) सूर्य स्वाति में ११:४३ बजे, पूर्णिमाव्रत, कोजागरी पूर्णिमा, शरद् पूर्णिमा, रास महोत्सव, सत्यव्रत, वाल्मीकि जयन्ती, मीराबाई जय., कार्तिक स्नान प्रा., औली जैन समा.।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०५	०९	०६	०६	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	२९	०२	१९	१६	०१	१४	०९	०७	०७
क.	२९	३६	०२	२९	०६	१४	४४	२८	२८
वि.	३२	५९	०६	३३	०६	२०	१८	२९	२९
गति	५७ / ३१	७०७ / ४१	३० / ११	९ / ५३	१२ / १७	५४ / व. ००	०४ / ४६	०३ / ११	०३ / ११
नक्षत्र चरण	चित्रा. २ च.	उ.षा. २ च.	श्रव. ३ च.	स्वा. ३ च.	विशा. ४ च.	स्वा. ३ च.	मूल. ३ च.	पुष्य २ च.	उ.षा. ४ च.

१७ अक्टूबर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

बु.शु. ७ | ५ | रा. ४ | सू. ६ | गु. ८ | श. ९ | ३ | मं. चं. १० के. | ११ | १२ | १ | २

आश्विन शु. ८, बुधवार

इस मास में गुरु-शुक्र की युति उनका सूर्य से द्विर्द्वादश सम्बन्ध तथा मंगल-केतु एवं राहु से केन्द्रीय युति होने के कारण अमेरिका एवं यूरोपीय देशों में आतंकवादी घटनाओं के कारण विश्वभर के देश एकजुट होकर आतंक के विरूद्ध लड़ने का संकल्प लेंगे। सत्तापक्ष एवं विपक्ष में भी मुद्दों के आधार पर नोक-झोंक होने से गहमा-गहमी की स्थिति रहेगी। बुधोदय के कारण विश्व के कई स्थानों पर भूकम्प, आँधी, तूफान आदि प्राकृतिक प्रकोप से अत्यधिक मात्रा में जन-धन की हानि होगी।

२४ अक्टूबर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

गु. ८ | ६ | ५ | श. ९ | सू.बु.शु. ७ | मं.के. १० | रा. ४ | १ | ११ | ३ | २ | १२ चं.

आश्विन शु. १५, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	११	०९	०६	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	०६	२८	२२	२६	०२	१०	१०	०७	०७
क.	२६	२३	३९	२८	३३	३२	१२	०६	०६
वि.	५२	५१	४३	३७	०९	३७	३७	१४	१४
गति	५९ / ४५	७९७ / ११	३० / ११	९७ / ५३	१२ / ३७	३६ / व. ०७	०४ / २१	०३ / ११	०३ / ११
नक्षत्र चरण	चित्रा. ४ च.	रेव. ४ च.	श्रव. ४ च.	विशा. २ च.	विशा. ४ च.	स्वा. २ च.	मूल. ४ च.	पुष्य. २ च.	उ.षा. ४ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दि. २५ अक्टूबर से ७ नवम्बर २०१८ ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण २७५१, अयनांश २४:६:५५

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२७	४६	**१**	गु.	३६	४५	२१	२४	**अश्वि.**	०७	१५	०६	२६	व. सि.	०३ ५८	३० ३५	**बा.**	०८	२२	६:३२	५:३८	रा.का. ३	का. ६	स. १५	**अक्तू. २५**	मेष	गण्डमूल समा. ६:२६ बजे, मंगल धनिष्ठा में १२:२६ बजे।
२७	४२	**२**	**शु.**	३४	०५	२०	१०	**भ.**	०६	१७	०६	०३	**व्य.**	५२	५७	**तै.**	०५	४२	६:३२	५:३७	४	१०	१६	**२६**	वृष १४:५४	बुध वृश्चिक में २०:४३ बजे।
२७	३८	**३**	**श.**	३०	१२	१८	३८	**कृ.**	०४	२७	०८	२०	वरि.	४६	५५	**व.**	०२	१२	६:३३	५:३७	५	११	१७	**२७**	वृष	भद्रा ०७:२६ बजे से १८:३८ बजे तक, गुरु अनुराधा(A)
२७	३४	**४**	**र.**	२५	५२	१६	५५	रो. मृग.	०२ ५६	०३ १७	०७ ३०	२३ १७	परि.	४०	१५	**बा.**	२५	५२	६:३४	५:३६	६	१२	१८	**२८**	मिथुन १८:५१	
२७	३०	**५**	सो.	२१	१२	१५	०४	**आ.**	५६	१७	२६	०६	शि.	३३	३०	**तै.**	२१	१२	६:३५	५:३५	७	१३	१६	**२९**	मिथुन	बुध अनुराधा में ०६:४१ बजे, शुक्रोदय ३० अक्टूबर।
२७	२७	**६**	**मं.**	१६	१०	१३	०८	**पुन.**	५३	१०	२७	५१	सि.	२६	४०	**व.**	१६	१०	६:३५	५:३४	८	१४	२०	**३०**	कर्क २२:१०	भद्रा १३:०८ बजे से २४:०६ बजे तक, (B)
२७	२३	**७**	**बु.**	११	२५	११	१०	**पु.**	४६	५५	२६	३४	**सा.**	१६	४५	**ब.**	११	२५	६:३६	५:३३	६	१५	२१	**३१**	कर्क	गण्डमूल प्रा. २६:३४ बजे, अहोई अष्टमी, कालाष्टमी,(C)
२७	१६	**८**	**गु.**	०६	२२	०६	१०	**आश्ले.**	४६	३७	२५	१६	**शुभ.**	१२	४०	**कौ.**	०६	२२	६:३७	५:३२	१०	१६	२२	**नव. १**	सिंह २५:१६	
२७	१५	**९ १०**	**शु.**	०१ ५६	३३ २२	०७ २६	१० १०	**म.**	४३	२५	२३	५६	शु. ब्र.	०५ ५८	४० ४०	**ग.**	०१	२२	६:३७	५:३२	११	१७	२३	**२**	सिंह	भद्रा १८:१० बजे से २१:१० बजे तक, गण्डमूल समा.(D)
२७	११	**११**	**श.**	५१	३०	२७	१४	**पू.फा.**	४०	१५	२२	४४	ऐं.	५१	४७	**ब.**	२३	५५	६:३८	५:३१	१२	१८	२४	**३**	कन्या २८:२६	रमा एकादशीव्रत (स्मा.)।
२७	०८	**१२**	**र.**	४६	५५	२५	२५	**उ.फा.**	३७	२०	२१	३५	वै.	४५	०५	**कौ.**	१६	०७	६:३६	५:३०	१३	१६	२५	**४**	कन्या	गोवत्स द्वादशी, रमा एकादशी व्रत (वै.)।
२७	०४	**१३**	सो.	४२	४७	२३	४७	**ह.**	३४	५२	२०	३७	वि.	३८	४७	**ग.**	१४	४५	६:४०	५:२६	१४	२०	२६	**५**	कन्या	भद्रा २३:४७ बजे से प्रा., सोम प्रदोष व्रत, धनतेरस,(E)
२७	००	**१४**	**मं.**	३६	२७	२२	२७	**चि.**	३३	०७	१६	५५	प्री.	३३	०७	**वि.**	११	००	६:४०	५:२६	१५	२१	२७	**६**	तुला ०८:१३	भद्रा ११:०४ बजे तक, सूर्य विशाखा में १६:५३ बजे, (F)
२६	५७	**३०**	**बु.**	३७	०७	२१	३२	**स्वा.**	३२	१७	१६	३६	**आ.**	२८	१०	**चतु.**	०८	०७	६:४१	५:२८	१६	२२	२८	**७**	तुला	अमावस्या, दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, केदार गौरी व्रत,(G)

(A) में २३:०६ बजे, चन्द्रोदय १६:५३ बजे, करवाचौथ, करक चतुर्थी, रोहिणी व्रत। **(B)** वक्री शुक्र चित्रा में १६:२१ बजे, शुक्रोदय १८:४१ बजे, स्कन्द षष्ठी। **(C)** राधाकुण्ड स्नान रात्रि समाप्ति पर अरूणोदय में, सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती। **(D)** २३:५६ बजे, शुक्रबाल्यत्व समा. १८:४१ बजे । **(E)** धनवन्तरि जयन्ती। **(F)** मंगल कुम्भ में ०८:२२ बजे, मासशिवरात्रि, यमदीप दान, नरक चतुर्दशी, रूप चौदस, हनुमज्जयन्ती, महाकाली पूजा। **(G)** कमला जयन्ती, महावीर निर्वाण दिवस, दयानन्द निर्वाण दिवस, शंकराचार्य निर्वाण दिवस।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०३	०६	०७	०७	०६	०८	०३	०६
अं.	१४	१८	२७	०६	०४	०५	१०	०६	०६
क.	२५	५६	०४	५५	१५	४५	४६	४०	४०
वि.	४८	४७	२५	२५	२०	४५	२८	४८	४८
गति	६० ०२	६०५ ४२	३४ ०८	७२ ०७	१२ ४७	३२ व. ३६	०४ ५५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	स्वा. ३ च.	आश्ले. १ च.	धनि. २ च.	अनु. २ च.	अनु. १ च.	चित्रा. ४ च.	मूल. ४ च.	पुष्य २ च.	उ.षा. ४ च.

१ नवम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

बु.गु. ८ | सू.शु. ७ | ६ | ५ | चं.रा. ४ | ३ | २ | १ | १२ | ११ | मं.के. १० | श. ६

कार्तिक कृ. ८, गुरुवार

इस मास में पाँच गुरुवार एवं पाँच शुक्रवार हैं और वृश्चिक संक्रान्ति भी शुक्रवार को है, अतः गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, मक्की, रूई, कपास, सूत, सफेद वस्त्र, तिल एवं तैल के भाव तेज रहेंगे। उड़द, मूँग, अरहर आदि दालों के भाव सम रहेंगे। चावल के भाव में मन्दी रहेगी। लौंग, इलायची जायफल, ऊन, रेशम के भाव में घटाबढ़ी रहेगी। सोना, चाँदी में तेजी के बाद मन्दी रहेगी। शेयर बाजार में घटावढ़ी के बाद मन्दी रहेगी।

७ नवम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

बु.गु. ८ | सू.शु.चं. ७ | ६ | ५ | ४ रा. | ३ | २ | १ | १२ | मं.११ | के. १० | श.६

कार्तिक कृ. ३०, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	०६	१०	०७	०७	०६	०८	०३	०६
अं.	२०	१२	००	१३	०५	०२	११	०६	०६
क.	२६	३७	३	३५	३३	५५	२०	२१	२१
वि.	३१	३७	२२	४२	३१	२८	०१	४३	४३
गति	६० १४	८०३ १५	३५ २२	५७ १५	१३ ०८	१६ व. २६	०५ २६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	विशा. १ च.	स्वा. २ च.	धनि. ३ च.	अनु. ४ च.	अनु. १ च.	चित्रा ३ च.	मूल. ४ च.	पुष्य. ४ च.	उ.षा. ३ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दि. ८ नवम्बर से २३ नवम्बर २०१८ ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण २७७३, अयनांश २४:६:५७"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टै. समय में)
२६	५३	**१**	गु.	३६	०५	२१	०८	वि.	३२	४५	१६	४८	सौ.	२४	१२	कि.	०६	२५	६:४२	५:२८	रा.का. १७	का. २३	सं. २६	न. ८	वृश्चिक १३:४२	गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, विश्वकर्मा पूजा।
२६	५०	**२**	शु.	३६	३२	२१	२०	अनु.	३४	३७	२०	३४	शो.	२१	२५	बा.	०६	०५	६:४३	५:२७	१८	२४	३०	**९**	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २०:३४ बजे, चन्द्रदर्शन, भ्रातृद्वितीया,(A)
२६	४६	**३**	श.	३८	४२	२२	१३	ज्ये.	३८	०७	२१	५६	अति.	२०	०२	तै.	०७	२२	६:४४	५:२६	१९	२५	र. १	**१०**	धनु २१:५६	बुध ज्येष्ठा में १८:४७ बजे, गुरुवार्धक्य प्रा. १५:५४ बजे।, मु. रविलावल प्रा.
२६	४३	**४**	र.	४२	३०	२३	४४	मू.	४३	१५	२४	०२	सु.	१९	३७	व.	१०	२५	६:४४	५:२६	२०	२६	२	**११**	धनु	भद्रा १०:५४ बजे से २३:४४ बजे तक, गण्डमूल समा.(B)
२६	४०	**५**	सो.	४७	४५	२५	५१	पू.षा.	४९	१२	२६	३८	धृ.	२०	३०	ब.	१४	५७	६:४५	५:२५	२१	२७	३	**१२**	धनु	लाभ पंचमी, ज्ञान पंचमी, पाण्डव पंचमी।
२६	३६	**६**	मं.	५४	००	२८	२२	उ.षा.	५७	०५	२९	३६	शू.	२२	२०	कौ.	२०	४५	६:४६	५:२५	२२	२८	४	**१३**	मकर ९:२१	गुरु अस्त १५:५४ बजे, छठपूजा, सूर्यषष्ठी, प्रतिहारषष्ठी(C)
२६	३३	**७**	बु.	६०	००	–	–	श्र.	६०	००	–	–	गं.	२४	४०	ग.	२७	२०	६:४७	५:२४	२३	२९	५	**१४**	मकर	प्रातः कालीन अर्घ्यदान एवं पारणा, बाल दिवस।
२६	३०	**७**	गु.	००	४०	०७	०४	श्र.	०४	५२	०८	४५	वृ.	२७	०५	व.	००	४०	६:४८	५:२४	२४	३०	६	**१५**	कुम्भ २२:१७	भद्रा ०७:०४ बजे से २०:२४ बजे तक, पञ्चक प्रा. (D)
२६	२७	**८**	शु.	०७	०७	०९	४०	ध.	१२	२२	११	४६	ध्रु.	२९	१०	ब.	०७	०७	६:४९	५:२३	२५	मार्ग. १	७	**१६**	कुम्भ	सूर्य वृश्चिक में, वृश्चिक संक्रान्ति १८:३२ बजे, (E)
२६	२४	**९**	श.	१२	४०	११	५४	शत.	१९	००	१४	२६	व्या.	३०	२२	कौ.	१२	४०	६:५०	५:२३	२६	२	८	**१७**	कुम्भ	मंगल शतभिषा में १०:२५ बजे, बुध वक्री ०७:०३ बजे,(F)
२६	२१	**१०**	र.	१६	४७	१३	३४	पू.भा.	२४	१०	१६	३१	ह.	३०	२५	ग.	१६	४७	६:५१	५:२२	२७	३	९	**१८**	मीन १०:०३	भद्रा २६:०८ बजे से प्रा., मेला कंस (मथुरा)।
२६	१८	**११**	सो.	१९	०५	१४	३०	उ.भा.	२७	३५	१७	५४	व.	२८	३७	वि.	१९	०५	६:५२	५:२२	२८	४	१०	**१९**	मीन	भद्रा १४:३० बजे तक, गण्डमूल प्रा. १७:५४ बजे, (G)
२६	१५	**१२**	मं.	१९	३०	१४	४०	रे.	२८	१५	१८	३४	सि.	२६	१५	बा.	१९	३०	६:५२	५:२२	२९	५	११	**२०**	मेष १८:३४	पञ्चक समा. १८:३४ बजे, बुधास्त २४:४० बजे,(H)
२६	१२	**१३**	बु.	१८	०५	१४	०७	अश्वि.	२९	०५	१८	३१	व्य.	२२	००	तै.	१८	०५	६:५३	५:२१	३०	६	१२	**२१**	मेष	गण्डमूल समा. १८:३१ बजे, मिलाद उल नवी, (I)
२६	०९	**१४**	गु.	१५	०२	१२	५४	भ.	२७	२२	१७	५०	वरि.	१६	३२	व.	१५	०२	६:५३	५:२१	रा.मा. १	७	१३	**२२**	वृष २३:३५	भद्रा १२:५४ बजे से २४:०५ बजे तक, वक्री बुध अनुराधा(J)
२६	०६	**१५**	शु.	१०	३७	११	०९	कृ.	२४	२७	१६	४१	परि.	०९	५७	ब.	१०	३७	६:५४	५:२१	२	८	१४	**२३**	वृष	देव दीपावली, पुष्कर स्नान, सत्यव्रत, गुरुनानक जयन्ती,(K)

(A) यमद्वितीया, चित्रगुप्तपूजन, यमुना स्नान (मथुरा)। (B) २४:०२ बजे, विनायक चतुर्थी। (C) सायंकालीन अर्घ्यदान। (D) २२:१७ बजे, मेला गोचारण (मथुरा), गोपाष्टमी, दुर्गाष्टमी।। (E) शुक्र मार्गी १६:२० बजे, अष्टाह्निकपर्व प्रा., औलीजैन प्रा., सं. पुण्यकाल मध्याह्नोत्तर। (F) अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी, सत्य युगादि, मथुरा परिक्रमा। (G) सूर्य अनुराधा में २५:५३ बजे, देवप्रबोधिनी/देवोत्थान एकादशीव्रत (स), तुलसी विवाह, कालिदास जयन्ती, भीष्मपंचक प्रा., चातुर्मास्य समाप्त सन्यासी। (H) भौम प्रदोषव्रत। (I) (ईद-ए-मिलाद), हजरत मुहम्मद जयन्ती, वैकुण्ठ चतुर्दशी। (J) में २३:२३ बजे, सायन सूर्य धनु में १४:३१ बजे, भारतीय मार्गशीर्ष आ., मणिकर्णिका स्नान, विश्वनाथ स्थापना दिवस, पूर्णिमा व्रत। (K) भीष्म पंचक समाप्त, अष्टाह्निक पर्व समाप्त, मेला गढ़ गंगा (मुक्तेश्वर), मेला हरिहरक्षेत्र, औली जैन समाप्त, कार्तिक स्नान समाप्त, मन्वादि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०६	१०	१०	०७	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	२९	०४	०५	१९	०७	०१	१२	०५	०५
क.	२९	०१	५७	१७	३२	०७	१०	५३	५३
वि.	३४	५९	०१	४९	३३	४७	०१	०६	०६
गति	६० २७	७१८ ०७	३६ ५३	०५ ०३	३१ ०९	०० व. १२	०५ ५०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	विशा. ३ च.	धनि. ४ च.	धनि. ४ च.	ज्ये. १ च.	अनु. २ च.	चित्रा. ३ च.	मूल. ४ च.	पुष्य १ च.	उ.षा. ३ च.

१६ नवम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

सू.शु. ७, बु.गु. ८, श. ९, के. १०, मं. ११ चं., १२, १, २, ३, ४ रा., ५, ६

कार्तिक शु. ८, शुक्रवार

इस मास में सूर्य-शुक्र की युति उनका बुध-गुरु से द्विर्द्वादश सम्बन्ध तथा मंगल-केतु एवं राहु से केन्द्रीय युति होने के कारण पश्चिमी देशों एवं मुस्लिम राष्ट्रों में आन्तकवादी एवं राष्ट्रविरोधी घटनाओं के कारण भयावह स्थिति रहेगी। भारत में भी सत्तापक्ष एवं विपक्ष में घमासान होने की सम्भावना है।

२३ नवम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

सू.बु.गु. ८, शु. ७, श. ९, के. १०, मं. ११, १२, १, २ चं., ३, ४ रा., ५, ६

कार्तिक शु. १५, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०१	१०	०७	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	०६	०३	१०	१६	०९	०१	१२	०५	०५
क.	३३	५९	१७	२२	०६	५८	५१	३०	३०
वि.	१४	५४	५५	३६	०१	१०	५५	५१	५१
गति	६० ३७	८४९ ५८	३७ ३६	०४ व. ५२	१३ २३	०६ मा. ०५	०६ ११	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अनु. १ च.	कृत्ति ३ च.	शत. २ च.	अनु. ४ च.	अनु. २ च.	चित्रा ३ च.	मूल. ४ च.	पुष्य. १ च.	उ.षा. ३ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दि. २४ नवम्बर से ७ दिसम्बर २०१८ ई०), दक्षिणायन, दक्षिण गोल, हेमन्त ऋतु, के. अहर्गण २७८१, अयनांश २४:०६:५१"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२६	०४	१/२	श.	०५/५६	१५/१६	०८/३०	०१/३७	रो.	२०	३७	१५	१०	शि.-सि.	०३/५४	३६/४५	कौ.	०५	१५	६:५५	५:२१	रा.मा. ३	मा. ६	र. १५	सुव. २४	मिथुन २६:१६	गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस।
२६	०१	३	र.	५२	५७	२८	०७	मृग.	१६	१५	१३	२६	सा.	४६	३२	व.	२६	०५	६:५६	५:२०	४	१०	१६	२५	मिथुन	भद्रा १७:२२ बजे से २८:०७ बजे तक।
२५	५६	४	सो.	४६	३५	२५	३५	आ.	११	४०	११	३७	शुभ	३८	२०	ब.	१६	४५	६:५७	५:२०	५	११	१७	२६	कर्क २८:१६	शनि पू.षा. में १८:१५ बजे, चन्द्रोदय २०:२६ बजे,(A)
२५	५६	५	मं.	४०	३०	२३	०६	पुन.	०७	१०	०६	४६	शु.	३०	१७	कौ.	१३	३०	६:५७	५:२०	६	१२	१८	२७	कर्क	
२५	५४	६	बु.	३४	४२	२०	५२	पु.-आश्ले.	०३/५६	५७/१०	०८/३०	०६/३८	ब्र.	२२	३०	ग.	०७	३२	६:५८	५:२०	७	१३	१९	२८	सिंह ३०:३८	भद्रा २०:५१ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. ०८:०६ बजे।
२५	५२	७	गु.	२६	१७	१८	४६	म.	५५	५५	२६	२१	ऐं.	१५	०७	वि.	०२	००	६:५६	५:२०	८	१४	२०	२९	सिंह	भद्रा ०७:४७ बजे तक, गण्डमूल समा. २६:२१ बजे,(B)
२५	५०	८	शु.	२४	४७	१६	५५	पू.फा.	५३	१५	२८	१८	वै.	०८	१०	कौ.	२४	४७	७:००	५:२०	९	१५	२१	३०	सिंह	
२५	४७	९	श.	२०	५०	१५	२०	उ.फा.	५१	१५	२७	३०	वि.-प्री.	०१/५५	४५/५२	ग.	२०	५०	७:००	५:२०	१०	१६	२२	दि. १	कन्या १०:०४	भद्रा २६:३८ बजे से प्रा.।
२५	४५	१०	र.	१७	३०	१४	०१	ह.	४६	५७	२७	००	आ.	५०	३२	वि.	१७	३०	७:०१	५:२०	११	१७	२३	२	कन्या	भद्रा १४:०१ बजे तक, सूर्य ज्येष्ठा में ३०:१४ बजे,(C)
२५	४४	११	सो.	१४	५५	१३	००	चि.	४६	२७	२६	४६	सौ.	४५	५०	बा.	१४	५५	७:०२	५:२०	१२	१८	२४	३	तुला १४:५२	उत्पन्ना एकादशी व्रत (स.)।
२५	४२	१२	मं.	१३	१२	१२	२०	स्वा.	४६	५०	२६	५६	शो.	४१	५०	तै.	१३	१२	७:०३	५:२०	१३	१९	२५	४	तुला	शुक्र स्वाति में ०८:०७ बजे, भौम प्रदोष व्रत।
२५	४०	१३	बु.	१२	२७	१२	०३	वि.	५१	१५	२७	३४	अति.	३८	३७	व.	१२	२७	७:०४	५:२०	१४	२०	२६	५	वृश्चिक २१:२३	भद्रा १२:०३ बजे से २४:०४ बजे तक, वक्री बुध (D)
२५	३८	१४	गु.	१२	५०	१२	१२	अनु.	५३	५७	२८	३५	सु.	३६	२०	शकु.	१२	५०	७:०४	५:२०	१५	२१	२७	६	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा. २८:३५ बजे, बुध मार्गी २६:५४ बजे,(E)
२५	३७	३०	शु.	१४	२२	१२	५०	ज्ये.	५७	३२	३०	०६	धृ.	३४	५७	ना.	१४	२२	७:०५	५:२०	१६	२२	२८	७	धनु ३०:०६	गुरु उदय १०:०५ बजे, अमावस्या स्नानदानादि।

(A) चतुर्थीव्रत। (B) कालभैरव जयंती, कालाष्टमी। (C) बुध उदय १२:१२ बजे। (D) विशाखा में १६:५३ बजे, मासशिवरात्रि। (E) अमावस्या श्राद्धादि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०४	१०	०७	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	१३	१३	१४	०७	१०	०४	१३	०५	०५
क.	३८	५८	४४	२७	३९	३१	३६	०८	०८
वि.	०५	४९	२८	३८	४७	३८	०३	३५	३५
गति	६० ४८	८३५ ५६	३८ ३९	६८ वृ. ११	१३ १४	२९ ०८	०६ २८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	अनु. ४ च.	पू.फा. १ च.	शत. ३ च.	अनु. २ च.	अनु. ३ च.	चित्रा. ४ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य १ च.	उ.षा. ३ च.

३० नवम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

श. ६ | शु. ७ | के.१० | सू.बु.गु. ८ | ६ | मं. ११ | ५ चं. | १२ | २ | ४ रा. | १ | ३

मार्गशीर्ष कृ. ८, शुक्रवार

इस मास में पाँच शनिवार हैं और धनु संक्रान्ति रविवार को है, अतः प्रजा में महामारी, चोरी, डकैती एवं आतंकवाद से भय का वातावरण रहेगा। गेहूँ, जौ, चना, मटर, चावल, ज्वार, बाजरा, घी, तैल, सरसों, सूती वस्त्र एवं सोना तेज रहेगा। किराना एवं शेयर बाजार में भी तेजी का रुख रहेगा।

७ दिसम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

श. ६ | चं. शु. ७ | के.१० | सू.बु.गु. ८ | ६ | मं. ११ | ५ | १२ | २ | ४ रा. | १ | ३

मार्गशीर्ष कृ. ३०, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	०७	१०	०७	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	२०	१७	१९	०३	१२	०८	१४	०४	०४
क.	४४	३५	१५	०९	१३	२७	२२	४६	४६
वि.	०८	५५	४५	२०	२७	२०	०४	२०	२०
गति	६० ५७	७५ ५०	३९ ०६	०६ मा. ३५	१३ २१	३१ ११	०६ ४३	३० ११	३० ११
नक्षत्र चरण	ज्ये. २ च.	ज्ये. १ च.	शत. ४ च.	विशा. ४ च.	अनु. ३ च.	स्वा. १ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य. १ च.	उ.षा. ३ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष (दि. ८ दिसम्बर से २२ दिसम्बर २०१८ ई०), दक्षिणायण/उत्तरायण, दक्षिण गोल, हेमन्त/शिशिर ऋतु, के. अहर्गण २८०३, अयनांश २४:७':२"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२५	३५	१	श.	१७	१५	१४	००	मू.	६०	००	-	-	शू.	३४	३५	ब.	१७	१५	७:०६	५:२०	रा.भा. १७	मा. २३	र. २९	वि. ८	धनु	मंगल पू.भा. में ०९:३६ बजे, बुध अनुराधा में (A)
२५	३४	२	र.	२१	२७	१५	४१	मू.	०२	३२	०८	०७	गं.	३५	१५	कौ.	२१	२७	७:०६	५:२०	१८	२४	र. १	९	धनु	गण्डमूल समा. ०८:०७ बजे, मु. रविलाखर प्रा.।
२५	३३	३	सो.	२६	४७	१७	५०	पू.षा.	०८	४५	१०	३७	वृ.	३५	४२	ग.	२६	४७	७:०७	५:२०	१९	२५	२	१०	मकर १७:१८	भद्रा ३१:०४ बजे से प्रा., गुरु बाल्यत्व समा. १०:०५बजे।
२५	३२	४	मं.	३३	०५	२०	२२	उ.षा.	१५	५२	१३	२९	ध्रु.	३८	४७	वि.	३३	०५	७:०८	५:२१	२०	२६	३	११	मकर	भद्रा २०:२२ बजे तक, विनायक चतुर्थी।
२५	३०	५	बु.	३९	५५	२३	०६	श्र.	२३	४०	१६	३६	व्या.	४१	१७	ब.	०६	२७	७:०८	५:२१	२१	२७	४	१२	कुम्भ ३०:११	पंचक प्रा. ३०:११बजे, विवाह पंचमी, सीताराम विवाह,(B)
२५	२९	६	गु.	४६	४०	२५	४९	धनि.	३१	३०	१९	४५	ह.	४३	४०	कौ.	१३	२०	७:०९	५:२१	२२	२८	५	१३	कुम्भ	स्कन्द षष्ठी, चम्पा षष्ठी।
२५	२९	७	शु.	५२	४५	२८	१६	शत.	३८	२०	२२	४२	व.	४५	३५	ग.	१९	४७	७:१०	५:२१	२३	२९	६	१४	कुम्भ	भद्रा २८:१६ बजे से प्रा.।
२५	२८	८	श.	५७	३७	३०	१३	पू.भा.	४५	१०	२५	१४	सि.	४६	४०	वि.	२५	२२	७:१०	५:२२	२४	३०	७	१५	मीन १८:३६	भद्रा १७:१६ बजे तक, दुर्गाष्टमी।
२५	२७	९	र.	६०	००	-	-	उ.भा.	४९	५२	२७	०८	व्य.	४६	३०	बा.	२९	२५	७:११	५:२२	२५	पौ. १	८	१६	मीन	गण्डमूल प्रा. २७:०८ बजे, सूर्य मूल में धनु संक्रान्ति (C)
२५	२७	९	सो.	००	४२	०७	२९	रे.	५२	४२	२८	१७	वरि.	४४	४७	कौ.	००	४२	७:१२	५:२२	२६	२	९	१७	मेष २८:१७	पंचक समा. २८:१७ बजे।
२५	२६	१०	मं.	०१	५२	०७	५७	अश्वि.	५३	३५	२८	३८	परि.	४१	३५	ग.	०१	५२	७:१२	५:२३	२७	३	१०	१८	मेष	भद्रा १९:५२ बजे से प्रा., गण्डमूल समा. २८:३८ बजे।
२५	२६	११/१२	बु.	००/५८	५५/०३	०७/३०	३५/२६	भ.	५२	२७	२८	१२	शि.	३६	४५	वि.	००	५५	७:१३	५:२३	२८	४	११	१९	मेष	भद्रा ०७:३५ बजे तक, शनि अस्त ९:४३ बजे, (D)
२५	२६	१३	गु.	५३	२५	२८	३५	कृ.	४९	३७	२७	०४	सि.	३०	३०	कौ.	२५	५५	७:१३	५:२४	२९	५	१२	२०	वृष ९:५८	प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी।
२५	२५	१४	शु.	४७	१७	२६	०९	रो.	४५	२०	२५	२२	सा.	२२	५५	ग.	२०	३०	७:१४	५:२४	३०	६	१३	२१	वृष	भद्रा २६:०९ बजे से प्रा., शुक्र विशाखा में २८:४२ बजे,(E)
२५	२५	१५	श.	४०	१२	२३	१९	मृग.	४०	०२	२३	१५	शुभ	१४	२५	वि.	१३	५०	७:१४	५:२५	रा.पौ. १	७	१४	२२	मिथुन १२:२१	भद्रा १२:४६ बजे तक, बुध ज्येष्ठा में २१:२४ बजे,(F)

(A) १३:५८ बजे, चन्द्रदर्शन। (B) विहार पंचमी, नागपूजा (दाक्षिणात्य), स्वामी हरिदास जयन्ती, रामदास जयन्ती, बाबू बैजनाथ जयन्ती। (C) ०९:०९ बजे, सं. पुण्यकाल ९:०९ बजे से १५:३३ बजे तक। (D) मोक्षदा एकादशीव्रत (स.), गीताजयन्ती, मौनी एकादशी (जैन), मत्स्य द्वादशी। (E) सायंन सूर्य मकर में २७:५३ बजे, शिशिर ऋतु प्रा., उत्तरायण प्रा., पिशाच मोचन श्राद्ध, रोहिणी व्रत, सबसे छोटा दिन। (F) भारतीय पौष आरम्भ, पूर्णिमा व्रत, दत्तात्रेय जयंती, त्रिपुरभैरवी जयन्ती, सत्यव्रत।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०७	१०	१०	०७	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	२८	२३	२४	०७	१३	१४	१५	०४	०४
क.	५२	५२	३०	४३	५९	१२	१६	२०	२०
वि.	०५	००	३६	२१	४३	२२	२८	५४	५४
गति	६१ ०२	७२७ ३७	३९ २९	६० ३२	१३ ११	४७ २२	०६ ५४	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	ज्ये. ४ च.	पू.भा. २ च.	पू.भा. २ च.	अनु. २ च.	अनु. ४ च.	स्वा. ३ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य १ च.	उ.षा. ३ च.

१५ दिसम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

श. ९ | शु. ७ | के.१० | सू.बु.गु. ८ | ६ | मं.चं. ११ | ५ | १२ | २ | ४ रा. | १ | ३

मार्गशीर्ष शु. ८, शनिवार

इस मास में सूर्य-चन्द्र-बुध-गुरु का चतुर्ग्रही योग उनका शनि एवं शुक्र से द्विर्द्वादश तथा मंगल से केन्द्रीय योग तथा बुधोदय होने के कारण पूर्ववर्ती देशों में बाढ़, समुद्री तूफान एवं भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप से अत्यधिक मात्रा में जन-धन की हानि होगी। यूरोप, अमेरिका एवं भारत की पूर्वोत्तर सीमाओं पर सैनिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी। विश्व के कई देश एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई लड़ेंगे।

२२ दिसम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

सू.श. ९ | शु. ७ | के.१० | बु.गु. ८ | ६ | मं.११ | ५ | १२ | २ चं. | ४ रा. | १ | ३

मार्गशीर्ष शु. १५, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०१	१०	०७	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	०५	२६	२९	१५	१५	२०	१६	०३	०३
क.	५९	२४	०९	५१	३१	०३	०५	५८	५८
वि.	२९	४१	१२	११	२७	५१	११	३८	३८
गति	६० ०५	७७९ १७	३९ ५९	७८ ३६	१३ ४९	५३ १८	०७ ०१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मूल. २ च.	मृग. १ च.	पू.भा. ३ च.	अनु. ४ च.	अनु. ४ च.	विशा. १ च.	पू.षा. १ च.	पुष्य. १ च.	उ.षा. ३ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, पौष कृष्ण पक्ष (दि. २३ दिसम्बर २०१८ ई. से ५ जनवरी २०१९ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण २८१८, अयनांश २४:७:४

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२५	२५	१	र.	३२	२२	२०	१२	आ.	३४	००	२०	५१	शु./ब्र.	०५/५५	१०/३५	बा.	०६	२०	७:१५	५:२५	रा.पी./२	पौ./८	र./१५	दि./२३	मिथुन	मंगल मीन में १२:५७ बजे।
२५	२६	२	सो.	२४	२०	१६	५६	पुन.	२७	४७	१८	२२	ऐं.	४५	५५	ग.	२४	२०	७:१५	५:२६	३	९	१६	२४	कर्क १२:५६	भद्रा २७:२२ बजे प्रा.।
२५	२६	३	मं.	१६	१७	१३	४७	पु.	२१	३७	१५	५५	वै.	३६	२२	वि.	१६	१७	७:१६	५:२६	४	१०	१७	२५	कर्क	भद्रा १३:४७ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १५:५५ बजे,(A)
२५	२६	४	बु.	०८	४७	१०	४७	आश्ले.	१३	५७	१३	३९	वि.	२७	२०	बा.	०८	४७	७:१६	५:२७	५	११	१८	२६	सिंह १३:३९	
२५	२७	५/६	गु.	०१/५५	५७/१७	०६/२६	०३/४३	म.	११	०२	११	४१	प्री.	१८	५७	तै.	०१	५७	७:१६	५:२७	६	१२	१९	२७	सिंह	भद्रा २६:४३ बजे से प्रा., गण्डमूल समा. ११:४१ बजे,(B)
२५	२७	७	शु.	५३	५२	२७	५०	पू.फा.	०७	०५	१०	०७	आयु.	११	२०	वि.	२३	३२	७:१७	५:२८	७	१३	२०	२८	कन्या १५:४७	भद्रा १६:४२ बजे तक, मंगल उ.भा. में १२:३६ बजे।
२५	२८	८	श.	४७	५५	२६	२७	उ.फा.	०४	१७	०९	००	सौ./शो.	०४/५९	४३/०७	बा.	१९	२७	७:१७	५:२८	८	१४	२१	२९	कन्या	सूर्य पू.षा. में ११:२७ बजे, कालाष्टमी।
२५	२९	९	र.	४५	४५	२५	३५	ह.	०२	४७	०८	२४	अति.	५४	३२	तै.	१६	४०	७:१७	५:२९	९	१५	२२	३०	तुला २०:१७	
२५	३०	१०	सो.	४४	५५	२५	१६	चि.	०२	३०	०८	१८	सु.	५०	५७	व.	१५	१०	७:१८	५:३०	१०	१६	२३	३१	तुला	भद्रा १३:२२ बजे से २५:१६ बजे तक।
२५	३१	११	मं.	४५	२७	२५	२९	स्वा.	०३	३५	०८	४४	धृ.	४८	२७	ब.	१२	३२	७:१८	५:३०	११	१७	२४	ज./१	वृश्चिक २७:२३	बुध मूल धनु में ०६:५० बजे, शुक्र वृश्चिक में (C)
२५	३२	१२	बु.	४७	१२	२६	११	वि.	०५	५२	०९	३९	शू.	४६	५२	कौ.	१६	१०	७:१८	५:३१	१२	१८	२५	२	वृश्चिक	रूपद्वादशी।
२५	३३	१३	गु.	५०	०७	२७	२१	अनु.	०९	२२	११	०३	गं.	४६	१२	ग.	१८	३०	७:१८	५:३२	१३	१९	२६	३	वृश्चिक	भद्रा २७:२१ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. ११:०३ बजे,(D)
२५	३४	१४	शु.	५४	०७	२८	५८	ज्ये.	१३	५५	१२	५३	वृ.	४६	१७	वि.	२१	५७	७:१९	५:३२	१४	२०	२७	४	धनु १२:५३	भद्रा १६:०६ बजे तक, शुक्र अनुराधा में २८:४८ बजे,(E)
२५	३६	३०	श.	५९	०७	३०	५८	मू.	१९	३०	१५	०७	ध्रु.	४७	१२	चतु.	२६	३०	७:१९	५:३३	१५	२१	२८	५	धनु	गण्डमूल समा. १५:०७ बजे, शनैश्चरी अमावस्या।

(A) चतुर्थीव्रत, चन्द्रोदय २०:२७ बजे, क्रिसमस दिवस, ईसामसीह जयन्ती, मदन मोहन मालवीय जयन्ती। **(B)** गुरु ज्येष्ठा में १३:५६ बजे। **(C)** २०:४३ बजे, सफला एकादशी व्रत (स.) आङ्ग्ल नववर्षारम्भ। **(D)** राहु पुनर्वसु में १०:०६ बजे, प्रदोष व्रत। **(E)** मास शिवरात्रि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०५	११	०७	०७	०६	०८	०३	०९
अं.	१३	०८	०३	२५	१७	२६	१६	०३	०३
क.	०७	३१	४९	२७	०१	३०	५४	३६	३६
वि.	१५	३९	४९	२३	३३	३१	३२	२३	२३
गति	६१ ०९	८९३ २४	४० १३	८६ ०५	१३ ४३	५८ ३७	०७ ०५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	मूल. ४ च.	उ.फा. ४ च.	उ.भा. १ च.	ज्ये. ३ च.	ज्ये. १ च.	विशा. २ च.	पू.षा. २ च.	पुष्य १ च.	उ.षा. ३ च.

२९ दिसम्बर २०१८ ई., प्रातः ६:२७

के. १० | बु.गु. ८ | शु. ७ | ११ | सू.श. ९ | मं. १२ | ९ चं. | ३ | १ | ५ | २ | ४ रा.

पौष कृ. ८, शनिवार

इस मास में पाँच रविवार तथा पाँच सोमवार हैं और मकर संक्रान्ति सोमवार को है, अतः प्रजा में रोग, चोरी, डकैती, आतंकवाद से भय का वातावरण रहेगा। सरकार द्वारा इनसे निपटने के लिए भरसक प्रयास किये जायेंगे। लाल रंग की वस्तुओं, गुड़ तेल, अलसी, सरसों मक्का, अरहर, ज्वार, बाजार, कपास, ऊन, रेशम के भावों में तेजी रहेगी। गेहूँ, चना, जौ, मटर में घटाबढ़ी के बाद तेजी रहेगी। मिर्च-मसालों में मन्दी के बाद तेजी का रुख रहेगा।

५ जनवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२७

के. १० | शु.गु. ८ | ७ | ११ | सू.बु.श. चं. ९ | मं. १२ | ६ | ३ | १ | ५ | २ | ४ रा.

पौष कृष्ण ३०, शनिवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	०८	११	०८	०७	०७	०८	०३	०९
अं.	२०	०८	०८	०५	१८	०३	१७	०३	०३
क.	१५	५६	३२	४२	२९	२४	४४	१४	१४
वि.	२५	५३	०३	४५	३४	१०	०८	०७	०७
गति	६१ ०९	७३५ २८	४० २६	६० ००	१२ २२	६० ५३	०६ ०६	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.षा. ३ च.	मूल. ३ च.	उ.भा. २ च.	मूल. २ च.	ज्ये. १ च.	अनु. १ च.	पू.षा. २ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, पौष शुक्ल पक्ष (दि. ६ जनवरी २०१९ ई. से २१ जनवरी २०१९ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण २८३२, अयनांश २४:७:७

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२५	३७	१	र.	६०	००	–	–	पू.षा.	२६	००	१७	४३	व्या.	४८	४२	किं.	३१	५७	७:१९	५:३४	रा.पी. १६	पी. २२	र. २६	जन. ६	मकर २४:२४	आंशिक सूर्यग्रहण, भारत में अदृश्य।
२५	३९	१	सो.	०५	००	०९	१९	उ.षा.	३३	१२	२०	३६	ह.	५०	४७	ब.	०५	००	७:१९	५:३५	१७	२३	३०	७	मकर	चन्द्रदर्शन।
२५	४०	२	मं.	११	२७	११	५४	श्र.	४०	५२	२३	४०	व.	५३	१०	कौ.	११	२७	७:१९	५:३५	१८	२४	ज. १	८	मकर	मु. जमादिलावल प्रा.।
२५	४२	३	बु.	१८	१७	१४	३८	धनि.	४८	४५	२६	४९	सि.	५५	३७	ग.	१८	१७	७:१९	५:३६	१९	२५	२	९	कुम्भ १३:१५	भद्रा २८:०१ बजे से प्रा., पंचक प्रा. १३:१५ बजे,(A)
२५	४४	४	गु.	२५	०७	१७	२२	शत.	५६	२७	२९	५४	व्य.	५७	५५	वि.	२५	०७	७:१९	५:३७	२०	२६	३	१०	कुम्भ	भद्रा १७:२२ बजे तक, बुधास्त ११:२७ बजे, (B)
२५	४६	५	शु.	३१	३०	१९	५५	पू.भा.	६०	००	–	–	वरि.	५९	४२	बा.	३१	३०	७:१९	५:३८	२१	२७	४	११	मीन २६:०३	सूर्य उ.षा. में १३:२० बजे।
२५	४८	६	श.	३६	५५	२२	०५	पू.भा.	०३	३०	०८	४३	परि.	६०	००	कौ.	०४	२०	७:१९	५:३९	२२	२८	५	१२	मीन	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती।
२५	५०	७	र.	४०	५७	२३	४२	उ.भा.	०९	२७	११	०६	परि.	००	४०	ग.	०९	०७	७:१९	५:३९	२३	२९	६	१३	मीन	भद्रा २३:४२ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. ११:०६ बजे,(C)
२५	५२	८	सो.	४३	१५	२४	३७	रे.	१३	५२	१२	५२	शिव. सि.	०० ५८	२७ ५२	वि.	१२	२०	७:१९	५:४०	२४	मा. १	७	१४	मेष १२:५२	भद्रा १२:१५ बजे तक, पंचक समा. १२:५२ बजे,(D)
२५	५४	९	मं.	४३	३५	२४	४५	अश्वि.	१६	३२	१३	५६	सा.	५५	४५	बा.	१३	४०	७:१९	५:४१	२५	२	८	१५	मेष	गण्डमूल समा. १३:५६ बजे।
२५	५७	१०	बु.	४१	५२	२४	०४	भ.	१७	१२	१४	१२	शुभ.	५१	००	तै.	१३	००	७:१९	५:४२	२६	३	९	१६	वृष २०:०९	मंगल रेवती में ३१:१८ बजे।
२५	५९	११	गु.	३८	०७	२२	३४	कृ.	१५	५२	१३	४०	शु.	४४	४५	व.	१०	१५	७:१९	५:४३	२७	४	१०	१७	वृष	भद्रा ११:२५ बजे से २२:३४ बजे तक, शुक्र ज्येष्ठा में (E)
२६	०२	१२	शु.	३२	३७	२०	२२	रो.	१२	४५	१२	२५	ब्र.	३७	०५	ब.	०५	३५	७:१९	५:४४	२८	५	११	१८	मिथुन २३:३२	बुध उ.षा. में १९:२६ बजे, प्रदोष व्रत।
२६	०४	१३	श.	२५	४०	१७	३४	मृग.	०८	०२	१०	३१	ऐं.	२८	१५	तै.	२५	४०	७:१८	५:४४	२९	६	१२	१९	मिथुन	
२६	०७	१४	र.	१७	३२	१४	१९	आ. पुन.	०२ ५५	०२ १०	०८ २९	०७ २२	वै.	१८	३०	व.	१७	३२	७:१८	५:४५	३०	७	१३	२०	कर्क २४:०५	भद्रा १४:१९ बजे से २४:३४ बजे तक, बुध मकर में (F)
२६	१०	१५	सो.	०८	४०	१०	४९	पु.	४७	५२	२६	२७	वि. प्री.	०६ ५७	०५ २७	ब.	०८	४०	७:१८	५:४६	रा.मा. १	८	१४	२१	कर्क	गण्डमूल प्रा. २६:२७ बजे, भारतीय माघ आरम्भ,(G)

(A) बुध पू.षा. में ३१:०९ बजे। (B) विनायक चतुर्थी।। (C) गुरुगोविन्द सिंह जयन्ती,लोहड़ी, भानु सप्तमी। (D) सूर्य मकर में, मकर संक्रान्ति १९:५१ बजे, दुर्गाष्टमी, मकर संक्रान्ति, पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, पोंगल। (E) २१:५६ बजे, शनि उदय १७:०० बजे, पुत्रदा एकादशी व्रत (स.)। (F) २१:०९ बजे, सायन सूर्य कुम्भ में १४:२९ बजे, पूर्णिमा व्रत। (G) सत्यव्रत, माघ स्नान प्रा., शाकम्भरी जयन्ती, चन्द्रग्रहण (भारत में अदृश्य)।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०८	११	११	०८	०७	०७	०८	०३	०९
अं.	२९	२६	१४	१९	२०	१२	१८	०२	०२
क.	२५	३८	३६	२८	१८	४५	४७	४५	४५
वि.	५२	४२	४४	५८	४४	२०	३९	३०	३०
गति	६१ ०७	८०९ ३७	४० ३६	१०४ ०४	११ ४९	६४ ००	०७ ०१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.षा. १ च.	रेव. ३ च.	उ.भा. ४ च.	पू.षा. २ च.	ज्ये. २ च.	अनु. ३ च.	पू.षा. २ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

१४ जनवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२७

के. १० | शु.गु. ८ | सू.बु.श. ९ | ११ | ७ | मं.चं. १२ | ६ | ३ | १ | ५ | २ | ४ रा.

पौष शुक्ल ८, सोमवार

इस मास मे-सूर्य बुध-शनि का योग उनका गुरु-शुक्र एवं केतु से द्विर्द्वादश योग एवं राहु से षडष्टक योग तथा गुरु-शुक्र का मंगल से त्रिकोण सम्बन्ध होने के कारण भारत की चीन एवं पाकिस्तान की सीमाओं पर जबरदस्त सैनिक गतिरोध होगा। भारत के विरोधि रवैय्ये एवं कूटनैतिक बल पर विरोधियों को मुँह की खानी पड़ेगी।

२१ जनवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२७

सू.बु.के. १० | शु.गु. ८ | श. ९ | ११ | ७ | मं. १२ | ६ | ३ | १ | ५ | २ | ४ चं. रा.

पौष शुक्ल १५, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०३	११	०९	०७	०७	०८	०३	०९
अं.	०६	०४	१९	००	२१	२०	१९	०२	०२
क.	३३	००	२१	३७	३९	१९	३६	२३	२३
वि.	२६	५२	०४	५३	५२	०६	१९	१५	१५
गति	६१ ०२	९११ ११	४० ३८	९७ ४१	११ १८	६५ ५१	०६ ५३	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.षा. ३ च.	पुष्य. ३ च.	रेवती १ च.	उ.ष २ च.	ज्ये. २ च.	ज्ये. २ च.	पू.षा. २ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, माघ कृष्ण पक्ष (दि. २२ जनवरी से ४ फरवरी २०१९ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु, के. अहर्गण २८४८, अयनांश २४:७':९"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
०	०	१	सो.	५६	२७	३१	०५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	
२६	१३	२	मं.	५०	२०	२७	२६	आश्ले.	४०	३५	२३	३२	आयु.	४६	५२	तै.	२४	५२	७:१८	५:४७	रा.मा. २	मा. ६	ज. १५	जन. २२	सिंह २३:३२	
२६	१५	३	बु.	४१	४५	२३	५९	म.	३३	४२	२०	४६	सौ.	३६	४५	व.	१६	००	७:१७	५:४८	३	१०	१६	२३	सिंह	भद्रा १३:४१ बजे से २३:५९ बजे तक, गण्डमूल समा.(A)
२६	१८	४	गु.	३४	०२	२०	५४	पू.फा.	२७	४०	१८	२१	शो.	२७	१५	ब.	०७	४५	७:१७	५:४९	४	११	१७	२४	कन्या २३:४६	सूर्य श्रवण में १५:४१ बजे, चन्द्रोदय २१:३२ बजे,(B)
२६	२१	५	शु.	२७	३२	१८	१८	उ.फा.	२२	५०	१६	२५	अति.	१८	४५	कौ.	००	३७	७:१७	५:५०	५	१२	१८	२५	कन्या	हिमाचल पूर्ण राज्यत्व दिवस।
२६	२४	६	श.	२२	३७	१६	१९	ह.	१९	३०	१५	०४	सु.	११	२७	व.	२२	३७	७:१६	५:५०	६	१३	१९	२६	तुला २६:३६	भद्रा १६:१९ बजे से २७:३५ बजे तक, बुध श्रवण में,(C)
२६	२८	७	र.	१९	२५	१५	०२	चि.	१७	५०	१४	२४	धृ.	०५	३०	ब.	१९	२५	७:१६	५:५१	७	१४	२०	२७	तुला	कालाष्टमी।
२६	३१	८	सो.	१८	०२	१४	२९	स्वा.	१८	००	१४	२८	शू. गं.	५९ ५७	०० ५५	कौ.	१८	०२	७:१६	५:५२	८	१५	२१	२८	तुला	
२६	३४	९	मं.	१८	३५	१४	४१	वि.	१९	५७	१५	१४	वृ.	५६	१७	ग.	१८	३५	७:१५	५:५३	९	१६	२२	२९	वृश्चिक ८:५९	भद्रा २७:०२ बजे से प्रा., शुक्रमूल धनु में २३:२८ बजे।
२६	३७	१०	बु.	२०	४५	१५	३३	अनु.	२३	३२	१६	४०	ध्रु.	५५	४७	वि.	२०	४५	७:१५	५:५४	१०	१७	२३	३०	वृश्चिक	भद्रा १५:३३ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १६:४० बजे।
२६	४१	११	गु.	२४	३०	१७	०२	ज्ये.	२८	३५	१८	४०	व्या.	५६	२०	बा.	२४	३०	७:१४	५:५५	११	१८	२४	३१	धनु १८:४०	षट्तिला एकादशीव्रत (स.)।
२६	४४	१२	शु.	२९	२५	१९	००	मू.	३४	४२	२१	०७	ह.	५७	४०	तै.	२९	२५	७:१४	५:५६	१२	१९	२५	फ. १	धनु	गण्डमूल समा. २१:०७ बजे।
२६	४८	१३	श.	३५	१५	२१	१९	पू.षा.	४१	४२	२३	५४	व.	५९	३५	ग.	०४	४५	७:१३	५:५६	१३	२०	२६	२	मकर ३०:३९	भद्रा २१:१९ बजे से प्रा.,मेरु त्रयोदशी, (D)
२६	५१	१४	र.	४१	४०	२३	५३	उ.षा.	४९	१५	२६	५५	सि.	६०	००	वि.	०८	२२	७:१३	५:५७	१४	२१	२७	३	मकर	भद्रा १०:३४ बजे तक, बुध धनिष्ठा में १६:२२ बजे।
२६	५५	३०	सो.	४८	२२	२६	३३	श्र.	५७	०२	३०	०१	सि.	०१	५५	चतु.	१५	००	७:१२	५:५८	१५	२२	२८	४	मकर	मौनी अमावस्या, सोमावती अमावस्या, प्रयाग स्नान।

(A) २०:४६ बजे, चन्द्रोदय २०:२५ बजे, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती। (B) संकट चतुर्थी व्रत (संकट चौथ), गणेशोत्पति। (C) २२:३६ बजे, गणतन्त्र दिवस। (D) शनि प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०६	११	०९	०७	०७	०८	०३	०९
अं.	१३	१५	२४	१२	२२	२८	२०	०२	०२
क.	४०	३६	०५	१४	५७	०४	२३	०१	०१
वि.	२९	१३	३२	२१	१०	४६	५६	००	००
गति	६० ५८	७८२ ३९	४० ३८	१०२ ०२	१० ४२	६७ २१	०६ ४२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	श्रव. २ च.	स्वा. ३ च.	रेव. ३ च.	श्रव. १ च.	ज्ये. २ च.	ज्ये. ४ च.	पू.षा. ३ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

२८ जनवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२७

११ | श. ९ | मं. १२ | सू.बु.के. १० | शु.गु. ८ | १ | ७ चं. | २ | ४ रा. | ६ | ३ | ५

माघ कृष्ण ८, सोमवार

इस मास में पाँच सोमवार तथा पाँच मंगलवार हैं और कुम्भ संक्रान्ति बुधवार को है, अतः वर्षा समयानुकूल होने से अन्न की समुचित पैदावार से अन्नादि के भावों मे मन्दी रहेगी। प्रजा में परस्पर द्वेष एवं उग्रवाद का वातावरण रहेगा। गेहूँ, जौ, चना, मटर के भावों मे मन्दी रहेगी। मक्का, ज्वार, बाजरा, सूत के भावों में तेजी के बाद मन्दी रहेगी। पत्थर एवं पत्थर की वस्तुओं, उड़द, मूँग, कुलथी आदि दालों के भाव में तेजी रहेगी।

४ फरवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२७

११ | शु.श. ९ | मं. १२ | सू.बु.चं.के. १० | गु. ८ | १ | ७ | २ | ४ रा. | ६ | ३ | ५

माघ कृष्ण ३०, सोमवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०९	११	०९	०७	०८	०८	०३	०९
अं.	२०	११	२८	२४	२४	०५	२१	०१	०१
क.	४७	४४	५०	२२	१०	५९	१०	३८	३८
वि.	००	३६	००	१५	०३	५०	०७	४४	४४
गति	६० ५३	७०८ १२	४० ३८	१०६ २९	१० ०१	६८ ३०	०६ २८	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	श्रव. ४ च.	श्रव. १ च.	रेव. ४ च.	धनि. १ च.	ज्ये. ३ च.	मूल. २ च.	पू.षा. ३ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, माघ शुक्ल पक्ष (दि. ५ फरवरी से १९ फरवरी २०१९ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/वसन्त ऋतु, के. अहर्गण २८६२, अयनांश २४:७:१२'

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२६	५८	१	मं.	५५	१०	२९	१५	धनि.	६०	००	-	-	व्य.	०४	२५	किं.	२१	५०	७:११	५:५९	रा.मा. ५	मा. २३	ज. २९	फर. ५	कुम्भ १९:३५	पंचक प्रा. १९:३५ बजे, मंगल अश्विनी मेष में (A)
२७	०२	२	बु.	६०	००	-	-	धनि.	०४	५२	०६	०८	वरि.	०६	४५	बा.	२८	३०	७:११	६:००	१६	२४	३०	६	कुम्भ	सूर्य धनिष्ठा में १८:४७ बजे, चन्द्रदर्शन।
२७	०६	२	गु.	०१	४५	०७	५२	शत.	१२	२७	१२	०९	परि.	०९	०२	कौ.	०१	४५	७:१०	६:००	१८	२५	ज. १	७	कुम्भ	बुध कुम्भ में १०:१० बजे, मु. जमादिलाखर प्रा.।
२७	०९	३	शु.	०७	५२	१०	१८	पू.भा.	१९	३२	१४	५८	शि.	१०	५७	ग.	०७	५२	७:०९	६:०१	१९	२६	२	८	मीन ८:१७	भद्रा २३:२५ से प्रा., विनायक चतुर्थी, तिल चतुर्थी।
२७	१३	४	श.	१३	१२	१२	२६	उ.भा.	२५	५२	१७	३०	सि.	१२	१५	वि.	१३	१२	७:०९	६:०२	२०	२७	३	९	मीन	भद्रा १२:२६ बजे तक, गण्डमूल प्रा. १७:३० बजे।
२७	१७	५	र.	१७	३२	१४	०९	रे.	३०	५५	१९	३७	सा.	१२	५०	बा.	१७	३२	७:०८	६:०३	२१	२८	४	१०	मेष १९:३७	पंचक समा. १९:३६ बजे,बुध शतभिषा में २६:४६ बजे,(B)
२७	२१	६	सो.	२०	३५	१५	२१	अश्वि.	३५	१२	२१	१२	शुभ.	१२	२७	तै.	२०	३५	७:०७	६:०४	२२	२९	५	११	मेष	गण्डमूल समा. २१:१२ बजे, स्कन्द षष्ठी।
२७	२४	७	मं.	२२	००	१५	५५	भ.	३७	४०	२२	११	शु.	१०	५०	व.	२२	००	७:०७	६:०४	२३	३०	६	१२	वृष २८:१९	भद्रा १५:५५ बजे से २७:५६ बजे तक, बुध उदय (C)
२७	२८	८	बु.	२१	४२	१५	४७	कृ.	३८	२२	२२	२७	ब्र.	०७	५७	ब.	२१	४२	७:०६	६:०५	२४	फा. १	७	१३	वृष	सूर्य कुम्भ में, कुम्भ संक्रान्ति ८:४८ बजे, भीष्माष्टमी,(D)
२७	३२	९	गु.	१९	३५	१४	५५	रो.	३७	२०	२२	०१	ऐं. वै.	०४ ५७	४० ५५	कौ.	१९	३५	७:०५	६:०६	२५	२	८	१४	वृष	गुप्त (शिशिर) नवरात्र समाप्त।
२७	३६	१०	शु.	१५	३७	१३	१९	मृग.	३४	३०	२०	५२	वि.	५०	४५	ग.	१५	३७	७:०४	६:०७	२६	३	९	१५	मिथुन ९:३२	भद्रा २४:१५ बजे से प्रा.।
२७	४०	११	श.	०९	५७	११	०२	आर्द्रा.	३०	०५	१९	०५	प्री.	४२	२२	वि.	०९	५७	७:०३	६:०८	२७	४	१०	१६	मिथुन	भद्रा ११:०२ बजे तक, जया एकादशी व्रत (स.)।
२७	४४	१२ १३	र.	०२ ५४	५० ३०	०८ २८	१० ५०	पुन.	२४	२०	१६	४६	आयु.	३२	५५	बा.	०२	५०	७:०२	६:०८	२८	५	११	१७	कर्क ११:२३	प्रदोष व्रत, मरु महोत्सव जैसलमेर (राज.) प्रा., (E)
२७	४८	१४	सो.	४५	२५	२५	१२	पु.	१७	२७	१४	०१	सौ.	२२	४०	ग.	२०	०२	७:०२	६:०९	२९	६	१२	१८	कर्क	भद्रा २५:१२ बजे से प्रा., गण्डमूल प्रा. १४:०१ बजे,(F)
२७	५२	१५	मं.	३५	५५	२१	२३	आश्ले.	१०	०५	११	०३	शो.	११	५७	वि.	१०	४२	७:०१	६:१०	३०	७	१३	१९	सिंह ११:०३	भद्रा ११:१८ बजे तक, सूर्य शतभिषा में २३:१८ बजे,(G)

(A) २३:४८ बजे, गुप्त शिशिर नवरात्र प्रारम्भ। (B) शुक्र पू.षा. में १५:५२ बजे, वसन्त पंचमी, श्री पंचमी, सरस्वती पूजन। (C) १२:३४ बजे, रथ सप्तमी, भानु सप्तमी, अचला सप्तमी। (D) दुर्गाष्टमी, मन्वादि, संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से ८:४८ बजे तक। (E) भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी। (F) बुध पू.भा. में १५:१७ बजे, सायन सूर्य मीन में २८:३४ बजे, वसन्त ऋतु प्रा.। (G) माघी पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, सत्यव्रत, गुरु रविदास जयंती, मरु महोत्सव समाप्त, माघ स्नान समाप्त, ललिता जयन्ती, छत्रपति शिवाजी जयन्ती।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	०९	०१	००	१०	०७	०८	०८	०३	०९
अं.	२९	०१	०४	१०	२५	१६	२२	०१	०१
क.	५४	१०	५५	३३	३६	२०	०६	१०	१०
वि.	०२	०१	३०	३४	१८	५८	४३	०७	०७
गति	६० ४०	७९८ ४२	४० ३४	१०७ ५३	०९ ०१	६९ ३६	०५ ५९	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	धनि. २ च.	कृत्ति. २ च.	अश्वि. २ च.	शत. २ च.	ज्ये. ३ च.	पू.षा. १ च.	पू.षा. ३ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

१३ फरवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२७

बु.११ | शु.श. ९ | गु. ८ | सू.के. १० | १२ | मं. १ | ७ | चं.२ | ४ रा. | ६ | ३ | ५

माघ शुक्ल ८, बुधवार

इस मास में सूर्य-चन्द्र-बुध-केतु का चतुर्ग्रही योग उनका शुक्र-शनि से द्विर्द्वादश योग एवं राहु से समसप्तक योग तथा मंगल का गुरु से त्रिकोण सम्बन्ध होने के कारण भारत की सीमाओं पर चीन एवं पाकिस्तान के जबरदस्त सैनिक जमावड़े के बाद भारतीय विरोधि तेवरों एवं विश्वव्यापी राजनैतिक समर्थन से विरोधि सेनाओं को सीमाओं से सैनिकों के जमावड़े को हटाना पड़ेगा।

१९ फरवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२५

सू.बु. ११ | शु.श. ९ | गु. ८ | के. १० | १२ | म. १ | ७ | २ | ४ चं. रा. | ६ | ३ | ५

माघ शुक्ल १५, मंगलवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०३	००	१०	०७	०८	०८	०३	०९
अं.	०५	२७	०८	२१	२६	२३	२२	००	००
क.	५७	०४	५८	०३	२८	२०	४२	५१	५१
वि.	३२	४०	४०	२९	३४	०७	२२	०३	०३
गति	६० २९	९१६ २६	३० २९	९८ ११	०८ १७	७० १२	०५ ५५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	धनि. ४ च.	आश्ले. ४ च.	अश्वि. ३ च.	पू.भा. १ च.	ज्ये. ३ च.	पू.षा. ३ च.	पू.षा. ३ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दि. २० फरवरी से ६ मार्च २०१९ ई०), उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण २८७७, अयनांश २४:७':१३"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२७	५६	१	बु.	२६	३२	१७	३७	म. पू.फा.	०२ ५५	३० १०	०८ २९	०० ०४	अति. सु.	०१ ५०	०७ ३०	बा	०१	१२	७:००	६:११	रा.फा. १	फा. ८	ज. १४	फ. २०	सिंह	गण्डमूल समा.०८:०० बजे, भारतीय फाल्गुन आरम्भ।
२८	००	२	गु.	१७	३७	१४	०२	उ.फा.	४८	३७	२६	२६	धृ.	४०	३०	ग.	१७	३७	६:५९	६:११	२	६	१५	२१	कन्या १०:२२	भद्रा २४:२२ बजे से प्रा., शुक्र उ.षा. में २६:४२ बजे।
२८	०५	३	शु.	०९	४०	१०	५०	ह.	४३	१७	२४	१७	शू.	३१	२७	वि.	०९	४०	६:५८	६:१२	३	१०	१६	२२	कन्या	भद्रा १०:५० बजे तक, चन्द्रोदय २१:२२ बजे, चतुर्थीव्रत।
२८	०९	४ ५	श.	०३ ५८	०५ १२	०८ ३०	११ १४	चि.	३९	३५	२२	४७	गं.	२३	३७	बा.	०३	०५	६:५७	६:१३	४	११	१७	२३	तुला ११:२७	
२८	१३	६	र.	५५	२०	२९	०४	स्वा.	३७	४५	२२	०२	वृ.	१७	१७	ग.	२६	३२	६:५६	६:१३	५	१२	१८	२४	तुला	भद्रा २९:०४ से प्रा., शुक्र मकर में २२:४५ बजे।
२८	१७	७	सो.	५४	४०	२८	४७	वि.	३८	०२	२२	०८	ध्रु.	१२	३७	वि.	२७	१५	६:५५	६:१४	६	१३	१९	२५	वृश्चिक १६:०१	भद्रा १६:४९ बजे तक, मंगल भरणी में १७:३५ बजे,(A)
२८	२१	८	मं.	५६	०७	२९	२१	अनु.	४०	२२	२३	०३	व्या.	०९	४०	बा.	२५	०७	६:५४	६:१५	७	१४	२०	२६	वृश्चिक	गण्डमूल प्रा.२३:०३ बजे, कालाष्टमी, हलाष्टमी, (B)
२८	२५	९	बु.	५९	३०	३०	४१	ज्ये.	४४	४०	२४	४५	ह.	०८	१७	तै.	२७	३५	६:५३	६:१६	८	१५	२१	२७	धनु २४:४५	
२८	३०	१०	गु.	६०	००	-	-	मू.	५०	३५	२७	०६	व.	०८	२२	व.	३१	५०	६:५२	६:१६	९	१६	२२	२८	धनु	भद्रा १६:३६ बजे से प्रा. गण्डमूल समा. २७:०६ बजे,(C)
२८	३४	१०	शु.	०४	३०	०८	३९	पू.षा.	५७	३७	२९	५४	सि.	०९	३७	वि.	०४	३०	६:५१	६:१७	१०	१७	२३	मा. १	धनु	भद्रा ०८:३९ बजे तक।
२८	३८	११	श.	१०	३७	११	०५	उ.षा.	६०	००	-	-	व्य.	११	४०	बा.	१०	३७	६:५०	६:१८	११	१८	२४	२	मकर १२:४०	विजया एकादशी व्रत (स.)।
२८	४२	१२	र.	१७	२०	१३	४५	उ.षा.	०५	२५	०८	५९	वरि.	१४	१०	तै.	१७	२०	६:४९	६:१८	१२	१९	२५	३	मकर	प्रदोष व्रत।
२८	४७	१३	सो.	२४	१२	१६	२९	श्र.	१३	२५	१२	१०	परि.	१६	५०	व.	२४	१२	६:४८	६:१९	१३	२०	२६	४	कुम्भ २५:४४	भद्रा१६:२९ बजे से २९:४९ बजे तक, पंचक प्रा.(D)
२८	५१	१४	मं.	३०	५०	१९	०७	धनि.	२१	१२	१५	१६	शि.	१९	२०	श.	३०	५०	६:४७	६:१९	१४	२१	२७	५	कुम्भ	शुक्र श्रवण में ०९:४० बजे, बुध वक्री २३:४८ बजे,(E)
२८	५५	३०	बु.	३७	००	२१	३४	शत.	२८	३७	१८	१३	सि.	२१	३०	चतु.	०४	००	६:४६	६:२०	१५	२२	२८	६	कुम्भ	युगादि अमावस्या।

(A) बुध मीन में ०८:५३ बजे। (B) जानकी अष्टमी। (C) बुध उ.भा. में १५:३९ बजे, महर्षि दयानन्द सरस्वती जयंती। (D) २५:४४ बजे, सूर्य पू.भा. में २९:३६ बजे, महाशिवरात्रि व्रत। (E) महाशिवरात्रि व्रत पारणा।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०७	००	११	०७	०९	०८	०३	०९
अं.	१३	०७	१३	०१	२७	०१	२३	००	००
क.	००	५०	४१	०२	२३	३३	२१	२८	२८
वि.	२५	०५	३९	२९	४६	२४	२९	४७	४७
गति	५९ ०९	७६२ ३०	४० २१	६२ ५६	७० २०	७० ४४	०५ २१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	शत. २ च.	अनु. २ च.	भर. १ च.	पू.भा. ४ च.	ज्ये. ४ च.	उ.षा. २ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

२६ फरवरी २०१९ ई., प्रातः ६:२७

बु.१२ | सू. ११ | शु.के. १० | ९ श. | मं.१ | २ | ८ चं.गु. | ३ | ५ | ७ | ४ रा. | ६

फाल्गुन कृ. ८, मंगलवार

इस मास में पाँच बुधवार तथा पाँच गुरुवार हैं तथा मीन संक्रान्ति भी गुरुवार को है, अतः वर्षा कहीं कम तो कहीं अधिक होने की सम्भावना है। गेहूँ, जौ, चना के भाव तेजी के बाद मन्दे रहेंगे। घी, गुड़, शक्कर, चीनी, तैल, मिर्च-मसाला, उड़द, मूँग, मटर, तिल, अलसी, कपास, लोहा, जस्ता, गिल्ट, ताँबा, पीतल आदि धातुओं के भाव तेज रहेंगे। सोना, चाँदी, नारियल, मेवे के भाव मन्दे रहेंगे।

६ मार्च २०१९ ई., प्रातः ६:२७

बु. १२ | सू.चं. ११ | शु.के. १० | ९ श. | मं.१ | २ | ८ गु. | ३ | ५ | ७ | ४ रा. | ६

फाल्गुन कृ. ३०, बुधवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	१०	००	११	०७	०९	०८	०३	०९
अं.	२१	१४	१९	०५	२८	११	२४	००	००
क.	०२	०९	०४	३१	१८	०१	०२	०३	०३
वि.	१५	५४	०८	२२	२७	४२	३२	२१	२१
गति	६० ०६	७११ ००	४० १५	०७ ०९	०६ १०	७१ १८	०४ ५०	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.भा. १ च.	शत. ३ च.	भर. २ च.	उ.भा. १ च.	ज्ये. ४ च.	श्रव. १ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. ४ च.	उ.षा. २ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दि. ७ मार्च से २१ मार्च २०१९ ई०), उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण २८१२, अयनांश २४:७:१५"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
२८	५९	१	गु.	४२	२७	२३	४४	पू.भा.	३५	२२	२०	५४	सा.	२३	१२	किं.	०९	५०	६:४५	६:२०	रा.फा. १६	फा. २३	ज. २९	मा. ७	मीन १४:१५	राहु मिथुन में ०७:४५ बजे।
२९	०४	२	शु.	४७	०७	२५	३४	उ.भा.	४१	२२	२३	१६	शुभ	२३	२२	बा.	१४	५७	६:४३	६:२१	१७	२४	३०	८	मीन	गण्डमूल प्रा. २३:१६ बजे, बुधास्त २५:०२ बजे,(A)
२९	०८	३	श.	५०	५२	२७	०३	रे.	४६	३०	२५	१८	शु.	२४	५०	तै.	१९	०७	६:४२	६:२२	१८	२५	र. १	९	मेष २५:१८	पंचक समा. २५:१८ बजे, मु. रज्जब प्रा.।
२९	१२	४	र.	५३	३५	२८	०७	अश्वि.	५०	४०	२६	५७	ब्र.	२४	३२	व.	२२	२२	६:४१	६:२२	१९	२६	२	१०	मेष	भद्रा १५:३८ बजे से २८:०७ बजे तक, गण्डमूल समा.(B)
२९	१७	५	सो.	५५	०७	२८	४३	भ.	५३	४५	२८	१०	ऐं.	२३	२५	ब.	२४	३२	६:४०	६:२३	२०	२७	३	११	मेष	वक्री बुध पू.भा. में १३:०३ बजे।
२९	२१	६	मं.	५५	२७	२८	५०	कृ.	५५	३५	२८	५३	वै.	२१	२५	कौ.	२५	३०	६:३९	६:२४	२१	२८	४	१२	वृष १०:२३	
२९	२५	७	बु.	५४	२२	२८	२३	रो.	५६	०७	२९	०५	वि.	१८	२२	ग.	२५	०७	६:३८	६:२४	२२	२९	५	१३	वृष	भद्रा २८:२३ बजे से प्रारम्भ।
२९	३०	८	गु.	५१	५२	२७	२२	मृग.	५५	१२	२८	४२	प्री.	१४	१५	वि.	२३	२०	६:३७	६:२५	२३	चैत्र १	६	१४	मिथुन १६:५८	भद्रा १५:५७ बजे तक, सूर्य मीन में, मीन संक्रान्ति, (C)
२९	३४	९	शु.	४७	५२	२५	४४	आ.	५२	५२	२७	४४	आयु	०९	००	बा.	२०	०५	६:३५	६:२५	२४	२	७	१५	मिथुन	वक्री बुध कुम्भ में ०८:५९ बजे, मीन संक्रान्ति पुण्यकाल, (D)
२९	३८	१०	श.	४२	२७	२३	३३	पुन.	४९	०७	२६	१३	सौ./शो.	०३/५४	३३/५३	तै.	१५	२२	६:३४	६:२६	२५	३	८	१६	कर्क २०:३८	शुक्र धनिष्ठा में १४:०९ बजे।
२९	४३	११	र.	३५	४५	२०	५१	पु.	४४	०५	२४	११	अति.	४६	१७	व.	१६	४५	६:३३	६:२६	२६	४	९	१७	कर्क	भद्रा १०:१५ बजे से २०:५१ बजे तक, गण्डमूल प्रा.(E)
२९	४७	१२	सो.	२७	५७	१७	४३	आश्ले.	३८	०५	२१	४६	सु.	३६	५२	ब.	०२	००	६:३२	६:२७	२७	५	१०	१८	सिंह २१:४६	सूर्य उ.भा. में १४:०० बजे, गोविन्द द्वादशी, (F)
२९	५१	१३	मं.	१९	३०	१४	१९	म.	३१	२५	१९	०५	धृ.	२६	५५	तै.	१९	३०	६:३१	६:२८	२८	६	११	१९	सिंह	गण्डमूल समा. १९:०५ बजे।
२९	५६	१४	बु.	१०	३७	१०	४५	पू.फा.	२४	२७	१६	१७	शू.	१६	४२	व.	१०	३७	६:३०	६:२८	२९	७	१२	२०	कन्या २१:३५	भद्रा १०:४५ बजे से २०:५८ बजे तक, सायन सूर्य मेष (G)
३०	०१	१५	गु.	०१	५२	०७	१३	उ.फा.	१७	४५	१३	३४	गं./वृ.	०९/५९	३७/५५	ब.	०१	५२	६:२८	६:२९	३०	८	१३	२१	कन्या	शुक्र कुम्भ में २७:४५ बजे, अष्टाह्निक पर्व समाप्त,(H)

(A) चन्द्रदर्शन, फुलेरा दोज, रामकृष्ण परमहंस जयन्ती। (B) २६:५७ बजे, विनायक चतुर्थी। (C) २९:४० बजे, दुर्गाष्टमी, होलाष्टक प्रा., औलीजैन प्रा., अष्टाह्निक पर्व आरम्भ। (D) सूर्योदय से मध्याह्न तक। (E) २४:११ बजे, मंगल कृत्तिका में १४:५९ बजे, आमलकी एकादशी व्रत (स.), रङ्गभरी एकादशी। (F) सोम प्रदोष व्रत। (G) में २७:२८ बजे, पूर्णिमा व्रत, होलिका दहन २०:५८ के बाद, हजरत अली जन्म दिवस। (H) होलाष्टक समाप्त, औली जैन समाप्त, सत्यव्रत, चैतन्य महाप्रभु जयन्ती, मन्वादि, पारसी नव वर्ष, होली, धूलैण्डी, धूलिवन्दन।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	१०	०१	००	११	०७	०९	०८	०२	०८
अं.	२९	२४	२४	०१	२९	२०	२४	२९	२९
क.	०२	०६	२५	०२	०३	३३	३९	३७	३७
वि.	०८	००	३४	२३	२१	३३	०८	५५	५५
गति	५९ ५०	८१४ १३	४० ०६	५६ २०	०४ ५३	७१ ४१	०४ १५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	पू.भा. ३ च.	मृग. १ च.	भर. ४ च.	पू.भा. ४ च.	ज्ये. ४ च.	श्रव. ४ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. ३ च.	उ.षा. १ च.

१४ मार्च २०१९ ई., प्रातः ६:२७

बु.१२
शु. १०
मं.१
सू. ११
९ श. के.
चं.२
८
गु.
५
रा.३
७
४
६

फाल्गुन शु. ८, गुरुवार

इस मास में सूर्य का शुक्र-केतु एवं बुध से द्विर्द्वादश योग तथा राहु से षडष्टक योग शुक्र-केतु का शनि एवं सूर्य से द्विर्द्वादश योग एवं मंगल से केन्द्रीय योग होने के कारण पश्चिमी एवं मुस्लिम देशों में युद्धोन्माद एवं उग्रवादी घटनाओं का बोलवाला रहेगा। मुस्लिम राष्ट्रों में उग्रवाद एवं आतंकवाद चरम पर होने के कारण किसी देश में तख्तापलट की भी सम्भावना है।

२१ मार्च २०१९ ई., प्रातः ६:२७

मं. १
बु. ११
२
सू. १२
शु. १०
रा.३
९ श.के.
६
चं.
४
८ गु.
५
७

फाल्गुन शु. १५, गुरुवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०५	००	१०	०७	०९	०८	०२	०८
अं.	०६	०५	२९	२४	२९	२८	२५	२९	२९
क.	००	३३	०५	४६	३४	५६	०७	१५	१५
वि.	०८	२५	४३	०१	०२	१०	१०	४०	४०
गति	५९ ३४	८९५ ०६	३९ ५६	४० व. ५९	०३ ४२	७१ ५७	०३ ४१	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.भा. १ च.	उ.फा. ३ च.	कृत्ति. १ च.	पू.भा. २ च.	ज्ये. ४ च.	धनि. २ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. ३ च.	उ.षा. १ च.

वि. सं. २०७५, शाके १९४०, चैत्र कृष्ण. पक्ष (दि. २२ मार्च से ०५ अप्रैल २०१९ ई०), उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त ऋतु, के. अहर्गण २१०७, अयनांश २४:७':१६"

दि.	मा.	ति.	वा.	घ.	प.	घं.	मि.	नक्ष.	घ.	प.	घं.	मि.	यो.	घ.	प.	कर.	घ.	प.	सूर्योदय	सूर्यास्त	रा.	प्र.	मु.	अं.	चन्द्रचार	विवरण (भारतीय स्टैं. समय में)
०	०	**१**	गु.	५३	३२	२७	५३	**०**	०	०	०	०	**०**	०	०	**०**	०	०	०	०	०	०	०	**०**	०	
३०	०५	**२**	**शु.**	४६	१२	२४	५६	**ह.**	११	३७	११	०६	**ध्रु.**	४८	०२	**तै.**	१६	४५	६:२७	६:२६	रा.वै. १	चै. ६	र. १४	**मा. २२**	तुला २२:०१	मंगल वृष में १५:०५ बजे, बुध उदय १६:४५ बजे, **(A)**
३०	१०	**३**	**श.**	४०	१५	२२	३२	**चि.**	०६	३७	०६	०५	**व्या.**	४०	२२	**व.**	१३	०२	६:२६	६:३०	२	१०	१५	**२३**	तुला	भद्रा ११:३६ बजे से २२:३२ बजे तक, चन्द्रोदय २१:०८ बजे।
३०	१४	**४**	**र.**	३६	०५	२०	५१	**स्वा.**	०३	१०	०७	४१	**ह.**	३४	०७	**ब.**	०७	५७	६:२५	६:३०	३	११	१६	**२४**	वृश्चिक २५:०८	चन्द्रोदय २२:१० बजे, चतुर्थीव्रत।
३०	१८	**५**	**सो.**	३४	०२	२०	००	**वि.**	०१	४०	०७	०३	**व.**	२६	३५	**कौ.**	०४	४५	६:२३	६:३१	४	१२	१७	**२५**	वृश्चिक	रंग पंचमी, मेला नवचण्डी (मेरठ) प्रारम्भ।
३०	२२	**६**	**मं.**	३४	१०	२०	०२	**अनु.**	०२	१२	०७	१५	**सि.**	२६	४२	**ग.**	०३	५०	६:२२	६:३१	५	१३	१८	**२६**	वृश्चिक	भद्रा २०:०२ बजे से ०८:२२ बजे तक, गण्डमूल प्रा.**(B)**
३०	२७	**७**	**बु.**	३६	२५	२०	५५	**ज्ये.**	०४	५५	०८	१६	**व्य.**	२५	३२	**वि.**	०५	०२	६:२१	६:३२	६	१४	१९	**२७**	धनु ०८:१६	शुक्र शतभिषा में १६:५७ बजे, मेला नवचण्डी (मेरठ),**(C)**
३०	३१	**८**	**गु.**	४०	३५	२२	३४	**मू.**	०९	३५	१०	१०	**वरि.**	२५	५२	**बा.**	०८	२०	६:२०	६:३३	७	१५	२०	**२८**	धनु	गण्डमूल समा. १०:११ बजे, बुध मार्गी १६:२८ बजे,**(D)**
३०	३५	**९**	**शु.**	४६	१२	२४	४८	**पू.षा.**	१५	५५	१२	४१	**परि.**	२७	२५	**तै.**	१३	१७	६:१९	६:३३	८	१६	२१	**२९**	मकर १९:२३	गुरु मूल धनु में २०:०७ बजे।
३०	४०	**१०**	**श.**	५२	४२	२७	२३	**उ.षा.**	२३	१७	१५	३७	**शि.**	२९	४२	**व.**	१९	२५	६:१८	६:३४	९	१७	२२	**३०**	मकर	भद्रा १४:०४ बजे से २७:२३ बजे तक।
३०	४४	**११**	**र.**	५९	३०	३०	०४	**श्र.**	३१	१५	१८	४६	**सि.**	३२	२७	**ब.**	२६	१०	६:१६	६:३४	१०	१८	२३	**३१**	मकर	सूर्य रेवती में २४:५३ बजे, पापमोचिनी एकादशी व्रत,**(E)**
३०	४८	**१२**	**सो.**	६०	००	-	-	**धनि.**	३९	०७	२१	५४	**सा.**	३५	०५	**कौ.**	३२	५०	६:१५	६:३५	११	१९	२४	**अप्रै. १**	कुम्भ ०८:२१	पंचक प्रा. ०८:२१ बजे, बैंक अवकाश, **(F)**
३०	५२	**१२**	**मं.**	०६	०२	०८	३९	**शत.**	३८	५७	२४	४९	**शुभ.**	३७	२०	**तै.**	०६	०२	६:१४	६:३५	१२	२०	२५	**२**	कुम्भ	भौम प्रदोष व्रत, वारुणी योग प्रातः ०८:३९ से सूर्यास्त तक।
३०	५७	**१३**	**बु.**	११	४७	१०	५६	**पू.भा.**	५२	५७	२७	२४	**शु.**	३८	५५	**व.**	११	४७	६:१३	६:३६	१३	२१	२६	**३**	मीन २०:४८	भद्रा १०:५६ बजे से २३:५७ बजे तक, मास शिवरात्रि।
३१	०१	**१४**	**गु.**	१६	३७	१२	५१	**उ.भा.**	५८	३०	२९	३६	**ब्र.**	३९	४७	**शकु.**	१६	३७	६:१२	६:३६	१४	२२	२७	**४**	मीन	गण्डमूल प्रा. २९:३६ बजे।
३१	०५	**३०**	**शु.**	२०	२२	१४	२०	**रे.**	६०	००	-	-	**ऐं.**	३९	४७	**ना.**	२०	२२	६:११	६:३७	१५	२३	२८	**५**	मीन	अमावस्या स्नान-दान-श्राद्धादि, मेला पेहवा(पृथुदक),**(G)**

(A) भारतीय चैत्रारम्भ। **(B)** ०७:१५ बजे, एकनाथ षष्ठी। **(C)** समाप्त, कालाष्टमी। **(D)** शीतलाष्टमी, बासोड़ा। **(E)** (स्मा.+वै.)। **(F)** पापमोचिनी एकादशी व्रत (निम्बार्क), उड़ीसा दिवस। **(G)** विक्रम-संवत् २०७५ समाप्त।

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	०८	०१	१०	०७	१०	०८	०२	०८
अं.	१२	११	०३	२१	२९	०७	२५	२८	२८
क.	५६	२६	४४	५९	५६	२०	३१	५३	५३
वि.	२८	१५	४५	१९	१४	३७	११	२४	२४
गति	४९ २२	७२७ १५	४० ४७	०० व. १५	०२ २७	७२ १२	०३ ०५	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	उ.भा. ३ च.	मूल. ४ च.	कृत्ति. ४ च.	पू.भा. १ च.	ज्ये. ४ च.	शत. १ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. ३ च.	उ.षा. १ च.

२८ मार्च २०१९ ई., प्रातः ६:२७

सू. १२; बु.शु. ११; १०; चं. ९ श.के.; ८ गु.; ७; ६; ५; ४; रा.३; मं.२; १

चैत्र कृ. ८, गुरुवार

इस मास में धनुराशिगत गुरु-शनि-केतु की युति उनका सूर्य से केन्द्रीय एवं राहु से समसप्तक योग तथा मंगल से षडष्टक होने के कारण पश्चिमोत्तर में आतंकवाद एवं उग्रवाद का बोलवाला रहेगा। राजनीतिज्ञों, मन्त्रियों, न्यायविदों एवं शिक्षकों के लिए यह समय कष्टकारक रहेगा। शिक्षित युवावर्ग बेरोजगारी से त्रस्त रहेगा। सत्तापक्ष एवं विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा।

५ अप्रैल २०१९ ई., प्रातः ६:२७

सू.चं. १२; बु.शु. ११; १०; गु. ९ श.के.; ८; ७; ६; ५; ४; रा.३; मं.२; १

चैत्र कृ. ३०, शुक्रवार

ग्र.	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	रा.	के.
रा.	११	११	०१	१०	०८	१०	०८	०२	०८
अं.	२०	१७	०९	२४	००	१६	२५	२८	२८
क.	५०	०६	०२	२२	१०	५८	५३	२७	२७
वि.	२९	१६	२५	३२	४२	५९	२३	५८	५८
गति	५९ ०६	७४४ ४७	४० ३७	३८ मा. २७	०० ५६	७२ २४	०२ २२	०३ ११	०३ ११
नक्षत्र चरण	रेव. २ च.	रेव. १ च.	कृत्ति. ४ च.	पू.भा. २ च.	मूल. १ च.	शत. ४ च.	पू.षा. ४ च.	पुन. ३ च.	उ.षा. १ च.

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मार्च २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	गुरु	१० १६ १६ ३५	०४ ०२ ५१ ३२	०७ २६ १० ०६	१० २६ १३ २२	०६ २९ ०० ४०	१० २८ २८ ५०	०८ १३ १२ ३६	०३ १९ ३६ ४६	०९ १९ ३६ ४६
२	शुक्र	१० १७ १६ ४७	०४ १७ १९ ५९	०७ २६ ४५ ३७	१० २८ ०६ ०५	०६ २९ ०२ ०६	१० २९ ४३ ३८	०८ १३ १६ ५७	०३ १९ ३६ ३६	०९ १९ ३६ ३६
३	शनि	१० १८ १६ ५७	०५ ०१ ३४ १४	०७ २७ २१ ०५	१० २९ ५७ ५५	०६ २९ ०३ २१	११ ०० ५८ २४	०८ १३ २१ १३	०३ १९ ३३ २५	०९ १९ ३३ २५
४	रवि	१० १९ १७ ०५	०५ १५ २९ १९	०७ २७ ५६ ३०	११ ०१ ४८ ३१	०६ २९ ०४ २४	११ ०२ १३ ०९	०८ १३ २५ २४	०३ १९ ३० १४	०९ १९ ३० १४
५	सोम	१० २० १७ १२	०५ २९ ०१ ५८	०७ २८ ३१ ५२	११ ०३ ३७ ३०	०६ २९ ०५ १७	११ ०३ २७ ५३	०८ १३ २९ ३१	०३ १९ २७ ०३	०९ १९ २७ ०३
६	मंगल	१० २१ १७ १७	०६ १२ १० ५७	०७ २९ ०७ ०९	११ ०५ २४ २७	०६ २९ ०५ ५८	११ ०४ ४२ ३५	०८ १३ ३३ ३३	०३ १९ २३ ५३	०९ १९ २३ ५३
७	बुध	१० २२ १७ २०	०६ २४ ५७ ०५	०७ २९ ४२ २४	११ ०७ ०८ ५५	०६ २९ ०६ २८	११ ०५ ५७ १५	०८ १३ ३७ ३०	०३ १९ २० ४२	०९ १९ २० ४२
८	गुरु	१० २३ १७ २२	०७ ०७ २२ ५०	०८ ०० १७ ३४	११ ०८ ५० २३	०६ २९ ०६ ४६	११ ०७ ११ ५५	०८ १३ ४१ २२	०३ १९ १७ ३१	०९ १९ १७ ३१
९	शुक्र	१० २४ १७ २२	०७ १९ ३२ ००	०८ ०० ५२ ४१	११ १० २८ २१	०६ २९ ०६ ५४	११ ०८ २६ ३३	०८ १३ ४५ १०	०३ १९ १४ २०	०९ १९ १४ २०
१०	शनि	१० २५ १७ २०	०८ ०१ २९ ११	०८ ०१ २७ ४४	११ १२ ०२ १७	०६ २९ ०६ ५०	११ ०९ ४१ ०९	०८ १३ ४८ ५२	०३ १९ ११ १०	०९ १९ ११ १०
११	रवि	१० २६ १७ १७	०८ १३ १९ २५	०८ ०२ ०२ ४२	११ १३ ३१ ४०	०६ २९ ०६ ३४	११ १० ५५ ४४	०८ १३ ५२ ३०	०३ १९ ०७ ५९	०९ १९ ०७ ५९
१२	सोम	१० २७ १७ १२	०८ २५ ०७ ५०	०८ ०२ ३७ ३६	११ १४ ५५ ५६	०६ २९ ०६ ०८	११ १२ १० १८	०८ १३ ५६ ०३	०३ १९ ०४ ४८	०९ १९ ०४ ४८
१३	मंगल	१० २८ १७ ०६	०९ ०६ ५९ २०	०८ ०३ १२ २६	११ १६ १४ ३६	०६ २९ ०५ ३०	११ १३ २४ ५०	०८ १३ ५९ ३०	०३ १९ ०१ ३७	०९ १९ ०१ ३७
१४	बुध	१० २९ १६ ५८	०९ १८ ५८ १९	०८ ०३ ४७ ११	११ १७ २७ १०	०६ २९ ०४ ४०	११ १४ ३९ २०	०८ १४ ०२ ५२	०३ १८ ५८ २६	०९ १८ ५८ २६
१५	गुरु	११ ०० १६ ४८	१० ०१ ०८ ३२	०८ ०४ २१ ५२	११ १८ ३३ ११	०६ २९ ०३ ४०	११ १५ ५३ ४९	०८ १४ ०६ ०९	०३ १८ ५५ १६	०९ १८ ५५ १६
१६	शुक्र	११ ०१ १६ ३६	१० १३ ३२ ४८	०८ ०४ ५६ २७	११ १९ ३२ १४	०६ २९ ०२ २८	११ १७ ०८ १७	०८ १४ ०९ २१	०३ १८ ५२ ०५	०९ १८ ५२ ०५
१७	शनि	११ ०२ १६ २२	१० २६ १२ ५१	०८ ०५ ३० ५८	११ २० २३ ५६	०६ २९ ०१ ०४	११ १८ २२ ४३	०८ १४ १२ २८	०३ १८ ४८ ५४	०९ १८ ४८ ५४
१८	रवि	११ ०३ १६ ०७	११ ०९ ०९ १७	०८ ०६ ०५ २४	११ २१ ०८ ०१	०६ २८ ५९ ३०	११ १९ ३७ ०७	०८ १४ १५ २९	०३ १८ ४५ ४३	०९ १८ ४५ ४३
१९	सोम	११ ०४ १५ ४९	११ २२ २१ ३२	०८ ०६ ३९ ४४	११ २१ ४४ १३	०६ २८ ५७ ४४	११ २० ५१ २९	०८ १४ १८ २५	०३ १८ ४२ ३३	०९ १८ ४२ ३३
२०	मंगल	११ ०५ १५ २९	०० ०५ ४८ ०८	०८ ०७ १३ ५९	११ २२ १२ २२	०६ २८ ५५ ४७	११ २२ ०५ ४९	०८ १४ २१ १५	०३ १८ ३९ २२	०९ १८ ३९ २२
२१	बुध	११ ०६ १५ ०७	०० १९ २६ ५७	०८ ०७ ४८ ०८	११ २२ ३२ २२	०६ २८ ५३ ४०	११ २३ २० ०८	०८ १४ २४ ००	०३ १८ ३६ ११	०९ १८ ३६ ११
२२	गुरु	११ ०७ १४ ४३	०१ ०३ १५ ३९	०८ ०८ २२ १२	११ २२ ४४ १३	०६ २८ ५१ २१	११ २४ ३४ २५	०८ १४ २६ ४०	०३ १८ ३३ ००	०९ १८ ३३ ००
२३	शुक्र	११ ०८ १४ १७	०१ १७ १२ ०२	०८ ०८ ५६ ११	११ २२ ४८ ००	०६ २८ ४८ ५१	११ २५ ४८ ४०	०८ १४ २९ १४	०३ १८ २९ ५०	०९ १८ २९ ५०
२४	शनि	११ ०९ १३ ४८	०२ ०१ १४ १७	०८ ०९ ३० ०३	११ २२ ४३ ५२	०६ २८ ४६ ११	११ २७ ०२ ५२	०८ १४ ३१ ४२	०३ १८ २६ ३९	०९ १८ २६ ३९
२५	रवि	११ १० १३ १७	०२ १५ २० ५५	०८ १० ०३ ५०	११ २२ ३२ ०९	०६ २८ ४३ १९	११ २८ १७ ०३	०८ १४ ३४ ०५	०३ १८ २३ २८	०९ १८ २३ २८
२६	सोम	११ ११ १२ ४४	०२ २९ ३० ४२	०८ १० ३७ ३१	११ २२ १३ १३	०६ २८ ४० १८	११ २९ ३१ ११	०८ १४ ३६ २२	०३ १८ २० १७	०९ १८ २० १७
२७	मंगल	११ १२ १२ ०८	०३ १३ ४२ १६	०८ ११ ११ ०६	११ २१ ४७ ३७	०६ २८ ३७ ०६	०० ०० ४५ १८	०८ १४ ३८ ३४	०३ १८ १७ ०६	०९ १८ १७ ०६
२८	बुध	११ १३ ११ ३०	०३ २७ ५३ ४४	०८ ११ ४४ ३५	११ २१ १५ ५७	०६ २८ ३३ ४३	०० ०१ ५९ २२	०८ १४ ४० ३९	०३ १८ १३ ५६	०९ १८ १३ ५६
२९	गुरु	११ १४ १० ५०	०४ १२ ०२ ३१	०८ १२ १७ ५८	११ २० ३८ ५८	०६ २८ ३० १०	०० ०३ १३ २४	०८ १४ ४२ ४०	०३ १८ १० ४५	०९ १८ १० ४५
३०	शुक्र	११ १५ १० ०७	०४ २६ ०५ १७	०८ १२ ५१ १५	११ १९ ५७ ३१	०६ २८ २६ २७	०० ०४ २७ २४	०८ १४ ४४ ३४	०३ १८ ०७ ३४	०९ १८ ०७ ३४
३१	शनि	११ १६ ०९ २३	०५ ०९ ५८ १०	०८ १३ २४ २५	११ १९ १२ ३१	०६ २८ २२ ३४	०० ०५ ४१ २२	०८ १४ ४६ २३	०३ १८ ०४ २३	०९ १८ ०४ २३

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अप्रैल २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	रवि	११ १७ ०८ ३६	०५ २३ ३७ १८	०८ १३ ५७ २९	११ १८ २४ ५६	०६ २८ १८ ३१	०० ०६ ५५ १७	०८ १४ ४८ ०६	०३ १८ ०१ १३	०९ १८ ०१ १३
२	सोम	११ १८ ०७ ४७	०६ ०६ ५९ ३१	०८ १४ ३० २६	११ १७ ३५ ४७	०६ २८ १४ १९	०० ०८ ०९ ११	०८ १४ ४९ ४४	०३ १७ ५८ ०२	०९ १७ ५८ ०२
३	मंगल	११ १९ ०६ ५७	०६ २० ०२ ४७	०८ १५ ०३ १७	११ १६ ४६ ०४	०६ २८ ०९ ५७	०० ०९ २३ ०२	०८ १४ ५१ १६	०३ १७ ५४ ५१	०९ १७ ५४ ५१
४	बुध	११ २० ०६ ०४	०७ ०२ ४६ ३७	०८ १५ ३६ ००	११ १५ ५६ ४६	०६ २८ ०५ २५	०० १० ३६ ५१	०८ १४ ५२ ४१	०३ १७ ५१ ४०	०९ १७ ५१ ४०
५	गुरु	११ २१ ०५ १०	०७ १५ १२ ०८	०८ १६ ०८ ३७	११ १५ ०८ ५०	०६ २८ ०० ४४	०० ११ ५० ३८	०८ १४ ५४ ०१	०३ १७ ४८ २९	०९ १७ ४८ २९
६	शुक्र	११ २२ ०४ १४	०७ २७ २१ ५७	०८ १६ ४१ ०५	११ १४ २३ ०५	०६ २७ ५५ ५३	०० १३ ०४ २३	०८ १४ ५५ १६	०३ १७ ४५ १९	०९ १७ ४५ १९
७	शनि	११ २३ ०३ १६	०८ ०९ १९ ५३	०८ १७ १३ २७	११ १३ ४० १९	०६ २७ ५० ५४	०० १४ १८ ०६	०८ १४ ५६ २४	०३ १७ ४२ ०८	०९ १७ ४२ ०८
८	रवि	११ २४ ०२ १६	०८ २१ १० ३७	०८ १७ ४५ ४०	११ १३ ०१ ०९	०६ २७ ४५ ४६	०० १५ ३१ ४७	०८ १४ ५७ २६	०३ १७ ३८ ५७	०९ १७ ३८ ५७
९	सोम	११ २५ ०१ १५	०९ ०२ ५९ २५	०८ १८ १७ ४५	११ १२ २६ ०९	०६ २७ ४० २९	०० १६ ४५ २६	०८ १४ ५८ २३	०३ १७ ३५ ४६	०९ १७ ३५ ४६
१०	मंगल	११ २६ ०० ११	०९ १४ ५१ ४२	०८ १८ ४९ ४२	११ ११ ५५ ४४	०६ २७ ३५ ०३	०० १७ ५९ ०३	०८ १४ ५९ १४	०३ १७ ३२ ३६	०९ १७ ३२ ३६
११	बुध	११ २६ ५९ ०६	०९ २६ ५२ ४७	०८ १९ २१ ३०	११ ११ ३० १३	०६ २७ २९ २९	०० १९ १२ ३७	०८ १४ ५९ ५८	०३ १७ २९ २५	०९ १७ २९ २५
१२	गुरु	११ २७ ५८ ००	१० ०९ ०७ ३२	०८ १९ ५३ ०९	११ ११ ०९ ५०	०६ २७ २३ ४७	०० २० २६ १०	०८ १५ ०० ३७	०३ १७ २६ १४	०९ १७ २६ १४
१३	शुक्र	११ २८ ५६ ५१	१० २१ ३९ ५४	०८ २० २४ ३९	११ १० ५४ ४३	०६ २७ १७ ५७	०० २१ ३९ ४०	०८ १५ ०१ १०	०३ १७ २३ ०३	०९ १७ २३ ०३
१४	शनि	११ २९ ५५ ४१	११ ०४ ३२ ३७	०८ २० ५५ ५९	११ १० ४४ ५६	०६ २७ १२ ००	०० २२ ५३ ०८	०८ १५ ०१ ३७	०३ १७ १९ ५३	०९ १७ १९ ५३
१५	रवि	०० ०० ५४ २९	११ १७ ४६ ४२	०८ २१ २७ १०	११ १० ४० २७	०६ २७ ०५ ५५	०० २४ ०६ ३४	०८ १५ ०१ ५८	०३ १७ १६ ४२	०९ १७ १६ ४२
१६	सोम	०० ०१ ५३ १५	०० ०१ २१ १९	०८ २१ ५८ ११	११ १० ४१ १४	०६ २६ ५९ ४३	०० २५ १९ ५८	०८ १५ ०२ १३	०३ १७ १३ ३१	०९ १७ १३ ३१
१७	मंगल	०० ०२ ५१ ५८	०० १५ १३ ४२	०८ २२ २९ ०१	११ १० ४७ १०	०६ २६ ५३ २४	०० २६ ३३ २०	०८ १५ ०२ २२	०३ १७ १० २०	०९ १७ १० २०
१८	बुध	०० ०३ ५० ४०	०० २९ १९ ३७	०८ २२ ५९ ४२	११ १० ५८ ०८	०६ २६ ४६ ५८	०० २७ ४६ ३९	०८ १५ ०२ २५	०३ १७ ०७ ०९	०९ १७ ०७ ०९
१९	गुरु	०० ०४ ४९ २०	०१ १३ ३३ ५६	०८ २३ ३० ११	११ ११ १३ ५७	०६ २६ ४० २६	०० २८ ५९ ५५	०८ १५ ०२ २२	०३ १७ ०३ ५९	०९ १७ ०३ ५९
२०	शुक्र	०० ०५ ४७ ५८	०१ २७ ५१ ३८	०८ २४ ०० २९	११ ११ ३४ २८	०६ २६ ३३ ४८	०१ ०० १३ ०९	०८ १५ ०२ १३	०३ १७ ०० ४८	०९ १७ ०० ४८
२१	शनि	०० ०६ ४६ ३३	०२ १२ ०८ २३	०८ २४ ३० ३७	११ ११ ५९ ३०	०६ २६ २७ ०४	०१ ०१ २६ २१	०८ १५ ०१ ५८	०३ १६ ५७ ३७	०९ १६ ५७ ३७
२२	रवि	०० ०७ ४५ ०७	०२ २६ २१ ०९	०८ २५ ०० ३३	११ १२ २८ ५३	०६ २६ २० १४	०१ ०२ ३९ ३०	०८ १५ ०१ ३८	०३ १६ ५४ २६	०९ १६ ५४ २६
२३	सोम	०० ०८ ४३ ३८	०३ १० २८ ०७	०८ २५ ३० १८	११ १३ ०२ २४	०६ २६ १३ १९	०१ ०३ ५२ ३६	०८ १५ ०१ ११	०३ १६ ५१ १६	०९ १६ ५१ १६
२४	मंगल	०० ०९ ४२ ०७	०३ २४ २८ २५	०८ २५ ५९ ५०	११ १३ ३९ ५४	०६ २६ ०६ १९	०१ ०५ ०५ ३९	०८ १५ ०० ३९	०३ १६ ४८ ०५	०९ १६ ४८ ०५
२५	बुध	०० १० ४० ३३	०४ ०८ २१ ३८	०८ २६ २९ ११	११ १४ २१ १३	०६ २५ ५९ १५	०१ ०६ १८ ४०	०८ १५ ०० ०१	०३ १६ ४४ ५४	०९ १६ ४४ ५४
२६	गुरु	०० ११ ३८ ५८	०४ २२ ०७ २०	०८ २६ ५८ २०	११ १५ ०६ ०९	०६ २५ ५२ ०६	०१ ०७ ३१ ३८	०८ १४ ५९ १७	०३ १६ ४१ ४३	०९ १६ ४१ ४३
२७	शुक्र	०० १२ ३७ २१	०५ ०५ ४४ ४१	०८ २७ २७ १७	११ १५ ५४ ३४	०६ २५ ४४ ५३	०१ ०८ ४४ ३३	०८ १४ ५८ २८	०३ १६ ३८ ३३	०९ १६ ३८ ३३
२८	शनि	०० १३ ३५ ४१	०५ १९ १२ २०	०८ २७ ५६ ००	११ १६ ४६ १८	०६ २५ ३७ ३६	०१ ०९ ५७ २५	०८ १४ ५७ ३२	०३ १६ ३५ २२	०९ १६ ३५ २२
२९	रवि	०० १४ ३४ ००	०६ ०२ २८ ३६	०८ २८ २४ ३१	११ १७ ४१ १४	०६ २५ ३० १६	०१ ११ १० १५	०८ १४ ५६ ३१	०३ १६ ३२ ११	०९ १६ ३२ ११
३०	सोम	०० १५ ३२ १६	०६ १५ ३१ ४३	०८ २८ ५२ ४९	११ १८ ३९ १३	०६ २५ २२ ५३	०१ १२ २३ ०२	०८ १४ ५५ २५	०३ १६ २९ ००	०९ १६ २९ ००

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मई २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	मंगल	०० १६ ३० ३१	०६ २८ २० २१	०८ २९ २० ५३	११ १९ ४० ०८	०६ २५ १५ २६	०१ १३ ३५ ४५	०८ १४ ५४ १३	०३ १६ २५ ४९	०९ १६ २५ ४९
२	बुध	०० १७ २८ ४४	०७ १० ५३ ५५	०८ २९ ४८ ४२	११ २० ४३ ५३	०६ २५ ०७ ५७	०१ १४ ४८ २६	०८ १४ ५२ ५५	०३ १६ २२ ३९	०९ १६ २२ ३९
३	गुरु	०० १८ २६ ५६	०७ २३ १२ ५३	०९ ०० १६ १८	११ २१ ५० २१	०६ २५ ०० २६	०१ १६ ०१ ०५	०८ १४ ५१ ३२	०३ १६ १९ २८	०९ १६ १९ २८
४	शुक्र	०० १९ २५ ०६	०८ ०५ १८ ५८	०९ ०० ४३ ३८	११ २२ ५९ २७	०६ २४ ५२ ५२	०१ १७ १३ ४०	०८ १४ ५० ०३	०३ १६ १६ १७	०९ १६ १६ १७
५	शनि	०० २० २३ १५	०८ १७ १४ ५७	०९ ०१ १० ४४	११ २४ ११ ०६	०६ २४ ४५ १७	०१ १८ २६ १३	०८ १४ ४८ २८	०३ १६ १३ ०६	०९ १६ १३ ०६
६	रवि	०० २१ २१ २२	०८ २९ ०४ ४५	०९ ०१ ३७ ३३	११ २५ २५ १३	०६ २४ ३७ ४०	०१ १९ ३८ ४३	०८ १४ ४६ ४८	०३ १६ ०९ ५६	०९ १६ ०९ ५६
७	सोम	०० २२ १९ २७	०९ १० ५२ ५९	०९ ०२ ०४ ०६	११ २६ ४१ ४५	०६ २४ ३० ०३	०१ २० ५१ १०	०८ १४ ४५ ०३	०३ १६ ०६ ४५	०९ १६ ०६ ४५
८	मंगल	०० २३ १७ ३१	०९ २२ ४४ ५२	०९ ०२ ३० २३	११ २८ ०० ३८	०६ २४ २२ २४	०१ २२ ०३ ३४	०८ १४ ४३ १३	०३ १६ ०३ ३४	०९ १६ ०३ ३४
९	बुध	०० २४ १५ ३४	१० ०४ ४५ ५४	०९ ०२ ५६ २२	११ २९ २१ ४८	०६ २४ १४ ४५	०१ २३ १५ ५६	०८ १४ ४१ १७	०३ १६ ०० २३	०९ १६ ०० २३
१०	गुरु	०० २५ १३ ३६	१० १७ ०१ २९	०९ ०३ २२ ०४	०० ०० ४५ १४	०६ २४ ०७ ०६	०१ २४ २८ १४	०८ १४ ३९ १६	०३ १५ ५७ १३	०९ १५ ५७ १३
११	शुक्र	०० २६ ११ ३६	१० २९ ३६ ३०	०९ ०३ ४७ २७	०० ०२ १० ५३	०६ २३ ५९ २७	०१ २५ ४० ३०	०८ १४ ३७ ०९	०३ १५ ५४ ०२	०९ १५ ५४ ०२
१२	शनि	०० २७ ०९ ३४	११ १२ ३४ ४४	०९ ०४ १२ ३२	०० ०३ ३८ ४३	०६ २३ ५१ ४८	०१ २६ ५२ ४३	०८ १४ ३४ ५८	०३ १५ ५० ५१	०९ १५ ५० ५१
१३	रवि	०० २८ ०७ ३२	११ २५ ५८ २०	०९ ०४ ३७ १७	०० ०५ ०८ ४३	०६ २३ ४४ १०	०१ २८ ०४ ५३	०८ १४ ३२ ४१	०३ १५ ४७ ४०	०९ १५ ४७ ४०
१४	सोम	०० २९ ०५ २८	०० ०९ ४७ ११	०९ ०५ ०१ ४३	०० ०६ ४० ५१	०६ २३ ३६ ३४	०१ २९ १७ ०१	०८ १४ ३० १९	०३ १५ ४४ २९	०९ १५ ४४ २९
१५	मंगल	०१ ०० ०३ २२	०० २३ ५८ ४०	०९ ०५ २५ ४८	०० ०८ १५ ०७	०६ २३ २८ ५९	०२ ०० २९ ०५	०८ १४ २७ ५३	०३ १५ ४१ १९	०९ १५ ४१ १९
१६	बुध	०१ ०१ ०१ १६	०१ ०८ २७ ३७	०९ ०५ ४९ ३२	०० ०९ ५१ ३०	०६ २३ २१ २५	०२ ०१ ४१ ०६	०८ १४ २५ २१	०३ १५ ३८ ०८	०९ १५ ३८ ०८
१७	गुरु	०१ ०१ ५९ ०७	०१ २३ ०७ ०९	०९ ०६ १२ ५५	०० ११ ३० ००	०६ २३ १३ ५४	०२ ०२ ५३ ०४	०८ १४ २२ ४५	०३ १५ ३४ ५७	०९ १५ ३४ ५७
१८	शुक्र	०१ ०२ ५६ ५७	०२ ०७ ४९ ४०	०९ ०६ ३५ ५७	०० १३ १० ३६	०६ २३ ०६ २५	०२ ०४ ०४ ५९	०८ १४ २० ०४	०३ १५ ३१ ४६	०९ १५ ३१ ४६
१९	शनि	०१ ०३ ५४ ४६	०२ २२ २८ १२	०९ ०६ ५८ ३६	०० १४ ५३ १९	०६ २२ ५९ ००	०२ ०५ १६ ५०	०८ १४ १७ १८	०३ १५ २८ ३६	०९ १५ २८ ३६
२०	रवि	०१ ०४ ५२ ३३	०३ ०६ ५७ २०	०९ ०७ २० ५२	०० १६ ३८ ०८	०६ २२ ५१ ३७	०२ ०६ २८ ३८	०८ १४ १४ २८	०३ १५ २५ २५	०९ १५ २५ २५
२१	सोम	०१ ०५ ५० १८	०३ २१ १३ ३४	०९ ०७ ४२ ४५	०० १८ २५ ०४	०६ २२ ४४ १८	०२ ०७ ४० २२	०८ १४ ११ ३३	०३ १५ २२ १४	०९ १५ २२ १४
२२	मंगल	०१ ०६ ४८ ०१	०४ ०५ १५ २०	०९ ०८ ०४ १५	०० २० १४ ०५	०६ २२ ३७ ०२	०२ ०८ ५२ ०३	०८ १४ ०८ ३४	०३ १५ १९ ०३	०९ १५ १९ ०३
२३	बुध	०१ ०७ ४५ ४३	०४ १९ ०२ २३	०९ ०८ २५ २१	०० २२ ०५ १३	०६ २२ २९ ५१	०२ १० ०३ ४०	०८ १४ ०५ ३१	०३ १५ १५ ५२	०९ १५ १५ ५२
२४	गुरु	०१ ०८ ४३ २४	०५ ०२ ३५ १७	०९ ०८ ४६ ०२	०० २३ ५८ २५	०६ २२ २२ ४३	०२ ११ १५ १४	०८ १४ ०२ २३	०३ १५ १२ ४२	०९ १५ १२ ४२
२५	शुक्र	०१ ०९ ४१ ०२	०५ १५ ५४ ५०	०९ ०९ ०६ १८	०० २५ ५३ ४१	०६ २२ १५ ४१	०२ १२ २६ ४३	०८ १३ ५९ १२	०३ १५ ०९ ३१	०९ १५ ०९ ३१
२६	शनि	०१ १० ३८ ४०	०५ २९ ०१ ४६	०९ ०९ २६ ०९	०० २७ ५० ५९	०६ २२ ०८ ४३	०२ १३ ३८ ०९	०८ १३ ५५ ५६	०३ १५ ०६ २०	०९ १५ ०६ २०
२७	रवि	०१ ११ ३६ १६	०६ ११ ५६ २९	०९ ०९ ४५ ३३	०० २९ ५० १६	०६ २२ ०१ ५०	०२ १४ ४९ ३१	०८ १३ ५२ ३६	०३ १५ ०३ ०९	०९ १५ ०३ ०९
२८	सोम	०१ १२ ३३ ५०	०६ २४ ३९ १३	०९ १० ०४ ३१	०१ ०१ ५१ २९	०६ २१ ५५ ०३	०२ १६ ०० ४९	०८ १३ ४९ १३	०३ १४ ५९ ५९	०९ १४ ५९ ५९
२९	मंगल	०१ १३ ३१ २३	०७ ०७ १० ०४	०९ १० २३ ०१	०१ ०३ ५४ ३२	०६ २१ ४८ २२	०२ १७ १२ ०२	०८ १३ ४५ ४६	०३ १४ ५६ ४८	०९ १४ ५६ ४८
३०	बुध	०१ १४ २८ ५६	०७ १९ २९ २५	०९ १० ४१ ०३	०१ ०५ ५९ २०	०६ २१ ४१ ४६	०२ १८ २३ १२	०८ १३ ४२ १५	०३ १४ ५३ ३७	०९ १४ ५३ ३७
३१	गुरु	०१ १५ २६ २७	०८ ०१ ३८ ००	०९ १० ५८ ३६	०१ ०८ ०५ ४५	०६ २१ ३५ १६	०२ १९ ३४ १८	०८ १३ ३८ ४१	०३ १४ ५० २६	०९ १४ ५० २६

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जून २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शुक्र	०१ १६ २३ ५७	०८ १३ ३७ १४	०९ ११ १५ ४०	०१ १० १३ ३७	०६ २१ २८ ५३	०२ २० ४५ २०	०८ १३ ३५ ०३	०३ १४ ४७ १६	०९ १४ ४७ १६
२	शनि	०१ १७ २१ २६	०८ २५ २९ २०	०९ ११ ३२ १३	०१ १२ २२ ४७	०६ २१ २२ ३६	०२ २१ ५६ १७	०८ १३ ३१ २२	०३ १४ ४४ ०५	०९ १४ ४४ ०५
३	रवि	०१ १८ १८ ५४	०९ ०७ १७ १५	०९ ११ ४८ १६	०१ १४ ३३ ०१	०६ २१ १६ २६	०२ २३ ०७ ११	०८ १३ २७ ३८	०३ १४ ४० ५४	०९ १४ ४० ५४
४	सोम	०१ १९ १६ २१	०९ १९ ०४ ४७	०९ १२ ०३ ४६	०१ १६ ४४ ०७	०६ २१ १० २३	०२ २४ १८ ००	०८ १३ २३ ५१	०३ १४ ३७ ४३	०९ १४ ३७ ४३
५	मंगल	०१ २० १३ ४८	१० ०० ५६ २२	०९ १२ १८ ४४	०१ १८ ५५ ४९	०६ २१ ०४ २७	०२ २५ २८ ४५	०८ १३ २० ००	०३ १४ ३४ ३२	०९ १४ ३४ ३२
६	बुध	०१ २१ ११ १४	१० १२ ५६ ५५	०९ १२ ३३ ०८	०१ २१ ०७ ५३	०६ २० ५८ ३९	०२ २६ ३९ २६	०८ १३ १६ ०७	०३ १४ ३१ २२	०९ १४ ३१ २२
७	गुरु	०१ २२ ०८ ३९	१० २५ ११ ३६	०९ १२ ४६ ५८	०१ २३ २० ००	०६ २० ५२ ५८	०२ २७ ५० ०३	०८ १३ १२ ११	०३ १४ २८ ११	०९ १४ २८ ११
८	शुक्र	०१ २३ ०६ ०४	११ ०७ ४५ २८	०९ १३ ०० १२	०१ २५ ३१ ५६	०६ २० ४७ २५	०२ २९ ०० ३५	०८ १३ ०८ १२	०३ १४ २५ ००	०९ १४ २५ ००
९	शनि	०१ २४ ०३ २८	११ २० ४२ ५५	०९ १३ १२ ५१	०१ २७ ४३ २३	०६ २० ४२ ००	०३ ०० ११ ०३	०८ १३ ०४ ११	०३ १४ २१ ४९	०९ १४ २१ ४९
१०	रवि	०१ २५ ०० ५२	०० ०४ ०७ ०६	०९ १३ २४ ५४	०१ २९ ५४ ०७	०६ २० ३६ ४४	०३ ०१ २१ २७	०८ १३ ०० ०७	०३ १४ १८ ३९	०९ १४ १८ ३९
११	सोम	०१ २५ ५८ १५	०० १७ ५९ ०९	०९ १३ ३६ १८	०२ ०२ ०३ ५१	०६ २० ३१ ३६	०३ ०२ ३१ ४६	०८ १२ ५६ ०१	०३ १४ १५ २८	०९ १४ १५ २८
१२	मंगल	०१ २६ ५५ ३७	०१ ०२ १७ ४०	०९ १३ ४७ ०५	०२ ०४ १२ २३	०६ २० २६ ३७	०३ ०३ ४२ ००	०८ १२ ५१ ५३	०३ १४ १२ १७	०९ १४ १२ १७
१३	बुध	०१ २७ ५२ ५९	०१ १६ ५८ १५	०९ १३ ५७ १३	०२ ०६ १९ २९	०६ २० २१ ४६	०३ ०४ ५२ १०	०८ १२ ४७ ४२	०३ १४ ०९ ०६	०९ १४ ०९ ०६
१४	गुरु	०१ २८ ५० २०	०२ ०१ ५३ ५४	०९ १४ ०६ ४१	०२ ०८ २५ ०१	०६ २० १७ ०५	०३ ०६ ०२ १५	०८ १२ ४३ ३०	०३ १४ ०५ ५६	०९ १४ ०५ ५६
१५	शुक्र	०१ २९ ४७ ४१	०२ १६ ५५ ५६	०९ १४ १५ २९	०२ १० २८ ४७	०६ २० १२ ३३	०३ ०७ १२ १५	०८ १२ ३९ १६	०३ १४ ०२ ४५	०९ १४ ०२ ४५
१६	शनि	०२ ०० ४५ ००	०३ ०१ ५५ २०	०९ १४ २३ ३६	०२ १२ ३० ४१	०६ २० ०८ १०	०३ ०८ २२ १०	०८ १२ ३५ ००	०३ १३ ५९ ३४	०९ १३ ५९ ३४
१७	रवि	०२ ०१ ४२ १९	०३ १६ ४४ १२	०९ १४ ३१ ०३	०२ १४ ३० ३६	०६ २० ०३ ५६	०३ ०९ ३२ ००	०८ १२ ३० ४३	०३ १३ ५६ २३	०९ १३ ५६ २३
१८	सोम	०२ ०२ ३९ ३७	०४ ०१ १६ ४३	०९ १४ ३७ ४७	०२ १६ २८ २६	०६ १९ ५९ ५३	०३ १० ४१ ४५	०८ १२ २६ २४	०३ १३ ५३ १२	०९ १३ ५३ १२
१९	मंगल	०२ ०३ ३६ ५५	०४ १५ २९ २४	०९ १४ ४३ ५०	०२ १८ २४ ०८	०६ १९ ५५ ५९	०३ ११ ५१ २४	०८ १२ २२ ०४	०३ १३ ५० ०२	०९ १३ ५० ०२
२०	बुध	०२ ०४ ३४ ११	०४ २९ २१ ००	०९ १४ ४९ ११	०२ २० १७ ३९	०६ १९ ५२ १५	०३ १३ ०० ५७	०८ १२ १७ ४३	०३ १३ ४६ ५१	०९ १३ ४६ ५१
२१	गुरु	०२ ०५ ३१ २७	०५ १२ ५१ ५६	०९ १४ ५३ ४९	०२ २२ ०८ ५६	०६ १९ ४८ ४१	०३ १४ १० २५	०८ १२ १३ २१	०३ १३ ४३ ४०	०९ १३ ४३ ४०
२२	शुक्र	०२ ०६ २८ ४२	०५ २६ ०३ ४१	०९ १४ ५७ ४४	०२ २३ ५७ ५८	०६ १९ ४५ १७	०३ १५ १९ ४६	०८ १२ ०८ ५८	०३ १३ ४० २९	०९ १३ ४० २९
२३	शनि	०२ ०७ २५ ५६	०६ ०८ ५८ १६	०९ १५ ०० ५६	०२ २५ ४४ ४४	०६ १९ ४२ ०३	०३ १६ २९ ०१	०८ १२ ०४ ३४	०३ १३ ३७ १९	०९ १३ ३७ १९
२४	रवि	०२ ०८ २३ १०	०६ २१ ३७ ४९	०९ १५ ०३ २४	०२ २७ २९ १२	०६ १९ ३९ ००	०३ १७ ३८ १०	०८ १२ ०० १०	०३ १३ ३४ ०८	०९ १३ ३४ ०८
२५	सोम	०२ ०९ २० २३	०७ ०४ ०४ २३	०९ १५ ०५ ०८	०२ २९ ११ २२	०६ १९ ३६ ०६	०३ १८ ४७ १३	०८ ११ ५५ ४५	०३ १३ ३० ५७	०९ १३ ३० ५७
२६	मंगल	०२ १० १७ ३६	०७ १६ १९ ५०	०९ १५ ०६ ०८	०३ ०० ५१ १३	०६ १९ ३३ २३	०३ १९ ५६ ०९	०८ ११ ५१ २१	०३ १३ २७ ४६	०९ १३ २७ ४६
२७	बुध	०२ ११ १४ ४८	०७ २८ २५ ५५	०९ १५ ०६ २३	०३ ०२ २८ ४५	०६ १९ ३० ५१	०३ २१ ०४ ५९	०८ ११ ४६ ५५	०३ १३ २४ ३५	०९ १३ २४ ३५
२८	गुरु	०२ १२ १२ ००	०८ १० २४ १८	०९ १५ ०५ ५३	०३ ०४ ०३ ५८	०६ १९ २८ २९	०३ २२ १३ ४२	०८ ११ ४२ ३०	०३ १३ २१ २५	०९ १३ २१ २५
२९	शुक्र	०२ १३ ०९ ११	०८ २२ १६ ४८	०९ १५ ०४ ३८	०३ ०५ ३६ ५०	०६ १९ २६ १८	०३ २३ २२ १८	०८ ११ ३८ ०५	०३ १३ १८ १४	०९ १३ १८ १४
३०	शनि	०२ १४ ०६ २३	०९ ०४ ०५ २८	०९ १५ ०२ ३७	०३ ०७ ०७ २१	०६ १९ २४ १७	०३ २४ ३० ४७	०८ ११ ३३ ४०	०३ १३ १५ ०३	०९ १३ १५ ०३

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जुलाई २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य				चंद्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु				केतु			
		रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.	रा.	अं.	क.	वि.
१	रवि	०२	१५	०३	३४	०९	१५	५२	४३	०९	१४	५९	५२	०३	०८	३५	३०	०६	१९	२२	२७	०३	२५	३९	०९	०८	११	२९	१५	०३	१३	११	५२	०९	१३	११	५२
२	सोम	०२	१६	००	४५	०९	२७	४१	२८	०९	१४	५६	२१	०३	१०	०१	१५	०६	१९	२०	४७	०३	२६	४७	२४	०८	११	२४	५१	०३	१३	०८	४२	०९	१३	०८	४२
३	मंगल	०२	१६	५७	५७	१०	०९	३५	०६	०९	१४	५२	०५	०३	११	२४	३५	०६	१९	१९	१८	०३	२७	५५	३१	०८	११	२०	२७	०३	१३	०५	३१	०९	१३	०५	३१
४	बुध	०२	१७	५५	०८	१०	२१	३७	३३	०९	१४	४७	०४	०३	१२	४५	२७	०६	१९	१८	००	०३	२९	०३	३२	०८	११	१६	०४	०३	१३	०२	२०	०९	१३	०२	२०
५	गुरु	०२	१८	५२	२०	११	०३	५३	०१	०९	१४	४१	१८	०३	१४	०३	५०	०६	१९	१६	५३	०४	००	११	२४	०८	११	११	४२	०३	१२	५९	०९	०९	१२	५९	०९
६	शुक्र	०२	१९	४९	३२	११	१६	२५	५४	०९	१४	३४	४८	०३	१५	१९	४०	०६	१९	१५	५६	०४	०१	१९	०९	०८	११	०७	२१	०३	१२	५५	५९	०९	१२	५५	५९
७	शनि	०२	२०	४६	४४	११	२९	२०	२१	०९	१४	२७	३४	०३	१६	३२	५५	०६	१९	१५	११	०४	०२	२६	४७	०८	११	०३	०१	०३	१२	५२	४८	०९	१२	५२	४८
८	रवि	०२	२१	४३	५७	००	१२	३९	४८	०९	१४	१९	३७	०३	१७	४३	३०	०६	१९	१४	३६	०४	०३	३४	१६	०८	१०	५८	४२	०३	१२	४९	३७	०९	१२	४९	३७
९	सोम	०२	२२	४१	१०	००	२६	२६	२०	०९	१४	१०	५७	०३	१८	५१	२१	०६	१९	१४	१२	०४	०४	४१	३८	०८	१०	५४	२५	०३	१२	४६	२६	०९	१२	४६	२६
१०	मंगल	०२	२३	३८	२३	०१	१०	४०	०१	०९	१४	०१	३६	०३	१९	५६	२४	०६	१९	१३	५९	०४	०५	४८	५१	०८	१०	५०	०९	०३	१२	४३	१५	०९	१२	४३	१५
११	बुध	०२	२४	३५	३७	०१	२५	१८	१६	०९	१३	५१	३४	०३	२०	५८	३४	०६	१९	१३	५७	०४	०६	५५	५६	०८	१०	४५	५४	०३	१२	४०	०५	०९	१२	४०	०५
१२	गुरु	०२	२५	३२	५१	०२	१०	१५	४०	०९	१३	४०	५४	०३	२१	५७	४४	०६	१९	१४	०६	०४	०८	०२	५३	०८	१०	४१	४१	०३	१२	३६	५४	०९	१२	३६	५४
१३	शुक्र	०२	२६	३०	०६	०२	२५	२४	२३	०९	१३	२९	३६	०३	२२	५३	५०	०६	१९	१४	२५	०४	०९	०९	४१	०८	१०	३७	३१	०३	१२	३३	४३	०९	१२	३३	४३
१४	शनि	०२	२७	२७	२०	०३	१०	३५	०८	०९	१३	१७	४२	०३	२३	४६	४३	०६	१९	१४	५६	०४	१०	१६	१९	०८	१०	३३	२२	०३	१२	३०	३२	०९	१२	३०	३२
१५	रवि	०२	२८	२४	३५	०३	२५	३८	३१	०९	१३	०५	१५	०३	२४	३६	१६	०६	१९	१५	३८	०४	११	२२	४९	०८	१०	२९	१५	०३	१२	२७	२२	०९	१२	२७	२२
१६	सोम	०२	२९	२१	५०	०४	१०	२६	२९	०९	१२	५२	१६	०३	२५	२२	२२	०६	१९	१६	३०	०४	१२	२९	०९	०८	१०	२५	११	०३	१२	२४	११	०९	१२	२४	११
१७	मंगल	०३	००	१९	०५	०४	२४	५३	०९	०९	१२	३८	४६	०३	२६	०४	५२	०६	१९	१७	३३	०४	१३	३५	१९	०८	१०	२१	०९	०३	१२	२१	००	०९	१२	२१	००
१८	बुध	०३	०१	१६	२१	०५	०८	५५	१७	०९	१२	२४	४९	०३	२६	४३	३८	०६	१९	१८	४७	०४	१४	४१	१८	०८	१०	१७	१०	०३	१२	१७	४९	०९	१२	१७	४९
१९	गुरु	०३	०२	१३	३६	०५	२२	३२	०४	०९	१२	१०	२७	०३	२७	१८	३०	०६	१९	२०	१२	०४	१५	४७	०७	०८	१०	१३	१३	०३	१२	१४	३९	०९	१२	१४	३९
२०	शुक्र	०३	०३	१०	५२	०६	०५	४४	३८	०९	११	५५	४२	०३	२७	४९	१९	०६	१९	२१	४८	०४	१६	५२	४५	०८	१०	०९	१९	०३	१२	११	२८	०९	१२	११	२८
२१	शनि	०३	०४	०८	०७	०६	१८	३५	२४	०९	११	४०	३५	०३	२८	१५	५५	०६	१९	२३	३४	०४	१७	५८	१२	०८	१०	०५	२८	०३	१२	०८	१७	०९	१२	०८	१७
२२	रवि	०३	०५	०५	२३	०७	०१	०७	३४	०९	११	२५	१०	०३	२८	३८	१०	०६	१९	२५	३१	०४	१९	०३	२८	०८	१०	०१	४०	०३	१२	०५	०६	०९	१२	०५	०६
२३	सोम	०३	०६	०२	४०	०७	१३	२४	३५	०९	११	०९	३०	०३	२८	५५	५३	०६	१९	२७	३८	०४	२०	०८	३१	०८	०९	५७	५५	०३	१२	०१	५५	०९	१२	०१	५५
२४	मंगल	०३	०६	५९	५६	०७	२५	२९	५४	०९	१०	५३	३५	०३	२९	०८	५६	०६	१९	२९	५६	०४	२१	१३	२३	०८	०९	५४	१४	०३	११	५८	४५	०९	११	५८	४५
२५	बुध	०३	०७	५७	१३	०८	०७	२६	४३	०९	१०	३७	३०	०३	२९	१७	११	०६	१९	३२	२४	०४	२२	१८	०२	०८	०९	५०	३५	०३	११	५५	३४	०९	११	५५	३४
२६	गुरु	०३	०८	५४	३१	०८	१९	१७	५९	०९	१०	२१	१५	०३	२९	२०	३२	०६	१९	३५	०३	०४	२३	२२	२८	०८	०९	४७	००	०३	११	५२	२३	०९	११	५२	२३
२७	शुक्र	०३	०९	५१	४९	०९	०१	०६	२१	०९	१०	०४	५५	०३	२९	१८	५२	०६	१९	३७	५२	०४	२४	२६	४१	०८	०९	४३	२९	०३	११	४९	१२	०९	११	४९	१२
२८	शनि	०३	१०	४९	०८	०९	१२	५४	१३	०९	०९	४८	३२	०३	२९	१२	०९	०६	१९	४०	५१	०४	२५	३०	४०	०८	०९	४०	०१	०३	११	४६	०२	०९	११	४६	०२
२९	रवि	०३	११	४६	२७	०९	२४	४३	५३	०९	०९	३२	०८	०३	२९	००	२२	०६	१९	४४	००	०४	२६	३४	२६	०८	०९	३६	३७	०३	११	४२	५१	०९	११	४२	५१
३०	सोम	०३	१२	४३	४७	१०	०६	३७	३९	०९	०९	१५	४५	०३	२८	४३	३३	०६	१९	४७	१९	०४	२७	३७	५८	०८	०९	३३	१७	०३	११	३९	४०	०९	११	३९	४०
३१	मंगल	०३	१३	४१	०८	१०	१८	३७	५५	०९	०८	५९	२७	०३	२८	२१	४९	०६	१९	५०	४९	०४	२८	४१	१५	०८	०९	३०	००	०३	११	३६	२९	०९	११	३६	२९

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अगस्त २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	बुध	०३ १४ ३८ ३१	११ ०० ४७ २०	०९ ०८ ४३ १६	०३ २७ ५५ २१	०६ १९ ५४ २८	०४ २९ ४४ १८	०८ ०९ २६ ४८	०३ ११ ३३ १८	०९ ११ ३३ १८
२	गुरु	०३ १५ ३५ ५४	११ १३ ०८ ४४	०९ ०८ २७ १४	०३ २७ २४ २४	०६ १९ ५८ १७	०५ ०० ४७ ०५	०८ ०९ २३ ३९	०३ ११ ३० ०८	०९ ११ ३० ०८
३	शुक्र	०३ १६ ३३ १८	११ २५ ४५ ०७	०९ ०८ ११ २५	०३ २६ ४९ १९	०६ २० ०२ १६	०५ ०१ ४९ ३७	०८ ०९ २० ३५	०३ ११ २६ ५७	०९ ११ २६ ५७
४	शनि	०३ १७ ३० ४३	०० ०८ ३९ ३५	०९ ०७ ५५ ५१	०३ २६ १० ३२	०६ २० ०६ २५	०५ ०२ ५१ ५३	०८ ०९ १७ ३५	०३ ११ २३ ४६	०९ ११ २३ ४६
५	रवि	०३ १८ २८ १०	०० २१ ५४ ५५	०९ ०७ ४० ३४	०३ २५ २८ ३६	०६ २० १० ४४	०५ ०३ ५३ ५३	०८ ०९ १४ ३९	०३ ११ २० ३५	०९ ११ २० ३५
६	सोम	०३ १९ २५ ३८	०१ ०५ ३३ १८	०९ ०७ २५ ३७	०३ २४ ४४ ०९	०६ २० १५ १२	०५ ०४ ५५ ३६	०८ ०९ ११ ४८	०३ ११ १७ २५	०९ ११ १७ २५
७	मंगल	०३ २० २३ ०७	०१ १९ ३५ ४०	०९ ०७ ११ ०३	०३ २३ ५७ ५३	०६ २० १९ ५०	०५ ०५ ५७ ०२	०८ ०९ ०९ ०१	०३ ११ १४ १४	०९ ११ १४ १४
८	बुध	०३ २१ २० ३७	०२ ०४ ०१ १३	०९ ०६ ५६ ५४	०३ २३ १० ३६	०६ २० २४ ३७	०५ ०६ ५८ १०	०८ ०९ ०६ १८	०३ ११ ११ ०३	०९ ११ ११ ०३
९	गुरु	०३ २२ १८ ०९	०२ १८ ४६ ५२	०९ ०६ ४३ १२	०३ २२ २३ १०	०६ २० २९ ३४	०५ ०७ ५९ ००	०८ ०९ ०३ ४१	०३ ११ ०७ ५२	०९ ११ ०७ ५२
१०	शुक्र	०३ २३ १५ ४२	०३ ०३ ४७ ०७	०९ ०६ ३० ००	०३ २१ ३६ २६	०६ २० ३४ ४०	०५ ०८ ५९ ३१	०८ ०९ ०१ ०८	०३ ११ ०४ ४२	०९ ११ ०४ ४२
११	शनि	०३ २४ १३ १६	०३ १८ ५४ १८	०९ ०६ १७ २०	०३ २० ५१ १९	०६ २० ३९ ५६	०५ ०९ ५९ ४४	०८ ०८ ५८ ४०	०३ ११ ०१ ३१	०९ ११ ०१ ३१
१२	रवि	०३ २५ १० ५२	०४ ०३ ५९ ३१	०९ ०६ ०५ १५	०३ २० ०८ ४३	०६ २० ४५ २०	०५ १० ५९ ३६	०८ ०८ ५६ १७	०३ १० ५८ २०	०९ १० ५८ २०
१३	सोम	०३ २६ ०८ २८	०४ १८ ५३ ४९	०९ ०५ ५३ ४७	०३ १९ २९ २९	०६ २० ५० ५४	०५ ११ ५९ ०७	०८ ०८ ५३ ५८	०३ १० ५५ ०९	०९ १० ५५ ०९
१४	मंगल	०३ २७ ०६ ०५	०५ ०३ २९ ३०	०९ ०५ ४२ ५७	०३ १८ ५४ २६	०६ २० ५६ ३७	०५ १२ ५८ १८	०८ ०८ ५१ ४५	०३ १० ५१ ५८	०९ १० ५१ ५८
१५	बुध	०३ २८ ०३ ४४	०५ १७ ४१ ०७	०९ ०५ ३२ ४८	०३ १८ २४ २०	०६ २१ ०२ २९	०५ १३ ५७ ०६	०८ ०८ ४९ ३७	०३ १० ४८ ४८	०९ १० ४८ ४८
१६	गुरु	०३ २९ ०१ २३	०६ ०१ २५ ५७	०९ ०५ २३ २०	०३ १७ ५९ ४८	०६ २१ ०८ ३०	०५ १४ ५५ ३१	०८ ०८ ४७ ३५	०३ १० ४५ ३७	०९ १० ४५ ३७
१७	शुक्र	०३ २९ ५९ ०४	०६ १४ ४३ ४८	०९ ०५ १४ ३६	०३ १७ ४१ २७	०६ २१ १४ ३९	०५ १५ ५३ ३२	०८ ०८ ४५ ३७	०३ १० ४२ २६	०९ १० ४२ २६
१८	शनि	०४ ०० ५६ ४५	०६ २७ ३६ ३६	०९ ०५ ०६ ३६	०३ १७ २९ ४४	०६ २१ २० ५८	०५ १६ ५१ ०८	०८ ०८ ४३ ४५	०३ १० ३९ १५	०९ १० ३९ १५
१९	रवि	०४ ०१ ५४ २८	०७ १० ०७ ४४	०९ ०४ ५९ २१	०३ १७ २५ ०४	०६ २१ २७ २४	०५ १७ ४८ १९	०८ ०८ ४१ ५८	०३ १० ३६ ०५	०९ १० ३६ ०५
२०	सोम	०४ ०२ ५२ १२	०७ २२ २१ २३	०९ ०४ ५२ ५२	०३ १७ २७ ४२	०६ २१ ३४ ००	०५ १८ ४५ ०३	०८ ०८ ४० १६	०३ १० ३२ ५४	०९ १० ३२ ५४
२१	मंगल	०४ ०३ ४९ ५६	०८ ०४ २२ ०७	०९ ०४ ४७ ११	०३ १७ ३७ ५२	०६ २१ ४० ४३	०५ १९ ४१ १९	०८ ०८ ३८ ४०	०३ १० २९ ४३	०९ १० २९ ४३
२२	बुध	०४ ०४ ४७ ४२	०८ १६ १४ २४	०९ ०४ ४२ १७	०३ १७ ५५ ४०	०६ २१ ४७ ३५	०५ २० ३७ ०७	०८ ०८ ३७ ०९	०३ १० २६ ३२	०९ १० २६ ३२
२३	गुरु	०४ ०५ ४५ २९	०८ २८ ०२ २६	०९ ०४ ३८ ११	०३ १८ २१ ०८	०६ २१ ५४ ३५	०५ २१ ३२ २५	०८ ०८ ३५ ४४	०३ १० २३ २२	०९ १० २३ २२
२४	शुक्र	०४ ०६ ४३ १८	०९ ०९ ४९ ५६	०९ ०४ ३४ ५३	०३ १८ ५४ १६	०६ २२ ०१ ४३	०५ २२ २७ १३	०८ ०८ ३४ २४	०३ १० २० ११	०९ १० २० ११
२५	शनि	०४ ०७ ४१ ०७	०९ २१ ४० ०७	०९ ०४ ३२ २४	०३ १९ ३४ ५६	०६ २२ ०८ ५९	०५ २३ २१ २९	०८ ०८ ३३ १०	०३ १० १७ ००	०९ १० १७ ००
२६	रवि	०४ ०८ ३८ ५८	१० ०३ ३५ ३६	०९ ०४ ३० ४४	०३ २० २३ ०१	०६ २२ १६ २३	०५ २४ १५ १३	०८ ०८ ३२ ०१	०३ १० १३ ४९	०९ १० १३ ४९
२७	सोम	०४ ०९ ३६ ५१	१० १५ ३८ ३२	०९ ०४ २९ ५३	०३ २१ १८ १६	०६ २२ २३ ५४	०५ २५ ०८ २३	०८ ०८ ३० ५८	०३ १० १० ३८	०९ १० १० ३८
२८	मंगल	०४ १० ३४ ४५	१० २७ ५० ३७	०९ ०४ २९ ५१	०३ २२ २० २५	०६ २२ ३१ ३४	०५ २६ ०० ५७	०८ ०८ ३० ०१	०३ १० ०७ २८	०९ १० ०७ २८
२९	बुध	०४ ११ ३२ ४१	११ १० १३ १७	०९ ०४ ३० ३७	०३ २३ २९ १०	०६ २२ ३९ २१	०५ २६ ५२ ५५	०८ ०८ २९ ०९	०३ १० ०४ १७	०९ १० ०४ १७
३०	गुरु	०४ १२ ३० ३८	११ २२ ४७ ४७	०९ ०४ ३२ १२	०३ २४ ४४ ०९	०६ २२ ४७ १५	०५ २७ ४४ १६	०८ ०८ २८ २३	०३ १० ०१ ०६	०९ १० ०१ ०६
३१	शुक्र	०४ १३ २८ ३७	०० ०५ ३५ २१	०९ ०४ ३४ ३६	०३ २६ ०४ ५६	०६ २२ ५५ १७	०५ २८ ३४ ५८	०८ ०८ २७ ४२	०३ ०९ ५७ ५५	०९ ०९ ५७ ५५

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, सितम्बर २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शनि	०४ १४ २६ ३९	०० १८ ३७ १७	०९ ०४ ३७ ४८	०३ २७ ३१ ०७	०६ २३ ०३ २७	०५ २९ २४ ५९	०८ ०८ २७ ०८	०३ ०९ ५४ ४५	०९ ०९ ५४ ४५
२	रवि	०४ १५ २४ ४१	०१ ०१ ५४ ५३	०९ ०४ ४१ ४९	०३ २९ ०२ ११	०६ २३ ११ ४३	०६ ०० १४ १९	०८ ०८ २६ ३९	०३ ०९ ५१ ३४	०९ ०९ ५१ ३४
३	सोम	०४ १६ २२ ४६	०१ १५ २९ २६	०९ ०४ ४६ ३७	०४ ०० ३७ ४१	०६ २३ २० ०७	०६ ०१ ०२ ५६	०८ ०८ २६ १६	०३ ०९ ४८ २३	०९ ०९ ४८ २३
४	मंगल	०४ १७ २० ५३	०१ २९ २१ ५०	०९ ०४ ५२ १३	०४ ०२ १७ ०५	०६ २३ २८ ३८	०६ ०१ ५० ४८	०८ ०८ २५ ५८	०३ ०९ ४५ १२	०९ ०९ ४५ १२
५	बुध	०४ १८ १९ ०२	०२ १३ ३२ १०	०९ ०४ ५८ ३६	०४ ०३ ५९ ५३	०६ २३ ३७ १६	०६ ०२ ३७ ५४	०८ ०८ २५ ४७	०३ ०९ ४२ ०२	०९ ०९ ४२ ०२
६	गुरु	०४ १९ १७ १३	०२ २७ ५९ १६	०९ ०५ ०५ ४६	०४ ०५ ४५ ३६	०६ २३ ४६ ०१	०६ ०३ २४ ११	०८ ०८ २५ ४१	०३ ०९ ३८ ५१	०९ ०९ ३८ ५१
७	शुक्र	०४ २० १५ २६	०३ १२ ४० १०	०९ ०५ १३ ४३	०४ ०७ ३३ ४५	०६ २३ ५४ ५३	०६ ०४ ०९ ३९	०८ ०८ २५ ४२	०३ ०९ ३५ ४०	०९ ०९ ३५ ४०
८	शनि	०४ २१ १३ ४०	०३ २७ २९ ५७	०९ ०५ २२ २६	०४ ०९ २३ ५१	०६ २४ ०३ ५२	०६ ०४ ५४ १५	०८ ०८ २५ ४८	०३ ०९ ३२ २९	०९ ०९ ३२ २९
९	रवि	०४ २२ ११ ५७	०४ १२ २१ ५४	०९ ०५ ३१ ५५	०४ ११ १५ ३१	०६ २४ १२ ५८	०६ ०५ ३७ ५७	०८ ०८ २६ ००	०३ ०९ २९ १८	०९ ०९ २९ १८
१०	सोम	०४ २३ १० १६	०४ २७ ०८ १०	०९ ०५ ४२ १०	०४ १३ ०८ २१	०६ २४ २२ १०	०६ ०६ २० ४२	०८ ०८ २६ १८	०३ ०९ २६ ०८	०९ ०९ २६ ०८
११	मंगल	०४ २४ ०८ ३६	०५ ११ ४० ५६	०९ ०५ ५३ ०९	०४ १५ ०१ ५८	०६ २४ ३१ २८	०६ ०७ ०२ ३०	०८ ०८ २६ ४२	०३ ०९ २२ ५७	०९ ०९ २२ ५७
१२	बुध	०४ २५ ०६ ५८	०५ २५ ५३ ३६	०९ ०६ ०४ ५४	०४ १६ ५६ ०५	०६ २४ ४० ५३	०६ ०७ ४३ १६	०८ ०८ २७ ११	०३ ०९ १९ ४६	०९ ०९ १९ ४६
१३	गुरु	०४ २६ ०५ २१	०६ ०९ ४१ ४५	०९ ०६ १७ २१	०४ १८ ५० २६	०६ २४ ५० २५	०६ ०८ २२ ५८	०८ ०८ २७ ४७	०३ ०९ १६ ३५	०९ ०९ १६ ३५
१४	शुक्र	०४ २७ ०३ ४७	०६ २३ ०३ ३१	०९ ०६ ३० ३२	०४ २० ४४ ४६	०६ २५ ०० ०२	०६ ०९ ०१ ३४	०८ ०८ २८ २९	०३ ०९ १३ २५	०९ ०९ १३ २५
१५	शनि	०४ २८ ०२ १४	०७ ०५ ५९ ३४	०९ ०६ ४४ २५	०४ २२ ३८ ५३	०६ २५ ०९ ४६	०६ ०९ ३९ ०१	०८ ०८ २९ १६	०३ ०९ १० १४	०९ ०९ १० १४
१६	रवि	०४ २९ ०० ४२	०७ १८ ३२ ३४	०९ ०६ ५९ ००	०४ २४ ३२ ३७	०६ २५ १९ ३६	०६ १० १५ १६	०८ ०८ ३० १०	०३ ०९ ०७ ०३	०९ ०९ ०७ ०३
१७	सोम	०४ २९ ५९ १२	०८ ०० ४६ ३५	०९ ०७ १४ १४	०४ २६ २५ ५०	०६ २५ २९ ३२	०६ १० ५० १६	०८ ०८ ३१ ०९	०३ ०९ ०३ ५२	०९ ०९ ०३ ५२
१८	मंगल	०५ ०० ५७ ४४	०८ १२ ४६ ३४	०९ ०७ ३० ०९	०४ २८ १८ २४	०६ २५ ३९ ३३	०६ ११ २३ ५८	०८ ०८ ३२ १४	०३ ०९ ०० ४१	०९ ०९ ०० ४१
१९	बुध	०५ ०१ ५६ १७	०८ २४ ३७ ४५	०९ ०७ ४६ ४३	०५ ०० १० १६	०६ २५ ४९ ४०	०६ ११ ५६ १९	०८ ०८ ३३ २५	०३ ०८ ५७ ३१	०९ ०८ ५७ ३१
२०	गुरु	०५ ०२ ५४ ५३	०९ ०६ २५ १८	०९ ०८ ०३ ५४	०५ ०२ ०१ २०	०६ २५ ५९ ५३	०६ १२ २७ १४	०८ ०८ ३४ ४१	०३ ०८ ५४ २०	०९ ०८ ५४ २०
२१	शुक्र	०५ ०३ ५३ २९	०९ १८ १४ ०१	०९ ०८ २१ ४३	०५ ०३ ५१ ३२	०६ २६ १० ११	०६ १२ ५६ ४३	०८ ०८ ३६ ०४	०३ ०८ ५१ ०९	०९ ०८ ५१ ०९
२२	शनि	०५ ०४ ५२ ०८	१० ०० ०८ ०७	०९ ०८ ४० ०८	०५ ०५ ४० ५२	०६ २६ २० ३५	०६ १३ २४ ३९	०८ ०८ ३७ ३२	०३ ०८ ४७ ५८	०९ ०८ ४७ ५८
२३	रवि	०५ ०५ ५० ४८	१० १२ ११ ०३	०९ ०८ ५९ ०८	०५ ०७ २९ १७	०६ २६ ३१ ०४	०६ १३ ५१ ०१	०८ ०८ ३९ ०६	०३ ०८ ४४ ४८	०९ ०८ ४४ ४८
२४	सोम	०५ ०६ ४९ ३०	१० २४ २५ २०	०९ ०९ १८ ४३	०५ ०९ १६ ४५	०६ २६ ४१ ३९	०६ १४ १५ ४५	०८ ०८ ४० ४६	०३ ०८ ४१ ३७	०९ ०८ ४१ ३७
२५	मंगल	०५ ०७ ४८ १५	११ ०६ ५२ ३२	०९ ०९ ३८ ५२	०५ ११ ०३ १७	०६ २६ ५२ १९	०६ १४ ३८ ४७	०८ ०८ ४२ ३१	०३ ०८ ३८ २६	०९ ०८ ३८ २६
२६	बुध	०५ ०८ ४७ ०१	११ १९ ३३ १८	०९ ०९ ५९ ३३	०५ १२ ४८ ५२	०६ २७ ०३ ०३	०६ १५ ०० ०३	०८ ०८ ४४ २२	०३ ०८ ३५ १५	०९ ०८ ३५ १५
२७	गुरु	०५ ०९ ४५ ४९	०० ०२ २१ ३०	०९ १० २० ४७	०५ १४ ३३ ३१	०६ २७ १३ ५३	०६ १५ १९ ३०	०८ ०८ ४६ १९	०३ ०८ ३२ ०५	०९ ०८ ३२ ०५
२८	शुक्र	०५ १० ४४ ३९	०० १५ ३४ २८	०९ १० ४२ ३२	०५ १६ १७ १४	०६ २७ २४ ४८	०६ १५ ३७ ०५	०८ ०८ ४८ २२	०३ ०८ २८ ५४	०९ ०८ २८ ५४
२९	शनि	०५ ११ ४३ ३१	०० २८ ५३ १९	०९ ११ ०४ ४८	०५ १८ ०० ०१	०६ २७ ३५ ४८	०६ १५ ५२ ४३	०८ ०८ ५० २९	०३ ०८ २५ ४३	०९ ०८ २५ ४३
३०	रवि	०५ १२ ४२ २६	०१ १२ २३ १५	०९ ११ २७ ३४	०५ १९ ४१ ५४	०६ २७ ४६ ५२	०६ १६ ०६ २२	०८ ०८ ५२ ४३	०३ ०८ २२ ३२	०९ ०८ २२ ३२

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अक्टूबर २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	सोम	०५ १३ ४१ २३	०१ २६ ०३ ४५	०९ ११ ५० ५०	०५ २१ २२ ५३	०६ २७ ५८ ०१	०६ १६ १७ ५८	०८ ०८ ५५ ०२	०३ ०८ १९ २१	०९ ०८ १९ २१
२	मंगल	०५ १४ ४० २२	०२ ०९ ५४ ३७	०९ १२ १४ ३४	०५ २३ ०२ ५९	०६ २८ ०९ १५	०६ १६ २७ २८	०८ ०८ ५७ २७	०३ ०८ १६ ११	०९ ०८ १६ ११
३	बुध	०५ १५ ३९ २४	०२ २३ ५५ ४४	०९ १२ ३८ ४६	०५ २४ ४२ १३	०६ २८ २० ३३	०६ १६ ३४ ४८	०८ ०८ ५९ ५७	०३ ०८ १३ ००	०९ ०८ १३ ००
४	गुरु	०५ १६ ३८ २८	०३ ०८ ०६ ४१	०९ १३ ०३ २६	०५ २६ २० ३७	०६ २८ ३१ ५६	०६ १६ ३९ ५६	०८ ०९ ०२ ३२	०३ ०८ ०९ ४९	०९ ०८ ०९ ४९
५	शुक्र	०५ १७ ३७ ३४	०३ २२ २६ १८	०९ १३ २८ ३४	०५ २७ ५८ ११	०६ २८ ४३ २४	०६ १६ ४२ ४९	०८ ०९ ०५ १३	०३ ०८ ०६ ३८	०९ ०८ ०६ ३८
६	शनि	०५ १८ ३६ ४२	०४ ०६ ५२ ०९	०९ १३ ५४ ०८	०५ २९ ३४ ५७	०६ २८ ५४ ५५	०६ १६ ४३ २५	०८ ०९ ०८ ००	०३ ०८ ०३ २८	०९ ०८ ०३ २८
७	रवि	०५ १९ ३५ ५३	०४ २१ २० १६	०९ १४ २० ०८	०६ ०१ १० ५५	०६ २९ ०६ ३१	०६ १६ ४१ ४०	०८ ०९ १० ५२	०३ ०८ ०० १७	०९ ०८ ०० १७
८	सोम	०५ २० ३५ ०६	०५ ०५ ४५ २१	०९ १४ ४६ ३४	०६ ०२ ४६ ०६	०६ २९ १८ १२	०६ १६ ३७ ३४	०८ ०९ १३ ४९	०३ ०७ ५७ ०६	०९ ०७ ५७ ०६
९	मंगल	०५ २१ ३४ २१	०५ २० ०१ १९	०९ १५ १३ २५	०६ ०४ २० ३२	०६ २९ २९ ५६	०६ १६ ३१ ०५	०८ ०९ १६ ५२	०३ ०७ ५३ ५५	०९ ०७ ५३ ५५
१०	बुध	०५ २२ ३३ ३८	०६ ०४ ०२ १६	०९ १५ ४० ४०	०६ ०५ ५४ १२	०६ २९ ४१ ४४	०६ १६ २२ १२	०८ ०९ १९ ५९	०३ ०७ ५० ४५	०९ ०७ ५० ४५
११	गुरु	०५ २३ ३२ ५८	०६ १७ ४३ २६	०९ १६ ०८ १९	०६ ०७ २७ ०८	०६ २९ ५३ ३६	०६ १६ १० ५४	०८ ०९ २३ १३	०३ ०७ ४७ ३४	०९ ०७ ४७ ३४
१२	शुक्र	०५ २४ ३२ १९	०७ ०१ ०१ ५९	०९ १६ ३६ २२	०६ ०८ ५९ २०	०७ ०० ०५ ३२	०६ १५ ५७ १४	०८ ०९ २६ ३१	०३ ०७ ४४ २३	०९ ०७ ४४ २३
१३	शनि	०५ २५ ३१ ४२	०७ १३ ५७ १३	०९ १७ ०४ ४८	०६ १० ३० ४९	०७ ०० १७ ३२	०६ १५ ४१ ११	०८ ०९ २९ ५४	०३ ०७ ४१ १२	०९ ०७ ४१ १२
१४	रवि	०५ २६ ३१ ०६	०७ २६ ३० ३४	०९ १७ ३३ ३६	०६ १२ ०१ ३५	०७ ०० २९ ३५	०६ १५ २२ ४८	०८ ०९ ३३ २३	०३ ०७ ३८ ०१	०९ ०७ ३८ ०१
१५	सोम	०५ २७ ३० ३३	०८ ०८ ४५ १४	०९ १८ ०२ ४५	०६ १३ ३१ ३७	०७ ०० ४१ ४२	०६ १५ ०२ ०९	०८ ०९ ३६ ५६	०३ ०७ ३४ ५१	०९ ०७ ३४ ५१
१६	मंगल	०५ २८ ३० ०१	०८ २० ४५ ३८	०९ १८ ३२ १५	०६ १५ ०० ५७	०७ ०० ५३ ५३	०६ १४ ३९ १७	०८ ०९ ४० ३५	०३ ०७ ३१ ४०	०९ ०७ ३१ ४०
१७	बुध	०५ २९ २९ ३२	०९ ०२ ३६ ५९	०९ १९ ०२ ०६	०६ १६ २९ ३३	०७ ०१ ०६ ०६	०६ १४ १४ २०	०८ ०९ ४४ १८	०३ ०७ २८ २९	०९ ०७ २८ २९
१८	गुरु	०६ ०० २९ ०३	०९ १४ २४ ५०	०९ १९ ३२ १७	०६ १७ ५७ २६	०७ ०१ १८ २३	०६ १३ ४७ २२	०८ ०९ ४८ ०७	०३ ०७ २५ १८	०९ ०७ २५ १८
१९	शुक्र	०६ ०१ २८ ३७	०९ २६ १४ ४०	०९ २० ०२ ४६	०६ १९ २४ ३५	०७ ०१ ३० ४३	०६ १३ १८ ३४	०८ ०९ ५२ ००	०३ ०७ २२ ०८	०९ ०७ २२ ०८
२०	शनि	०६ ०२ २८ १२	१० ०८ ११ ३९	०९ २० ३३ ३४	०६ २० ५० ५९	०७ ०१ ४३ ०७	०६ १२ ४८ ०२	०८ ०९ ५५ ५८	०३ ०७ १८ ५७	०९ ०७ १८ ५७
२१	रवि	०६ ०३ २७ ५०	१० २० २० १४	०९ २१ ०४ ४१	०६ २२ १६ ३७	०७ ०१ ५५ ३३	०६ १२ १५ ५९	०८ १० ०० ०१	०३ ०७ १५ ४६	०९ ०७ १५ ४६
२२	सोम	०६ ०४ २७ २९	११ ०२ ४३ ५५	०९ २१ ३६ ०५	०६ २३ ४१ २७	०७ ०२ ०८ ०२	०६ ११ ४२ ३५	०८ १० ०४ ०८	०३ ०७ १२ ३५	०९ ०७ १२ ३५
२३	मंगल	०६ ०५ २७ १०	११ १५ २४ ५३	०९ २२ ०७ ४५	०६ २५ ०५ २८	०७ ०२ २० ३४	०६ ११ ०८ ०३	०८ १० ०८ २०	०३ ०७ ०९ २४	०९ ०७ ०९ २४
२४	बुध	०६ ०६ २६ ५२	११ २८ २३ ५१	०९ २२ ३९ ४३	०६ २६ २८ ३७	०७ ०२ ३३ ०९	०६ १० ३२ ३७	०८ १० १२ ३७	०३ ०७ ०६ १४	०९ ०७ ०६ १४
२५	गुरु	०६ ०७ २६ ३७	०० ११ ४० ०२	०९ २३ ११ ५६	०६ २७ ५० ५२	०७ ०२ ४५ ४६	०६ ०९ ५६ ३०	०८ १० १६ ५८	०३ ०७ ०३ ०३	०९ ०७ ०३ ०३
२६	शुक्र	०६ ०८ २६ २४	०० २५ ११ २२	०९ २३ ४४ २५	०६ २९ १२ ०९	०७ ०२ ५८ २७	०६ ०९ १९ ५७	०८ १० २१ २३	०३ ०६ ५९ ५२	०९ ०६ ५९ ५२
२७	शनि	०६ ०९ २६ १२	०१ ०८ ५४ ५२	०९ २४ १७ ०९	०७ ०० ३२ २५	०७ ०३ ११ ०९	०६ ०८ ४३ १३	०८ १० २५ ५३	०३ ०६ ५६ ४१	०९ ०६ ५६ ४१
२८	रवि	०६ १० २६ ०३	०१ २२ ४७ १७	०९ २४ ५० ०८	०७ ०१ ५१ ३६	०७ ०३ २३ ५५	०६ ०८ ०६ ३५	०८ १० ३० २८	०३ ०६ ५३ ३१	०९ ०६ ५३ ३१
२९	सोम	०६ ११ २५ ५६	०२ ०६ ४५ ३७	०९ २५ २३ २१	०७ ०३ ०९ ३५	०७ ०३ ३६ ४२	०६ ०७ ३० १६	०८ १० ३५ ०६	०३ ०६ ५० २०	०९ ०६ ५० २०
३०	मंगल	०६ १२ २५ ५१	०२ २० ४७ ३३	०९ २५ ५६ ४९	०७ ०४ २६ १८	०७ ०३ ४९ ३३	०६ ०६ ५४ ३२	०८ १० ३९ ४९	०३ ०६ ४७ ०९	०९ ०६ ४७ ०९
३१	बुध	०६ १३ २५ ४९	०३ ०४ ५१ ३४	०९ २६ ३० ३०	०७ ०५ ४१ ३८	०७ ०४ ०२ २५	०६ ०६ १९ ३७	०८ १० ४४ ३६	०३ ०६ ४३ ५८	०९ ०६ ४३ ५८

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, नवम्बर २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	गुरु	०६ १४ २५ ४८	०३ १८ ५६ ४७	०९ २७ ०४ २५	०७ ०६ ५५ २५	०७ ०४ १५ २०	०६ ०५ ४५ ४५	०८ १० ४९ २८	०३ ०६ ४० ४८	०९ ०६ ४० ४८
२	शुक्र	०६ १५ २५ ५०	०४ ०३ ०२ २९	०९ २७ ३८ ३३	०७ ०८ ०७ ३२	०७ ०४ २८ १७	०६ ०५ १३ ०९	०८ १० ५४ २३	०३ ०६ ३७ ३७	०९ ०६ ३७ ३७
३	शनि	०६ १६ २५ ५४	०४ १७ ०७ ४२	०९ २८ १२ ५४	०७ ०९ १७ ४८	०७ ०४ ४१ १६	०६ ०४ ४२ ०१	०८ १० ५९ २३	०३ ०६ ३४ २६	०९ ०६ ३४ २६
४	रवि	०६ १७ २६ ००	०५ ०१ १० ४४	०९ २८ ४७ २७	०७ १० २५ ५९	०७ ०४ ५४ १६	०६ ०४ १२ ३१	०८ ११ ०४ २६	०३ ०६ ३१ १५	०९ ०६ ३१ १५
५	सोम	०६ १८ २६ ०८	०५ १५ ०९ ०१	०९ २९ २२ १३	०७ ११ ३१ ५३	०७ ०५ ०७ १९	०६ ०३ ४४ ५१	०८ ११ ०९ ३४	०३ ०६ २८ ०४	०९ ०६ २८ ०४
६	मंगल	०६ १९ २६ १९	०५ २८ ५९ १३	०९ २९ ५७ १२	०७ १२ ३५ १३	०७ ०५ २० २४	०६ ०३ १९ ०७	०८ ११ १४ ४६	०३ ०६ २४ ५४	०९ ०६ २४ ५४
७	बुध	०६ २० २६ ३१	०६ १२ ३७ ३७	१० ०० ३२ २२	०७ १३ ३५ ४२	०७ ०५ ३३ ३१	०६ ०२ ५५ २८	०८ ११ २० ०१	०३ ०६ २१ ४३	०९ ०६ २१ ४३
८	गुरु	०६ २१ २६ ४५	०६ २६ ०० ५२	१० ०१ ०७ ४४	०७ १४ ३२ ५७	०७ ०५ ४६ ३९	०६ ०२ ३३ ५९	०८ ११ २५ २०	०३ ०६ १८ ३२	०९ ०६ १८ ३२
९	शुक्र	०६ २२ २७ ००	०७ ०९ ०६ २९	१० ०१ ४३ १८	०७ १५ २६ ३७	०७ ०५ ५९ ४८	०६ ०२ १४ ४७	०८ ११ ३० ४३	०३ ०६ १५ २१	०९ ०६ १५ २१
१०	शनि	०६ २३ २७ १८	०७ २१ ५३ २२	१० ०२ १९ ०२	०७ १६ १६ १४	०७ ०६ १३ ००	०६ ०१ ५७ ५५	०८ ११ ३६ ०९	०३ ०६ १२ ११	०९ ०६ १२ ११
११	रवि	०६ २४ २७ ३७	०८ ०४ २१ ५९	१० ०२ ५४ ५७	०७ १७ ०१ १९	०७ ०६ २६ १२	०६ ०१ ४३ २६	०८ ११ ४१ ३९	०३ ०६ ०९ ००	०९ ०६ ०९ ००
१२	सोम	०६ २५ २७ ५७	०८ १६ ३४ २१	१० ०३ ३१ ०२	०७ १७ ४१ २०	०७ ०६ ३९ २६	०६ ०१ ३१ २४	०८ ११ ४७ १३	०३ ०६ ०५ ४९	०९ ०६ ०५ ४९
१३	मंगल	०६ २६ २८ १९	०८ २८ ३३ ५१	१० ०४ ०७ १८	०७ १८ १५ ३९	०७ ०६ ५२ ४१	०६ ०१ २१ ४८	०८ ११ ५२ ५०	०३ ०६ ०२ ३८	०९ ०६ ०२ ३८
१४	बुध	०६ २७ २८ ४३	०९ १० २४ ५०	१० ०४ ४३ ४३	०७ १८ ४३ ३९	०७ ०७ ०५ ५७	०६ ०१ १४ ४०	०८ ११ ५८ ३०	०३ ०५ ५९ २८	०९ ०५ ५९ २८
१५	गुरु	०६ २८ २९ ०७	०९ २२ १२ २४	१० ०५ २० १८	०७ १९ ०४ ३७	०७ ०७ १९ १५	०६ ०१ १० ००	०८ १२ ०४ १४	०३ ०५ ५६ १७	०९ ०५ ५६ १७
१६	शुक्र	०६ २९ २९ ३४	१० ०४ ०१ ५९	१० ०५ ५७ ०१	०७ १९ १७ ४९	०७ ०७ ३२ ३३	०६ ०१ ०७ ४७	०८ १२ १० ०१	०३ ०५ ५३ ०६	०९ ०५ ५३ ०६
१७	शनि	०७ ०० ३० ०१	१० १५ ५९ ०६	१० ०६ ३३ ५४	०७ १९ २२ ३२	०७ ०७ ४५ ५२	०६ ०१ ०७ ५९	०८ १२ १५ ५१	०३ ०५ ४९ ५५	०९ ०५ ४९ ५५
१८	रवि	०७ ०१ ३० ३०	१० २८ ०८ ५९	१० ०७ १० ५५	०७ १९ १८ ०३	०७ ०७ ५९ १२	०६ ०१ १० ३६	०८ १२ २१ ४४	०३ ०५ ४६ ४४	०९ ०५ ४६ ४४
१९	सोम	०७ ०२ ३१ ००	११ १० ३६ १०	१० ०७ ४८ ०४	०७ १९ ०३ ४५	०७ ०८ १२ ३३	०६ ०१ १५ ३४	०८ १२ २७ ४१	०३ ०५ ४३ ३४	०९ ०५ ४३ ३४
२०	मंगल	०७ ०३ ३१ ३२	११ २३ २४ ०२	१० ०८ २५ २०	०७ १८ ३९ ०९	०७ ०८ २५ ५४	०६ ०१ २२ ५१	०८ १२ ३३ ४०	०३ ०५ ४० २३	०९ ०५ ४० २३
२१	बुध	०७ ०४ ३२ ०४	०० ०६ ३४ २३	१० ०९ ०२ ४५	०७ १८ ०४ ००	०७ ०८ ३९ १६	०६ ०१ ३२ २५	०८ १२ ३९ ४२	०३ ०५ ३७ १२	०९ ०५ ३७ १२
२२	गुरु	०७ ०५ ३२ ३९	०० २० ०७ ०४	१० ०९ ४० १७	०७ १७ १८ २०	०७ ०८ ५२ ३८	०६ ०१ ४४ १३	०८ १२ ४५ ४७	०३ ०५ ३४ ०१	०९ ०५ ३४ ०१
२३	शुक्र	०७ ०६ ३३ १४	०१ ०३ ५९ ५४	१० १० १७ ५५	०७ १६ २२ ३६	०७ ०९ ०६ ०१	०६ ०१ ५८ १०	०८ १२ ५१ ५५	०३ ०५ ३० ५१	०९ ०५ ३० ५१
२४	शनि	०७ ०७ ३३ ५१	०१ १८ ०८ ५२	१० १० ५५ ४१	०७ १५ १७ ४४	०७ ०९ १९ २४	०६ ०२ १४ १५	०८ १२ ५८ ०६	०३ ०५ २७ ४०	०९ ०५ २७ ४०
२५	रवि	०७ ०८ ३४ २९	०२ ०२ २८ ४१	१० ११ ३३ ३३	०७ १४ ०५ १२	०७ ०९ ३२ ४८	०६ ०२ ३२ २२	०८ १३ ०४ १९	०३ ०५ २४ २९	०९ ०५ २४ २९
२६	सोम	०७ ०९ ३५ ०९	०२ १६ ५३ ४०	१० १२ ११ ३२	०७ १२ ४६ ५६	०७ ०९ ४६ १२	०६ ०२ ५२ २९	०८ १३ १० ३५	०३ ०५ २१ १८	०९ ०५ २१ १८
२७	मंगल	०७ १० ३५ ५१	०३ ०१ १८ ३९	१० १२ ४९ ३७	०७ ११ २५ २०	०७ ०९ ५९ ३५	०६ ०३ १४ ३२	०८ १३ १६ ५३	०३ ०५ १८ ०७	०९ ०५ १८ ०७
२८	बुध	०७ ११ ३६ ३४	०३ १५ ३९ ३१	१० १३ २७ ४८	०७ १० ०३ ०५	०७ १० १२ ५९	०६ ०३ ३८ २८	०८ १३ २३ १४	०३ ०५ १४ ५७	०९ ०५ १४ ५७
२९	गुरु	०७ १२ ३७ १९	०३ २९ ५३ २७	१० १४ ०६ ०५	०७ ०८ ४२ ५८	०७ १० २६ २३	०६ ०४ ०४ ११	०८ १३ २९ ३७	०३ ०५ ११ ४६	०९ ०५ ११ ४६
३०	शुक्र	०७ १३ ३८ ०५	०४ १३ ५८ ४९	१० १४ ४४ २८	०७ ०७ २७ ३८	०७ १० ३९ ४७	०६ ०४ ३१ ३८	०८ १३ ३६ ०३	०३ ०५ ०८ ३५	०९ ०५ ०८ ३५

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, दिसम्बर २०१८ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शनि	०७ १४ ३८ ५३	०४ २७ ५४ ४५	१० १५ २२ ५७	०७ ०६ १६ २७	०७ १० ५३ ११	०६ ०५ ०० ४६	०८ १३ ४२ ३१	०३ ०५ ०५ २४	०९ ०५ ०५ २४
२	रवि	०७ १५ ३९ ४२	०५ ११ ४० ४७	१० १६ ०१ ३१	०७ ०५ २० १७	०७ ११ ०६ ३५	०६ ०५ ३१ ३१	०८ १३ ४९ ०१	०३ ०५ ०२ १४	०९ ०५ ०२ १४
३	सोम	०७ १६ ४० ३३	०५ २५ १६ २५	१० १६ ४० ११	०७ ०४ ३१ ३०	०७ ११ १९ ५८	०६ ०६ ०३ ४९	०८ १३ ५५ ३४	०३ ०४ ५९ ०३	०९ ०४ ५९ ०३
४	मंगल	०७ १७ ४१ २५	०६ ०८ ४० ५७	१० १७ १८ ५७	०७ ०३ ५३ ५३	०७ ११ ३३ २१	०६ ०६ ३७ ३६	०८ १४ ०२ ०८	०३ ०४ ५५ ५२	०९ ०४ ५५ ५२
५	बुध	०७ १८ ४२ १८	०६ २१ ५३ ३०	१० १७ ५७ ४८	०७ ०३ २७ ४७	०७ ११ ४६ ४४	०६ ०७ १२ ५०	०८ १४ ०८ ४५	०३ ०४ ५२ ४१	०९ ०४ ५२ ४१
६	गुरु	०७ १९ ४३ १३	०७ ०४ ५३ ०५	१० १८ ३६ ४४	०७ ०३ १३ ०४	०७ १२ ०० ०६	०६ ०७ ४९ २५	०८ १४ १५ २४	०३ ०४ ४९ ३१	०९ ०४ ४९ ३१
७	शुक्र	०७ २० ४४ ०८	०७ १७ ३८ ५५	१० १९ १५ ४५	०७ ०३ ०९ २०	०७ १२ १३ २७	०६ ०८ २७ २०	०८ १४ २२ ०४	०३ ०४ ४६ २०	०९ ०४ ४६ २०
८	शनि	०७ २१ ४५ ०५	०८ ०० १० ४५	१० १९ ५४ ५१	०७ ०३ १५ ५५	०७ १२ २६ ४८	०६ ०९ ०६ ३१	०८ १४ २८ ४७	०३ ०४ ४३ ०९	०९ ०४ ४३ ०९
९	रवि	०७ २२ ४६ ०३	०८ १२ २९ ०२	१० २० ३४ ०२	०७ ०३ ३२ ०५	०७ १२ ४० ०७	०६ ०९ ४६ ५५	०८ १४ ३५ ३१	०३ ०४ ३९ ५८	०९ ०४ ३९ ५८
१०	सोम	०७ २३ ४७ ०२	०८ २४ ३५ ०९	१० २१ १३ १७	०७ ०३ ५६ ५८	०७ १२ ५३ २६	०६ १० २८ २९	०८ १४ ४२ १६	०३ ०४ ३६ ४७	०९ ०४ ३६ ४७
११	मंगल	०७ २४ ४८ ०१	०९ ०६ ३१ २३	१० २१ ५२ ३७	०७ ०४ २९ ४२	०७ १३ ०६ ४४	०६ ११ ११ ११	०८ १४ ४९ ०४	०३ ०४ ३३ ३७	०९ ०४ ३३ ३७
१२	बुध	०७ २५ ४९ ०१	०९ १८ २० ५५	१० २२ ३२ ०१	०७ ०५ ०९ २८	०७ १३ २० ०१	०६ ११ ५४ ५८	०८ १४ ५५ ५३	०३ ०४ ३० २६	०९ ०४ ३० २६
१३	गुरु	०७ २६ ५० ०२	१० ०० ०७ ४५	१० २३ ११ २९	०७ ०५ ५५ २९	०७ १३ ३३ १६	०६ १२ ३९ ४७	०८ १५ ०२ ४३	०३ ०४ २७ १५	०९ ०४ २७ १५
१४	शुक्र	०७ २७ ५१ ०३	१० ११ ५६ २६	१० २३ ५१ ००	०७ ०६ ४६ ५९	०७ १३ ४६ ३०	०६ १३ २५ ३५	०८ १५ ०९ ३५	०३ ०४ २४ ०४	०९ ०४ २४ ०४
१५	शनि	०७ २८ ५२ ०५	१० २३ ५२ ००	१० २४ ३० ३६	०७ ०७ ४३ २१	०७ १३ ५९ ४३	०६ १४ १२ २२	०८ १५ १६ २८	०३ ०४ २० ५४	०९ ०४ २० ५४
१६	रवि	०७ २९ ५३ ०७	११ ०५ ५९ ३७	१० २५ १० १५	०७ ०८ ४३ ५७	०७ १४ १२ ५४	०६ १५ ०० ०४	०८ १५ २३ २२	०३ ०४ १७ ४३	०९ ०४ १७ ४३
१७	सोम	०८ ०० ५४ १०	११ १८ २४ १६	१० २५ ४९ ५७	०७ ०९ ४८ १६	०७ १४ २६ ०४	०६ १५ ४८ ३९	०८ १५ ३० १८	०३ ०४ १४ ३२	०९ ०४ १४ ३२
१८	मंगल	०८ ०१ ५५ १३	०० ०१ १० २०	१० २६ २९ ४२	०७ १० ५५ ५१	०७ १४ ३९ १२	०६ १६ ३८ ०६	०८ १५ ३७ १५	०३ ०४ ११ २१	०९ ०४ ११ २१
१९	बुध	०८ ०२ ५६ १६	०० १४ २१ ०१	१० २७ ०९ ३१	०७ १२ ०६ १५	०७ १४ ५२ १९	०६ १७ २८ २२	०८ १५ ४४ १२	०३ ०४ ०८ ११	०९ ०४ ०८ ११
२०	गुरु	०८ ०३ ५७ २०	०० २७ ५७ ५१	१० २७ ४९ २२	०७ १३ १९ ०९	०७ १५ ०५ २३	०६ १८ १९ २६	०८ १५ ५१ ११	०३ ०४ ०५ ००	०९ ०४ ०५ ००
२१	शुक्र	०८ ०४ ५८ २४	०१ १२ ०० ०८	१० २८ २९ १६	०७ १४ ३४ १३	०७ १५ १८ २६	०६ १९ ११ १७	०८ १५ ५८ १०	०३ ०४ ०१ ४९	०९ ०४ ०१ ४९
२२	शनि	०८ ०५ ५९ २९	०१ २६ २४ ४१	१० २९ ०९ १२	०७ १५ ५१ ११	०७ १५ ३१ २७	०६ २० ०३ ५१	०८ १६ ०५ ११	०३ ०३ ५८ ३८	०९ ०३ ५८ ३८
२३	रवि	०८ ०७ ०० ३४	०२ ११ ०५ ५८	१० २९ ४९ ११	०७ १७ ०९ ५०	०७ १५ ४४ २६	०६ २० ५७ ०९	०८ १६ १२ १२	०३ ०३ ५५ २७	०९ ०३ ५५ २७
२४	सोम	०८ ०८ ०१ ४०	०२ २५ ५६ ४७	११ ०० २९ १२	०७ १८ २९ ५७	०७ १५ ५७ २३	०६ २१ ५१ ०८	०८ १६ १९ १४	०३ ०३ ५२ १७	०९ ०३ ५२ १७
२५	मंगल	०८ ०९ ०२ ४६	०३ १० ४९ १६	११ ०१ ०९ १५	०७ १९ ५१ २२	०७ १६ १० १८	०६ २२ ४५ ४६	०८ १६ २६ १६	०३ ०३ ४९ ०६	०९ ०३ ४९ ०६
२६	बुध	०८ १० ०३ ५२	०३ २५ ३६ ०३	११ ०१ ४९ २०	०७ २१ १३ ५६	०७ १६ २३ १०	०६ २३ ४१ ०३	०८ १६ ३३ २०	०३ ०३ ४५ ५५	०९ ०३ ४५ ५५
२७	गुरु	०८ ११ ०४ ५९	०४ १० ११ ०८	११ ०२ २९ २७	०७ २२ ३७ ३२	०७ १६ ३६ ००	०६ २४ ३६ ५८	०८ १६ ४० २३	०३ ०३ ४२ ४४	०९ ०३ ४२ ४४
२८	शुक्र	०८ १२ ०६ ०७	०४ २४ ३० २५	११ ०३ ०९ ३७	०७ २४ ०२ ०२	०७ १६ ४८ ४८	०६ २५ ३३ २७	०८ १६ ४७ २७	०३ ०३ ३९ ३४	०९ ०३ ३९ ३४
२९	शनि	०८ १३ ०७ १५	०५ ०८ ३१ ३९	११ ०३ ४९ ४९	०७ २५ २७ २३	०७ १७ ०१ ३३	०६ २६ ३० ३१	०८ १६ ५४ ३२	०३ ०३ ३६ २३	०९ ०३ ३६ २३
३०	रवि	०८ १४ ०८ २४	०५ २२ १४ १३	११ ०४ ३० ०२	०७ २६ ५३ २८	०७ १७ १४ १६	०६ २७ २८ ०८	०८ १७ ०१ ३७	०३ ०३ ३३ १२	०९ ०३ ३३ १२
३१	सोम	०८ १५ ०९ ३४	०६ ०५ ३८ ३६	११ ०५ १० १८	०७ २८ २० १५	०७ १७ २६ ५६	०६ २८ २६ १६	०८ १७ ०८ ४२	०३ ०३ ३० ०१	०९ ०३ ३० ०१

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, जनवरी २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रात: ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	मंगल	०८ १६ १० ४३	०६ १८ ४६ ०२	११ ०५ ५० ३५	०७ २९ ४७ ३९	०७ १७ ३९ ३४	०६ २९ २४ ५५	०८ १७ १५ ४७	०३ ०३ २६ ५१	०९ ०३ २६ ५१
२	बुध	०८ १७ ११ ५४	०७ ०१ ३८ ०२	११ ०६ ३० ५४	०८ ०१ १५ ३८	०७ १७ ५२ ०८	०७ ०० २४ ०३	०८ १७ २२ ५३	०३ ०३ २३ ४०	०९ ०३ २३ ४०
३	गुरु	०८ १८ १३ ०४	०७ १४ १६ ११	११ ०७ ११ १६	०८ ०२ ४४ १०	०७ १८ ०४ ४०	०७ ०१ २३ ३९	०८ १७ २९ ५७	०३ ०३ २० २९	०९ ०३ २० २९
४	शुक्र	०८ १९ १४ १५	०७ २६ ४१ ५८	११ ०७ ५१ ३८	०८ ०४ १३ १२	०७ १८ १७ ०८	०७ ०२ २३ ४१	०८ १७ ३७ ०३	०३ ०३ १७ १८	०९ ०३ १७ १८
५	शनि	०८ २० १५ २५	०८ ०८ ५६ ५३	११ ०८ ३२ ०३	०८ ०५ ४२ ४५	०७ १८ २९ ३४	०७ ०३ २४ १०	०८ १७ ४४ ०८	०३ ०३ १४ ०७	०९ ०३ १४ ०७
६	रवि	०८ २१ १६ ३६	०८ २१ ०२ २१	११ ०९ १२ २९	०८ ०७ १२ ४५	०७ १८ ४१ ५६	०७ ०४ २५ ०३	०८ १७ ५१ १४	०३ ०३ १० ५७	०९ ०३ १० ५७
७	सोम	०८ २२ १७ ४७	०९ ०३ ०० ०१	११ ०९ ५२ ५७	०८ ०८ ४३ १३	०७ १८ ५४ १५	०७ ०५ २६ २०	०८ १७ ५८ १९	०३ ०३ ०७ ४६	०९ ०३ ०७ ४६
८	मंगल	०८ २३ १८ ५७	०९ १४ ५१ ४४	११ १० ३३ २६	०८ १० १४ ०८	०७ १९ ०६ ३०	०७ ०६ २८ ००	०८ १८ ०५ २३	०३ ०३ ०४ ३५	०९ ०३ ०४ ३५
९	बुध	०८ २४ २० ०७	०९ २६ ३९ ४६	११ ११ १३ ५६	०८ ११ ४५ ३०	०७ १९ १८ ४२	०७ ०७ ३० ०३	०८ १८ १२ २७	०३ ०३ ०१ २४	०९ ०३ ०१ २४
१०	गुरु	०८ २५ २१ १७	१० ०८ २६ ५४	११ ११ ५४ २८	०८ १३ १७ १८	०७ १९ ३० ५०	०७ ०८ ३२ २६	०८ १८ १९ ३१	०३ ०२ ५८ १४	०९ ०२ ५८ १४
११	शुक्र	०८ २६ २२ २७	१० २० १६ २२	११ १२ ३५ ००	०८ १४ ४९ ३३	०७ १९ ४२ ५४	०७ ०९ ३५ ११	०८ १८ २६ ३४	०३ ०२ ५५ ०३	०९ ०२ ५५ ०३
१२	शनि	०८ २७ २३ ३६	११ ०२ ११ ५९	११ १३ १५ ३४	०८ १६ २२ १४	०७ १९ ५४ ५५	०७ १० ३८ १५	०८ १८ ३३ ३७	०३ ०२ ५१ ५२	०९ ०२ ५१ ५२
१३	रवि	०८ २८ २४ ४४	११ १४ १७ ५७	११ १३ ५६ ०९	०८ १७ ५५ २२	०७ २० ०६ ५२	०७ ११ ४१ ३८	०८ १८ ४० ३८	०३ ०२ ४८ ४१	०९ ०२ ४८ ४१
१४	सोम	०८ २९ २५ ५२	११ २६ ३८ ४२	११ १४ ३६ ४४	०८ १९ २८ ५८	०७ २० १८ ४४	०७ १२ ४५ २०	०८ १८ ४७ ३९	०३ ०२ ४५ ३०	०९ ०२ ४५ ३०
१५	मंगल	०९ ०० २६ ५९	०० ०९ १८ ३९	११ १५ १७ २०	०८ २१ ०३ ०२	०७ २० ३० ३३	०७ १३ ४९ २०	०८ १८ ५४ ४०	०३ ०२ ४२ २०	०९ ०२ ४२ २०
१६	बुध	०९ ०१ २८ ०५	०० २२ २१ ४६	११ १५ ५७ ५६	०८ २२ ३७ ३४	०७ २० ४२ १७	०७ १४ ५३ ३७	०८ १९ ०१ ३९	०३ ०२ ३९ ०९	०९ ०२ ३९ ०९
१७	गुरु	०९ ०२ २९ ११	०१ ०५ ५१ ०३	११ १६ ३८ ३३	०८ २४ १२ ३६	०७ २० ५३ ५७	०७ १५ ५८ ११	०८ १९ ०८ ३७	०३ ०२ ३५ ५८	०९ ०२ ३५ ५८
१८	शुक्र	०९ ०३ ३० १६	०१ १९ ४७ ५२	११ १७ १९ ११	०८ २५ ४८ ०८	०७ २१ ०५ ३२	०७ १७ ०३ ०१	०८ १९ १५ ३४	०३ ०२ ३२ ४७	०९ ०२ ३२ ४७
१९	शनि	०९ ०४ ३१ २०	०२ ०४ ११ १८	११ १७ ५९ ४८	०८ २७ २४ ११	०७ २१ १७ ०४	०७ १८ ०८ ०८	०८ १९ २२ ३१	०३ ०२ २९ ३७	०९ ०२ २९ ३७
२०	रवि	०९ ०५ ३२ २४	०२ १८ ५७ ४६	११ १८ ४० २६	०८ २९ ०० ४५	०७ २१ २८ ३०	०७ १९ १३ २९	०८ १९ २९ २५	०३ ०२ २६ २६	०९ ०२ २६ २६
२१	सोम	०९ ०६ ३३ २६	०३ ०४ ०० ५२	११ १९ २१ ०४	०९ ०० ३७ ५३	०७ २१ ३९ ५२	०७ २० १९ ०६	०८ १९ ३६ १९	०३ ०२ २३ १५	०९ ०२ २३ १५
२२	मंगल	०९ ०७ ३४ २८	०३ १९ १२ ०३	११ २० ०१ ४२	०९ ०२ १५ ३४	०७ २१ ५१ १०	०७ २१ २४ ५७	०८ १९ ४३ १२	०३ ०२ २० ०४	०९ ०२ २० ०४
२३	बुध	०९ ०८ ३५ ३०	०४ ०४ २१ ४२	११ २० ४२ २०	०९ ०३ ५३ ५०	०७ २२ ०२ २२	०७ २२ ३१ ०२	०८ १९ ५० ०३	०३ ०२ १६ ५४	०९ ०२ १६ ५४
२४	गुरु	०९ ०९ ३६ ३१	०४ १९ २० ३४	११ २१ २२ ५९	०९ ०५ ३२ ४२	०७ २२ १३ ३०	०७ २३ ३७ २२	०८ १९ ५६ ५३	०३ ०२ १३ ४३	०९ ०२ १३ ४३
२५	शुक्र	०९ १० ३७ ३१	०५ ०४ ०१ ०९	११ २२ ०३ ३७	०९ ०७ १२ १०	०७ २२ २४ ३३	०७ २४ ४३ ५४	०८ २० ०३ ४१	०३ ०२ १० ३२	०९ ०२ १० ३२
२६	शनि	०९ ११ ३८ ३१	०५ १८ १८ २३	११ २२ ४४ १५	०९ ०८ ५२ १६	०७ २२ ३५ ३०	०७ २५ ५० ३९	०८ २० १० २७	०३ ०२ ०७ २१	०९ ०२ ०७ २१
२७	रवि	०९ १२ ३९ ३०	०६ ०२ १० ०२	११ २३ २४ ५३	०९ १० ३२ ५९	०७ २२ ४६ २३	०७ २६ ५७ ३७	०८ २० १७ १३	०३ ०२ ०४ १०	०९ ०२ ०४ १०
२८	सोम	०९ १३ ४० २९	०६ १५ ३६ १३	११ २४ ०५ ३२	०९ १२ १४ २१	०७ २२ ५७ १०	०७ २८ ०४ ४६	०८ २० २३ ५६	०३ ०२ ०१ ००	०९ ०२ ०१ ००
२९	मंगल	०९ १४ ४१ २७	०६ २८ ३८ ५२	११ २४ ४६ १०	०९ १३ ५६ २३	०७ २३ ०७ ५२	०७ २९ १२ ०७	०८ २० ३० ३८	०३ ०१ ५७ ४९	०९ ०१ ५७ ४९
३०	बुध	०९ १५ ४२ २५	०७ ११ २० ५९	११ २५ २६ ४८	०९ १५ ३९ ०४	०७ २३ १८ २८	०८ ०० १९ ३९	०८ २० ३७ १७	०३ ०१ ५४ ३८	०९ ०१ ५४ ३८
३१	गुरु	०९ १६ ४३ २२	०७ २३ ४६ ०७	११ २६ ०७ २७	०९ १७ २२ २४	०७ २३ २८ ५९	०८ ०१ २७ २२	०८ २० ४३ ५५	०३ ०१ ५१ २७	०९ ०१ ५१ २७

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, फरवरी २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शुक्र	०९ १७ ४४ १८	०८ ०५ ५७ ५२	११ २६ ४८ ०५	०९ १९ ०६ २४	०७ २३ ३९ २४	०८ ०२ ३५ १४	०८ २० ५० ३१	०३ ०१ ४८ १७	०९ ०१ ४८ १७
२	शनि	०९ १८ ४५ १३	०८ १७ ५९ ३५	११ २७ २८ ४४	०९ २० ५१ ०३	०७ २३ ४९ ४३	०८ ०३ ४३ १७	०८ २० ५७ ०५	०३ ०१ ४५ ०६	०९ ०१ ४५ ०६
३	रवि	०९ १९ ४६ ०७	०८ २९ ५४ १७	११ २८ ०९ २२	०९ २२ ३६ २१	०७ २३ ५९ ५६	०८ ०४ ५१ २९	०८ २१ ०३ ३७	०३ ०१ ४१ ५५	०९ ०१ ४१ ५५
४	सोम	०९ २० ४७ ००	०९ ११ ४४ ३६	११ २८ ५० ००	०९ २४ २२ १५	०७ २४ १० ०३	०८ ०५ ५९ ५०	०८ २१ १० ०७	०३ ०१ ३८ ४४	०९ ०१ ३८ ४४
५	मंगल	०९ २१ ४७ ५३	०९ २३ ३२ ४८	११ २९ ३० ३८	०९ २६ ०८ ४४	०७ २४ २० ०४	०८ ०७ ०८ २०	०८ २१ १६ ३४	०३ ०१ ३५ ३४	०९ ०१ ३५ ३४
६	बुध	०९ २२ ४८ ४४	१० ०५ २० ५५	०० ०० ११ १६	०९ २७ ५५ ४६	०७ २४ २९ ५९	०८ ०८ १६ ५८	०८ २१ २२ ५९	०३ ०१ ३२ २३	०९ ०१ ३२ २३
७	गुरु	०९ २३ ४९ ३४	१० १७ १० ५७	०० ०० ५१ ५४	०९ २९ ४३ १७	०७ २४ ३९ ४७	०८ ०९ २५ ४५	०८ २१ २९ २२	०३ ०१ २९ १२	०९ ०१ २९ १२
८	शुक्र	०९ २४ ५० २२	१० २९ ०५ ०१	०० ०१ ३२ ३१	१० ०१ ३१ १४	०७ २४ ४९ २९	०८ १० ३४ ३९	०८ २१ ३५ ४२	०३ ०१ २६ ०१	०९ ०१ २६ ०१
९	शनि	०९ २५ ५१ ०९	११ ११ ०५ २६	०० ०२ १३ ०८	१० ०३ १९ ३१	०७ २४ ५९ ०४	०८ ११ ४३ ४१	०८ २१ ४२ ००	०३ ०१ २२ ५०	०९ ०१ २२ ५०
१०	रवि	०९ २६ ५१ ५५	११ २३ १४ ५५	०० ०२ ५३ ४४	१० ०५ ०८ ०२	०७ २५ ०८ ३३	०८ १२ ५२ ५०	०८ २१ ४८ १५	०३ ०१ १९ ४०	०९ ०१ १९ ४०
११	सोम	०९ २७ ५२ ३९	०० ०५ ३६ ३३	०० ०३ ३४ २०	१० ०६ ५६ ४०	०७ २५ १७ ५५	०८ १४ ०२ ०६	०८ २१ ५४ २७	०३ ०१ १६ २९	०९ ०१ १६ २९
१२	मंगल	०९ २८ ५३ २१	०० १८ १३ ४४	०० ०४ १४ ५५	१० ०८ ४५ १४	०७ २५ २७ १०	०८ १५ ११ २९	०८ २२ ०० ३७	०३ ०१ १३ १८	०९ ०१ १३ १८
१३	बुध	०९ २९ ५४ ०२	०१ ०१ १० ०१	०० ०४ ५५ ३०	१० १० ३३ ३४	०७ २५ ३६ १८	०८ १६ २० ५८	०८ २२ ०६ ४३	०३ ०१ १० ०७	०९ ०१ १० ०७
१४	गुरु	१० ०० ५४ ४२	०१ १४ २८ ४३	०० ०५ ३६ ०४	१० १२ २१ २७	०७ २५ ४५ १९	०८ १७ ३० ३४	०८ २२ १२ ४७	०३ ०१ ०६ ५७	०९ ०१ ०६ ५७
१५	शुक्र	१० ०१ ५५ १९	०१ २८ १२ २४	०० ०६ १६ ३७	१० १४ ०८ ३८	०७ २५ ५४ १२	०८ १८ ४० १७	०८ २२ १८ ४८	०३ ०१ ०३ ४६	०९ ०१ ०३ ४६
१६	शनि	१० ०२ ५५ ५५	०२ १२ २२ १४	०० ०६ ५७ ०९	१० १५ ५४ ४७	०७ २६ ०२ ५९	०८ १९ ५० ०५	०८ २२ २४ ४६	०३ ०१ ०० ३५	०९ ०१ ०० ३५
१७	रवि	१० ०३ ५६ २९	०२ २६ ५७ १४	०० ०७ ३७ ४०	१० १७ ३९ ३५	०७ २६ ११ ३८	०८ २१ ०० ००	०८ २२ ३० ४१	०३ ०० ५७ २४	०९ ०० ५७ २४
१८	सोम	१० ०४ ५७ ०१	०३ ११ ५३ ३८	०० ०८ १८ ११	१० १९ २२ ३८	०७ २६ २० १०	०८ २२ १० ०१	०८ २२ ३६ ३३	०३ ०० ५४ १३	०९ ०० ५४ १३
१९	मंगल	१० ०५ ५७ ३२	०३ २७ ०४ ४०	०० ०८ ५८ ४०	१० २१ ०३ २९	०७ २६ २८ ३४	०८ २३ २० ०७	०८ २२ ४२ २२	०३ ०० ५१ ०३	०९ ०० ५१ ०३
२०	बुध	१० ०६ ५८ ०१	०४ १२ २१ ०६	०० ०९ ३९ ०९	१० २२ ४१ ४०	०७ २६ ३६ ५१	०८ २४ ३० १९	०८ २२ ४८ ०७	०३ ०० ४७ ५२	०९ ०० ४७ ५२
२१	गुरु	१० ०७ ५८ २९	०४ २७ ३२ २५	०० १० १९ ३६	१० २४ १६ ३९	०७ २६ ४५ ००	०८ २५ ४० ३७	०८ २२ ५३ ४९	०३ ०० ४४ ४१	०९ ०० ४४ ४१
२२	शुक्र	१० ०८ ५८ ५५	०५ १२ २८ ३५	०० ११ ०० ०२	१० २५ ४७ ५१	०७ २६ ५३ ०१	०८ २६ ५१ ००	०८ २२ ५९ २८	०३ ०० ४१ ३०	०९ ०० ४१ ३०
२३	शनि	१० ०९ ५९ १९	०५ २७ ०१ ४२	०० ११ ४० २८	१० २७ १४ ४१	०७ २७ ०० ५४	०८ २८ ०१ २८	०८ २३ ०५ ०४	०३ ०० ३८ २०	०९ ०० ३८ २०
२४	रवि	१० १० ५९ ४३	०६ ११ ०६ ५३	०० १२ २० ५२	१० २८ ३६ २९	०७ २७ ०८ ४०	०८ २९ १२ ०२	०८ २३ १० ३६	०३ ०० ३५ ०९	०९ ०० ३५ ०९
२५	सोम	१० १२ ०० ०५	०६ २४ ४२ ३६	०० १३ ०१ १६	१० २९ ५२ ३८	०७ २७ १६ १७	०९ ०० २२ ४०	०८ २३ १६ ०४	०३ ०० ३१ ५८	०९ ०० ३१ ५८
२६	मंगल	१० १३ ०० २५	०७ ०७ ५० ०५	०० १३ ४१ ३६	११ ०१ ०२ २९	०७ २७ २३ ४६	०९ ०१ ३३ २४	०८ २३ २१ २९	०३ ०० २८ ४७	०९ ०० २८ ४७
२७	बुध	१० १४ ०० ४४	०७ २० ३२ ३५	०० १४ २२ ००	११ ०२ ०५ २५	०७ २७ ३१ ०६	०९ ०२ ४४ ११	०८ २३ २६ ५०	०३ ०० २५ ३७	०९ ०० २५ ३७
२८	गुरु	१० १५ ०१ ०२	०८ ०२ ५४ ३०	०० १५ ०२ २१	११ ०३ ०० ५१	०७ २७ ३८ १८	०९ ०३ ५५ ०४	०८ २३ ३२ ०८	०३ ०० २२ २६	०९ ०० २२ २६

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, मार्च २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	शुक्र	१० १६ ०१ १८	०८ १५ ०० ४३	०० १५ ४२ ४१	११ ०३ ४८ १३	०७ २७ ४५ २२	०९ ०५ ०६ ००	०८ २३ ३७ २२	०३ ०० १९ १५	०९ ०० १९ १५
२	शनि	१० १७ ०१ ३३	०८ २६ ५६ ०८	०० १६ २३ ००	११ ०४ २७ ०५	०७ २७ ५२ १७	०९ ०६ १७ ०१	०८ २३ ४२ ३२	०३ ०० १६ ०४	०९ ०० १६ ०४
३	रवि	१० १८ ०१ ४६	०९ ०८ ४५ ११	०० १७ ०३ १९	११ ०४ ५७ ०३	०७ २७ ५९ ०३	०९ ०७ २८ ०६	०८ २३ ४७ ३८	०३ ०० १२ ५३	०९ ०० १२ ५३
४	सोम	१० १९ ०१ ५७	०९ २० ३१ ४८	०० १७ ४३ ३६	११ ०५ १७ ५०	०७ २८ ०५ ४०	०९ ०८ ३९ १४	०८ २३ ५२ ४०	०३ ०० ०९ ४३	०९ ०० ०९ ४३
५	मंगल	१० २० ०२ ०७	१० ०२ १९ १२	०० १८ २३ ५३	११ ०५ २९ १७	०७ २८ १२ ०८	०९ ०९ ५० २६	०८ २३ ५७ ३८	०३ ०० ०६ ३२	०९ ०० ०६ ३२
६	बुध	१० २१ ०२ १५	१० १४ ०९ ५४	०० १९ ०४ ०८	११ ०५ ३१ २२	०७ २८ १८ २७	०९ ११ ०१ ४२	०८ २४ ०२ ३२	०३ ०० ०३ २१	०९ ०० ०३ २१
७	गुरु	१० २२ ०२ २१	१० २६ ०५ ५४	०० १९ ४४ २३	११ ०५ २४ १३	०७ २८ २४ ३७	०९ १२ १३ ००	०८ २४ ०७ २२	०३ ०० ०० १०	०९ ०० ०० १०
८	शुक्र	१० २३ ०२ २५	११ ०८ ०८ ४०	०० २० २४ ३६	११ ०५ ०८ ०८	०७ २८ ३० ३८	०९ १३ २४ २२	०८ २४ १२ ०७	०२ २९ ५७ ००	०८ २९ ५७ ००
९	शनि	१० २४ ०२ २८	११ २० १९ २९	०० २१ ०४ ४९	११ ०४ ४३ ३९	०७ २८ ३६ २९	०९ १४ ३५ ४७	०८ २४ १६ ४८	०२ २९ ५३ ४९	०८ २९ ५३ ४९
१०	रवि	१० २५ ०२ २८	०० ०२ ३९ ३३	०० २१ ४५ ००	११ ०४ ११ १५	०७ २८ ४२ ११	०९ १५ ४७ १५	०८ २४ २१ २५	०२ २९ ५० ३८	०८ २९ ५० ३८
११	सोम	१० २६ ०२ २६	०० १५ १० १७	०० २२ २५ ११	११ ०३ ३१ ५५	०७ २८ ४७ ४३	०९ १६ ५८ ४६	०८ २४ २५ ५८	०२ २९ ४७ २७	०८ २९ ४७ २७
१२	मंगल	१० २७ ०२ २२	०० २७ ५३ २७	०० २३ ०५ २०	११ ०२ ४६ ३४	०७ २८ ५३ ०६	०९ १८ १० १९	०८ २४ ३० २६	०२ २९ ४४ १७	०८ २९ ४४ १७
१३	बुध	१० २८ ०२ १६	०१ १० ५१ १३	०० २३ ४५ २८	११ ०१ ५६ १९	०७ २८ ५८ १८	०९ १९ २१ ५५	०८ २४ ३४ ४९	०२ २९ ४१ ०६	०८ २९ ४१ ०६
१४	गुरु	१० २९ ०२ ०८	०१ २४ ०६ ००	०० २४ २५ ३४	११ ०१ ०२ २३	०७ २९ ०३ २१	०९ २० ३३ ३३	०८ २४ ३९ ०८	०२ २९ ३७ ५५	०८ २९ ३७ ५५
१५	शुक्र	११ ०० ०१ ५८	०२ ०७ ४० १३	०० २५ ०५ ४०	११ ०० ०६ ०३	०७ २९ ०८ १४	०९ २१ ४५ १४	०८ २४ ४३ २३	०२ २९ ३४ ४४	०८ २९ ३४ ४४
१६	शनि	११ ०१ ०१ ४५	०२ २१ ३५ ४१	०० २५ ४५ ४४	१० २९ ०८ ३७	०७ २९ १२ ५८	०९ २२ ५६ ५८	०८ २४ ४७ ३२	०२ २९ ३१ ३३	०८ २९ ३१ ३३
१७	रवि	११ ०२ ०१ ३०	०३ ०५ ५३ ०१	०० २६ २५ ४७	१० २८ ११ २०	०७ २९ १७ ३१	०९ २४ ०८ ४३	०८ २४ ५१ ३७	०२ २९ २८ २३	०८ २९ २८ २३
१८	सोम	११ ०३ ०१ १३	०३ २० ३० ५०	०० २७ ०५ ४८	१० २७ १५ २५	०७ २९ २१ ५४	०९ २५ २० ३१	०८ २४ ५५ ३८	०२ २९ २५ १२	०८ २९ २५ १२
१९	मंगल	११ ०४ ०० ५३	०४ ०५ २५ ०५	०० २७ ४५ ४८	१० २६ २१ ५६	०७ २९ २६ ०७	०९ २६ ३२ २२	०८ २४ ५९ ३३	०२ २९ २२ ०१	०८ २९ २२ ०१
२०	बुध	११ ०५ ०० ३१	०४ २० २८ ५८	०० २८ २५ ४६	१० २५ ३१ ५३	०७ २९ ३० ०९	०९ २७ ४४ १५	०८ २५ ०३ २४	०२ २९ १८ ५०	०८ २९ १८ ५०
२१	गुरु	११ ०६ ०० ०८	०५ ०५ ३३ २५	०० २९ ०५ ४३	१० २४ ४६ ०१	०७ २९ ३४ ०२	०९ २८ ५६ १०	०८ २५ ०७ १०	०२ २९ १५ ४०	०८ २९ १५ ४०
२२	शुक्र	११ ०६ ५९ ४२	०५ २० २८ ३१	०० २९ ४५ ३९	१० २४ ०५ ०२	०७ २९ ३७ ४४	१० ०० ०८ ०७	०८ २५ १० ५१	०२ २९ १२ २९	०८ २९ १२ २९
२३	शनि	११ ०७ ५९ १४	०६ ०५ ०५ १४	०१ ०० २५ ३३	१० २३ २९ २३	०७ २९ ४१ १५	१० ०१ २० ०७	०८ २५ १४ २७	०२ २९ ०९ १८	०८ २९ ०९ १८
२४	रवि	११ ०८ ५८ ४५	०६ १९ १६ ५३	०१ ०१ ०५ २६	१० २२ ५९ २७	०७ २९ ४४ ३६	१० ०२ ३२ ०९	०८ २५ १७ ५८	०२ २९ ०६ ०७	०८ २९ ०६ ०७
२५	सोम	११ ०९ ५८ १३	०७ ०२ ५९ ५७	०१ ०१ ४५ १८	१० २२ ३५ २५	०७ २९ ४७ ४७	१० ०३ ४४ १३	०८ २५ २१ २४	०२ २९ ०२ ५६	०८ २९ ०२ ५६
२६	मंगल	११ १० ५७ ४०	०७ १६ १४ ०३	०१ ०२ २५ ०८	१० २२ १७ २४	०७ २९ ५० ४६	१० ०४ ५६ १९	०८ २५ २४ ४५	०२ २८ ५९ ४६	०८ २८ ५९ ४६
२७	बुध	११ ११ ५७ ०५	०७ २९ ०१ २८	०१ ०३ ०४ ५७	१० २२ ०५ २३	०७ २९ ५३ ३५	१० ०६ ०८ २७	०८ २५ २८ ०१	०२ २८ ५६ ३५	०८ २८ ५६ ३५
२८	गुरु	११ १२ ५६ २८	०८ ११ २६ १५	०१ ०३ ४४ ४५	१० २१ ५९ १९	०७ २९ ५६ १४	१० ०७ २० ३७	०८ २५ ३१ ११	०२ २८ ५३ २४	०८ २८ ५३ २४
२९	शुक्र	११ १३ ५५ ५०	०८ २३ ३३ ३०	०१ ०४ २४ ३२	१० २१ ५९ ०४	०७ २९ ५८ ४१	१० ०८ ३२ ४९	०८ २५ ३४ १६	०२ २८ ५० १३	०८ २८ ५० १३
३०	शनि	११ १४ ५५ ०९	०९ ०५ २८ ४१	०१ ०५ ०४ १७	१० २२ ०४ २७	०८ ०० ०० ५७	१० ०९ ४५ ०३	०८ २५ ३७ १७	०२ २८ ४७ ०३	०८ २८ ४७ ०३
३१	रवि	११ १५ ५४ २७	०९ १७ १७ ११	०१ ०५ ४४ ०२	१० २२ १५ १५	०८ ०० ०३ ०३	१० १० ५७ १९	०८ २५ ४० ११	०२ २८ ४३ ५२	०८ २८ ४३ ५२

विक्रम सम्वत् २०७५, दैनिक स्पष्ट निरयण ग्रह, अप्रैल २०१९ ई० (स्टैं० समय प्रातः ६:२७)

तिथि	दिन	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
		रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.	रा. अं. क. वि.
१	सोम	११ १६ ५३ ४३	०९ २९ ०३ ५७	०१ ०६ २३ ४५	१० २२ ३१ १५	०८ ०० ०४ ५७	१० १२ ०९ ३६	०८ २५ ४३ ०१	०२ २८ ४० ४१	०८ २८ ४० ४१
२	मंगल	११ १७ ५२ ५८	१० १० ५३ १६	०१ ०७ ०३ २७	१० २२ ५२ १४	०८ ०० ०६ ४०	१० १३ २१ ५५	०८ २५ ४५ ४४	०२ २८ ३७ ३०	०८ २८ ३७ ३०
३	बुध	११ १८ ५२ १०	१० २२ ४८ ३२	०१ ०७ ४३ ०७	१० २३ १७ ५५	०८ ०० ०८ १२	१० १४ ३४ १५	०८ २५ ४८ २३	०२ २८ ३४ २०	०८ २८ ३४ २०
४	गुरु	११ १९ ५१ २०	११ ०४ ५२ २०	०१ ०८ २२ ४७	१० २३ ४८ ०६	०८ ०० ०९ ३३	१० १५ ४६ ३६	०८ २५ ५० ५६	०२ २८ ३१ ०९	०८ २८ ३१ ०९
५	शुक्र	११ २० ५० २९	११ १७ ०६ १६	०१ ०९ ०२ २५	१० २४ २२ ३२	०८ ०० १० ४२	१० १६ ५८ ५९	०८ २५ ५३ २३	०२ २८ २७ ५८	०८ २८ २७ ५८
६	शनि	११ २१ ४९ ३५	११ २९ ३१ १३	०१ ०९ ४२ ०२	१० २५ ०० ५९	०८ ०० ११ ४१	१० १८ ११ २३	०८ २५ ५५ ४५	०२ २८ २४ ४७	०८ २८ २४ ४७
७	रवि	११ २२ ४८ ४०	०० १२ ०७ २४	०१ १० २१ ३८	१० २५ ४३ १५	०८ ०० १२ २८	१० १९ २३ ४८	०८ २५ ५८ ०२	०२ २८ २१ ३६	०८ २८ २१ ३६
८	सोम	११ २३ ४७ ४२	०० २४ ५४ ५०	०१ ११ ०१ १३	१० २६ २९ ०८	०८ ०० १३ ०३	१० २० ३६ १४	०८ २६ ०० १२	०२ २८ १८ २६	०८ २८ १८ २६
९	मंगल	११ २४ ४६ ४२	०१ ०७ ५३ ३०	०१ ११ ४० ४६	१० २७ १८ २५	०८ ०० १३ २८	१० २१ ४८ ४१	०८ २६ ०२ १७	०२ २८ १५ १५	०८ २८ १५ १५
१०	बुध	११ २५ ४५ ४०	०१ २१ ०३ ४०	०१ १२ २० १८	१० २८ १० ५७	०८ ०० १३ ४१	१० २३ ०१ ०९	०८ २६ ०४ १६	०२ २८ १२ ०४	०८ २८ १२ ०४
११	गुरु	११ २६ ४४ ३६	०२ ०४ २६ ०४	०१ १२ ५९ ४९	१० २९ ०६ ३४	०८ ०० १३ ४२	१० २४ १३ ३८	०८ २६ ०६ १०	०२ २८ ०८ ५३	०८ २८ ०८ ५३
१२	शुक्र	११ २७ ४३ २९	०२ १८ ०१ ४५	०१ १३ ३९ १८	११ ०० ०५ ०७	०८ ०० १३ ३३	१० २५ २६ ०८	०८ २६ ०७ ५८	०२ २८ ०५ ४३	०८ २८ ०५ ४३
१३	शनि	११ २८ ४२ २०	०३ ०१ ५१ ५०	०१ १४ १८ ४६	११ ०१ ०६ २७	०८ ०० १३ १२	१० २६ ३८ ३९	०८ २६ ०९ ४०	०२ २८ ०२ ३२	०८ २८ ०२ ३२
१४	रवि	११ २९ ४१ ०९	०३ १५ ५६ ५९	०१ १४ ५८ १३	११ ०२ १० २७	०८ ०० १२ ४०	१० २७ ५१ १०	०८ २६ ११ १६	०२ २७ ५९ २१	०८ २७ ५९ २१
१५	सोम	०० ०० ३९ ५५	०४ ०० १६ ४६	०१ १५ ३७ ३८	११ ०३ १७ ००	०८ ०० ११ ५६	१० २९ ०३ ४३	०८ २६ १२ ४७	०२ २७ ५६ १०	०८ २७ ५६ १०
१६	मंगल	०० ०१ ३८ ३९	०४ १४ ४९ ०२	०१ १६ १७ ०१	११ ०४ २६ ००	०८ ०० ११ ०२	११ ०० १६ १६	०८ २६ १४ १२	०२ २७ ५३ ००	०८ २७ ५३ ००
१७	बुध	०० ०२ ३७ २१	०४ २९ २९ ३२	०१ १६ ५६ २३	११ ०५ ३७ २१	०८ ०० ०९ ५६	११ ०१ २८ ५०	०८ २६ १५ ३१	०२ २७ ४९ ४९	०८ २७ ४९ ४९
१८	गुरु	०० ०३ ३६ ०१	०५ १४ ११ ५८	०१ १७ ३५ ४४	११ ०६ ५० ५९	०८ ०० ०८ ४०	११ ०२ ४१ २५	०८ २६ १६ ४४	०२ २७ ४६ ३८	०८ २७ ४६ ३८
१९	शुक्र	०० ०४ ३४ ३९	०५ २८ ४८ ४७	०१ १८ १५ ०३	११ ०८ ०६ ४८	०८ ०० ०७ १२	११ ०३ ५४ ०१	०८ २६ १७ ५२	०२ २७ ४३ २७	०८ २७ ४३ २७
२०	शनि	०० ०५ ३३ १४	०६ १३ १२ २०	०१ १८ ५४ २१	११ ०९ २४ ४५	०८ ०० ०५ ३३	११ ०५ ०६ ३७	०८ २६ १८ ५३	०२ २७ ४० १६	०८ २७ ४० १६
२१	रवि	०० ०६ ३१ ४८	०६ २७ १६ ०८	०१ १९ ३३ ३८	११ १० ४४ ४७	०८ ०० ०३ ४३	११ ०६ १९ १५	०८ २६ १९ ४९	०२ २७ ३७ ०६	०८ २७ ३७ ०६
२२	सोम	०० ०७ ३० २०	०७ १० ५५ ५८	०१ २० १२ ५३	११ १२ ०६ ५०	०८ ०० ०१ ४२	११ ०७ ३१ ५४	०८ २६ २० ३९	०२ २७ ३३ ५५	०८ २७ ३३ ५५
२३	मंगल	०० ०८ २८ ५१	०७ २४ १० ११	०१ २० ५२ ०६	११ १३ ३० ५१	०७ २९ ५९ ३०	११ ०८ ४४ ३३	०८ २६ २१ २३	०२ २७ ३० ४४	०८ २७ ३० ४४
२४	बुध	०० ०९ २७ १९	०८ ०६ ५९ ३९	०१ २१ ३१ १९	११ १४ ५६ ४९	०७ २९ ५७ ०७	११ ०९ ५७ १४	०८ २६ २२ ०२	०२ २७ २७ ३३	०८ २७ २७ ३३
२५	गुरु	०० १० २५ ४६	०८ १९ २७ १५	०१ २२ १० ३०	११ १६ २४ ४१	०७ २९ ५४ ३४	११ ११ ०९ ५५	०८ २६ २२ ३४	०२ २७ २४ २३	०८ २७ २४ २३
२६	शुक्र	०० ११ २४ १२	०९ ०१ ३७ १७	०१ २२ ४९ ४१	११ १७ ५४ २६	०७ २९ ५१ ४९	११ १२ २२ ३७	०८ २६ २३ ०१	०२ २७ २१ १२	०८ २७ २१ १२
२७	शनि	०० १२ २२ ३५	०९ १३ ३४ ५१	०१ २३ २८ ४९	११ १९ २६ ०२	०७ २९ ४८ ५४	११ १३ ३५ २०	०८ २६ २३ २१	०२ २७ १८ ०१	०८ २७ १८ ०१
२८	रवि	०० १३ २० ५८	०९ २५ २५ २५	०१ २४ ०७ ५७	११ २० ५९ २९	०७ २९ ४५ ४९	११ १४ ४८ ०४	०८ २६ २३ ३६	०२ २७ १४ ५०	०८ २७ १४ ५०
२९	सोम	०० १४ १९ १८	१० ०७ १४ २०	०१ २४ ४७ ०४	११ २२ ३४ ४६	०७ २९ ४२ ३२	११ १६ ०० ४९	०८ २६ २३ ४५	०२ २७ ११ ४०	०८ २७ ११ ४०
३०	मंगल	०० १५ १७ ३७	१० १९ ०६ ३४	०१ २५ २६ १०	११ २४ ११ ५३	०७ २९ ३९ ०६	११ १७ १३ ३४	०८ २६ २३ ४८	०२ २७ ०८ २९	०८ २७ ०८ २९

विक्रम सम्वत् २०१८-१९ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मार्च, २०१८ अयनांश-२४:०६:२७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	१०:२९	१२:२५	१४:३९	१७:००	१९:१७	२१:३३	२३:५३	०२:१५	०४:१९	०६:०२	०७:२९	०८:५४
२	१०:२५	१२:२१	१४:३६	१६:५६	१९:१३	२१:२९	२३:४९	०२:११	०४:१६	०५:५८	०७:२५	०८:५०
३	१०:२२	१२:१७	१४:३२	१६:५२	१९:०९	२१:२६	२३:४५	०२:०८	०४:१२	०५:५४	०७:२१	०८:४६
४	१०:१८	१२:१३	१४:२८	१६:४८	१९:०५	२१:२२	२३:४१	०२:०४	०४:०८	०५:५०	०७:१७	०८:४२
५	१०:१४	१२:०९	१४:२४	१६:४४	१९:०१	२१:१८	२३:३७	०२:००	०४:०४	०५:४६	०७:१४	०८:३८
६	१०:१०	१२:०५	१४:२०	१६:४०	१८:५७	२१:१४	२३:३३	०१:५६	०४:००	०५:४२	०७:१०	०८:३५
७	१०:०६	१२:०१	१४:१६	१६:३६	१८:५४	२१:१०	२३:२९	०१:५२	०३:५६	०५:३८	०७:०६	०८:३१
८	१०:०२	११:५७	१४:१२	१६:३२	१८:५०	२१:०६	२३:२५	०१:४८	०३:५२	०५:३४	०७:०२	०८:२७
९	०९:५८	११:५३	१४:०८	१६:२८	१८:४६	२१:०२	२३:२१	०१:४४	०३:४८	०५:३०	०६:५८	०८:२३
१०	०९:५४	११:४९	१४:०४	१६:२४	१८:४२	२०:५८	२३:१८	०१:४०	०३:४४	०५:२६	०६:५४	०८:१९
११	०९:५०	११:४६	१४:००	१६:२०	१८:३८	२०:५४	२३:१४	०१:३६	०३:४०	०५:२२	०६:५०	०८:१५
१२	०९:४६	११:४२	१३:५६	१६:१७	१८:३४	२०:५०	२३:१०	०१:३२	०३:३६	०५:१९	०६:४६	०८:११
१३	०९:४२	११:३८	१३:५२	१६:१३	१८:३०	२०:४६	२३:०६	०१:२८	०३:३२	०५:१५	०६:४२	०८:०७
१४	०९:३८	११:३४	१३:४८	१६:०९	१८:२६	२०:४२	२३:०२	०१:२४	०३:२८	०५:११	०६:३८	०८:०३
१५	०९:३४	११:३०	१३:४४	१६:०५	१८:२२	२०:३८	२२:५८	०१:२०	०३:२४	०५:०७	०६:३४	०७:५९
१६	०९:३०	११:२६	१३:४०	१६.०१	१८.१८	२०:३४	२२:५४	०१:१६	०३:२०	०५:०३	०६:३०	०७:५५
१७	०९:२६	११:२२	१३:३७	१५:५७	१८.१४	२०:३१	२२.५०	०१:१३	०३:१७	०४:५९	०६:२६	०७:५१
१८	०९:२३	११:१८	१३:३३	१५:५३	१८:१०	२०.२७	२२:४६	०१:०९	०३:१३	०४:५५	०६:२२	०७:४७
१९	०९:१९	११:१४	१३:२९	१५:४९	१८:०६	२०:२३	२२:४२	०१.०५	०३:०९	०४:५१	०६:१८	०७:४३
२०	०९:१५	११:१०	१३:२५	१५:४५	१८.०२	२०:१९	२२.३८	०१:०१	०३:०५	०४:४७	०६:१५	०७:३९
२१	०९:११	११:०६	१३.२१	१५.४१	१७.५८	२०:१५	२२:३४	००:५७	०३:०१	०४:४३	०६:११	०७:३६
२२	०९:०७	११:०२	१३:१७	१५:३७	१७.५५	२०:११	२२.३०	००:५३	०२:५७	०४:३९	०६:०७	०७:३२
२३	०९:०३	१०.५८	१३:१३	१५:३३	१७:५१	२०:०७	२२:२६	००:४९	०२:५३	०४:३५	०६:०३	०७:२८
२४	०८:५९	१०:५४	१३:०९	१५:२९	१७:४७	२०:०३	२२:२२	००:४५	०२:४९	०४:३१	०५:५९	०७:२४
२५	०८:५५	१०:५०	१३:०५	१५:२५	१७:४३	१९:५९	२२:१९	००:४१	०२:४५	०४:२७	०५:५५	०७:२०
२६	०८:५१	१०:४७	१३:०१	१५:२१	१७:३९	१९:५५	२२:१५	००:३७	०२:४१	०४:२४	०५:५१	०७:१६
२७	०८:४७	१०:४३	१२:५७	१५:१८	१७:३५	१९:५१	२२:११	००:३३	०२:३७	०४:२०	०५:४७	०७:१२
२८	०८:४३	१०:३९	१२:५३	१५:१४	१७:३१	१९:४७	२२:०७	००:२९	०२:३३	०४:१६	०५:४३	०७:०८
२९	०८:३९	१०:३५	१२:४९	१५:१०	१७:२७	१९:४३	२२:०३	००:२५	०२:२९	०४:१२	०५:३९	०७:०४
३०	०८:३५	१०:३१	१२:४५	१५:०६	१७:२३	१९:३९	२१:५९	००:२१	०२:२५	०४:०८	०५:३५	०७:००
३१	०८:३१	१०:२७	१२:४१	१५:०२	१७:१९	१९.३५	२१:५५	००:१७	०२:२२	०४:०४	०५:३१	०६:५६

अप्रैल २०१८ अयनांश-२४:०६:३०

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	०८:२७	१०:२३	१२:३८	१४:५८	१७:१५	१९:३२	२१:५१	००:१४	०२:१८	०४:००	०५:२७	०६:५२
२	०८:२४	१०:१९	१२:३४	१४:५४	१७:११	१९:२८	२१:४७	००:१०	०२:१४	०३:५६	०५:२३	०६:४८
३	०८:२०	१०:१५	१२:३०	१४:५०	१७:०७	१९:२४	२१:४३	००:०६	०२:१०	०३:५२	०५:२०	०६:४४
४	०८:१६	१०:११	१२:२६	१४:४६	१७:०३	१९:२०	२१:३९	००:०२	०२:०६	०३:४८	०५:१६	०६:४१
५	०८:१२	१०:०७	१२:२२	१४:४२	१६:५९	१९:१६	२१:३५	२३:५४	०२:०२	०३:४४	०५:१२	०६:३७
६	०८:०८	१०:०३	१२:१८	१४:३८	१६:५६	१९:१२	२१:३१	२३:५०	०१:५८	०३:४०	०५:०८	०६:३३
७	०८:०४	०९:५९	१२:१४	१४:३४	१६:५२	१९:०८	२१:२७	२३:४६	०१:५४	०३:३६	०५:०४	०६:२९
८	०८:००	०९:५५	१२:१०	१४:३०	१६:४८	१९:०४	२१:२४	२३:४२	०१:५०	०३:३२	०५:००	०६:२५
९	०७:५६	०९:५२	१२:०६	१४:२६	१६:४४	१९:००	२१:२०	२३:३८	०१:४६	०३:२८	०४:५६	०६:२१
१०	०७:५२	०९:४८	१२:०२	१४:२३	१६:४०	१८:५६	२१:१६	२३:३४	०१:४२	०३:२५	०४:५२	०६:१७
११	०७:४८	०९:४४	११:५८	१४:१९	१६:३६	१८:५२	२१:१२	२३:३०	०१:३८	०३:२१	०४:४८	०६:१३
१२	०७:४४	०९:४०	११:५४	१४:१५	१६:३२	१८:४८	२१:०८	२३:२६	०१:३४	०३:१७	०४:४४	०६:०९
१३	०७:४०	०९:३६	११:५०	१४:११	१६:२८	१८:४४	२१:०४	२३:२२	०१:३०	०३:१३	०४:४०	०६:०५
१४	०७:३६	०९:३२	११:४६	१४:०७	१६:२४	१८:४०	२१:००	२३:१८	०१:२६	०३:०९	०४:३६	०६:०१
१५	०७:३२	०९:२८	११:४३	१४:०३	१६:२०	१८:३६	२०:५६	२३:१५	०१:२३	०३:०५	०४:३२	०५:५७
१६	०७:२९	०९:२४	११:३९	१३:५९	१६:१६	१८:३३	२०:५२	२३:११	०१:१९	०३:०१	०४:२८	०५:५३
१७	०७:२५	०९:२०	११:३५	१३:५५	१६:१२	१८:२९	२०:४८	२३:०७	०१:१५	०२:५७	०४:२४	०५:४९
१८	०७:२१	०९:१६	११:३१	१३:५१	१६:०८	१८:२५	२०:४४	२३:०३	०१:११	०२:५३	०४:२१	०५:४५
१९	०७:१७	०९:१२	११:२७	१३:४७	१६:०४	१८:२१	२०:४०	२२:५९	०१:०७	०२:४९	०४:१७	०५:४२
२०	०७:१३	०९:०८	११:२३	१३:४३	१६:०१	१८:१७	२०:३६	२२:५५	०१:०३	०२:४५	०४:१३	०५:३८
२१	०७:०९	०९:०४	११:१९	१३:३९	१५:५७	१८:१३	२०:३२	२२:५१	००:५९	०२:४१	०४:०९	०५:३४
२२	०७:०५	०९:००	११:१५	१३:३५	१५:५३	१८:०९	२०:२८	२२:४७	००:५५	०२:३७	०४:०५	०५:३०
२३	०७:०१	०८:५६	११:११	१३:३१	१५:४९	१८:०५	२०:२५	२२:४३	००:५१	०२:३३	०४:०१	०५:२६
२४	०६:५७	०८:५३	११:०७	१३:२७	१५:४५	१८:०१	२०:२१	२२:३९	००:४७	०२:२९	०३:५७	०५:२२
२५	०६:५३	०८:४९	११:०३	१३:२४	१५:४१	१७:५७	२०:१७	२२:३५	००:४३	०२:२६	०३:५३	०५:१८
२६	०६:४९	०८:४५	१०:५९	१३:२०	१५:३७	१७:५३	२०:१३	२२:३१	००:३९	०२:२२	०३:४९	०५:१४
२७	०६:४५	०८:४१	१०:५५	१३:१६	१५:३३	१७:४९	२०:०९	२२:२७	००:३५	०२:१८	०३:४५	०५:१०
२८	०६:४१	०८:३७	१०:५१	१३:१२	१५:२९	१७:४५	२०:०५	२२:२३	००:३१	०२:१४	०३:४१	०५:०६
२९	०६:३७	०८:३३	१०:४७	१३:०८	१५:२५	१७:४१	२०:०१	२२:२०	००:२७	०२:१०	०३:३७	०५:०२
३०	०६:३३	०८:२९	१०:४४	१३:०४	१५:२१	१७:३८	१९:५७	२२:१६	००:२४	०२:०६	०३:३३	०४:५८

विक्रम सम्वत् २०१८-१९ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

मई, २०१८ अयनांश-२४:०६:३३

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	०६:३०	०८:२५	१०:४०	१३:००	१५:१७	१७:३४	१९:५३	२२:१२	००:२०	०२:०२	०३:२९	०४:५४
२	०६:२६	०८:२१	१०:३६	१२:५६	१५:१३	१७:३०	१९:४९	२२:०८	००:१६	०१:५८	०३:२५	०४:५०
३	०६:२२	०८:१७	१०:३२	१२:५२	१५:०९	१७:२६	१९:४५	२२:०४	००:१२	०१:५४	०३:२२	०४:४६
४	०६:१८	०८:१३	१०:२८	१२:४८	१५:०५	१७:२२	१९:४१	२२:००	००:०८	०१:५०	०३:१८	०४:४३
५	०६:१४	०८:०९	१०:२४	१२.४४	१५:०२	१७:१८	१९:३७	२१:५६	००:०४	०१:४६	०३:१४	०४:३९
६	०६:१०	०८:०५	१०:२०	१२:४०	१४:५८	१७:१४	१९:३३	२१:५२	२३:५६	०१:४२	०३:१०	०४:३५
७	०६:०६	०८:०१	१०:१६	१२:३६	१४:५४	१७:१०	१९:२९	२१:४८	२३:५२	०१:३८	०३:०६	०४:३१
८	०६:०२	०७:५७	१०:१२	१२:३२	१४:५०	१७:०६	१९:२६	२१:४४	२३:४८	०१:३४	०३:०२	०४:२७
९	०५:५८	०७:५४	१०:०८	१२:२८	१४:४६	१७:०२	१९:२२	२१:४०	२३:४४	०१:३१	०२:५८	०४:२३
१०	०५:५४	०७:५०	१०:०४	१२:२५	१४:४२	१६:५८	१९:१८	२१:३६	२३:४०	०१:२७	०२:५४	०४:१९
११	०५:५०	०७:४६	१०:००	१२:२१	१४:३८	१६:५४	१९:१४	२१:३२	२३:३६	०१:२३	०२:५०	०४:१५
१२	०५:४६	०७:४२	०९:५६	१२:१७	१४:३४	१६:५०	१९:१०	२१:२८	२३:३२	०१:१९	०२:४६	०४:११
१३	०५:४२	०७:३८	०९:५२	१२:१३	१४:३०	१६:४६	१९:०६	२१:२४	२३:२९	०१:१५	०२:४२	०४:०७
१४	०५:३८	०७:३४	०९:४८	१२:०९	१४:२६	१६:४२	१९:०२	२१:२१	२३:२५	०१:११	०२:३८	०४:०३
१५	०५:३४	०७:३०	०९:४५	१२:०५	१४:२२	१६:३९	१८:५८	२१:१७	२३:२१	०१:०७	०२:३४	०३:५९
१६	०५:३१	०७:२६	०९:४१	१२:०१	१४:१८	१६:३५	१८:५४	२१:१३	२३:१७	०१:०३	०२:३०	०३:५५
१७	०५:२७	०७:२२	०९:३७	११:५७	१४:१४	१६:३१	१८:५०	२१:०९	२३:१३	००:५९	०२:२७	०३:५१
१८	०५:२३	०७:१८	०९:३३	११:५३	१४:१०	१६:२७	१८:४६	२१:०५	२३:०९	००:५५	०२:२३	०३:४८
१९	०५:१९	०७:१४	०९:२९	११:४९	१४:०६	१६:२३	१८:४२	२१:०१	२३:०५	००:५१	०२:१९	०३:४४
२०	०५:१५	०७:१०	०९:२५	११:४५	१४:०३	१६:१९	१८:३८	२०:५७	२३:०१	००:४७	०२:१५	०३:४०
२१	०५:११	०७:०६	०९:२१	११:४१	१३:५९	१६:१५	१८:३४	२०:५३	२२:५७	००:४३	०२:११	०३:३६
२२	०५:०७	०७:०२	०९:१७	११:३७	१३:५५	१६:११	१८:३१	२०:४९	२२:५३	००:३९	०२:०७	०३:३२
२३	०५:०३	०६:५९	०९:१३	११:३३	१३:५१	१६:०७	१८:२७	२०:४५	२२:४९	००:३५	०२:०३	०३:२८
२४	०४:५९	०६:५५	०९:०९	११:३०	१३:४७	१६:०३	१८:२३	२०:४१	२२:४५	००:३२	०१:५९	०३:२४
२५	०४:५५	०६:५१	०९:०५	११:२६	१३:४३	१५:५९	१८:१९	२०:३७	२२:४१	००:२८	०१:५५	०३:२०
२६	०४:५१	०६:४७	०९:०१	११:२२	१३:३९	१५:५५	१८:१५	२०:३३	२२:३७	००:२४	०१:५१	०३:१६
२७	०४:४७	०६:४३	०८:५७	११:१८	१३:३५	१५:५१	१८:११	२०:२९	२२:३३	००:२०	०१:४७	०३:१२
२८	०४:४३	०६:३९	०८:५३	११:१४	१३:३१	१५:४७	१८:०७	२०:२५	२२:३०	००:१६	०१:४३	०३:०८
२९	०४:३९	०६:३५	०८:५०	११:१०	१३:२७	१५:४३	१८:०३	२०:२२	२२:२६	००:१२	०१:३९	०३:०४
३०	०४:३६	०६:३१	०८:४६	११:०६	१३:२३	१५:४०	१७:५९	२०:१८	२२:२२	००:०८	०१:३५	०३:००
३१	०४:३२	०६:२७	०८:४२	११:०२	१३:१९	१५:३६	१७:५५	२०:१४	२२:१८	००:०४	०१:३१	०२:५६

जून २०१८ अयनांश-२४:०६:३७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	०४:२८	०६:२३	०८:३८	१०:५८	१३:१५	१५:३२	१७:५१	२०:१०	२२:१४	००:००	०१:२८	०२:५२
२	०४:२४	०६:१९	०८:३४	१०:५४	१३:११	१५:२८	१७:४७	२०:०६	२२:१०	२३:५२	०१:२४	०२:४९
३	०४:२०	०६:१५	०८:३०	१०:५०	१३:०८	१५:२४	१७:४३	२०:०२	२२:०६	२३:४८	०१:२०	०२:४५
४	०४:१६	०६:११	०८:२६	१०:४६	१३:०४	१५:२०	१७:३९	१९:५८	२२:०२	२३:४४	०१:१६	०२:४१
५	०४:१२	०६:०७	०८:२२	१०:४२	१३:००	१५:१६	१७:३५	१९:५४	२१:५८	२३:४०	०१:१२	०२:३७
६	०४:०८	०६:०३	०८:१८	१०:३८	१२:५६	१५:१२	१७:३२	१९:५०	२१:५४	२३:३६	०१:०८	०२:३३
७	०४:०४	०६:००	०८:१४	१०:३४	१२:५२	१५:०८	१७:२८	१९:४६	२१:५०	२३:३३	०१:०४	०२:२९
८	०४:००	०५:५६	०८:१०	१०:३१	१२:४८	१५:०४	१७:२४	१९:४२	२१:४६	२३:२९	०१:००	०२:२५
९	०३:५६	०५:५२	०८:०६	१०:२७	१२:४४	१५:००	१७:२०	१९:३८	२१:४२	२३:२५	००:५६	०२:२१
१०	०३:५२	०५:४८	०८:०२	१०:२३	१२:४०	१४:५६	१७:१६	१९:३४	२१:३८	२३:२१	००:५२	०२:१७
११	०३:४८	०५:४४	०७:५८	१०:१९	१२:३६	१४:५२	१७:१२	१९:३०	२१:३४	२३:१७	००:४८	०२:१३
१२	०३:४४	०५:४०	०७:५४	१०:१५	१२:३२	१४:४८	१७:०८	१९:२७	२१:३१	२३:१३	००:४४	०२:०९
१३	०३:४०	०५:३६	०७:५१	१०:११	१२:२८	१४:४५	१७:०४	१९:२३	२१:२७	२३:०९	००:४०	०२:०५
१४	०३:३७	०५:३२	०७:४७	१०:०७	१२:२४	१४:४१	१७:००	१९:१९	२१:२३	२३:०५	००:३६	०२:०१
१५	०३:३३	०५:२८	०७:४३	१०:०३	१२:२०	१४:३७	१६:५६	१९:१५	२१:१९	२३:०१	००:३२	०१:५७
१६	०३:२९	०५:२४	०७:३९	०९:५९	१२:१६	१४:३३	१६:५२	१९:११	२१:१५	२२:५७	००:२९	०१:५३
१७	०३:२५	०५:२०	०७:३५	०९:५५	१२:१२	१४:२९	१६:४८	१९:०७	२१:११	२२:५३	००:२५	०१:५०
१८	०३:२१	०५:१६	०७:३१	०९:५१	१२:०९	१४:२५	१६:४४	१९:०३	२१:०७	२२:४९	००:२१	०१:४६
१९	०३:१७	०५:१२	०७:२७	०९:४७	१२:०५	१४:२१	१६:४०	१८:५९	२१:०३	२२:४५	००:१७	०१:४२
२०	०३:१३	०५:०८	०७:२३	०९:४३	१२:०१	१४:१७	१६:३६	१८:५५	२०:५९	२२:४१	००:१३	०१:३८
२१	०३:०९	०५:०४	०७:१९	०९:३९	११:५७	१४:१३	१६:३३	१८:५१	२०:५५	२२:३८	००:०९	०१:३४
२२	०३:०५	०५:०१	०७:१५	०९:३५	११:५३	१४:०९	१६:२९	१८:४७	२०:५१	२२:३४	००:०५	०१:३०
२३	०३:०१	०४:५७	०७:११	०९:३२	११:४९	१४:०५	१६:२५	१८:४३	२०:४७	२२:३०	००:०१	०१:२६
२४	०२:५७	०४:५३	०७:०७	०९:२८	११:४५	१४:०१	१६:२१	१८:३९	२०:४३	२२:२६	२३:५३	०१:२२
२५	०२:५३	०४:४९	०७:०३	०९:२४	११:४१	१३:५७	१६:१७	१८:३५	२०:३९	२२:२२	२३:४९	०१:१८
२६	०२:४९	०४:४५	०६:५९	०९:२०	११:३७	१३:५३	१६:१३	१८:३१	२०:३६	२२:१८	२३:४५	०१:१४
२७	०२:४५	०४:४१	०६:५५	०९:१६	११:३३	१३:४९	१६:०९	१८:२८	२०:३२	२२:१४	२३:४१	०१:१०
२८	०२:४१	०४:३७	०६:५२	०९:१२	११:२९	१३:४६	१६:०५	१८:२४	२०:२८	२२:१०	२३:३७	०१:०६
२९	०२:३८	०४:३३	०६:४८	०९:०८	११:२५	१३:४२	१६:०१	१८:२०	२०:२४	२२:०६	२३:३४	०१:०२
३०	०२:३४	०४:२९	०६:४४	०९:०४	११:२१	१३:३८	१५:५७	१८:१६	२०:२०	२२:०२	२३:३०	००:५८

विक्रम सम्वत् २०१८-१९ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

जुलाई, २०१८ अयनांश-२४:०६:४२

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	०२:३०	०४:२५	०६:४०	०९:००	११:१७	१३:३८	१५:५३	१८:१२	२०:१६	२१:५८	२३:२६	००:५५
२	०२:२६	०४:२१	०६:३६	०८:५६	११:१३	१३:३०	१५:४९	१८:०८	२०:१२	२१:५४	२३:२२	००:५१
३	०२:२२	०४:१७	०६:३२	०८:५२	११:१०	१३:२६	१५:४५	१८:०४	२०:०८	२१:५०	२३:१८	००:४७
४	०२:१८	०४:१३	०६:२८	०८:४८	११:०६	१३:२२	१५:४१	१८:००	२०:०४	२१:४६	२३:१४	००:४३
५	०२:१४	०४:०९	०६:२४	०८:४४	११:०२	१३:१८	१५:३८	१७:५६	२०:००	२१:४२	२३:१०	००:३९
६	०२:१०	०४:०६	०६:२०	०८:४०	१०:५८	१३:१४	१५:३४	१७:५२	१९:५६	२१:३९	२३:०६	००:३५
७	०२:०६	०४:०२	०६:१६	०८:३७	१०:५४	१३:१०	१५:३०	१७:४८	१९:५२	२१:३५	२३:०२	००:३१
८	०२:०२	०३:५८	०६:१२	०८:३३	१०:५०	१३:०६	१५:२६	१७:४४	१९:४८	२१:३१	२२:५८	००:२७
९	०१:५८	०३:५४	०६:०८	०८:२९	१०:४६	१३:०२	१५:२२	१७:४०	१९:४४	२१:२७	२२:५४	००:२३
१०	०१:५४	०३:५०	०६:०४	०८:२५	१०:४२	१२:५८	१५:१८	१७:३६	१९:४०	२१:२३	२२:५०	००:१९
११	०१:५०	०३:४६	०६:००	०८:२१	१०:३८	१२:५४	१५:१४	१७:३२	१९:३७	२१:१९	२२:४६	००:१५
१२	०१:४६	०३:४२	०५:५७	०८:१७	१०:३४	१२:५०	१५:१०	१७:२९	१९:३३	२१:१५	२२:४२	००:११
१३	०१:४३	०३:३८	०५:५३	०८:१३	१०:३०	१२:४७	१५:०६	१७:२५	१९:२९	२१:११	२२:३८	००:०७
१४	०१:३९	०३:३४	०५:४९	०८:०९	१०:२६	१२:४३	१५:०२	१७:२१	१९:२५	२१:०७	२२:३५	००:०३
१५	०१:३५	०३:३०	०५:४५	०८:०५	१०:२२	१२:३९	१४:५८	१७:१७	१९:२१	२१:०३	२२:३१	२३:५६
१६	०१:३१	०३:२६	०५:४१	०८:०१	१०:१८	१२:३५	१४:५४	१७:१३	१९:१७	२०:५९	२२:२७	२३:५२
१७	०१:२७	०३:२२	०५:३७	०७:५७	१०:१५	१२:३१	१४:५०	१७:०९	१९:१३	२०:५५	२२:२३	२३:४८
१८	०१:२३	०३:१८	०५:३३	०७:५३	१०:११	१२:२७	१४:४६	१७:०५	१९:०९	२०:५१	२२:१९	२३:४४
१९	०१:१९	०३:१४	०५:२९	०७:४९	१०:०७	१२:२३	१४:४२	१७:०१	१९:०५	२०:४७	२२:१५	२३:४०
२०	०१:१५	०३:१०	०५:२५	०७:४५	१०:०३	१२:१९	१४:३९	१६:५७	१९:०१	२०:४३	२२:११	२३:३६
२१	०१:११	०३:०७	०५:२१	०७:४१	०९:५९	१२:१५	१४:३५	१६:५३	१८:५७	२०:४०	२२:०७	२३:३२
२२	०१:०७	०३:०३	०५:१७	०७:३८	०९:५५	१२:११	१४:३१	१६:४९	१८:५३	२०:३६	२२:०३	२३:२८
२३	०१:०३	०२:५९	०५:१३	०७:३४	०९:५१	१२:०७	१४:२७	१६:४५	१८:४९	२०:३२	२१:५९	२३:२४
२४	००:५९	०२:५५	०५:०९	०७:३०	०९:४७	१२:०३	१४:२३	१६:४१	१८:४५	२०:२८	२१:५५	२३:२०
२५	००:५५	०२:५१	०५:०५	०७:२६	०९:४३	११:५९	१४:१९	१६:३७	१८:४१	२०:२४	२१:५१	२३:१६
२६	००:५१	०२:४७	०५:०१	०७:२२	०९:३९	११:५५	१४:१५	१६:३४	१८:३८	२०:२०	२१:४७	२३:१२
२७	००:४७	०२:४३	०४:५८	०७:१८	०९:३५	११:५२	१४:११	१६:३०	१८:३४	२०:१६	२१:४३	२३:०८
२८	००:४४	०२:३९	०४:५४	०७:१४	०९:३१	११:४८	१४:०७	१६:२६	१८:३०	२०:१२	२१:३९	२३:०४
२९	००:४०	०२:३५	०४:५०	०७:१०	०९:२७	११:४४	१४:०३	१६:२२	१८:२६	२०:०८	२१:३६	२३:००
३०	००:३६	०२:३१	०४:४६	०७:०६	०९:२३	११:४०	१३:५९	१६:१८	१८:२२	२०:०४	२१:३२	२२:५७
३१	००:३२	०२:२७	०४:४२	०७:०२	०९:१९	११:३६	१३:५५	१६:१४	१८:१८	२०:००	२१:२८	२२:५३

अगस्त २०१८ अयनांश-२४:०६:४७

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	००:२८	०२:२३	०४:३८	०६:५८	०९:१६	११:३२	१३:५१	१६:१०	१८:१४	१९:५६	२१:२४	२२:४९
२	००:२४	०२:१९	०४:३४	०६:५४	०९:१२	११:२८	१३:४७	१६:०६	१८:१०	१९:५२	२१:२०	२२:४५
३	००:२०	०२:१५	०४:३०	०६:५०	०९:०८	११:२४	१३:४३	१६:०२	१८:०६	१९:४८	२१:१६	२२:४१
४	००:१६	०२:११	०४:२६	०६:४६	०९:०४	११:२०	१३:४०	१५:५८	१८:०२	१९:४५	२१:१२	२२:३७
५	००:१२	०२:०८	०४:२२	०६:४२	०९:००	११:१६	१३:३६	१५:५४	१७:५८	१९:४१	२१:०८	२२:३३
६	००:०८	०२:०४	०४:१८	०६:३९	०८:५६	११:१२	१३:३२	१५:५०	१७:५४	१९:३७	२१:०४	२२:२९
७	००:०४	०२:००	०४:१४	०६:३५	०८:५२	११:०८	१३:२८	१५:४६	१७:५०	१९:३३	२१:००	२२:२५
८	००:००	०१:५६	०४:१०	०६:३१	०८:४८	११:०४	१३:२४	१५:४२	१७:४६	१९:२९	२०:५६	२२:२१
९	२३:५२	०१:५२	०४:०६	०६:२७	०८:४४	११:००	१३:२०	१५:३८	१७:४३	१९:२५	२०:५२	२२:१७
१०	२३:४८	०१:४८	०४:०२	०६:२३	०८:४०	१०:५६	१३:१६	१५:३५	१७:३९	१९:२१	२०:४८	२२:१३
११	२३:४५	०१:४४	०३:५९	०६:१९	०८:३६	१०:५३	१३:१२	१५:३१	१७:३५	१९:१७	२०:४४	२२:०९
१२	२३:४१	०१:४०	०३:५५	०६:१५	०८:३२	१०:४९	१३:०८	१५:२७	१७:३१	१९:१३	२०:४१	२२:०५
१३	२३:३७	०१:३६	०३:५१	०६:११	०८:२८	१०:४५	१३:०४	१५:२३	१७:२७	१९:०९	२०:३७	२२:०२
१४	२३:३३	०१:३२	०३:४७	०६:०७	०८:२४	१०:४१	१३:००	१५:१९	१७:२३	१९:०५	२०:३३	२१:५८
१५	२३:२९	०१:२८	०३:४३	०६:०३	०८:२०	१०:३७	१२:५६	१५:१५	१७:१९	१९:०१	२०:२९	२१:५४
१६	२३:२५	०१:२४	०३:३९	०५:५९	०८:१७	१०:३३	१२:५२	१५:११	१७:१५	१८:५७	२०:२५	२१:५०
१७	२३:२१	०१:२०	०३:३५	०५:५५	०८:१३	१०:२९	१२:४८	१५:०७	१७:११	१८:५३	२०:२१	२१:४६
१८	२३:१७	०१:१६	०३:३१	०५:५१	०८:०९	१०:२५	१२:४५	१५:०३	१७:०७	१८:४९	२०:१७	२१:४२
१९	२३:१३	०१:१३	०३:२७	०५:४७	०८:०५	१०:२१	१२:४१	१४:५९	१७:०३	१८:४६	२०:१३	२१:३८
२०	२३:०९	०१:०९	०३:२३	०५:४४	०८:०१	१०:१७	१२:३७	१४:५५	१६:५९	१८:४२	२०:०९	२१:३४
२१	२३:०५	०१:०५	०३:१९	०५:४०	०७:५७	१०:१३	१२:३३	१४:५१	१६:५५	१८:३८	२०:०५	२१:३०
२२	२३:०१	०१:०१	०३:१५	०५:३६	०७:५३	१०:०९	१२:२९	१४:४७	१६:५१	१८:३४	२०:०१	२१:२६
२३	२२:५७	००:५७	०३:११	०५:३२	०७:४९	१०:०५	१२:२५	१४:४३	१६:४७	१८:३०	१९:५७	२१:२२
२४	२२:५३	००:५३	०३:०७	०५:२८	०७:४५	१०:०१	१२:२१	१४:३९	१६:४४	१८:२६	१९:५३	२१:१८
२५	२२:५०	००:४९	०३:०४	०५:२४	०७:४१	०९:५७	१२:१७	१४:३६	१६:४०	१८:२२	१९:४९	२१:१४
२६	२२:४६	००:४५	०३:००	०५:२०	०७:३७	०९:५४	१२:१३	१४:३२	१६:३६	१८:१८	१९:४५	२१:१०
२७	२२:४२	००:४१	०२:५६	०५:१६	०७:३३	०९:५०	१२:०९	१४:२८	१६:३२	१८:१४	१९:४२	२१:०६
२८	२२:३८	००:३७	०२:५२	०५:१२	०७:२९	०९:४६	१२:०५	१४:२४	१६:२८	१८:१०	१९:३८	२१:०३
२९	२२:३४	००:३३	०२:४८	०५:०८	०७:२५	०९:४२	१२:०१	१४:२०	१६:२४	१८:०६	१९:३४	२०:५९
३०	२२:३०	००:२९	०२:४४	०५:०४	०७:२२	०९:३८	११:५७	१४:१६	१६:२०	१८:०२	१९:३०	२०:५५
३१	२२:२६	००:२५	०२:४०	०५:००	०७:१८	०९:३४	११:५३	१४:१२	१६:१६	१७:५८	१९:२६	२०:५१

विक्रम सम्वत् २०१८-१९ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

सितम्बर, २०१८ अयनांश-२४:०६:५०

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	२२:२२	००:२१	०२:३६	०४:५६	०७:१४	०९:३०	११:४९	१४:०८	१६:१२	१७:५४	१९:२२	२०:४७
२	२२:१८	००:१७	०२:३२	०४:५२	०७:१०	०९:२६	११:४६	१४:०४	१६:०८	१७:५०	१९:१८	२०:४३
३	२२:१४	००:१४	०२:२८	०४:४८	०७:०६	०९:२२	११:४२	१४:००	१६:०४	१७:४७	१९:१४	२०:३९
४	२२:१०	००:१०	०२:२४	०४:४५	०७:०२	०९:१८	११:३८	१३:५६	१६:००	१७:४३	१९:१०	२०:३५
५	२२:०६	००:०६	०२:२०	०४:४१	०६:५८	०९:१४	११:३४	१३:५२	१५:५६	१७:३९	१९:०६	२०:३१
६	२२:०२	००:०२	०२:१६	०४:३७	०६:५४	०९:१०	११:३०	१३:४८	१५:५२	१७:३५	१९:०२	२०:२७
७	२१:५८	२३:५४	०२:१२	०४:३३	०६:५०	०९:०६	११:२६	१३:४४	१५:४८	१७:३१	१८:५८	२०:२३
८	२१:५४	२३:५०	०२:०८	०४:२९	०६:४६	०९:०२	११:२२	१३:४१	१५:४५	१७:२७	१८:५४	२०:१९
९	२१:५१	२३:४६	०२:०५	०४:२५	०६:४२	०८:५९	११:१८	१३:३७	१५:४१	१७:२३	१८:५०	२०:१५
१०	२१:४७	२३:४२	०२:०१	०४:२१	०६:३८	०८:५५	११:१४	१३:३३	१५:३७	१७:१९	१८:४६	२०:११
११	२१:४३	२३:३८	०१:५७	०४:१७	०६:३४	०८:५१	११:१०	१३:२९	१५:३३	१७:१५	१८:४३	२०:०७
१२	२१:३९	२३:३४	०१:५३	०४:१३	०६:३०	०८:४७	११:०६	१३:२५	१५:२९	१७:११	१८:३९	२०:०४
१३	२१:३५	२३:३०	०१:४९	०४:०९	०६:२६	०८:४३	११:०२	१३:२१	१५:२५	१७:०७	१८:३५	२०:००
१४	२१:३१	२३:२६	०१:४५	०४:०५	०६:२३	०८:३९	१०:५८	१३:१७	१५:२१	१७:०३	१८:३१	१९:५६
१५	२१:२७	२३:२२	०१:४१	०४:०१	०६:१९	०८:३५	१०:५४	१३:१३	१५:१७	१६:५९	१८:२७	१९:५२
१६	२१:२३	२३:१८	०१:३७	०३:५७	०६:१५	०८:३१	१०:५०	१३:०९	१५:१३	१६:५५	१८:२३	१९:४८
१७	२१:१९	२३:१५	०१:३३	०३:५३	०६:११	०८:२७	१०:४७	१३:०५	१५:०९	१६:५२	१८:१९	१९:४४
१८	२१:१५	२३:११	०१:२९	०३:४९	०६:०७	०८:२३	१०:४३	१३:०१	१५:०५	१६:४८	१८:१५	१९:४०
१९	२१:११	२३:०७	०१:२५	०३:४६	०६:०३	०८:१९	१०:३९	१२:५७	१५:०१	१६:४४	१८:११	१९:३६
२०	२१:०७	२३:०३	०१:२१	०३:४२	०५:५९	०८:१५	१०:३५	१२:५३	१४:५७	१६:४०	१८:०७	१९:३२
२१	२१:०३	२२:५९	०१:१७	०३:३८	०५:५५	०८:११	१०:३१	१२:४९	१४:५३	१६:३६	१८:०३	१९:२८
२२	२०:५९	२२:५५	०१:१३	०३:३४	०५:५१	०८:०७	१०:२७	१२:४५	१४:५०	१६:३२	१७:५९	१९:२४
२३	२०:५५	२२:५१	०१:०९	०३:३०	०५:४७	०८:०३	१०:२३	१२:४२	१४:४६	१६:२८	१७:५५	१९:२०
२४	२०:५२	२२:४७	०१:०६	०३:२६	०५:४३	०८:००	१०:१९	१२:३८	१४:४२	१६:२४	१७:५१	१९:१६
२५	२०:४८	२२:४३	०१:०२	०३:२२	०५:३९	०७:५६	१०:१५	१२:३४	१४:३८	१६:२०	१७:४८	१९:१२
२६	२०:४४	२२:३९	००:५८	०३:१८	०५:३५	०७:५२	१०:११	१२:३०	१४:३४	१६:१६	१७:४४	१९:०९
२७	२०:४०	२२:३५	००:५४	०३:१४	०५:३१	०७:४८	१०:०७	१२:२६	१४:३०	१६:१२	१७:४०	१९:०५
२८	२०:३६	२२:३१	००:५०	०३:१०	०५:२७	०७:४४	१०:०३	१२:२२	१४:२६	१६:०८	१७:३६	१९:०१
२९	२०:३२	२२:२७	००:४६	०३:०६	०५:२४	०७:४०	०९:५९	१२:१८	१४:२२	१६:०४	१७:३२	१८:५७
३०	२०:२८	२२:२३	००:४२	०३:०२	०५:२०	०७:३६	०९:५५	१२:१४	१४:१८	१६:००	१७:२८	१८:५३

अक्टूबर, २०१८ अयनांश-२४:०६:५३

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	२०:२४	२२:२०	००:३८	०२:५८	०५:१६	०७:३२	०९:५१	१२:१०	१४:१४	१५:५६	१७:२४	१८:४९
२	२०:२०	२२:१६	००:३४	०२:५४	०५:१२	०७:२८	०९:४८	१२:०६	१४:१०	१५:५३	१७:२०	१८:४५
३	२०:१६	२२:१२	००:३०	०२:५१	०५:०८	०७:२४	०९:४४	१२:०२	१४:०६	१५:४९	१७:१६	१८:४१
४	२०:१२	२२:०८	००:२६	०२:४७	०५:०४	०७:२०	०९:४०	११:५८	१४:०२	१५:४५	१७:१२	१८:३७
५	२०:०८	२२:०४	००:२२	०२:४३	०५:००	०७:१६	०९:३६	११:५४	१३:५८	१५:४१	१७:०८	१८:३३
६	२०:०४	२२:००	००:१८	०२:३९	०४:५६	०७:१२	०९:३२	११:५०	१३:५४	१५:३७	१७:०४	१८:२९
७	२०:००	२१:५६	००:१४	०२:३५	०४:५२	०७:०८	०९:२८	११:४६	१३:५१	१५:३३	१७:००	१८:२५
८	१९:५७	२१:५२	००:११	०२:३१	०४:४८	०७:०४	०९:२४	११:४३	१३:४७	१५:२९	१६:५६	१८:२१
९	१९:५३	२१:४८	००:०७	०२:२७	०४:४४	०७:०१	०९:२०	११:३९	१३:४३	१५:२५	१६:५२	१८:१७
१०	१९:४९	२१:४४	००:०३	०२:२३	०४:४०	०६:५७	०९:१६	११:३५	१३:३९	१५:२१	१६:४९	१८:१३
११	१९:४५	२१:४०	२३:५५	०२:१९	०४:३६	०६:५३	०९:१२	११:३१	१३:३५	१५:१७	१६:४५	१८:१०
१२	१९:४१	२१:३६	२३:५१	०२:१५	०४:३२	०६:४९	०९:०८	११:२७	१३:३१	१५:१३	१६:४१	१८:०६
१३	१९:३७	२१:३२	२३:४७	०२:११	०४:२९	०६:४५	०९:०४	११:२३	१३:२७	१५:०९	१६:३७	१८:०२
१४	१९:३३	२१:२८	२३:४३	०२:०७	०४:२५	०६:४१	०९:००	११:१९	१३:२३	१५:०५	१६:३३	१७:५८
१५	१९:२९	२१:२४	२३:३९	०२:०३	०४:२१	०६:३७	०८:५६	११:१५	१३:१९	१५:०१	१६:२९	१७:५४
१६	१९:२५	२१:२१	२३:३५	०१:५९	०४:१७	०६:३३	०८:५३	११:११	१३:१५	१४:५७	१६:२५	१७:५०
१७	१९:२१	२१:१७	२३:३१	०१:५५	०४:१३	०६:२९	०८:४९	११:०७	१३:११	१४:५४	१६:२१	१७:४६
१८	१९:१७	२१:१३	२३:२७	०१:५२	०४:०९	०६:२५	०८:४५	११:०३	१३:०७	१४:५०	१६:१७	१७:४२
१९	१९:१३	२१:०९	२३:२३	०१:४८	०४:०५	०६:२१	०८:४१	१०:५९	१३:०३	१४:४६	१६:१३	१७:३८
२०	१९:०९	२१:०५	२३:१९	०१:४४	०४:०१	०६:१७	०८:३७	१०:५५	१२:५९	१४:४२	१६:०९	१७:३४
२१	१९:०५	२१:०१	२३:१५	०१:४०	०३:५७	०६:१३	०८:३३	१०:५१	१२:५५	१४:३८	१६:०५	१७:३०
२२	१९:०१	२०:५७	२३:१२	०१:३६	०३:५३	०६:०९	०८:२९	१०:४८	१२:५२	१४:३४	१६:०१	१७:२६
२३	१८:५८	२०:५३	२३:०८	०१:३२	०३:४९	०६:०६	०८:२५	१०:४४	१२:४८	१४:३०	१५:५७	१७:२२
२४	१८:५४	२०:४९	२३:०४	०१:२८	०३:४५	०६:०२	०८:२१	१०:४०	१२:४४	१४:२६	१५:५३	१७:१८
२५	१८:५०	२०:४५	२३:००	०१:२४	०३:४१	०५:५८	०८:१७	१०:३६	१२:४०	१४:२२	१५:५०	१७:१४
२६	१८:४६	२०:४१	२२:५६	०१:२०	०३:३७	०५:५४	०८:१३	१०:३२	१२:३६	१४:१८	१५:४६	१७:११
२७	१८:४२	२०:३७	२२:५२	०१:१६	०३:३३	०५:५०	०८:०९	१०:२८	१२:३२	१४:१४	१५:४२	१७:०७
२८	१८:३८	२०:३३	२२:४८	०१:१२	०३:३०	०५:४६	०८:०५	१०:२४	१२:२८	१४:१०	१५:३८	१७:०३
२९	१८:३४	२०:२९	२२:४४	०१:०८	०३:२६	०५:४२	०८:०१	१०:२०	१२:२४	१४:०६	१५:३४	१६:५९
३०	१८:३०	२०:२५	२२:४०	०१:०४	०३:२२	०५:३८	०७:५७	१०:१६	१२:२०	१४:०२	१५:३०	१६:५५
३१	१८:२६	२०:२२	२२:३६	०१:००	०३:१८	०५:३४	०७:५४	१०:१२	१२:१६	१३:५९	१५:२६	१६:५१

विक्रम सम्वत् २०१८-१९ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

नवम्बर, २०१८ अयनांश-२४:०६:५६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	१८:२२	२०:१८	२२:३२	००:५६	०३:१४	०५:३०	०७:५०	१०:०८	१२:१२	१३:५५	१५:२२	१६:४७
२	१८:१८	२०:१४	२२:२८	००:५३	०३:१०	०५:२६	०७:४६	१०:०४	१२:०८	१३:५१	१५:१८	१६:४३
३	१८:१४	२०:१०	२२:२४	००:४९	०३:०६	०५:२२	०७:४२	१०:००	१२:०४	१३:४७	१५:१४	१६:३९
४	१८:१०	२०:०६	२२:२०	००:४५	०३:०२	०५:१८	०७:३८	०९:५६	१२:००	१३:४३	१५:१०	१६:३५
५	१८:०६	२०:०२	२२:१६	००:४१	०२:५८	०५:१४	०७:३४	०९:५२	११:५७	१३:३९	१५:०६	१६:३१
६	१८:०२	१९:५८	२२:१२	००:३७	०२:५४	०५:१०	०७:३०	०९:४९	११:५३	१३:३५	१५:०२	१६:२७
७	१७:५९	१९:५४	२२:०९	००:३३	०२:५०	०५:०७	०७:२६	०९:४५	११:४९	१३:३१	१४:५८	१६:२३
८	१७:५५	१९:५०	२२:०५	००:२९	०२:४६	०५:०३	०७:२२	०९:४१	११:४५	१३:२७	१४:५५	१६:१९
९	१७:५१	१९:४६	२२:०१	००:२५	०२:४२	०४:५९	०७:१८	०९:३७	११:४१	१३:२३	१४:५१	१६:१६
१०	१७:४७	१९:४२	२१:५७	००:२१	०२:३८	०४:५५	०७:१४	०९:३३	११:३७	१३:१९	१४:४७	१६:१२
११	१७:४३	१९:३८	२१:५३	००:१७	०२:३४	०४:५१	०७:१०	०९:२९	११:३३	१३:१५	१४:४३	१६:०८
१२	१७:३९	१९:३४	२१:४९	००:१३	०२:३१	०४:४७	०७:०६	०९:२५	११:२९	१३:११	१४:३९	१६:०४
१३	१७:३५	१९:३०	२१:४५	००:०९	०२:२७	०४:४३	०७:०२	०९:२१	११:२५	१३:०७	१४:३५	१६:००
१४	१७:३१	१९:२७	२१:४१	००:०५	०२:२३	०४:३९	०६:५८	०९:१७	११:२१	१३:०३	१४:३१	१५:५६
१५	१७:२७	१९:२३	२१:३७	००:०१	०२:१९	०४:३५	०६:५५	०९:१३	११:१७	१३:००	१४:२७	१५:५२
१६	१७:२३	१९:१९	२१:३३	२३:५४	०२:१५	०४:३१	०६:५१	०९:०९	११:१३	१२:५६	१४:२३	१५:४८
१७	१७:१९	१९:१५	२१:२९	२३:५०	०२:११	०४:२७	०६:४७	०९:०५	११:०९	१२:५२	१४:१९	१५:४४
१८	१७:१५	१९:११	२१:२५	२३:४६	०२:०७	०४:२३	०६:४३	०९:०१	११:०५	१२:४८	१४:१५	१५:४०
१९	१७:११	१९:०७	२१:२१	२३:४२	०२:०३	०४:१९	०६:३९	०८:५७	११:०१	१२:४४	१४:११	१५:३६
२०	१७:०७	१९:०३	२१:१८	२३:३८	०१:५९	०४:१५	०६:३५	०८:५३	१०:५८	१२:४०	१४:०७	१५:३२
२१	१७:०४	१८:५९	२१:१४	२३:३४	०१:५५	०४:११	०६:३१	०८:५०	१०:५४	१२:३६	१४:०३	१५:२८
२२	१७:००	१८:५५	२१:१०	२३:३०	०१:५१	०४:०८	०६:२७	०८:४६	१०:५०	१२:३२	१३:५९	१५:२४
२३	१६:५६	१८:५१	२१:०६	२३:२६	०१:४७	०४:०४	०६:२३	०८:४२	१०:४६	१२:२८	१३:५६	१५:२०
२४	१६:५२	१८:४७	२१:०२	२३:२२	०१:४३	०४:००	०६:१९	०८:३८	१०:४२	१२:२४	१३:५२	१५:१७
२५	१६:४८	१८:४३	२०:५८	२३:१८	०१:३९	०३:५६	०६:१५	०८:३४	१०:३८	१२:२०	१३:४८	१५:१३
२६	१६:४४	१८:३९	२०:५४	२३:१४	०१:३६	०३:५२	०६:११	०८:३०	१०:३४	१२:१६	१३:४४	१५:०९
२७	१६:४०	१८:३५	२०:५०	२३:१०	०१:३२	०३:४८	०६:०७	०८:२६	१०:३०	१२:१२	१३:४०	१५:०५
२८	१६:३६	१८:३१	२०:४६	२३:०६	०१:२८	०३:४४	०६:०३	०८:२२	१०:२६	१२:०८	१३:३६	१५:०१
२९	१६:३२	१८:२८	२०:४२	२३:०२	०१:२४	०३:४०	०६:००	०८:१८	१०:२२	१२:०४	१३:३२	१४:५७
३०	१६:२८	१८:२४	२०:३८	२२:५९	०१:२०	०३:३६	०५:५६	०८:१४	१०:१८	१२:०१	१३:२८	१४:५३

दिसम्बर, २०१८ अयनांश-२४:०७:०१

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	१६:२४	१८:२०	२०:३४	२२:५५	०१:१६	०३:३२	०५:५२	०८:१०	१०:१४	११:५७	१३:२४	१४:४९
२	१६:२०	१८:१६	२०:३०	२२:५१	०१:१२	०३:२८	०५:४८	०८:०६	१०:१०	११:५३	१३:२०	१४:४५
३	१६:१६	१८:१२	२०:२६	२२:४७	०१:०८	०३:२४	०५:४४	०८:०२	१०:०६	११:४९	१३:१६	१४:४१
४	१६:१२	१८:०८	२०:२२	२२:४३	०१:०४	०३:२०	०५:४०	०७:५८	१०:०२	११:४५	१३:१२	१४:३७
५	१६:०८	१८:०४	२०:१९	२२:३९	०१:००	०३:१६	०५:३६	०७:५५	०९:५९	११:४१	१३:०८	१४:३३
६	१६:०५	१८:००	२०:१५	२२:३५	००:५६	०३:१३	०५:३२	०७:५१	०९:५५	११:३७	१३:०४	१४:२९
७	१६:०१	१७:५६	२०:११	२२:३१	००:५२	०३:०९	०५:२८	०७:४७	०९:५१	११:३३	१३:००	१४:२५
८	१५:५७	१७:५२	२०:०७	२२:२७	००:४८	०३:०५	०५:२४	०७:४३	०९:४७	११:२९	१२:५७	१४:२१
९	१५:५३	१७:४८	२०:०३	२२:२३	००:४४	०३:०१	०५:२०	०७:३९	०९:४३	११:२५	१२:५३	१४:१८
१०	१५:४९	१७:४४	१९:५९	२२:१९	००:४०	०२:५७	०५:१६	०७:३५	०९:३९	११:२१	१२:४९	१४:१४
११	१५:४५	१७:४०	१९:५५	२२:१५	००:३७	०२:५३	०५:१२	०७:३१	०९:३५	११:१७	१२:४५	१४:१०
१२	१५:४१	१७:३६	१९:५१	२२:११	००:३३	०२:४९	०५:०८	०७:२७	०९:३१	११:१३	१२:४१	१४:०६
१३	१५:३७	१७:३२	१९:४७	२२:०७	००:२९	०२:४५	०५:०४	०७:२३	०९:२७	११:०९	१२:३७	१४:०२
१४	१५:३३	१७:२९	१९:४३	२२:०३	००:२५	०२:४१	०५:०१	०७:१९	०९:२३	११:०६	१२:३३	१३:५८
१५	१५:२९	१७:२५	१९:३९	२२:००	००:२१	०२:३७	०४:५७	०७:१५	०९:१९	११:०२	१२:२९	१३:५४
१६	१५:२५	१७:२१	१९:३५	२१:५६	००:१७	०२:३३	०४:५३	०७:११	०९:१५	१०:५८	१२:२५	१३:५०
१७	१५:२१	१७:१७	१९:३१	२१:५२	००:१३	०२:२९	०४:४९	०७:०७	०९:११	१०:५४	१२:२१	१३:४६
१८	१५:१७	१७:१३	१९:२७	२१:४८	००:०९	०२:२५	०४:४५	०७:०३	०९:०७	१०:५०	१२:१७	१३:४२
१९	१५:१३	१७:०९	१९:२३	२१:४४	००:०५	०२:२१	०४:४१	०६:५९	०९:०४	१०:४६	१२:१३	१३:३८
२०	१५:०९	१७:०५	१९:२०	२१:४०	००:०१	०२:१७	०४:३७	०६:५६	०९:००	१०:४२	१२:०९	१३:३४
२१	१५:०६	१७:०१	१९:१६	२१:३६	२३:५३	०२:१४	०४:३३	०६:५२	०८:५६	१०:३८	१२:०५	१३:३०
२२	१५:०२	१६:५७	१९:१२	२१:३२	२३:४९	०२:१०	०४:२९	०६:४८	०८:५२	१०:३४	१२:०२	१३:२६
२३	१४:५८	१६:५३	१९:०८	२१:२८	२३:४५	०२:०६	०४:२५	०६:४४	०८:४८	१०:३०	११:५८	१३:२३
२४	१४:५४	१६:४९	१९:०४	२१:२४	२३:४१	०२:०२	०४:२१	०६:४०	०८:४४	१०:२६	११:५४	१३:१९
२५	१४:५०	१६:४५	१९:००	२१:२०	२३:३८	०१:५८	०४:१७	०६:३६	०८:४०	१०:२२	११:५०	१३:१५
२६	१४:४६	१६:४१	१८:५६	२१:१६	२३:३४	०१:५४	०४:१३	०६:३२	०८:३६	१०:१८	११:४६	१३:११
२७	१४:४२	१६:३७	१८:५२	२१:१२	२३:३०	०१:५०	०४:०९	०६:२८	०८:३२	१०:१४	११:४२	१३:०७
२८	१४:३८	१६:३४	१८:४८	२१:०८	२३:२६	०१:४६	०४:०५	०६:२४	०८:२८	१०:१०	११:३८	१३:०३
२९	१४:३४	१६:३०	१८:४४	२१:०५	२३:२२	०१:४२	०४:०२	०६:२०	०८:२४	१०:०७	११:३४	१२:५९
३०	१४:३०	१६:२६	१८:४०	२१:०१	२३:१८	०१:३८	०३:५८	०६:१६	०८:२०	१०:०३	११:३०	१२:५५
३१	१४:२६	१६:२२	१८:३६	२०:५७	२३:१४	०१:३४	०३:५४	०६:१२	०८:१६	०९:५९	११:२६	१२:५१

विक्रम सम्वत् २०१८-१९ की दैनिक लग्नसारिणी, नई दिल्ली में लग्नों का समाप्तिकाल (भा.स्टैं.टा.)

जनवरी, २०१६ अयनांश-२४:०७:०६

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	१४:२२	१६:१८	१८:३२	२०:५३	२३:१०	०१:३०	०३:५०	०६:०८	०८:१२	०९:५५	११:२२	१२:४७
२	१४:१८	१६:१४	१८:२८	२०:४९	२३:०६	०१:२६	०३:४६	०६:०४	०८:०८	०९:५१	११:१८	१२:४३
३	१४:१४	१६:१०	१८:२५	२०:४५	२३:०२	०१:२२	०३:४२	०६:००	०८:०५	०९:४७	११:१४	१२:३९
४	१४:११	१६:०६	१८:२१	२०:४१	२२:५८	०१:१८	०३:३८	०५:५७	०८:०१	०९:४३	११:१०	१२:३५
५	१४:०७	१६:०२	१८:१७	२०:३७	२२:५४	०१:१५	०३:३४	०५:५३	०७:५७	०९:३९	११:०६	१२:३१
६	१४:०३	१५:५८	१८:१३	२०:३३	२२:५०	०१:११	०३:३०	०५:४९	०७:५३	०९:३५	११:०३	१२:२७
७	१३:५९	१५:५४	१८:०९	२०:२९	२२:४६	०१:०७	०३:२६	०५:४५	०७:४९	०९:३१	१०:५९	१२:२४
८	१३:५५	१५:५०	१८:०५	२०:२५	२२:४३	०१:०३	०३:२२	०५:४१	०७:४५	०९:२७	१०:५५	१२:२०
९	१३:५१	१५:४६	१८:०१	२०:२१	२२:३९	००:५९	०३:१८	०५:३७	०७:४१	०९:२३	१०:५१	१२:१६
१०	१३:४७	१५:४२	१७:५७	२०:१७	२२:३५	००:५५	०३:१४	०५:३३	०७:३७	०९:१९	१०:४७	१२:१२
११	१३:४३	१५:३८	१७:५३	२०:१३	२२:३१	००:५१	०३:१०	०५:२९	०७:३३	०९:१५	१०:४३	१२:०८
१२	१३:३९	१५:३५	१७:४९	२०:०९	२२:२७	००:४७	०३:०७	०५:२५	०७:२९	०९:११	१०:३९	१२:०४
१३	१३:३५	१५:३१	१७:४५	२०:०६	२२:२३	००:४३	०३:०३	०५:२१	०७:२५	०९:०८	१०:३५	१२:००
१४	१३:३१	१५:२७	१७:४१	२०:०२	२२:१९	००:३९	०२:५९	०५:१७	०७:२१	०९:०४	१०:३१	११:५६
१५	१३:२७	१५:२३	१७:३७	१९:५८	२२:१५	००:३५	०२:५५	०५:१३	०७:१७	०९:००	१०:२७	११:५२
१६	१३:२३	१५:१९	१७:३३	१९:५४	२२:११	००:३१	०२:५१	०५:०९	०७:१३	०८:५६	१०:२३	११:४८
१७	१३:१९	१५:१५	१७:२९	१९:५०	२२:०७	००:२७	०२:४७	०५:०५	०७:०९	०८:५२	१०:१९	११:४४
१८	१३:१५	१५:११	१७:२६	१९:४६	२२:०३	००:२३	०२:४३	०५:०२	०७:०६	०८:४८	१०:१५	११:४०
१९	१३:१२	१५:०७	१७:२२	१९:४२	२१:५९	००:१९	०२:३९	०४:५८	०७:०२	०८:४४	१०:११	११:३६
२०	१३:०८	१५:०३	१७:१८	१९:३८	२१:५५	००:१६	०२:३५	०४:५४	०६:५८	०८:४०	१०:०७	११:३२
२१	१३:०४	१४:५९	१७:१४	१९:३४	२१:५१	००:१२	०२:३१	०४:५०	०६:५४	०८:३६	१०:०४	११:२८
२२	१३:००	१४:५५	१७:१०	१९:३०	२१:४७	००:०८	०२:२७	०४:४६	०६:५०	०८:३२	१०:००	११:२५
२३	१२:५६	१४:५१	१७:०६	१९:२६	२१:४४	००:०४	०२:२३	०४:४२	०६:४६	०८:२८	०९:५६	११:२१
२४	१२:५२	१४:४७	१७:०२	१९:२२	२१:४०	२३:५६	०२:१९	०४:३८	०६:४२	०८:२४	०९:५२	११:१७
२५	१२:४८	१४:४३	१६:५८	१९:१८	२१:३६	२३:५२	०२:१५	०४:३४	०६:३८	०८:२०	०९:४८	११:१३
२६	१२:४४	१४:३९	१६:५४	१९:१४	२१:३२	२३:४८	०२:११	०४:३०	०६:३४	०८:१६	०९:४४	११:०९
२७	१२:४०	१४:३६	१६:५०	१९:१०	२१:२८	२३:४४	०२:०८	०४:२६	०६:३०	०८:१३	०९:४०	११:०५
२८	१२:३६	१४:३२	१६:४६	१९:०७	२१:२४	२३:४०	०२:०४	०४:२२	०६:२६	०८:०९	०९:३६	११:०१
२९	१२:३२	१४:२८	१६:४२	१९:०३	२१:२०	२३:३६	०२:००	०४:१८	०६:२२	०८:०५	०९:३२	१०:५७
३०	१२:२८	१४:२४	१६:३८	१८:५९	२१:१६	२३:३२	०१:५६	०४:१४	०६:१८	०८:०१	०९:२८	१०:५३
३१	१२:२४	१४:२०	१६:३४	१८:५५	२१:१२	२३:२८	०१:५२	०४:१०	०६:१४	०७:५७	०९:२४	१०:४९

फरवरी २०१६ अयनांश-२४:०७:११

तिथि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
१	१२:२०	१४:१६	१६:३०	१८:५१	२१:०८	२३:२४	०१:४८	०४:०६	०६:११	०७:५३	०९:२०	१०:४५
२	१२:१६	१४:१२	१६:२७	१८:४७	२१:०४	२३:२१	०१:४४	०४:०३	०६:०७	०७:४९	०९:१६	१०:४१
३	१२:१३	१४:०८	१६:२३	१८:४३	२१:००	२३:१७	०१:४०	०३:५९	०६:०३	०७:४५	०९:१२	१०:३७
४	१२:०९	१४:०४	१६:१९	१८:३९	२०:५६	२३:१३	०१:३६	०३:५५	०५:५९	०७:४१	०९:०९	१०:३३
५	१२:०५	१४:००	१६:१५	१८:३५	२०:५२	२३:०९	०१:३२	०३:५१	०५:५५	०७:३७	०९:०५	१०:३०
६	१२:०१	१३:५६	१६:११	१८:३१	२०:४८	२३:०५	०१:२८	०३:४७	०५:५१	०७:३३	०९:०१	१०:२६
७	११:५७	१३:५२	१६:०७	१८:२७	२०:४५	२३:०१	०१:२४	०३:४३	०५:४७	०७:२९	०८:५७	१०:२२
८	११:५३	१३:४८	१६:०३	१८:२३	२०:४१	२२:५७	०१:२०	०३:३९	०५:४३	०७:२५	०८:५३	१०:१८
९	११:४९	१३:४४	१५:५९	१८:१९	२०:३७	२२:५३	०१:१६	०३:३५	०५:३९	०७:२१	०८:४९	१०:१४
१०	११:४५	१३:४१	१५:५५	१८:१५	२०:३३	२२:४९	०१:१२	०३:३१	०५:३५	०७:१७	०८:४५	१०:१०
११	११:४१	१३:३७	१५:५१	१८:१२	२०:२९	२२:४५	०१:०९	०३:२७	०५:३१	०७:१४	०८:४१	१०:०६
१२	११:३७	१३:३३	१५:४७	१८:०८	२०:२५	२२:४१	०१:०५	०३:२३	०५:२७	०७:१०	०८:३७	१०:०२
१३	११:३३	१३:२९	१५:४३	१८:०४	२०:२१	२२:३७	०१:०१	०३:१९	०५:२३	०७:०६	०८:३३	०९:५८
१४	११:२९	१३:२५	१५:३९	१८:००	२०:१७	२२:३३	००:५७	०३:१५	०५:१९	०७:०२	०८:२९	०९:५४
१५	११:२५	१३:२१	१५:३५	१७:५६	२०:१३	२२:२९	००:५३	०३:११	०५:१५	०६:५८	०८:२५	०९:५०
१६	११:२१	१३:१७	१५:३२	१७:५२	२०:०९	२२:२५	००:४९	०३:०७	०५:१२	०६:५४	०८:२१	०९:४६
१७	११:१८	१३:१३	१५:२८	१७:४८	२०:०५	२२:२२	००:४५	०३:०४	०५:०८	०६:५०	०८:१७	०९:४२
१८	११:१४	१३:०९	१५:२४	१७:४४	२०:०१	२२:१८	००:४१	०३:००	०५:०४	०६:४६	०८:१३	०९:३८
१९	११:१०	१३:०५	१५:२०	१७:४०	१९:५७	२२:१४	००:३७	०२:५६	०५:००	०६:४२	०८:१०	०९:३४
२०	११:०६	१३:०१	१५:१६	१७:३६	१९:५३	२२:१०	००:३३	०२:५२	०४:५६	०६:३८	०८:०६	०९:३१
२१	११:०२	१२:५७	१५:१२	१७:३२	१९:५०	२२:०६	००:२९	०२:४८	०४:५२	०६:३४	०८:०२	०९:२७
२२	१०:५८	१२:५३	१५:०८	१७:२८	१९:४६	२२:०२	००:२५	०२:४४	०४:४८	०६:३०	०७:५८	०९:२३
२३	१०:५४	१२:४९	१५:०४	१७:२४	१९:४२	२१:५८	००:२१	०२:४०	०४:४४	०६:२६	०७:५४	०९:१९
२४	१०:५०	१२:४५	१५:००	१७:२०	१९:३८	२१:५४	००:१७	०२:३६	०४:४०	०६:२२	०७:५०	०९:१५
२५	१०:४६	१२:४२	१४:५६	१७:१६	१९:३४	२१:५०	००:१४	०२:३२	०४:३६	०६:१८	०७:४६	०९:११
२६	१०:४२	१२:३८	१४:५२	१७:१३	१९:३०	२१:४६	००:१०	०२:२८	०४:३२	०६:१५	०७:४२	०९:०७
२७	१०:३८	१२:३४	१४:४८	१७:०९	१९:२६	२१:४२	००:०६	०२:२४	०४:२८	०६:११	०७:३८	०९:०३
२८	१०:३४	१२:३०	१४:४४	१७:०५	१९:२२	२१:३८	००:०२	०२:२०	०४:२४	०६:०७	०७:३४	०८:५९

षड्वर्ग-चक्र

अंश		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२३	२३	२५	२५	२६	२७	३०
कला		३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
विफला		०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
मेष	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	१	१	१	१	१	१	१	१	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९
	स.	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
वृष	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	स.	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
मि.	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११
	स.	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
क.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२
	स.	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
सिं.	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	५	५	५	५	५	५	५	५	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	१	१	१	१	१	१	१	१
	स.	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
कं.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	६	६	६	६	६	६	६	६	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२
	स.	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	६	७	७	७	८	८	९	९	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

षड्वर्ग-चक्र

अंश		२	३	४	५	६	७	८	१०	१२	१२	१२	१३	१५	१६	१७	१७	१८	२०	२१	२३	२३	२५	२५	२६	२७	३०
कला		३०	३०	१७	०	४०	३०	३४	०	०	३०	५१	२०	०	४०	८	३०	०	०	२५	३०	२०	०	४२	४०	३०	०
विफला		०	०	८	०	०	०	१७	०	०	०	२५	०	०	०	३४	०	०	०	४२	०	०	०	५१	०	०	०
तुला	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	७	७	७	७	७	७	७	७	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३
	स.	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	७	८	८	८	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
वृ.	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	८	८	८	८	८	८	८	८	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४
	स.	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	८	९	९	९	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३	४	४	५	५	६	६	६	७
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
धनु	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	९	५	५	५	५	५	५	५	५
	स.	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३
	न.	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	४	४	५	५	६	६	६	६	७	७	७	८	८	८	९	९
	द्वा.	९	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१	१	२	२	२	३	३	३	४	४	५	५	६	६	७	७	७	८
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
मकर	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०	२	२	२	२	२	२	२	२	२	२	६	६	६	६	६	६	६	६
	स.	४	४	४	५	५	५	५	६	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०
	न.	१०	१०	११	११	११	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	३	३	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६
	द्वा.	१०	११	११	११	१२	१२	१	१	२	२	३	३	३	४	४	४	५	५	६	६	७	७	८	८	८	९
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८
कुम्भ	हो.	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
	द्रे.	११	११	११	११	११	११	११	११	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	७	७	७	७	७	७	७	७
	स.	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	१	२	२	२	२	३	३	३	३	४	४	४	४	५	५	५
	न.	७	७	८	८	८	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	१२	१२	१२	१२	१	१	१	२	२	२	३	३
	द्वा.	११	१२	१२	१२	१	१	२	२	३	३	४	४	४	५	५	५	६	६	७	७	८	८	९	९	९	१०
	त्रिं.	१	१	१	१	११	११	११	११	९	९	९	९	९	९	९	९	९	३	३	३	३	३	७	७	७	७
मीन	हो.	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
	द्रे.	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	८	८	८	८	८	८	८	८
	स.	६	६	६	७	७	७	७	८	८	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	१२	१२	१२
	न.	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	७	७	८	८	९	९	९	९	१०	१०	१०	११	११	११	१२	१२
	द्वा.	१२	१	१	१	२	२	३	३	४	४	५	५	५	६	६	६	७	७	८	८	९	९	१०	१०	१०	११
	त्रिं.	२	२	२	२	६	६	६	६	६	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१०	१०	१०	१०	८	८	८	८

विंशोत्तरीदशा-सारिणी

राशि		मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
		भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र		व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं.	क.	के.			सू.			भौ.			गु.		
०	००	७	०	०	४	६	०	३	६	०	४	०	०
०	२०	६	९	२७	४	४	६	३	३	२७	३	७	६
०	४०	६	७	२४	४	२	१२	३	१	२४	३	२	१२
१	००	६	५	२१	४	०	१८	२	११	२१	२	९	१८
१	२०	६	३	१८	३	१०	२४	२	९	१८	२	४	२४
१	४०	६	१	१५	३	९	०	२	७	१५	२	०	०
२	००	५	११	१२	३	७	६	२	५	१२	१	७	६
२	२०	५	९	९	३	५	१२	२	३	९	१	२	१२
२	४०	५	७	६	३	३	१८	२	१	६	०	९	१८
३	००	५	५	३	३	१	२४	१	११	३	०	४	२४
३	२०	५	३	०	३	०	०	१	९	०	श. ११	०	०
३	४०	५	०	२७	२	१०	६	१	६	२७	१८	६	९
४	००	४	१०	२४	२	८	१२	१	४	२४	१८	०	१८
४	२०	४	८	२१	२	६	१८	१	२	२१	१७	६	२७
४	४०	४	६	१८	२	४	२४	१	०	१८	१७	१	६
५	००	४	४	१५	२	३	०	०	१०	१५	१६	७	१५
५	२०	४	२	१२	२	१	६	०	८	१२	१६	१	२४
५	४०	४	०	९	१	११	१२	०	६	९	१५	८	३
६	००	३	१०	६	१	९	१८	०	४	६	१५	२	१२
६	२०	३	८	३	१	७	२४	०	२	३	१४	८	२१
६	४०	३	६	०	१	६	०	रा. १८	०	०	१४	३	०
७	००	३	३	२७	१	४	६	१७	६	१८	१३	९	९
७	२०	३	१	२४	१	२	१२	१७	१	६	१३	३	१८
७	४०	२	११	२१	१	०	१८	१६	७	२४	१२	९	२७
८	००	२	९	१८	०	१०	२४	१६	२	१२	१२	४	६
८	२०	२	७	१५	०	९	०	१५	९	०	११	१०	१५
८	४०	२	५	१२	०	७	६	१५	३	१८	११	४	२४
९	००	२	३	९	०	५	१२	१४	१०	६	१०	११	३
९	२०	२	१	६	०	३	१८	१४	४	२४	१०	५	१२
९	४०	१	११	३	०	१	२४	१३	११	१२	९	११	२१
१०	००	१	९	०	च. १०	०	०	१३	६	०	९	६	०

राशि		मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
		भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र		व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं.	क.	के.			चं.			रा.			श.		
१०	२०	१	६	२७	९	९	०	१३	०	१८	९	०	९
१०	४०	१	४	२४	९	६	०	१२	७	६	८	६	१८
११	००	१	२	२१	९	३	०	१२	१	२४	८	०	२७
११	२०	१	०	१८	९	०	०	११	८	१२	७	७	६
११	४०	०	१०	१५	८	९	०	११	३	०	७	१	१५
१२	००	०	८	१२	८	६	०	१०	९	१८	६	७	२४
१२	२०	०	६	९	८	३	०	१०	४	६	६	२	३
१२	४०	०	४	६	८	०	०	९	१०	२४	५	८	१२
१३	००	०	२	३	७	९	०	९	५	१२	५	२	२१
१३	२०	शु. २०	०	०	७	६	०	९	०	०	४	९	०
१३	४०	१९	६	०	७	३	०	८	६	१८	४	३	९
१४	००	१९	०	०	७	०	०	८	१	६	३	९	१८
१४	२०	१८	६	०	६	९	०	७	७	२४	३	३	२७
१४	४०	१८	०	०	६	६	०	७	२	१२	२	१०	६
१५	००	१७	६	०	६	३	०	६	९	०	२	४	१५
१५	२०	१७	०	०	६	०	०	६	३	१८	१	१०	२४
१५	४०	१६	६	०	५	९	०	५	१०	६	१	५	३
१६	००	१६	०	०	५	६	०	५	४	२४	०	११	१२
१६	२०	१५	६	०	५	३	०	४	११	१२	०	५	२१
१६	४०	१५	०	०	५	०	०	४	६	०	बु. १७	०	०
१७	००	१४	६	०	४	९	०	४	०	१८	१६	६	२७
१७	२०	१४	०	०	४	६	०	३	७	६	१६	१	२४
१७	४०	१३	६	०	४	३	०	३	१	२४	१५	८	२१
१८	००	१३	०	०	४	०	०	२	८	१२	१५	३	१८
१८	२०	१२	६	०	३	९	०	२	३	०	१४	१०	१५
१८	४०	१२	०	०	३	६	०	१	९	१८	१४	५	१२
१९	००	११	६	०	३	३	०	१	४	६	१४	०	९
१९	२०	११	०	०	३	०	०	०	१०	२४	१३	७	६
१९	४०	१०	६	०	२	९	०	०	५	१२	१३	२	३
२०	००	१०	०	०	२	६	०	गु. १६	०	०	१२	९	०

राशि		मे. सिं. ध.			वृ. कं. म.			मि. तु. कुं.			क. वृ. मी.		
		भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा			भोग्यदशा		
स्प.चन्द्र		व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.	व.	मा.	दि.
अं.	क.	शु.			चं.			गु.			बु.		
२०	२०	१	६	०	२	३	०	१५	७	६	१२	३	२७
२०	४०	१	०	०	२	०	०	१५	२	१२	११	१०	२४
२१	००	८	६	०	१	९	०	१४	९	१८	११	५	२१
२१	२०	८	०	०	१	६	०	१४	४	२४	११	०	१८
२१	४०	७	६	०	१	३	०	१४	०	०	१०	७	१५
२२	००	७	०	०	१	०	०	१३	७	६	१०	२	१२
२२	२०	६	६	०	०	९	०	१३	२	१२	९	९	९
२२	४०	६	०	०	०	६	०	१२	९	१८	९	४	६
२३	००	५	६	०	०	३	०	१२	४	२४	८	११	३
२३	२०	५	०	०	भौ. ७	०	०	१२	०	०	८	६	०
२३	४०	४	६	०	६	९	२७	११	७	६	८	०	२७
२४	००	४	०	०	६	७	२४	११	२	१२	७	७	२४
२४	२०	३	६	०	६	५	२१	१०	९	१८	७	२	२१
२४	४०	३	०	०	६	३	१८	१०	४	२४	६	९	१८
२५	००	२	६	०	६	१	१५	१०	०	०	६	४	१५
२५	२०	२	०	०	५	११	१२	९	७	६	५	११	१२
२५	४०	१	६	०	५	९	९	९	२	१२	५	६	९
२६	००	१	०	०	५	७	६	८	९	१८	५	१	६
२६	२०	०	६	०	५	५	३	८	४	२४	४	८	३
२६	४०	सू. ६	०	०	५	३	०	८	०	०	४	३	०
२७	००	५	१०	६	५	०	२७	७	७	६	३	९	२७
२७	२०	५	८	१२	४	१०	२४	७	२	१२	३	४	२४
२७	४०	५	६	१८	४	८	२१	६	९	१८	२	११	२१
२८	००	५	४	२४	४	६	१८	६	४	२४	२	६	१८
२८	२०	५	३	०	४	४	१५	६	०	०	२	१	१५
२८	४०	५	१	६	४	२	१२	५	७	६	१	८	१२
२९	००	४	११	१२	४	०	९	५	२	१२	१	३	९
२९	२०	५	९	१८	३	१०	३	४	९	१८	०	१०	६
२९	४०	४	७	२४	३	८	६	४	४	२४	०	५	३
३०	००	४	६	०	३	६	०	४	०	०	०	०	०

विंशोत्तरीदशा-कलासारिणी

	केतु		शुक्र		सूर्य		चन्द्र		मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध		
	७ वर्ष		२० वर्ष		६ वर्ष		१० वर्ष		७ वर्ष		१८ वर्ष		१६ वर्ष		१९ वर्ष		१७ वर्ष		
क.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	मा.	दि.	क.
१	०	३	०	९	०	३	०	५	०	३	०	८	०	७	०	९	०	८	१
२	०	६	०	१८	०	५	०	९	०	६	०	१६	०	१४	०	१७	०	१५	२
३	०	९	०	२७	०	८	०	१४	०	९	०	२४	०	२२	०	२६	०	२३	३
४	०	१३	१	६	०	११	०	१८	०	१३	१	२	०	२९	१	४	१	१	४
५	०	१६	१	१५	०	१४	०	२३	०	१६	१	११	१	६	१	१३	१	८	५
६	०	१९	१	२४	०	१६	०	२७	०	१९	१	१९	१	१३	१	२१	१	१६	६
७	०	२२	२	३	०	१९	१	२	०	२२	१	२७	१	२०	२	०	१	२४	७
८	०	२५	२	१२	०	२२	१	६	०	२५	२	५	१	२८	२	८	२	१	८
९	०	२८	२	२१	०	२४	१	११	०	२८	२	१३	२	५	२	१७	२	९	९
१०	१	१	३	०	०	२७	१	१५	१	१	२	२१	२	१२	२	२६	२	१७	१०
१५	१	१७	४	१५	१	११	२	८	१	१७	४	२	३	१८	४	८	३	२५	१५
२०	२	३	६	०	१	२४	३	०	२	३	५	१२	४	२४	५	२१	५	३	२०

दशासाधन-विधि

सर्वप्रथम स्पष्टचन्द्र बनाकर उसकी राशि के कोष्ठक में अंश एवं कलाओं के अनुसार विंशोत्तरी दशा का भोग्य निकालना चाहिए। यहाँ २०-२० कलाओं के अन्तर पर दशा भोग्यमान वर्ष, मास एवं दिन में दिया गया है, फिर २० कलाओं से जितनी कलायें अधिक या कम हों उनके अनुसार कला सारिणी से उस ग्रह के कोष्ठक से मासादि फल जानकर पूर्वानीत फल में घटाना या जोड़ना चाहिए। इस प्रकार स्पष्टचन्द्र के राशि अंश एवं कलाओं के आधार पर विंशोत्तरी दशा का भोग्यमान सुगमता से जाना जा सकता है।

विंशोत्तरीदशान्तर्दशा-चक्र

	सूर्य				चन्द्र				मंगल				राहु			
	कृ. उ.फा. उ.षा.				रोहि. ह. श्रवण				मृ. चि. ध.				आर्द्रा. स्वा. शत.			
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	सू.	०	३	१८	चं.	०	१०	०	मं.	०	४	२७	रा.	२	८	१२
	चं.	०	६	०	मं.	०	७	०	रा.	१	०	१८	वृ.	२	४	२४
	मं.	०	४	६	रा.	१	६	०	बृ.	०	११	६	श.	२	१०	०६
	रा.	०	१०	२४	बृ.	१	४	०	श.	१	१	९	बु.	२	६	१८
	बृ.	०	९	१८	श.	१	७	०	बु.	०	११	२७	के.	१	०	१८
	श.	०	११	१२	बु.	१	५	०	के.	०	४	२७	शु.	३	०	०
	बु.	०	१०	६	के.	०	७	०	शु.	१	२	०	सू.	०	१०	२४
	के.	०	४	६	शु.	१	८	०	सू.	०	४	६	चं.	१	६	०
	शु.	१	०	०	सू.	०	६	०	चं.	०	७	०	मं.	१	०	१८

	गुरु				शनि				बुध				केतु				गुरु			
	पुन. वि. पू. भा.				पुष्य. अनु. उ.भा.				आश्ले. ज्ये. रेवती				मघा. मू. अश्वि.				पू.फा. पू.षा. भ.			
	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन	ग्रह	वर्ष	मास	दिन
अन्तर्दशामानानि	बृ.	२	१	१८	श.	३	०	३	बु.	२	४	२७	के.	०	४	२७	शु.	३	४	०
	श.	२	६	१२	बु.	२	८	९	के.	०	११	२७	शु.	१	२	०	सू.	१	०	०
	बु.	२	३	६	के.	१	१	९	शु.	२	१०	०	सू.	०	४	६	चं.	१	८	०
	के.	०	११	६	शु.	३	२	०	सू.	०	१०	६	चं.	०	७	०	मं.	१	२	०
	शु.	२	८	०	सू.	०	११	१२	चं.	१	५	०	मं.	०	४	२७	रा.	३	०	०
	सू.	०	९	१८	चं.	१	७	०	मं.	०	११	२७	रा.	१	०	१८	बृ.	२	८	०
	चं.	१	४	०	मं.	१	१	९	रा.	२	६	१८	बृ.	०	११	६	श.	३	२	०
	मं.	०	११	६	रा.	२	१०	६	बृ.	२	३	६	श.	१	१	९	बु.	२	१०	०
	रा.	२	४	२४	बृ.	२	६	१२	श.	२	८	९	बु.	०	११	२७	के.	१	२	०

वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्षप्रवेशसारिणी

गताब्द संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१
घटी	१५	३०	४६	१	१६	३२	४७	३	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२३	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५
पल	२२	४५	८	३१	५४	१७	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	१	२४	४७	१०	३३	५६	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९'	६	३	०
गताब्द संख्या	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२
घटी	३०	४६	१	१६	३२	४७	२	१८	३३	४९	४	१९	३५	५०	६	२१	३६	५२	७	२२	३८	५३	९	२४	३९	५५	१०	२६	४१	५६	१२	२७	४३	५८	१३	२९	४४	५९	१५	३०
पल	४०	३	२६	४९	१२	३५	५८	२१	४४	७	३०	५३	१६	३९	२	२५	४८	११	३४	५७	१९	४२	५	२८	५१	१४	३७	०	२३	४६	९	३२	५५	१८	४१	४	२७	५०	१३	३६
विपल	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०	५७	५४	५१	४८	४५	४२	३९	३६	३३	३०	२७	२४	२१	१८	१५	१२	९	६	३	०

प्राचीनमानानुसारेण वर्षप्रवेश सारिणी

गताब्द संख्या	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	
वार	१	२	३	५	६	०	१	३	४	००	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	००	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१
घटी	१५	३१	४६	२	१७	३३	४८	४	१९	३५	५०	६	२१	३७	५२	८	२३	३९	५४	१०	२६	४१	५७	१२	२८	४३	५९	१४	३०	४५	१	१६	३२	४७	३	१८	३४	४९	५	२१
पल	३१	३	३४	६	३७	००	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०
गताब्द संख्या	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	२	३	५	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	३	४	५	६	१	२	३	४	६	०	१	२	४	५	६	०	२	३	४	५	०	१	२
घटी	३६	५२	७	२३	३८	५४	९	२५	४०	५६	११	२७	४२	५८	१३	२९	४४	०	१५	३१	४७	२	१८	३३	४९	४	२०	३५	५१	६	२२	३७	५३	८	२४	३९	५५	१०	२६	४२
पल	३१	३	३४	६	३७	९	४०	१२	४३	१५	४६	१८	४९	२१	५२	२४	५५	२७	५८	३०	१	३३	४	३६	७	३९	१०	४२	१३	४५	१६	४८	१९	५१	२२	५४	२५	५७	२८	०
विपल	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०	३०	०

विं. मुद्दादशाचक्र

सूर्य	चन्द्र	मं.	राहु	गुरु	शनि	बुध	के.	शुक्र
०	१	०	१	१	१	१	०	२
१८	०	२१	२४	१८	२७	२१	२१	०

योगिनीक्रमेण मुद्दादशाचक्र

यो.	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मा.	०	०	१	१	१	२	२	२
दि.	१०	२०	०	१०	२०	०	१०	२०

त्रिराशिपतिचक्र

लग्नम्	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
दि.प.	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
रा.प.	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल् अभीष्ट हो, उस अभीष्ट संवत् में से जन्म सवंत् घटाने पर जो शेष बचे वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से पृष्ट १३१ पर दी गई प्राचीन मतानुसार वर्ष प्रवेश सारिणी के नीचे दिए वार, घटी, पलादि फल लेकर उसमें जन्म वार इष्टवटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकालज्ञात होता है। पल, घटी आदि यदि ६० से अधिक हों तो उन्हें सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या ७ हो तो ७ अधिक का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष प्रवेश कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है, यह प्रतिवर्ष एक-एक राशि बढ़ती है। अत: गतवर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़ने पर यदि १२ से अधिक हो तो १२ का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोड़कर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें २ घटाकर ९ का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य, चन्द्र, मंगल, राहु, गुरु, शनि, बुध, केतु, शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिन पृ.सं. ९४ पर दिए गए मुद्दादशा चक्र से जानें।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुण्डली में स्थानवल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं

स्थानबल-

वर्ष लग्न से ९ स्थान में सूर्य, ३ में चन्द्रमा, ६ में मंगल, १ में बुध, ११ में गुरु, ५ में शुक्र तथा १२ में शनि ५ हर्षबल होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में ५ हर्षबल देते हैं। अर्थात् सूर्य १।५ चन्द्र २।४, मंगल १।८।१०, बुध ३।६।, गुरु ४।९।१२, शुक्र २।७।१२, शनि १०।११।७ इन स्वोच्च राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित होते हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं.बु.शु.श.) १।२।३।७।९ स्थानों में तथा पुरुषग्रह (सू. मं.गु) ४।५।६।१०।११।१२ स्थानों में ५ हर्षबल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्षप्रवेश हो तो पुरुषग्रह तथा रात्रि में हो तो स्त्री ग्रह ५ हर्षबल देते हैं। यहाँ यह ध्यान देना चाहिए जहाँ बल प्राप्त हो वहाँ ५ तथा जहाँ बल प्राप्त न हों वहाँ ० शून्य रखना चाहिए। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश-निर्णय -

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी में पञ्चाधिकारी कहलाते है। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान् होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान् होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो वर्षेश नहीं होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्पबल हो तो मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि में हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे बलवान हो वह वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करे वह वर्षेश होगा। यदि इत्थाशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि में बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे ५।९ स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, ३।११ स्थान का गुप्त मित्र दृष्टि से १/७ स्थान को प्रम्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा ४।१० स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कार्यों में कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रु दृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश २३° । ००", पलभा ५ । ५ । ३४, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल (२२८, २५८, ३०५, ३३९, ३४०, ३३०)

इन्दौर, उज्जैन, कलकत्ता, जबलपुर, डाकोर, दाहोद, नड़ियाद, भोपाल, मोरवी, मांडवी, वीरमगाम आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	३ २ २४	३ १० ००	३ १७ ३६	३ २५ १२	३ ३२ ४८	३ ४० २४	३ ४८ ००	३ ५६ ३६	४ ५ १२	४ १३ ४८	४ २२ २४	४ ३१ ००	४ ३९ ३६	४ ४८ १२	४ ५६ ४८	५ ५ २४	५ १४ ००	५ २२ ३६	५ ३१ १२	५ ३९ ४८	५ ४८ २४	५ ५७ ००	६ ५ ३६	६ १४ १२	६ २२ ४८	६ ३१ २४	६ ४० ००	६ ४८ ३६	६ ५७ १२	७ ५ ४८
१ वृष	७ १४ २४	७ २३ ००	७ ३१ ३६	७ ४० १२	७ ४८ ४८	७ ५७ २४	८ ६ ०	८ १६ १०	८ २६ २०	८ ३६ ३०	८ ४६ ४०	८ ५६ ५०	९ ७ ०	९ १७ १०	९ २७ २०	९ ३७ ३०	९ ४७ ४०	९ ५७ ५०	१० ८ ०	१० १८ १०	१० २८ २०	१० ३८ ३०	१० ४८ ४०	१० ५८ ५०	११ ९ ०	११ १९ १०	११ २९ २०	११ ३९ ३०	११ ४९ ४०	११ ५९ ५०
२ मिथुन	१२ १० ०	१२ २० १०	१२ ३० २०	१२ ४० ३०	१२ ५० ४०	१३ ० ५०	१३ ११ ०	१३ २२ १८	१३ ३३ ३६	१३ ४४ ५४	१३ ५६ १२	१४ ७ ३०	१४ १८ ४८	१४ ३० ०६	१४ ४१ २४	१४ ५२ ४२	१५ ०४ ००	१५ १५ १८	१५ २६ ३६	१५ ३७ ५४	१५ ४९ १२	१६ ० ३०	१६ ११ ४८	१६ २३ ०६	१६ ३४ २४	१६ ४५ ४२	१६ ५७ ००	१७ ८ १८	१७ १९ ३६	१७ ३० ५४
३ कर्क	१७ ४२ १२	१७ ५३ ३०	१८ ४ ४८	१८ १६ ०६	१८ २७ २४	१८ ३८ ४२	१८ ५० ००	१९ १ २०	१९ १२ ४०	१९ २४ ००	१९ ३५ २०	१९ ४६ ४०	१९ ५८ ००	२० ९ २०	२० २० ४०	२० ३२ ००	२० ४३ २०	२० ५४ ४०	२१ ०६ ००	२१ १७ २०	२१ २८ ४०	२१ ४० ००	२१ ५१ २०	२२ ०२ ४०	२२ १४ ००	२२ २५ २०	२२ ३६ ४०	२२ ४८ ००	२२ ५९ २०	२३ १० ४०
४ सिंह	२३ २२ ००	२३ ३३ २०	२३ ४४ ४०	२३ ५६ ००	२४ ७ २०	२४ १८ ४०	२४ ३० ०	२४ ४१ ०	२४ ५२ ०	२५ ०३ ०	२५ १४ ०	२५ २५ ०	२५ ३६ ०	२५ ४७ ०	२५ ५८ ०	२६ ९ ०	२६ २० ०	२६ ३१ ०	२६ ४२ ०	२६ ५३ ०	२७ ०४ ०	२७ १५ ०	२७ २६ ०	२७ ३७ ०	२७ ४८ ०	२७ ५९ ०	२८ १० ०	२८ २१ ०	२८ ३२ ०	२८ ४३ ०
५ कन्या	२८ ५४ ०	२९ ५ ०	२९ १६ ०	२९ २७ ०	२९ ३८ ०	२९ ४९ ०	३० ० ०	३० ११ ०	३० २२ ०	३० ३३ ०	३० ४४ ०	३० ५५ ०	३१ ६ ०	३१ १७ ०	३१ २८ ०	३१ ३९ ०	३१ ५० ०	३२ ०१ ०	३२ १२ ०	३२ २३ ०	३२ ३४ ०	३२ ४५ ०	३२ ५६ ०	३३ ७ ०	३३ १८ ०	३३ २९ ०	३३ ४० ०	३३ ५१ ०	३४ ०२ ०	३४ १३ ०
६ तुला	३४ २४ ०	३४ ३५ ०	३४ ४६ ०	३४ ५७ ०	३५ ०८ ०	३५ १९ ०	३५ ३० ०	३५ ४१ २०	३५ ५२ ४०	३६ ४ ०	३६ १५ २०	३६ २६ ४०	३६ ३८ ०	३६ ४९ २०	३७ ० ४०	३७ १२ ०	३७ २३ २०	३७ ३४ ४०	३७ ४६ ०	३७ ५७ २०	३८ ८ ४०	३८ २० ०	३८ ३१ २०	३८ ४२ ४०	३८ ५४ ०	३९ ०५ २०	३९ १६ ४०	३९ २८ ०	३९ ३९ २०	३९ ५० ४०
७ वृश्चिक	४० ०२ ००	४० १३ २०	४० २४ ४०	४० ३६ ०	४० ४७ २०	४० ५८ ४०	४१ १० ००	४१ २१ १८	४१ ३२ ३६	४१ ४३ ५४	४१ ५५ १२	४२ ०६ ३०	४२ १७ ४८	४२ २९ ०६	४२ ४० २४	४२ ५१ ४२	४३ ०३ ००	४३ १४ १८	४३ २५ ३६	४३ ३६ ५४	४३ ४८ १२	४३ ५९ ३०	४४ १० ४८	४४ २२ ०६	४४ ३३ २४	४४ ४४ ४२	४४ ५६ ००	४५ ७ १८	४५ १८ ३६	४५ २९ ५४
८ धनु	४५ ४० १२	४५ ५१ ३०	४६ ०३ ४८	४६ १५ ०६	४६ २६ २४	४६ ३७ ४२	४६ ४९ ००	४६ ५९ १०	४७ ९ २०	४७ १९ ३०	४७ २९ ४०	४७ ३९ ५०	४७ ५० ००	४८ ० १०	४८ १० २०	४८ २० ३०	४८ ३० ४०	४८ ४० ५०	४८ ५१ ०	४९ १ १०	४९ ११ २०	४९ २१ ३०	४९ ३१ ४०	४९ ४१ ५०	४९ ५२ ००	५० ०२ १०	५० १२ २०	५० २२ ३०	५० ३२ ४०	५० ४२ ५०
९ मकर	५० ५३ ००	५१ ०३ १०	५१ १३ २०	५१ २३ ३०	५१ ३३ ४०	५१ ४३ ५०	५१ ५४ ००	५२ ०२ ३६	५२ ११ १२	५२ १९ ४८	५२ २८ २४	५२ ३७ ०	५२ ४५ ३६	५२ ५४ १२	५३ ०२ ४८	५३ ११ २४	५३ २० ०	५३ २८ ३६	५३ ३७ १२	५३ ४५ ४८	५३ ५४ २४	५४ ०३ ००	५४ ११ ३६	५४ २० १२	५४ २८ ४८	५४ ३७ २४	५४ ४६ ००	५४ ५४ ३६	५५ ३ १२	५५ ११ ४८
१० कुम्भ	५५ २० २४	५५ २९ ०	५५ ३७ ३६	५५ ४६ १२	५५ ५४ ४८	५६ ०३ २४	५६ १२ ००	५६ १९ ३६	५६ २७ १२	५६ ३४ ४८	५६ ४२ २४	५६ ५० ००	५६ ५७ ३६	५७ ०५ १२	५७ १२ ४८	५७ २० २४	५७ २८ ००	५७ ३५ ३६	५७ ४३ १२	५७ ५० ४८	५७ ५८ २४	५८ ०६ ००	५८ १३ ३६	५८ २१ १२	५८ २८ ४८	५८ ३६ २४	५८ ४४ ००	५८ ५१ ३६	५८ ५९ १२	५९ ६ ४८
११ मीन	५९ १४ २४	५९ २२ ०	५९ २९ ३६	५९ ३७ १२	५९ ४४ ४८	५९ ५२ २४	० ० ०	० ७ ३६	० १५ १२	० २२ ४८	० ३० २४	० ३८ ०	० ४५ ३६	० ५३ १२	१ ० ४८	१ ८ २४	१ १६ ०	१ २३ ३६	१ ३१ १२	१ ३८ ४८	१ ४६ २४	१ ५४ ०	२ ०१ ३६	२ ९ १२	२ १६ ४८	२ २४ २४	२ ३२ ००	२ ३९ ३६	२ ४७ १२	२ ५४ ४८

अक्षांश २५° । ००", पलभा ५ । ३५ । ४४, अयनांश २४° । ०५

✱ लग्नसारिणी ✱

आबू, इलाहाबाद, उदयपुर, कराची, काशी, कोटा, जमालपुर, जालोर, झांसी, मालदा, मिर्जापुर, मुंगेर, मोकामा, बूंदी आदि स्थानों के लिए-

स्वोदयपल (२२३, २५४, ३०३, ३४१, ३४४, ३३५)

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६	६
	५८	५	१३	२०	२८	३५	४३	५१	५९	८	१६	२५	३३	४२	५०	५९	७	१६	२४	३३	४१	५०	५८	६	१५	२३	३२	४०	४९	५७
	२४	५०	१६	४२	०८	३४	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
१ वृष	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११	११
	६	१४	२३	३१	४०	४८	५७	०७	१७	२७	३७	४७	५७	०७	१७	२७	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	८	१९	२९	३९	४९
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८
२ मिथुन	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
	५९	९	१९	२९	३९	४९	००	११	२२	३४	४५	५६	८	१९	३०	४२	५३	०५	१६	२७	३९	५०	१	१३	२४	३५	४७	५८	१०	२१
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	२२	४४	०६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	०२	२४	४६	०८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	०४	२६
३ कर्क	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२३
	३२	४४	५५	०६	१८	२९	४१	५२	३	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५५	०७	१८	३०	४१	५३	०४
	४८	१०	३२	५४	१६	३८	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	१६	२७	३९	५०	०२	१३	२५	३६	४७	५८	०९	२०	३२	४३	५४	०५	१६	२७	३९	५०	१	१२	२३	३४	४६	५७	०८	१९	३०	४१
	१२	४०	०८	३६	४	३२	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
	५३	४	१५	२६	३७	४८	००	११	२२	३३	४४	५५	०७	१८	२९	४०	५१	०२	१४	२५	३६	४७	५८	९	२१	३२	४३	५४	०५	१६
	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९
	२८	३९	५०	१	१२	२३	३५	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८
	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	२८	५६	२४	४२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५
	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३०	४१	५३	०४	१५	२७	३८	४९	०१	१२	२४	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	३०	४१
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२२	४४	०६	२८	५०	१२	३४	५६	१८	४०	०२	२४	४६	०८	३०	५२	१४	३६	५८	२०	४२	४	२६
८ धनु	४५	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०
	५२	४	१५	२६	३८	४९	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४१	५१	०१	११	२१	३१	४१	५१	०१	११	२२	३२	४२	५२
	४८	१०	३२	५४	१६	३८	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	०६	१२	१८
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
	२	१२	२२	३२	४२	५२	०३	११	१९	२८	३६	४५	५३	२	१०	१९	२७	३६	४४	५३	०१	१०	१८	२६	३५	४३	५२	००	०९	१७
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	२६	३४	४३	५१	००	०८	१७	२४	३१	३९	४६	५४	०१	०९	१६	२३	३१	३८	४६	५३	०१	०८	१५	२३	३०	३८	४५	५३	००	०७
	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२६	५२	१८	४४	१०	३६	०२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	०४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०६	३२	५८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	००	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
	१५	२२	३०	३७	४५	५२	००	७	१४	२२	२९	३७	४४	५२	५९	०६	१४	२१	२९	३६	४४	५१	५८	०६	१३	२१	२८	३६	४३	५०
	२४	५०	१६	४२	०८	३४	००	२६	५२	१८	४४	१०	३६	०२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	०४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	०६	३२	५८

✱ लग्नसारिणी ✱

अक्षांश २७° । ००", पलभा ६ । ६ । ५२, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल (२१७, २५०, ३०३, ३४३, ३४८, ३३१)

अयोध्या, अलीगढ़, आगरा, इटावा, उन्नाव, कन्नौज, गोरखपुर, फैजाबाद, आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
	५३	०	८	१५	२२	२९	३७	४५	५३	२	१०	१८	२७	३५	४३	५२	०	८	१७	२५	३३	४२	५०	५८	७	१५	२३	३२	४०	४८
	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०
१ वृष	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
	५७	५	१३	२२	३०	३८	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३८	४८	५८	९	१९	२९	३९
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८
२ मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७	१७
	४९	५९	९	१९	२९	३९	५०	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३२	४४	५५	७	१८	३०	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	१	१२
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२
	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	५०	१	१३	२५	३६	४८	५९
	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	११	२३	३४	४६	५७	९	२१	३२	४३	५४	६	१७	२८	४०	५१	२	१४	२५	३६	४७	५९	१०	२१	३३	४४	५५	७	१८	२९	४०
	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४
	५२	३	१४	२६	३७	४८	०	११	२२	३३	४५	५६	७	१९	३०	४१	५३	४	१५	२६	३८	४९	०	१२	२३	३४	४६	५७	८	१९
	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०
	३१	४२	५३	५	१६	२७	३९	५०	२	१३	२५	३७	४८	०	११	२३	३५	४६	५८	९	२१	३३	४४	५६	७	१९	३१	४२	५४	५
	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५
	१७	२९	४०	५२	३	१५	२७	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१८	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	४९
	२४	०	३६	१२	४८	२४	०	२६	५२	१८	४४	१०	३६	२	२८	५४	२०	४६	१२	३८	४	३०	५६	२२	४८	१४	४०	६	३२	५८
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१
	१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५१	१	११	२१	३१	४१	५१	१	११	२१	३२	४२	५२	२
	२४	५०	१६	४२	८	३४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५
	१२	२२	३२	४२	५२	२	१३	२१	२९	३८	४६	५४	३	११	१९	२८	३६	४४	५३	१	९	१८	२६	३४	४३	५१	५९	८	१६	२४
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	३३	४१	४९	५८	६	१४	२३	३०	३७	४४	५१	५९	६	१३	२०	२८	३५	४२	४९	५७	४	११	१८	२५	३३	४०	४७	५४	२	९
	०	२०	४०	०	२०	४०	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
	१६	२३	३१	३८	४५	५२	०	७	१४	२१	२८	३६	४३	५०	५७	५	१२	१९	२६	३४	४१	४८	५५	२	१०	१७	२४	३१	३९	४६
	३६	५०	४	१८	३२	४६	०	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	६	२०	३४	४८	२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	८	२२

✱ लग्नसारिणी ✱

अक्षांश २८° । ३९", पलभा ६ । ३३ । ६, अयनांश २४° । ०५ स्वोदयपल (२१३, २४७, ३००, ३४४, ३५१, ३४५)

दिल्ली, गाजियाबाद, टनकपुर, नैनीताल, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गुड़गाँव, रोहतक, मुक्तिनाथ आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६	६
	५०	५७	४	११	१८	२५	३३	४१	४९	५७	५	१४	२२	३०	३८	४७	५५	०३	११	२०	२८	३६	४४	५२	१	९	१७	२५	३४	४२
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	०६	२०	३४	४८	०२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	०८	२२
१ वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११	११
	५०	५८	७	१५	२३	३१	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	०	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०
	३६	५०	४	१८	३२	४६	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
२ मिथुन	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१७
	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५१	२	१४	२५	३७	४८	०	११	२३	३४	४६	५७	०९	२०	३२	४३	५४	०६	१७	२९	४०	५२	०३
	००	००	००	००	००	००	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
	१५	२६	३८	४९	१	१२	२४	३५	४७	५९	१०	२२	३४	४५	५७	०९	२१	३२	४४	५६	०७	१९	३१	४२	५४	०६	१८	२९	४१	५३
	१२	४०	०८	३६	४	३२	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	०४	१६	२८	३९	५१	३	१५	२६	३८	४९	०१	१२	२४	३५	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	०७	१९	३०	४२	५३	०५	१६	२८	३९
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	५१	०२	१४	२५	३७	४८	००	११	२३	३४	४६	५७	०९	२०	३२	४३	५५	०६	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३८	५०	०१	१३	२४
	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
६ तुला	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
	३६	४७	५९	१०	२२	३३	४५	५६	८	२०	३१	४३	५५	०६	१८	३०	४२	५३	०५	१७	२८	४०	५२	०३	१५	२७	३९	५०	०२	१४
	००	३०	००	३०	००	३०	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५
	२५	३७	४९	००	१२	२४	३६	४७	५८	१०	२१	३३	४४	५६	०७	१९'	३०	४२	५३	०५	१६	२८	३९	५०	२	१३	२५	३६	४८	५९
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४	१२	४०	०८	३६	०४	३२	००	२८	५६	२४	५२	२०	४८	१६	४४
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
	११	२२	३४	४५	५७	०८	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	३०	४०	५०	००	१०
	१२	४०	८	३६	४	३२	००	००	०	०	०	०	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५
	२०	३०	४०	५०	००	१०	२०	२८	३६	४४	५२	०१	९	१७	२५	३४	४२	५०	५८	०७	१५	२३	३१	३९	४८	५६	४	१२	२१	२९
	००	००	००	००	००	००	००	१४	२८	४२	५६	१०	२४	३८	५२	०६	२०	३४	४८	०२	१६	३०	४४	५८	१२	२६	४०	५४	०८	२२
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	३७	४५	५४	०२	१०	१८	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१६	२३	३०	३८	४५	५२	५९	०६	१३	२०	२७	३४	४१	४९	५६	०३	१०
	३६	५०	०४	१८	३२	४६	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
	१७	२४	३१	३८	४५	५२	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	११	१८	२५	३२	३९	४६	५३	००	०७	१४	२२	२९	३६	४३
	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	०	०६	१२	१८	२४	३०	३६	४२	४८	५४	००	०६	१२	१८

✱ लग्नसारिणी ✱

अक्षांश ३०° । ००" पलभा ६ । ५५ । ४२, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल (२१०, २४४, २९९, ३४५, ३५४, ३४८)

अल्मोड़ा, सहारनपुर, हरिद्वार, पटियाला, फाजिल्का, भटिण्डा, शाहबाद, मुल्तान आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६	६
	४८	५५	०२	९	१६	२३	३०	३८	४६	५४	२	१०	१८	२६	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३७
	०	०	०	०	०	०	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४
१ वृष	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११	११
	४५	५३	१	०९	१७	२५	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१३	२३	३३	४३	५३	३	१३	२३
	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४
२ मिथुन	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६	१६
	३३	४३	५३	०३	१३	२३	३३	४४	५६	०७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	५१	०२	१४	२५	३७	४८	००	११	२३	३४	४६	५७
	१२	१०	०८	०६	०४	०२	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२
	०९	२०	३२	४३	५५	०६	१८	२९	४१	५३	०५	१७	२८	४०	५२	०४	१६	२७	३९	५१	३	१५	२६	३८	५०	०२	१४	२५	३७	४९
	००	३०	००	३०	००	३०	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४
४ सिंह	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	९	१३	२४	३६	४८	००	१२	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४४	५६	८	१९	३१	४२	५४	०६	१७	२८	४०	५२	०४	१५	२७	३८
	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	५०	०२	१३	२५	३६	४८	००	११	२३	३४	४६	५८	०९	२१	३२	४४	५६	०७	१९	३०	४२	५४	५	१७	२८	४०	५२	३	१५	२६
	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	०	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	३६	१२	४८
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०
	३८	५०	१	१३	२४	३६	४८	५९	११	२३	३५	४७	५८	१०	२२	३४	४६	५७	०९	२१	३३	४५	५६	०८	२०	३२	४४	५५	०७	१९
	२४	००	३६	१२	४८	२४	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	४८	३६	२४
७ वृश्चिक	४०	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६
	३१	४३	५४	०६	१८	३०	४२	५३	०५	१६	२८	३९	५१	०२	१४	२५	३७	४८	००	११	२३	३४	४६	५७	९	२०	३२	४३	५५	६
	१२	००	४८	३६	२४	१२	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०	००	३०
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१
	१८	२९	४१	५२	०४	१५	२७	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६	२६	३६	४६	५६	६	१६
	००	३०	००	३०	००	३०	००	५८	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४
९ मकर	५१	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३४	४२	५०	५८	६	१४	२२	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२८	३६	४४	५२	००	८	१६	२४	३३
	१२	१०	०८	०६	०४	०२	००	०८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	०८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	४
१० कुम्भ	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	४१	४९	५७	५	१३	२१	३०	३७	४४	५१	५८	०५	१२	१९	२६	३३	४०	४७	५४	१	०८	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	४	११
	१२	२०	२८	३६	४४	५२	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००	००
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	७	१४	२१	२८	३५	४२	४९	५६	३	१०	१७	२४	३१	३८	४५	५२	५९	०६	१३	२०	२७	३४	४१
	००	००	००	००	००	००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

★ लग्नसारिणी ★

अक्षांश ३१° । ००", पलभा ७/१२/३९, अयनांश २४° । ०५ — स्वोदयपल (२०७, २४१, २९८, ३४६, ३५७, ३५१)

सोलन, फिरोजपुर, उत्तरकाशी, लुधियाना, फरीदकोट, रोपड़, शिमला आदि स्थानों के लिए-

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	२	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६	६
	४५	५२	५९	६	१३	२०	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१	३९	४७	५५	३	११	१९	२७	३५	४३	५१	५९	७	१५	२३	३१
	३६	३०	३४	२८	२२	१६	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६	४८	५०	५२	५४	५६
१ वृष	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	११	११
	३९	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३८	४८	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२६	३६	४६	५६	०६	१६
	५८	००	०२	०४	०६	०८	१०	०६	०२	५८	५४	५०	४६	४२	३८	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	६	०२	५८	५४	५०	४६	४२	३८
२ मिथुन	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३	१३	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६	१६	१६	१६
	२६	३६	४६	५६	०६	१६	२६	३७	४९	००	१२	२३	३५	४६	५८	९	२१	३२	४४	५५	७	१९	३०	४२	५३	५	१६	२८	३९	९१
	३४	३०	२६	२२	१८	१४	१०	४२	१४	४६	१८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	३२	४	३६	८	४०	१२	४४	१६
३ कर्क	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१	२१	२२	२२	२२	२२
	०२	१४	२५	३७	४८	००	१२	२३	३५	४७	५९	११	२३	३५	४७	५१	११	२२	३४	४६	५८	१०	२२	३४	४६	५८	१०	२१	३३	४५
	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२
४ सिंह	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८
	५७	९	२१	३३	४५	५७	०९	२०	३२	४४	५५	०७	१९	३०	४२	५४	०६	१७	२९	४१	५२	०४	१६	२७	३९	५१	०३	१४	२६	३८
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६
५ कन्या	२८	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३	३३	३४	३४	३४
	४९	१	१३	२४	३६	४८	००	११	२३	३५	४६	५८	१०	२१	३३	४५	५७	८	२०	३२	४३	५५	०७	१८	३०	४२	५४	०५	१७	२९
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	४२	२४	०६	४८	३०	१२	५४	२३	१८	००	४२	२४	०६
६ तुला	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०
	४०	५२	०४	१५	२७	३९	५१	२	१४	२६	३८	५०	२	१४	२६	३८	५०	१	१३	२५	३७	४९	१	१३	२५	३७	४९	००	१२	२४
	४८	३०	१२	५४	३६	१८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२
७ वृश्चिक	४०	४०	४१	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
	३६	४८	००	१२	२४	३६	४८	५९	११	२२	३४	४५	५७	८	२०	३१	४३	५४	६	१७	२९	४१	५२	४	१५	२७	३८	५०	०१	१३
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	३२	०४	३६	०८	४०	१२	४४	१६	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	३२	४	३६	०८	४०	१२	४४	१६
८ धनु	४६	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४८	४९	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१
	२४	३६	४७	५९	१०	२२	३४	४३	५३	३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१३	२३	३३	४३	५३	०३	१२	२२	३२	४२	५२	०२	१२	२२
	४८	२०	५२	२४	५६	२८	००	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८	२४	२०	१६	१२	०८	०४	००	५६	५२	४८	४४	४०	३६	३२	२८
९ मकर	५१	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५
	३२	४२	५२	०२	१२	२२	३२	४०	४८	५६	४	१२	२०	२८	३६	४४	५२	०	८	१६	२४	३२	४०	४८	५६	०४	१२	२०	२८	३६
	२४	२०	१६	१२	०८	०४	००	०२	०४	०६	०८	१०	१२	१४	१६	१८	२०	२२	२४	२६	२८	३०	३२	३४	३६	३८	४०	४२	४४	४६
१० कुम्भ	५५	५५	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५८	५९	५९
	४४	५२	००	०८	१६	२४	३३	३९	४६	५३	००	०७	१४	२१	२८	३५	४२	४८	५५	०२	९	१६	२३	३०	३६	४३	५०	५७	४	११
	४८	५०	५२	५४	५६	५८	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२
	१८	२५	३२	३९	४६	५३	०	६	१३	२०	२७	३४	४१	४८	५५	०२	०९	१५	२२	२९	३६	४३	५०	५७	०४	११	१८	२४	३१	३८
	३६	३०	२४	१८	१२	०६	०	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२	३६	३०	२४	१८	१२	०६	००	५४	४८	४२

✱ दशम-लग्न-सारिणी ✱

विशेष : दशम लग्न निकालने के लिए अभीष्ट अक्षांश से सम्बन्धित लग्न-सारिणी से सूर्य के राशि अंश का फल लेकर इष्टकाल जोड़ना चाहिए। जुड़े हुए फल में से १५ घटी घटा कर शेष फल को दशम लग्न सारिणी में बाईं ओर राशि एवं ऊपर अंश देखकर उसके तुल्य दशम लग्न होगा। सूक्ष्म फल हेतु अनुपात द्वारा कला विकला का आनयन करना चाहिए।

	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४
० मेष	३	३	३	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५
	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५४
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
१ वृष	८	८	८	९	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
२ मिथुन	१३	१४	१४	१४	१४	१४	१४	१५	१५	१५	१५	१५	१५	१६	१६
	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
३ कर्क	१९	१९	१९	१९	१९	२०	२०	२०	२०	२०	२०	२१	२१	२१	२१
	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३७
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
४ सिंह	२४	२४	२४	२४	२४	२५	२५	२५	२५	२५	२५	२६	२६	२६	२६
	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३१
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
५ कन्या	२९	२९	२९	२९	२९	२९	२९	३०	३०	३०	३०	३०	३०	३१	३१
	०	९	१८	२८	३७	४६	५५	५	१५	२४	३४	४३	५२	२	११
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
६ तुला	३३	३३	३३	३४	३४	३४	३४	३४	३४	३५	३५	३५	३५	३५	३५
	४०	४९	५८	८	१७	२६	३५	४५	५५	५	१५	२५	३५	४५	५४
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
७ वृश्चिक	३८	३८	३८	३९	३९	३९	३९	३९	३९	४०	४०	४०	४०	४०	४०
	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	५	१६	२७	३७	४८	५९
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
८ धनु	४३	४४	४४	४४	४४	४४	४४	४५	४५	४५	४५	४५	४५	४६	४६
	५१	१	१२	२३	३४	४४	५५	६	१६	२७	३८	४९	५९	१०	२१
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
९ मकर	४९	४९	४९	४९	४९	५०	५०	५०	५०	५०	५०	५१	५१	५१	५१
	१३	२३	३४	४५	५६	६	१७	२८	३८	४८	५८	८	१८	२८	३७
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	१०	८	६	४	२	०	५८
१० कुम्भ	५४	५४	५४	५४	५४	५५	५५	५५	५५	५५	५५	५६	५६	५६	५६
	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२३	३२
	२६	२४	२२	२०	१८	१६	१४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८
११ मीन	५९	५९	५९	५९	५९	५९	५९	०	०	०	०	०	०	१	१
	१	१०	१९	२९	३८	४७	५६	६	१५	२४	३४	४३	५२	२	११
	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८

	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९
० मेष	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	८	८	८
	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
१ वृष	११	११	११	११	११	१२	१२	१२	१२	१२	१२	१३	१३	१३	१३
	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
२ मिथुन	१६	१६	१६	१७	१७	१७	१७	१७	१७	१८	१८	१८	१८	१८	१८
	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
३ कर्क	२१	२१	२२	२२	२२	२२	२२	२२	२३	२३	२३	२३	२३	२३	२४
	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
४ सिंह	२६	२६	२६	२७	२७	२७	२७	२७	२७	२८	२८	२८	२८	२८	२८
	४०	४९	५९	८	१७	२७	३६	४५	५५	४	१३	२२	३२	४१	५०
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
५ कन्या	३१	३१	३१	३१	३१	३२	३२	३२	३२	३२	३२	३३	३३	३३	३३
	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
६ तुला	३६	३६	३६	३६	३६	३६	३७	३७	३७	३७	३७	३७	३८	३८	३८
	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४	३४	४४	५४	४	१४	२४
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	४२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
७ वृश्चिक	४१	४१	४१	४१	४१	४२	४२	४२	४२	४२	४२	४३	४३	४३	४३
	१०	२०	३१	४२	५३	३	१४	२५	३५	४६	५७	८	१८	२९	४०
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
८ धनु	४६	४६	४६	४७	४७	४७	४७	४७	४७	४८	४८	४८	४८	४८	४९
	३२	४२	५३	४	१५	२५	३६	४७	५७	८	१९	३०	४०	५१	२
	४	४८	३२	१६	०	४४	२८	१२	५६	४०	२४	८	५२	३६	२०
९ मकर	५१	५१	५२	५२	५२	५२	५२	५२	५३	५३	५३	५३	५३	५३	५४
	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७	१७	२७	३७	४७	५७	७
	५६	५४	५२	५०	४८	४६	४४	५२	४०	३८	३६	३४	३२	३०	२८
१० कुम्भ	५६	५६	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५७	५८	५८	५८	५८	५८	५८
	४१	५०	०	९	१८	२८	३७	४६	५६	५५	१४	२३	३३	४२	५१
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८
११ मीन	१	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	३	३	३	३
	२०	२९	३९	४८	५७	७	१६	२५	३५	४४	५३	२	१२	२१	३०
	३६	५४	१२	३०	४८	६	२४	४२	०	१८	३६	५४	१२	३०	४८

नैसर्गिक ग्रह-मैत्री चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु
मित्र	चं. मं. गु.	सू. बु.	सू. चं. गु.	सू. शु.	सू. चं. मं.	बु. श.	बु. शु.	बु. शु. श.
शत्रु	शु. श.	रा.	बु.	चं.	बु. शु.	सू. चं.	सू.चं.मं.	सू.चं.मं
सम	बु.	मं. गु. श.	शु. श.	मं. गु. श.	श.	मं. गु.	गु.	गु.

तात्कालिक-मैत्री

ग्रह स्थान से २, ३, ४, १०, ११, १२ स्थान में स्थित ग्रह मित्र तथा ग्रह स्थान से १, ५, ६, ७, ८, ९ स्थान में स्थित ग्रह शत्रु होते हैं।

नक्षत्रों की अन्धाक्ष-मन्दाक्ष-सुलोचनादि संज्ञा

अन्धाक्ष	रो., पु., उ.फा., वि., पू.षा., ध., रे.,	पूर्व	शीघ्र लाभ
मन्दाक्ष	मृ., आश्ले., ह., अनु., उ.षा., शत., अश्वि.,	दक्षिण	प्रयत्न से लाभ
मध्याक्ष	आ., म., चि., ज्ये., अभि., पू.भा., भ.	पश्चिम	दूरश्रवण, लाभ नहीं
सुलोचन	पुन., पू.फा., स्वा., मू., श्रव., उ.भा., कृ.	उत्तर	न श्रवण न लाभ

तिथि-वार-नक्षत्रदिवस सिद्ध्यादि योगचक्र

वार	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सिद्धि योग	३।८।१३	१।६।११	३।८।१३	२।७।१२	५।१०।१५	१।६।११	४।९।१४
अमृत योग	५।१०।१५	५।१०।१५	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	१।६।११
सर्वार्थ सिद्धि योग	अश्वि.पुष्य हस्त, मूल उ.फा.,उ.षा. उ.भा.	रो.मृ.पुष्य श्रवण अनु.	अश्वि. उ.भा. कृ., आश्ले.	रो.मृ. ह. अनु.	अश्वि. पुष्य पुन.अनु.रे.	अश्वि. पुन.अनु. श्रव.रे.	रो.स्वा. श्रवण
मृत्यु योग	१।६।११	२।७।१२	१।६।११	३।८।१३	४।९।१४	२।७।१२	५।१०।१५
राज्यप्रद योग	X	X	४।९।१४	X	X	X	४।९।१४

शिव-वास

वर्तमान तिथि को दो से गुणा करके पाँच जोड़ने पर जो प्राप्त हो, उसको सात से भाग देने पर एक शेष रहने पर कैलाश में श्रेष्ठ, दो से गौरी पार्श्व में श्रेष्ठ, तीन से वृषोपरि श्रेष्ठ, चार से सभा में सामान्य, पाँच से ज्ञानलेवा में श्रेष्ठ, छः से क्रीड़ा में नेष्ट तथा शून्य से श्मशान में मृत्युकारक है।

विविध-मुहूर्त्तों का विचार

गर्भाधान के मुहूर्त्त का विचार- रजोदर्शन प्रारम्भ से ४ रात्रि उपरान्त सम-रात्रियों में रो०, ह०, स्वा०, मृ०, अनु०, श्र०, ध०, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, तुला, धनु, मकर इन लग्नों में तथा लग्न से ३-६-११वें स्थानों पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो, (स्त्री को विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। (पुन०, अश्वि०, पुष्य, चित्रा) इन नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

गर्भाधान-मुहूर्त्त-चक्र

रो०, हस्त, स्वाती, मृग०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा	श्रेष्ठ नक्षत्र
पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा	मध्यम नक्षत्र
१-४-५-७-९-१०	लग्न
लग्न से ३-६-११वें पापग्रह हों	
१-३-५-७-९-११	नवांश
रजोदर्शन से ६-८-१०-१२-१४-१६वीं	रात्रियाँ

पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त विचार- गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र में, तारा शुद्धि में, रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मू०, श्रवण, ३ उत्तरा नक्षत्रों में जन्म को त्याग कर, शुक्ल पक्ष १-२-३-५-७-१०-११, १३ तथा कृष्ण पक्ष की में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन में पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवमांश लग्न में होने पर तथा लग्न से १-४-५-७-९-१० स्थानों पर शुभ ग्रह तथा ३-६-११वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की १-६-८-१२वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। (गर्भ से) ६-८ मासों में मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

पुंसवन तथा सीमन्त मुहूर्त्त चक्र

गर्भ से तृतीय मास में तथा मासाधिपति बली होने पर ६, ८ मासों में	मास
शुक्ल पक्ष की १-२-३-५-७-१०-११-१३, कृष्ण पक्ष की १ से १०	तिथि
(जन्म नक्षत्र को छोड़कर) रो०, मृग०, पुष्य, पुन०, हस्त, मूल, श्रवण तीनों उत्तरा	नक्षत्र
१-३-५-७-११	लग्न
रवि, मंगल, गुरु मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र	वार

स्तनपान कराने का मुहूर्त्त- जन्म के पाँचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, वैधृति ४-९-१४ तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे० नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान शुभ है।

स्तनपान मुहूर्त्त चक्र

२-३-५-८-१०-११-१३-१५	तिथि
सोम, बुध, गुरु, शुक्र	वार
पुन०, पुष्य, मृ०, म०, श्र०, रे०	नक्षत्र
भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, रिक्ता तिथि	त्याज्य

जलपूजन करने का मुहूर्त्त- जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र वारों में ४-९-१४-३० तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार १ मास के बाद ही करें।

जल पूजन करने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

१-२-३-५-६-८-१०-११-१२-१३-१	तिथि
बुध, गुरु, सोम	वार
मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु०, मूल, श्रवण	नक्षत्र
प्रथममासोपरान्तचैत्र, पौष अधिक-मास, गु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमा० तिथि	त्याज्य

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त्त-

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण ११वें दिन, क्षत्रिय १३वें दिन, शूद्र २१वें दिन कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के कारण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर ११वें या १२वें दिन नाम संस्कार बिना मुहूर्त्त विचार कर लें। १२ दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता १-२-३-५-६-७-१०-११-१२-१३ इन तिथियों में शुभ वार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि०, श्र०, ध०, श०, रे०, नक्षत्रों में लग्न नवांश बल का विचार कर नामकरण करें।

नामकरण संस्कार मुहूर्त्त चक्र

१-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३	तिथि
सोम, बुध, गुरु, शुक्र	वार
अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, ३ उत्तरा, अभि०, श्रव०, धनि०, शत, रेवती	नक्षत्र
जन्म से १० दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन, पर्व व रिक्ता तिथि।	त्याज्य

निष्क्रमण मुहूर्त्त अर्थात् बालक के प्रथम बार घर से निकलने का मुहूर्त्त-

जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्रों का पूजन करके सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पावें तब जन्म से ३ मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमा० आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल, श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

बालक के प्रथम बार घर से निष्क्रमण के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	१-२-३-५-६-७-८-१०-११-१२-१३
वार	रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, पुन०, पुष्य, हस्त, अनु० स्वा०, मूल, श्र०, धनि०
त्याज्य	मंगल, शनिवार, रिक्ता, अमा०, विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेश का विचार- जन्म से पंचम मास में रिक्ता, अमा०, रहित तिथि, शुभवार, अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्येष्ठा, अभि०, ३ उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथवी और वराह का पूजन कर 'पृथ्वी' पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएँ रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिए।

भूमि पर पहली बार बैठाने के लिए मुहूर्त्त चक्र

तिथि	पंचममास में १-२-३-५-६-७-८-१० ११-१२-१३-१५

वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृ०, पुष्य, हस्त, अनु०, ज्ये०, ३ उत्तरा
लग्न	२-५-८-११

अन्नप्राशन कराने का विचार- बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद ६, ८, १०, १२वें मास में पुत्र को और ५, ७, ९, ११वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-

उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित १, ३, ५, ७, १०, १३, १५ तिथियों में शुभवार अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में १, ३, ४, ५, ७, ९ स्थानों में शुभ ग्रह हों जन्म-लग्न व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न को त्यागकर पाप शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

अन्नप्राशन कराने के लिए मुहूर्त्त-चक्र

मास	पुत्र को - ६, ८, १०, १२
	कन्या को - ५, ७, ९, ११
तिथि	१, ३, ५, ७, १०, १३, १५
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, ध०, श०, तीनों उत्तरा, रेवती
लग्न	२, ३, ४, ५, ६, ७, ९, १०, ११
त्याज्य	जन्म लग्न से व जन्म राशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा १२, १, ८ लग्न। दशम में पाप ग्रह, भद्राव्यतिपातादि दोष।

कर्ण-वेध करने का विचार- समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को त्यागकर जन्म से १२वें या १६वें दिन अथवा ६, ७, ८वें मास में या विषम वर्षों में शुभवार, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे० नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन, लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

कर्णवेध-मुहूर्त्त चक्र

वर्षादि	विषम वर्ष । ६, ७, ८वें मास। जन्म से १२वें या १३वें दिन।
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र	अश्वि०, मृ०, पुन०, पु०, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे०
लग्न	२, ७, ९, १२
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
त्याज्य	समवर्ष, देवशयन, (आषाढ़ शु० ११) से कार्तिक शु० ११ तक) चैत्र, पौष, जन्ममास-तिथि-नक्षत्र, क्षय तथा रिक्ता तिथि ।

चूडाकर्म (मुण्डन) संस्कार विचार- अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौल कर्म विषम वर्ष, उत्तरायण, २, ३, ५, ७, १०, ११, १३ तिथियों में शुभ वारों में अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्र०, धनि०, शत०, रे० नक्षत्रों में करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिए। ज्येष्ठ, चैत्र मास में न करें। बालक की माता को ५ मास की गर्भ स्थिति होने पर ५ वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

चूडाकर्म संस्कार के मुहूर्त्त के लिए चक्र

वर्ष	विषम । सूर्य उत्तरायण होने पर
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र	अश्वि०, मृग०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, ज्ये०, श्रव०, धनि०, श०, रे०
त्याज्य	लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्रमास समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का विचार- शुक्ल पक्ष रिक्ता व अमा० रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र, अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि०, मृ०, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, अनु०, श्र०, धनि०, रे०, ३ उत्तरा, स्वाती, शत०, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

कन्या नासिकाछेदन-मुहूर्त्त-चक्र

पक्ष	शुक्ल पक्ष
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
वार	सोम-बुध-गुरु-शुक्र
प्रहर	प्रथम
नक्षत्र	अश्वि०, मृग०, पुन०, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, धनि०, शत०, तीनों उत्तरा, रेवती

अक्षरारम्भ करने का विचार- बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षर अंक आदि ज्ञानार्थ अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो, जन्म से ५, ७वें वर्ष में। १,२, ३,५, ६, १०, ११,१२ तिथि, शुभवार, अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, श्रव०, रे०, इन नक्षत्रों में चरलग्नों को छोड़कर अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी तथा अपने कुल देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ मुहूर्त्त करें।

अक्षरारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

अयन	उत्तरायण
वर्ष	५वां, ७वां
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
लग्न	२, ३, ५, ६, ८, ९, ११, १२
नक्षत्र	अश्वि०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, श्र०, रेवती।

विद्यारम्भ कराने का विचार- अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान बढ़ाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या (विशेषतः संस्कृत भाषास्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण, २, ३, ५, ६, १०, ११, १२ तिथियों में, रवि बुध, गुरु, शुक्र वारों में और अश्वि०, आश्ले०, मृग०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, श०, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ है। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिए रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा, भ०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ०षा०, शत०, इन नक्षत्रों में शुभ है।

विद्यारम्भ मुहूर्त्त-चक्र

अयन		उत्तरायण
तिथि		२, ३, ५, ६, १०, ११, १२
संस्कृत व हिंदी विद्यारम्भ त्याज्य		फाल्गुन मास, रिक्तादि तिथि अशुभवार
वार		रवि, बुध, गुरु, शुक्र
नक्षत्र		अश्वि०, रो०, मृ०,
ग्राह्य		आर्द्रा, पुन०, पुष्य०, आ०, ह०, चि०, स्वा०, अनु, मू०, श्र०, ध०, श०, ३ पूर्वा, रे०
अंग्रेजी	वार	रवि, मंगल, शनि
फारसी	तिथि	४, ९, १४
उर्दू आदि	नक्षत्र	ज्ये०, आश्ले०, म०, ३ पूर्वा०, मू०, कृ०, वि०, आर्द्रा, उ० षा०, शत० ।

उपनयन संस्कार के मुहूर्त्त का विचार-

यज्ञोपवीतपरिधान (उपनयन संस्कार) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तीनों को करना चाहिए। बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण ८वें, क्षत्रिय ११वें, वैश्य १२वें वर्ष में यज्ञोपवीत संस्कार करे इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण १६वें, क्षत्रिय २२वें, वैश्य २४वें वर्ष तक उपनयन करा सकते हैं। बालक (बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचारें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११, १२ तथा कृष्णपक्ष की २, ३, ५ तिथियों में अश्वि०, रो०, मृ०, आर्द्रा, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त्त में यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र मास, मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है।

सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ है तथा भौमबल विचार भी आवश्यक है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, देवशयन, गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, अपराह्न, ज्ये०, शु० २, आषाढ़ शु० १०, पौष शु० ११, माघ शु० १२, संक्रान्ति दिन, रोगबाण, रवि के ८, १७, २६ गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की ६, ८, १२ में स्थिति, १, ५, ८वें भावों में पापग्रह अशुभ है। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

उपनयन मुहूर्त्त-चक्र

वर्ष	ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य (८ या १६) (११ या २२) (१२ या २४)		
अयन	देवशयन से पूर्व उत्तरायण में,		
वार	रवि, चं.०, बुध, गुरु, शुक्र		
पक्ष तिथि	शुक्ल पक्ष की २, ३, ५, १०, ११,१२ कृष्ण पक्ष की २, ३, ५		
नक्षत्र	अश्वि०, रो०, मृग०, आर्द्रा०, पुन०, पुष्य, आश्ले०, तीनों पूर्वा, ३ उत्तरा, ह०, चि०, स्वा०, अनु०, मूल, श्र०, ध०, शत०, रेवती		
गुरु	५, ११, ९ २, ७ श्रेष्ठ	१०, ६ ३, १ पूज्य	४, ८, १२ निन्दित
अन्य ग्राह्य	पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त्त (सामवेदियों को भौमबल व मंगलवार भी)		
त्याज्य	गुरु, शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस, रोगबाण तथा लग्नेश, चं०, शु०, गु०, की ६, ८, १२वें, पाप ग्रहों की १, ५, ८वें स्थिति।		

विवाह-संस्कार का विचार-

भारतीय मनीषियों ने मानव जीवन को ४ आश्रमों में विभाजि किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, और संन्यास। इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम का मुख्याधार विवाह है यही संस्कार वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फल प्राप्ति का भी आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देवर्षिपितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः 'विवाह' संस्कार के समय का निर्णय हमारे महर्षियों ने अतिसूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रोक्त अष्टविध विवाहों में विशेष रूप से आजकल गान्धर्व विवाह पद्धति (जिसको कि प्रेम-विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। 'ब्राह्म विवाह' विधि में मुख्यरूप से वरकन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

'भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशीलयुक्ता
शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।
तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि
तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥'
"राम दैवज्ञ"

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष २५ वर्षोपरान्त विषम वर्षो में, कन्या १६ वर्ष के अनन्तर समवर्षो में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यावरण का भी विचार कर लें। इन सब विचारों में नामराशि तथा जन्मराशि में से जन्म की राशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे।
जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं च चिन्तयेत्॥१॥
कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।
सर्वाण्यन्यानि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥२॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नामराशि में मेलापकादि कार्य किये जा सकते हैं, परन्तु महत्त्व जन्म राशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनाम् **मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।**
सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः॥
(विवाह वृन्दावनम्)

यदि प्रसिद्ध नामराशि से मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्म नाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।
व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका के मेलापक में अन्य विचार-

कन्या-वर की कुण्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट तथा नाड़ी इन आठों बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का १, वश्य के २, तारा के ३, योनि के ४, ग्रहमैत्री के ५, गणमैत्री के ६, भकूट के ७ तथा नाड़ी के ८ गुण उत्तरोत्तर वृद्धि से ग्रहण किए जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग ३ होता है।

'वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।
गणमैत्रं भकूटञ्च नाडी चैते गुणाधिकाः॥'

गुण संख्या के ग्रहण करने का विचार-

वर कन्या की कुण्डली का मिलान करने पर सोलह गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य २० गुण मिलने पर मध्यम तथा तीस गुण या तीस गुण से अधिक गुण क्रमशः उत्तम कहे हैं।

'गुणाः षोडशभिर्न्यूना निन्द्या मध्यास्तु विंशतिः।
श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः॥

दुष्ट भकूट, गणकूट, ग्रहकूट का परिहार- यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर-कन्या के राशि के स्वामी एक ही हों अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो, तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हो तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस में मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्धि हो, तो दुष्ट भकूट के दोष का नाश करता है तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

'प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्येशुभो-
ऽथोराशीश्वरसौहृदेऽपि गदितो नाड्यर्क्षशुद्धिर्यदि।
अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्यर्क्षशुद्धौ तथा-
ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः॥'
(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

'मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-
द्वन्द्वस्याऽपि स्याद्गणानां न दोषः।
खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं
खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।'
(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

नाड़ी दोष तथा गण दोष का परिहार-

वर-कन्या की राशि एक हो और नक्षत्र भिन्न हो, अथवा नक्षत्र एक तथा राशि भिन्न हो तो नाड़ी दोष तथा गण के दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नहीं होता।

'राशयैक्ये चेद् भिन्नमृक्षं द्वयोः स्यान्
नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।
नाड़ी दोषो नो गणानां च दोषो
नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥'
(मुहूर्त्त चिन्तामणि)

'एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।
अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्त्वशोभना॥'
(गर्ग)

वरवरण के मुहूर्त्त का विचार- विवाह संस्कार से पूर्व शुभ वार, शुभ लग्न, शुभ-नवांश में शुभ तिथि, कुयोगरहित दिन में कृ०, रो०, ३ पूर्वा, ३ उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण व कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे। अर्थात् तिलक लगावे।

कन्यावरण का मुहूर्त्त- वर की माता या स्वयं वर अथवा कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, ३ पूर्वा, स्वा०, अनु०, उ०षा०, श्र०, धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रो०, ३ उत्तरा, रे०, मू०, मृग०, मघा, हस्त)- में शुभ समय (लग्न) में वस्त्रभूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

विवाहकाल निर्णय में अन्य विचार

ज्येष्ठमास, ज्येष्ठवर, ज्येष्ठकन्या (अर्थात् प्रथम गर्भ से उत्पन्न वर-कन्या) यह त्रिज्येष्ठ कहलाता है। यदि वर कन्या में से एक ज्येष्ठ हो तो ज्येष्ठ मास होने पर ज्येष्ठद्वन्द्व होता है। यहाँ **'ज्येष्ठद्वन्द्व' मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेन्नैव युक्तं कदापि'** इस प्रकार त्रिज्येष्ठ त्याज्य तथा ज्येष्ठद्वन्द्व मध्यम कहलाता है।

जन्मराशि से विवाह मुहूर्त्तोपयोगी त्रिबलशुद्धि

बल	गुरु	चन्द्र	सूर्य
श्रेष्ठ	२, ५, ७, ९, ११	१, २, ३, ५, ६, ७, ९, १०, ११	३, ६, १०,११
पूज्य	१, ३, ६, १०	१२	१, २, ५, ७, ९
नेष्ट	४, ८, १२	४, ८	४, ८, १२

यहाँ वर को सूर्यबल कन्या को गुरुबल तथा दोनों को चन्द्रबल देखना चाहिए।

'वरस्य भास्करबलं कन्यायाश्च गुरोर्बलम्।
द्वयोश्चन्द्रबलं ग्राह्यं विवाहो नान्यथा भवेत्॥

विशेष- गुरु व सूर्य स्वोच्च, स्वमित्र स्वराशि, स्वनवांश, वर्गोत्तम नवांश में होने पर ४, ८, १२वें होने पर भी शुभ माने जाते हैं।

'स्वोच्चे स्वभे स्वमैत्रे वा स्वांशे वर्गोत्तमे गुरौ।
रिष्फाष्टतुर्यगोऽपीष्टो नीचारिस्थः शुभोऽप्यसत्॥'
(राम दैवज्ञ)

यदि गुरु नीच या शत्रु राशि का हो तो शुभ होने पर भी अशुभ फलप्रद होता है अतः नीच या शत्रु राशिस्थ गुरु, कन्या की राशि से २, ५, ७, ९, ११वें होने पर भी अशुभ माना गया है यह पूजा, (गुरु का दान व्रत जपादि आचरण) करने पर ही शुभफलप्रद होता है। ऐसे ही सूर्य के ४, ८, १२वें होने पर परिहार वाक्य-

'स्वोच्चे स्वमित्रसदने स्वगृहे स्ववर्गे।
स्वांशे ततश्च निधनव्ययतुर्यगोऽपि॥
श्रेयस्तनोति रिपुनीचगतोऽप्यनिष्टम्।
तुल्यं फलं निगदितं रविजीवयोश्च॥
(दैवज्ञ कल्पद्रुम)

सूर्य यदि तुला राशि वाले वर के लिए २, ५, ९वें में हो तो शुभफलप्रद होता है उसकी पूजा की आवश्यकता नहीं होती। यथा-

'धर्मधीधनगतोदिवाकर-
स्तौलिराशिजनितस्य शोभनः॥

अन्य राशि वालों के लिए २, ५, ९वां रवि १३ अंश बीत जाने के उपरान्त शुभ माना जाता है। अर्थात् पूज्य नहीं होता यथा-

'गर्ग्याङ्गिरो वत्सवशिष्ठगौत-
मपराशराद्या मुनयो वदन्ति।
द्वितीयपंचाङ्कगतो दिवाकर
स्वयोदशाहात्परतः शुभावहः।'

वधू-प्रवेश मुहूर्त्त का विचार-

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से १६ दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किए भी स्थिर लग्न में वधू-प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में । तीसरे, ५वें वर्ष में भी शुभ है। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त्त (तिथ्यादि का) विचार कभी हो सकता है। वधू -प्रवेश में रे०, अ०, रोहि०, मृ०, श्र०, ध०, ह०, चि०, स्वा०, म०, मू०, ३ उत्तरा, पुष्य, अनु०, इन नक्षत्रों में शुभ वारों में १, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५ तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम् शुद्ध होने पर शुभ होता है।

व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमा०, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू-प्रवेश वर्जित है।

वधू-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

दिन	१६ दिन तक अथवा ७, ५, ९वें दिन
मास, वर्ष	विषम मास, विषम वर्ष।
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३, १५
नक्षत्र	रे०, अ०, रो०, मृ०, श्र०, ध०, हस्त, चि०, स्वा०, म०, मूल, पुष्य, अनु०, तीनों उत्तरा, अभि०
वार	चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र
लग्न	२, ५, ८, ११ लग्न ४, ८ भाव शुद्ध हो।
त्याज्य	व्यतीपात, क्षयतिथि, रिक्ता, अमा०, ग्रहण, वैधृति, संक्रान्ति दिन

विशेष-

'वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः
राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।
दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः
सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः॥

द्विरागमन-मुहूर्त्त-

वधूप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह १-३-५ इन विषम वर्षों में १-८-११ राशि के सूर्य में सूर्य, गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार १, २, ३, ६, ७, १२ लग्नों में ह०, अ०, रे०, तीनों उत्तरा, रो०, मृग०, स्वा०, पुन०, पु०, श्र०, ध०, शत०, मू०, चि०, अनु० नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष	विषम (५ वर्ष तक)
मास	१, ८, ११वीं राशि के सूर्य में, सूर्य गुरु की शुद्धि
तिथि	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १५
वार	सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र
नक्षत्र	ह०, चि०, अ०, रे०, रो०, स्वा०, पुन०, पुष्य०, श्र०, ध०, श०, मृग०, मू० अनु०, ३ उत्तरा
त्याज्य	सम्मुख तथा दखिण शुक्र। (रवेती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। सामान्य अवस्था में त्याज्य)

विशेष-

'रेवत्यादिमृगान्ते च यावत्तिष्ठति-
चन्द्रमा तावच्छुक्रो
भवेदन्धः सम्मुखे दक्षिणे शुभः॥'

जन्माक्षर-चक्र

	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद्	चतुष्पद्	मानव	जलचर, कीट
राशीश	मंगल	शुक्र	बुध	चन्द्र
घात मास	कार्तिक	मार्गशीर्ष	आषाढ़	पौष
घात तिथि	१-६-११	५-१०-१५	२-७-१२	२-७-१२
घात वार	रविवार	शनिवार	सोमवार	बुधवार
घात नक्षत्र	मघा	हस्त	स्वाती	अनुराधा
घात योग	विष्कुम्भ	सुकर्मा	परिध	व्याघात
घात करण	बव	शकुनी	चतुष्पाद्	नाग
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	प्रथम
स्त्री घा. चं.	१	८	७	९
पु. घा. चं.	१	५	९	२

नक्षत्र	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा
योनि	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार
गण	देव.	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस
नाड़ी	आद्य	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आद्य	अन्त्य	मध्य	अन्त्य
युंजा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	पूर्व	मध्य	मध्य	मध्य	मध्य

चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	आ	इ	उ	ए
वर्ग	सिं.	सिं.	सिं.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	ग.	ग.	ग.	ग.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	१	१
अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	ओ	वा	वि	वु	वे	वो	का	की	कु	घ	ङ	छ
वर्ग	ग.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	सिं.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	१	१	१	१	१	२	२	२	२	२	२	२
अं.	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	के	को	हा	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डू	डे	डो
वर्ग	मा.	मा.	मे.	मे.	मे.	मे.	मे.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	मं.	कुं.	मी.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	२	२	३	३	३	३	३	३	३	३	३	४
अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०

दशाधीश	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध

जन्माक्षर-चक्र

	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	चतुष्पद्	मानव	मानव	कीट, सरीसृप
राशीश	सूर्य	बुध	शुक्र	मंगल
घात मास	ज्येष्ठ	भाद्रपद	माघ	आश्विन
घात तिथि	३-८-१३	५-१०-१५	४-९-१४	१-६-११
घात वार	शनिवार	शनिवार	गुरुवार	शुक्रवार
घात नक्षत्र	मूल	श्रवण	शतभिषा	रेवती
घात योग	धृति	शुभ	शुक्ल	व्यतिपात
घात करण	बव	कौलव	तैतिल	गर
घात प्रहर	प्रथम	प्रथम	चतुर्थ	प्रथम
स्त्री घा. चं.	४	३	६	२
पु. घा. चं.	६	१०	३	७

नक्षत्र	मघा				पूर्वा फाल्गुनी				उत्तरा फाल्गुनी				हस्त				चित्रा			
योनि	मूषक				मूषक				गौ				महिषी				व्याघ्र			
गण	राक्षस				मनुष्य				मनुष्य				देव				राक्षस			
नाड़ी	आद्य				मध्य				आद्य				आद्य				मध्य			
युंजा	मध्य				मध्य				मध्य				मध्य				मध्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	मा	मी	मु	मे	मो	टा	टी	टू	टे	टो	पा	पी	पू	ष	ण	ठ	पे	पो	रा	री
वर्ग	मू.	मू.	मू.	मू.	मू.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	श्वा.	मू.	मू.	मू.	मे.	श्वा.	श्वा.	मू.	मू.	मृ.	मृ.
नवांश	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.
नवांशेश	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.
स्प. चन्द्र रा.	४	४	४	४	४	४	४	४	५	५	५	५	५	५	५	५	५	६	६	६
अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६
क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०
भो. वि. दशा. व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०	७	५	२	०	५	३	१	०
मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०	६	०	६	०	३	६	९	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	केतु				शुक्र				सूर्य				चन्द्रमा				मंगल			

नक्षत्र	स्वाती				विशाखा				अनुराधा				ज्येष्ठा			
योनि	महिषी				व्याघ्र				मृग				मृग			
गण	देव				राक्षस				देव				राक्षस			
नाड़ी	अन्त्य				अन्त्य				मध्य				आद्य			
युंजा	मध्य				मध्य				मध्य				अन्त्य			
चरण	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर	रु	रे	रो	ता	ती	तू	ते	तो	ना	नी	नू	ने	नो	या	यी	यू
वर्ग	मृ.	मृ.	मृ.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	स.	मृ.	मृ.	मृ.
नवांश	ध.	म.	कुं.	मी.	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश	गु.	श.	श.	गु.	मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र रा.	६	६	६	६	६	६	७	७	७	७	७	७	७	७	७	८
अं.	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
क.	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा. व.	१३	९	४	०	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
मा.	६	०	६	०	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश	राहु				गुरु				शनि				बुध			

जन्माक्षर-चक्र

	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र	विप्र
वश्य	मानव १५चतु. १५	चतु. १५ जलचर १५	मानव	जलचर
राशीश	गुरु	शनि	शनि	गुरु
घात मास	श्रावण	वैशाख	चैत्र	फाल्गुन
घात तिथि	३-८-१३	४-९-१४	३-८-१३	५-१०-१५
घात वार	शुक्रवार	मंगलवार	गुरुवार	शुक्रवार
घात नक्षत्र	भरणी	रोहिणी	आर्द्रा	आश्लेषा
घात योग	वज्र	वैधृति	गंड	वज्र
घात करण	तैतिल	शकुनी	वणिज	विष्टि
घात प्रहर	प्रथम	चतुर्थ	तृतीय	चतुर्थ
स्त्री घा. चं.	१०	११	५	१२
पु. घा. चं.	४	८	११	१२

नक्षत्र	मूल	पूर्वाषाढा	उत्तराषाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपदा	उत्तराभाद्रपदा	रेवती
योनि	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	आद्य	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आद्य	आद्य	मध्य	अन्त्य
युंजा	आन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	अन्त्य	पूर्व
दशाधीश	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध

		मूल				पूर्वाषाढा				उत्तराषाढा			
चरण		१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर		ये	यो	भा	भी	भू	धा	फा	ढ़ा	भे	भो	जा	जी
वर्ग		मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	मृ.	सर्प	मृ.	श्वा	मृ.	मृ.	सिं.	सिं
नवांश		मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश		मं.	शु.	बु.	च.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र	रा.	८	८	८	८	८	८	८	८	९	९	९	९
	अं.	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०	३	६	१०
	क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा	व.	५	३	१	०	१५	१०	५	०	४	३	१	०
	मा.	३	६	९	०	०	०	०	०	६	०	६	०
	दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश		केतु				शुक्र				सूर्य			

		श्रवण				धनिष्ठा				शतभिषा			
चरण		१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर		खी	खू	खे	खो	गा	गी	गू	गे	गो	सा	सी	सू
वर्ग		मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मा.	मे.	मे.	मे.
नवांश		मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कु.	मी.
नवांशेश		मं.	शु.	बु.	चं.	सू.	बु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र	रा.	९	९	९	९	९	१०	१०	१०	१०	१०	१०	१०
	अं.	१३	१६	२०	२३	२६	००	३	६	१०	१३	१६	२०
	क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा	व.	७	५	२	०	५	३	१	०	१३	९	४	०
	मा.	६	०	६	०	३	६	९	०	६	०	६	०
	दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश		चन्द्रमा				मंगल				राहु			

		पूर्वाभाद्रपदा				उत्तराभाद्रपदा				रेवती			
चरण		१	२	३	४	१	२	३	४	१	२	३	४
अक्षर		से	सो	दा	दी	दू	थ	झ	ञ	दे	दो	चा	ची
वर्ग		मे.	मे.	स.	स.	स.	स.	सिं.	सिं.	स.	स.	सिं.	सिं.
नवांश		मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
नवांशेश		मं.	शु.	बु.	चं.	स.	वु.	शु.	मं.	गु.	श.	श.	गु.
स्प. चन्द्र	रा.	१०	९	११	११	११	११	११	११	११	११	११	११
	अं.	२३	२६	०	३	६	१०	१३	१६	२०	२३	२६	०
	क.	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०	२०	४०	०
भो. वि. दशा	व.	१२	८	४	०	१४	९	४	०	१२	८	४	०
	मा.	०	०	०	०	३	६	९	०	९	६	३	०
	दि.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
दशाधीश		गुरु				शनि				बुध			

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

वर / कन्या		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३,४	भर. १,२,३,४	कृत्ति. १	कृत्ति. २,३,४	रोहि. १,२,३,४	मृग. १,२	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३,४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३,४	आश्ले. १,२,३,४	मघा १,२,३,४	पू.फा. १,२,३,४	उ.फा. १	उ.फा. २,३,४	हस्त १,२,३,४	चित्रा १,२
मेष	अश्वि. १,२,३,४	२८ न	३३	२८।। त	१८।। बभ त	२१।। बभ त	२२।। बभ त	२६ बत र	१७ बन तर	१६ बन तर	२३।। नत	३१।। त	२८ ग	२१ वभ ग	२५ वभ	१५।। वभ नत	११ बभ नतर	६ तबभ यनर	१३ वभ तर
	भर. १,२,३,४	३४	२८ न	२६ ग	१६ बग भ	२१।। बभ त	१४।। बभ तन	१८ नब तर	२६ बत र	२७ बत र	३१।। त	२३।। न त	२५।। ग त	२० गव भ	१८ वभ न	२६ वभ	२१।। बभ र	२० बभ रत	४ बभग नतर
	कृति. १	२७।। गत	२६ ग	२८ न	१८ बभ न	१० गब नभ	१६।। गब भत	२० गब त	२० गब त	२१ गब तर	२५।। गत	२६।। गत	२३।। नत	१६।। वभ नत	२० गव भ	२० गव भ	१५।। गव भ	१५।। गव भर	१८ ब भत
वृष	कृति. २,३,४	१८।। गभ त	२० गभ	१६ भन	२८ न	२० गन	२६।। गत	१७।। गब भत	१७।। बग भत	१८।। गब भत	२२ गत र	२३ गत र	२० नत र	१८।। नव तर	२२ रव ग	२२ रव ग	२१ गभ	२१ गभ	२३।। भत
	रोहि. १,२,३,४	२३।। भत	२३।। भत	११ गभ न	२० गन	२८ न	३६	२७।। बभ	२३।। बभ त	२२।। भब तय	२६ तर य	२७ त र	१२ गन तरय	१०।। रवग नतय	२४।। रव तय	२७ रव	२६ भ	२६ भ	२० गभ
	मृग. १,२	२३।। भत	१४।। भन त	१८।। भत ग	२७।। तग	३५	२८ न	१६ बभ न	२४ बभ	२२।। बभ तय	२६ तय र	१६ तर न	२१ तर यग	१६।। गरव तय	१५।। रव तनय	२४।। रव त	२३।। भत	२६ भ	१३ भन ग
मिथुन	मृग. ३,४	२७ तर	१८ नत र	२२ तर ग	१६।। भग त	२७ भ	२० भन	२८ न	३३	३१।। तय	१६ भव तयर	१२ भन वतर	१४ भवत यगर	२३।। वत यग	१६।। वन तय	२८।। व त	३१।। त	३४	२१ नग
	आर्द्रा १,२,३,४	१६ तर न	२७ तर	२१ तर ग	१८।। गभ त	२४।। भ त	२६ भ	३४	२८ न	२५ न य	१२।। भन तयर	२० भव तर	१३ गभर वतय	२३।। गत व	२६।। वत	२१।। नव त	२४।। नत	२४।। नत	२७ गय
	पुन. १,२,३,	२० नत र	२७ तर	२३ तर	२०।। भत ग	२२।। भत	२३।। भत य	३१।। तय	२४ नय	२८ न	१५।। नभ वर	२२।। भ वर	१७।। भव तरग	२२।। यव तग	२६।। यव त	२१।। नव त	२४।। नत	२५।। नत	२७।। तग
कर्क	पुन. ४	२२।। बन त	२६।। बत	२५।। बत ग	२२ बग तर	२४ बत यर	२५ बत यर	१८ बभव रतय	१०।। बभव नयर	१४।। बभ रनत	२८ न	३५	२६।। तग	१६।। बभय गत	२०।। बभ तय	१५।। बभ नत	१८ नभ तर	१६ नब वतर	२१ बग वतर
	पुष्य १,२,३,४	३०।। बत	२१।। बन त	२६।। बत ग	२३ बत रग	२५ बत र	१८ बन तर	११ बभन वतर	१८ बभ वतर	२१।। बभ वर	३५	२८ न	३० ग	१६।। बभ गत	१५।। बभ नत	२३।। बभ त	२६ बव तर	२७ बव तर	१२ नबवय तरग
	आश्ले. १,२,३,४	२६ बग	२४।। बग त	२२।। नव त	१६ नब तर	११ गबत नयर	१६ गब तयर	१२ गबत भवयर	१२ गबभ वतयर	१५ गबत भवर	२८।। गत	२६ ग	२८ न	१५ यब भन	१५।। गबय भत	१८।। गब भत	२१ गब वतर	२१ गब वतर	२६ बव तर
सिंह	मघा १,२,३,४	२० गव भ	२० गव भ	१६।। भव नत	१७।। वब रनत	६।। वबत गरनय	१७।। वबत गरय	२१।। वब गतय	२२।। वब गत	२०।। वब गयत	१६।। गभ यत	१६।। गभ त	१६ नभ य	२८ न	३० ग	२७।। गत	१६।। वभ गभत	१६।। वभ गभत	२१।। वब भत
	पू.फा. १,२,३,४	२६ वभ	१८ वभ न	२० गव भ	२१ बव रग	२३।। वब रतय	१५।। वबन रतय	१६।। वब नतय	२८।। वब त	२६।। वब तय	२२।। यभ त	१७।। भन त	१६।। गभ यत	३० ग	२८ न	३५	२४ वब भ	२२।। वब भत	७।। वबत गनभ
	उ.फा. १	१६।। वभ तन	२६ वभ	२० वग भ	२१ वब गर	२६ वब र	२४।। वब रत	२८।। वब त	२०।। वब नत	२१।। वब नत	१७।। भन त	२५।। भत	१६।। गभ त	२७।। गत	३५	२८ न	१७ वब भन	१६ वब भन	१३।। वयब तगभ
कन्या	उ.फा. २,३,४	१३ भन तर	२२।। भर	१६।। गभ र	२१ गभ	२६ भ	२४।। भत	३१।। बत	२३।। नब त	२४।। नब त	२० नव तर	२८ वत र	२२ गव तर	१७।। गव भत	२५ भव	१८ वभ न	२८ न	२७ न	२४।। यग त
	हस्त १,२,३,४	१० यभ नतर	२० भत र	१७।। भर ग	२२ भग	२५ भ	२६ भ	३३ ब	२२।। नब त	२४।। नब त	२० नव तर	२८ व तर	२३ वत रग	१८।। वभ तग	२२।। वभ त	१६ वभ न	२६ न	२८ न	२८ यग
	चित्रा १,२	१३ गभत यर	५ गभन तयर	१६ भत यर	२३।। भत य	२० गभ	१२ गभ न	१६ गब न	२६ गब य	२५।। गब त	२१ गव तर	१२ गनव तयर	२७ वत र	२२।। वभ त	८।। गव भनत	१४।। वय गभत	२४।। गय त	२७ गय	२८ न

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाडी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोगुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या	वर	तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२,३,४	विशा. १,२,३	विशा. ४	अनु. १,२,३,४	ज्ये. १,२,३,४	मूल १,२,३,४	पू.षा. १,२,३,४	उ.षा. १	उ.षा. २,३,४	श्रव. १,२,३,४	धनि. १,२	धनि. ३,४	शत. १,२,३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२,३,४	रेव. १,२,३,४
मेष	अश्वि. १,२,३,४	२२।। बय तग	२६।। बय त	२२।। तब यग	१८।। गभ तय	२५।। भत	१४ भन ग	१३।। भन ग	२५ भ	२३।। भत	२५ ब तर	२६ बत र	२० बत यरग	२० बत यरग	१५ बन तरग	१६ बन तयर	१४।। नभ तय	२४।। भ त	२६ भ
	भर. १,२,३,४	१३।। बगन तय	२९।। बत	२१।। गब तय	१७।। गभ तय	१७।। नभ त	१९।। गभ त	२० गभ	१८ नभ	२६ भ	२७।। बर	२६ ब तर	१० बय गनतर	१० बयग नतर	२० गब तर	२४ बय तर	२२।। तभ	१७।। नभ त	२६।। भत
	कृत्ति. १	२७।। बत य	१५।। बग नत	१९।। बन तय	१५।। भन तय	१९।। गभ त	२५।। भत	२४।। भत	१८ गभ य	१२ गभ न	१३।। बग नर	११।। बय रगन	२५ बत यर	२५ बत यर	२७ बत र	१९ बग तयर	१७।। गभ तय	१९।। गभ त	११।। गभ तन
वृष	कृत्ति. २,३,४	२२।। बभ तय	१०।। गब भनत	१४।। बभ तनय	२०।। न तय	२४।। गत	३०।। त	२० भ तर	१३।। यग भर	७।। गभ नर	१२ गभ न	१० यग भन	२३।। भत य	२९।। बत य	३१।। बत	२३।। गब तय	२० गत यर	२२ ग तर	१४ गन तर
	रोहि. १,२,३,४	१९ गब भ	१५।। बभ नत	९।। तबग नभ	१५।। गन त	२९।। त	२३।। ग त	१४ गभ तर	१६ रभ तय	११।। यभ नर	१६ भय न	१७ नभ य	२० गभ	२६।। गब	२४।। गब त	३०।। बत	२७ तर	२७ तर	१९ र नत
	मृग. १,२	१२ बभ नग	२५ बभ	१८।। बभ तग	२४।। तग	२१।। नत	२४।। तग	१५ भत रग	१० नभ तयर	१७ यभ तर	२१।। भय त	२५ भय	१३ नभ ग	१९ बग न	२७ बग	२९।। बत	२६ तर	१८ न तर	२७ तर
मिथुन	मृग. ३,४	१४ नभ ग	२७ भ	२०।। भत ग	१४ भव तरग	११ भवन तर	१४ भव तरग	२३ तर ग	१८ नत यर	२५ यत र	२० भय वत	२३।। भव य	११।। नभ वग	१३ भनग	२१ भग	२३।। भत	२५।। तव र	१७।। नव तर	२६।। वत र
	आर्द्रा १,२,३,४	२० गभ य	२७ भ	२० गभ य	१३।। रगव भय	१७ तभ वयर	३ यतगव भनर	१६ गन तर	२८ तर	२८ तर	२३ भव त	२३ भव त	१७।। गभ वय	१९ गभ य	१२ गभ न	१७ नभ य	१९ नर वय	२६।। वत र	२६।। वत र
	पुन. १,२,३	२०।। भत ग	२८ भ	२२ भग	१५।। वभ रग	२१।। वभ र	७ रगव भनत	१४ यरत नग	२७ तर	२७ तर	२२ वत भ	२३ वत भ	१७ वतभ यग	१८।। भग तय	१४ नभ ग	१६ नभ य	१८ रन यव	२८ रव	२७।। वत र
कर्क	पुन. ४	२०।। बत रग	२८ वर ब	२२ वर बग	२० गभ	२६ भ	११।। तग भन	८ वतब भगनय	२१ बभ वत	२१ बभ वत	२६ बत र	२७ बत र	२१ बगत यर	१२।। बभव तयगर	८ बभव नगर	१० बभर नवय	१६ नभ य	२० भ	२५।। भत
	पुष्य १,२,३,४	११।। गनबव तयर	२६।। बव तर	२१ रबग वय	१९ भ यग	१८ भन	२१ भग	१७ गबभ वत	११ यबभ तनव	२१ बभ वत	२६ बत र	२५ बय तर	१३ गबन तयर	४।। भबगय वनतर	१४।। बवत रगभ	१८ बभव यर	२४ भय	१८ नभ	२७ भ
	आश्ले. १,२,३,४	२५।। बव तर	१२।। गबव तरन	१७।। नबव तर	१५।। नभ त	२० गभ	२६ भ	२२।। बभ वय	१६ गबव भत	८ गबव भनत	१३ गबर नत	१३ बगत नर	२६ बत यर	१७।। बभव तरय	१९।। बभव तर	११।। गबभ वतयर	१७।। गभ तय	२१ गभ	१३ गभ न
सिंह	मघा. १,२,३,४	२४।। बव तर	११।। बवत रगन	१६।। बवत रन	२२।। नव त	२५।। गव त	३३ व	२५ भव	१९ गव भ	८।। वगभ नतय	३।। बरतय गभन	४।। बरत गभन	१८।। बर तभ	२४।। बव तर	२५।। बव तर	१८।। बवर गत	१८।। गभ त	१९।। गभ त	१३ गभ न
	पू.फा. १,२,३,४	१०।। बवत रगन	२५।। बव तर	१८।। बवर गत	२४।। गव त	२३।। नव त	२५।। गव त	१९ गव भ	१७ भव न	२४ भव न	१७ बर भय	१८।। बत भत	४।। बरत गभन	१०।। बवत रगन	१९।। बवर गत	२४।। बव रत	२४।। भत	१७।। नभ त	२५।। भत
	उ.फा. १	१६।। बवत यगर	२५।। बव तर	१६।। बवय गतर	२२।। यव गत	३१।। वत	१७।। गव तन	९।। गव नभत	२५ भव	२५ भव	२० बर भ	२० बर भ	११।। बरत गभय	१७।। बवत गरय	११।। बवत गनर	१५।। बवत नरय	१५।। नभ तय	२६।। भत	२५।। भत
कन्या	उ.फा. २,३,४	१६।। गबय भत	२५।। बभ त	१६।। गबय भत	१८ यवत गर	२७ वत र	१३ गवत नर	१४ गन तर	२९।। र	२९।। र	२४।। भव	२४।। भव	१६ गभ वतय	१६।। गबभ तय	१०।। गबन भत	१४।। बभन तय	१७।। तनव यर	२८।। वत र	२७।। वत र
	हस्त १,२,३,४	२० बभ यग	२६।। बभ त	१८।। बभ तयग	२० वग तयर	२६ वत र	१३ नव तरग	१५ नत रग	२७ तर	२८।। र	२३।। भव	२४।। भव	१८।। भग वय	१९ बभ यग	८।। बयभ नतग	१३।। बभ नतय	१९।। वनत यर	२६।। वत र	२७।। वत र
	चित्रा १,२	२० बभ न	१९ गब भय	२६।। बभ त	२८ वत र	११ गवन तयर	२५ वत यर	२७ तय र	१४ गन तर	२२ गत र	१७ गभ त	१८।। गभ व	१५।। भव नय	१६ बय भन	२४ बभ य	१६।। गबत भय	१९।। गवत यर	१०।। गयव नतर	१९।। वगत यर

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. १,२,३ ४	भर. १,२,३ ४	कृत्ति. १	कृत्ति. २,३,४	रोहि. १,२,३ ४	मृग. १,२	मृग. ३,४	आर्द्रा १,२,३ ४	पुन. १,२,३	पुन. ४	पुष्य १,२,३ ४	आश्ले. १,२,३ ४	मघा १,२,३ ४	पू.फा. १,२,३ ४	उ.फा. १	उ.फा. २,३,४	हस्त १,२,३ ४	चित्रा १,२
तुला	चित्रा ३,४	२२॥ गत य	१४॥ गन तय	२८॥ तय	२३॥ भत य	२० गभ	१२ गभ न	१३ गभ न	२१ गभ	१६॥ गभ त	२०॥ गर वत	११॥ गनय वरत	२६॥ वत र	२५॥ वर त	११॥ वरग नत	१७॥ वय गरत	१७॥ यग भत	२० गभ य	२१ भन
	स्वाती १,२,३,४	२७॥ यत	२६॥ त	१७॥ नत	१२॥ भन त	१५॥ भन त	२६ भ	२७ भ	२६ भ	२८ भ	२६ वर	२७॥ वत र	१४॥ नव तर	१३॥ वन तग	२५॥ वर त	२५॥ वर त	२५॥ भत	२७॥ भत	२१ भय ग
	विशा. १,२,३	२२॥ तय ग	२२॥ तय ग	२०॥ तय न	१५॥ तभ नय	१०॥ गभ तन	१८॥ गभ त	१६॥ गभ त	२० गभ य	२१ गभ	२२ गव र	२१ गत र	१८॥ नव तर	१७॥ वर तन	१६॥ वर तग	१७॥ वयर गत	१७॥ यगत भ	१८॥ गभ तय	२७॥ भत
वृश्चिक	विशा. ४	१६॥ बगभ यत	१६॥ बगभ यत	१४॥ बभ नयत	१६॥ बन यत	१४॥ बग नत	२२॥ बग त	१२ बवर गभत	१२॥ वबय गभर	१३॥ बव गभर	१६ गभ	१८ गभ य	१५॥ भन त	२१॥ बव नत	२३॥ बव गत	२१॥ बव गयत	१७ तबव गयर	१८ बवग तयर	२७ बव तर
	अनु. १,२,३,४	२४॥ बभ त	१५॥ बभ नत	१६॥ बभ गत	२४॥ बत ग	२७॥ बत	२०॥ बन त	१० बवत नभर	१५॥ तबव रभय	२०॥ बव भर	२६ भ	१८ भन	२१ भग	२४॥ बव तग	२०॥ बव तन	२६॥ बव त	२५ बव तर	२६ बव त	११ बरव तनय
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१२ बग भन	१८॥ बग तभ	२४॥ बभ त	२६॥ बत	२२॥ बग त	२२॥ बग त	१२ तबव गभर	२ तवबय गभनर	५ तबवर गभन	१०॥ तग भन	२० गभ	२६ भ	३१ बव	२३॥ बव गत	१६॥ तबव गन	१२ तबव गनर	१२ तबव गनर	२४ बवत यर
धनु	मूल १,२,३,४	१२ गभ न	२० गभ	२४॥ भत	१६ बभ तर	१३ बग तभर	१३ रबग तभ	२१ बग तर	१५ बगन तर	१२ रबग तनय	८ यगभ वनत	१७ गभ वत	२३॥ भव य	२५ वभ	१६ वग भ	६॥ तवग भन	१३ तरब गन	१३ तरब गन	२६ रब तय
	पू.षा. १,२,३,४	२६ भ	१८ भन	१८ गभ य	१२॥ बय गभर	१८ बभ तयर	१० रबभ तनय	१८ बन तयर	२७ बत र	२७ बत र	२३ भव त	१३ यभ नवत	१७ गभ वत	१६ वग भ	१७ वभ न	२५ वभ	२८॥ बर	२७ बत र	१३ तबग नर
	उ.षा. १	२४॥ भत	२६ भ	१२ गभ न	६॥ रबय भन	१०॥ बयर भन	१७ बय तभर	२५ बय तर	२७ बत र	२७ बत र	२३ भव त	२३ भव त	६ गभ वनत	८॥ तगव यभन	२४ वभ य	२५ वभ	२८॥ बर	२८॥ बर	२१ गब तर
मकर	उ.षा. २,३,४	२७ तर	२८॥ र	१४॥ गन र	१२ गभ न	१६ भन य	२२॥ यभ त	२० बय तभ	२२ बभ त	२२ बभ वत	२८ तर	२८ तर	१४ गन तर	४॥ तयर गभन	२० रभ य	२१ रभ	२४॥ भत	२४॥ वभ	१७ गभ वत
	श्रव. १,२,३,४	२७ तर	२६ तर	१३॥ यन र	११ यभ गन	१६ भन य	२५ भय	२२॥ बभ वय	२१ बभ वत	२२ बभ वत	२८ त	२६ यत र	१५ नत र	६॥ तगर भन	१८॥ रभ त	२० भर	२३॥ भव	२४॥ भव	१६॥ भव
	धनि. १,२,३,४	२० गत यर	११ यगन तर	२६ तय र	२३॥ भत य	२० गभ	१२ गभ न	६॥ वबग भन	१६॥ वयब गभ	१६ बगव तभ	२२ गत र	१३ रगन तय	२८ तर	१६॥ रभ त	५॥ तगर भन	१२॥ तयर गभ	१६ गभव तय	१७॥ गभ व	१५॥ भन वय
कुम्भ	धनि. ३,४	२० गत यर	११ यगत नर	२६ तय र	३०॥ तय	२७ ग	१६ गन	१२ गभ न	१६ गभ य	१८॥ गभ त	१३॥ गभ वतर	४॥ तयर गभनव	१६॥ भव तर	२५॥ वत र	११॥ वतर गन	१८॥ वरग तय	१७॥ गभ तय	१६ गभ य	१७ यभ न
	शत. १,२,३,४	१५ गन तर	२१ गत र	२८ तर	३२॥ त	२५॥ गत	२७ ग	२० गभ	१२ गभ न	१३ गभ न	८ गभव नर	१४॥ गभव तर	२०॥ वभ तर	२६॥ वर त	२०॥ वर गत	१२॥ वरत गन	११॥ तग नभ	८॥ तयग नभ	२५ भय
	पू.भा. १,२,३	१८ नत यर	२५ यत र	२० गर तय	२४॥ गत य	३१॥ त	३१॥ त	२४॥ भत	१७ भन य	१८ भन	१३ भन व	२० भर वय	१३॥ गभव तर	१६॥ वर तग	२५॥ वर त	१६॥ वरय नत	१५॥ भन त	१५॥ भन तय	१७॥ गभ तय
मीन	पू.भा. ४	१४॥ बभत नय	२१॥ वय तभ	१६॥ गबत भय	१६ गबत यर	२६ बत र	२६ बत र	२५॥ बव तर	१८ बनव यर	१६ नव वर	१८ नभ	२५ भय	१८॥ गभ त	१७॥ बग तभ	२३॥ बभ त	१४॥ बभत नय	१६॥ रबन वतय	१६॥ रबन वतय	१८॥ रबग वतय
	उ.भा. १,२,३,४	२४॥ बभ त	१६॥ बभ तन	१८॥ गब तभ	२१ गब तर	२६ बत र	१८ नब तर	१७॥ नब वतर	२५॥ बर वत	२८ बव र	२७ भ	१६ भन	२१ गभ	१८॥ गब तभ	१६॥ बभ न	२५॥ बभ त	२७॥ बव तर	२६॥ बव तर	६॥ बतर वयगन
	रेव. १,२,३,४	२५ बभ	२४॥ बभ त	११॥ तगब भन	१४ गबन तर	१७ वन तर	२६ बत र	२५॥ बर वत	२४॥ रब वत	२६॥ रब वत	२५॥ भत	२७ भ	१४ भन ग	१३ बभ गन	२३॥ बभ त	२३॥ बभ त	२५॥ बर वत	२६॥ बर वत	१६॥ बयर वतग

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मेलापक सारिणी

ऊर्ध्वाधरस्थान्यपि भानि पुंसां पार्श्वद्वयस्थानि तथा वधूनाम्॥ संपातकोष्ठे शुभयोर्गुणैक्यं सर्वं शुभं तत्स्मृतितोऽधिकं यत्॥

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा ३,४	स्वाती १,२ ३,४	विशा. १,२,३	विशा. ४	अनु. १,२ ३,४	ज्ये. १,२ ३,४	मूल १,२ ३,४	पू.षा. १,२ ३,४	उ.षा. १	उ.षा. २,३,४	श्रव. १,२ ३,४	धनि. १,२	धनि. ३,४	शत. १,२ ३,४	पू.भा. १,२,३	पू.भा. ४	उ.भा. १,२ ३,४	रेव. १,२ ३,४
तुला	चित्रा ३,४	२८ न	२७ गय	३४।। त	२३।। भव त	६।। यगव तनभ	२०।। भव तय	२७ तय र	१४ गभ तर	२२ गत र	२५ गत व	२६।। गव	२३।। नव य	१८ नभ य	२६ भय	१८।। गभ तय	१२।। गभव तयर	३।। वतयग भनर	१२।। यगर भवत
	स्वाती १,२,३,४	२८ यग	२८ न	२० नय ग	६ भवय नग	२१।। भव त	१६।। भव तग	२३ तर ग	२७ तर ग	१९ तन र	२२ नव त	२३ नव त	२६।। वय ग	२१ यग भ	२० गय भ	२५ यभ	१९ वभ यर	१९।। वत भर	१२।। वतभ नर
	विशा. १,२,३,	३४।। त	१९ गन य	२८ न	१७ भव न	१६ गव भय	२०।। भव तय	२७ तय र	२२ गत र	१४ गन तर	१७ गन वत	१७ गन वत	३० वत य	२४।। भत य	२६ भय	२० गभ य	१४ गभव यर	१३ गयभ तर	४।। गभव नयतर
वृश्चिक	विशा. ४	२२।। बव भत	७ बवग नभय	१६ बव नभ	२८ न	२७ गय	३१।। तय	२१।। बवत यभ	१६।। बवग भत	८।। बवग नभत	१२ गबन तर	१२ बनग तर	२५ बत यर	२४ बवत यर	२५।। बव यर	१६।। बवग यर	१९ गभ य	१८ गय भ	६।। गभन तय
	अनु. १,२,३,४	६।। बवतभ यगन	२१।। बव भत	१६ बवभ यग	२८ यग	२८ न	३१ ग	१५।। बवत गयभ	१३।। तबव नभ	२१।। बव तभ	२५ बत र	२६ बत र	१२ तयब नरग	११ तयबव नरग	२१ बवत रग	२४।। बव यर	२४ भय	१८ नभ	२७ भ
	ज्येष्ठा १,२,३,४	१९।। बवत भय	१५।। तबव गभ	१९।। बवभ तय	३१।। तय	३० ग	२८ न	१४ बवन भय	१६।। बवत गभ	१६।। बवत गभ	२० व तर	२० व तर	२५ बत यर	२४ बवत यर	१८ बवन रत	१० तबवय गनर	६।। गभत नय	२१ गभ	२१ गभ
धनु	मूल १,२,३,४	२६ तब यर	२१ गब तर	२६ तब यर	२२।। भव तय	१५।। गवभ यत	१५ यव नभ	२८ न	२८ ग	२६।। गत	१५ गबभ वत	१५ गबभ वत	२० बभव तय	२८।। बव य	२१।। बन त	१४।। गनब तय	१६ गनव तय	२५ गव त	२६ गव
	पू.षा. १,२,३,४	१३ गबत नर	२७ बत र	२१ गब तर	१७।। गव भत	१५।। भव नत	१७।। गव भत	२८ ग	२८ न	३४	२२।। बभ व	२३ बभ वत	६ गबवभ नतय	१४।। गबत नय	२३।। गब त	२८।। बत य	३० वत य	२३ नव त	३१ वत
	उ.षा. १	२१ गब तर	१९ नब तर	१३ गबन तर	६।। गवभ नत	२३।। भव त	१७।। गव भत	२६।। गत	३४	२८ न	१६।। बभ वन	१४।। बभ वन	१५ गबव भत	२३।। गब त	२३।। गब त	२६।। बत	३१ वत	३१ वत	२३ नव त
मकर	उ.षा. २,३,४	२४ गब त	२२ नब वत	१६ गब नत	१३ गन तर	२७ तर	२१ गत र	१६ गभ वत	२३।। भव	१७।। न भव	२८ न	२६ न	२६।। गत	१७ गबभ वत	१७ गबव भत	२३ बभ वत	३०।। त	३०।। त	२२।। नत
	श्रव. १,२,३,४	२६।। बव ग	२२ नब वत	१७ नबग वत	१४ नत र	२७ तर	२२ तर	१७ भव तग	२३ भवत	१४।। नभ व	२५ न	२८ न	२८ यग	१८।। बभव यग	१८ बभव तग	२१ बभव तय	२८।। तय	२६।। त	२२।। नत
	धनि. १,२	२२।। नब वय	२४।। गब वय	२९ बव तय	२६ तय र	१२ गनत यर	२६ तय र	२१ भव तय	७ गभय वनत	१६ गभ वत	२६।। गत	२७ गय	२८ न	१८।। बभ नव	२३।। बभ वय	१९ गबव तभ	२६।। गत	१५।। गन तय	२२।। गय त
कुम्भ	धनि. ३,४	१८ नभ य	२० गभ य	२४।। भत य	२५ तव यर	११ गवय तनर	२५ तव यर	२९।। तय	१५।। गत नय	२४।। तग	१८ गभ वत	१८।। गभ वय	१९।। भव न	२८ न	३३ य	२८।। गत	१८ गभ वत	७ तगभ वनय	१४ गयव भत
	शत. १,२,३,४	२६ भय	१९ भय ग	२६ भय	२६।। यव र	२१ गव तर	१९ नव तर	२२।। नत	२४।। गत	२४।। गत	१८ गभ वत	१८ गभ वत	२४।। भव य	३३ य	२८ न	१९ गन य	८।। गभव नय	१७ गभ वत	१६ गभ वत
	पू.भा. १,२,३	१८।। गभ तय	२६ भय	२० गभ य	२०।। गव यर	२६।। वय र	११ गवत यनर	१५।। नग तय	२६।। तय	३०।। त	२४ भव त	२३ भव तय	२० भग वत	२८।। गत	१९ नग य	२८ न	१७।। नभ व	२२।। भव य	२० भय वत
मीन	पू.भा. ४	११।। गवभव तयर	१९ बभव यर	१३ गबव भयर	१९ गभ य	२५ भय	६।। गभन तय	१५ गबत नय	२६ बव तय	३० बव त	२६।। बत	२८।। बत य	२५।। गब त	१७ गब भत	७।। गबय भतन	१६।। बभ तन	२८ न	३३ य	३०।। यत
	उ.भा. १,२,३,४	२।। यवबर गभनत	१६।। भवब तर	१२ गवर भयब	१८ गय भ	१९ नभ	२१ गभ	२४ गब वत	२२ नब वत	३० बव त	२६।। बत	२६।। बत	१४।। गबत नय	६ गबवन भतय	१६ गबव भत	२१।। बभ तय	३३ य	२८ न	३५
	रेव. १,२,३,४	१२।। बभव तयर	११।। बभत वनर	४।। बभवन तगयर	१०।। नभत यग	२७ भ	२२ भग	२६।। बग व	२६ बव त	२१ नब वत	२०।। नब त	२१।। नब त	२२।। बय तग	१४ बवय भतग	१६ बभव तग	१८ बयभ वत	२६।। यत	३४	२८ न

(ब = वर्णदोष । व वश्यदोष । त = तारादोष । य = योनिदोष । र = राशिदोष । ग = गणदोष । भ = भकूट दोष । न = नाड़ी दोष।)

मंगली दोष विचार

ज्योतिषशास्त्र मेलापक द्वारा दम्पत्ति के आगामी जीवन के सुख-दु:ख, सम्पत्ति, विपत्ति, आय-व्यय तथा आने वाली घटनाओं का मनोवैज्ञानिक एवं तात्त्विक विवेचन करता है। अत: वर-कन्या के शुभ-अशुभ ग्रह योगों की सामञ्जस्यता एवं मित्रता होगी, तो आगामी जीवन सुखमय तथा आनन्दमय होगा। यदि ग्रहों में परस्पर शत्रुता एवं एक की कुण्डली में सौम्यग्रह तथा एक की कुण्डली में अरिष्टकारक ग्रह बैठे हों तो संघर्षमय जीवन के साथ-साथ एक-दूसरे को घातक सिद्ध हो सकते हैं। अत: कुण्डली मिलान के समय अरिष्ट योगों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। यदि वर या कन्या किसी एक की जन्मकुण्डली या चन्द्रकुण्डली से लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या व्यय स्थान में मंगल स्थित हो तो इस प्रकार की कुण्डली मंगली कही जाती है। यदि वर की कुण्डली में उपरोक्त स्थानों में मंगल हो तो कन्या को तथा यदि कन्या की कुण्डली में हो तो वर के लिए नेष्ट होता है।

'लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्याभर्तृविनाशाय भर्ताकन्याविनाशदः॥'

(मुहूर्त्त-संग्रह-दर्पण)

मंगली दोष परिहार-

उपरोक्त कथनानुसार यदि वर-कन्या में से किसी एक की कुण्डली में मंगलीयोगकारक ग्रह स्थित हो तो परस्पर अरिष्टकारक होते हैं, किन्तु 'लोहा लोहे को काटता है' इस तथ्य के अनुसारयदि वर-कन्या दोनों की कुण्डली में समान मंगली योगकारक ग्रह स्थित हों तो दोनों का मंगली दोष कट जाता है, यह ध्यान रहे कि वर के मंगली योग का कन्या से प्रबल होना आवश्यक है। इसी प्रकार यदि एक की कुण्डली में मंगल योगकारक स्थानों १, ४, ७, ८, १२ में हो तथा दूसरे की कुण्डली में इन्हीं स्थानों में मंगल अरिष्ट योगकारक शनि, राहु, केतु आदि पापग्रह स्थित हों तो एक-दूसरे के दोष को नष्ट कर देते हैं-

'शनिभौमोऽथवा कश्चित्-
पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्॥'

(फलित नवरत्न संग्रह)

'यामित्रे च यदा सौरिर्लग्ने वा हिबुके तथा।
अष्टमे द्वादशे चैव भौमदोषो न विद्यते॥''

यदि मेष राशि का मंगल लग्न में, वृश्चिक राशि का चतुर्थ में, मकर राशि का सप्तम में, कर्क राशि का अष्टम में तथा धनु राशि का व्यय स्थान में हो तो मंगल का दोष नहीं होता-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
द्यूने मृगे कर्कि चाष्टौ भौम दोषो न विद्यते॥

अन्य आचार्य के मत में वृष राशि के मंगल को सप्तम भाव तथा कुम्भ राशि के भौम को अष्टम भाव में होने पर भौम दोष नहीं होता-

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके कुजे।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौमदोषो न विद्यते॥

बली गुरु शुक्र के लग्न या सप्तम भाव मे होने पर तथा मंगल के वक्री, नीचस्थ, शत्रुगृही तथा अस्तंगत होने पर भी मंगल का दोष समाप्त हो जाता है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽथवा भौमे।
वक्रनीचारिगृहस्थे वाऽस्तेऽपि न कुजदोषः॥

द्वितीय भाव में चन्द्र और शुक्र स्थित हो, मंगल पर गुरु की दृष्टि हो तथा केन्द्र स्थित राहु मंगल की युति हो, तो मंगली का दोष नहीं होता।

न मंगली चन्द्रभृगुर्द्वितीये,
न मंगली पश्यति यस्य जीवः।
न मंगली केन्द्रगते च राहुर्न-
मंगली मंगलराहुयोगे॥

केन्द्र त्रिकोण में शुभग्रह तथा ३, ६, ११वें भाव में अशुभ ग्रह सप्तमेश स्वगृही हो तो भौम का दोष नहीं होता-

'केन्द्रकोणे शुभाढ्ये च त्रिषडायेऽप्यसद्ग्रहाः।
तदा भौमस्य दोषो न मदने मदनपस्तथा॥'

राशि की मित्रता, गण की ऐक्यता तथा गुणों की बहुलता मंगली दोष को नष्ट कर देती है-

'राशिमैत्रं यदायाति गणैक्यं वा यदा भवेत्।
अथवा गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते॥'

उपरोक्त मंगली दोष परिहार से स्पष्ट है कि रामाचार्य ने बालवैधव्य का विचार करके सावित्री या पीपल के वृक्ष का व्रत कराकर विष्णु की प्रतिमा (शालिग्राम) पीपल वृक्ष या कुम्भ से विवाह के अनन्तर चिरंजीवी वर के साथ विवाह का जो विधान किया है, उसका भी यही तात्पर्य है-

"जन्मोत्थं च विलोक्य बालविधवायोगं विधाय व्रतं,
सावित्र्या उत पैप्पलं हि सुतया दद्यादिमां वा रहः।
सल्लग्नेऽच्युतमूर्तिपिप्पलघटैः कृत्वा विवाह स्फुटं
दद्यातां चिरंजीविनेऽत्र न भवेद्दोषः पुनर्भूभवः॥"

विवाहादिकार्यों में सूर्य, गुरु व चन्द्र का अष्टक वर्ग विचार- विवाहादि शुभ कार्यों में यदि नाम राशि या जन्म राशि से गोचरीय ग्रह शुद्धि प्राप्त न हो तो अष्टकवर्गशुद्धि का विचार करना चाहिए, क्योंकि अष्टकवर्ग द्वारा शुद्ध गुरु, चन्द्र व सूर्य गोचर के अशुद्ध होने पर भी ग्राह्य माने जाते हैं। कहा भी है-

"अष्टकवर्गविशुद्धेषु गुरुशीतांशुभानुषु।
व्रतोद्वाहौ च कर्तव्यौ गोचरेण कदाचन॥"

क्योंकि........

"अष्टकवर्गेण ये शुद्धास्ते शुद्धाः सर्वकर्मसु
सूक्ष्माष्टवर्गसंशुद्धिः स्थूलाशुद्धिस्तु गोचरे"

सूर्याष्टकवर्ग रेखा - ४८

सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.	ल.
१	३	१	३	५	६	१	३
२	६	२	५	६	७	२	४
४	१०	४	६	९	१२	४	६
७	११	७	९	११		७	१०
८		८	१०			८	११
९		९	११			९	१२
१०		१०	१२			१०	
११		११				११	

गुरु का अष्टकवर्ग रेखा - ४९

गु०	शु०	श०	सू०	चं०	मं०	बु०	ल०
१	२	३	१	२	१	१	१
२	५	५	२	५	२	२	२
३	६	६	३	७	४	४	४
४	९	१२	४	९	७	५	५
७	१०		७	११	८	६	६
८	११		८		१०	९	७
१०			९		११	१०	९
११			१०			११	१०
			११				११

चन्द्राष्टकवर्ग रेखा - ५६

च०	मं०	बु०	गु०	शु०	श०	सू०	ल०
१	२	१	१	३	३	३	३
३	३	३	४	४	५	६	६
६	५	४	७	५	६	७	१०
७	६	५	८	७	११	८	११
१०	९	७	१०	९		१०	
११	१०	८	११	१०		११	
	११	१०	१२	११			
		११					

यात्रा मुहूर्त्त का विचार- यात्रा करने में चन्द्रवास, दिक्शूल, योगिनी, चन्द्रबल ये ४ बातें मुख्य विचारणीय हैं, साथ ही तिथि नक्षत्र आदि का भी विचार है। ह०, श्र०, अश्वि०, मृ०, पुष्य, पुन०, ध०, अनु०, रे० नक्षत्र सर्वश्रेष्ठ हैं अत्यावश्यकता में निन्द्य नक्षत्रों (भ०, कृ०, आर्द्रा, आश्ले०, म०, चि०, स्वा०, वि०, ज्ये०) की प्रारम्भ की क्रमश ७-२१-१०-१४-११-४०-१४-१४-१४ घटियां यात्रा में त्याज्य हैं। रो०, तीनों उत्तरा, तीनों पूर्वा, मूल ये नक्षत्र मध्यम माने हैं। कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि में यात्रा शुभ है। जन्मलग्न और जन्म राशि से अष्टम लग्न व नवांश में, कुम्भ लग्न या कुम्भ के नवांश में यात्रा सर्वथा निषिद्ध है।

चन्द्रवास का विचार-

मेषे च सिंहे धनुपूर्वभागे वृषे च-
कन्यामकरे च याम्ये।
युग्मे तुलायां च घटे प्रतीच्यां-
कर्कालिमीने दिशि चोत्तरस्याम्॥१॥

दिशा	पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
राशि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
राशि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन

यात्राफल- यात्रा काल में चन्द्रमा सम्मुख होने पर अर्थलाभ, दक्षिण होने पर सुख-सम्पत्ति, पृष्ठ होने पर मरण तुल्य कष्ट या मरण, वाम होने पर धन की हानि करता है।

'सर्वे दोषाः लयं यान्ति पूर्णचन्द्रे ही सम्मुखे।'

दिशा	सम्मुख	दक्षिण	पृष्ठ	वाम
फल	अर्थलाभ	सुख-सम्पत्ति	मरण	धनक्षय

(महाकष्ट)

यथा **सम्मुखे अर्थलाभाय दक्षिणे सुखसम्पदः।**
पृष्ठतो मरणं चैव वामे चन्द्रे धनक्षयः॥२॥

योगिनी विचार- प्रतिपदा से प्रारम्भ कर पूर्व, उत्तर अग्नि, नैऋत्य, दक्षिण, पश्चिम, वायव्य, ईशान इन दिशाओं में क्रमशः योगिनी का भ्रमण होता है। यह योगिनी यात्रा करने वालों के लिए सम्मुख तथा वाम शुभ नहीं होती। दक्षिण तथा पृष्ठ में रहने पर शुभ होती है।

योगिनीवासचक्र

तिथियाँ	दिशा
१-९	पूर्व
२-१०	उत्तर
३-११	अग्नि
४-१२	नैऋत्य
५-१३	दक्षिण
६-१४	पश्चिम
७-१५	वायव्य
८-३०	ईशान

योगिनीवासचक्रम्

योगिनी का विशेष-विचार- योगिनी के शुभा-शुभत्व के विषय में ज्योतिष ग्रन्थों में दोनों प्रकार के वाक्य उपलब्ध होते हैं। यथा-

योगिनी सम्मुखे द्यूते गमे युद्धे च मृत्युदा।
अशुभा वामभागस्था पृष्ठे दक्षे जयप्रदा॥२॥

(मुहूर्त्त गणपति)

इसके विपरीत शीघ्रबोध में निम्नवाक्य मिलता है।

योगिनी सुखदा वामे पृष्ठे वांछितदायिनी।
दक्षिणे धनहन्त्री च सम्मुखे मरणप्रदा॥२॥

(शीघ्रबोध)

तथा जयदा पृष्ठदक्षस्था मंगदा वामसम्मुखी।
त्रिविधंयोगिनीचक्रम् इत्युक्तं ब्रह्मयामले॥३॥

(स्वरोदय)

मुहूर्त्त चिन्तामणिकार द्वारा-

'सम्मुखवामगा न शस्ता' यह कहा गया है॥४॥

तथा च-

पृष्ठतो दक्षिणे वापि योगिनी गमने हिता।
वामसम्मुखयोर्नेष्टा वायुमेवं विचिन्तयेत्॥५॥

(विजय कल्पलता)

तथा-

वामे शुभकरीदेवी पृष्ठेसर्वार्थदायिनी।
वंशबन्धकरी चाग्रे दक्षिणे मृत्युदायिनी॥७॥

(ज्योतिस्तत्त्व)

इस प्रकार के विरोधी वचनों को देखते हुए मुहूर्त्तचिन्तामणि, मुहूर्त्तगणपति, स्वरोदय एवं विजय कल्पलता के वचनों के आधार पर दक्षिण तथा पृष्ठस्थ योगिनी शुभ एवं वाम और सम्मुखस्य योगिनी को अशुभ माना है।

दिक्शूल-विचार

वार	दिशा
सोम, शनि	पूर्व
सोम, गुरु	आग्नेय
गुरु	दक्षिण
रवि, शुक्र	नैऋत्य
रवि, शुक्र	पश्चिम
मंगल	वायव्य
मंगल, बुध	उत्तर
बुध, शनि	ईशान

आवश्यक कार्य में रविवार में घृतपान, सोम को दूध, मंगल को गुड़, बुध को तिल, गुरु को दधि, शुक्र को यवान्न, शनि को उड़द तेल या तेल की वस्तु का सेवन करके जाना शुभ है।

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर	दिशा
ज्येष्ठा	पू०भा०	रोहिणी	उ०फा०	नक्षत्र

विशेष- यात्रा में घातचन्द्र, शुक्रास्त, जन्मराशीश, जन्मदशेश के अस्त होने पर शुभफल नहीं होता है।

पहली तीर्थ यात्रा गुरु, शुक्र होने पर वर्ज्य है। सिंह राशि का गुरु एवं नीच राशि का गुरुवर्ज्य है।

समयशूल-विचार

पूर्व	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
प्रात:काल	मध्याह्न	सायंकाल	अर्धरात्रि

दिक्शूल परिहार-

'न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ
देवेज्यदैत्येज्यदिवाकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां
सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः॥'

दिशाओं के विभाग से लग्न-विचार

दिशा	शुभ लग्न	मध्यम	भय	महाभय
पूर्व	१-५-९	२-६-१०	४-८-१२	३-७-११
दक्षिण	२-१०-६	३-७-११	१-५-९	४-८-१२
पश्चिम	३-७-११	४-८-१२	२-६-१०	१-५-९
उत्तर	४-८-१२	१-५-९	३-७-११	२-६-१०

प्रस्थान-विचार- यात्रा मुहूर्त्त में विलम्ब होने पर यात्रा के तीन दिन के अन्दर वर्णानुसार यज्ञोपवीतादि वस्तु या मन की सबसे प्रियवस्तु को किसी के यहां रख दें। पुन: यात्रा में जाते समय ले जायें।

गृहारम्भ विचार- नवीन गृहनिर्माण के पूर्व नींव खोदने के उपरान्त इष्टिका स्थापना का विचार करना चाहिए। नींव खनन करते समय राहुमुख का विचार कर राहुमुख के पीछे वाली दिशा से खात (नींव) खनन प्रारम्भ करें।

राहुमुख एवं खातदिशा ज्ञान के लिए चक्र

कोण	ईशा	वायव्य	नैऋत्य	अग्नि
गृहारम्भ	सिंह, कन्या, तुला	वृश्चि., धनु मकर	कुम्भ, मीन मेष	वृष, मिथुन, कर्क
देवालयारम्भ	मीन, मेष वृष	मि०, कर्क सिंह	कन्या, तुला वृश्चिक	धनु, म०, कुम्भ
जलाशयारम्भ	म०, कुम्भ, मीन	मेष, वृष मिथुन	कर्क, सिंह, कन्या	तुला, वृ०, धनु
खातदिशा	आग्नेय	ईशान	वायव्य	नैऋत्य

गृहारम्भ से पूर्व भूमि के शुभाशुभत्व की भी परीक्षा कर लेनी चाहिए। भूमि में एक हाथ चौड़ा एक हाथ लम्बा, एक हाथ गहरा गड्ढा बनाकर रात्रि में उसे जल से भरकर प्रात:काल देखें की यदि जलयुक्त हो तो शुभ, निर्जल हो तो मध्यम, जलहीन के साथ फटी हो तो भूमि अशुभ समझें।

	गृहारम्भ मुहूर्त्त-चक्र	वार	बुध, गुरु, शुक्र, सोम, शनि	त्याज्य	भद्रा, अशुभ योग, अष्टमचन्द्र, चक्र अशुद्धि।
नक्षत्र	तीनों उत्तरा, मृग०, पुष्य, अनु०, ध०, श०, चि०, ह०, स्वा०, रे०, रो०	तिथियाँ	२, ३, ५, ७, १०, ११, १३, १५		
		लग्न	२, ३, ५, ६, ८, ११, १२	विशेष :- शुक्ल पक्ष, गुरु-शुक्र के उदय में गृहराम्भ विशेष शुभ है।	
मास	वै०, श्रा०, मार्ग०, माघ, फाल्गुन इन मासों में। सूर्य क्रमशः १, ४, ५, ८, १०, ११ राशियों में स्थित होने पर।	लग्न शुद्धि	स्वामी की दृष्टि हो, लग्न से १, ४, ७, १०, ५, ९वें शुभ ग्रह, ३, ६, ११वें, पाप ग्रह तथा ८, १२ स्थान शुभ पाप से रहित।	यात्रा में दिन में दिनमान अष्टमांश से, रात्रि में रात्रि के अष्टमांश से वेलाफल बोधक चक्र-	

चतुर्घटिका (चौघड़िया) मुहूर्त्त

घटी	रवि	रवि	सोम	सोम	मंगल	मंगल	बुध	बुध	गुरु	गुरु	शुक्र	शुक्र	शनि	शनि
	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि	दिन	रात्रि
४	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
४	चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
४	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
४	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
४	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
४	शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
४	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
४	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

विशेष - विजयदशमी को बिना मुहूर्त्त के भी यात्रा शुभ है वाम स्वर चलने पर पूर्व व ईशान, दक्षिण स्वर चलते समय दक्षिण व नैर्ऋत्य कोण में जाना अशुभ है।

मन की तीव्र इच्छा भी एक मुहूर्त्त है। मन के निषेध करने पर न जावें। मन के कहने पर बिना मुहूर्त्त भी यात्रा शुभ है। श्वास ग्रहण करते समय वाहन पर पैर रखें तो यात्रा सुरक्षित कहलाती है।

चैत्रादि मास में गृहारम्भ का मास के अनुसार फल

मास	फल
चैत्र	शोक
वैशाख	धान्य
ज्येष्ठ	पशु मरण
आषाढ़	हानि
श्रावण	द्रव्य वृद्धि
भाद्रपद	नाश
आश्विन	शुभ
कार्तिक	मृत्यु
माघ	धन
पौष	श्री प्राप्ति
मार्गशीर्ष	वह्निभय
फाल्गुन	लक्ष्मी लाभ

गृहारम्भ में शिलान्यास (प्रथम इष्टिका स्थापना) पूर्व दक्षिण कोण (अग्निकोण) में करें।

'क्षेत्रभित्तिशिलान्यासस्तम्भस्यारोपणं तथा।
पूर्वदक्षिणयोर्मध्ये कुर्यादित्याह कश्यपः॥'

वत्स चक्र विचार- सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उससे गृहारम्भ नक्षत्र तक अभिजित् सहित गणना करें पुनः चक्रानुसार फल विचारें।

वत्स-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
३	शीर्ष	वह्निभय
४	अग्रिमपाद	रिक्त, अशुभ
४	पृष्ठपाद	स्थिरता
३	पृष्ठ	श्रीलाभ
४	दक्षिण कुक्षि	शुभ लाभ
३	पुच्छ	स्वामिनाश
४	वाम कुक्षि	निर्धनता
३	मुख	अशुभ, कष्ट

अन्य विशेष- पुष्य, ३ उत्तरा, रो०, म०, आश्ले०, पू०षा०, इन नक्षत्रों में, गुरु जिस नक्षत्र पर हो उस नक्षत्र में, गुरुवार को गृहारम्भ पुत्र और लक्ष्मीदायक माना गया है। रो०, ह०, श्र०, उ०फा०, चि०, इनमें बुधाधिष्ठित नक्षत्र में बुधवार को गृहारम्भ पुत्र और सुखप्रद है। वि०, चि०, आ०, आश्ले०, ध०, श० इनमें शुक्राधिष्ठित नक्षत्र में शुक्रवार को गृहारम्भ धनधान्यप्रद होता है।

भूमि शयन- नींव खनन में भूमि शयन का भी विचार करें। सूर्य नक्षत्र से ५, ७, ९, १२, १९, २६ संख्यक नक्षत्रों में भूमि खनन अशुभ है। अत्यावश्यकता में इन नक्षत्रों की ५, ११, ७, ६, २, १० ये घड़ी वर्जित करें।

कुँआ या नल लगाने के लिए- गृह में उत्तर, ईशान, पूर्व व पश्चिम दिशायें श्रेष्ठ है अन्य शुभ हैं।

कुंआ खोदने व नल लगाने के लिए चक्र

दिशा	फल
पूर्व	ऐश्वर्य
अग्नि	सुत हानि
दक्षिण	स्त्री नाश
नैर्ऋत्य	गृहपति नाश
पश्चिम	सम्पत्ति
वायव्य	शत्रुभय
उत्तर	सुख
ईशान	पुष्टि
मध्य	अर्थ हानि

द्वार शाखा (द्वारस्थापन) विचार

द्वार चक्र- सूर्य नक्षत्र से गणना करके चक्र देखकर शुभ फलदायक नक्षत्र में चक्रबल शुद्धि में द्वार (मुख्यद्वार) की स्थापना करें।

द्वारस्थापन-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
४	शिर	श्री प्राप्ति
८	कोण	उद्वसन
८	शाखा	सौख्य
३	देहली	गृहेशनाश
४	मध्य	सौख्य

जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त-चक्र

मास	वै०, ज्ये०, माघ, फाल्गुन
नक्षत्र	तीनों उत्तरा, अनु०, रो०, मृ०, चि०, रे०, इन नक्षत्रों में कुम्भ चक्र शुद्धि होने पर।
वार	चं०, बु, गु०, शु०, श०
तिथियाँ	१, २, ३, ५, ६, ७, ८, १०, ११, १२, १३
लग्न	(२, ५, ८, ११) शुभ (३, ६, ९, १२) मध्यम
लग्न शुद्धि	लग्न से १, २, ३, ५, ७, ९, १०, ११वें स्थानों पर शुभ ग्रह ३, ६, ११ पाप तथा ४, ८ स्थान ग्रह रहित श्रेष्ठ हैं।
जीर्ण	उपरोक्त मास तथा श्रा०, मार्ग०, कार्तिक भी ग्राह्य है। गुरु शुक्रास्त में भी।
गृह-प्रवेश	शत०, पुष्य, स्वाती और धनिष्ठा नक्षत्रों में शुभ है।

जीर्ण व नूतन गृह-प्रवेश मुहूर्त्त विचार- गृह निर्माण के बाद मास, तिथि, वार नक्षत्र, लग्न व चन्द्र तारा शुद्धि में कुम्भचक्रशुद्धि तथा जन्म लग्न व जन्म राशि से प्रवेश लग्न अष्टम से अन्य होने पर दम्पत्ति जलपूर्ण कलश पर पुष्पमाला, पञ्चपल्लव तथा नारिकेल रखकर, गीत-वाद्य ब्राह्मण, कन्या व गौ के सहित गृहप्रवेश करें।

कुम्भ-चक्र- सूर्य नक्षत्र से गणना कर विचार करें।

५	८	८	६
अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

सूर्य नक्षत्र से गृह-प्रवेश तक उक्त चक्रानुसार गणना कर शुभफल के समय में ही प्रवेश करना चाहिए।

स्पष्ट फल ज्ञान के लिए अन्य कुम्भ-चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
१	मुख	अनिग्दाह
४	पूर्व	उद्वसन
४	दक्षिण	लाभ
४	पश्चिम	लक्ष्मीप्राप्ति
४	उत्तर	कलह
४	गर्भ	विनाश
३	अधः	स्थिरता
३	कण्ठ	स्थिरता

दुकान (विपणि) करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	रो०, तीनों उत्तरा, ह०, पुष्य, चि०, रे०, अनु०, मृ०, अश्वि०
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, १०, १२, १३
अन्य	चन्द्रशुद्धि, शुभलग्न

क्रय नक्षत्र- रे०, अ०, शत०, स्वा०, श्र०, चित्रा नक्षत्र बुध तथा रविवार श्रेष्ठ हैं।

विक्रय नक्षत्र- पू०, फा०, पू०षा०, पू०भा०, वि०, चि०, कृ०, आश्ले०, भर० ये सात नक्षत्र गुरुवार और सोमवार श्रेष्ठ हैं।

विशेष- बेचने के नक्षत्रों में खरीदना तथा खरीदने के नक्षत्रों में बेचना हानिप्रद है।

बड़ा व्यापार करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	हस्त, पुष्य, तीनों उत्तरा, चित्रा।
वार	बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, ११, १३

नौकरी करने का मुहूर्त्त- हस्त, चित्रा, अनु०, रे०, अ०, मृ०, पुष्य नक्षत्रों में बुध, गुरु, शुक्र, रवि इन वारों में रिक्ता, अमा०, रहित तिथियों में नौकरी प्रारम्भ करनी श्रेष्ठ है

मुकद्दमा दायर करने का मुहूर्त्त

नक्षत्र	ज्ये०, आर्द्रा०, म०, तीनों उत्तरा, मृ०, आश्ले०, भ०
वार	रवि, बुध, गुरु, शुक्र
तिथि	३, ५, ८, १०, १५
लग्न	३, ६, ७, ८, १२
लग्नशुद्धि	सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र, चन्द्र ये ग्रह १, ४, ७, १० इन स्थानों में, पापग्रह ३, ६, ११ स्थानों पर शुभ हैं। अष्टम स्थान में कोई ग्रह न हो।

विशेष- लग्न में कोई प्रबल पाप ग्रह हो ऐसे लग्न में मुकदमा दायर करना अत्यन्त शुभ है।

मशीनरी चालू करने का मुहूर्त्त

वार	बुधवार, अत्युत्तम है अन्य शुभ वार
नक्षत्र	धनि०, अश्वि०, ह०, चि०, अनु०, पु०, पुष्य, ज्ये०, एवं रेवती।
लग्नशुद्धि	श०, मं०, शु०, श० शुभ स्थानों में हों।
अन्य	शनि की होरा, चन लग्न

गाय बैल आदि पशु लेने का मुहूर्त्त- गाय खरीदने के लिए उ.फा. नक्षत्र से वर्तमान नक्षत्र तक (खरीदने के नक्षत्र तक) गणना करें, वह नक्षत्र ४, ५, २६ या २७वाँ हो तो गाय लेना अशुभ है। शेष सभी नक्षत्रों में गाय खरीदना शुभ है। भैंस लेने के लिए नक्षत्र से गणना करने पर ४, ५, २६, २७वाँ नक्षत्रों को त्याग कर शेष श्रेष्ठ हैं। बैल लेने के लिए उ.फा. से ३-४-२६-२७वें नक्षत्रों को छोड़कर शेष नक्षत्र लाभपद हैं। तिथियों में ९-१४-४ (रिक्ता) तथा मंगलवार को कभी भी पशु न लें।

मन्दिर निर्माण का मुहूर्त्त

मास	माघ, फा०, वै०, ज्ये, मार्ग, पौष
नक्षत्र	पुष्य, तीनों उत्तरा, मृग०, श्र०, अश्वि०, चि०, पुन०, आर्द्रा, ह०, ध०, रो०।

वार	सो०, बु, गुरु, शुक्र
तिथि	२, ३, ५, ७, ११, १२, १३

जलाशयारामसुरप्रतिष्ठामुहूर्त्त

समय	उत्तरायण, गुरु, शुक्र व मंगल के बली होने पर
तिथि	शुक्ल पक्ष की १-२-५-१०-१३-१५ कृष्ण पक्ष की १-२-५ मतान्तर से शुक्लपक्ष की ७-११।
नक्षत्र	पुष्य, तीनों उत्तरा, ह०, रे०, रो०, अश्वि०, मृ०, श्र०, ध०, पुन०, (मतान्तर से चि०, स्वा०, भ०, मू०, अत्यावश्यक होने पर।)
वार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र।
लग्न शुद्धि	२, ३, ५, ९, ११, १२ (लग्न राशियाँ) केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह ३, ६, ११वें पापग्रह, अष्टम शुद्ध हो।
अन्य	पूर्वाह्न, अपने-अपने मास तिथि, नक्षत्र में दक्षिणायन में प्रतिष्ठा के लिए शास्त्राज्ञा। (यथा चतुर्दशी में शंकर चतुर्थी में गणेश) इत्यादि।

प्रतिष्ठामुहूर्त्त- देवतारामवाप्यादिप्रतिष्ठामुत्तरायणे। माघादिपञ्च-मासेषु कृष्णेऽप्यापंचमीदिने। मातृभैरववाहारनारसिंहत्रिविक्रमाः। महिषासुरहन्त्री च स्थाप्या च वै दक्षिणायने।

चुल्लिचक्र विचार

सूर्य जिस नक्षत्र पर हो उस से चन्द्र नक्षत्र (दिन नक्षत्र) तक गणना करके पुनः चक्रानुसार फल का विचार करें।

नक्षत्र संख्या	६	४	८	३	६
फल	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

हल प्रवहण मुहूर्त्त

मृगशीर्ष, रेवती, चित्रा, अनुराधा, रोहिणी, तीनों उत्तरा, हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित्, स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, मघा और विशाखा इन नक्षत्रों में रिक्ता, अमावस्या, षष्ठी और अष्टमी तिथियों को छोड़कर शेष तिथियों में १,५,७,१०,११ इन लग्नों को छोड़कर भूमिशयन एवं भद्रादि का विचार कर हलचक्र शुद्धि होने पर प्रथम बार हल प्रवहण करना श्रेयस्कर होता है।

हल चक्र - सूर्य नक्षत्र से दिन नक्षत्र (चन्द्र नक्षत्र) तक गणना करके निम्न चक्रानुसार शुभाशुभ फल का विचार करें।

नक्षत्र संख्या	३	७	९	८
फल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

बीजवपन मुहूर्त्त

हस्त, अश्विनी, पुष्य, तीनों उत्तरा, रोहिणी, चित्रा, अनुराधा, मृगशीर्ष, रेवती, स्वाती, धनिष्ठा, मघा एवं मूल इन नक्षत्रों में, रिक्ता तिथि, अष्टमी, अमा, भद्रा, क्षीण चन्द्र, तिथिक्षय, सूर्य, मंगल और शनिवार, रात्रि एवं दोनों सन्ध्याओं को छोड़कर राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र के अनुसार बीजवपन शुभ होता है।

राहु नक्षत्र से बीजोप्ति चक्र

नक्षत्र	स्थान	फल
३	शिर	धान्यनाश
३	गला	कालिमा युक्त
१२	उदर	वृद्धि
४	पुच्छ	तुष
५	बाह्य	नाश

औषधसेवन मुहूर्त्त

हस्त, चित्रा, स्वाती पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, अश्विनी, रेवती, अनुराधा, मृगशीर्ष मूल नक्षत्र तथा रविवार व शुभ दिनों (चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र) में रिक्ता, अष्टमी, अमा एवं भद्रा तिथियों को छोड़कर, शुभ ग्रहों के बली होने पर तथा लग्न से ६, ७, ८, १२ भावों के शुद्ध (ग्रहरहित) होने पर औषध निर्माण व सेवन आयुष्यवर्धक एवं शुभ होता है।

वाहन आरोहण मुहूर्त्त

रेवती, अश्विनी, शतभिषा, स्वाती, मृगशीर्ष, चित्रा, पुनर्वसु, श्रवण, हस्त, पुष्य व धनिष्ठा नक्षत्र तथा सूर्य, चन्द्र, बुध, गुरु व शुक्र वारों में, रिक्ता, अमा एवं भद्रा रहित तिथियों में तथा चर लग्नों में प्रथम बार वाहन की सवारी करना शुभ होता है।

ग्रहों के दान, दान समय, जप-संख्या, जपनीय-मन्त्र एवं हवनसमिधा ज्ञानार्थ-चक्र

दान-पदार्थ													दान समय	जप संख्या	जपनीय मन्त्र	हवन समिधा
सूर्य	माणिक	सुवर्ण	ताम्र	गेहूँ	गुड़	घी	रक्तपुष्प	केशर	मूंग	रक्तगी	र.वस्त्र	र. चन्दन	सूर्योदय	७०००	ॐ ह्राँ ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः	अर्क
चन्द्र	मोती	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दही	श्वेतपुष्प	शंख	कर्पूर	श्वेतबैल	श्वे.वस्त्र	श्वे.चन्दन	सन्ध्या	११०००	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्राय नमः	पलाश
भौम	मूंगा	सुवर्ण	ताम्र	मसूर	गुड़	घी	रक्तकेशर	केशर	कस्तूरी	रक्तबैल	रक्तवस्त्र	र.चन्दन	घ.२ शेष दिन	१००००	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः	खदिर
बुध	पन्ना	सुवर्ण	कांसी	मूंग	खांड	घी	सर्वपुष्प	हाथीदांत	कर्पूर	शस्त्र	ह.वस्त्र	फल	घ.५ शेष दिन	१९०००	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः	अ.मार्ग
गुरु	पुखराज	सुवर्ण	कांसी	दा.चना	खांड	घी	पीतपुष्प	हल्दी	पुस्तक	घोड़ा	पीतवस्त्र	पीतफल	सन्ध्या	१९०००	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा	सुवर्ण	रजत	चावल	मिश्री	दूध	श्वेतपुष्प	सुगन्ध	दधि	श्वे.घोड़ा	श्वे.वस्त्र	श्वे.चन्दन	सूर्योदय	६०००	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः	उदुंबर
शनि	नीलम	सुवर्ण	लोहा	उड़द	कुलथी	तेल	कृष्णपुष्प	कस्तूरी	कृष्णांग	भैंस	कृ.वस्त्र	उपानह	मध्याह्न	२३०००	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः	शमी
राहु	गोमेद	सुवर्ण	सीसा	तिल	सरसों	तेल	कृष्णपुष्प	खड्ग	कम्बल	घोड़ा	नी.वस्त्र	शस्त्र	रात्रि	१८०००	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः	दूर्वा
केतु	लसन	सुवर्ण	लोहा	तिल	सप्तधा	तेल	धूम्रपुष्प	नारियल	कम्बल	बकरा	धूम्रवस्त्र	शस्त्र	रात्रि	१७०००	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः	कुशा
मुन्था	भौम	सुवर्ण	चाँदी	चावल	सुवर्ण	घी	श्वेतपुष्प	कपूर	मिश्री	श्वेतवस्त्र	श्वे.चन्दन	हाथीदांत	मुं.काल	मुन्थेशवत्	मुन्थेशमन्त्रवत्	

भारत के प्रमुख नगरों के पलभा, अक्षांश, रेखांश, एवं देशान्तर

(नोट- यहाँ (+) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पूर्व तथा (-) चिह्न का अर्थ दिल्ली से पश्चिम समझना चाहिए)

नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर	नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर
अजमेर	५।५८।१२	२६.२७	७४.४२	-१०.००	गोरखपुर	६।२।५५	२६.४२	८३.२४	+२४.४८
अम्बाला	७।१।२५	३०.२१	७६.५२	-१.२०	गोंडल	४।४१।४१	२१.५५	७०.५३	-२५.२०
अमरावती	४।३५।२५	२०.५६	७७.४८	+२.२४	गौंडा	६।१४।१७	२७.२८	८२.१	+११.१६
अमृतसर	७।२३।१४	३१.३७	७४.५५	-१.०८	गोहाटी	५।५४।१	२६.११	११.४७	+५८.२०
अयोध्या	६।३।४२	२६.४८	८२.१४	+२०.०८	चण्डीगढ़	७।८।४	३०।४४	७६।२५	-३.४८
अलवर	६।१५।५२	२७.३४	७६.३८	-२.१६	चितौड़गढ़	५।३४।१३	२४.५४	७४.४२	-१०.००
अलीगढ़	६।२१।१३	२७.५४	७८.०६	+३.३६	छत्तीसगढ़	४।४३।३७	२१.३०	८२.००	+११.१२
अलीपुर (उ.प्र.)	४।५८।४३	२२.३२	८८.२४	+४४.४८	छपरा	५।४७।४८	२५.४७	८४.११	+२१.५६
अल्मोड़ा	६।४१।१८	२९.३७	७९.४०	+९.५२	जम्मू	७।४२।४१	३२.४४	७४.५४	-१.१२
अहमदनगर	४।१।५	११.५	७४.४८	-१.३६	जबलपुर	५।८।६	२३.१०	७९.५१	+११.०८
अहमदाबाद	५।६।७	२३.२	७२.३७	-१८.२०	जयपुर	६।५।३२	२६.५५	७५.५२	-५.२०
आगरा	६।१।३०	२७.१०	७८.५	+३.३२	जालन्धर	७।१८।३	३१.११	७५.१८	-७.३६
आजमगढ़	५।५१।५७	२६.३	८३.१३	+२४.४	जामनगर	४।५७।३०	२२.२७	७०.५	-२८.२८
आबू	५।३०।३९	२४.४०	७२.४५	-१७.४८	जूनागढ़	४।४३।५१	२१.३१	७०.३६	-२६.२४
आसनसोल	५।१६।३	२३.४२	८७.१	+३९.१६	जोधपुर	५।५५।५१	२६.१८	७३.४	-१६.३२
आनन्द	४।४१।२८	२२.३५	७२.५८	-१६.५६	जौनपुर	५।४७।३३	२५.४६	८२.४४	+२२.८
इटारसी	४।५८।१४	२२.३०	७७.५५	+२.५२	झालावाड़	५।२९।३९	२४.३६	७४.९	-१२.१२
इटावा	६।३।२६	२६.४७	७९.२	+७.२०	झांसी	५।४२।३९	२५.२७	७८.३७	+५.४०
इन्द्रगढ़	५/४७/२	२५.४४	७६.१२	-४.००	टोंक	५।५४।१	२६.११	७५.५०	-५.२८
इन्दौर	५।१।४०	२२.४४	७५.५४	-५.१२	डूंगरपुर	५।१८।३	२३.५०	७३.५०	-१३.२८
इलाहाबाद	५।४२।५५	२५.२८	८१.५४	+१८.४८	तिरुपति	२।५५।४	१३.४०	७९.२०	+८.३२
उज्जैन	५।७।५१	२३.९	७५.४३	-५.५६	तूतीकोरिन	१।५०।४१	८.४५	७८.११	+३.५६
उदयपुर	५।३१।१०	२४.४२	७३.३३	-१४.३६	त्रिवेन्द्रम	१।४७।२३	८.२९	७६.५९	-०.५२
उदयगिरि	३।११।०८	१४.५२	७९.११	+८.२८	त्रिनेवल्ली	१।५०।२३	८.५३	७७.५७	+३.००
उन्नाव	६।३।४२	२६.४८	८०.४३	+१४.०४	थानेसर	६।५८।८	२९.२५	७६.५६	-१.४
एकलिंगजी	५।३१।२५	२४.४३	७३.४३	-१३.५६	दरभंगा	५।५३।४६	२६.१०	८५.५१	+३४.३६
औरंगाबाद	४।२०।२४	११.५३	७५.२३	-७.१६	दिल्ली	६।३३।६	२८.३८	७७.१२	०.००
कटक	४।२८।४३	२०.२८	८५.५४	+३४.४८	द्वारका	४।५४।११	२२.१४	६९.०१	-३२.४४
कन्नौज	६।७।३९	२७.३	७९.५८	+११.०४	देवास	५।५।८	२२.५८	७६.०६	-४.२४
कलकत्ता	४।४९।१३	२२.३४	८८.२४	+४४.४८	देहरादून	७।०१।०१	३०.११	७८.४	+३.२८
करनाल	६।५०।५१	२९.४२	७७.२	-०.४०	धर्मशाला	७।३४।३५	३२.१६	७६.२३	-३.१६
कानपुर	५।५८।२७	२६.२८	८०.२०	+१२.३२	धार	४।५१।२८	२२.३५	७५.२०	-७.२८
किशनगढ़	६।०।१७	२६.३५	७४.५६	-१.४	धरमपुर (गुजरात)	४।२९।४०	२०.३२	७३.१३	-१५.५६
कोटा	५।३८।१८	२५.१०	७५.५२	-५.२०	धौलपुर	६।२।७	२६.४२	७७.५३	+२.४४
कोल्हापुर	३।३६।१	१६.४२	७४.१६	-११.४४	धांगड़ा	५।५।२२	२२.५६	७१.३१	-२२.४४
कांगड़ा	७।३१।२२	३२.०५	७६.१८	-३.३६	नडीआद	५।०।५६	२२.४१	७२.५५	-७.८
खंडवा	४।४८।२८	२१.५०	७६.२३	-३.१६	नवसारी	४।३८।४	२१.७	७२.५५	-१७.८
गया	५।३२।५६	२४.४१	८५.१	+३१.१६	नवलगढ़	६।२०।२५	२७.५१	७५.१६	-७.४४
गढ़वाल	५।५१।५३	३०.१५	७९.३०	+९.१२	नसीराबाद	५।५५।५१	२६.१८	७४.४६	-१.४४
ग्वालियर	५।५४।४८	२६.१४	७८.१०	+३.५२	नागपुर	४।३८।३३	२१.९	७९.९	+७.४८
गाजियाबाद	६।३२।३९	२८.४०	७७.२८	+१.४	नाथद्वार	५।३४।४३	२४.५६	७३.४८	-१३.३६
गाजीपुर	५।४४।२७	२५.३४	८३.३५	+२५.३२	नालंदा	५।३८।२	२५.९	८५.२४	+३२.४८
गंगापुर	५।५८।४३	२६.२९	७६.४५	-१.४८	नासिक	४।२२।३२	२०.२	७३.५०	-१३.२८
गुड़गांव	६।३२।५०	२८.३७	७७.४	-०.३२	नीमच	५।२७।२२	२४.२७	७४.५२	-१.२०
गुरुदासपुर	७।३०।४७	३२.०३	७५.२७	-७.००	नैनीताल	६।४५।२५	२९.२३	७९.३०	+१.१२
गोवा	३।११।४०	१५.३०	७३.५७	-१३.००	पजिम	३।११।४०	१५.३०	७३.५५	-१३.८

नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर	नगर	पलभा	अक्षांश	रेखांश	देशान्तर
पन्ना	५।३१।२५	२४.४३	८०.१२	+१२.००	मथुरा	६।१४।१७	२७.२८	७७.४१	+१.५६
पटना	५।४५।१३	२५.३७	८५.१३	+३२.०४	एटा (कासगंज)	६।१६।०८	२७.३५	७८.४१	+५.५६
पठानकोट	७।३४।५२	३२.१७	७५.४२	-६.००	मद्रास	२।४७।०६	१३.४	८०.१७	+१२.२०
प्रतापगढ़ (राज०)	५।२१।४	२४.२	७४.४५	-९.४८	माणसा	५।१२।४	२३.२६	७२.४०	-१८.८
प्रतापगढ़ (यूपी)	५।४९।२१	२५.५३	८१.५८	+१९.४	मिर्जापुर	५।३८।१८	२५.१०	८२.३७	+२१.४०
पटियाला	७।१।१८	३०.२०	७६.२५	-३.८	मुगलसराय	५।४०।५	२५.१७	८३.११	+२३.५६
प्रयाग	५।४३।२५	२५.३०	८१.५६	+१८.५६	मेरठ	६।३९।२३	२९.१	७७।४५	+२.१२
पानीपत	६।४५।२५	२९.२३	७७.१	-०.४४	राँची	५।११।११	२३.२३	८५.२३	+३२.४४
पांडिचेरी	२।३२।१०	११.५६	७९.५३	-१०.४४	रायबरेली	५।५४।४८	२६.१४	८१.१६	+१६.१६
पीलीभीत	६।३३।०६	२८.३८	७५.५१	-५.२४	रेवाड़ी	६।२६।४	२८.१२	७६.३६	-२.२४
पुरी जगन्नाथ	४।११।१३	१९.४८	८५.५२	+३४.४०	रोहतक	६।३७।२८	२८।५४	७६.३८	-२.१६
पूना	४।०।५५	१८.३०	७३.५८५	-१३.०८	लखनऊ	६।५।३२	२६.५५	८०.५१	+१५.०८
पोर्टब्लेवर	२।२८।५३	११.४१	९२.४३	+६२.४	लद्दाख	७।२९।५४	३२.००	८०.०	+११.०
पोरबन्दर	४।४५।११	२१.३७	६९.४९	-२९.३२	लुधियाना	७।११।२९	३०.५६	७५.५२	-५.२०
फतेहगढ़	६।१२।५७	२७.२३	७९.४०	+९.५२	वाराणसी	५।४०।३६	२५.११	८३.१	+२३.१६
फतेहपुर	५।४९।५२	२५.५५	८०.५२	+१४.४०	वृन्दावन	६।१५।३६	२७.३३	७७.४४	+२.०८
फतेहाबाद	६।४७।३८	२९.३१	७५.२०	-७.२८	शिमला	७।१४।२०	३१.०६	७७.१०	-०.०८
फार्रुखाबाद	६।१३।१३	२७.२४	७९.३७	+९.४०	शिलांग	५।४४।२७	२५.३८	९१.५६	+५८.५६
फैजाबाद	६।३।२६	२६.४७	८२.१२	+२०.००	श्रीगंगानगर	६।५४।३५	२९.५६	७३.५२	-१३.२०
बक्सर	५।४४।२७	२५.३४	८४.१	+२७.१६	श्रीनगर	८।७।२१	३४.६	७४.५१	-९.२४
बड़ौदा	४।५५।१८	२२.१८	७३.१६	-१५.४४	सतना	५।२१।२८	२४.३४	८०.५५	+१४.५२
बद्रीनाथ	७।८।४	३०.४४	७९.३२	+९.२०	सागर	५।१८।३	२३.५०	७८.५०	+६.३२
बम्बई	४।६।४५	१८.५५	७२.५०	-१७.२८	सहारनपुर	६।५५।८	१९.५८	७७.२३	+०.४४
बरेली	६।२८।७६	२८.२२	७९.२७	+९.००	सूरत	४।३९।१६	२१.१२	७२.५२	-१७.२०
बीकानेर	६।२३।६	२८.१	७३.२२	+१५.२०	सोमनाथ	४।३७।२१	२१.४	७०.२६	-२७.०४
बीजापुर	३।३७।५०	१६.५०	७५.४७	-५.४०	हरिद्वार	६।५५।८	२९.५८	७८.१३	+४.०४
बैंगलोर	२।४५।४७	१२.५८	७७.३८	+१.४४	हावड़ा (प०बं०)	४।५१।२८	२२.३५	८८.२३	+४४.४४
भरतपुर	६।१०।४१	२७.१५	७७.३०	+१.१२	हैदराबाद	३।४४।४३	१७.२०	७८.३०	+५.१२
भीलवाड़ा	५।४१।७	२५.२१	७४.३८	-१०.१६	होशियापुर	७।२१।४८	३१.३२	७५.५७	-५.००
भोपाल	५।०१।३५	२३.१६	७७.३६	+१.३६	होशंगाबाद	५।२।१०	२२.४६	७७.४५	+२.१२

लग्नसाधन के लिए पलभा से चरखण्ड तथा स्वदेशीय उदयमान बनाने की विधि:

विद्यापीठ पञ्चाङ्ग में अक्षांश रेखांश सारिणी में दी गई पलभा अथवा पलभा के ज्ञान से पलभा को क्रम से १०।८।१०/३ से गुणा करके अभीष्ट स्थानीय चरखण्ड सिद्ध होगें।

उदाहरण- दिल्ली की पलभ ६।३३।०६

६।३३।०६ X १०=६०।३३०६०=६६ प्रथम चरखण्ड स्वल्पान्तरात्
६।३३।०६ X ८=४८।२६४।४८=५२ द्वितीय चरखण्ड स्वल्पान्तरात्

प्रथम चरखण्ड ६६/३=२२ तृतीय चरखण्ड।

इस प्रकार चरखण्ड का साधन करके केतकर के मत से मेषादि द्वादश राशियों के लंकोदयमान २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९, २७९।२९९।३२२, ३२२।२९९।२७९ तीन-तीन राशियों में मेषादि क्रमोत्क्रम से चरखण्ड का ऋण-धन, धन-ऋण, संस्कार करने पर स्वदेशीय उदयमान सिद्ध होंगे।

लङ्कोदयमान		चरखण्ड		स्वदेशीय उदयमान
मे. २७९ मी.	-	६६	=	मे. २१३ मी.
वृ. २९९ कुं	-	५२	=	वृ. २४७ कुं.
मि. ३२२ म.	-	२२	=	मि. ३०० म.
क. ३२२ ध.	+	२२	=	क. ३४४ ध.
सि. २९९ वृ.	+	५२	=	सिं. ३५१ वृ.
क. २७९ तु.	+	६६	=	क. ३४५ तु.

इस प्रकारस्वदेशीय उदयमान द्वारा "तत्कालार्कः सायनः स्वोदयघ्ना भोग्यांशाः" इत्यादि विधि द्वारा लग्न साधन किया जा सकता है।

लघुरित्थ सारिणी

मि.क्र.	०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	मि.क्र.
↓००		१.३८०२	१.०७९२	९०३१	७७८१	६८१२	६०२१	५३५१	४७७१	४२६०	३८०२	३३८८	३०१०	↓००
१	३.०१५८४	१.३७३०	१.०७५६	१००७	७७६३	६७१८	६००१	५३४१	४७६२	४२५२	३७७५	३३८२	३००४	१
२	२.८५७३	१.३६६०	१.०७२०	८९८३	७७४५	६७८४	५९९८	५३३०	४७५३	४२४४	३७८८	३३७५	२९९८	२
३	२.६८१२	१.३५९०	१.०६८५	८९५१	७७२८	६७६१	५९८५	५३२०	४७४४	५३३६	३७८०	३३६८	२९९२	३
४	२.५५६३	१.३५२२	१.०६४९	८९३५	७७१०	६७५५	५९७३	५३१०	४७३५	४२२८	३७७३	३३६२	२९५६	४
५	२.४५९४	१.३४५४	१.०६१४	८९१२५	७६९२	६७४१	५९४१	५३००	४७२६	४२२०	३७६६	३३५५	२९८०	५
६	२.३८०२	१.३३८८	१०.०५८०	८८८८	७६७४	६७२६	५९४९	५२८९	४७१७	४२१२	३७५९	३३४९	२९७४	६
७	२.३१३३	१.३२२३	१.०५४६	८८६५	७६५७	६७१२	५९३७	५२७९	४७०८	४२०४	३७५२	३३४२	२९६८	७
८	२.२५५३	१.३२५८	१.०५११	८८४२	७६३८	६६९८	५९२५	५२६९	४६९९	४१९६	३७४५	३३३६	२९६२	८
९	२.२०४१	१३१९५	१.०४७८	८८१९	७६२२	६६८४	५९१३	५२५९	४६९०	४१८८	३७३७	३३२९	२९५६	९
१०	२.१५८४	१.३१३३	१.०४४४	८७९६	७६०४	६६७०	५९०२	५२४९	४६८२	४१८०	३७३०	३३२३	२९५०	१०
११	२.११७०	१.३०७१	१.०४११	८७७३	७५८७	६६५६	५८९०	५२३९	४६७३	४१७२५	३७२३	३३१६	२९४४	११
१२	२.०७९२	१.३०१०	१.०३७८	५७५१	७५७०	६६४२	५८७८	५२२९	४६६४	४१६४	३७१६	३३१०	२९३८	१२
१३	२.०४४४	१.२९५०	१.०३४५	८७२८	७५५२	६६२८	५८६६	५२१९	४६५५	४१५६	३७०९	३३०३	२९३३	१३
१४	२.०१२२	१.२८९१	१.०३१३	८७०६	७५१८	६६००	८५४३	५१९९	४६३८	४१४१	६३९५	३२९१	२९२१	१४
१५	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८९	४६२९	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	१५
१६	१.९५४२	१.२७७५	१.०२४८	८६६१	७५०१	६५८७	५८३२	५१८९	४६२९	४१३३	३६८८	३२८४	२९१५	१६
१७	१.९२७९	१.२७११	१.०२१६	८६३९	७४८४	६५७३	५८२०	५१७९	४६२०	४१२५	३६८१	१२७८	२९०८	१७
१८	१.९०३१	१.२६६३	१.०१८५	७६१७	७४६७	६५५९	५८०९	५१६९	५६११	४११७	३६७४	३२७१	२९०३	१८
१९	१.८७९६	१.२६०७	१.०१५३	८५९५	७४५१	६५४६	५७९७	५१५९	४६०३	४१०९	३६६७	३२६५	२८९७	१९
२०	१.८५७३	१.२५५३	१.०१२२	८५७३	७४३४	६५३२	५७८६	५१४९	४९०२	४१०२	३६६०	३२५८	२८९१	२०
२१	१.८३६१	१.२४९९	१.००९१	८५५२	७४१७	६५१९	५७७४	५१३९	४५८५	४०९४	३६५३	३२५२	२८८५	२१
२२	१.८१५९	१.२४४५	१.००६१	८५३०	७४०१	६५०५	५७६३	५१२९	४५७७	४०८६	३६४६	३२४६	२८८०	२२
२३	१.७९६६	१.२३९३	१.०४३०	८५०९	७३८४	६४९२	५७५२	५१२०	४५६८	४०७९	३६३९	३२३९	२८७४	२३
२४	१.७७८१	१.२३४१	१.००००	८४८७	७३६८	६४७८	५७४०	५११०	४५५९	४०७१	३६३२	३२३३	२८६८	२४
२५	१.७६०४	१.२२८९	०.९९७०	८४६६	७३५१	६४६५	५७२९	५१००	४५५१	४०६३	३६२५	३२२७	२८६३	२५
२६	१.७४३४	१.२२३९	०.९९४०	८४४५	७३३५	६४५१	५७१८	५०९०	४५४२	४०५५	३६१८	३२२०	२८५६	२६
२७	१.७२७०	१.२१८८	०.९९१०	८४२४	७३१८	६४३८	५७०६	५०८१	४५३४	४०४८	३६११	३२१४	२८५०	२७
२८	१.७११२	१.२१३९	०.९८८१	८४०३	७३०२	६४२५	५६९५	५०७१	४५२५	४०४०	३६०४	३२०८	२८४५	२८
२९	१.६९६०	१.२०९०	०.९८५२	८३८२	७२८६	६४१२	५६८४	५०६१	४५१६	४०३२	३५९७	३१०१	२८३९	२९
३०	१.६८१२	१.२०४१	०.९८२३	८३६१	७२७०	६३९८	५६७३	५०५१	४५०८	४०२५	३५९०	३१९५	२८३३	३०
३१	१.६६७०	१.१९९३	०.९७९४	८३४१	७२५४	६३८५	५६६२	५०४२	४४९९	४०१७	३५८३	३१८९	२८२७	३१
३२	१.६५३२	१.१९४६	०.९७६५	८३२०	७२३८	६३७२	५६५१	५०३२	४४९१	४०१०	३५७६	३१८३	२८२१	३२
३३	१.६३९८	१.१८९९	०.९७३७	८३००	७२२२	६३५९	५६४०	५०२३	४४८२	४००२	३५७०	३१७६	२८१६	३३
३४	१.६२६९	१.१८५२	०.९७०८	८२७९	७२०६	६३४६	५६२९	५०१३	४४६६	३९९४	३५६३	३१७०	२८१०	३४
३५	१.६१४३	१.१८०६	०.९६८०	८२५९	७१९०	६३३३	५६१८	५००३	४४६६	३९८७	३५५६	३१६४	२८०४	३५
३६	१.६०२१	१.१७६१	०.५६५२	८२३९	७१७४	६३२०	५६०७	४९९४	४४५७	३९७९	३५४९	३१५७	२७९८	३६
३७	१.५९०२	१.१७१६	०.९६२५	८२६९	७१५९	६३०७	५५९६	४९८४	४४४९	३९७२	३५४२	३१५१	२७९३	३७
३८	१.५७८६	१.१६७१	०.९५९७	८१९९	७१४३	६२९४	५५८५	४९७५	४४४०	३९६४	३५३५	३१४५	२७८७	३८
३९	१.५६७३	१.१६२७	०.९५७०	८१७९	७१२८	६२८२	५५७४	४९६५	४४३२	३९५७	३५२९	३१३९	२७८१	३९
४०	१.५५६३	१.१५८४	०.९५४२	८१५९	७११२	६२६९	५५६३	४९५६	४४२४	३९४९	३५२२	३१३३	२७७५	४०
४१	१.५४५६	१.१५४०	०.९५१५	८१४०	७३१७	६२५६	५५५२	४९४७	३९४२	३९४२	३५१५	३१२६	२७७०	४१
४२	१.५३५१	१.१४९८	०.९४८८	८१२०	७०८१	६२४३	५५४१	४९३७	४४०७	३९३४	३५०८	३१२०	२७६४	४२
४३	१.५२४९	१.१४५५	०.९४६२	८१०१	७०६६	६२३१	५५३१	४९२८	४३९९	३९२७	३५०१	३११४	२७५८	४३
४४	१.५१४९	१.१४१३	०.९४३५	८०८१	७०५०	६२१८	५५२०	४९१८	४२९०	३९१९	३४९५	३१०८	२७५३	४४
४५	१.५०५१	१.१३७२	०.९४०९	८०६३	७०३५	६२०५	५५०९	४९०९	४३८२	३९१२	३४८८	३१०२	२७४७	४५
४६	१.४९५६	१.१३३१	०.९३८३	८०४३	७०२०	६१९३	५४९८	४९००	४३७४	३९०५	३४८१	३०९६	२७४१	४६
४७	१.४८६३	१.१२९०	०.९३५६	८०२३	७००५	६१८०	५४८८	४८९०	४३६५	३८९७	३४७५	३०८९	२७३६	४७
४८	१.४७७१	१.१२४९	०.९३३०	८००४	६९९०	६१६८	५४७७	४८८१	५३५७	३८९०	३४६८	३०८३	२७३०	४८
४९	१.४६८२	१.१२०८	०.९३०५	७९८५	६९७५	६१५५	५४६६	४८७२	४३४९	३८८२	३४६१	३०७७	२७२४	४९
५०	१.४५९४	१.११७०	०.९२७९	७९६६	६९६०	६१४३	५४५६	४८६३	४३४१	३८७५	३४५४	३०७१	२७१९	५०
५१	१.४५०८	१.११३०	०.९२५४	७९४७	६९४५	६१३१	५४४५	४८५३	५३३३	३८६८	३४४८	३०६५	२७१३	५१
५२	१.४४२४	१.१०९१	०.९२२८	७९२९	६९३०	४११८	५४३५	४८४४	४३२४	३८६०	३४४१	३०५१	२७०७	५२
५३	१.४३४१	१.१०५३	०.९२०३	७९१०	६९१५	६१०६	५४२४	४८३५	४३१६	३८५३	३४३४	३०५३	२७०२	५३
५४	१.४२६०	१.१०१५	०.९१७८	७८९१	६९००	६०९४	५४१४	४८२६	४३०८	३८४६	३४२८	३०४७	२६९६	५४
५५	१.४१८०	१.०९७७	०.९१५३	७८७३	६८८५	६०८१	५४०३	४८१७	४३००	३८३८	३४२१	३०४१	२६९१	५५
५६	१.४१०२	१.०९३९	०.९१२८	७८५४	६८७१	६०६९	५३९३	४८०८	४२९२	३८३१	३४१५	३०३४	२६८५	५६
५७	१.४०२५	१०.९०२	०.९१०४	७८३६	४८५६	६०५७	५३८२	४७९८	४२८४	३८२४	३४०८	३०२८	२६७९	५७
५८	१.३९४९	१.०८६५	०.९०७९	७८१८	६८४१	६०४५	५३७२	४७८९	४२७६	३८१७	३४०१	३०२२	२६७४	५८
५९	१.३८७५	१.०८२८	०.९०५५	७८००६	६८२७	६०३३	५३६१	४७८०	४२६८	३८०९	३३९५	३०१६	२६६८	५९

लघुरित्थ सारिणी

मि.क्र.	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	मि.क्र.
↓ ००	२६६३	२३४१	२०४१	१७६१	१४९८	१२४९	१०१५	०७९२	०५८०	०३७८	०१८५	↓ ००
१	२६५२	२३३०	२०३६	१७५६	१४९३	१२४५	१०११	०७८८	०५७७	०३७५	०१८२	१
२	२६५२	२३३०	२०३२	१७५२	१४८९	१२४१	१००७	०७८५	०५७३	०३७१	०१७९	२
३	२६४६	२३२५	२०२७	१७४७	१४८५	१२३७	१००३	०७८१	०५७०	०३६८	०१७५	३
४	२६४०	२३२०	२०२२	१७४४३	१४८१	१२३३	०९९९	०७७७	०५६६	०३६५	०१७२	४
५	२६३५	२३१५	२०१७	१७३८	१४७६	१२२९	०९९६	०७७४	०५६३	०३६१	०१६९	५
६	२६२९	२३१०	२०१२	१७३४	१४७२	१२२५	०९९२	०७७०	०५५९	०३५८	०१६६	६
७	२६२४	२३०५	२००८	१७२९	१४६८	१२२१	०९८८	०७६७	०५५६	०३५५	०१६३	७
८	२६१८	२३००	२००३	१७२५	१४६४	१२१७	०९८४	०७६३	०५५२	०३५२	०१६०	८
९	२६१३	२२९५	१९९८	१७२०	१४५९	१२१३	०९८०	०७५९	०५४९	०३४८	०१५७	९
१०	२६०७	२२८९	१९९३	१७१६	१४५५	१२०९	०९७७	०७५६	०५४६	०३४५	०१५४	१०
११	२६०२	२२८४	१९८८	१७११	१४५१	१२०५	०९७३	०७५२	०५४२	०३४२	०१५०	११
१२	२५९६	२२७९	१९८४	१७०७	१४४७	१२०१	०९६९	०७४९	०५३९	०३३९	०१४७	१२
१३	२५९१	२२७४	१९७४	१६९८	१४३८	११९३	०९६२	०७४१	०५३२	०३३२	०१४१	१३
१४	२५८५	२२६९	१९७४	१६९८	१४३८	११९३	०९६२	०७४१	०५३२	०३३२	०१४१	१४
१५	२५८०	२२६४	१९६९	१६९४	१४३४	११९०	०९५८	०७३८	०५२५	०३२९	०१३८	१५
१६	२५७४	२२५९	१९६५	१६८९	१४३०	११८६	०९५४	०७३४	०५२५	०३२६	०१३५	१६
१७	२५६९	२२५४	१९६०	१६८५	१४२६	११८२	०९५०	०७३१	०५२२	०३२२	०१३२	१७
१८	२५६४	२२४९	१९५५	१६८०	१४२२	११७८	०९४७	०७२७	०५१८	०३१९	०१२९	१८
१९	२५५८	२२४४	१९५०	१६७६	१४१७	११७४	०९४३	०७२४	०५१५	०३१६	०१२६	१९
२०	२५५३	२२३९	१९४६	१६७१	१४१३	११७०	०९३९	०७२०	०५१२	०३१३	०१२२	२०
२१	२५४७	२२३४	१९४१	१६६७	१४०९	११६६	०९३५	०७१६	०५०८	०३०९	०११९	२१
२२	२५४२	२२२९	१९३६	१६६२	१४०५	११६२	०९३२	०७१३	०५०५	०३०६	०११६	२२
२३	२५३६	२२२३	१९३२	१६५८	१४०१	११५८	०९२८	०७०९	०५०१	०३०३	०११३	२३
२४	२५३१	२२१८	१९२७	१६५४	१३९७	११५४	०९२४	०७०६	०४९८	०३००	०११०	२४
२५	२५२६	२२१३	१९२२	१६४९	१३९२	११५०	०९२०	०७०२	०४९५	०२९६	०१०७	२५
२६	२५२०	२२०८	१९१७	१६४५	१३८८	११४६	०९१७	०६९९	०४९१	०२९३	०१०४	२६
२७	२५१५	२२०३	१९१३	१६४०	१३८४	११४२	०९१३	०६९५	०४८८	०२९०	०१०१	२७
२८	२५०९	२१९८	१९०८	१६३६	१६८०	११३८	०९०९	०६९२	०४८४	०२८७	००९८	२८
२९	२५०४	२१९३	१९०३	१६३२	१३७६	११३४	०९०६	०६८८	०४८१	०२८४	००९५	२९
३०	२४९९	२१८८	१८९९	१६२७	१३७२	११३०	०९०२	०६८५	०४७८	०२८०	००९१	३०
३१	२४९३	२१८३	१८९८	१६२३	१३६८	११२७	०८९८	०६८१	०४७४	०२७७	००८८	३१
३२	२४८८	२१७८	१८८९	१६१८	१३६४	११२२	०८९४	०६७८	०४७१	०२७४	००८५	३२
३३	३४८३	२१७३	१८८५	१६१४	११५१	११११	०८९१	०६७४	०४६८	०२७१	००८२	३३
३४	२४७७	२१६८	१८८०	१६१०	१३५५	१११५	०८८७	०६७१	०४६४	०२६७	००७९	३४
३५	२४७२	२१६४	१८७५	१६०५	१३५१	११११	०८८३	०६६७	०४६१	०२६४	००७६	३५
३६	२४६७	२१५९	१८७१	१६०१	१३४७	११०७	०८८०	०६४३	०४५८	०२६१	००७३	३६
३७	२४६१	२१५४	१८६६	१५९८	१३४३	११०३	०८७६	०६६०	०४५४	०२५८	००७०	३७
३८	२४५६	२१४९	१८६२	१५९२	१३३९	१०९९	०८७२	०६५६	०४५१	०२५५	००६७	३८
३९	२४५१	२१४४	१८५७	१५८८	१३३५	१०९५	०८६९	०६५३	०४४८	०२५१	००६४	३९
४०	२४४५	२१३९	१८५२	१५८४	१३३१	१०९१	०८६५	०६४९	०४४४	०२४८	००६१	४०
४१	२४४०	२१३४	१८४८	१५७९	१३२६	१०८८	०८६१	०६४६	०४४१	०२४५	००५८	४१
४२	२४३५	२१२९	१८४३	१५७५	१३२२	१०८४	०८५७	०६४२	०६३८	०२४२	००५५	४२
४३	२४३०	२१२४	१८३८	१५७१	१३१८	१०८०	०८५४	०६३९	०४३४	०२३९	००५२	४३
४४	२४२४	२११९	१८३४	१५६६	१३१४	१०७६	०८५०	०६३५	०४३१	०२३६	००४९	४४
४५	२४१६	२११४	१८२९	१५६२	१३१०	१०७२	०८४७	०६३२	०४२८	०२३२	००४६	४५
४६	२४१४	२१०९	१८२५	१५५८	१३०६	१०६८	०८४३	०६२८	०४२४	०२२९	००४२	४६
४७	२४०९	२१०४	१८३०	१५५३	१३०२	१०६४	०८३९	०६२५	०४२१	०२२६	००३९	४७
४८	२४०३	२०९९	१८१६	१५४९	१२९८	१०६१	०८३५	०६२२	०४१८	०२२३	००३६	४८
४९	२३९८	२०९५	१८११	१५४५	१२९४	१०५	०८३२	०६१८	०४१४	०२२०	००३३	४९
५०	२३९३	२०९०	१८०६	१५४०	१२९०	१०५३	०८२८	०६१५	०४११	०२१६	००३०	५०
५१	२३८८	२०८५	१८०२	१५३६	१२८६	१०४९	०८२५	०६११	०४०८	०२१३	००२७	५१
५२	२३८३	२०८०	१७९७	१५३२	१२८२	१०४५	०८२१	०६०८	०४०४	०२१०	००२४	५२
५३	२३७७	२०७५	१७९३	१५२८	१२७८	१०४१	०८१७	०६०४	०४०१	०२०७	००२१	५३
५४	२३७२	२०७०	१७८८	१५२३	१२७४	१०३८	०८१४	०६०१	०३९८	०२०४	००४८	५४
५५	२३६७	२०६५	१७८४	१५१९	१२७०	१०३४	०८१०	०५९७	०३९४	०२०१	००१५	५५
५६	२३६२	२०६१	१७७९	१५१५	१२६६	१०३०	०८०६	०५९४	०३९१	०१९७	००१२	५६
५७	२३५६	२०५६	१७४	१५१०	१२६१	१०२६	०८०३	०५९०	०३८८	०१९४	०००९	५७
५८	२३५१	२०५१	१७७०	१५०६	१२५७	१०२२	०७९९	०५८७	०३८४	०१९१	०००६	५८
५९	२३४६	२०४६	१७६५	१५०२	१२५३	१०१८	०७९५	०५८३	०३८१	०१८८	०००३	५९

लघुरित्थ सारिणी द्वारा ग्रह स्पष्ट करने की विधि- लघुरित्थ से ग्रह स्पष्ट करने के लिए पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट के भारतीय स्टैण्डर्ड समय तथा जन्म समय के भारतीय स्टैण्डर्ड समय का अन्तर करने पर घण्टों मिनिटों में चालन आता है। यदि जन्म समय पञ्चाङ्ग में दिए गए ग्रह स्पष्ट समय से कम हो तो चालन ऋण, अधिक होने पर धन होता है। इस प्रकार सारिणी में घण्टे के नीचे तथा मिनिटों के सामने का चालन दशमलवात्मकलघुरित्थ लेकर तथा अभीष्ट ग्रह की दैनिक गति यदि अंशात्मक हो तो अंश के नीचे तथा कला के सामने के दशमलवात्मक लघुरित्थ को लेकर चालन में लघुरित्थ में जोड़ने पर जो प्राप्त हो, वह सारिणी में जिस अंश के नीचे तथा जिस कला के सामने मिले वही चालन फल होगा। यदि चालन ऋण हो तो पञ्चाङ्ग के ग्रह स्पष्ट में ऋण तथा यदि धन हो धन करने पर जन्मकालीन ग्रह स्पष्ट होगा। यह ध्यान रहे, कि सारिणी में घण्टे या अंश तथा मिनिट या कला का लघुरित्थ एक ही आता है, तथा जहाँ (३ अंश के नीचे से अन्त तक) लघुरित्थ के आगे दशमलव नहीं दिए गए हैं वहाँ दशमलव सहित लेना चाहिए, जैसे ९०३१ के स्थान पर ०९०३१ इत्यादि।

अभीष्ट स्थान के सूर्योदय तथा इष्टकाल बनाने की विधि

अभीष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदयकाल की आवश्यकता होती है, क्योंकि सूर्योदय से जन्मकाल तक के समय को इष्टकाल कहते है, या यूं कहिए कि जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय घटाने पर इष्टकाल बनता है, अतः किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड बनाने की विधि यहां दी जा रही है।

मान लीजिए १९ दिसम्बर १९८५ को स्टैण्डर्ड समय प्रातः १० बजकर २० मिनट पर दिल्ली का इष्टकाल निकालने के लिए यहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है-

किसी भी स्थान का सूर्योदय बनाने के लिए वहां के अक्षांस उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर, रेखांश तथा रेखान्तर की आश्वयकता होती है। छः घण्टे में चर का संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय, तथा पञ्चाङ्ग की सारिणी से वेलान्तर तथा रेखान्तर का विपरीत संस्कार अर्थात् यदि दोनों की ऋण हों तो धन, तथा धन हो तो ऋण करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

दिल्ली का अक्षांश=२८°।३८', १९ दिसम्बर की क्रान्ति दक्षिणा=२३°।२५', वेलान्तर+३ मिनट, रेखांश ७७°।१२', रेखान्तर मि० २१ से. १२ ऋणात्मक है।

चरसाधन- उपरोक्त उपकरणों द्वारा पञ्चाङ्ग की चर सारिणी से अक्षांश तथा क्रान्ति के संस्कार से चर मिनिट लाने हैं। दिल्ली के अक्षांश २८°।३८' के सामने तथा कान्त्यंश २२° के नीचे चर मिनिट ५१ एवं २४° के नीचे मि० ५६ से. १८ लिखे हैं, किन्तु अभीष्ट चर क्रान्ति २३°।२५' का लाना है, अतः चर मिनिटादि दो अंशों के अन्तर पर होने के कारण अभीष्ट चर मिनिटादि लाने के लिए अनुपात किया:-

यदि दो क्रान्त्यंशो के अन्तर में चर ५ मिनिट १८ से. मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर २३°।२५'-२२°।००=१°।२५' में क्या ?

$$\frac{\text{मि० ५ से० १८} \times 1^\circ।25'}{2^\circ}$$ स्वल्पान्तरात् ४ मिनिट

इसको २२° क्रान्त्यंश के चर मिनिट ५१, में जोड़ने पर ५५ मिनिट अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि-

चर का साधन करके यदि उत्तरा क्रान्ति तथा उत्तरी अक्षांश हो, तो चर मिनिटादि ६ घण्टे में ऋण करने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो, तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर, इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति दक्षिण अक्षांश हो तो ६ घण्टे में चर मिनिटादि धन करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा। भारतवर्ष में सर्वत्र अक्षांश उत्तर दिशा के ही हैं। अतः भारतवर्ष में २१ मार्च से २२ सितम्बर तक चर मिनिटों का ६ घण्टे में घटाने पर तथा २३ सितम्बर से २० मार्च तक चर मिनिटों को ६ घण्टे में जोड़ने पर स्थानीय समय अर्थात् धूप घड़ी (स्थानीय) का सूर्योदय काल ज्ञात होता है। उसमें मध्यमान्तर और वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैण्डर्ड समय में सूर्योदय काल प्राप्त होता है। अभीष्ट स्थानीय सूर्योदय साधन हेतु चर संस्कार ज्ञान के लिए चक्र:-

उत्तरी अक्षांश		दक्षिणी अक्षांश	
उत्तरा क्रान्ति	दक्षिणा क्रान्ति	उत्तरा क्रान्ति	दक्षिणा क्रान्ति
घं. ६- चर मि. = स्था. सूर्योदय	घं. ६ + चर मि. = स्था. सूर्योदय	घं. ६ + चर मि. = स्था. सूर्योदय	घं. ६- चर मि. = स्था. सूर्योदय

१९ दिसम्बर को क्रान्ति दक्षिणा है, तथा अक्षांश उत्तरी है, अतः घं. ६+मि. ५५= घं. ६ मि. ५५=स्थानीय सूर्योदय।

इस दिन वेलान्तर+ ३ मिनट हैं, अत: स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५५ - मि.३ । = घं. ६ मि. ५२ = स्था. मध्यम सूर्योदय तथा रेखान्तर- मि. २१ सें. १२ का विपरीत संस्कार करने पर घं. ६ मि. ५२+मि. २१ सें. १२= घं. ७ मि. १३ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय होगा।

सीनीय सूर्योदय	= ६/५५/००		मि./सें.
स्पष्टान्तर	= +१८/१२	मध्यमान्तर =	-२१/१२
स्टैं० समय सूर्योदय काल का	= ७/१३/१२	वेलान्तर =	+ ३/००
		सपष्टान्तर =	-१८/१२

स्पष्टान्तर द्वारा स्थानीय सूर्योदय से स्टैं. सूर्योदय, स्टै. सूर्योदय से स्थानीय सूर्योदय तथा स्टैं० समय से स्थानीय समय बनाने की विधि :-

स्पष्टान्तर साधन-

यदि रेखान्तर तथा वेलान्तर दोनों ऋण हो तो दोनों का योग करने पर ऋण (-) स्पष्टान्तर एवं दोनों धन हो तो दोनो का योग करने पर धन (+) स्पष्टान्तर तथा यदि एक संख्या धन एक ऋण हो तो अधिक संख्या में से घटाने पर अधिक संख्या वाला चिह्न लगाने पर स्पष्टान्तर होता हैं।

जैसे :- रेखान्तर-मि० २१ से० १२, वेलान्तर + मि० ३

अत: स्पष्टान्तर = -मि० २१ से० १२+मि० ३ = -मि० १८ से० १२

इस स्पष्टान्तर का स्टैं. सूर्योदय में यथावत् संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय होगा।

स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२ - स्पष्टान्तर मि. १८ से. १२ = स्थानीय सूर्योदय घं. ६ मि. ५५

इसी प्रकार स्टैं. समय में स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर स्थानीय समय होगा।

स्टैं. समय घं. १० मि. २०-मि. १८ से. १२= घं. १० मि. १ से. ४८ = स्थानीय समय।

इसके विपरीत स्थानीय सूर्योदय में स्पष्टान्तर का विपरीत संस्कार करने पर स्टैं० सूर्योदय तथा स्थानीय समय में संस्कार विपरीत करने पर स्टैं० समय होगा।

स्थानीय सूर्योदय घं० ६ मि. ५५+मि. १८ से. १२ = स्टैं. सूर्योदय घं. ७ मि. १३ से. १२

स्था. समय घं. १० मि. १ से. ४८+मि. १८ से. १२ = स्टैं. समय घं १० मि. २०

इस प्रकार स्टैं. जन्म समय में स्टैं. सूर्योदय अथवा स्थानीय समय में स्थानीय सूर्योदय घटाने पर घण्टा मिनट में इष्टकाल तथा उसे २॥ से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल होता है।

यह ध्यान रहे कि यदि जन्म समय स्टैण्डर्ड हो तो सूर्योदय भी स्टैण्डर्ड तथा यदि जन्म समय स्थानीय हो तो सूर्योदय भी स्थानीय होना चाहिए।

स्थानीय समय तथा स्थानीय सूर्योदय से एवं स्टैं. समय तथा स्टैं. सूर्योदय से इष्टकाल साधन-

	घं. । मि. । से.		घं. । मि. । से.
स्टैं. जन्म समय	= १० । १२ । ००	स्थानीय जन्म समय	= १० । ०१ । ४८
स्टैं. सूर्योदय	= -७ । १३ । १२	स्थानीय सूर्योदय	= -६ । ५५ । ००
घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल	= ३ । ०६ । ४८	घण्टा मिनटात्मक इष्टकाल	= ३। ०६। ४८
अढ़ाई से गुणा करने पर	= X २ ॥	अढ़ाई से गुणा करने पर	= X २ ॥
	घं. । प. । वि.		घं. । प. । वि.
	७ । ३० । ००		७ । ३० । ००
	१५ । ००		१५ । ००
	७ । ४५ । ००		७ । ४५ । ००
घटीपलात्मक इष्टकाल	= ७/४५/००	घटीपलात्मक इष्टकाल	= ७/४५/००

✷ विभिन्न अंगों पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने का फल एवं उपचार ✷

शरीर पर पल्ली (छिपकली/किरली) गिरने पर उस समय जो वस्त्र पहने हो उन वस्त्रों सहित स्नान करना चाहिए। जन्म नक्षत्र, दग्धा-तिथि, मृत्युयोग, पापग्रहयुक्त लग्न एवं अष्टम चन्द्रमा में पल्ली पतन अरिष्ट फलदायक होता है, अतः उसकी शान्ति के लिए पञ्चगव्य से स्नान कर छायापात्रदान, महामृत्युञ्जय का जाप, होमादि करना श्रेयस्कर होता है।

पल्ली-पतन के शुभ तिथि, वार एवं नक्षत्र :-

✷ अङ्ग विभागवश पल्ली-पतनफल जानने के लिए चक्र ✷

अङ्ग	फल	अङ्ग	फल	अङ्ग	फल	अङ्ग	फल
मस्तक	राज्यलाभ	कण्ठ	शत्रुनाशक	पृष्ठ मध्य	झगड़ा	कटिप्रदेश	रोग-भय
कपाल	ऐश्वर्य प्राप्ति	दक्षिण-भुज	मान-सम्मान	दक्षिण-पृष्ठ	सुखलाभ	दक्षिण जङ्घा	धन हानि
नासिकाग्र	व्याधि	वाम-भुज	राज-भय	वाम-पृष्ठ	रोग-भय	वाम जङ्घा	पुत्र-लाभ
मुख-प्रदेश	मिष्ठान-भोजन	दक्षिण-स्कन्ध	सफलता	दक्षिण-हस्त	धन-लाभ	गुदा	रोग-भय
दक्षिण-कर्ण	आयु-वृद्धि	वाम-स्कन्ध	शत्रुभय	वाम-हस्त	धन-हानि	गुप्ताङ्ग	मित्र-प्राप्ति
वाम-कर्ण	भूषण लाभ	स्तन-प्रदेश	दौर्भाग्य	नाभि-प्रदेश	पुत्र-प्राप्ति	दक्षिण-पाद	यात्रा
				हृदय	यश-प्रप्ति	वाम-पाद	रोग भय

अङ्ग स्फुरण फलः-

शकुन की दृष्टि से शरीर के किसी भी भाग में अचानक स्फुरण हो जाता है। यह स्फुरण यदि निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायु विकार से सम्बन्धित होता है। वह स्फुरण निष्फल होता है। यदि क्षणिक अंग स्फुरण हो, तो वा शुभाशुभ फल बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामाङ्ग एवं पूरूष का दक्षिणाङ्ग स्फुरण शुभ माना गया ह। विस्तृत फल निम्न प्रकार ज्ञात करें।

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक (सिर)	भूमिलाभ	भृकुटि	धन प्राप्ति	कण्ठ	भूषण प्राप्ति	पृष्ठ	पराजय	बाहु-प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति
ललाट	स्थान लाभ	नासिका	सुगन्ध लाभ	ग्रीवा	शत्रु भय	नाभि	स्त्रीनाश	गुप्ताङ्ग	प्रिय-प्राप्ति
नेत्र	प्रियदर्शनलाभ	दक्षिण कर्ण	आयु-वृद्धि	स्कन्ध	मित्र-समागम	कुक्षि	सुप्रीति	जङ्घा	हानिप्रद
कपोल	स्त्री सुख	वाम-कर्ण	भूषण लाभ	वक्षः स्थल	विजय	कटि प्रदेश	प्रिय-प्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि
भ्रूमध्य	सुख-प्राप्ति	अधर	प्रिय प्राप्ति	हृदय	इष्ट सिद्धि	हस्त	धन-प्राप्ति	पाद	स्थान-प्राप्ति

छींक (छिक्का) विचारः-

कोई शुभ कार्य प्रारम्भ करते समय अथवा यात्रा करते समय छींक आने पर अपशकुन माना जाता है। इसका विचार भारत वर्ष में प्रायः सभी प्रदेशों में होता है इसके विषय में अनेक लोकोक्ति अथवा घाघ, भड्डली इत्यादि की किवदन्तियाँ मुहावरों के रूप में प्रचलित हैं। संकेत में सारांश यह है, कि सूँघनी आदि पदार्थो के द्वारा ली गई बनावटी छींक निष्फल होती है। पीछे की छींक कुशलक्षेमकारक है। बाई ओर की छींक सभी कार्य को सिद्ध करने वाली सामने की छींक लड़ाई कराने वाली, दाहिनी ओर की छींक धन-नाश करने वाली, ऊँची छींक विजय देने वाली, नीची छींक भय करने वाली तथा अपनी अपनी छींक बहुत दुःख देने वाली होती है। कन्या, विधवा, मालिन, धोबिन, रजस्वला, वैश्या की छींक बहुत अशुभफल देने वाली होती है। यदि भोजन के अन्त में छींक आए तो दूसरे दिन प्रिय भोजन प्राप्त होता है।

सन्ध्यावन्दनादि, शयन के समय, शौच के समय, दानकाल, भोजन के समय बाई ओर तथा पीछे की छींक शुभफल करने वाली होती है। छींक के विषय में अनेक किंवदन्तियाँ प्रचलित हैं, उनमें से प्रचलित उक्ति यहाँ दी जा रही हैं-

छींकत न्हइयै छींकत खइयै, छींकत जइयै सोय। छींकत पर घर कबहूँ न जइयै सब सोने की होय। एक नाक दो छींका। इनसे सगुन होत है नीका।

* जन्म-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल *

ग्रह	तनु १	धन २	सहज ३	सुख ४	पुत्र ५	शत्रु ६	स्त्री ७	मृत्यु ८	धर्म ९	कर्म १०	लाभ ११	व्यय १२
सूर्य	उच्च-शरीर प्रवासी, रोग	भाग्यवान, मितव्ययी	पराक्रमी, अशान्तिचित	बन्धुवैरी, अशान्तचित	बुद्धिमान, वञ्चक	चतुष्पदकष्ठ राज्यव्यय	स्त्रीकष्ट, व्यापारी	कार्यशी, व्यसनी	भ्रातृपीड़ित, चिन्तायुक्त	परिश्रमी, मातृपीड़क	सन्ततिहीन, राज्यभोगी	नेत्रकष्ट युद्धविजयी
चन्द्र	धनी,सुखी दुर्बल, मूर्ख	विलासी, कुटम्बस्नेही	परिश्रमी, भ्रातृकष्ट	उच्चाधिकारी, स्त्रीपुत्रादिसुख	निर्मलबुद्धि, व्यापारी	शत्रुजित्, मातृकष्टप्रद	स्त्रीसुख, शत्रुकष्ट	संघर्षशील, व्याधियुक्त	साहसी, सुखी	धर्मात्मा, ऐश्वर्यशील	राज्यप्रतिष्ठा, कन्यासन्तति	नेत्ररोगी, अपूणमनोरथ
भौम	लौहाग्निकष्ट, स्त्रीपुत्रनाश	अल्पपरिवार, धनी	पराक्रमी, भ्रातृकष्ट	कुटुम्बकष्ट, राज्यलाभ	तीव्रजठराग्नि, सन्ततिनाशक	शत्रुजित्, बुद्धिमान्	स्त्रीनाशक, कर्त्तव्यहीन	दुर्भाग्यशीली, महाकष्ट	धनी, तेजस्वी	मंगलकार्यहीन, पराक्रमी	शत्रुनाशक, सन्ततिकष्ट	धर्मभ्रष्ट, वृथापवाद
बुध	अरिष्टनाश, श्रेष्ठबुद्धि	बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी	नम्रस्वभाव, व्यापारवृत्ति	प्रधानधिकारी, पितृधनहीन	स्वार्थी, कपटी	मनुष्यविरोधी, शत्रुवशी	स्त्रीसुखदायक, सौन्दर्यशीली	दीर्घायु, व्यापारी	बुद्धिमान, प्रतापी	पितृधनभोगी, नीतिज्ञ	धनी, सौन्दर्यप्रमी	शत्रुजित्, अतिथिपूजक
गुरु	सुखी स्वल्पवीर्यवान्	कवि, मुखरोगी	सहोदरयुत, कृतघ्नी	अनुष्ठानकता, शत्रुसेवित	लेखक, वक्ता, विलासी	मातृरोग, स्त्रीसुख	विभूतिमान, सौन्दर्यशीली	प्रवासी, ईर्ष्यालु	ब्राह्मणप्रेमी, आलसी	पुत्रचिन्ता, ज्ञानी	आभूषणप्रेमी, परमार्थी	अपयशी, वञ्चक
शुक्र	सौन्दर्यवान्, सुखी	बुद्धिमान्, काव्यप्रेमी	बन्धुहीन, कायर	मातृसेवक, महान्	सुपुत्रवान्, कवि	प्रबलशत्रु, दु:खी	कटिरोग, विलासी	चतुष्पदव्यय, प्रवासी	व्यापारी, पाखण्डी	वंशावरोधक, विप्रवृत्ति	कीर्तिवान्, गुणी	क्रीडक, बन्धुवैरी
शनि	तृष्णावान् चिन्तित	कटुभाषी, प्रवासी	युक्तभाषी, विघ्नयुक्त	चतुष्पदहीन, वातरोगी	पुत्रहीन, मित्रद्रोही	शत्रुजित्, पशुसुख	चञ्चलस्त्री, वाद-विवादी	बन्धुवियोग, रोगी	संन्यासी, कपटबुद्धि	बन्धुहीन, युद्धविजय	स्थिरवृद्धि, अस्थिरसंपत्ति	निर्लज्ज, शत्रुनाशक
राहु	शत्रुबलहन्ता स्त्रीचिन्ता	कुटुम्बनाशक, निर्भय	पराक्रमी, सम्मानित	मातृरोगी, क्रोधी	पुत्रवान्, स्त्रीचिन्तित	शत्रुनाशक, स्थिरधनी	स्त्रीहीन, लोकनिन्दित	कुटुम्बत्यागी, पण्डित	तीर्थसेवी, दयालु	व्यसनी, लोकनिन्दित	पुत्रवान्, दुष्टात्मा	सिद्धमनोरथ, दीनमैत्री
केतु	दुर्जन-संतप्त स्त्रीपुत्रकष्ट	मुखरोगी, कुटुम्बविरोधी	बाहुरोगी, शत्रुनाशक	मातृसुखहीन, पितृधननाशक	भ्रातृरोग, कष्ट	व्याधिनाश, शत्रुनाश	धननाश, जलभय	गुदारोग, निजगृहसेवी	क्लेशनाशक, म्लेच्छमैत्री	पितृसुखहीन, चतुष्पदपतन	भाग्यवान्, विद्वान	सद्व्ययी, नेत्ररोगी

* वर्ष-कुण्डली में द्वादशभावस्थ सूर्यादिग्रहों का फल *

ग्रह	तनु १	धन २	सहज ३	सुख ४	पुत्र ५	शत्रु ६	स्त्री ७	मृत्यु ८	धर्म ९	कर्म १०	लाभ ११	व्यय १२
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	कुटुम्बविरोधी	भ्रातृपीड़ा	कृषि-पशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुनाश	स्त्रीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धनमानलाभ	धनी,विलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफरोगी	कुटुम्बपरप्रभाव	भ्रातृसुख-धनी	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वाद-विवाद	खांसी, वातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	वेरीनाश,धनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
भौम	नेत्ररोगी	धनहानि	वाहनसुख	अग्निकष्ट,व्रण	सन्तानकष्ट	शत्रुनाश	स्त्रीरोग	शत्रुकष्ट	भाग्ययशवृद्धि	धनवृद्धि	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	स्त्रीसुखवृद्धि	वाहनलाभ	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	स्त्रीकष्ट	विलासी	कफ,ज्वर	धनपुत्रलाभ	पुत्रधनवृद्धि	धनयशवृद्धि	वैरीविवाद
गुरु	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्ततिसुख	शत्रु-स्त्रीकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरवृद्धि	धनलाभ	राज्यलाभ	विजयलाभ	रोगी,शत्रुवृद्धि
शुक्र	यशस्वी	धन-मानलाभ	सहोदरसुख	कृषिवाहनसुख	सन्तानवृद्धि	उदरविकार	स्त्रीसुख	शरीरकष्ट	धर्मशील	व्यापारी, धनी	सन्तानवृद्धि	नेत्र, चर्मरोग
शनि	वातरोगी	भ्रातृनाश	पराक्रमी	अग्निपीड़ा	पुत्रहानि	कीर्तिवृद्धि	स्त्रीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिवृद्धि	विशेषव्यय
राहु	स्त्रीकष्ट	बन्धुविवाद	धन-यशवृद्धि	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुनाश	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुनाश	स्थानभ्रंश
केतु	चिन्ता	परिवारक्लेश	वंशवृद्धि	वाहनपीड़ा	कुबुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यनाश	अर्थप्राप्ति	विविधलाभ	रोग, शोक
मुन्था	शरीरपुष्टि	उत्साही	पराक्रमी,धनी	शरीरपीड़ा	पुत्रयशलाभ	दुर्बलता	धन-धर्मनाश	व्यसनी	भाग्योदय	राज्यसुख	ऐश्वर्यप्राप्ति	दुष्टसंगति

व्रतपर्वोत्सव निर्णय समिति

1. प्रो. ओंकारनाथ चतुर्वेदी
2. प्रो. रामचन्द्र झा
3. प्रो. सदानन्द शुक्ल
4. प्रो. वेदप्रकाश उपाध्याय
5. प्रो. वाचस्पति त्रिपाठी
6. प्रो. हरिहर त्रिवेदी
7. प्रो. प्रेम कुमार शर्मा
8. प्रो. वासुदेव शर्मा
9. प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी
10. प्रो. बिहारीलाल शर्मा
11. प्रो. विनोद कुमार शर्मा
12. डॉ. यशवीर सिंह
13. प्रो. नीलम ठगेला
14. डॉ. दिवाकरदत्त शर्मा
15. डॉ. परमानन्द भारद्वाज
16. डॉ. सुधांशु भूषण पण्डा
17. डॉ. सुशील कुमार
18. डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी
20. डॉ. रश्मि चतुर्वेदी
21. डॉ. राजेश शर्मा

विक्रमी सम्वत् २०७५ पञ्चाङ्ग कार्यशाला में उपस्थित ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र के महानुभाव









विद्यापीठीय-स्वर्णजयन्तीसदनम्
(ज्योतिष-विभाग)



१. **ज्योतिष–प्रवेशिका** यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम वैदिक ज्योतिष की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।

२. **ज्योतिष–प्राज्ञ** यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त और उनकी प्रयोग विधि द्वारा जन–जीवन को घटनाओं के पूर्वानुमान की विधि पर आधारित है।

३. **ज्योतिष–भूषण** यह द्विवर्षीय एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्योतिष शास्त्र की विशिष्ट जानकारी पर आधारित है।

४. **शास्त्री** यह तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।

५. **आचार्य** यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है, जो सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष दोनों विषयों में चलाया जाता है।

६. **पी–एच.डी.** ज्योतिष शास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी पहलुओं पर शोध के माध्यम से नवीन तथ्यों की जानकारी के लिए यह अनुसन्धानमूलक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

७. **मेडिकल एस्ट्रोलॉजी** यू.जी.सी. द्वारा प्रदत्त SAP (DRS-I, II, III ज्यो.) प्रोग्राम के अन्तर्गत मेडिकल एस्ट्रोलॉजी में शोध एवं शिक्षण कार्य हेतु विद्यापीठ के ज्योतिष–विभाग का चयन किया गया है। एतदर्थ मेडिकल ऐस्ट्रोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम जनवरी २००५ से प्रारम्भ किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार स्वीकृति मिलने पर इसे भी प्रमाणपत्रीय, डिप्लोमा एवं एडवान्स डिप्लोमा पाठ्यक्रम के रूप में सञ्चालित किया जायेगा।

नोट – सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया वर्ष में दो बार जून–जुलाई एवं दिसम्बर–जनवरी में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। प्रमाणपत्रीय एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती है।

मुद्रक : गणेश प्रिंटिंग प्रेस- नई दिल्ली ११००१६